खण्ड–525, अंक–08
शनिवार, 21 माघ, शक संवत् 1945
(दिनांक 10 फरवरी, 2024 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)
(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2024)

(खण्ड 525 में 08 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2024

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
उत्तर प्रदेश राज्य सहबद्ध और स्वास्थ्य देख-रेख परिषद् नियमावली, 2023 (सदन के पटल पर रखी गयी)	7
उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड के अट्ठारहवाँ वर्षिक लेखा प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022 (विलम्ब के कारण सहित) (सदन के पटल पर रखा गया)	7
याचिकाओं का उपस्थापन (जारी)	7
इंजी0 बृजेश कठेरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद मैनपुरी से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	7
डॉ0 आर0 के0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	7-8
डॉ0 आर0के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	8
डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	8
डॉ0 रागिनी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	8
श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	8
डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	8
प्रो0 श्याम बिहारी लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	8
श्री लालजी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	9
श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	9
श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	9
श्री अनिल कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	9

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	9
श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	9
श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	10
श्री आशुतोष शुक्ल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	10
श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	10
श्री कैलाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	10
श्री गुलाम मौहम्मद, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	10
श्री चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	10-11
श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	11
श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	11
श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	11
श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	11
श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	11
श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	11-12
श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	12
श्री रवेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अलीगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	12

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री दुर्गा प्रसाद यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	12
श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	12
श्री देवेन्द्र कुमार निम, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	12
श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	12
श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	13
श्री नाहिद हसन, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	13
श्री निर्मल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	13
श्री पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	13
श्रीमती पूनम संखवार, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर देहात से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	13
याचिकाओं के उपस्थापन में श्रीमती पूनम संखवार, सदस्य, विधान सभा के नाम से पहले श्री लिखे होने पर श्री अध्यक्ष के निर्देश	13
याचिकाओं का उपस्थापन	14
श्री प्रदीप कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	14
श्री बाबूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	14
श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	14
श्री मदन भैया, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	14
श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	14

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	14
श्री महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	15
श्री मो0 ताहिर खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	15
श्री मुकेश चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	15
श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	15
श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	15
श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	15-16
श्री राजीव कुमार सिह उर्फ बब्बू भईया, सदस्य, विधान सभा की जनपद बदायूँ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	16
श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	16
श्री राजेश त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोरखपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)...	16
श्री राम निवास वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	16
श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	16
श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)... ...	16-17
श्री राम चन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	17
श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	17

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्रीमती विजमा यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	17
श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	17
श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	17
श्री विशम्भर सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाँदा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	17-18
श्री वीरेन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	18
श्री शशांक त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	18
श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	18
श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	18
श्री संजय कुमार शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	18
श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	18
श्री समरपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	19
श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	19
श्री सर्वेश सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	19
श्री सीताराम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	19
श्री सौरभ सिंह 'सोनू', सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	19

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	19
श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	20
श्री हाकिम लाल बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	20
श्रीमती अर्चना पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद कन्नौज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	20
डॉ0 मंजू शिवाच, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	20
श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	20
श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	20
श्रीमती सैय्यदा खातून, सदस्य, विधान सभा की जनपद सिद्धार्थनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	21
डॉ0 मनोज कुमार प्रजापति, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	21
श्री राज प्रसाद उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	21
श्री अशोक कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	21
डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	21
श्री राजेन्द्र कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	21-22
श्री पीयूष रंजन निषाद, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	22
श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	22

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	22
श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	22
डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुयी मानी गयी)	22
उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 (पारित)	23-25
उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर संशोधन विधेयक, 2024 (पारित) ...	25-39
उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2024-2025 की 'लोक लेखा समिति', 'प्राक्कलन समिति', 'अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति', 'सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति', 'प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति' 'पंचायती राज समिति' तथा मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम निर्धारण की सूचना...	40-41
उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2024-2025 की 'लोक लेखा समिति', 'प्राक्कलन समिति', 'अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति', 'सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति', 'प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति' 'पंचायती राज समिति' तथा मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों में विधान सभा के नाम-निर्देशित करने हेतु श्री अध्यक्ष को प्राधिकृत किये जाने का प्रस्ताव (सर्वसम्मति से स्वीकृत) ...	41-42
वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर मदवार चर्चा हेतु समय का निर्धारण	42-43
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान (जारी)	43
अनुदान संख्या-11-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि)... ...	43-50
अनुदान संख्या-37-नगर विकास विभाग...	50-55
अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा), अनुदान संख्या-36-चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य)	55-60

विषय	पृष्ठ-संख्या
अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान), अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु), अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) तथा अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य संपत्ति निदेशालय) ...	60-75
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के प्रस्तुतीकरण के समय सम्बन्धित विभाग के प्रमुख सचिव के अनुपस्थित रहने के सम्बन्ध में श्री राकेश प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा द्वारा व्यवस्था की माँग... ..	75
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान	76-93
कृषि मंत्री द्वारा दिये गये भोज एवं दिनाँक 11 फरवरी, 2024 को अयोध्या धाम के दर्शन की सूचना	93-101
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा में दलीय नेताओं को बोलने हेतु समय का निर्धारण	101
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा ...	101-158
भारत सरकार द्वारा स्व0 चौधरी चरण सिंह, स्व0 एस0 स्वामीनाथन, स्व0 कर्पूरी ठाकुर, श्री लाल कृष्ण आडवाणी तथा स्व0 नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किये जाने पर सदन की ओर से बधाई... ...	158
वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के शेष अनुदानों की माँगों पर समेकित रूप से विचार एवं मतदान तथा उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 के पुरःस्थापन सम्बन्धी मदें आज ही लिये जाने विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत) ...	158-159
अनुदान संख्या-1 लगायत-10, 12 लगायत 28, 30, 33 लगायत 35, 38 लगायत 53, 60 लगायत 63, 65 लगायत 87, 89 तथा 91 लगायत 95 (स्वीकृत)	159-168
उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 (पारित)	169-177
दिनाँक 11-02-2024 को आयोध्या दर्शन के लिए जाने वाले सदस्यों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश	178
आज सदन में उपस्थित सदस्यों की ही याचिकाएँ, नियम-301 की सूचनाएँ व नियम-51 की सूचनाओं की स्वीकृति के सम्बन्ध में पीठ से निर्देश ...	178-179
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएँ	179-184
जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	184

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद रामपुर के विधान सभा क्षेत्र स्वार के अन्तर्गत कतिपय अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	185
नागरिक सुरक्षा विभाग में स्वयंसेवक की कमी व उनका सम्मान रोके जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	185-186
जनपद अम्बेडकरनगर की तहसील भीटी में गरीब की जमीन से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	186
जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत खागा से चौकी चौराहा तक मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	186
जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत ग्राम परसनपुर में मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	187
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूँ के ग्राम मईडीह में विद्युत सब-स्टेशन की क्षमता बढ़ाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	187
जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के ग्राम गहरू में स्टेडियम बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	187-188
जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र सहजनवा के विकास खण्ड पिपरौली में मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	188
जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र करछना के अन्तर्गत ग्राम सभा बेंदौ में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	188
जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के अन्तर्गत ग्राम सभा सिरखिडि में पुलिया का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	188-189
जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र कोराँव के कतिपय ग्राम सभाओं में विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	189
जनपद कासगंज के अन्तर्गत अमाँपुर में कतिपय पुलिया के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	189
जनपद गोरखपुर के बांसगाँव में खेलकूद उपकरणों को लगाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	190
जनपद लखनऊ के मलिहाबाद में कतिपय सड़कों एवं पुल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	190-195
जनपद कासगंज के सदर में कतिपय मार्गों की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	195

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद बुलन्दशहर के ग्राम बहलीमपुरा में सम्पर्क मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	195-196
जनपद सहारनपुर में जिला पूर्ति अधिकारी के खिलाफ जाँच के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	196
जनपद पीलीभीत के ग्राम लिलहर में पौराणिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	196
जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई में कतिपय बाईपास के नव निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	196-197
जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा में कतिपय प्लाट पर कब्जा दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	197
जनपद प्रतापगढ़ में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	197-198
जनपद बुलन्दशहर के सिकन्दराबाद में कतिपय मार्ग को फोर लेन किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	198
जनपद गोण्डा के तरबगंज में कतिपय पुलों एवं लघु सेतुओं के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	198-199
जनपद अलीगढ़ महानगर में कतिपय ओवरब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	199
जनपद बरेली के कतिपय परिवारों को मुख्य मंत्री कोष से आर्थिक सहायता दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	200
जनपद सीतापुर के तहसील बिसवां में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	200
जनपद महोबा के चरखारी में राजकीय महाविद्यालय के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	200
जनपद एटा के कस्बा घुमरी में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	201
जनपद बलिया के बैरिया में कतिपय सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	201-203
जनपद मुरादाबाद के नगर पंचायत भेजपुर में सब-स्टेशन बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	204

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद रायबरेली की तहसील ऊँचाहार के अन्तर्गत ब्लाक जगतपुर में भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	204-205
जनपद आजमगढ़ के लालगंज में मरही पोखरी के सुन्दरीकरण व अन्य सुविधाएं दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	205
जनपद लखनऊ के विकास खण्ड बक्शी का तालाब अन्तर्गत रैथा मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	205-206
जनपद रायबरेली के अन्तर्गत पटेल नगर में अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	206
जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली में कतिपय पौराणिक स्थलों की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	207
जनपद हरदोई के नगर पंचायत कछौना में कतिपय मार्ग के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	207-208
जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम सादुल्लापुर में कतिपय रास्ते को खुलवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	208
जनपद जालौन के कोंच नगर पालिका में सीवर लाइन के पुनः निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	208-209
जनपद प्रयागराज के हण्डिया में कतिपय मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	209
जनपद फतेहपुर में राजकीय कृषि महाविद्यालय की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	209
जनपद शामली में जिला न्यायालय भवन के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	209-210
जनपद हाथरस के विकास खण्ड मुरसान में कतिपय मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	210
प्रदेश में दुर्घटनाओं से बढ़ रही मृत्यु दर के कारण इमरजेंसी सेवाओं की तरह पोस्टमार्टम की सेवाएं चौबीस घण्टे कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	210-211
जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के पास प्राथमिक विद्यालय के पास मदिरा विक्रय की दुकान हटाने जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	211
जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	211

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में मण्डी समिति की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	211-212
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	212
जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र बीकापुर में महोली मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	212-213
जनपद सहारनपुर के नकुड़ विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय ग्राम तालाबों की सफाई कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	213
जनपद शामली के यमुना संगम स्थल से उत्तराखण्ड की सीमा तक जर्जर मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	213-214
जनपद हमीरपुर के कस्बा सुमेरपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	214
जनपद झांसी के तहसील मोंठ में हुए अवैध कब्जे को हटाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	214-215
जनपद अयोध्या के मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र में बने आश्रम पद्धति विद्यालय को चालू कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	215
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	215-216
जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के ग्राम सैदपुर में कतिपय नाली एवं सड़कों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	216
जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र प्रतापपुर में खेलकूद हेतु स्टेडियम बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	216
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत कतिपय सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	216-217
जनपद अमरोहा के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ड्रेनेज सिस्टम बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	217
जनपद बलिया के सिकन्दरपुर में घाघरा नदी पर बन रहे पुल के कार्य को पुनः चालू कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	217-218
जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कांठ के अन्तर्गत रेलवे ट्रैक पर ओवरब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	218

विषय	पृष्ठ-संख्या
प्रदेश के समस्त राज्य कर्मचारी का रोका गया नगर प्रतिकर भत्ता दिलाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	218
जनपद मैनपुरी के नगर पंचायत किशनी में बारात घर के मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	219
जनपद जालौन के कालपी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पूर्व से मंजूर स्टेट हाई-वे का कार्य चालू कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	219
जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	219
जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत कतिपय नालियां तथा सड़क बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	220
जनपद कानपुर के कैंट विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय सड़क व नाली बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	220
जनपद प्रतापगढ़ की तहसील पट्टी के ग्राम पंचायत पंडरी जबर में मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	221
जनपद प्रतापगढ़ के रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पुल का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	221
जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा के अन्तर्गत कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	221-222
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	222
जनपद बाराबंकी में विद्युत व्यवस्था बेहतर किए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	222-223
जनपद चित्रकूट सहित पूरे प्रदेश में गौशालाओं को भुगतान दिलाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	223
जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मऊ आइमा में नाली के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	223-224
जनपद बाराबंकी के हैदरगढ़ में सड़क मार्ग से अवैध कब्जा हटाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	224
जनपद मुरादाबाद के धनौरा के गजरौला में ट्रामा सेण्टर व मेडिकल कालेज की स्थापना के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	224-225

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद में राजकीय महिला इण्टर कालेज की स्थापना के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	225
जनपद बिजनौर के नूरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	225
जनपद अयोध्या के रुदौली में आई0टी0आई0 मवई को संचालित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	225-226
जनपद उन्नाव के अन्तर्गत चकरवंशी में पक्के नाले के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	226
जनपद बिजनौर के विकास खण्ड नूरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	226-227
जनपद बिजनौर के नगीना के कस्बा किरतपुर में रोडवेज बस अड्डा बनवाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	227
सरकारी विभागों में तैनात दिव्यागंजनों के पदोन्नति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	227-228
जनपद लखनऊ के ग्राम चकौली की तहसील सरोजनीनगर में दबंगों द्वारा अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	228
जनपद शाहजहांपुर के कटरा में प्रत्येक ग्राम के डामरीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	228-229
खुर्जा विधान सभा क्षेत्र में खुर्जा-सिकन्दराबाद रोड पर नगर पालिका परिषद् द्वारा अनाधिकृत रूप से कूड़ा डाले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	229
जनपद जौनपुर के बदलापुर में कतिपय मार्ग के चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	229
जनपद बिजनौर के नजीबाबाद में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	230
जनपद बरेली के मगदपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	230
जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी में कच्चे मार्ग को सी0सी0 कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	230-231
जनपद बस्ती में सीवर लाइन बिछवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	231

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद अमेठी के ग्राम सिधियावां के कतिपय मार्ग पर इण्टरलॉकिंग के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	231-232
जनपद सुल्तानपुर के तहसील लम्भुआ में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	232
जनपद उन्नाव के सिकन्दरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	232
जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना में कतिपय सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	233
जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर में गौ-शाला के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	233
जनपद उन्नाव के सदर में ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए विद्युत पोल लगाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	233-234
जनपद सहारनपुर में कतिपय कम्पनी द्वारा पानी की टंकी की सफाई में की जा रही धांधली के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	234-235
जनपद लखनऊ के कतिपय स्थान पर बारिश के पानी से निजात दिलाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	235-236
जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावल में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	236
जनपद जालौन के उरई में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	236
जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र खागा में यमुना नदी पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	236-237
जनपद बदायूँ के दातागंज में स्वीकृत विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	237
जनपद रामपुर में 18 टायरों वाले ट्रक के रास्ते को बदलने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	237
जनपद हरदोई में कतिपय जमीन की पैमाइश के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	237-238
जनपद मुरादाबाद की नगर पालिका परिषद् बिलारी में कतिपय तालाब पर अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	238

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद रायबरेली के ऊँचाहार में कतिपय अपात्रों को भूमि पट्टा कराये जाने के सम्बन्ध में नियम- 301 के अन्तर्गत सूचना	238-239
जनपद आजमगढ़ के सगड़ी जूनियर हाई स्कूल के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	239
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएँ	239-247
प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों/राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान/ के0जी0एम0यू0 के विभिन्न भर्तियों में आरक्षण नियमों की अवेहलना से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का वक्तव्य...	247-248
दिनांक 12-02-2024 को विधान सभा के मोबाइल एप की लॉचिंग के सम्बन्ध में सूचना	248
विधान सभा के कर्मचारियों एवं लिफ्टमैन के लिए पूर्व में स्वीकृत मानदेय रु0 14,500 में रु0 1000 वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में ...	249
सदन के सुचारु रूप से संचालन के लिए मा0 संसदीय कार्य मंत्री द्वारा आभार...	249
मा0 सदस्यों द्वारा प्रत्येक सदस्य के लिए अपने क्षेत्र में 200 हैण्डपम्प एवं लोकतंत्र सेनानियों को पेंशन में बढ़ोत्तरी किये जाने की माँग... ...	249-251
सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव (स्वीकृत) ...	251-252
नत्थियाँ	253-324

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 10:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

शनिवार, दिनांक 10 फरवरी, 2024

उपस्थित सदस्य-355

1.	अकित भारती, श्री	गाजीपुर
2.	अंकुर तिवारी, श्री	सन्तकबीरनगर
3.	अखिलेश, श्री	आजमगढ़
4.	अखिलेश यादव, श्री	मैनपुरी
5.	अजय, श्री	गोण्डा
6.	अजय कुमार, डॉ0	बागपत
7.	अजय सिंह, श्री	बस्ती
8.	अजीत पाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद
9.	अजीत सिंह पाल, श्री	कानपुर देहात
10.	अतुल गर्ग, श्री	गाजियाबाद
11.	अतुल प्रधान, श्री	मेरठ
12.	अदिति सिंह, श्रीमती	रायबरेली
13.	अनिल कुमार, श्री	मुजफ्फरनगर
14.	अनिल प्रधान, श्री	चित्रकूट
15.	अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री	सन्तकबीरनगर
16.	अनिल कुमार मौर्य, डॉ0	सोनभद्र
17.	अनिल कुमार वर्मा, श्री	सीतापुर
18.	अनिल कुमार सिंह, श्री	उन्नाव
19.	अनिल पाराशर, श्री	अलीगढ़
20.	अनुपमा जायसवाल, श्रीमती	बहराइच
21.	अनुराग सिंह, श्री	मिर्जापुर
22.	अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री	अलीगढ़
23.	अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती	हाथरस
24.	अभय सिंह, श्री	अयोध्या
25.	अभिजीत सिंह ''साँगा'', श्री	कानपुर नगर
26.	अमरेश कुमार, श्री	लखनऊ
27.	अमित अग्रवाल, श्री	मेरठ
28.	अमित सिंह चौहान, डा0	अयोध्या
29.	अमिताभ बाजपेई, श्री	कानपुर नगर
30.	अरमान खान, श्री	लखनऊ
31.	अरुण कुमार, डॉ0	बरेली
32.	अर्चना पाण्डेय, श्रीमती	कन्नौज
33.	अलका सिंह, श्रीमती	हरदोई
34.	अवधेश प्रसाद, श्री	अयोध्या
35.	अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री	चित्रकूट
36.	अशरफ अली खान, श्री	शामली
37.	अशोक कुमार, श्री	रायबरेली
38.	अशोक कुमार राणा, श्री	बिजनौर
39.	असीम अरुण, श्री	कन्नौज
40.	असीम कुमार, श्री	कुशीनगर
41.	आकाश सक्सैना (हनी) श्री	रामपुर
42.	आदित्यनाथ योगी, श्री	गोरखपुर
43.	आनन्द कुमार यादव, श्री	बहराइच
44.	आर0 के0 पटेल, डॉ0	जौनपुर
45.	आर0के0 वर्मा, डॉ0	प्रतापगढ़
46.	आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती	प्रतापगढ़

47. आशा मौर्य, श्रीमती सीतापुर
48. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री हरदोई
49. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
50. आशु मलिक, श्री सहारनपुर
51. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
52. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
53. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
54. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
55. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
56. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
57. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
58. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
59. ओम कुमार, श्री बिजनौर
60. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
61. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
62. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
63. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
64. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
65. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
66. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
67. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
68. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
69. कैलाश, श्री चंदौली
70. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
71. गणेश चन्द्र, श्री सन्तकबीरनगर
72. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
73. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
74. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
75. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
76. गुलाब देबी, श्रीमती सम्भल
77. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
78. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
79. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
80. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
81. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
82. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
83. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
84. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
85. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
86. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
87. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
88. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
89. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
90. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
91. जयमंगल, श्री महराजगंज
92. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
93. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
94. जाहीद, श्री भदोही
95. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
96. जी0एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
97. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
98. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
99. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
100. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
101. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
102. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
103. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
104. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
105. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
106. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
107. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
108. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
109. दीपक कुमार मिश्र 'शाका', श्री देवरिया

110. दुधराम, श्री बस्ती
111. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
112. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
113. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
114. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
115. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
116. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
117. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
118. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
119. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
120. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
121. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
122. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
123. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
124. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
125. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
126. नीरज बोरा, डॉ लखनऊ
127. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
128. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
129. पंकज पटेल, श्री जौनपुर
130. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
131. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
132. पंचानन्द पाठक (पी0एन0पाठक), श्री कुशीनगर
133. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
134. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
135. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
136. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
137. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
138. पूजा पाल, श्रीमती कौशाम्बी
139. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
140. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
141. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
142. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
143. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
144. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
145. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
146. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
147. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
148. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
149. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
150. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
151. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
152. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
153. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
154. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
155. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
156. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
157. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
158. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
159. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
160. बाबूराम, श्री पीलीभीत
161. बाबूलाल, श्री आगरा
162. बावन सिंह, श्री गोण्डा
163. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
164. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
165. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
166. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
167. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
168. बेदी, श्री गाजीपुर
169. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
170. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
171. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
172. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
173. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
174. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर

175. मंजू त्यागी, श्रीमती — खीरी
176. मनीष असीजा, श्री — फिरोजाबाद
177. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री — कुशीनगर
178. मनीष रावत, श्री — सीतापुर
179. मनीषा, श्रीमती — हमीरपुर
180. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री — रायबरेली
181. मनोज कुमार पारस, श्री — बिजनौर
182. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 — हमीरपुर
183. मनोहर लाल, श्री — ललितपुर
184. मन्जू शिवाच, डॉ0 — गाजियाबाद
185. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री — अमेठी
186. महबूब अली, श्री — अमरोहा
187. महाराजी प्रजापति, श्रीमती — अमेठी
188. महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, श्री — अमरोहा
189. महेन्द्र नाथ यादव, श्री — बस्ती
190. महेन्द्र पाल सिंह, श्री — गोरखपुर
191. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री — बदायूं
192. महेश त्रिवेदी, श्री — कानपुर नगर
193. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
194. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — हरदोई
195. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती — बुलन्दशहर
196. मुकेश चौधरी, श्री — सहारनपुर
197. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 — फिरोजाबाद
198. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती — अलीगढ़
199. मूल चन्द्र सिंह, श्री — जालौन
200. मेघश्याम, श्री — मथुरा
201. मो0 ताहिर खान, श्री — सुल्तानपुर
202. मोहन वर्मा, श्री — कुशीनगर
203. मोहम्मद हसन 'रुमी', श्री — कानपुर नगर
204. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री — कानपुर नगर
205. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री — मुरादाबाद
206. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री — आगरा
207. योगेश धामा, श्री — बागपत
208. योगेश वर्मा, श्री — खीरी
209. योगेश शुक्ला, श्री — लखनऊ
210. रघुराज प्रताप सिंह, श्री — प्रतापगढ़
211. रत्नाकर मिश्रा, श्री — मिर्जापुर
212. रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
213. रमा शंकर सिंह, श्री — मिर्जापुर
214. रमेश सिंह, श्री — जौनपुर
215. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री — जौनपुर
216. रमेश जायसवाल, श्री — चन्दौली
217. रविदास मेहरोत्रा, श्री — लखनऊ
218. रवि शर्मा, श्री — झांसी
219. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री — अलीगढ़
220. रश्मि आर्य, डॉ0 — झांसी
221. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री — महोबा
222. राकेश प्रताप सिंह, श्री — अमेठी
223. राकेश पाण्डेय, श्री — अम्बेडकरनगर
224. राकेश राठौर, श्री — सीतापुर
225. राकेश सचान, श्री — कानपुर देहात
226. रागिनी, डॉ0 — जौनपुर
227. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 — बरेली
228. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री — इटावा
229. राजकुमार सहयोगी, श्री — अलीगढ़
230. राजपाल सिंह बालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
231. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री — सुल्तानपुर
232. राजमणि, श्री — प्रयागराज
233. राजीव तरारा, श्री — अमरोहा
234. राजीव गुम्बर, श्री — सहारनपुर
235. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री — बदायूं
236. राजीव सिंह 'पारीक्षा', श्री — झांसी
237. राजेन्द्र कुमार, श्री — प्रतापगढ़
238. राजेन्द्र कुमार, श्री — मऊ

239. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
240. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
241. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
242. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
243. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
244. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
245. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
246. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
247. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
248. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
249. रामकेश निषाद, श्री बांदा
250. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
251. रामचन्द्र यादव, श्री अयोध्या
252. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
253. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
254. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
255. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
256. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
257. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
258. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
259. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
260. राम सिंह पटेल, श्री प्रतापगढ़
261. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
262. रिंकी कोल, श्रीमती मिर्जापुर
263. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
264. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
265. लकी यादव, श्री जौनपुर
266. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
267. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
268. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
269. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
270. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
271. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
272. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
273. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
274. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
275. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
276. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
277. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
278. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
279. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
280. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
281. विपुल दुबे, श्री भदोही
282. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
283. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
284. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
285. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
286. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
287. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
288. वीरेन्द्र यादव, डॉ0 गाजीपुर
289. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
290. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
291. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
292. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
293. शशांक वर्मा, श्री खीरी
294. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
295. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
296. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
297. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
298. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
299. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
300. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
301. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
302. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर

303. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
304. संग्राम सिंह, श्री बलिया
305. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
306. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
307. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
308. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
309. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
310. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
311. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
312. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
313. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
314. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
315. सभाकुंवर, श्री देवरिया
316. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
317. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
318. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
319. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
320. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
321. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
322. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
323. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
324. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
325. सुधाकर सिंह, श्री मऊ
326. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
327. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
328. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
329. सुभाष द्विवेदी, श्री बहरादच
330. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
331. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
332. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
333. सुरेश मैथानी, श्री कानपुर नगर
334. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
335. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
336. सुरेश राही, श्री सीतापुर
337. सुशान्त सिंह, कुँवर बिजनौर
338. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
339. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
340. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
341. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
342. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
343. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
344. सौरभ सिंह सोनू, खीरी
345. स्वामी ओऊमवेश, श्री बिजनौर
346. हंसु राम, श्री बलिया
347. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी खीरी
348. हरिओम, श्री कासगंज
349. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहाँपुर
350. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
351. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
352. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री प्रयागराज
353. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
354. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
355. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़

नोट :- मत्स्य मत्री (श्री संजय निषाद), ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री (श्री ए0के0 शर्मा), आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालू'), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नरेन्द्र कश्यप), होमगार्ड्स, नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री धर्मवीर प्रजापति) भी सदन में उपस्थित थे।

[10:00] उत्तर प्रदेश राज्य सहबद्ध और स्वास्थ्य देख-रेख परिषद् नियमावली, 2023†

चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-4 की अधिसूचना संख्या-25/71-4099-192-2021, दिनांक 17-02-2023 द्वारा निर्गत उत्तर प्रदेश राज्य सहबद्ध और स्वास्थ्य देख-रेख परिषद् नियमावली, 2023 को राष्ट्रीय सहबद्ध और स्वास्थ्य देख-रेख वृत्ति आयोग अधिनियम, 2021 की धारा-68 (3) के अधीन सदन के पटल पर रखता हूँ।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड का अट्ठारहवां वार्षिक लेखा प्रतिवेदन वर्ष 2021-2022††

ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा नगर विकास मंत्री (श्री ए0 के0 शर्मा)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड का अट्ठारहवां वार्षिक लेखा प्रतिवेदन वर्ष 2021-22 कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा-395(1)(बी) के अधीन विलम्ब के कारण सहित सदन के पटल पर रखता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या 3 व 4 में कुछ नहीं है। अब मद संख्या-5।

[10:01] याचिकाओं का उपस्थापन

श्री अध्यक्ष-

जो मा0 सदस्य उपस्थित नहीं है उनकी याचिकाएं नहीं ली जायेंगी।

इंजी0 बृजेश कठेरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद मैनपुरी से सम्बन्धित याचिका†

इंजी0 बृजेश कठेरिया, सदस्य, विधान सभा की जनपद मैनपुरी की विधान सभा क्षेत्र किशनी में मैनपुरी-किशनी पर नगला सड़क से सुगाँव तक व कतिपय मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गंगाराम यादव व अन्य निवासीगण जनपद मैनपुरी की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 आर0के0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 आर0के0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर के ग्राम रामनगर में रमाशंकर की राइस मिल से डा0 ज्ञानचन्द्र पटेल के घर तक तथा करमचन्द्र पटेल के घर से चन्द्रबली पटेल की दुकान तक व जोखूलाल गुप्ता के घर से रामसेवक पटेल के घर तक सड़क

---

† छापी नहीं गयी।

†† छापा नहीं गया।

का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम आसरे पटेल व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 आर0 के0 पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मडियाहूँ के अन्तर्गत एन0एच0-135 ए, संजय नगर से रासवादिया होते हुए परियत तक सड़क मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रमोद कुमार पटेल व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ के एस0ची0एम0 कॉलोनी, अर्जुनगंज में अण्डरग्राउण्ड नाली का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विमल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 रागिनी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 रागिनी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के ग्राम जमुआ में पप्पू मोदनवाल के घर से हरिजन बस्ती तक एवं ग्राम सभा परसथ से चकनारायणपुर बार्डर तक पिच रोड का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बृजमोहन चौहान व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर के विकास खण्ड खुदागंज के अन्तर्गत नेशनल हाई-वे-30 से ग्राम कुसक होते हुए ग्राम भौना तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने से सम्बन्धित याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 सुनील पटेल, सदस्य, विधान सभा की जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-387, रोहनिया के मोहनसराय मातलदेई अदलापुर मार्ग व अन्य मार्गों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बसन्त लाल व अन्य निवासीगण जनपद वाराणसी की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

प्रो0 श्याम बिहारी लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका†

प्रो0 श्याम बिहारी लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में स्थित टिसुआ से हसनगंज के मध्य कैलाश नदी पर सेतु बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री विनय सक्सेना व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री लाल जी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री लालजी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद अम्बेडकरनगर, विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत ग्राम सभा खेवार से केदारनगर सम्पर्क मार्ग अति जर्जर/क्षतिग्रस्त है उक्त मार्ग की मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामजनम व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ के सीतापुर रोड स्थित कृष्ण लोक कालोनी में माँ वैष्णों गेस्ट हाउस से कॉलोनी के मुख्य द्वार तक 300 मी0 सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट से सम्बन्धित याचिका†

श्री अनिल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद चित्रकूट के विधान सभा क्षेत्र-236, सदर के अन्तर्गत माँ मंदाकिनी नदी की सफाई व जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश पटेल व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अनिल कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित याचिका†

श्री अनिल कुमार सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा में उन्नाव-मौरावाँ-मोहनलालगंज मुख्य मार्ग ग्राम जबरेला में सई नदी पर सेतु को बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री बृजेश शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित याचिका†

श्री अभय सिंह, सदस्य, विधान सभा की उ0प्र0 स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग में कार्यरत कार्मिकों की सेवा सम्बन्धी व्यवस्थाओं में सुधार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रोहित कुमार, निवासी जनपद अयोध्या की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री अमिताभ बाजपेई, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर के हैलट हास्पिटल में बने अधूरे बर्न वार्ड एवं अधूरे आर्थो वार्डों को पूरा कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नीरज सिंह, निवासी जनपद कानपुर नगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री अरमान खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र पश्चिम के अन्तर्गत बरदानी मन्दिर हरदोई रोड के बगल से अहिरन खेड़ा मोड़ होते हुए नूरानी मस्जिद के पास आवासीय मकानों तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शाह आलम व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री आशुतोष शुक्ल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित याचिका†

श्री आशुतोष शुक्ल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव की तहसील बीघापुर-बक्सर मार्ग (सिद्धपीठ माँ चन्द्रिका देवी मन्दिर को जोड़ने वाला मार्ग) का उच्चीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गंगा किशन मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-350, दीदारगंज की ग्राम सभा करुई के बरदह माहुल रोड लारपुर जोखू नहर से लेकर करुई माइनर होते हुए नोनारी बाजार तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक यादव व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री कैलाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद चन्दौली से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री कैलाश, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद चन्दौली के विधान सभा क्षेत्र चकिया में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में डा0 केशव मूर्ति व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका व्यपगत हुयी।

श्री गुलाम मौहम्मद, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित याचिका†

श्री गुलाम मौहम्मद, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ के विकास खण्ड सरुरपुर के कस्बा खिवाई में नेपड़ी तालाब से अंगूरों के बाग रोहटा रोड तक लम्बाई लगभग 2.50 कि0मी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शमसाद व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), सदस्य, विधान सभा की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर के ग्राम रारा में नीरज तिवारी के घर से काली माता मन्दिर तक रोड का

† छापी नहीं गयी।

निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तरुण सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका†

श्री चन्द्रपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई के ब्लॉक दानपुर के अन्तर्गत ग्राम धीमरी बम्बे के पुल से बाग में होते हुए ग्राम धीमरी की गऊशाला तक 1000 मी0 मार्ग इण्टलॉकिंग द्वारा नवनिर्मित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनेश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा से सम्बन्धित याचिका†

श्री बाबूलाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद आगरा के ब्लॉक अकोला के ग्राम इकराम नगर से नहर पटरी पर बसेरी चाहर तक सड़क को पक्का बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री कप्तान चाहर व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका†

श्री जय प्रकाश अंचल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया के बी0एस0टी0 बन्धे से श्रीनगर होकर दलछपरा तक सड़क मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित याचिका†

श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र बरखेड़ा के ग्राम रमपुरा में पूरनलाल के घर से नंदलाल वर्मा के घर तक पक्का रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नंदलाल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका†

श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया की तहसील सिकन्दरपुर के अन्तर्गत सिकन्दरपुर-देवकली छितौना मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमरदेव यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री जै किशन साहू, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर के ग्राम सभा बरहपुर नंदगंज बाजार के अन्तर्गत नाला का निर्माण कार्य कराये जाने के

† छापी नहीं गयी।

सम्बन्ध में श्री अमन जायसवाल व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज से सम्बन्धित याचिका†

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज के भुवना पकड़ियार कप्तानगंज मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भोला मल्ल व अन्य निवासीगण जनपद महराजगंज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री रवेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अलीगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री रवेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अलीगढ़ के अन्तर्गत विकास खण्ड अकराबाद के ग्राम विजयगढ़ में राजकीय कन्या महाविद्यालय बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रभात वार्ष्णेय व अन्य निवासीगण जनपद अलीगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री दुर्गा प्रसाद यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री दुर्गा प्रसाद यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र सदर में निजामाबाद मार्ग से मोतीगंज बाजार से बसही, बीबीपुर, गोपालपुर होते हुए बढ़या पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भीम कन्नौजिया व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका†

श्री दुधराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती के महदेवा विधान सभा क्षेत्र के विकास खण्ड बनकटी के ग्राम सैदवार सम्पर्क मार्ग मेहड़ा गाँव के सम्पर्क मार्ग तक विशेष मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमन श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री देवेन्द्र कुमार निम, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री देवेन्द्र कुमार निम, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर के ब्लाक रामपुर मनिहारन के ग्राम सडौली हरिया में हिण्डन नदी पर रपटे का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय पंवार व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका†

श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र खजूरगाँव में 33/11 के0वी0ए0 विद्युत उपकेन्द्र अधिष्ठापित करने के सम्बन्ध में श्री सुरेश कुमार यादव व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका†

श्री देवेन्द्र सिंह लोधी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र स्याना के ग्राम लुधपुरा में कृष्ण के मकान से सोवीर के मकान तक सड़क मार्ग (लम्बाई 350 मी0) का सी0सी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री किरन पाल लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री नाहिद हसन, सदस्य, विधान सभा की जनपद शामली से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री नाहिद हसन, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद शामली के विकास खण्ड ऊन के ग्राम नाई नगला नवीन से ग्राम धानवा तक खड़न्जा (लगभग 01 कि0मी0) का डामरीकरण/ नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आरिफ राव व अन्य निवासीगण जनपद शामली की याचिका व्यपगत हुयी।

श्री निर्मल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री निर्मल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र बिसवां में विकास खण्ड बिसवां के अन्तर्गत बिसवां-सिधौली मार्ग से रुकनापुर मण्डी मार्ग तक पेन्टेट सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामकिशोर व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर ब्लाक हाटा के अन्तर्गत ग्राम भैसही से रामपुर पट्टी की सीमा होते हुए अहिरौली बाजार वाली सड़क की मिसिंक लिंक का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती पूनम संखवार, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर देहात से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती पूनम संखवार, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर देहात के विकास खण्ड रसूलाबाद के अन्तर्गत बउवा की चक्की से भगवन्तपुर तक सम्पर्क मार्ग (02 कि0मी0) का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर देहात की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

याचिकाओं के उपस्थापन में श्रीमती पूनम संखवार, सदस्य, विधान सभा के नाम से पहले श्री लिखे होने पर श्री अध्यक्ष के निर्देश

श्री अध्यक्ष-

आगे से इस बात का ध्यान रखा जाय श्री पूनम संखवार नहीं श्रीमती पूनम संखवार है। प्रमुख सचिव जी, नीचे आदेश दे दीजिये कि भविष्य में इसको ठीक प्रकार से लिखा जाय।

---

† छापी नहीं गयी।

याचिकाओं का उपस्थापन (क्रमागत)

श्री प्रदीप कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया से सम्बन्धित याचिका†

श्री प्रदीप कुमार यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया के विधान सभा क्षेत्र दिबियापुर में बहारपुर नेविलगंज मार्ग से नगला धुंधे तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दिलीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद औरैया की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री बाबूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित याचिका†

श्री बाबूराम, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत के विकास खण्ड पूरनपुर में कलीनगर नहर पटरी से महादिया तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ख्योराज व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री बेचई सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड लालगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा भवतर चक भवतर में हाजीपुर माइनर पर श्री लाल बिहारी राम के चक के बगल में पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध श्री रघुराई व अन्य निवासीगण जनपद आजमगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री मदन भैया, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मदन भैया, सदस्य, विधान सभा की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र खतौली के नावला ग्राम से प्रसिद्ध देवस्थान तक कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती मांगी व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मनीष रावत, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सिधौली में विकास खण्ड कसमण्डा मडेला प्राथमिक विद्यालय से नहर पटरी होते हुए ब्रम्हदेव तक डामर रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बिलेश प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका†

श्री महेन्द्र नाथ यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती के विकास खण्ड बस्ती सदर के गनेशपुर बाजार से होते हुए हंसराज लॉ कॉलेज तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भोलू खान, निवासी जनपद बस्ती की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका†

श्री महेन्द्र सिंह खड़गवंशी, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा के विकास खण्ड हसनपुर के अन्तर्गत ग्राम करनखाल में ग्राम चौराहे से तालाब तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेमचंद्र खड़गवंशी व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री मो0 ताहिर खान, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मो0 ताहिर खॉन, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर के विकास खण्ड कूडवार में सूर्यकुमार के दुकान से राजबहादुर यादव के घर होते हुए नौगावां सम्पर्क मार्ग तक सड़क का निर्माण व शारदा के दुकान से प्रधान के घर से होते हुए सड़वा बार्डर तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामबहादुर यादव व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री मुकेश चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मुकेश चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सहारनपुर के विधान सभा क्षेत्र नकुड़ के ग्राम अगवानहेडा से कुण्ढी वाया कायमपुर तक रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ओमप्रकाश शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी', सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर विधान सभा क्षेत्र-216, कैण्ट के अन्तर्गत वार्ड 36 में पानी की टंकी व नलकूप का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जिब्रान उसमानी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर के बदलापुर के अन्तर्गत शारदा सहायक खण्ड-36 भीमपुर राजवाहा ग्राम मुरादपुर कोटिला सरोज बस्ती पुलिया पर रपटा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील पाल व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ मध्य के अन्तर्गत सिटी स्टेशन छोटे चट्टे से चौकी आगा मीर ड्योढ़ी तक सड़क

† छापी नहीं गयी।

मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मो0 जावेद खान व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, सदस्य, विधान सभा की जनपद बदायूँ से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, सदस्य, विधान सभा की जनपद बदायूँ के विधान सभा क्षेत्र दातागंज में दो नये स्टेट हाई-वे होने से सुगम-आवागमन के लिये जाम की समस्या के निराकरण हेतु एक नया बाई पास का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमन गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बदायूँ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजीव तरारा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा के अन्तर्गत गजरौला नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग व राज्यमार्ग पर ट्रामा सेण्टर की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नीहार त्यागी व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राजेश त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोरखपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजेश त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोरखपुर के विकास खण्ड बड़हलगंज में राप्ती नदी पर पक्के पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय यादव व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम निवास वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका†

श्री राम निवास वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र नानपारा के ब्लाक शिवपुर के कुण्डासर महसी नानपारा एम0डी0आर0-186ई0 के कि0मी0 58 एवं चौक सहार सम्पर्क मार्ग के कि0मी0 02 के मध्य लघु सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बृज मोहन वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती से सम्बन्धित याचिका†

श्री राम फेरन पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद श्रावस्ती के अन्तर्गत कटरा व गिलौला को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत अकबरपुर-दोस्तपुर सम्पर्क मार्ग से बसिरहां मानिकपुर भरतीपुर

† छापी नहीं गयी।

होते हुए मंशापुर तक हाटमिक्स सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामकुमार व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राम चन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री राम चन्द्र यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ के चिनहट क्षेत्र के अन्तर्गत मटियारी फैजाबाद रोड से सीता मिष्ठान व भारत भवन होते हुये डूडा कॉलोनी को जाने वाले सम्पर्क मार्ग (02 किमी0) का चौड़ीकरण कर मार्ग को 07 मी0 चौड़ा कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लवकुश मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित याचिका†

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी के विधान सभा क्षेत्र-144, मोहम्मदी में रोडवेज बस अड्डे का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध मे श्री आशीष रस्तोगी व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती विजमा यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती विजमा यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र प्रतापुर के अन्तर्गत चफला पक्की सड़क से होते हुए एस0एस0वी0 कानवेन्ट स्कूल होते हुए खिजिरपुर चौराहा पक्की सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजीत यादव व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित याचिका†

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के अन्तर्गत विकास खण्ड महेबा के ग्राम नवलपुर से बसन्त ताल तक सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत से सम्बन्धित याचिका†

श्री विवेक कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद पीलीभीत के बीसलपुर के अन्तर्गत स्टेडियम की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजवीर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद पीलीभीत की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री विशम्भर सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाँदा से सम्बन्धित याचिका†

श्री विशम्भर सिंह यादव, सदस्य, विधान सभा की जनपद बाँदा के विधान सभा क्षेत्र बबेरू में कस्बा बबेरू में जाम की समस्या के निराकरण हेतु बाईपास का निर्माण कार्य कराये

† छापी नहीं गयी।

जाने के सम्बन्ध में श्री अखिलेश पाल व अन्य निवासीगण जनपद बाँदा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री वीरेन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज से सम्बन्धित याचिका†

श्री वीरेन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद महराजगंज के फरेन्दा शहर में बस स्टेशन बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री योगेशधर दूबे व अन्य निवासीगण जनपद महराजगंज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री शशांक त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री शशांक त्रिवेदी, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र महोली के अन्तर्गत बेलामऊ कला से रोजहा सम्पर्क मार्ग के मध्य छूटी कड़ी का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पवन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका†

श्री श्याम सुन्दर, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र बछरावां के अन्तर्गत तहसील महराजगंज से इन्हौना मार्ग तक का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार उर्फ आलू महराज व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया से सम्बन्धित याचिका†

श्री संग्राम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना से एकौनी से मेडवरा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रमोद यादव व अन्य निवासीगण जनपद बलिया की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री संजय कुमार शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका†

श्री संजय कुमार शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर के विकास खण्ड लखावटी के गांव औरंगपुर, मीरपुर में मनोज के मकान से वीरू के मकान की ओर 440 मी0 सी0सी0 सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका†

श्री संदीप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा क्षेत्र के सराय कलाइमाइनर से खमनिया विश्वकर एवं पासी बस्ती में कच्चे मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम अभिलाख बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री समरपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा से सम्बन्धित याचिका†

श्री समरपाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के ग्राम यहियापुर की मंडईयां ब्रह्म गुर्जर के बाग तक कच्ची सड़क को पक्का कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेमपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अमरोहा की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा के विकास खण्ड मिहींपुरवा के ग्राम सभा सर्राकला के भादापुरवा में 02 किमी0 ठोकर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ब्रजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री सर्वेश सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित याचिका†

श्री सर्वेश सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र सिरसागंज के अन्तर्गत विकास खण्ड मदनपुर के ग्राम सभा नगला हिमायूँ से नदिया तक नाला निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री सीताराम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री सीताराम वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र लम्भुआ के अन्तर्गत विकास खण्ड लम्भुआ के ग्राम भदैया तथा पी0पी0 कमेचा आदि ग्रामों में ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राणा प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री सौरभ सिंह सोनू, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी से सम्बन्धित याचिका†

श्री सौरभ सिंह सोनू, सदस्य, विधान सभा की जनपद खीरी के विधान सभा क्षेत्र कस्ता के अन्तर्गत औरंगाबाद को विकास खण्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद खीरी की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर से सम्बन्धित याचिका†

श्री स्वामी ओउ्मवेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र-23, चाँदपुर के अन्तर्गत विकास खण्ड जलीलपुर के ग्राम हिरनाखेड़ी से ग्राम हुसैनपुर कला तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चौधरी रविन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बिजनौर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज से सम्बन्धित याचिका†

श्री हरिओम, सदस्य, विधान सभा की जनपद कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-101, अमाँपुर के अन्तर्गत अमाँपुर-जखा मार्ग से नगला तुरसी तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार उर्फ भोले व अन्य निवासीगण जनपद कासगंज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री हाकिम लाल बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका†

श्री हाकिम लाल बिन्द, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र हण्डिया के विकास खण्ड धनुपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा चकिया चकसारंग से भूषलपुर/हिम्मतबहार तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम बाबू बिन्द व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती अर्चना पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद कन्नौज से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती अर्चना पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद कन्नौज के विधान सभा क्षेत्र छिबरामऊ के ग्राम नैनापुर से रसूलपुर सम्पर्क मार्ग (लगभग 02 किमी0) का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विवेक राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद कन्नौज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 मंजू शिवाच, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 मंजू शिवाच, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद के मोदीनगर के ब्लाक भोजपुर में महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वारिस व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती मीनाक्षी सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर की तहसील व ब्लॉक खुर्जा के ग्राम इस्माइलपुर बुढैना में पंचम के घर से लेकर पथवारी तक (लगभग 100 मी0) मार्ग के मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोनू प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती सरोज कुरील, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर नगर की तहसील घाटमपुर के ग्राम मेहर अलीपुर से ग्राम जमालपुर तक सड़क मार्ग का नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कपिल तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर नगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

---

† छापी नहीं गयी।

श्रीमती सैय्यदा खातून, सदस्य, विधान सभा की जनपद सिद्धार्थनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती सैय्यदा खातून, सदस्य, विधान सभा की जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज में रींवा रोड से करौता सम्पर्क मार्ग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मलिक मो0 असजद व अन्य निवासीगण जनपद सिद्धार्थनगर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 मनोज कुमार प्रजापति, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 मनोज कुमार प्रजापति, सदस्य, विधान सभा की जनपद हमीरपुर के राजस्व ग्राम सुमेरपुर में चकबन्दी विभाग द्वारा सही बन्दोबस्त कराकर खतौनी को ऑनलाइन फीड कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद हमीरपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राज प्रसाद उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राज प्रसाद उपाध्याय, सदस्य, विधान सभा की जनपद सुल्तानपुर की विधान सभा क्षेत्र सदर के सिंचाई खण्ड-16 का अतिथि गृह का विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद सुल्तानपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अशोक कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित याचिका†

श्री अशोक कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली के ग्राम सभा नोनार, मजरे परैया नमकसार में शिवबक्श के घर से रामदेव के घर तक लगभग 200 मी0 सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवबक्श व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 अमित सिंह चौहान, सदस्य, विधान सभा की जनपद अयोध्या की तहसील बीकापुर के ग्राम पंचायत मुकीमपुर उर्फ पहाड़पुर में नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय को जाने वाले मार्ग जलालपुर-शाहगंज-कुन्धेरा मार्ग से राजकीय महाविद्यालय बीकापुर सम्पर्क मार्ग का पेंटिंग स्तर तक नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गिरीश कुमार तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राजेन्द्र कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजेन्द्र कुमार, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रतापगढ़ के विकास खण्ड मंगरौरा के कान्धरपुर-पीथापुर सम्पर्क मार्ग से चन्द्रभानपुर होते हुए सराय शंकर तक मार्ग (02.00

† छापी नहीं गयी।

किमी0) का मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद प्रतापगढ़ की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री पीयूष रंजन निषाद, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित याचिका†

श्री पीयूष रंजन निषाद, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड करछना के ग्राम सभा टकरैया के मजरा लोहरी में पक्की पुलिया से प्राथमिक विद्यालय तक सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्दन शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका†

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के निपनिया चौराहा भुलई के दुकान से गोपालपुर पिच तक विशेष मरम्मत कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सियाराम चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्रीमती सलोना कुशवाहा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहाँपुर के ब्लाक निगोही के गुरगवाँ से पराझरसा से नवियापुर-रामपुर से हथगाँव, बरैचा तक 08 किमी0 लिंक मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आकाश तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बस्ती के हनुमानगंज-सुरवार मार्ग पर स्थित कुड़ी बनकटिया मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामप्रकाश मौर्या व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित याचिका†

डॉ0 एम0 पी0 आर्य, सदस्य, विधान सभा की जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज के ग्राम गुरुगावां से पूरब में बरा-बरौरा मार्ग पर सड़क व पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ओमपाल व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित की हुयी मानी गयी।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-6, 7 में भी कुछ नहीं है। अब मद संख्या-8।

---

† छापी नहीं गयी।

[10:07] उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024

***वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार किया जाय।

मान्यवर, इसमें केवल एक ही बात है कि शारीरिक रूप से व्यक्ति स्वस्थ रहे, मानसिक रूप से काम करने के लायक रहे, इसलिए यह बहुत छोटा सा संशोधन है। अभी तक वर्तमान लोक आयुक्त एवं उप लोक आयुक्त का कार्यकाल 8 वर्ष का है, इसको घटाकर 5 वर्ष किया गया या 70 की आयु तक, जो भी पहले हो, केवल इतना सा संशोधन हम ले करके आये हैं कि आदमी की कार्य क्षमता जब तक बनी रहे तब तक उसको काम करना चाहिए, इसलिए कार्यकाल 8 साल से घटाकर 5 साल कर दिया गया है।

श्री अध्यक्ष-

डॉ0 आर0के0 वर्मा जी इसमें आपका क्या कहना है, आप क्या चाहते हैं कि 100 साल तक आदमी काम करे।

डॉ0 आर0के0 वर्मा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 को इस सदन की एक प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाय, जो अपना प्रतिवेदन एक माह के अन्दर सदन में प्रस्तुत करे।

मान्यवर, इसमें मैं चाहता हूँ कि जो 70 वर्ष की आयु की गई है उसे 60 वर्ष कर दिया जाय, इससे कार्य क्षमता अच्छी रहती है, अधिक उम्र में याद्दाश्त कम होने लगती है।

श्री अध्यक्ष-

आपकी क्या उम्र है ?

डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

अगर कार्य क्षमता के दृष्टिगत पाबन्दी लगायी जा रही है तो 70 के स्थान पर 60 कर दिया जाय, पाँच वर्ष से हम सहमत हैं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 को एक प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाय, जो अपना प्रतिवेदन एक माह के अन्दर सदन में प्रस्तुत करे ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ।)

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

खण्ड-2 तथा खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024

उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त अधिनियम, 1975 का अग्रतर संशोधन करने के लिए

विधेयक

भारत गणराज्य के पचहत्तरवें वर्ष में एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप-लोक आयुक्त (संशोधन) संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ अधिनियम, 2024 कहा जायेगा।

(2) यह सरकारी गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से प्रवृत्त होगा।

(3) इस अधिनियम के अधीन किये गये संशोधन, इस अधिनियम के प्रारम्भ होने के दिनांक से पूर्व नियुक्त लोकायुक्तों तथा उप लोकायुक्तों पर लागू नहीं होंगे।

उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-42 सनू 1975 की धारा-5 का संशोधन

2-उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त अधिनियम, 1975 की धारा-5 में, विद्यमान उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रख दी जायेगी, अर्थात् :-

''(1) लोक आयुक्त या उप लोक आयुक्त के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, पांच वर्ष की अवधि अथवा सत्तर वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक के लिये पद धारण करेगाः

प्रतिबन्ध यह है कि लोक आयुक्त या उप लोक आयुक्त अपनी पदावधि की समाप्ति के होते हुए भी तब तक पद धारण करता रहेगा जब तक कि उसका उत्तराधिकारी अपना पद भार ग्रहण न कर लेः

अग्रतर प्रतिबन्ध यह है कि-

(क) लोक आयुक्त या उप लोक आयुक्त, राज्यपाल को सम्बोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा;

(ख) लोक आयुक्त या उप लोक आयुक्त को धारा-6 में विनिर्दिष्ट रीति से उसके पद से हटाया जा सकेगा।''

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 तथा खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जाएं ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ।)

उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर संशोधन विधेयक, 2024

***ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा, नगर विकास, शहरी समग्र विकास मंत्री (श्री ए0 के0 शर्मा)-**

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 पर विचार किया जाय।

माननीय अध्यक्ष जी, जैसे-जैसे शहरीकरण, औद्योगीकरण की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, विशेष रूप से नगरों में जैसे-जैसे हम वर्टिकल बिल्डिंग्स बनाते जा रहे हैं, बहुमंजिली इमारतें बनाते जा रहे हैं, वैसे-वैसे लिफ्ट और एस्केलेटर की आवश्यकता महसूस होने लगी है, उसका उपयोग होना शुरू हो गया है। आपने देखा होगा कि अभी तक बहुमंजिली मकानों में ही लिफ्ट और एस्केलेटर लगते थे, लेकिन अब तो माननीय नरेन्द्र मोदी जी के राज में रेलवे स्टेशनों पर भी, विश्वनाथ मंदिर जैसे क्षेत्रों में भी एस्केलेटर का उपयोग होने लगा है। जहां लोग भारी संख्या में इन चीजों का उपयोग करते हैं, वृद्ध हों, जवान हों महिला हों, सभी लोग लिफ्ट और एस्केलेटर का उपयोग करते हैं। विशेष रूप से जो अशक्त लोग हैं वह पहली मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट का उपयोग करते हैं, लेकिन अभी तक अपने राज्य में लिफ्ट को रेगुलेट करने के लिए या उसका कम से कम रजिस्ट्रेशन करने के लिए कोई अधिनियम नहीं था। कुछ राज्य जैसे महाराष्ट्र, गुजरात है, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल हैं, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश में लिफ्ट के लिए उनका अपना अधिनियम है, एक्ट है। उत्तर प्रदेश में यह व्यवस्था नहीं थी, कुछ दिनों पहले विशेष रूप से यह बात ध्यान में आई, जब नोएडा में एक हादसा हुआ था और मैं धन्यवाद करना चाहूंगा सदन में मा0 धीरेन्द्र सिंह जी का, मा0 पंकज सिंह जी का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जिन्होंने हम सबका ध्यान उस ओर आकर्षित किया था और पिछले सत्र में मैंने कहा भी था कि मैं इसके लिए अधिनियम ले करके आऊंगा। उसी भावना के तहत यह अधिनियम मा0 सदन के सामने प्रस्तुत है।

मैं इसकी कुछ हाइलाइट्स अगर बताना चाहूँ तो मा0 अध्यक्ष जी प्राइवेट और निजी परिसर में रजिस्ट्रेशन दोनों को करना होगा, लेकिन दोनों में हमने भेद किया है, निजी लिफ्ट अगर कोई व्यक्ति अपने घर में लगाता है एक मंजिल से दूसरी मंजिल पर जाने के लिए, उपयोग करता है। तो उसके लिए रजिस्ट्रेशन तो हम लोग करेंगे, लेकिन कुछ शर्तें हैं, बहुत सारी शर्तें उन पर लागू नहीं होंगी, लेकिन जहां सार्वजनिक रूप से जिन लिफ्ट का उपयोग होता है, वहां हमने गाइडलाइन्स बनाए हैं। प्रतिबन्ध ऐसा हमने कुछ नहीं किया है, लेकिन उनको रजिस्टर करना आवश्यक कहा है। उनके कुछ मेंटीनेंस की जो बातें होती हैं, उस पर हमने गाइडलाइंस इस एक्ट के तहत देने की कोशिश की है। अगर कोई हादसा हो जाता है, तो तुरन्त सूचित करने की बाध्यता हमने उनको किया है, अगर यह पाया जाता है कि जिस व्यक्ति को क्षति हो गयी है, या वह गम्भीर रूप से घायल हुआ है, तो उसकी क्षतिपूर्ति व कम्पनसेशन देने की इस नियम में व्यवस्था दी गयी है। एक ही अपवाद को छोड़कर कि जो एक कारखाना अधिनियम मा0 अध्यक्ष जी अलग से है 1948 का, जिसमें हाउसेज इण्डस्ट्रियल प्रिमाइसेज में या उसकी व्याख्या में आने वाली सभी ऐसी जगहों पर उस ऐक्ट के तहत लिफ्ट का रेगुलेशन होता है, उसके सिवाय तमाम लिफ्ट जो अपने राज्य में लगेंगी उन पर यह अधिनियम लागू होगा। मैं मा0 सदन से निवेदन करता हूँ कि इस पर विचार करके पारित करने की कृपा करें।

डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 को इस सदन की एक प्रवर समिति को सुपुर्द कर दिया जाए, जो अपना प्रतिवेदन 1 माह के अन्दर प्रस्तुत करे। मा0 अध्यक्ष जी मेरी ओर से अमिताभ जी बोलेंगे।

(समिति के सदस्यों के नाम बाद में दिये जाएंगे)

***श्री अमिताभ बाजपेई-**

मा0 अध्यक्ष जी यह जो विधेयक लाया गया था, मुझे लगता है जल्दी में लाया गया है, क्योंकि जो एक्सिडेंट की बात आई है, तो एक्सिडेंट कितने हुए कोई इसका डेटा सरकार ने सार्वजनिक नहीं किया है। हम लोगों ने देखा है कि जो एक्सीडेंट हुए हैं, वह अन्डर कन्स्ट्रेक्शन बिल्डिंग्स के हैं और ऐसा भी लगता है कि इस प्रकार का विधेयक लाने के पूर्व इसकी आवश्कता है कि कितने एक्सीडेंट पिछले एक साल में हुए, कितने 5 साल में हुए, कितने

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

10 साल में हुए, कितनी जाने गयीं, कितने लोग घायल हुए, इसका आंकड़ा भी हम लोगों के सामने आना आवश्यक है। हमारी शंका यह है क्योंकि कहीं ऐसा तो नहीं कि जो पहले लिफ्ट हमारी लोकल कम्पनी बनाती थी, कुछ हिंदुस्तान की कम्पनियाँ थीं, अब मल्टीनेशल कम्पनियाँ लिफ्ट के क्षेत्र में आ गयी हैं, मित्सब्यूसी आ गई है, सिलेंडर आ गयी है, कौन है, फ्यूजी टेक है और एक तरफ हमारे लोकल वेंडर्स हैं, जो असेम्बल करके लिफ्ट बनाते हैं, इन तीनों में तुलना कैसे होगी ? एक लोकल वेंडर है, एक हमारी डोमेस्टिक कम्पनी है और एक मल्टीनेशनल कम्पनी है, तो हमें शक यह है कि कहीं न कहीं मल्टीनेशनल कम्पनी को इसमें फायदा होगा और हमारे लोकल वेंडर को नुकसान होगा। क्योंकि इसमें कई चीजें और भी हैं जैसे इसमें धारा-5 है कि क्या ए0एम0सी0 है, ए0एम0सी0 का स्वरूप क्या होगा, यह नहीं बताया गया है। उसमें कौन सी कम्पनी ए0एम0सी0 लेंगी, उनको बहुमंजिला वाला वेरीफाई कैसे करेगा ? तो ए0एम0सी0 प्रोवाइडर के बारे में कोई विस्तृत बात नहीं हुई है और ए0एम0सी0 का स्वरूप क्या होगा, यह भी आपके विधेयक में नहीं आया है।

मान्यवर, ए0एम0सी0 के चार्जेज क्या होंगे ? वह मनमाना लेगा व उसके चार्जेज गवर्नमेंट फिक्स करेगी, यह आपके विधेयक में नहीं आया है। ए0एम0सी0 लेने वाली कम्पनी किस हिसाब से तय की जायेगी, उसकी जिम्मेदारी क्या होगी ? मान लीजिए, संचालक ने ए0एम0सी0 ले ली है, तो रजिस्टर्ड ए0एम0सी0 देने वाला कौन और हमने अगर ए0एम0सी0 ले ली है, तो इन्स्पेक्टिंग एजेंसी कौन ? स्पेसिफिक एजेंसी ने अगर इन्स्पेक्शन भी कर लिया है, हमने ए0एम0सी0 भी ले ली है और फिर भी अगर दुर्घटना हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी किस पर होगी ? इन्स्पेक्टिंग एजेंसी पर होगी कि ए0एम0सी0 देने वाले पर होगी या बिल्डिंग संचालक पर होगी।

मान्यवर, आपने धारा-7 में भी बीमा के बारे में स्पष्ट नहीं लिखा है। बीमा निजी संचालकों को कराना है, तो सरकारी लिफ्ट को बीमा से छूट क्यों दी गयी है ? ये दोहरा व्यवहार क्यों ? प्राइवेट लिफ्ट होगी, तो बीमा लेना है, सरकारी लिफ्ट होगी, तो बीमा क्यों नहीं लेना है ? सरकारी बीमा अगर नहीं लेना है, तो उसमें जो घायल होगा, जिसकी मृत्यु होगी, तो उसका कम्पनसेशन कौन देगा ? बीमा की राशि कितनी होगी, उसका प्रीमियम कितना होगा, इसको मृत्यु, साधारण घायल और गम्भीर घायल के हिसाब से भी स्पष्ट किया जाना बहुत आवश्यक है। जब बीमा करा लिया गया है, तो आपके विधेयक के 12(8) में क्षतिपूर्ति की जिम्मेदारी संचालक की क्यों है, बीमा कम्पनी की क्यों नहीं है ? यह किसकी जिम्मेदारी है और बीमा कम्पनी की समय-सीमा क्या होगी, ये फिक्स किया जाय ?

मान्यवर, आपने धारा 12(1) में जीवन की हानि या चोट लगने की स्थिति में स्वामी या स्वामी द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति या मृतक घायल व्यक्ति की सूचना कौन देगा ? मा0 मंत्री जी, आपने लिखा है कि भवन स्वामी सूचना देगा। अगर भवन स्वामी ने सूचना नहीं

दी, तो सूचना कौन देगा ? हम यह चाहते हैं कि उसमें मृतक या घायल व्यक्ति के परिजन शब्द को भी जोड़ दिया जाय कि वह भी सूचना दे सकता है। आपने धारा-8 में लिखा है कि किसी अन्य संहिता का पालन करना है। किसी अन्य संहिता, यह कौन सी संहिता है, इसका तात्पर्य स्पष्ट नहीं है ?

मान्यवर, धारा-9 में विद्यमान लिफ्ट में परिवर्तन या परिवर्धन करने में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। जिसमें परिवर्तन या परिवर्धन किस अंश तक करने पर नये रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता होगी, यह स्पष्ट नहीं है। क्या आंशिक परिवर्तन करने पर भी नया रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा, ये स्पष्ट होना चाहिए या आंशिक परिवर्तन के लिए, रजिस्ट्रेशन के लिए बाध्य नहीं किया जायेगा ? धारा-18 में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपील के लिए आपने दो फोरम निश्चित किए हैं, इससे शिकायतकर्ता को उचित न्याय कहां से प्राप्त होगा, यह तय कर पाना मुश्किल है ? दो अपील के अधिकारी हैं, तो उनके यहाँ भागदौड़ करनी होगी, इसलिए एक ही अपील का फोरम इसमें निश्चित किया जाए। सरकारी लिफ्ट और निजी लिफ्ट के मानक एक समान होने चाहिए जैसे बीमा, रजिस्ट्रेशन, सरकारी लिफ्ट को नियमों से छूट क्यों दी जा रही हैं, इसका कारण आपके विधेयक में स्पष्ट नहीं है ? मा0 मंत्री जी, हम लोग इस विधेयक के विरोध में नहीं है पर इसमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए आंकड़ों की आवश्यकता है कि कितने एक्सीडेंट हुए उससे हम लोग आगे सुधार कर सकेंगे।

मान्यवर, उद्देश्य और कारण में आपने एक ही बात लिखी है कि एक्सीडेंट में बढ़ोत्तरी हुई है। पर इसे अगर आंकड़ों के आधार पर करें, तो उद्देश्य और आवश्यकता स्पष्ट हो जायेगी। बहुत आवश्यक है कि हम लालफीताशाही को बढ़ावा न दें, जो कि इस सरकार की पहचान बन चुकी हैं और कागजी काम भी इतना न हो जाए कि लिफ्ट का स्वामी इसको मैनेज न कर सके। इंसपेक्टिंग एजेंसी और ए0एम0सी0 कम्पनी की भी जिम्मेदारी फिक्स हो जाए। मैं अनुशंसा करता हूँ कि इस विधेयक में बहुत सारी कमियां हैं, कुछ हम अभी बता पाएं है, इसमें और भी कमियां होंगी, इसलिए इस विधेयक को जल्दबाजी में लाने के बजाय प्रवर समिति के सुपुर्द कर दें, ताकि गुण-दोष, उद्देश्य व आवश्यकता का गुणात्मक अध्ययन करके इसको दोबारा प्रस्तुत किया जाए, ताकि जनता को भी इसका लाभ मिल सके, लोगों को बीमा का लाभ मिल सके और यह विधेयक लालफीताशाही का शिकार न हो। बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री धीरेन्द्र सिंह-**

मैं मा0 अध्यक्ष जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ कि उन्होंने मुझे इस विधेयक पर बोलने का मौका दिया। जो हाइराईज बिल्डिंग्स हैं और जिस तरीके से प्रदेश में शहरीकरण का दौर बढ़ा है। मेरे साथी विधायक कुछ बता रहे थे, तो मैं बताना चाहता हूँ कि यह विधेयक एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। पिछले दिनों जो घटनाएं हुईं, जिसमें लिफ्ट में बच्चे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

फंस गये। ए0एम0सी0 के माध्यम से अभी आपने जो सवाल उठाया, ये ए0एम0सी0 वह कम्पनी करेगी, जो प्रदाता कम्पनी है, लिफ्ट लगाने वाली कम्पनी है। दुर्घटना की स्थिति में, आपातकाल की स्थिति में साल में दो मॉक ड्रिल भी होंगे, यानी पूरी तरीके से मॉक ड्रिल के माध्यम से यह तय किया जायेगा कि अगर दुघर्टना होती है, तो हम कैसे फंसे हुए व्यक्तियों को बचा सकें। इसमें बीमा का भी प्रावधान है। जो लोग पीड़ित होंगे, उनका बीमा भी भवन स्वामी को कराना पड़ेगा। कुल मिलाकर मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूँ, प्रदेश के मुख्य मंत्री जी का, अपने ऊर्जा मंत्री जी का और पूरे सदन का। इसमें मैं यही अपेक्षा करुंगा कि यह एक ऐसा विधेयक है, जो सर्वसम्मति से पारित होना चाहिए। अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

(ऊर्जा मंत्री जी द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, रुक जाइये। मा0 सदस्य, श्री कमाल अख्तर जी बोलना चाहते हैं।

***श्री कमाल अख्तर-**

माननीय अध्यक्ष जी, लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 लेकर आया गया है। अभी हमारे साथी अमिताभ जी ने बताया है। यह विधेयक बहुत जल्दबाजी में लाया गया है। यह विधेयक इसलिए लाया गया है क्योंकि इसमें हमारे बहुत सारे ऐसे बिल्डर हैं जो बिल्डर बिल्डिंग बनाते है और बिल्डिंग बनाने के बाद फ्लैट की रजिस्ट्रियां कर देते हैं। फ्लैट की रजिस्ट्री होने के बाद वह बिल्डर अलग हो जाता है, जो रजिस्ट्री कराते हैं, जो आर0डब्ल्यू0ए0 है, वह उसको संचालित करता है। इसके अन्दर यह नहीं बताया गया है कि दुर्घटना में बीमा की जो शर्त रखी गयी है, उसे कौन करेगा ? जिसने बिल्डिंग बनायी है, वह बिल्डर करेगा या उसमें रहने वाले आर0डब्ल्यू0ए0 संचालित करने वाले लोग करेंगे ? दूसरा एक चीज और है जब आप यह विधेयक लेकर आ रहे हैं, जो पुरानी बिल्डिंग्स हैं, जिनमें लिफ्टें लगी हैं, उन्हें 30 माह का समय दे रहे हैं, लेकिन अगर 30 महीने के अन्दर उसमें कोई दुर्घटना हो जाती है तो कम से कम जो बीमा पॉलिसी है, जिस दिन से यह विधेयक लागू हो, उस दिन से उनके ऊपर बीमा की व्यवस्था लागू हो जानी चाहिए।

मेरा आपसे एक और अनुरोध है कि इस विधेयक के अन्दर जितनी भी लिफ्ट हैं, वह अन्डरग्राउण्ड लगती हैं, ट्रान्सपैरेन्ट लिफ्ट नहीं लगती हैं। आपने देखा था कि पिछले 2012-17 में जब सदन चल रहा था तब माननीय मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी और मा0 डिम्पल जी दोनों लिफ्ट के अन्दर कुछ समय तक फंसे रहे। कभी-कभी होता यह है कि जब लिफ्ट के अन्दर अंधेरा हो जाता है तो घुटन महसूस होने के कारण या घबराहट के कारण उसके अन्दर रहने वाले व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसमें यह कर दिया जाए कि बड़ी बिल्डिंग्स के अन्दर

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

ट्रांसपैरेन्ट लिफ्ट लगायी जायें, जिससे कम से कम उससे बाहर का व्यक्ति दिखता रहेगा। उसके अन्दर जो खौफ की वजह से मृत्यु होने की सम्भावना रहती है, वह नहीं रहेगी। दूसरा मेरा आपसे यह कहना है कि आप प्राइवेट व्यक्ति की लिफ्ट के ऊपर तो टर्म्स एण्ड कन्डीशन लगा रहे हैं, लेकिन सरकारी भवनों के अन्दर आपने फ्री कर दिया है। इसकी क्या गारण्टी है कि सरकारी लिफ्टों के अन्दर व्यक्ति के साथ दुर्घटना नहीं हो सकती है ? हमारा यह अनुरोध है कि लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक के अन्दर आप यह भी कर दें कि सरकारी परिसरों के अन्दर जो भी लिफ्ट लगेंगी, उसके अन्दर भी बीमा कवर होना चाहिए। सरकारी गजट में अधिसूचना द्वारा जो नियमावली बनायी गयी है, उसमें आप जिसे चाहेंगे छूट दे देंगे। नियम तो सबके लिए होने चाहिए। हो सकता है कि आपके कुछ चहेते व्यक्ति हों, उन्हें आप लिफ्ट में छूट दे दें और जो विरोधी हैं, उनको टाईट करने का मामला तैयार कर रहे हों। आप जो विधेयक लेकर आ रहे हैं कम से कम ऐसा न लायें जिससे पता चला कि समाजवादी पार्टी वाले व्यक्ति की बिल्डिंग है तो उस लिफ्ट वाले के खिलाफ मुकदमा लिखवा दें और अपने वाले को छूट दे दें। यह सबके लिए बराबर होना चाहिए। मेरा यही अनुरोध है कि यह जल्दबाजी में लाया गया विधेयक है। इसे प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाए और एक माह में इसकी रिपोर्ट आ जाए।

श्री ए0 के0 शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि यह समाजवादी लोग अज्ञात भय से कितना पीड़ित रहेंगे। राम मन्दिर बन रहा है तो भी अज्ञात भय है। एस्केलेटर और लिफ्ट के नियमन के लिए कानून आ रहा है, उसमें भी इनको अज्ञात भय लग रहा है। जो यहां बात हुई कि कितने ऐक्सीडेंट हुए, कितने लोग मरे है। पहली बात तो यह है कि सौ मरें या एक मरे, दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। दोनों ही का जीवन उतना ही वैल्युएबल होता है, इसलिए इसमें न पड़ा जाए। दूसरी बात यह है चूंकि यह अधिनियम हमारे पास नहीं है। सच बताऊं तो हमने अपने विभाग से पूछा कि वर्तमान में अपने राज्य में कितनी लिफ्ट चल रही होंगी तो कोई आंकड़ा नहीं है, कितने एक्सीडेंट हुए शायद उसका भी कोई स्पेसिफिक आंकड़ा हमारे पास नहीं होगा। पुलिस स्टेशन जाकर हमें इकट्ठा करना पड़ेगा। यह अधिनियम इसीलिए आवश्यक है कि कम से कम जहां लिफ्ट लगती है वहां उस व्यक्ति को एक निश्चित अधिकारी को बता देना आवश्यक माना जाएगा, उसका रजिस्ट्रेशन आवश्यक माना जाएगा।

मान्यवर, दूसरी बात आपने कहा कि बीमा से क्यों नहीं तो आपने जो सेक्शन-12 (7) है उसकी निचली दो लाइनें अगर आप पढ़ेगें तो उसमें बीमा का पूरे रूप से उल्लेख किया गया है और तीसरी और अन्तिम बात यह है कि इसमें बहुत सारी बातें ऐसी हैं और बहुत सारी चीजें ऐसी हैं जैसे आपने कहा कि दो मंज़िला बिल्डिंग है, बिल्डर ने बनाया लोगों को बेच

दिया बिल्डर अपना भाग गया तो किसी न किसी की जिम्मेदारी तो सुनिश्चित करनी पड़ेगी। इसलिए अधिनियम की आवश्यकता है, हम वह जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए आपने शायद पढ़ा नहीं लेकिन हमने ऑलरेडी यह कहा हुआ है कि जो और बारीकियां हैं, जो और डिटेलिंग है जिसको कहते हैं वह हमारे नियमों में आएगी। यह अधिनियम एक फेम वर्क है जिसके अन्दर हम फेम रुल्स बनाएंगे और बाकी छोटी-छोटी जो बाते हैं वह रूल्स में आती हैं सेक्शन 19 जो है राज्य सरकार को अधिकृत करता है कि हम इस विषय में कानून के तहत नियम बनाएंगे और बाकी की बातें हम उसमें एड्रेस करेंगे। उसमें ऑलरेडी हमने काफी कुछ एड्रेस किया हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 को इस सदन की एक प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाय, जो अपना प्रतिवेदन एक माह के अन्दर सदन में प्रस्तुत करे ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया तथा अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 पर विचार किया जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया तथा स्वीकृत हुआ)

खण्ड-2 से खण्ड-22 तक तथा खण्ड-1, प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024

उत्तर प्रदेश राज्य में लिफ्ट तथा एस्केलेटर और उनसे सम्बन्धित समस्त मशीनरी तथा साधित्रों के निर्माण, संस्थापन, अनुरक्षण और सुरक्षित चालन के रजिस्ट्रीकरण तथा विनियमन और उससे सम्बन्धित एवं आनुषंगिक मामलों का उपबन्ध करने के लिए

विधेयक

भारत गणराज्य के पचहत्तरवें वर्ष में एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम और विस्तार

1-(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर अधिनियम, 2024 कहा जायेगा।

(2) इसका सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के लिए होगा।

परिभाषाएं

2-जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस अधिनियम में,-

(क) ''एएमसी'' का तात्पर्य वार्षिक अनुरक्षण संविदा से है;

(ख) ''स्वचालित बचाव युक्ति'' या ''ए0आर0डी0'' का तात्पर्य लिफ्ट कार को लैंडिंग हेतु गतिमान करने तथा लैंडिग एवं लिफ्ट केज द्वार को एक साथ खोलने के लिये विद्युत आपूर्ति भंग या विफल होने के मामले में स्वचालित रूप से चलने वाली युक्ति से है;

(ग) ''बलस्टर'' का तात्पर्य ऊपर से पतला और नीचे से उभार युक्त किसी छोटे स्तम्भ से है;

(घ) ''बैलस्ट्रेड'' का तात्पर्य एस्केलेटर या मूविंग वॉक के किसी भाग से है जो स्थिरता प्रदान करके, गतिमान भाग से संरक्षा तथा हैंडरेल को सहारा देकर उपयोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसका तात्पर्य गिरने के खतरे को रोकने के लिए एलीवेटर के शीर्ष पर लगाये गये बैरिकेट से भी है;

(ङ) ''कॉम्बप्लेट'' का तात्पर्य किसी नुकीली दांतो वाली प्लेट से है जो एस्केलेटर लैंडिंग का भाग बनती है और यात्रा की सीमा पर सीढ़ियों के क्लिट से जुड़ी होती है;

(च) ''निदेशक, विद्युत सुरक्षा'' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार के विद्युत सुरक्षा निदेशक से है, और इसमें अपर निदेशक, विद्युत सुरक्षा तथा संयुक्त निदेशक, विद्युत सुरक्षा सम्मिलित होंगे;

(छ) ''जिला मजिस्ट्रेट'' का तात्पर्य अधिकारिता रखने वाले जिला मजिस्ट्रेट से है;

(ज) ''डिवीजनल कमिश्नर'' का तात्पर्य अधिकारिता रखने वाले राजस्व डिवीजन के डिवीजनल कमिश्नर से है;

(झ) ''एस्केलेटर'' का तात्पर्य यात्रियों को ऊपर उठाने या उतारने के लिए उपयोग की जाने वाली निरंतर चलती झुकाव वाली सीढ़ी या रनवे, जो बिजली द्वारा संचालित होती है, से है;

(ञ) ''एस्केलेटर संस्थापन'' का तात्पर्य किसी संस्थापन से है जिसमें एस्केलेटर, प्रचालन तंत्र, ट्रैक, ट्रस या गर्डर, बेलस्ट्रेडिंग, स्टेपट्रेड एवं लैंडिंग और एस्केलेटर के प्रचालन से सीधे जुड़े सभी चेन, तार और संयंत्र सम्मिलित हैं;

(ट) ''सरकार'' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य की सरकार से है;

(ठ) ''लिफ्ट'' का तात्पर्य, कारखाना अधिनियम, 1948 (अधिनियम संख्या 63 सन् 1948) के अधीन आच्छादित उत्तोलकों या लिफ्ट को छोड़कर, उत्तोलन तथा नीचे लाने वाले केज से सुसज्जित तंत्र से है जो ऊर्ध्वगामी या अधोगामी दिशा में गतिमान हो और जो विद्युत द्वारा कार्यचालित है और जो माल या यात्री या दोनों के वहन हेतु परिकल्पित हो या वास्तव में प्रयुक्त हो;

(ड) ''लिफ्ट केज'' का तात्पर्य यात्रियों या माल या दोनों के परिवहन के लिए उपयोग की जाने वाली लिफ्ट की कार या केज से है;

(ढ) ''लिफ्ट संस्थापन'' में लिफ्ट केज, लिफ्ट वे, लिफ्ट-वे एनक्लोजर और लिफ्ट का प्रचालन तंत्र और लिफ्ट के प्रचालन से जुड़ी समस्त रस्सियां, केबल, तार, सुरक्षा उपबन्ध और संयंत्र तथा मशीनरी सम्मिलित हैं;

(ण) ''लिफ्ट-वे'' का तात्पर्य शॉफ्ट या उत्तोलक मार्ग से है जिसमें लिफ्ट केज यात्रा करता है;

(त) ''लिफ्ट-वे एनक्लोजर'' में लिफ्ट-वे के आस-पास या उसे घेरने वाली कोई भी महत्वपूर्ण संरचना सम्मिलित है;

(थ) ''निरीक्षक'' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नाम निर्दिष्ट विद्युत निरीक्षक से है;

(द) ''स्वामी'' का तात्पर्य कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय या निगमित निकाय जो लिफ्ट, एस्केलेटर या मूविंग वॉक का स्वामी हो या उसका प्रचालन या अनुरक्षण करता हो, जिसमें इस निमित्त उसका प्राधिकृत अभिकर्ता सम्मिलित होगा, से है;

(ध) ''यात्री'' का तात्पर्य किसी ऐसे व्यक्ति से है जो परिवहन के उद्देश्य से लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग करता है;

स्पष्टीकरण :-इस खंड के प्रयोजन के लिए लिफ्ट ऑपरेटर को भी एक यात्री समझा जायेगा;

(न) ''ऊर्जा'' का तात्पर्य शक्ति के किसी भी रूप से है जो मानव या पशु अभिकरण द्वारा उत्पन्न नहीं किया जाता है;

(प) ''परिसर'' का तात्पर्य किसी संरचना, चाहे अस्थायी या स्थायी, जहां लिफ्ट या एस्केलेटर स्थापित हो, से है;

(फ) ''विहित'' का तात्पर्य इस अधिनियम के अधीन बनायी गयी नियमावली द्वारा विहित से है;

(ब) ''निजी परिसर'' का तात्पर्य किसी का स्वयं का आवासीय घर, जिसमें एक तहखाना (बेसमेंट फ्लोर), भूतल और भूतल से ऊपर दो तल हों, जिसका उपयोग उसके स्वयं या उसके परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है, से है;

(भ) ''सार्वजनिक परिसर'' का तात्पर्य वे समस्त परिसर जो ''निजी परिसर'' नहीं हैं, से है;

(म) ''रेटेड स्पीड'' का तात्पर्य उस गति से है जिस पर लिफ्ट या एस्केलेटर को प्रचालित करने के लिए परिकल्पित किया गया है;

(य) ''नियम'' का तात्पर्य इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियम से है;

(र) ''उत्तर प्रदेश सरकार में ऊर्जा विभाग में सचिव'' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश शासन में ऊर्जा विभाग में अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव या सचिव में से ज्येष्ठतम से है;

(ल) ''धारा'' का तात्पर्य इस अधिनियम की किसी धारा से है;

(व) ''राज्य'' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य से है।

लिफ्ट या एस्केलेटर परिनिर्मित करने के लिए स्वामी द्वारा रजिस्ट्रेशन

3-(1) इस अधिनियम के प्रारम्भ होने के पश्चात् किसी भी परिसर में लिफ्ट या एस्केलेटर के संस्थापन हेतु आशयित स्थान के प्रत्येक स्वामी को राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत ऐसे अधिकारियों को पूर्ण विवरण या जानकारी देते हुए ऐसे प्रपत्र में एक आवेदन करना होगा जैसा कि विहित किया जाय।

(2) उपधारा (1) के अधीन आवेदन प्राप्त होने पर, इस धारा के अधीन प्राधिकृत अधिकारी इसे रजिस्टर करेगा और आवेदक के साथ साझा की जाने वाली एक रजिस्ट्रीकरण संख्याजनित की जाएगी।

(3) 'निजी परिसर' और 'सार्वजनिक परिसर' के लिए आवेदन अलग-अलग रजिस्ट्रीकृत किए जाएंगे।

(4) रजिस्ट्रीकरण के पश्चात् स्वामी को अपनी लिफ्ट या एस्केलेटर धारा-11 के अधीन प्राधिकृत व्यक्ति से परिनिर्मित कराना होगा ।

कमीशनिंग पूर्ण होने पर और लिफ्ट या एस्केलेटर के उपयोग से पूर्व सूचना दिया जाना

4-स्वामी जो धारा-3 के अधीन लिफ्ट या एस्केलेटर संस्थापन हेतु रजिस्ट्रीकृत हो, कमीशनिंग पूर्ण होने पर, लिफ्ट या एस्केलेटर के प्रयोग से पूर्व, इस प्रयोजन हेतु विहित प्रपत्र पर, शुल्क जैसा कि विहित किया जाय के साथ, ऐसे अधिकारियों को जैसा कि राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाय, को सूचित करेगा :

परन्तु यह कि सरकारी परिसर में कमीशन दिये गये लिफ्ट या एस्केलेटर हेतु कोई शुल्क प्रभारित नहीं होगा।

लिफ्ट या एस्केलेटर का अनुरक्षण

5-स्वामी जो, धारा-3 के अधीन रजिस्ट्रीत हो, और लिफ्ट या एस्केलेटर का कमीशनिंग पूर्ण कर लिया है और धारा-4 के अधीन इसकी सूचना दी है, वह निम्नलिखित सुनिश्चित करेगा :

(क) वह यह सुनिश्चित करेगा कि उसके परिसर में लिफ्ट या एस्केलेटर का नियमित आवधिक अंतराल पर अनुरक्षण किया जाता है। उसे अनिवार्य रूप से ओ0ई0एम0 (मूल उपस्कर विनिर्माता) से या धारा-11 के अधीन रजिस्ट्रीकृत उसके प्राधिकृत सेवा प्रदाता से व्यापक ए0एम0सी0 लेनी होगी ;

(ख) वह प्रत्येक वर्ष अपने लिफ्ट या एस्केलेटर या उनके अनुरक्षण के लिए की गई किसी अन्य व्यवस्था के लिए ए0एम0सी0 की एक प्रति ऐसे अधिकारियों को प्रस्तुत करेगा जैसा कि राज्य सरकार द्वारा एक विहित प्रारूप पर इस निमित्त प्राधिकृत किया जायः

परन्तु यह कि निजी परिसर में कमीशन किये गये लिफ्ट या एस्केलेटर हेतु स्वामी द्वारा प्रत्येक वर्ष ए0एम0सी0 की प्रति प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं होगा;

(ग) वह यह सुनिश्चित करेगा कि लिफ्ट या एस्केलेटर का अनुरक्षण सक्षम व्यक्ति या धारा 11 के अधीन प्राधिकृत अभिकरण द्वारा कम से कम मासिक आधार पर किया जाए;

(घ) जब भी तकनीकी टीम अनुरक्षण या किसी खराबी को दूर करने के लिए आती है तो स्वामी को ए0एम0सी0 तकनीकी टीम से ठीक हालत में होने का प्रमाण-पत्र लेना होगा और इस आशय की प्रविष्टि ए0एम0सी0 तकनीकी टीम द्वारा आवधिक अनुरक्षण हेतु लॉग बुक में की जायेगी;

(ङ) वह यह भी सुनिश्चित करेगा कि दिन-प्रतिदिन के प्रचालन के दौरान आने वाली किसी भी तकनीकी खराबी को तुरंत दूर किया जाए। जब तक ऐसी तकनीकी खराबी दूर नहीं हो जाती, तब तक स्वामी द्वारा लिफ्ट या एस्केलेटर पर ''उपयोग में नहीं है'' का दृश्यमान डिस्प्ले लगाना अनिवार्य होगा;

(च) सार्वजनिक परिसर में स्थापित लिफ्ट या एस्केलेटर के पास आवधिक अनुरक्षण की एक लॉग बुक रखी तथा प्रदर्शित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी भी अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर इसे प्रस्तुत किया जाएगा;

(छ) आपातकालीन स्थिति में लिफ्ट के भीतर फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिये, स्वामी या उसके प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा वर्ष में कम से कम दो बार मॉक ड्रिल अभ्यास किया जायेगा।

यात्री की सुरक्षा

6-स्वामी को बिजली आपूर्ति में किसी भी खराबी की स्थिति में अन्दर फंसे यात्रियों को बचाने के लिए लिफ्ट या एस्केलेटर में एक स्वचालित बचाव युक्ति की स्थापना का उपबन्ध किया जाना सुनिश्चित करना होगा। युक्ति ऐसी होनी चाहिए कि लिफ्ट या एस्केलेटर निकटतम लैंडिंग तल पर पहुंचे और लैंडिंग और केज के दरवाजे खुल जायं। लिफ्ट में पर्याप्त प्रकाश होगा और यात्रियों द्वारा उपयोग हेतु द्विमार्गी-संचार प्रणाली होगी तथा लिफ्ट के भीतर आपातकालीन घंटी होगी जिसका उपयोग किसी भी आपात स्थिति में किया जायेगा। लिफ्ट में आपातकालीन उपबन्धों का प्रयोग करने के तरीके के विषय में यात्रियों के लिए अनुदेशों का प्रदर्शन किया जायेगा :

परन्तु यह कि सार्वजनिक परिसरों में स्थापित समस्त लिफ्टों में सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाया जायेगा।

बीमा

7-सार्वजनिक परिसर के मामले में, स्वामी को लिफ्ट या एस्केलेटर के प्रचालन के दौरान किसी भी दुर्घटना या अनिष्ट से पर्याप्त रूप से निपटने के लिए अनिवार्य रूप से बीमा लेना होगा ताकि ऐसे लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग करने वाले यात्रियों के जोखिम को कवर किया जा सके और मृतक या घायल को संदेय धनराशि सरकार द्वारा विहित मानक के अनुरूप अवश्य होनी चाहिए :

परन्तु यह कि सरकारी परिसर में लिफ्ट या एस्केलेटर के लिए कोई बीमा अपेक्षित नहीं होगा ।

भवन विद्युत-यांत्रिक संस्थापना और लिफ्ट या एस्केलेटर के लिए विभिन्न संहिताओं का अनुपालन

8-इस अधिनियम में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर, भवन के सम्बन्ध में प्रासंगिक अभ्यास संहिता जिसमें लिफ्ट या एस्केलेटर संस्थापित किया जाना है, लिफ्ट और एस्केलेटर स्वयं, कोई भी अन्य विद्युत या यांत्रिक उपकरण संस्थापना और प्रासंगिकता के किसी भी अन्य संहिता का पालन किया जाएगा। सार्वजनिक परिसरों में लिफ्ट और एस्केलेटर दिव्यांगों के अनुकूल होंगे।

रजिस्ट्रीकण की कालावधि

9-(1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण की अवधि लिफ्ट या एस्केलेटर के सम्पूर्ण जीवनकाल के लिए जैसा विनिर्माता द्वारा अभिनिश्चित किया जाये, विधि मान्य होगी।

(2) यदि विद्यमान लिफ्ट या एस्केलेटर में कोई परिवर्तन या परिवर्धन किया जाता है, तो नया रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य होगा।

(3) यदि संस्थापित किसी लिफ्ट या एस्केलेटर को किसी अन्य परिसर में अंतरित किया जाता है, तो नया रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य होगा।

(4) इस धारा की उपधारा (2) और (3) के अधीन संस्थापनाओं के लिए रजिस्ट्रीकरण की अवधि विनिर्माता द्वारा परिवर्तन या परिवर्धन या स्थानांतरण के पश्चात् यथा अभिनिश्चित लिफ्ट या एस्केलेटर के नए जीवन काल के लिए विधि मान्य होगी।

(5) परिसर में संस्थापित लिफ्ट या एस्केलेटर को विनिर्माता द्वारा विनिर्दिष्ट लिफ्ट या एस्केलेटर की समय अवधि समाप्त होने पर लिफ्ट या एस्केलेटर के स्वामी द्वारा अनइंस्टॉल कर दिया जाएगा।

विद्यमान लिफ्ट एवं एस्केलेटर के मामले में रजिस्ट्रीकरण

10-(1) धारा 3 और 4 में किसी बात के अंतर्विष्ट होते हुए भी, उस स्थान का प्रत्येक स्वामी जहां इस अधिनियम के प्रारम्भ होने से पहले लिफ्ट या एस्केलेटर संस्थापित किया गया है, इस अधिनियम के प्रारम्भ होने की दिनांक से छः महीने के भीतर आवेदन करेगा। राज्य सरकार प्राधिकृत अधिकारियों को विहित शुल्क के साथ एक विहित प्रारूप पर ऐसे लिफ्टों या एस्केलेटर के प्रचालन के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए प्राधिकृत कर सकती है।

(2) इस अधिनियम के अन्य उपबन्ध इन लिफ्ट और एस्केलेटर पर लागू होंगे। यदि इस अधिनियम के उपबन्धों को पूरा करने के लिए लिफ्ट या एस्केलेटर में किसी संशोधन या परिवर्तन की आवश्यकता है, तो इसे इस अधिनियम के प्रारम्भ होने के तीस मास के भीतर पूरा किया जाएगा। तब तक धारा-10 के अधीन आच्छादित ऐसे लिफ्ट और एस्केलेटर के लिए कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

ए0एम0सी0 में अंतर्ग्रस्त विनिर्माता, कमीशनिंग और संस्थापन अभिकरण, अभिकरण का रजिस्ट्रीकरण

11-(1) ए0एम0सी0 के लिए अंतर्ग्रस्त अभिकरण और समस्त विनिर्माताओं, कमीशनिंग और संस्थापन अभिकरणों को राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारियों के साथ रजिस्ट्रीकृत करवाना होगा।

(2) उन्हें एक विहित प्रारूप पर और विहित शुल्क के साथ आवेदन करना होगा।

(3) उनके लिए वांछित योग्यताएं सरकार द्वारा विहित की जाएंगी।

(4) अधिनियम के उपबन्धों या उसके अधीन बनायी गयी नियमावली के सम्बन्ध में किसी शिकायत या सूचना के मामले में, सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी, विनिर्माता या प्रवर्तन और संस्थापन अभिकर्ता या ए0एम0सी0 के लिये अंतर्ग्रस्त अभिकर्ता को कारण बताओ सूचना दे सकते है। सुनवाई का सम्यक् अवसर देने के पश्चात् यदि अधिकारी अधिनियम के उपबन्धों या उसके अधीन बनायी गयी नियमावली का अननुपालन पाता है तो वह उसका रजिस्ट्रीकरण रद्द कर देगा और धारा-16 के अधीन शास्ति खण्ड का आश्रय ले सकता है।

दुर्घटना और उनकी जांच रिपोर्ट

12-(1) लिफ्ट या एस्केलेटर के संचालन के दौरान किसी दुर्घटना के परिणामस्वरूप मानव या पशु जीवन की हानि या चोट लगने की स्थिति में, स्वामी या स्वामी द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा जिला मजिस्ट्रेट या स्थानीय पुलिस स्टेशन के प्रभारी की अधिकारिता या किसी अन्य ऐसे अधिकारी जिन्हें सरकार इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को बिना किसी देरी के, लेकिन दुर्घटना होने के 24 घंटे के भीतर सूचित करना अनिवार्य होगा।

(2) धारा-12 (1) के अधीन दुर्घटना की स्थिति में लिफ्ट या एस्केलेटर की संस्थापना में बचाव कार्य को छोड़कर किसी भी तरह से बाधा नहीं डाली जायेगी और ऐसे लिफ्ट या एस्केलेटर का कार्य जिला मजिस्ट्रेट, जो अधिकारिता रखने वाले विद्युत निरीक्षक से तकनीकी रिपोर्ट लेने के पश्चात् ही अनुज्ञा देंगे, की पूर्व लिखित अनुज्ञा के बिना पुनः प्रारम्भ नहीं होगा।

(3) आकस्मिक इतिहास की एक पृथक लॉगबुक रखी जाएगी और सार्वजनिक परिसर में संस्थापित लिफ्ट या एस्केलेटर के पास प्रदर्शित की जाएगी और सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी भी अधिकारी द्वारा पूछे जाने पर इसे प्रस्तुत किया जाएगा।

(4) धारा-12 (1) के अधीन किसी भी दुर्घटना के मामले में, जिला मजिस्ट्रेट को किसी विद्युत निरीक्षक और एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट से संयुक्त रूप से जांच करने और रिपोर्ट करने की अपेक्षा करेगा :-

(क) सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करने वाली किसी दुर्घटना के कारण के बारे में, जो लिफ्ट या एस्केलेटर की संस्थापना, प्रचालन और अनुरक्षण के कारण या उसके सम्बन्ध में हो सकती है, या

(ख) इस अधिनियम या उसके अधीन बनायी गयी नियमावली के नियमों के उपबन्धों का किस तरह और किस सीमा तक अनुपालन किया गया है, जहां तक वे उपबन्ध किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा को प्रभावित करते हैं।

जिला मजिस्ट्रेट जांच का आदेश देते समय एक अवधि उपदर्शित करेगा जिसके भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी।

(5) इस धारा की उपधारा (4) के अधीन जांच करने वाले प्रत्येक विद्युत निरीक्षक और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के पास साक्षी की उपस्थिति और दस्तावेजों तथा भौतिक वस्तुओं के प्रस्तुतीकरण और विद्युत निरीक्षक या ऐसे अन्य व्यक्ति द्वारा अपेक्षित प्रत्येक व्यक्ति जो भारतीय दण्ड संहिता 1860 (अधिनियम संख्या 95, सन् 1860) की धारा 176 के अर्थान्तर्गत ऐसा करने के लिए विधिक रूप से बाध्य हैं को प्रवर्तनीय करने के प्रयोजनार्थं सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 (अधिनियम संख्या 5 सन् 1908) के अधीन सिविल न्यायालय की समस्त शक्तियां होंगी।

(6) जांच यथासंभव शीघ्रता से सम्पन्न की जायेगी, किन्तु जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बतायी गयी समय-सीमा के पश्चात् नहीं और जांच रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत की जायेगी ।

(7) राज्य सरकार द्वारा यथाविहित रीति से धारा 12 (1) के अधीन दुर्घटना के मामले में मृतक के परिवार या घायल व्यक्ति या उसके विधिक अभिभावक, नाबालिग के मामले में, को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अवधि जो विहित अवधि से पूर्व हो स्वामी द्वारा वित्तीय क्षतिपूर्ति सन्दत्त की जायेगी। जांच रिपोर्ट या किसी बीमा दावे में दुर्घटना के लिए उत्तरदायी पाए गए किसी भी व्यक्ति से स्वामी आंशिक या पूर्ण रूप से मुआवजा वसूल कर सकता है।

(8) जिला मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करेगा कि मृतक के परिवार या दुर्घटना में घायल व्यक्ति को धारा 12 (1) के अधीन यथाशीघ्र सम्यक् क्षतिपूर्ति दिया जाए किन्तु जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बताई गयी समय-सीमा से बाद में न हो स्वामी द्वारा क्षतिपूर्ति का संदाय करने में किसी भी देरी या विफलता के मामले में, जिला मजिस्ट्रेट, भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूली के लिए कठोर प्रावधानों का उपयोग करेगा ।

लिफ्ट या एस्केलेटर के निरीक्षण के लिए किसी भी भवन में प्रवेश करने का अधिकार

13-(1) अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अननुपालन के सम्बन्ध में किसी भी शिकायत या किसी भी सूचना के मामले में, अधिकारिता वाला कोई भी विद्युत निरीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्राधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट, जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति से सार्वजनिक परिसर में कमिशनिंग या स्थापित लिफ्ट या एस्केलेटर के निरीक्षण हेतु किसी भी भवन में प्रवेश कर सकता है।

(2) किसी भी विद्युत निरीक्षक या उपधारा (1) के अधीन जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्राधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट के पास अधिनियम की धारा-12 (5) में यथा उल्लिखित समस्त शक्तियां होंगी।

(3) निरीक्षण के पश्चात् निष्कर्षों की एक विस्तृत रिपोर्ट जो जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बताई गयी समय-सीमा के बाद की न हो, के भीतर जिला मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत की जाएगी।

(4) रिपोर्ट के आधार पर, जिला मजिस्ट्रेट अधिनियम के उपबन्धों और तद्धीन बनाए गए नियमों के अननुपालन से सम्बन्धित रिपोर्ट किए गए निष्कर्षों को सुधारने के लिए स्वामी को निदेश जारी करेगा। स्वामी या इस प्रयोजन के लिए स्वामी द्वारा प्राधिकृत कोई भी व्यक्ति इन निदेशों का पालन करेगा और जिला मजिस्ट्रेट को अननुपालन की रिपोर्ट यथासम्भव शीघ्रता से देगा, किन्तु जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बताई गयी समय-सीमा के पश्चात् नहीं।

स्पष्टीकरण :- यदि अननुपालन मानव सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गम्भीर प्रकृति का है, तो जिला मजिस्ट्रेट आदेश देगा और स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि लिफ्ट या एस्केलेटर को ठीक होने तक क्रियाशील नहीं किया जाएगा।

(5) उपधारा (4) के अधीन निदेशों के अननुपालन, इस अधिनियम के अधीन दंडात्मक कार्यवाही के लिए होगी ।

बकाया की वसूली

14-इस अधिनियम के अधीन शुल्क या ब्याज या क्षतिपूर्ति या किसी अन्य देयक के रूप में संदेय समस्त धनराशि भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूली योग्य होगी।

विलम्ब शुल्क

15-यदि स्वामी इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों के अधीन यथा विहित किसी भी समय सीमा का उल्लंघन करता है तो उससे विलम्ब शुल्क लिया जाएगा।

सद्भावनापूर्वक कृत कार्यवाही का संरक्षण

16-इस अधिनियम या तद्धीन बनाये गये नियमों या आदेश के अधीन सद्भावनापूर्वक कृत या किये जाने हेतु आशयित किसी बात के लिये किसी कार्यालय के विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाहियाँ संस्थित नहीं होंगी।

नोटिस, आदेश या दस्तावेजों का तामीलीकरण

17-(1) इस अधिनियम द्वारा या इसके अधीन किसी भी व्यक्ति को सम्बोधित करके अपेक्षित या प्राधिकृत प्रत्येक नोटिस, आदेश या दस्तावेज को डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक साधन के माध्यम से तामील कराया जा सकता है या छोड़ दिया जा सकता है,-

(क) जहां स्थानीय प्राधिकारी के कार्यालय में, एक स्थानीय प्राधिकारी प्रेषिती है।

(ख) जहां कम्पनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में कोई कम्पनी प्रेषिती है या भारत में कम्पनी के प्रधान कार्यालय में कम्पनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भारत में नहीं होने की स्थिति में है।

(ग) जहां व्यक्ति के सामान्य या अन्तिम ज्ञात स्थान या कारबार पर कोई अन्य व्यक्ति प्रेषिती है।

(2) इस अधिनियम द्वारा या इसके अधीन किसी भी परिसर के स्वामी या स्वामी के अभिकर्ता या अधिभोगी को सम्बोधित करके अपेक्षित या प्राधिकृत प्रत्येक नोटिस, आदेश या दस्तावेज को समुचित रूप से सम्बोधित समझा जाएगा, यदि परिसर (परिसर का नामकरण) के ''स्वामी'' या ''स्वामी के अभिकर्ता'' या ''अधिभोगी'' के विवरण द्वारा सम्बोधित किया जाता है और इसे परिसर में किसी व्यक्ति को या इसकी सत्य प्रतिलिपि तामील कराकर या यदि परिसर में कोई व्यक्ति नहीं है तो युक्तियुक्त तत्परतापूर्वक तामील करायी जा सकती है तथा इसे परिसर के किसी सहज दृश्य भाग पर चिपकाकर तामील करायी जा सकती है ।

अपील

18-(1) जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपील अधिकारिता वाले अपील डिवीजनल कमिश्नर के समक्ष होगी।

(2) निदेशक, विद्युत सुरक्षा द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपील सचिव, ऊर्जा विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अभिहित किसी अधिकारी के समक्ष होगी जो विशेष सचिव की श्रेणी से नीचे का न हो ।

नियम बनाने की शक्ति

19- राज्य सरकार, सरकारी गजट में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों का नियम बनाने पालन करने के लिए नियम बना सकती है।

कतिपय परिसरों को छूट दिये जाने की शक्ति

20-राज्य सरकार, सरकारी गजट में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम या तद्धीन बनायी गयी नियमावली के उपबन्धों का पालन किये जाने से किसी परिसर को छूट प्रदान कर सकती है :

परन्तु यह कि ऐसे परिसरों को छूट दिये जाने के लिये अधिसूचना में उचित औचित्य दिया जायेगा और यह छूट आपवादिक रूप से दिया जायेगा।

सरकारी परिसरों में स्थापित लिफ्ट या एस्केलेटर पर अधिनियम का लागू होना

21-उत्तर प्रदेश में अवस्थित किसी भी सरकारी या अर्ध-सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के परिसर में स्थापित लिफ्ट या एस्केलेटर पर इस अधिनियम के उपबन्धों को लागू करते समय, इस अधिनियम के उपबन्ध, अनुसूची में विनिर्दिष्ट सीमा तक उपांतरित किये जायेंगे ।

व्यावृत्ति खण्ड

22-इस अधिनियम में अन्तर्विष्ट कोई बात विद्युत अधिनियम, 2003 (अधिनियम संख्या 36, सन् 2003) या तद्धीन बनायी गयी नियमावली के उपबन्धों को प्रभावित नहीं करेगी।

अनुसूची

(धारा-21 देखें)

1-धारा-3 की उपधारा (1) में, शब्द ''प्रत्येक स्वामी'' के स्थान पर शब्द ''प्रत्येक सरकारी प्रभारी अधिकारी'' रख दिये जायेंगे।

2-धारा-12 की उपधारा (1) में, शब्द ''स्वामी या इस प्रयोजन के लिए स्वामी द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति'' के स्थान पर शब्द ''प्रत्येक सरकारी प्रभारी अधिकारी या उसके द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी'' रख दिये जायेंगे।

3-धारा-20 की उपधारा (1) (क) में, शब्द ''स्थानीय प्राधिकारी के कार्यालय में, जहां स्थानीय प्राधिकारी प्रेषिती है'', के स्थान पर शब्द ''प्रभारी अधिकारी के कार्यालय में, जहां सरकार प्रेषिती है'' रख दिये जायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से खण्ड-22 तक तथा खण्ड-1 प्रस्तावना व शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जाए ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया तथा स्वीकृत हुआ)

श्री ए0 के0 शर्मा-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 पारित किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश लिफ्ट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 पारित किया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया तथा स्वीकृत हुआ)

[10:28] उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2024-2025 की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति'', ''पंचायती राज समिति'' तथा मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम निर्धारण की सूचना

श्री अध्यक्ष-

मैं सदन को सूचित करता हूँ कि उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2024-2025 की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्लन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति'', ''पंचायती राज समिति'' और मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों के निर्वाचन हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम निर्धारित किया गया है :-

01-नाम-निर्देशन करने की अन्तिम तिथि तथा समय	सोमवार, 11 मार्च, 2024 को अपराह्न 04:00 बजे
02-नाम-निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा की तिथि तथा समय	गुरुवार, 14 मार्च, 2024 को अपराह्न
03-नामों की वापसी की तिथि तथा समय	03:00 बजे (प्रमुख सचिव विधान सभा के कार्यालय कक्ष में)
04-निर्वाचन, यदि आवश्यक हुआ तो, मतदान	बुधवार, 20 मार्च, 2024 को अपराह्न 04:00 बजे तक
(क) ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति'' तथा ''पंचायती राज समिति'' के लिए	
(ख) मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों के लिए	गुरुवार, 28 मार्च, 2024 को

विधान भवन, लखनऊ में स्थित समिति कक्षा संख्या 44-ख में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक होगा।

उक्त निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांतानुसार एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा सम्पन्न किया जाएगा।

उक्त निर्वाचनों सम्बन्धी नाम निर्देशन-पत्र संसदीय अनुभाग से कार्यालय समय के भीतर प्राप्त किए जा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा की वित्तीय वर्ष 2024-2025 की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति'', ''पंचायती राज समिति'' तथा मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों में विधान सभा के सदस्यों के नाम-निर्देशित करने हेतु श्री अध्यक्ष को प्राधिकृत किये जाने का प्रस्ताव

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, यह सदन उत्तर प्रदेश विधान सभा की वर्ष 2024-25 संसदीय की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच सम्बन्धी समिति'' तथा ''पंचायती राज समिति'' और ''मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों में सदस्यता के लिए सम्बन्धित नियमों के उपबन्धों को उस सीमा तक निलम्बित करते हुए जहां तक वे उक्त समितियों की निर्वाचन प्रक्रिया से सम्बन्धित है, श्री अध्यक्ष को उक्त सभी समितियों में वर्ष 2024-25 के लिए अपेक्षित संख्या में विधान सभा के सदस्यों को नाम निर्देशित करने हेतु इस अनुरोध के साथ प्राधिकृत करते हैं कि वे कृपया उक्त समितियों में नाम निर्देशन कर दें तथा उसके बाद उक्त वर्ष में उपर्युक्त समितियों में आकस्मिक रिक्तियों की, यदि कोई हो, पूर्ति के लिये भी यथासमय सदस्यों को नामनिर्देशित करने के लिये भी श्री अध्यक्ष को प्राधिकृत करते हैं और यह निश्चय करते हैं कि इस प्रकार नाम निर्देशित सदस्य उक्त समितियों में सम्बन्धित नियमों की अपेक्षानुसार विधिवत निर्वाचित समझे जायेंगे।

मान्यवर, इस पर हमारे दस्तखत भी हैं और मा0 नेता प्रतिपक्ष के दस्तखत भी हैं।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि यह सदन उत्तर प्रदेश विधान सभा की वर्ष 2024-25 की ''लोक लेखा समिति'', ''प्राक्कलन समिति'', ''अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति'', ''सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति'', ''प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जाँच सम्बन्धी समिति'' तथा ''पंचायती राज

समिति'' और ''मंत्रियों को परामर्श देने वाली 30 (तीस) स्थायी समितियों में सदस्यता के लिये सम्बन्धित नियमों के उपबन्धों को उस सीमा तक निलम्बित करते हुये जहाँ तक वे उक्त समितियों की निर्वाचन प्रक्रिया से सम्बन्धित हैं, श्री अध्यक्ष को उक्त सभी समितियों में वर्ष 2024-25 के लिये अपेक्षित संख्या में विधान सभा के सदस्यों को नाम निर्देशित करने हेतु इस अनुरोध के साथ प्राधिकृत करते हैं कि वे कृपया उक्त समितियों में नाम निर्देशन कर दें तथा उसके बाद उक्त वर्ष में उपर्युक्त समितियों में आकस्मिक रिक्तियों की, यदि कोई हो, पूर्ति के लिये भी यथासमय सदस्यों को नाम निर्देशित करने के लिये भी श्री अध्यक्ष को प्राधिकृत करते हैं और यह निश्चय करते हैं कि इस प्रकार नाम निर्देशित सदस्य उक्त समितियों में सम्बन्धित नियमों की अपेक्षानुसार विधिवत निर्वाचित समझे जायेंगे ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

[10:30] वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर मदवार चर्चा हेतु समय का निर्धारण

श्री अध्यक्ष-

अब हमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक के अनुदानों की माँगों पर चर्चा और विचार करेंगे।

मेरा निवेदन यह है कि आज मा0 नेता प्रतिपक्ष द्वारा समय का जो सुझाव दिया गया है उस समय मा0 नेता प्रतिपक्ष भी बोलेंगे और मा0 मुख्य मंत्री जी भी उसके बाद उसमें इंटरवीन करेंगे और चूँकि कार्य-मंत्रणा समिति के अन्तर्गत इस बात की चर्चा हुयी थी कि कुछ विभागों को ले लिया जाये जिससे उनके अनुदानों की माँगों पर विचार एवं मतदान हो जाये। इसलिये कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिशों के अनुरूप यह निर्णय लिया गया था और जो विधान सभा के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया था कि उसमें कृषि विभाग, नगर विकास विभाग, चिकित्सा विभाग तथा लोक निर्माण विभाग इन चारों विभागों के अनुदानों की माँगों पर चर्चा की जायेगी। हमारे पास इसके लिये दो घण्टे का समय है। इसमें मेरा निवेदन है कि चूँकि समय की सीमा है और आज सभी राजनीतिक दलों के मा0 नेतागण को भी उसके ऊपर इंटरवीन करना है और मा0 नेता प्रतिपक्ष तथा मा0 नेता सदन को भी इंटरवीन करना है। उसके बाद तद्नुसार एजेण्डा लिया जायेगा। इसलिये मा0 मंत्री जी को भी सम्मिलित करते हुये मेरा आप सभी लोगों से निवेदन है कि मा0 मंत्री जी के लिये 15 मिनट का समय निर्धारित है, मा0 मंत्री जी से मेरा विनम्र निवेदन है कि वह 15 मिनट में अपने विभाग पर बोलेंगे। उसके बाद 10 मिनट कटौती प्रस्ताव पर बोलने के लिये दिये जायेंगे, जिसमें हमारे मा0 नेता जिसको भी तय करेंगे, क्योंकि कौन किसके ऊपर बोलेगा यह राजनीतिक दलों का अधिकार है। उस 10 मिनट में यदि एक व्यक्ति बोलना चाहता है तो एक व्यक्ति बोलेगा, यदि 5 मिनट बोलना चाहता है तो दो व्यक्ति बोलेंगे, 3 लोगों को बोलना है तो 3-3 मिनट बोलेंगे, 5 लोगों को

बोलना है तो 2-2 मिनट बोलेंगे और अगर 10 लोगों को बोलना है तो 1-1 मिनट बोलेंगे, मैं इससे कम समय नहीं दे सकता, क्योंकि अगर एक मिनट से कम समय दूँगा तो लोग कहेंगे कि एक मिनट से कम समय दिया। इसलिये मेरा आप सभी से निवेदन है कि सभी लोग समय सीमा के अन्दर रहेंगे। किसी को भी मैं कहूँ कि मैं माइक बन्द करुँगा तो मुझे यह शोभा नहीं देता, मुझे यह अच्छा नहीं लगता, लेकिन आपको भी उस सीमा के अन्तर्गत रहना चाहिये। 10 मिनट आप बोलेंगे, उसके बाद मा0 मंत्री जी अपना उत्तर भाषण देंगे। मा0 संसदीय कार्यमंत्री जी, उसमें मेरा यह सुझाव है कि चारों विभागों के मा0 मंत्री जी अपना बजट रख दें, उसके बाद चारों पर एक साथ कटौती प्रस्ताव आ जाये। मा0 संसदीय कार्यमंत्री जी, आप कैसे करना चाहते हैं, एक साथ या एक-एक विभागवाईज ?

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, खासतौर से आज जो चार विभाग है, उन चारों का बजट एक साथ रखवा दें और चारों पर कटौती प्रस्ताव रखवा दें। उसके बाद यदि किसी को कुछ बोलना हो तो वह बोल लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, मा0 कृषि मंत्री जी, अब आपका समय शुरू होता है।

[10:32] वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान

अनुदान संख्या-11-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि)

कृषि, कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान मंत्री (श्री सूर्य प्रताप शाही)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से श्री तथा राज्यपाल जी की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-11 कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 8,779,43,44000 (आठ हजार सात सौ उन्नयासी करोड़ तैंतालिस लाख चौवालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

मा0 अध्यक्ष जी, इस साल आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने कृषि विभाग के लिए बजट रखा है। यह 2016-17 के वित्तीय वर्ष की तुलना में उस समय का बजट 3 हजार 9 सौ 55 करोड़ 32 लाख रुपये था, आज न तो नेता प्रतिपक्ष हैं न उस समय के कृषि मंत्री मा0 शिवपाल सिंह यादव जी हैं, आदरणीय मनोज कुमार पाण्डेय जी इस समय सदन में विराजमान हैं। उस समय यही कृषि मंत्री के रूप में विभाग का काम देख रहे थे। तब से लेकर आज तक और आज जो बजट रखा गया है वह 121.96 प्रतिशत अधिक है। यह इस बात को साबित करता है कि आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार किसानों के प्रति

कितनी प्रतिबद्ध है और निरन्तर उनके खुशहाली के लिए प्रयत्न कर रही है। इस नाते 5 वर्षों के भीतर 121.96 प्रतिशत बजट का परिणाम उत्तर प्रदेश के इतिहास का अपना एक स्वर्णिम अवसर है, जो किसानों के लिए काम कर रही है। कल ही भारत रत्न के रूप में आदरणीय चौधरी चरण सिंह जी को और डॉ0 स्वामीनाथन साहब जी को नवाजा गया है। इन दोनों लोगों की कृषि क्षेत्र के भीतर बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उत्तर प्रदेश के कृषि सुधारों के लिए सदैव चौधरी चरण सिंह जी याद किए जायेंगे। वहीं पर देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डॉ0 स्वामीनाथन साहब हमेशा याद किए जायेंगे। डॉ0 स्वामीनाथन साहब की रिपोर्ट के अनुसार निरन्तर प्रधानमंत्री मोदी जी ने कृषि क्षेत्र को किसानों के हित में काम करने के लिए आगे बढ़ाया है। इन्हीं पदचिन्हों पर चलते हुए आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी ने कार्यवाहियाँ की हैं जिसकी वजह से आज उत्तर प्रदेश की प्रतिशत से ज्यादा चल रही है। देश में सर्वाधिक ग्रोथ रेट दिलाना चाहता हूँ कि खाद्यान उत्पादन में उत्तर प्रदेश गत वर्ष 625 लाख 23 हजार मीट्रिक टन उत्पादन करके 2016-17 की तुलना में 12.16 प्रतिशत वृद्वि किया है। इसी तरीके से यदि हम चावल के उत्पादन को देखें तो 14.27 गेहूँ उत्पादन 349 मीट्रिक टन से बढ़कर 380 लाख मीट्रिक टन हुआ है, इसमे भी 8.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दलहन के उत्पादन में हम लोगों ने 2016-17 से 23.94 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की जगह पर पिछले साल हमने 29.79 लाख मीट्रिक टन पैदा किया है जो 24.44 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार से तिलहन के उत्पादन में हम लोगों ने 116.61 प्रतिशत की वृद्धि कर उत्तर प्रदेश की सरकार ने हम लोगों ने किसानों को निःशुल्क मिनीकिट दिए और हाई वैल्यू प्राप्त करने के लिए किसानों को जागरूक किया है। जिसका परिणाम यह है कि 12.4 लाख मीट्रिक टन से बढ़ करके सरसों का उत्पादन, तिलहन का उत्पादन 26.26 लाख मीट्रिक टन हुआ है। मान्यवर, हमारी मुख्य उत्पादकता भी बढ़ी है।

आदरणीय योगी जी की सरकार में किसान भाईयों को उन्नतिशील प्रजाति का बीज उपलब्ध कराया गया है। इसी तरीके से माननीय सिंचाई मंत्री जी के सहयोग से किसान भाईयों को निःशुल्क सिंचाई सुविधाओं को प्रदान करके और टेल तक पानी पहुँचा कर कृषि उत्पादन को बढ़ाया गया है।

समय पर हमने बीज दे दिया। इसके बाद माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी को सरकार में आने के बाद 60 प्रतिशत से लेकर एम0एस0पी0 में वृद्धि किया। आप कहते हैं कि हमें एम0एस0पी0 में गारण्टी दो। एम0एस0पी0 की गारण्टी देने वाला कोई है तो आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी है। जिन्होंने डॉ0 स्वामीनाथन साहब की रिपोर्ट को समझते हुए एम0एस0पी0 डेढ़ गुना से ज्यादा बढ़ाई। दो गुने तक कुछ फसलों का किया। मैं आगे बताऊंगा कि किन-किन फसलों का एम0एस0पी0 100 प्रतिशत से ज्यादा मोदी जी की सरकार ने बढ़ाया है। इस प्रकार से कोशिश किया और दूसरी तरफ आदरणीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विभिन्न फसलों की, पाण्डेय जी आपके जमाने में धान और गेहूँ की खरीदारी करते थे

लेकिन किसान को भुगतान नहीं होता था, 6-7 माह तक साधन सहकारी क्रय केन्द्रों और बैंकों के चक्कर लगाते थे। योगी जी की सरकार ने यह व्यवस्था की कि डी0बी0टी0 के माध्यम से उनके खातों में तुरन्त भुगतान किया जाय और उसके नाते हम लोगों ने रिकार्ड खरीदारी की व्यवस्था कराई। योगी जी की सरकार ने 2017 में आने के बाद दूसरा फैसला जो किया था वह किसानों के हित में था। पहला फैसला था कर्ज माफी का और दूसरा फैसला था एम0एस0पी0 पर खरीदारी का। 37 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उस साल हम लोगों ने खरीदा था। उसके पहले साल आपने मात्र 7 लाख मीट्रिक टन खरीदा था। 5 गुना से भी ज्यादा खरीदारी की है इस नाते उत्तर प्रदेश का ग्रोथ रेट बढ़ा है। सिर्फ भाषणों से नहीं। किसानों के लिए सिर्फ घड़ियाली आसूं बहाते हैं, उस तरीके से नहीं। हम लोगों ने जमीन पर काम किया है।

कृषि यन्त्रों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के किसान भाईयों के लिए काम हुआ है। आपने 5 साल में 13998 कृषि यंत्र किसानों को दिये थे। हमने यह प्रयास किया है कि पर्याप्त मात्रा में 1 लाख 67 हजार 745 कृषि यंत्र उनको उपलब्ध करवाये। 2016-17 से अब तक तेरह सौ दो करोड़ रुपये की धनराशि कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए में किसान भाइयों को डी0बी0टी0 के माध्यम से दी है। राज्य के भीतर 11 हजार किसानों को हमने ट्रैक्टर से लैस किया है। यह हमारे बैंक के कारण हुआ है। यह हमारे कस्टमर हायरिंग सेन्टर की वजह से हुआ है। हम लोगों ने यह प्रयास किया कि उत्तर प्रदेश के किसान भाइयों को बिना किसी खर्चे के बिना डीजल के खर्चे से किस तरह से उनको 150 दिन सिंचाई की सुविधा मिल जाये। उसके लिए जो हमने प्रयास किया और अब तक हमने 51970 सोलर पम्प लगाये हैं और उस पर 561 करोड़ रुपये का अनुदान किसान भाइयों को भेजा है। आज हमारे साथ उत्तर प्रदेश के 2 करोड़ 62 लाख किसानों तक कृषि विभाग पहुंच गया है। हम गांव-गांव के भीतर जाकर उनको जागरुक कर रहे हैं। उन्नतिशील प्रजाति के बीज कैसे उपयोग करें उसके लिए उनको हम जागरूक कर रहे हैं। कृषि यंत्रों का इस्तेमाल खेती के लिए कैसे करें उसके लिए जागरूक कर रहे हैं। हम लोगों ने राज्य के भीतर, मैंने देखा कि आपके जमाने में कितने निःशुल्क मिनी किट दिये गये थे। 4 लाख 42 हजार निःशुल्क मिनी किट आपने अपने जमाने में बांटे थे।

योगी जी की सरकार ने 29 लाख 87 हजार लगभग 6 गुना से ज्यादा किसानों को सीधा दलहन और तिलहन से जोड़ा है। दलहन और तिलहन की वजह से किसान की आमदनी बढ़ी है। विविधीकरण उसके नाते हमने प्रारम्भ किये। आज मल्टी क्रापिंग हम किसान भाइयों से करा रहे हैं। गन्ने का भी हमने एक विशेष तरह से प्रयोग किया है कि दलहन और तिलहन की खेती करके किसान अपनी आमदनी को बढ़ाये। इसलिए उत्तर प्रदेश में हमारे किसान भाइयों की आमदनी 56 हजार से बढ़कर आज 96 हजार रुपये से ऊपर जा रही है। इस साल तो और ज्यादा हो जायेगी। आगे आने वाले दिनों में योगी जी की सरकार के तीन साल, ये किसान की आमदनी को तीन गुना तक पहुंचायेगी। आपके जमाने में जितनी आमदनी थी, उसे तीन गुना तक हम पहुंचाने की दृष्टि से आगे की ओर बढ़ सकेंगे।

वहीं पर खेत तालाब योजना के माध्यम से 33 हजार 353 किसान भाइयों के खेतों पर वर्षा जल का संरक्षण करके सिंचाई की सुविधा उनको दी जा सके। माइक्रो इरिगेशन और ड्रिप इरिगेशन के माध्यम से ''वन ब्लाक मोर क्रॉप'' जो प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि गिरते हुए भू-जल स्तर को रोकने के लिए, थामने के लिए कम सिंचाई से खेती के संशाधन विकसित किये जायें। मोदी जी और योगी जी की सरकार के सौजन्य से आज किसान भाइयों को सामान्य किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान और अनुसूचित जाति, जनजाति किसान भाईयों को 90 प्रतिशत अनुदान पर हम उनको स्प्रिंक्लर और ड्रिप इरिगेशन उपलब्ध करवा रहे हैं।

गन्ने की भी बी0 पेरिगेशन की वजह से प्रोडेक्टिविटी बहुत आगे बढ़ी है। 44 प्रतिशत से ज्यादा गन्ने का उत्पादन बढ़ा है। मा0 गन्ना मंत्री जी उसके बारे में विस्तार पूर्वक बता सकते हैं। इसी तरीके से आज हमारी जो आलू की खेती है वह भी बढ़कर के 242 लाख मीट्रिक टन तक पहुंची हैं। यह हमारे इनपुट को समय पर उपलब्ध कराया जाना और टैक्नोलॉजी को किसानों के बीच में पहुंचाया जाना और किसान को अच्छे बीज का दिया जाना उसी का यह परिणाम हो सका है। हम लोगों ने जैविक खेती के लिए भी अपने कार्यक्रम को शुरु किया है और 2 लाख 26 किसानों को प्राकृतिक खेती व नमामि गंगे योजना के भीतर बुन्दलेखण्ड, उत्तर प्रदेश के गौ आधारित प्राकृतिक खेती के आधार पर 2 करोड़ 36 लाख किसानों को हम लोगों ने इससे जोड़ा है। उनके लिए जो बजट अभी आया है। उस बजट के भीतर टेस्टिंग लैब चारों विश्वविद्यालयों के भीतर आर्गेनिक टेस्टिंग लैब स्थापित करने के लिए हम लोगों ने व्यवस्था की है।

मान्यवर, मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि राज्य के भीतर हम लोगों ने यह प्रयास किया है कि वित्तीय निवेश किसी कृषि के भीतर बढ़े और वर्ष 2016-17 में 75 हजार 71 करोड़ रुपये का आप लोगों ने कृषि ऋण वितरण किया था। उसकी तुलना में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने 1 लाख 32 हजार 577 करोड़ किया 76.60 प्रतिशत हम लोगों ने बढ़ाया है। जिसकी वजह से आज किसान सक्षम हुआ है टैक्नालॉजी के माध्यम से आज कृषि यंत्र, सोलर पम्प, एग्रीकल्चर व अन्य चीजों पर ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। जो आपके जमाने में अदायगी नहीं कर पाते थे। आज वह अदायगी करने में आर्थिक रूप से सक्षम हुआ है। वर्ष 2023-24 फसली वर्ष पूरा होने वाला है। वर्ष 2024 में आते-आते हम लोग 649 लाख मीट्रिक टन खाद्य का उत्पादन करेंगे। 388 लाख मीट्रिक टन हम गेंहू का उत्पादन करके फिर से नई ऊंचाईयों पर चढ़ने वाले हैं। मक्के का उत्पादन जो आपके जमाने में 12.75 लाख मीट्रिक टन होता था। आज बढ़कर के 20.16 लाख मीट्रिक टन हुआ है। इसी तरीके से गन्ने का उत्पादन आपके जमाने में 1458.31 लाख मीट्रिक टन था। मैं धन्यवाद देता हूँ मा0 गन्ना मंत्री जी को कि उनके प्रयासों से 2489 लाख 90 हजार मीट्रिक टन 44 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि गन्ने के उत्पादन में हुई है। जैसे-जैसे कृषि उत्पादन बढ़ रहा है वैसे ही आपको पीड़ा भी बढ़ती जा रही है। आपको तकलीफ हो रही है कि कैसे यह हो रहा है आपके सभी

प्रयासों के बावजूद भी आपने किसान को हमारे खिलाफ करने की कोशिश की है। आपके सारे आंदोलन विफल हो गये आज धान के उत्पादन में हम लोगों ने 21.14 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की है। तिलहन में हमारी बढोत्तरी बढ़कर 127 प्रतिशत हो जायेगी। इसी तरह से दलहन में बढ़कर को 35.28 प्रतिशत हो जायेगी। आलू के उत्पादन में 90 प्रतिशत वृद्धि हुई है मा0 शिवपाल सिंह यादव जी, आपके जमाने में होता था 129.16 लाख मीट्रिक टन और इस साल हम पैदा कर रहे है 243.60 लाख मीट्रिक टन यह हमारी नीतियों के परिणाम है बाजार में जब आलू के रेट गिरे तो योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना चलाकर के आलू की खरीददारी करने का काम शुरु किया। गन्ने के क्षेत्र से दलालों और माफियाओं को बाहर निकाला आपके जमाने में पर्चियां ब्लैक होती थीं। मैं जब कृषि मंत्री के रूप में पहला दौरा बुन्देलखण्ड में झांसी का किया और अबकी बार भी भगवान श्रीराम लला की स्थापना के बाद पहला दौरा भी जनपद झांसी का किया है तो यह राम-राज लाने का संकेत था।

प्रधानमंत्री फसल बीमा के भीतर लगभग 56 हजार किसान शामिल थे लेकिन किसानों की क्षतिपूर्ति का 200 करोड़ रुपये का बकाया राशि का भुगतान नहीं हुआ था।

जब मैंने वहां कहा कि बीमा कम्पनी को बन्द कराते हैं तो आपके जमाने के बकाये का पूरा का पूरा भुगतान हो गया। आज उसी बुन्देलखण्ड के भीतर हमारी प्रोडक्टीविटी बढ़ी है। मैं अभी झांसी गया था तो झाँसी का किसान भी सिंचाई विभाग की कृपा से अब धान की फसल लगाने लगा है, यह बदलाव है बुन्देलखण्ड का। आपके जनपद इटावा और नेता विरोधी दल के प्रिय क्षेत्र कन्नौज में बाजरे की खेती होती थी, लेकिन वहां कभी बाजरे की खरीददारी नहीं हुई। ज्वार की खरीददारी नहीं हुई, मक्के की खरीददारी नही हुई। आपकी सरकार के दो-दो कृषि मंत्री बैठे हैं। सरसों की कभी खरीददारी नही किया, मूंग की कभी खरीददारी नहीं किया, लेकिन यह योगी जी की सरकार है जो आज बाजरे की भी खरीद करती है, ज्वार की भी खरीद करती है, मक्के की भी खरीद करती है, मूँग की भी खरीद करती है, मूँगफली की भी खरीद करती है, सरसों की भी खरीद करती है, चना की भी खरीद करती है, मसूर की भी खरीद करती है, मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ अपने माननीय प्रधानमंत्री जी को जिन्होंने डेढ़ से दो गुना किया और धन्यवाद है योगी जी को जिन्होंने इस तरीके से खरीददारी करके किसान की आर्थिक स्थिति और सम्पन्नता को बढ़ाने का प्रयास किया है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी केवल यह बता दें कि जनपद इटावा में कितनी-कितनी खरीद हुई है।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

मैं बता दूँगा आपको।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

वहाँ अभी शुरुआत ही नहीं हुई है और माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि खरीद कर ली।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी आप वह उत्तर भाषण में बता दीजियेगा। अब मैं दूसरा विभाग ले रहा हूँ।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात पूरी कर लूँ। हम लोगों ने 3.81 करोड़ किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच करके उनको सुझाव दिया है कि किस तरीके से वह जमीन के सुधार का काम करें। उसके लिए हर साल हम 20 क्विंटल से ज्यादा किसान भाईयों को ढ़ैंचा उपलब्ध करा रहे हैं। उसके लिए 20-22 हजार मीट्रिक टन जिप्सम उपलब्ध करवा रहे हैं जिससे कि हमारे जमीन की कार्बन शक्ति और आर्गेनिक कार्बन बढ़े और हमारा बेहतर उत्पादन, पौष्टिक उत्पादन, स्वास्थ्यवर्धक उत्पादन बढ़ सके।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अब माननीय नगर विकास मंत्री जी बोलेंगे।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं मण्डी के बारे में चर्चा करना चाहूँगा।

श्री अध्यक्ष-

मैंने शुरु में ही निवेदन किया था। आप वरिष्ठ मंत्रियों को रोकने मुझे अच्छा नहीं लगेगा। प्लीज आप समाप्त करिये।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं दो बातें कहकर अपनी बात समाप्त करुँगा कि कैसे ग्रास वैल्यू एग्रीकल्चर रेट बढ़ी है और दूसरा मण्डी के बारे में कुछ बातें हैं। माननीय अखिलेश यादव जी ने भी इस बात को कहा और शिवपाल सिंह यादव जी ने भी कहा कि आपकी सरकार में एक भी मण्डी नहीं बनी है। उन्होंने यह बात माननीय मुख्य मंत्री जी के सामने भी कहा था। मैं आपको यह बता दूँ कि योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने तीन नवीन मण्डियाँ बनाई हैं। जिसमें एक जरास में है, एक शमसाबाद में है और एक पड़रौना कुशीनगर में बन रही है। सरकार पांच नवीन उप मण्डियाँ बना रही है जिसमें एक लखीमपुर खीरी के निघासन में, एक गुरुबक्शगंज में, एक ऊँचाहार में और एक महराजगंज में है। हम लोगों ने पैक हाऊस भी बनाये हैं ताकि किसानों के फलों और सब्जियों को पैक करके और गुणवत्तापरक तरीके से

उसको एक्सपोर्ट किया जा सके। एग्रीकल्चर का जो ग्रास वैल्यू ग्रोथ रेट है वह आपके जमाने से कैसे बढ़ा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी आपके पास इतना कुछ है कि आप चार घण्टे बोलेंगे तब भी समय कम पड़ जायेगा। आप समय के अनुशासन का पालन करिये।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

माननीय अध्यक्ष जी, एक लाइन में समाप्त कर रहा हूँ। आपका कुल खेती क्षेत्र था जिसमें खाद्यान्न भी था, सब्जियाँ भी थी, गन्ना भी था, पशुपालन भी था और मछली भी थी। उस समय वर्ष 2016-17 में किसान की आमदनी 150526 करोड़ रुपये होती थी योगी आदित्यनाथ जी की सरकार के प्रयास से अब 206305.45 करोड़ रुपये की ग्रास स्टेट वैल्यू एडेड एग्रीकल्चर की स्थिति है और यही हमारी आमदनी को दोगुना करने के रास्ते की ओर ले जा रही है। यह रिपोर्ट मैं आपके सामने रखता हूँ जिससे आप संतुष्ट हो जायेंगे कि हमारी सरकार किस प्रकार से ऐतिहासिक काम किये हैं। माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इसी मध्य 10 बजकर 55 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पीठासीन हुए।)

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, विधान सभा में यही परम्परा रही है कि जब एक विभाग का बजट आ जाएगा तो विपक्ष उसकी कटौती रखेगा। ऐसा कभी नहीं रहा है कि चार विभाग एक साथ बोल देंगे तो उसके बाद जवाब आएगा।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, ऐसा पहले कई बार होता रहा है आप कार्यवाही देख लें। यह सही नहीं है। एक साथ बजट प्रस्तुत हुआ है। आज अध्यक्ष पीठ से यही निर्देश हुआ, ऐसा रहा है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, कभी नहीं रहा है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, रहा है।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी आप भी पहले विपक्ष में रहे और हम लोग भी रहे है। अगर विभाग कटौती का प्रस्ताव रख दें, उसके बाद फिर जनरल बहस होती है तो विभाग के कटौती का प्रस्ताव रखने के बाद उसे अलग-अलग कैसे रखा जाएगा ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, यह चारों प्रस्तुत कर दें फिर 15 मिनट बाद रख देंगे।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, पहले एक का जवाब आ जाए फिर दूसरा आ जाए, फिर तीसरा आ जाए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

आपने सुना नहीं पीठ से आज यही निर्देश हुआ है कि 15-15 मिनट पहले चारों बजट रख देंगे उसके बाद आप बोल देंगे।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हम समय को लेकर सहमत हैं, लेकिन एक विभाग का पहले जवाब आ जाए।

अनुदान संख्या-37-नगर विकास विभाग

नगर विकास, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री ए0 के0 शर्मा)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपकी अनुज्ञा तथा श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-37 नगर विकास विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 24 हजार 27 करोड़ 36 लाख 81 हजार रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हम सभी को ज्ञात है कि मानव सभ्यता का विकास शहरीकरण की प्रवृत्ति से कई बार जाना जाता है। मानव समुदाय जब संगठित रूप से गांव में, पुरवों में रहने लगा, नगरों और कस्बों में रहने लगा तब से सुनियोजित विकास की परिभाषा मानव समाज को लेकर शुरू हुई है। आप सबकी जानकारी में है कि जहां एक जगह पर हज़ारों, करोड़ों और लाखों लोगों की संख्या रहती है तो स्वाभाविक रूप से वह कुछ चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। भारत सरकार का एक आंकड़ा कहता है कि भारत की कुल 30 प्रतिशत से ऊपर जो शहरी आबादी है उसी के आसपास हमारी भी है। उसमें 30 प्रतिशत जनता मात्र 3 प्रतिशत ज़मीन पर रहती है। अरबन लैंड एरिया मात्र 3 प्रतिशत है। जहां 30 प्रतिशत आबादी 3 प्रतिशत जमीन पर रहेगी तो स्वाभाविक रूप से उसकी कुछ चुनौतियां उत्पन्न होती है और उन चुनौतियों को हम लोग अलग-अलग ढंग से उनको पार पाने के लिए, उनके ऊपर काम करने के लिए अलग-अलग ढंग से काम कर रहे हैं और उसी दिशा में इस बजट में जो व्यवस्था की गयी है, उस दिशा में हमें बल देने के हमें सामर्थ्य देने के लिए इस बजट में प्रावधान किया गया है। मैं सदन से निवेदन करता हूँ इस पर विचार किया जाए और इसे पारित करके दिया जाए।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, शहरीकरण का जो चैलेंज है, उसी के साथ यह बहुत बड़ा अवसर है। सबको मालूम है कि लगभग 65 प्रतिशत से 70 प्रतिशत, अगर उत्तर प्रदेश की बात करुं तो लगभग 65 प्रतिशत हमारे जी0डी0पी0 का हिस्सा हमारे नगरीय क्षेत्रों से आता है। उसी प्रकार लगभग दो-तिहाई कंट्रीब्यूशन हमारे नगरीय क्षेत्रों का हमारे देश की जी0डी0पी0 में होता है। अब उस अवसर को हम और कैसे बढ़ाएं? हमारे जो नगर हैं, वह अर्थव्यवस्था के केंद्र तो है ही साथ में जो प्रोफेशनल हैं उनकी ग्रोथ के लिए और जो लोग रोजी-रोटी के लिए रोजगार खोजने आते है इन सभी दृष्टि से जहां यह एक बहुत बड़ी चुनौती है, वहीं यह हमारे नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए बहुत बड़ा अवसर है। उस दिशा में सबसे पहले अगर इस बात को किसी ने पहचाना है तो वह हमारे देश के माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी हैं, उन्होंने जो अपने शपथ ग्रहण के कुछ ही दिनों बाद सबसे बड़ा अगर उन्होंने काम किया है तो वह नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए किया है।

नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए चाहे स्वच्छ भारत का अभियान हो या अमृत योजना हो, नमामि गंगे योजना हो यह सारी योजनायें नगरीय क्षेत्रों में और बेहतरी के लिए हमारा जो नगरीय क्षेत्रों के लोगों का जीवन है वह और बेहतर बने इसके लिए सबसे पहले अगर किसी ने संज्ञान लिया है तो वह मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने लिया है और इतना ही सिर्फ जीवन को सुन्दर बनाने के लिए नहीं बल्कि वहाँ रहने वाले लोगों की आर्थिक ग्रोथ हो, प्रोफेशनल ग्रोथ हो, इंटलेक्चुअल ग्रोथ हो, इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुये मा0 प्रधानमंत्री जी ने ऐक्शन लिया और उसी दिशा में हमारे मा0 यशस्वी मुख्य मंत्री, मा0 योगी आदित्यनाथ जी अपनी पहली सरकार से इस पर लगातार काम कर रहे हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, कल मा0 चाचा जी थे लेकिन चले गये, कल वह बता रहे थे कि उन्होंने भी अयोध्या में बड़ा काम किया है। हम सुन रहे थे। काम किया होता तो अयोध्या की जो दशा प्राण-प्रतिष्ठा के पहले और विशेषकर डेढ़-दो साल पहले की अयोध्या को देखें तो वैसी नहीं रहती । मैं यह भी मानता हूँ कि सभी वह सरकारें जो चार-चार बार सत्ता में रही हैं तो आपने निश्चित रूप से कहीं नाली, कहीं खड़ंजा, कहीं सड़क, कहीं नल बनाया ही होगा। कहीं नलकूप लगवाया ही होगा लेकिन जो सबसे बड़ी कमी थी वह यह थी कि उसमें आपके काम में प्राण नहीं था। हमारे प्रधानमंत्री जी ने अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में ही सिर्फ प्राण-प्रतिष्ठा नहीं करायी बल्कि उन्होंने हमारे शहरी विकास तथा नगर विकास का जो काम है उसमें भी प्राण-प्रतिष्ठा किया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, महर्षि नारद का एक भक्ति सूत्र है उसमें नारद जी ने कहा है कि अथातो भक्ति परम् प्रेमरुपा। तो किसी ने कहा कि प्रेमरुपा शब्द ही बहुत है तो नारद जी ने परम् प्रेमरुपा शब्द क्यों कहा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, यह परम् प्रेम वह है जो भगवान राम की प्रतिष्ठा के समय हजारों लोगों की आँखों में जो आंसू गिर रहे थे वह परम प्रेम को दिखाता है। आपके समय वही मिसिंग था। असली बात मिसिंग थी। बाकी

नाली, खड़न्जा तो ठेकेदारों को काम दिये ही जाते हैं वह तो होता ही रहता है। दूसरा, मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं उदाहरण दूँ, हमारे एक जानने वाले पत्रकार है। जब अयोध्या का कार्यक्रम हो रहा था तो वह कई दिन वहाँ रहकर आये तो हमको मिले थे। उन्होंने कहा कि भाई साहब मैंने एक बड़ा विलक्षण दृश्य देखा। उन्होंने दो बातें कहा एक तो यह कि आपने जो पांच हजार सफाई मित्र अयोध्या में भेजे थे, स्वाभाविक बात है कि वह अलग-अलग जिलों में से भेजे थे, कोई अम्बेडकर नगर से गया था, कोई गोण्डा से गया था, कोई गोरखपुर से गया था, कोई लखनऊ से गया था, विशेष रूप से नजदीक के जिलों से हमने भेजे थे। उनमें इतना गर्व था कि हम भगवान राम के धाम की सफाई कर रहे हैं, उनके सड़कों, गलियों का हम कचरा उठा रहे हैं। भगवान राम के स्वागत में काम कर रहे है। दूसरा उन्होंने कहा कि मैंने अपनी आँखों से देखा कि एक सफाई कर्मी जो एकदम साफ रोड पर भी झाड़ू लगा रहा था तो उन्होंने पूछा कि भईया यह तो साफ है बहुत सारा इलाका ऐसा होगा जहाँ सफाई की वास्तव में आवश्यकता होगी यहाँ क्यों कर रहे हो ? तो उसने कहा कि भईया मैं तो भगवान की सेवा कर रहा हूँ। बाकी लोग अपना-अपना इलाका संभाल रहे हैं। तो यह होता है परम् प्रेम। चाचा जी को मैं यही कहना चाहूंगा कि आपने ज़रुर कुछ किया होगा लेकिन वह परम प्रेम, वह प्राण, अयोध्या के प्रति और मैं तो कहूंगा कि सारे नगरों के प्रति वह मिसिंग था। हम उसकी पूर्ति कर रहे हैं। चाचा जी आप कुछ मानें या न मानें एक बात तो आपको माननी पड़ेगी कि कई बार भतीजा चाचा से बेहतर निकल जाता है तो वह भी हम लोग बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, जहाँ तक शहरी विकास के कार्यों की बात है, मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में 2017 के बाद शहरीकरण, नगरीकरण का जो ट्रेंड चल रहा है हर व्यक्ति अपने गाँव से निकलकर बगल के कस्बे में अपना मकान बनाना चाहता है, अपने बच्चों का एडमीशन कराना चाहता है। यह जो प्रवृत्ति है उसको देखते हुये पिछले 5 सालों में हमने तीन नये नगर निगम बनाये। मान्यवर, हम लोगों ने तीन नये नगर-निगम बनायें, 113 नई नगर पंचायतें बनाई और 240 नगर निकायों का उच्चीकरण या उनका विस्तारीकरण किया गया है। इतना ही नहीं, पिछले 10 वर्ष में हमारे विभाग का बजट 5 गुना बढ़ा है। का बजट 6 हजार 528 करोड़ रुपये हुआ करता था। वर्तमान नगर विकास विभाग का बजट जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं वह 25 हजार 698 करोड़ रुपये का बजट है। हमने 4 गुना से भी ज्यादा वृद्धि की है। हम अर्बनाइजेशन के काम को करने के लिए दिन रात लगे हुए है और उसके लिए बजट में बढ़ोत्तरी की गयी है। एक बात बार-बार आती है कि आप बजट बनाते हैं लेकिन खर्चा नहीं करते हैं। आपकी सरकार के समय वित्तीय वर्ष 2016-17 के अंत में 73 प्रतिशत खर्च हुआ था। हम अभी दिसम्बर-जनवरी की स्थिति में ही 73 प्रतिशत बजट खर्च कर चुके हैं और वित्तीय वर्ष के अंत में लगभग 90 प्रतिशत से ऊपर खर्च करके दिखाएंगे।

पहले नगरों में सफाई व्यवस्था के लिए कोई समय निर्धारित नहीं था, कब सफाई होगी, कब नहीं होगी, जिसकी जब मर्जी होगी तब सफाई करेगा। हमने पिछले दो सालों में विशेष रूप से यह अनुशासन लाने की कोशिश की है कि सुबह 5 बजे से लेकर 8 बजे तक नगरों की सफाई हो जानी चाहिए और उसके मैं अपने सभी सफाई मित्रों को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने इस अनुशासन का पालन किया है। हमने सिर्फ अयोध्या में ही सफाई नहीं की है, हमारे महर्षि वाल्मीकि ने अयोध्या में राम के नाम को उजागर किया है, उसी तरह से सफाई कर्मचारियों ने भगवान के धाम को उजागर करके दिखाया है लेकिन पिछले कई महीनों से सभी नगरों में सफाई का सिलसिला चालू है और आपने देखा होगा कि हमें अभी कुछ दिनों पहले महामहिम राष्ट्रपति जी ने सफाई एवं स्मार्ट सिटी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया है और मैं स्वयं उस पुरस्कार को लेने गया था। हमारे नगरों एवं नगर निकायों को सफाई के क्षेत्र में बहुत सारे पुरस्कार मिले है। हमारा स्मार्ट सिटी का मिशन है और पूरे देश में पुरस्कृत हुआ है। हमारी ओ0डी0एफ0 की व्यवस्था है सारे नगरों को ओपेन डेक्रिकेशन से फ्री करने का काम है, उस कार्य की प्रशंसा हुई है, इसके लिए हमें पुरस्कार मिला है। हमारे शहरों में गरीब लोग रहे हैं। भविष्य के लिए नगरों को तैयार करना हो तो माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस आवश्यकता को समझते हुए अमृत योजना लाये हैं, जिसमें सीवेज बनाने के लिए, पानी की आपूर्ति करने के लिए, पार्क, तालाब एवं अमृत सरोवर अच्छे बने। सैकड़ों तालाबों पर लोगों ने कब्जा करके रखा हुआ था उन तालाबों को कब्जा मुक्त कराकर अमृत सरोवर की तरह डेवलप करने का काम किया है। उसी प्रकार स्वच्छ भारत में न सिर्फ सफाई करना, न सिर्फ झाड़ू लगाना बल्कि मनुष्य और मशीन के सामंजस्य से आपने अयोध्या में देखा होगा कि जहां पर एक तरफ आदमी काम कर रहे थे वहीं दूसरी तरफ रोड स्वीपर से लेकर स्प्रिंकलर तक सारा जो मैकेनाइज़ेशन है वह काम करने पर बल दे रहे है जिससे मानव शक्ति का कई गुना परिणाम निकल सके। साथ ही शहरों में रहने वाले गरीब लोग है हमारा उन पर भी पूरा ध्यान है।

गरीबी उन्मूलन की जो योजनाएं है उन पर विशेष ध्यान है और उसमें भी चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो, चाहे स्वनिधि की योजना हो, उन सभी योजनाओं में देश में उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर काम कर रहा है और हमें उसके लिए कई सालों से पुरस्कार भी मिल रहे हैं, हमारे काम की प्रशंसा हो रही है। हमने लगभग 14.5 लाख मकान पूर्ण करके गरीबों के चरणों में अर्पण कर दिए हैं। रेहड़ी पटरी पर रहने वाले छोटे व्यापारी, खासकर कोरोना के बाद उनकी हालत खराब हो गयी थी। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी पी0एम0 स्वनिधि योजना लाए हैं। उसमें भी पूरा राज्य पूरे देश में बहुत अच्छा काम करने वाला राज्य बना है। उसी प्रकार, खासकर महिलाओं को संगठित करके नेशनल अर्बन लाइवलीहुड का जो काम है उसमें भी पूरे देश में हमारा काम बहुत प्रशंसित हुआ है। हम डिजिटलाइजेशन की तरफ भी नगरों को ले जा रहे हैं। हम अपने नगरों को टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी सुसज्जित करते हैं क्योंकि बाकी चीजें

तो साथ में हो रही है लेकिन जब तक टेक्नोलॉजी का प्रयोग हम लोग नहीं करते हैं तो नगरों को जा सकता है। ज्यादातर महानगरों में उनको इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट, इंटीग्रेटेड डेटा मैनेजमेंट, आई0टी0एम0एस0 की व्यवस्था की गयी है। हजारों हजार की संख्या नहीं बल्कि लाखों की संख्या में हमने नगरों में कैमरे लगा दिये हैं। यह बात सबकी जानकारी के लिए मैं बता रहा हूं, अगर अब कोई प्लॉट कब्जा करने जायेगा तो कैमरे में कैद हो जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी, अपना भाषण संक्षिप्त करिए ।

श्री ए0 के0 शर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं मा0 वित्तमंत्री और मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा कि हमारे राज्य सेक्टर में 26-27 प्रतिशत बजट बढ़ाया गया है। पिछले वर्ष से जो चुनौतियां हमने देखीं, उदाहरण के रूप में मैंने बताया कि नगरों का उच्चीकरण हुआ है लेकिन नगरों में उनकी मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, लाइट आदि को पूरा करने की क्षमता नहीं है, उसके लिए मुख्य मंत्री नगर सृजन योजना को मा0 मुख्य मंत्री जी ने मंजूर किया और इस बार भी 650 करोड़ रुपये का उसमें प्राविधान किया गया है जो पिछली बार से लगभग 43 करोड़ रुपये ज्यादा है। उसी प्रकार से, नगरों में लोक निर्माण विभाग की जो रोड निकलती थी उसको छोड़ दिया जाये तो हमारे पास कोई डेडीकेटेड फण्ड नहीं होता था कि हमने अपने नगरों की मरम्मत कर सकें या नये सुंदर मार्ग हम बना सकें, उसके लिए इस वर्ष हमें 800 करोड़ रुपये का प्राविधान मिला है जो पिछले वर्ष की अपेक्षा 300 करोड़ रुपये ज्यादा है। उसी प्रकार, कई नगरों में जो धार्मिक स्थान हैं, पर्यटक स्थल है, ऐतिहासिक स्थान है, उनका ध्यान रखने के लिए कोई योजना हमारे पास नहीं है, मैं पुनः वित्तमंत्री जी का आभार व्यक्त करुंगा कि 150 करोड़ रुपये हमें इस बजट में दिया गया है। जो नगर अभी बहुत पीछे रह गये हैं, नये-नये बने हैं, उनमें सुविधाएं नहीं है उनके लिए 100 करोड़ रुपये के खर्च से आकांक्षी योजना के अन्तर्गत आकांक्षी एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक बनाये गये हैं, एस्पिरेशनल ब्लाक बनाये गये हैं उसी प्रकार से आकांक्षी नगर बनाया गया है। नगरीय परिवहन में भी आधुनिक बसों को बढ़ावा दे रहे हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी, कृपया भाषण समाप्त करिए।

श्री ए0 के0 शर्मा-

नगरीय झील पोखर की जो हमारी योजनाएं हैं, गौशाला और बेसहारा पशुओं को सहारा देने के लिए हमारी योजनाएं हैं और वर्ष 2024-25 के बजट में 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, बस आधा मिनट दे दीजिए। इस बार के बजट

में इन सारी योजनाओं के लिए ज्यादा बजट प्राविधान करके ज्यादा मजबूती से काम करने के लिए हमें कहा गया है। इस बार की जो दो विलक्षण योजनाएं हैं उनके बारे में मैं बताना चाहूंगा, अर्बन फ्लड एवं स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज के लिए हमारे पास कोई व्यवस्था नहीं थीं, अभी सामने से लोग जब बात करेंगे तो जलभराव की बात आयेगी और स्वाभाविक है कि आनी भी चाहिए, उसके लिए भी 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। हम लोग अर्बन लाइफ को भी बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे है उसमें ओल्ड ऐज होम है, ओल्ड ऐज केयर के लिए जगह है उसके लिए तमाम अवस्थापना सुविधाएं विकसित करने के लिए भी नया इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए चाहे वह टाउन हॉल हो या मैरिज हॉल हो उसके लिए 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था दी गयी है। एक अन्तिम बात कह कर मैं अपनी बात पूरी करुंगा कि चाहे जी-20 का सम्मलेन हो, चाहे अयोध्या का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव रहा हो पूरे देश ही नहीं सारी दुनिया ने उत्तर प्रदेश के शहरी व्यवस्थापन के कार्य को देखा है। मैं आपके माध्यम से इस सदन के माध्यम से अपने नगर कर्मियों एवं सफाई मित्रों को बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ। एक चीज और हम लोग कर रहे हैं कि आवारा कुत्तों की जो समस्या नगरों में हैं उसके लिए भी हम प्रावधान बना रहे हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, इन सारे कार्यों के साथ लगभग 05 हज़ार करोड़ रुपया हमको महाकुम्भ के आयोजन के लिए मिला है, अगर आप अयोध्या जाना नहीं ठीक समझते हों तो महाकुम्भ देखने अवश्य आइये, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

अब माननीय चिकित्सा शिक्षा मंत्री जी।

अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण), अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा), अनुदान संख्या-36-चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य)

उप मुख्य मंत्री, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-31 चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 112876987000 रुपये (ग्यारह हजार दो सौ सत्तासी करोड़ उनहत्तर लाख सत्तासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 117673205000 रुपये (ग्यारह हजार सात सौ सड़सठ करोड़ बत्तीस लाख पांच हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-36-चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 13676038000 रुपये (एक हजार तीन सौ सड़सठ करोड़ साठ लाख अड़तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये।

माननीय अधिष्ठाता जी, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत मेडिकल कालेजेज, इन्स्टीट्यूट और अन्य संस्थान आते हैं। यदि हम तुलनात्मक रूप से देखें तो 2017 से लेकर अब तक चिकित्सा शिक्षा विभाग में बहुत बड़ा परिवर्तन आ चुका है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में मात्र 18 मेडिकल कॉलेज थे। आज हमारे पास यह संख्या 65 हो चुकी है। जिसमें मेडिकल कालेज एवं संस्थान 35 हैं, निजी क्षेत्र के 30 हैं, हमारे पास एम्स 02 हैं, गोरखपुर और रायबरेली में, जिनको केन्द्र सरकार संचालित करती है और निर्माणाधीन स्वशासी मेडिकल कालेज 14 हैं और जो पीपीपी मोड पर प्रक्रियाधीन हैं, वह 16 हैं। इस प्रकार माननीय सभापति महोदय, 75 के 75 जनपद मेडिकल कालेजों से आच्छादित हो जायेंगे। 16 जनपद ऐसे बचे हैं, जहाँ पर अभी प्रक्रिया चल रही है, बाकी सभी जनपदों में प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, वह पूर्ण क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। नर्सिंग कालेज 2017 के पहले हमारे पास मात्र 06 होते थे, आज हमारे पास 23 नर्सिंग कालेज सरकारी क्षेत्र में हैं। इसके अलावा सरकार ने तय किया है कि हम समय-समय पर हर मेडिकल कालेज के साथ नर्सिंग कालेज सरकारी क्षेत्र का बनायेंगे। माननीय प्रधानमंत्री जी ने केन्द्रीय बजट से 157 नए नर्सिंग कालेज की व्यवस्था की है, उसमें उत्तर प्रदेश राज्य को भी बड़ा हिस्सा मिला है। लेकिन उसके अतिरिक्त हम लोगों ने हर वर्ष नए मेडिकल कालेज के साथ नए नर्सिंग कालेज को भी जोड़ने का प्राविधान किया है। जो एम0बी0बी0एस0 की सीटें हैं, 2017 से पहले 1990 सीटें होती थीं, आज एम0बी0बी0एस0 सीटें 3828 हैं। पी0जी0 की सीटें हमारे पास मात्र 741 होती थीं, आज हमारे पास 1496 सीटें हैं। चिकित्सा शिक्षा का बजट जो 2017 तक था, वह था 4327 करोड़ 52 लाख रुपये, आज हम कह सकते हैं कि यह बजट बढ़ करके लगभग तीन गुना हो गया है। आज 12124 करोड़ 35 लाख रुपये का बजट हमारे पास है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, इसके अलावा चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेष रूप से राजकीय मेडिकल कालेज, आगरा, कानपुर, प्रयागराज, झाँसी, मेरठ और गोरखपुर में बीएमएसएसवाई के अन्तर्गत सुपरस्पेशियलिटी इलाज प्रदान किया जा रहा है। राजकीय मेडिकल कालेज कानपुर, प्रयागराज, झाँसी, मेरठ, गोरखपुर में ट्रामा सेण्टर प्रस्तावित है। प्रदेश के सभी मेडिकल संस्थानों में आवश्यकतानुसार 50/100 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट की स्थापना की कार्यवाही गतिमान है। समस्त मेडिकल कालेजों में इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की स्थापना की गयी है। एसजीपीजीआई लखनऊ में 500 बेडेड एडवांस पिडियाट्रिक सेण्टर की स्थापना हेतु वर्ष 2023-24 में प्रथम किस्त के रूप में 35 करोड़ 73 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त की गयी

है। हमारी प्रतिबद्धता है कि हम अपने मेडिकल स्टूडेंट्स को उच्च कोटि की चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध करायेंगे। चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराएंगे इसके लिए लगातार सरकार परिवर्तन कर रही है।

चिकित्सा विभाग में स्वास्थ्य विभाग में अगर हम गत वर्ष की तुलना देखे और वर्ष 2017 की तुलना देखें तो आमूल-चूल परिवर्तन हो चुका है। वर्ष 2017 में हमारे 3620, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या 3620 थी, आज हमारे पास 4283 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हमारे 821 थे और आज हमारे 970 है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या 20573, आज हमारे पास 25573 है। प्रदेश में ए0एन0एम0 की संख्या 10560 थी, आज यह संख्या बढ़कर के लगभग दोगुनी 18326 हो चुकी है। पीडियाट्रिक इन्टेन्सिव केयर यूनिट्स की संख्या 6 थी वह अब 16 हो चुकी है। जबकि मिनी पी0आई0सी0यू0 पहले एक भी नहीं थी, अब ई0टी0सी0 ट्रीटमेंट सेण्टर की संख्या पहले मात्र 96 थी, अब वह 177 हो चुकी है। हमारे पास 15 हैं। दिमागी रोगों के उपचार के लिए बाल रोगियों हेतु वेण्टीलेटर बेड्स की संख्या पहले 82 थी, अब 187 हो चुकी है। डायलिसिस यूनिटस् की उपलब्धता वाला जनपद 2017 से पहले मात्र एक जनपद था, आज 75 के 75 जनपदों में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है। ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट्स की संख्या पहले 34 थी, लेकिन आज हमारे पास 54 है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का बजट पहले से लगभग दोगुने से अधिक हो चुका है। पहले तेरह हजार पाँच सौ चौदह करोड़ छत्तीस लाख रुपये की अट्ठाईस हजार एक सौ चौतीस करोड़ दस लाख रुपए का बजट है। हमारी सरकार प्रतिबद्धतता के साथ उत्तर प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है और अभी तक जो प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान कार्ड के माध्यम से हम 4 करोड़ 86 लाख से अधिक लाभार्थियों को जोड़ चुके है और सबसे बड़ी बात यह है कि इस योजना के अन्तर्गत जो व्यय आया है जो गरीबों को निःशुल्क चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 2 हजार 2 सौ 71 करोड़ रुपए निःशुल्क उपचार में खर्च किया गया है। 1 लाख 67 हजार आशा कार्यकत्री हैं, उनके परिवारों को भी हमने जन आरोग्य से जोड़कर के उनके लिए भी योजना बनाने का काम किया है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अन्तर्गत हम डिजिटलीकरण करने जा रहे हैं, इसमें प्रदेश के 50 एवं 100 बेड की क्षमता वाले 75 क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स का निर्माण बजट में प्रस्तावित है। रोग निदान सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रदेश में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोटरी तथा 5 सौ 15 ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स की स्थापना प्रक्रियाधीन है। इस योजना के अन्तर्गत 1670 उपकेन्द्रों का निर्माण भी प्रक्रियाधीन है। रोगियों तथा उनके तीमारदारों की चिकित्सालयों में उचित प्रवास हेतु रैन बसेरों का भी सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। रोगियों के संदर्भन की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 102 एम्बुलेंस की सेवा 674 तथा ए0एल0एस0 सेवा की 81 पुरानी एम्बुलेंस के स्थान पर

नवीन एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। अयोध्या में 500 शैय्या के एक नवीन चिकित्सालय की निर्माण की प्रक्रिया की कार्यवाही चल रही है। मानव संसाधन में वृद्धि की गई है, प्रत्येक स्तर पर चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु मानव संसाधनों की बड़ी संख्या में तैनाती की गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से 17 हजार 8 सौ 5 भर्तियां प्रदेश में की गई हैं, जिसमें लैब टेक्नीशियन, स्टाफ नर्स, ए0एन0एम0, फॉर्मेसिस्ट काउंसलर इत्यादि पदों पर भर्तियां शामिल है। इसके अलावा 5 हजार 5 सौ 82 आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों के क्रियान्वयन हेतु कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसरी की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किए जा चुके हैं। सबसे अभिनव प्रयोग हमारी सरकार ने किया है जो हमारी बहनें प्रेगनेंसी के दौरान अल्ट्रासाउण्ड कराने के लिए सी0एच0सी0 के चक्कर लगाती थी, कहीं अल्ट्रासाउण्ड मशीन खराब है, कहीं हमारे पास पैथॉलाजिस्ट या रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं है तो हमारे जो प्राइवेट अल्ट्रासाउण्ड सेण्टर हैं, उनसे अनुबंध किया है। स्टेट बैंक के सहयोग से हम अपनी बहन के मोबाईल नम्बर पर एक बार कोड भेजते है और बार कोड को स्कैन करके जो अनुबंधित हमारे प्राईवेट अल्ट्रासाउण्ड सेण्टर हैं, हमारी बहन कहीं भी जाकर के अल्ट्रासाउण्ड करा सकती है, उसका कोई भी पैसा देय नहीं होगा, वह सरकार के खाते से पैसा कट जाएगा। इसके अलावा 12 प्रकार के रोगों के विषय में सरकारी तथा निजी क्षेत्र के चिकित्सालयों की रियल टाईम जानकारी उपलब्ध कराने हेतु जैमाफाईड डिजीज सर्विलांस पोर्टल का विकास राज्य की आवश्यकताओं के अनुसार किया गया है। मा0 सभापति महोदय, अभी तक अपने देश में होता था और प्रदेश में होता था कि जो हमारे संक्रामक रोग हैं उनके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी नहीं मिल पाती थी तो कोविड के दौरान जो हम लोगों ने काम किए अपने प्रदेश में उसको हमने यूनिफाइड डिजीज सर्विलेंस प्लेटफार्म से जोड़ने का अलावा हेल्थ ऑनलाइन इवैल्यूएशन पैरामीटर इवैल्यूएशन (होप) के माध्यम से हमने अपने प्रदेश के जो बड़े सरकारी अस्पताल है प्रारंभिक चरण में उन सबको हमने ऑनलाइन किया है। हम लगातार अपने कंट्रोल रुम से उनकी कर सकते हैं। हम मरीज को देख सकते हैं कि मरीज किस स्थिति में है। जो अटेण्डेन्ट हैं उनको भी देख सकते हैं। जो चिकित्सक हैं उनसे भी हम बात कर सकते हैं इस प्रकार लगातार निगरानी की जा रही है।

केयर एप्लीकेशन के माध्यम से सभी स्तर के चिकित्सालयों पर चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता तथा उनकी क्रियाशीलता की मॉनीटरिंग के लिए इस एप्लीकेशन के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। मा0 अध्यक्ष महोदय, अभी तक जो उपकरण हमारे चिकित्सालयों में लगे हैं उनकी मॉनीटरिंग नहीं हो पाती थी कि कौन-सा उपकरण काम कर रहा है और कौन-सा उपकरण काम नहीं कर रहा है उसकी मॉनीटरिंग नहीं हो पाती थी, इसके लिए हम लोगों ने केयर एप्लीकेशन बनाया है। उसमें सम्बन्धित अधिकारियों को, चिकित्साधिकारियों को लोड करना होगा कि कौन-सा उपकरण कब खराब हुआ और उसको कब तक ठीक करा लिया जाएगा और शासन स्तर से लगातार इस तरह की मॉनीटरिंग की जा रही है। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से प्रदेश के सभी अस्पतालों को हम

गुणवत्तापरक, समयबद्ध दवाइयाँ उपलब्ध करवा रहे हैं। इससे बड़ी संख्या में हमारी बचत भी हुई है। मंत्रा एप्लीकेशन के माध्मय से प्रसव की सुविधा युक्त प्रत्येक चिकित्सा इकाई पर गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवायें उपलब्ध कराने तथा उपलब्ध कराई गई सेवाओं की गुणवत्ता की निगरानी के लिए हम लोगों ने यह मंत्रा एप्लीकेशन बनाने का काम किया है एवं प्रसूताओं के इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकार्ड भी एप्लीकेशन के माध्यम से तैयार किए जाते हैं। मंत्रा ऐप को 26वें नेशनल ई-गवर्नेंस अवार्ड के अन्तर्गत पूरे प्रदेश में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ है। इस प्रकार हम कह सकते है कि आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन के अन्तर्गत माइक्रोसॉइट परिकल्पना में इस परियोजना के माध्यम से निजी क्षेत्र की चिकित्सा इकाइयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाना है जिससे चिकित्सा स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधारभूत परिवर्तन सम्भव है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा पूरे देश में लागू किए गए 100 माइक्रोसाइट में से 35 माइक्रोसाइट अकेले उत्तर प्रदेश में क्रियान्वित किए जा रहे है। स्कैन एण्ड शेयर मॉडल में उत्तर प्रदेश जैसी व्यापक जनसंख्या वाले प्रदेश में चिकित्सालयों के बाहय रोगी विभागों में रोगियों तथा उनके तामीरदारों हेतु प्रतीक्षा समय को न्यून करने हेतु स्कैन एण्ड शेयर मॉडल पर आधारित रोगी पंजीकरण सिस्टम प्रारम्भ किया गया है। 60 लाख से अधिक स्कैन एण्ड शेयर रजिस्ट्रेशन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट इनफॉर्मेशन सिस्टम को क्रियाशील किया जा रहा है जिसके द्वारा प्रदेश के निवासियों को अधिक पारदर्शी तथा समयबद्ध तरीके से स्वास्थ्य सेवाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना सम्भव हो पाएगा। इसके अलावा विशेष रूप से हमने आई0आई0टी0 कानपुर के साथ मेमोरेडम ऑफ अंडरस्टैडिंग किया है। प्रदेश के जनमानस को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता कराने हेतु आई0आई0टी0 कानपुर के साथ हमने एम0ओ0यू0 किया है जिसके माध्यम से प्रदेश में तकनीकी आधारित स्वास्थ्य सेवाओं यथा टेली-रेडियोलॉजी का एक नया अध्याय प्रारम्भ करने का लक्ष्य प्रदेश सरकार का है। ई-संजीवनी के माध्यम से हम प्रतिदिन 70 हजार मरीजों को चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करा रहे हैं। ई-संजीवनी हमारे सभी हेल्थ सेन्टर्स पर उपलब्ध है इसके अलावा प्राइमरी हेल्थ सेन्टर पर भी उपलब्ध है। टेली कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मरीजों का उपचार किया जा रहा है और बड़ी संख्या है 70 हजार के लगभग इसमें मरीजों को हम प्रतिदिन अटैण्ड करने का काम कर रहे हैं और इस प्रकार का काम करने के लिए पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। टैली मानस, मानसिक स्वास्थ्य हेतु टैली कंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु टैली मानस सुविधा का प्रयोग प्रदेश में किया गया है। प्रदेश में वर्तमान में 4 टैली मानस केन्द्रों पर 73 परामर्शदाताओं के माध्यम से यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत 4569 बच्चों को अनेक दुसाध्य रोगों यथा हृदय रोग, दृष्टि रोग, तंत्रिका तंत्र के रोग, क्लेफ्ट लिप तथा पैलेट इत्यादि हेतु शल्य चिकित्सा संपादित की गई। राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश में 6 लाख 58 हजार से

अधिक कैटरैक्ट ऑपरेशन निःशुल्क किये गए। इसी के साथ 33 लाख 87 हजार से अधिक स्कूली छात्रों की दृष्टि रोगों हेतु जांच करते हुए 78 हजार से अधिक बच्चों तथा 53 हजार से अधिक वृद्ध व्यक्तियों को निःशुल्क चश्मा वितरण भी आई स्क्रीनिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत किया गया।

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के अन्तर्गत प्रदेश में 15 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं तथा प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसी के साथ प्रदेश के 69 जनपदों में सीटी स्कैन की सुविधा तथा 250 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर टैली मेडिसिन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

हेल्थ इंडेक्स में सुधार-राज्य सरकार के सतत् प्रयासों के परिणामस्वरूप एस0आर0एस0 सर्वे के अनुसार मातृ मृत्यु दर वर्ष 2014 में 285 प्रति लाख से घटकर वर्ष 2022 में 167 प्रति लाख हो गयी है। राज्य सरकार के सतत प्रयासों के फलस्वरूप एस0आर0एस0 सर्वे के अनुसार शिशु मृत्यु दर में भारी कमी आयी है। 2022 में 38 प्रति हजार हो गयी है। वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2023 में ए0ई0एस0/जे0ई रोग नियंत्रण गतिविधियों की उपलब्धि-ए0ई0एस0 रोगियों की संख्या में 76 प्रतिशत की कमी आयी है। ए0सी0एस0 की रोगियों की संख्या 98 प्रतिशत की कमी आयी है। ए0ई0एस0 रोगियों की मृत्यु दर में 91 प्रतिशत की कमी आयी है। जे0ई0 के रोगियों की संख्या में 85 प्रतिशत की कमी आयी है। जे0ई0 रोगियों की मृत्यु दर में 97 प्रतिशत की कमी आयी है। मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया-अधिष्ठाता महोदय, आप और पूरा सदन जानता है कि जो संचारी रोग अभियान समय-समय पर चलाकर इन सभी रोगों पर हमने कंट्रोल सफलतापूर्वक स्थापित करने का काम किया है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

आपका बहुत-बहुत आभार। माननीय डिप्टी सी0एम0 साहब आपने अपनी समय सीमा पर अपना इतना लोक महत्व का विभाग का जो प्रस्ताव रखा।

अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान), अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु), अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें), अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय)

***लोक निर्माण मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)-**

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लिये 34869593000 रुपये (तीन हजार चार सौ छियासी करोड़ पन्चानवे लाख तिरानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 3102860000 रुपये (तीन सौ दस करोड़ अट्ठाइस लाख साठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 42843350000 रुपये (चार हजार दो सौ चौरासी करोड़ तैंतीस लाख पचास हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 288671829000 रुपये (अट्ठाइस हजार आठ सौ सड़सठ करोड़ अट्ठारह लाख उन्नतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 10224422000 रुपये (एक हजार बाइस करोड़ चौवालिस लाख बाइस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, लोक निर्माण विभाग का जहां तक परिप्रेक्ष्य है मैं यह कहना चाहता हूँ और सभी को ज्ञात है कि रोड और सेतु किसी भी राज्य के विकास के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के समय में सदन का ध्यान, पूरे देश और विश्व का ध्यान अयोध्या धाम की नगरी में केन्द्रित है। लोक निर्माण विभाग को भी वो सौभाग्य प्राप्त हुआ। जहां एक तरफ प्रभु राम जी के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ वहीं दूसरी तरफ एक नयी अयोध्या नगरी का निर्माण माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशा अनुरूप और माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में रिकार्ड समय में जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अयोध्या की नगरी में देखने को मिला है। मैं कह सकता हूँ कि हमारे लोक निर्माण विभाग और तमाम उसके जो पी0एस0यू0 है निर्माण निगम और सेतु निगम सबने रात-दिन मेहनत करके समय से पहले कार्य करने का काम किया है। यहां हमारे आदरणीय शिवपाल जी

और उनके सब साथी बैठे हैं। अध्यक्ष जी के निमंत्रण में नहीं जा रहे हैं मगर मैं आपको व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करता हूँ कि जाकर देखिये अयोध्या का विकास, वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, नेक्स्ट लेवल डेवल्पमेंट वहां पर करके योगी सरकार ने दिखाया है।

मान्यवर, रोड्स की फोर लेनिंग, सौन्दर्यीकरण, डक्ट्स, वहाँ पर जो जरुरतें थी, कैनोपीज से लेकर भव्य गेट्स के निर्माण, यहाँ देश और दुनिया की नजरें है। एक भव्य एयरपोर्ट जो डबल इंजन सरकार की देन है। उसके साथ-साथ जो एयरपोर्ट की रोड है, जो हर शहर में एक आइकॉनिक रोड मानी जाती है। किसी भी बड़े शहर में चले जायें, एयरपोर्ट से जब निकलते है तो एक बहुत सुंदर, भव्य रोड देखने को मिलती है। वह भी लोक निर्माण विभाग की देन है। अयोध्या में जो मुख्य परियोजनायें चल रही है, जो स्वीकृत परियोजनायें हैं, वह 13 हैं। उनकी लागत 2,787 करोड़ है, जिसमें से 6 पूरी हो गई हैं और 7 निर्माणाधीन परियोजनायें हैं। जो सबसे महत्वपूर्ण रामपथ 844 करोड़ का, धर्मपथ 65 करोड़ का, भक्तिपथ 68 करोड़ का, जहाँ व्हाइट टॉपिंग टेक्नोलॉजी, यूटिलिटी डक्ट्स, आर0सी0सी0 ड्रेन्स, डिजाइनर फुटपाथ्स, कॉबल स्टोन्स, डेकोरेटिव लाइटिंग, साउण्ड सिस्टम्स, वहाँ जो दुनिया से लोग आयेंगे, वह देखेंगे कि जो प्रधानमंत्री जी का संकल्प था, एक नई अयोध्या, वर्ल्ड क्लास अयोध्या और जो इस सरकार की भी सोच है, जो आस्था के केन्द्र है, आस्था और आध्यात्म का तो सम्मान होता ही है। साथ ही साथ सरकार का बिजनेस माडल, इकोनॉमिक डेवलपमेण्ट का यह जो माडल है, चाहे वह प्रयागराज हो, वहाँ तमाम सेतु और कुम्भ की परियोजनाओं के लिए लोक निर्माण विभाग कार्य कर रहा है। चाहे हमारा मथुरा हो, जहाँ पंचकोसी से लेकर तमाम कोसी रोड्स बन रही हैं, उसकी भी स्वीकृति हो गई है। मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि जो मुख्य परियोजनायें हैं, जिसमें 10,147 कि0मी0 के स्टेट हाइवे हैं, जिसके लिए 2,858 करोड़ के बजट की व्यवस्था इस वर्ष उनके चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए की गई है।

दूसरा जो नये प्रयोग किये हैं, जो पिछली सरकारों में नहीं होते थे, धर्मार्थ विभाग, धर्मार्थ के लिए एक नया मद इस सरकार ने किया है जो 2022-23 में 1,697 करोड़, तीन मुख्य मार्ग जो अयोध्या में दिये गये। 2023-24 में 44 कार्य धर्मार्थ के लिए जो विभिन्न जनपदों में आस्था के केन्द्र हैं, उसके लिए 711 करोड़ लागत की स्वीकृति दी गई और इस वर्ष के बजट में, 2024-25 में 1750 करोड़ के बजट की व्यवस्था धर्मार्थ मार्गों के लिए और उनके चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए रखी गई है। राज्य सड़क निधि जो एक बहुत महत्वपूर्ण मद है, 2024-25 में जिसके लिए 3,000 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है, जो अनुरक्षण के लिए है और जो 2,500 करोड़ धनराशि प्रस्तावित है, वह चौड़ीकरण और नये निर्माणों के लिए है, राज्य सड़क निधि के अधीन, एक और मद जो इस सरकार ने पिछले 2023-24 में चालू किया, उसमें इण्डस्ट्रीज और लॉजिस्टिक हब्स जहाँ हमारे बन रहे हैं। वहाँ फोर लेनिंग होगी ताकि इण्डस्ट्रीज को भी बढ़ावा मिले। उत्तर प्रदेश ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट जिसमें रिकार्ड एम0ओ0यू0 साइन हुए थे और जल्द ही ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो रही है और धरातल पर विश्व का

इन्वेस्टमेंट दिख रहा है। लोक निर्माण विभाग ने इस मद से इण्डस्ट्रीज और लॉजिस्टिक हब्स जो हैं, उसमें 2024-25 में 800 करोड़ के बजट की व्यवस्था की गई है, यह मुख्य रूप से बड़ी परियोजनायें और मद मगर बात की जाती है, फोर लेन कितने बनाये, मैं सूचित करना चाहता हूँ कि जहाँ तक फोर लेन का सवाल है, 2012 से 2017 में 547 कि0मी0 के 25 कार्य पूर्ण हुए थे।

मान्यवर, वर्ष 2017 से 2022 में 38 फोर लेन को कार्य 3860 करोड़ के स्वीकृत हुये है। अभी 50 फोर लेन के कार्य, 12240 करोड़ के निर्माणाधीन हैं। जो आज तक उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी भी इतने बड़े पैमाने पर सड़कों की फोर लेनिंग नहीं हुयी है। यह योगी जी की सरकार आज की तारीख में कर रही है। हमारा डबल इंजन भी काम कर रहा है। केन्द्र सरकार के माध्यम से भी 10 राष्ट्रीय मार्गों पर चार लेन कराये जा रहे हैं, जो 800 किलोमीटर के हैं, इसमें से 3 कार्य पूर्ण हो चुके हैं बाकी के कार्य प्रगति पर है। सड़कों की मरम्मत पर भी बड़े प्रश्न उठाये जाते हैं कि उसके लिए बहुत ज्यादा पैसा खर्च कर दिया। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि यह सरकार जीरो ट्रालरेंस पर काम करती है। एक-एक पाई का हिसाब और सदुउपयोग कराया जायेगा, यही योगी जी की सरकार की देन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए है। मैं कह सकता हूँ कि जो बड़े-बड़े आंकड़े बताये गये थे, 40 हजार करोड़ ऊपर के पैच वर्क के लिए, जो वर्ष बीता है उसके 475 लाख करोड़ रुपया पैच वर्क के लिए स्वीकृत कराया गया है। 40 हजार करोड़ की जो बात कही जाती है वह नवनिर्माण और विशेष मरम्मत के जो मद हैं उसके अधीन सड़के बनायी जा रही है। इस वर्ष मुख्य रूप से जो गेम चेंजर किया है, यह रिपेयरिंग, नवनिर्माण जो चक्रवार होता है और स्पेशल रिपेयर उसमें और तेजी लाने के लिए फाइव ईयर मेन्टीनेंस प्रोग्राम की स्वीकृति सरकार ने दी है। (5 दिन) अनुरक्षण के लिए उसी दिन पैसा अवमुक्त कर दिया जायेगा जिस दिन ठेका दिया जायेगा। इससे दुबारा इन मरम्मतों के लिए टेंडर नहीं करने पड़ेंगे, विलम्ब नहीं होगा, जिम्मेदारी तय होगी। इसमें जो ठेकेदार कार्य करेगा उसके लिए सुनिश्चित किया जा रहा है कि 5 साल तक वह सड़क की मरम्मत करेगा। जो पहला वर्ष होगा अगर उसमें गड़बड़ हो गयी तो उसमें डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के आधीन उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। यह जो इतने वर्षों तक लम्बित था इस पर सरकार ने पहल की है। एक और महत्वपूर्ण मद हमारे बार्डर रोड का है। अन्तर्राष्ट्रीय बार्डर स्टैटजिक महत्वपूर्ण रहती है। इन्डो नेपाल वहाँ पर सरकार ने प्राथमिकता पर सड़के बनाने का फैसला लिया है। राज्य मद पर 340 करोड़ का स्टेट गवर्नमेंट ने उसके लिए जमीन अधिकरण और यूटिलिटी शिफ्टिंग और फॉरेस्ट के जो खर्चे आते हैं वह करेगी और 2 हजार 500 करोड़ केन्द्र सरकार से लिया जायेगा। यह डबल इंजन सरकार की व्यवस्था है। कोई समझौता हमारी सड़कों से, बार्डर एरिया से नहीं होगा। वहाँ वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर उन लोगों को भी दिया जायेगा जो एक छोर में प्रदेश के रहते हैं। वह भले ही

किनारे प्रदेश के हों मगर इस सरकार के हृदय में वास करते हैं और उसके लिए प्राथमिकता पर इंफ्रास्ट्रक्चर की पूरी योजना लाई जायेंगी।

जहाँ तक सेतुओं का सवाल है वह भी इस सरकार की पूरी प्राथमिकता में है। मैं कह सकता हूँ कि सेतु जो पिछले वर्ष बनाये गये थे वह 188 थे और उसके तहत 188 सेतु अगर एक वर्ष में बनेंगे तो आप कह सकते हैं कि दो दिन में एक सेतु बना कर इस सरकार ने पिछले वर्ष धरातल पर उत्तर प्रदेश की जनता के सदुउपयोग के लिए बना कर रखा है। जहाँ तक मद का सवाल है, 5 हजार एक सौ का कैपिटेड एक्सपेंडिचर होगा। राज्य योजना में 15 सौ करोड़, 1100 चालू कार्य के लिए, 400 नये सेतुओं के नए निर्माण के लिए, अभी तक ग्रामीण क्षेत्र में सेतु बन रहे थे। इस बार शहरी क्षेत्रों के सेतुओं के लिए 250 करोड़ का मद रखा गया है। नाबार्ड योजना में 1500 करोड़। रेलवे ओवरब्रिज यह सरकार की प्राथमिकता है। मैं कह सकता हूँ कि जहाँ तक रेलवे उपरगामी की बात है, पहली प्राथमिकता यह है कि 1 लाख टी0वी0यू0 से ऊपर जितने हमारे रेलवे ओवरब्रिज हैं। बहुत ट्रैफिक बढ़ गया है रेल का भी और गाड़ियों का भी। बहुत कठिनाई होती है जाम लग जाता है और घण्टों इन्तजार करना पड़ता है इसलिए योगी सरकार ने 424 ऐसे रेलवे ओवरब्रिज चिन्हित किये हैं उसमें से 91 आरओबी का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और 148 निर्माणाधीन है। 424 में से 240 का कार्य प्रगति पर है या निर्माण पूर्ण हो चुका है और जल्दी ही 424 का आंकड़ा पूरा कर लिया जायेगा, एक भी फाटक ऐसा नहीं बचेगा जहां ज्यादा ट्रैफिक हो और आरओबी न बना हो, यह हमारी प्राथमिकताओं में है। लघु सेतु जो ग्रामीण क्षेत्रों में हमारे ग्रामीण भाईयों के लिए होता है, उसके लिए 239 लघु सेतु की लागत 439 करोड़ की है उन्हें प्राथमिकता प्रदान की गई है। दीर्घ सेतु, 13 नाबार्ड से, 7 राज्य योजना से, कुल लागत 1 हजार 70 करोड़ है। मैं अगर गिनाना चाहूँ तो जनपद हमीरपुर में कुरारा-खंडरौर-पुरसेनी मार्ग पर बेतवा नदी पर, जनपद औरैया में बिलवाया-पलवारी मार्ग पर, जनपद लखीमपुर में अकबरपुर-रायगांव-तम्बौर मार्ग पर लेबर घाट पर, जनपद श्रावस्ती में गिलौला में राप्ती नदी पर बन रहे हैं, तमाम ऐसे सेतु हैं जिनका कार्य पूर्ण हो चुका है। अयोध्या नगरी के लिए भी जो हमारी परियोजनाएं हैं, अयोध्या के 8 आरओबी में से 2 पूर्ण हो चुके हैं। एक नई परियोजना लायी गयी है कि जो आरओबी हैं इनके नीचे जो जगह है वहां हम हरियाली, पार्किंग स्थल, कैफेटेरिया, बैठने की व्यवस्था भी कर रहे हैं।

(इसी मध्य 11 बजकर 46 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

श्री अध्यक्ष-

आपने इतना काम किया है कि यदि चार दिन भी बतायेंगे तो भी कम है।

श्री जितिन प्रसाद-

मान्यवर, एक और बताना चाहूंगा, चीनी मिल परिक्षेत्र में गन्ना किसानों के लिए जो सड़कें हैं उसको ईटीए के तहत् नई टेक्नोलॉजी लेते हुए बनाया जा रहा है क्योंकि वह सड़कें भारी गन्ना ढोने की वजह से टूट जाती हैं, इसलिए उनको मजबूत करने, चौड़ी करने के लिए नया प्रावधान किया गया है। इस बार रिकार्ड स्तर पर बजट का आवंटन हुआ है, पूरा प्रयास किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा चाहे वह भवन के निर्माण हों या सेतु हों, सभी कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के आधार पर किये जा रहे हैं। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद्।

श्री अध्यक्ष-

सुबह जिस समय वित्तीय वर्ष 2024-25 की आय-व्ययक अनुदानों की माँग और चर्चा पर मतदान का विषय मेरे द्वारा विधान सभा में प्रस्तुत किया गया था तो मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा था कि ये चारों माननीय मंत्रीगण अपना पक्ष समय-सीमा के अन्तर्गत रख देंगे। किसी एक विभाग पर चर्चा के लिए अगर कहा जाय तो सारा दिन भी कम है चाहे सुझाव आने हों या आलोचना आनी हों, मेरा कहने का मतलब है कि इतना समय उपलब्धियां बताने के लिए भी कम है और विपक्ष की ओर से सुझाव देने के लिए भी कम है। समय-सीमा का पालन हमारे माननीय मंत्रीगण द्वारा किया गया मैं उनके लिए आभार व्यक्त करता हूँ। उस समय मैंने कहा था कि अगर एक व्यक्ति बोलेगा तो 10 मिनट, दो बोलेंगे तो 5 मिनट, तीन बोलेंगे तो 3 मिनट और 10 बोलेंगे तो एक-एक मिनट, मैने यह भी कहा था कि 1 मिनट से कम नहीं दूंगा। कौन बोलेगा, कौन नहीं बोलेगा, यह आपकी पार्टी के मुख्य सचेतक या जिसको भी वह अधिकृत करेंगे वह तय करेगा। मैं विभागवाइज बुलाऊंगा, मैंने जैसे निवेदन किया कि 10 मिनट में एक व्यक्ति को बोलना है, दो को बोलना है या तीन को बोलना है यह आपका ज्यूरिस्डिक्शन है, अब जैसा आप निर्णय करेंगे उसमें मैं आपका सहयोग करुंगा। पहले कटौती कृषि विभाग पर रखी जायेगी, उस पर बोल लें। फिर नगर विकास के ऊपर बोल लें, फिर चिकित्सा के ऊपर बोल लें, बस फिर पांच-पांच मिनट में मैं मंत्री जी से कहूंगा कि उसका जबाव देंगे। उसके बाद हम बजट को पास कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ायेंगे ।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी आपकी अनुमति से प्रस्तुत करता हूँ कि कृषि विभाग के इस कटौती प्रस्ताव अनुदान संख्या 11 कृषि तथा अन्य सम्बन्धी विभाग कृषि के अन्तर्गत होने वाले पर व्यय की माँग की धनराशि घटाकर 1 रुपया कर दी जाए। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

मा0 मैं आभारी हूँ कि देश और उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी आबादी 62 प्रतिशत अन्नदाताओं के इस महत्वपूर्ण विषय पर आपने हमें बोलने का और कटौती रखने का मौका

दिया। महोदय आज देश और राज्य की जो सबसे बड़ी आबादी है, जिसका सबसे ज्यादा प्रतिशत है और जिसकी सबसे ज्यादा भागीदारी है, उसके रोजगार का एक मात्र सहारा कृषि है और किसान जो अपनी खेत की मेड़ पर बैठकर के सारे सपने देखता है और यही अधिकार उसको केवल है। उसी खेत को देखकर वह सपने देखता है कि बूढ़े माता-पिता का इलाज कैसे होगा, टूटी हुई छत कैसे बनेगी और घर में बैठी बेटी की शादी कैसे होगी। लेकिन जब किसान की खेती खराब हो जाती है, तो किसान का सारा सपना उसी खेत में टूट जाता है। यह अलग बात है कि हमारे उत्तर प्रदेश में लगभग 107.96 लाख कृषि भूमि पर कृषि कार्य होता है। सरकार ने कहा है हमने अपने एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट का जो टारगेट और लक्ष्य निर्धारित किया है, वह हमने 5.1 रखा है। सरकार ने अपने बजट में बुन्देलखण्ड की एकल रवी फसल का जिक्र किया है, सरकार ने फसल बीमा योजना की बात की है, कृषि विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था की बात की है। दुग्ध संघों की सुदृढ़ीकरण के लिए मात्र 25 करोड़ की व्यवस्था की है, मा0 मुख्य मंत्री खेल सुरक्षा योजना में ऊंट के मुंह में जीरा 50-50 करोड़ लागत की व्यवस्था की है। निजी नलकूपों पर महोदय हम 7 वर्ष से सुन रहे हैं। इसमें कहा है कि हम कुछ पैसा फ्री बिजली देने के नाम पर देंगे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है। इस सरकार के वरिष्ठ मा0 कृषि मंत्री जी अभी कह रहे थे और कुछ आंकड़े दे रहे थे, मैं बड़े असमंजस में हूँ कि यह आंकड़े लाए कहां से ? कहा कि खाद्यान्न में 16-17 में 12 प्रतिशत की वृद्धि करेंगे। चावल उत्पादन में कहा कि 16 प्रतिशत बड़ा है। दलहन के उत्पादन में 24 प्रतिशत की वृद्धि दिखायी है और तिलहन में कह रहे थे कि 114 प्रतिशत हमने वृद्धि कर दी है। मान्यवर जो सरकारी आंकड़े हैं देश के और एग्रीकल्चर के, वह तो आपकी बात को कहीं सपोर्ट नहीं करते हैं, आपके बगल का राज्य महाराष्ट्र है, जहां पर एग्रीकल्चर ग्रोथ 70.9 है, कर्नाटक का 15.1 है, बगल में बिहार की ग्रोथ 8.4 है, उड़िसा की ग्रोथ है 7.6 और आपने महोदय 2023 को हमारे ही तारांकित प्रश्न संख्या 2 में यह स्वीकार किया है कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने, आदरणीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व की सरकार में, एग्रीकल्चर का ग्रोथ रेट था 7.8 और आपने कहा कि 2023 की एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट 6.8 है, जो हम विरासत में देकर के आए थे, उसे आप सम्भाल भी नहीं पाए और आप कहते हैं कि हमने कृषि ग्रोथ रेट को बढ़ा दिया, यह आपका जवाब है मान्यवर इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि इस दुनियां में जब बहुत बड़ी मंदी आयी, उस मंदी में बहुत सारे विश्व के देश नीचे के पायदान में खड़े हो गए, मैं बधाई देता हूँ भारत के अन्नदाताओं को कि उस मंदी से भारत को किसी ने निकालने का किया था तो देश के अन्नदाताओं ने निकालने का काम किया था।

मान्यवर, इस देश में जब कोविड आया था, तो कोविड की महामारी में पूरा विश्व कहीं न कहीं संकट में खड़ा था और तब भारत की जी0डी0पी0 घटकर 23.8 हो गयी थी, तो उत्तर प्रदेश के अन्नदाताओं ने 3.6 एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट बढ़ाकर इस देश को फिर से पैरों पर खड़ा करने का काम किया। मान्यवर, यह है देश का अन्नदाता। इसलिए हम कहना चाहते हैं

कि आज उत्तर प्रदेश संकट में खड़ा है। मँहगा बीज, मँहगी खाद, खाद में भी 5 किलो कम, फिर 5 किलो और कम, मँहगी सिंचाई, मँहगा डीजल और मँहगी जुताई और जब फसल तैयार होती है, तो उसी कड़कड़ाती हुई सर्दी में, तप-तपाती हुई धूप में किसान डंडा लिए बैठा रहता है कि कहीं सांड़ आकर हमारे खेत को नष्ट न कर दें। उसके बाद भी आज किसान की खेती नहीं बच पा रही है।

मान्यवर, इसलिए मैं कहता हूँ कि अगर इस देश को आगे बढ़ाने का सपना देखना है, देश को मजबूत करना है, तो ये मैं नहीं कहता हूँ, दुनिया के अर्थशास्त्रियों ने भारत के लिए कहा है। भारत में रहने वाले तीन अर्थशास्त्रियों ने इस बात को कहा है, यह अकाट्य सत्य है कि जब तक भारत का अन्नदाता मजबूत व सम्पन्न नहीं होगा, इसके चेहरे पर खुशी नहीं आयी, तो हम भारत को आगे बढ़ाने का सपना देखना बन्द कर दें। हमने तो दो गुना सुना था, लेकिन आज आप कहते हैं कि उससे एक कदम और आगे बढ़ गये। आपने कहा कि हमने किसानों की आमदनी को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। हम आपसे पूछना चाहते है और इस भरे सदन में हम स्वीकार कर लेंगे कि इतनी मेहनत के बाद, सांड़ों के चरने के बाद क्या यह सच नहीं है कि उत्तर प्रदेश में धान रु0 1800-1900 में बिका है, रु0 2200-2300 में गेहूँ बिका है और जब उसके उत्पादन का मूल्य ही रु0 1650 आ रहा है, तो यह कौन सा अर्थशास्त्र है जिससे आप कहते हैं कि हम किसानों की आमदनी दो गुना और तीन गुना कर देंगे। मान्यवर, सच्चाई यह है कि किसान अन्नदाता आज घाटे की खेती करने का काम कर रहा है। मान्यवर, इसलिए हम कहना चाहते हैं कि आपने किसानों को सपना दिखाया है, आज किसान कहाँ खड़ा है। किसान कहता है कि,

''हैरान हूँ, परेशान हूँ, दर-बदर ठोकर खाकर भी खड़ा रहने वाला चट्टान हूँ।
हलातों से जो हार न मानी, मैं वह इंसान हूँ। हाँ साहब, मैं एक किसान हूँ।''

यह किसान की व्यथा है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य पंकज जी के बोलने के लिए समय नहीं बचेगा।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, किसान कहता है कि दिल में बसती है, जिसके भारत माता, वही किसान हूँ, मेरे लिए तो अब केवल यही एक हमारा और भगवान है, ये समाजवादी पार्टी के लोगों को मानना है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि किसानों के साथ खेल करना बन्द कर दीजिए। आज किसान एक बड़े संकट से गुजर रहा है। मान्यवर, इसलिए हम कहना चाहते हैं कि अन्नदाता के चेहरे पर खुशी नहीं ला पाएंगे, तो हम देश को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे। आज किसानों की क्या हालत है ? किसान आत्महत्या कर रहा है। कर्ज में डूबे किसान ने दी जान, कानपुर 22 नवम्बर, बैंक वाले के तकादे से किसान ने खाया जहर, बिजनौर 20 नवम्बर, 2023, कर्ज में डूबे किसान ने की आत्महत्या। पेड़ पर लटक कर दी जान, 7 नवम्बर, 2023,

किसान कर्ज के बोझ में था दबा, आज गौ-शालाओं की क्या स्थिति है ? भूख से बिलबिला रहे गौ-वंश, 20 नवम्बर, 2023, जान के दुश्मन बनकर घूम रहे हैं आवारा गौ-वंश, बेंती पशु आश्रय केन्द्र में जिन्दा मवेशी को नोच-नोच कर खा रहे कुत्ते, वीडियो हुआ वायरल, अगस्त, 2023। आज ये स्थिति आपके गौ-शालाओं की है, उत्तर प्रदेश के किसानों की है।

मान्यवर, इसलिए मैं आपके माध्यम से इस सरकार को यह जरुर कहना चाहते हैं, जगाना चाहते हैं, यद्यपि हमारे सुझाव और आलोचना को आप विरोध के रूप में देखेंगे, लेकिन मा0 कृषि मंत्री जी, मैं यह जरुर कहना चाहता हूँ कि देश के जिन राज्यों ने एग्रीकल्चर ग्रोथ के रेट में वृद्धि की है, केवल घरेलू कृषि से नहीं किया है, वह व्यवसायिक कृषि की ओर गये है। किसानों को व्यवसायिक कृषि की ओर ले जाना पड़ेगा। इसके जो सब-डिविजन है, चाहें वह फूल की खेती हो, मत्स्य पालन हो, बागवानी हो, जब तक इनको बढ़ावा नहीं देंगे, जब तक किसानों को आप व्यवसायिक कृषि के रूप में खड़ा करने का काम नहीं करेंगे, तब तक आप किसानों को सम्मान और अधिकार कभी नहीं दे पाएंगे। मान्यवर, इसीलिए मैं एक राम चरित मानस का एक दोहा कहना चाहता हूँ,

''जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी, सो नृप अवस नरक अधिकारी।''

मान्यवर, अगर हम किसान को संकट से नहीं उबारेंगे, तो राम चरित मानस का यह दोहा हम पर लागू होता है। इसीलिए मैं अन्तिम बात कहते हुए अपनी बात को समाप्त करुँगा कि-

जिगर चीर कर धरती का, अमृत बीज उगाता है।
खुद भूखा रहकर भी, जग का भूख मिटाता है।।

ऐसा हमारा अन्नदाता है और अन्नदाताओं के साथ खेल करना बन्द करिए। अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आपने अपना वक्तव्य 10 मिनट में समाप्त किया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदस्य श्री पंकज कुमार मलिक द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

आपको मालूम है कि मैंने मा0 मंत्री जी को भी रोक दिया था। अगर मैंने इधर रोका था तो फिर आपको भी रोकूंगा।

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी बात तो सुन लीजिए। मैं कल भी बोलना चाह रहा था। आपने कहा था कि कल बोल लेना। आज तो मेरा नाम भी है।

श्री अध्यक्ष-

नाम तो 25 लोगों का है। अगर यह 9 मिनट 30 सेकेण्ड पर खत्म करते तब भी मैं बोलने नहीं देता, क्योंकि 1 मिनट से कम बोला नहीं जाता है।

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, 3 मिनट बुलवा लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

नगर विकास पर कौन बोलेगा, यह आप तय करिये ?

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, 3 मिनट बुलवा लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

मेरा निवेदन सुन लीजिए। जब मा0 मंत्री जी के 15 मिनट हुए तो मैंने कहा न कि बन्द कर दें।

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं 3 मिनट में बैठ जाऊंगा।

श्री अध्यक्ष-

आप 2 मिनट में बोलिये नहीं तो आगे बढ़ें।

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, 3 मिनट में बैठ जाऊंगा। आपने कटौती प्रस्ताव बहुत ही महत्वपूर्ण विषय कृषि पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका आभारी हूँ।

श्री अध्यक्ष-

यह दृष्टान्त आगे लागू नहीं होगा।

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी ठीक है। किसान बड़ा दुःखी और परेशान है। एक बात दिमाग में आती है कि ''जब तक दुःखी रहेगा किसान तो यह देश कैसे बनेगा महान ?'' कोई इसके बारे में सोचने को तैयार नहीं है। हर तरह से किसानों की लूट हो रही है। मैं गन्ना क्षेत्र से आता हूँ। गन्ने का किसान बहुत दुःखी और परेशान है। खून के आंसू रो रहा है। 20 रुपये बढ़ाये, गन्ना मंत्री जी यहां बैठे हैं। इनके बढ़ाने से पहले अबकी बार जब भाव साढ़े 300 रुपये था तब भी गन्ना कोल्हू पर लगभग 400 से साढ़े 400 रुपये के बीच में जा रहा था। इससे किसानों को क्या लाभ होगा ? खाद के कट्टे पर आपने वेट घटा दिया। आप लोग हर तरह से किसानों को लूटने का काम कर रहे हैं। आपने वेट नहीं बढ़ाया, आपको लाभकारी मूल्य देना

चाहिए था। किसानों के अन्नदाता स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी को आपने जो भारतरत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया है, उसके लिए आपको बधाई है। इसके साथ-साथ यह भी कहना चाहता हूँ कि चौधरी साहब ने कभी अपनी विचारधारा के साथ समझौता नहीं किया। चौधरी साहब एक रास्ते पर चलने वाले थे और चौधरी साहब ने हिन्दुस्तान के किसानों को उनकी पहचान दिलाने का काम किया था। चौधरी साहब हमारे मन में हैं। चौधरी साहब के रास्ते पर चलकर किसानों के सम्मान को आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी ने आगे बढ़ाने का काम किया है। आज किसानों के सामने बड़ी दिक्कते हैं। किसान खाद लेने जाता है तो उसे एक लिक्विड 'नैनो' दे दिया जाता है। उसे यूज करना भी नहीं पता है। आलू के किसान की बात करना चाहता हूँ। आलू का किसान बड़ा दुःखी और परेशान है। आलू के किसान के हित की बात आज तक सरकार ने कभी नहीं की है। न कोल्ड स्टोरेज ढंग से बनाये गये, न वेयरहाउस बनाये गये और जो कोल्ड स्टोरेज है, उनका किराया बहुत है। उनकी एम0एस0पी0 घोषित नहीं है, एम0एस0पी0 लागू नहीं है और इतना बुरा हाल है कि 120 से 200 रुपये तक अपनी मर्जी से दादागिरी के चलते कोल्ड स्टोर वाले पैसे लूटने का काम करते हैं। इस विभाग में 1998 तक एक विभाग का अधिकारी, एक किसान विशेषज्ञ और एक किसान कमेटी बनाकर कोल्ड स्टोरेज का किराया तय करते थे, लेकिन अब कोई सुनने को तैयार नहीं है। आप गेहूँ की बात करते हैं। आपने एम0एस0पी0 घोषित किया, आप जाकर क्रय केन्द्रों पर देख लीजिए। गेहूँ का किसान बिल्कुल बुरी हालत में है। बहुत दुःखी और परेशान होकर रो रहा है, आत्महत्या करने की मार्केट रेट के हिसाब से उसका गेहूँ नहीं बिकता है। बड़े अफसोस हम आज किसान की बात करते हैं, नौजवान की बात करते हैं। आपने जितना इस किताब में लिखा है, जो बजट आपने दिया है, इस किताब को आप पढ़ना और पढ़कर सोचना कि आपने क्या किया है। इसी संदर्भ में मैं दो लाइनें कहना चाहता हूँ। अपने बारे में न किसी पीर से पूछो, न फकीर से पूछो, अगर पूछना है तो थोड़ी देर आंख बन्द करके अपनी अंतरात्मा से पूछो कि आपने किसान के लिए क्या किया है ? किसान को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया है या नहीं किया है ?

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिये।

श्री पंकज कुमार मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, एक बात और कहना चाहता हूँ। आप लोग जिस तरीके से राजनीति कर रहे हैं, जिनके साथ बैठकर आपने पहचान बनाने का काम किया है, हमारे साथ बैठकर वह नाम कमाकर चले गये।

श्री अध्यक्ष-

नगर विकास पर कौन बोलेगा ?

(सदस्य स्वामी ओउ्मवेश द्वारा अपने स्थान पर खड़े होकर बोलने की कोशिश करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

नहीं आपको एलाउड नहीं है। आप प्लीज बैठ जाइए। दो लोगों को बोलवाना था ऐसे तो सब लोग कहेंगे कि हमको भी बोलवा दीजिए।

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

मान्यवर, सिर्फ एक सेकेंड दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

मैं एक सेकेंड भी नही दूंगा अगर आप ज्यादा बोलेंगे तो आपको बाहर कर दूंगा। आप बैठ जाइए। कितने लोग बोलेंगे।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मैने मा0 सदस्य राकेश भाई से रिक्वेस्ट कर लिया है।

श्री अध्यक्ष-

सिर्फ आप ही बोलेंगे ?

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, हां।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, दस मिनट बोल लीजिए।

***श्री अतुल प्रधान-**

मान्यवर, आपने मुझे नगर विकास जैसे महत्तवपूर्ण मंत्रालय पर कटौती पर बोलने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूँ कि अनुदान संख्या 37 नगर विकास विभाग के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपये कर दी जाये। कमी करने का उद्देश्य कोई आलोचना करना नही है सुझाव देना है।

चूंकि आलोचना करना अथवा सुझाव देना है। मा0 मंत्री जी ने बहुत जगह काम किया है। मा0 मंत्री जी का एक्सपीरियेन्स देश विदेश से लेकर हर जगह तक का है। जहां गुजरात में बहुत लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी, वहीं देश के लिए भी अलग-अलग क्षेत्रों में मा0 मंत्री जी ने सेवाएं दी हैं। लेकिन जब आप उत्तर प्रदेश में आते हैं क्योंकि आप इसी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और जब उसको भौगोलिक दृष्टि से देखते हैं और जब जनसंख्या के अनुपात से

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

देखते हैं तो यह देश का सबसे बड़ा सूबा है उत्तर प्रदेश। इतने बड़े सूबे में अगर आप देखेंगे तो कोई पढ़ाई के कारण, कोई किसी सड़क के कारण, कोई बिजली के कारण, कोई अन्य अन्य कारणों से बहुत तेजी से ग्रामीण अंचल से शहरों के तरफ पलायन हो रहा है। जैसा आप सब लोग जानते हैं कि लगभग 30 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश की भी इस समय नगर निगमों में नगर पंचायतों में और नगर पालिकाओं में इस समय मौजूद है। पहला बजट जो था उस बजट के मुकाबले लगभग दो से ढाई हजार करोड़ की बजट की कटौती की गई है। उन सब बातों से पहले हमारे राकेश भाई विधायक जी यहां पर बैठे हैं। अभी इस चीज की चर्चा हो रही थी कि इतने महत्वपूर्ण विभाग में प्रमुख सचिव यहां पर इस सदन में मौजूद होने चाहिए थे। बड़े अधिकारी यहां पर मौजूद ही नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

प्रमुख सचिव जी यहां पर बैठे हैं।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, प्रमुख सचिव जी नहीं हैं आज इस बजट सेशन में उनको होना चाहिए था।

श्री अध्यक्ष-

नगर विकास से आज यहां पर कौन आया है ? यहां पर सचिव जी बैठे हुए हैं। अभी प्रमुख सचिव भी थे लेकिन अभी यहां पर सचिव जी बैठे हुए हैं। लेकिन तब भी प्रमुख सचिव को अभी यहां पर रहना चाहिए था। मैंने उनको बुलवा लिया है।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, बताइए कि हर चीज में कह रहे हैं कि बजट बढ़ रहा है। लेकिन अपने सम्पूर्ण बजट का अगर 2021-22 का उठायें तो लगभग 40 प्रतिशत मात्र खर्च कर पायें थे। अगर पिछले बजट का उठायें इसमें भी लगभग 37 प्रतिशत बजट की मा0 मंत्री जी अभी तक आप खर्च नहीं कर पाये हैं। मा0 मंत्री जी ने जिक्र किया कि हम योजनाएं बढ़ा रहे हैं ज्यादा देने जा रहे हैं लेकिन आपकी जो योजनाएं हैं वह इस तरह की हैं ''कहां तो तय था चिरागा हर एक घर के लिए और कहां चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए'' आपकी सारी योजनाएं इस तरह की हैं। जब अयोध्या का प्रकरण आया और मा0 मंत्री जी ने सफाई कर्मचारियों का जिक्र किया, तो मा0 मंत्री जी और इस सरकार का जो सबसे ज्यादा खराब रवैया रहा कोरोना का भी जिक्र था उस कोरोना के समय में जब पूरा शहर बन्द था, सड़के सुनसान थी, कोई गाड़ी नहीं चल रही थी, कोई किसी तरह की इण्डस्ट्री नहीं चल रही थी, उस समय पर अगर सबसे बड़ा काम किसी ने किया तो सफाई कर्मचारियों ने काम किया। कोरोना वारियर अगर सबसे बड़े थे तो सफाई कर्मचारी थे। मा0 मंत्री जी ने यह बात कही कि अयोध्या में जब सफाई कर्मचारी हमने हमारे पांच सौ से ज्यादा आस-पास के शहरों के जुटाए और वह सफाई करने

निकले तो उनकी आँखें भर आईं। उन्होंने कहा कि हम धन्य हैं यह बात तो सही है महर्षि वाल्मीकि जी के नाम पर आपने अयोध्या का एयरपोर्ट रखा।

मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ, लेकिन जब उनकी आँखों से आँसू गिर रहे थे तो मा0 मंत्री जी आपको यह सोचना चाहिये था कि 1985 के बाद उनकी कोई स्थायी नियुक्ति नहीं हुयी है। सारे पद रिक्त पड़े हैं। मान्यवर, अयोध्या में जब भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा हो रही थी तब आपने एयरपोर्ट का नाम रखा, उसी समय आपको उसी मन से हमारे कोरोना वॉरियर्स की, हमारे सफाई कर्मचारियों के लिये घोषणा करनी चाहिये थी, क्योंकि वह सफाई कर्मचारी ऐसे कर्मचारी हैं जो सबसे ज्यादा जटिल और कठिन काम करते हैं। वह उस बदबू में घुसने काम करते हैं, उस मल में घुसने का काम करते हैं, जिसमें कोई व्यक्ति नहीं घुस सकता। हम तो तब जानते जब आप वहीं पर घोषणा करते कि सफाई कर्मचारियों के जितने रिक्त पद पड़े हैं उन पर हमारी सरकार स्थायी नियुक्ति करेगी। अगर आप स्थायी नियुक्ति नहीं कर पा रहे हैं तो कम से कम यही घोषणा कर देते कि आउटसोर्सिंग पर जितने सफाई कर्मचारी हैं, उनको हम लोग संविदा पर रखेंगे और अगर संविदा पर भी रखने की बात न करते तो उन सफाई कर्मचारियों को, जिनको आप आउटसोर्सिंग पर रखते हैं, कम से कम सरकार उनकी तनख्वाह सीधे देने का काम कर देती जिससे ठेकेदार से उनको छुटकारा मिल जाता, लेकिन नहीं, आपको तो सिर्फ उनकी पीड़ा देखनी थी, उनकी भावनाओं से खेलना था। उनकी भावनाओं से खेलकर आप लोग उनको उसी जगह रखना चाहते हैं।

मान्यवर, बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर जी ने संविधान में समता और समानता की बात की है और जब समता और समानता की बात आती है तो एक तरह के काम के लिये अलग-अलग वेतन आप नहीं दे सकते। संविदा पर जो सफाई कर्मचारी हैं उनको लगभग 25000 रुपये वेतन मिलता है, लेकिन जो आउटसोर्सिंग पर सफाई कर्मचारी हैं उनकी रोजाना की तनख्वाह 395 रुपये मात्र बैठती है। अरे, कम से कम भगवान राम जी के नाम पर यहाँ सदन के माध्यम से आप घोषण कर दीजिये कि जो आपके संविदा पर सफाई कर्मचारी हैं उनके समान 25000 रुपये वेतन आप आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को भी देने का काम करेंगे। इस बजट में अगर आपने उसके लिये व्यवस्था की होती तो बड़ा अच्छा होता। आपने 'नमामिः गंगे' की बात की। नमामिः गंगे के नाम पर आप अगर किसी शहर में चले जाइये, किसी कस्बे में चले जाइये तो देखेंगे कि सड़क पहले बनती है फिर उखड़ती है, फिर बनती है फिर उखड़ती है। मा0 मंत्री जी, उसमें ऐसा भ्रष्टाचार है, इसलिये आप उसकी जाँच करा लें तो बहुत बेहतर रहेगा। अगर आप कान्हा गौशालाओं की हालत देखेंगे तो हर शहर के हर चौराहे पर, हर नुक्कड़ पर आवारा पशु भरे पड़े हैं और वह कभी किसी व्यक्ति की जान ले ले रहे हैं तो कभी किसी के घर में घुस जा रहे हैं। यह जो बजट आपने कान्हा गौशालाओं और आवारा पशुओं के नाम पर रखा है यह बहुत कम है। इसको बढ़ाने का काम सरकार को करना चाहिये। मैं खासतौर से अगर मेरठ शहर का जिक्र करुँ तो अगर आप इस समय मेरठ

में या किसी भी बड़े शहर में चले जाइये जहाँ पर आवारा पशु, जानवर हैं जिनको हम लोग साँड भी कहते हैं, लेकिन उसके साथ-साथ कुत्ते भी हैं, आवारा कुत्ते घूम रहे हैं जो बच्चों को नोंच-नोच कर खा जाते हैं। उनके लिये कोई व्यवस्था नहीं है। मैं अगर अपने मेरठ शहर का बताऊँ तो हर दिन कोई न कोई कुत्ता किसी न किसी बच्चे को, बुजुर्ग को नोंचने और फाड़ने का काम करता है। इसके बाद बन्दरों की हालत यह है कि चाहे देहात हो अथवा शहर हो, हमारी महिला बहन छत के ऊपर नहीं जा सकती और अगर वह छत पर जाती हैं तो बन्दर उसे झपट्टा मारकर गिरा देता है। न जाने इस तरह के कितने एक्सीडेंट हो चुके हैं।

मान्यवर, इसके साथ ही मैं कहना चाहूँगा कि सड़कों के लिये इतना बजट बढ़ाया गया है, लेकिन आप किसी शहर में जाकर देखिये कि व्यवस्था क्या है। सड़कों की हालत बहुत ही जीर्ण-शीर्ण है और इस समय सड़कें बहुत ही बुरी स्थिति में हैं। जब हम नगर निगम की बात करते हैं तो किसी भी नगर निगम में चले जाइये। मान्यवर, पूरे प्रदेश में सैकड़ों जगह मलिन बस्तियाँ हैं। मलिन बस्तियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है, जहाँ पर हमारे दलित भाई रहते हैं, जहाँ पर हमारे मुस्लिम अक्लीयत के भाई रहते हैं वहां पर यह सरकार बजट देने का काम नहीं करती और अगर मैं मेरठ की बात करूं तो चाहे नूर नगर लिसारी रोड हो, चाहे प्रह्लाद नगर हो, चाहे उस तरह से आपके तमाम वार्ड हों, जहाँ पर दलित और मुस्लिम आबादी रहती हैं, उसके साथ भेदभाव करने का काम किया जा रहा है। मान्यवर, हम कहना चाहते हैं कि आप इस तरह की व्यवस्था करें कि कम से कम उन मलिन बस्तियों में भी विकास कार्य हो। मैं कहना चाहता हूँ कि सभी शहरों के किनारों पर कूड़े के बड़े-बड़े ढेर और पहाड़ लगते जा रहे हैं, उस वेस्टेज को खत्म करने के लिये आप जो कार्य करा रहे हैं मुझे नहीं लगता कि उससे 100 साल तक भी उस कूड़े का निस्तारण हो पायेगा। उस कूड़े के निस्तारण की भी व्यवस्था हमें और आपको मिलकर सोचनी पड़ेगी।

क्योंकि पूरे शहरों में जिस तरह आबादी बढ़ रही है उससे कूड़ा बड़ी संख्या में निकल रहा है। दूसरी तरफ आप लोग पर्यावरण की बात करते हैं। बड़े शहरों में स्मार्ट सिटी के नाम पर आप लोगों ने जिस तरह से लोगों को बहकाने का काम किया है, आज आप किसी भी स्मार्ट सिटी में चले जाइये वहां पर बद से बद्तर स्थिति है। एयर क्वालिटी इंडेक्स पूरे पश्चिम उत्तर प्रदेश में, खासतौर से मैं मेरठ का जिक्र करुँगा वहां पर इतनी बुरी हालत है कि व्यक्ति बाहर निकलता है और दमे की दिक्कत में आ जाता है। मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि आपने जिस अमृत योजना की बात की है, आपने जिस स्वच्छता अभियान की बात की है इसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति इस समय उत्तर प्रदेश की है। जल भराव के बारे में आपने कहा, उन्हीं मलिन बस्तियों में परेशानी और दिक्कत में गरीब व्यक्ति रह रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जायें, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, हम आपसे कहना चाहते हैं कि जल भराव की स्थिति को लेकर जिस धनराशि के आंकड़े आपने प्रस्तुत किए हैं उसमें कम से कम दुगनी वृद्धि करेंगे तब गरीब आदमी परेशानी और दिक्कत से निपट पायेगा।

श्री अध्यक्ष-

इनका माईक बन्द कर दिया जाए। अब कौन बोलेगा ?

वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक के प्रस्तुतीकरण के समय सम्बन्धित विभाग के प्रमुख सचिव के अनुपस्थित रहने के सम्बन्ध में श्री राकेश प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा द्वारा व्यवस्था की माँग

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, व्यवस्था के प्रश्न पर मैं कुछ बोलना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

इस समय कौन सी अव्यवस्था हो गयी है।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, अगर अव्यवस्था न होती तो मैं खड़ा न होता ।

श्री अध्यक्ष-

आप जल्दी बोल दीजिए।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैंने पिछली सरकारों में देखा है कि जब किसी विभाग का बजट प्रस्तुत होता था तो उस विभाग के प्रमुख सचिव से लेकर पूरा अमला दीर्घा में बैठता था। आज विभाग से सम्बन्धित जो प्रमुख सचिव यहां पर नहीं हैं उनसे आप स्पष्टीकरण ले लीजिए। इससे प्रमाणित होता है कि न तो इनका लोकतंत्र में भरोसा है, न लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर भरोसा है।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा नहीं है, आप प्लीज बैठ जायें। मैं इसको नहीं सुनूँगा, प्लीज आप बैठ जायें। मा0 संसदीय कार्य राज्य मंत्री जी, इसका आप संज्ञान ले लीजिए।

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-

ठीक है मान्यवर।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान (क्रमागत)

श्री अध्यक्ष-

स्वास्थ्य विभाग पर कौन-कौन बोलेगा ?

(डॉ0 रागिनी, ई0 सचिन यादव एवं श्री अमिताभ बाजपेई द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने पर)

कौन तय करेगा ? आप बता दें कि कौन बोलेगा मैं उन्हीं को बोलने के लिए कहूँगा। राकेश जी आप बतायें ?

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, 3-3 मिनट बुलवा लें।

श्री अध्यक्ष-

सिर्फ 10 मिनट में कितने लोग बोलेंगे यह आप तय कर लीजिए।

श्री अमिताभ बाजपेई-

मान्यवर, मैं 3 मिनट बोलूँगा।

श्री अध्यक्ष-

मा0 शिवपाल जी, आप ही सबसे सीनियर हैं, आप तय करके बता दीजिए।

श्री अभिताभ बाजपेई-

मान्यवर, मैं 3 मिनट बोलूँगा, बाकी के दोनों लोग 7 मिनट में बोल लेंगे।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप तीन मिनट बोलेंगे बाकि 7 मिनट में आप दोनों लोग बोलेंगे।

श्री अमिताभ बाजपेई-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूँ कि अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि को घटाकर 1 रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य-विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूँ कि अनुदान संख्या-36 चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि को घटाकर 1 रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य-विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूँ कि अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि को घटाकर 1 रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य-विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है।

मान्यवर, स्वास्थ्य विभाग ऐसा विभाग है जिसके बारे में हम लोग इस समय सबसे ज्यादा अखबारों में पढ़ते हैं। इस विभाग के मा0 मंत्री जी औचक निरीक्षण करते हैं, बेहद संवेदनशील तरीके से विभाग को ठीक करने की कोशिश करते हैं लेकिन उनके प्रयास जमीन पर हकीकत में बदलते कहीं दिखाई नहीं पड़ते हैं। हम लोग सबसे ज्यादा अपने आप को लाचार महसूस करते हैं। हमारे क्षेत्र की जनता जब हमारे पास आती है और इलाज सम्बन्धित मदद मांगती है तो हमें अफसोस होता है कि हम उनकी मदद नहीं कर पाते हैं। चाहे पी0जी0आई0 का मामला हो, चाहे कैंसर के मरीज का मामला हो, चाहे किडनी के मरीज का मामला हो हम लोग उसकी मदद नहीं कर पा रहे हैं। समय चूँकि कम है इसलिए मैं आंकड़ों पर आता हूँ।

अनुदान संख्या-36 के टेबल में आपने दिया है कि वर्ष 2022-23 में 61560 लाख रुपये खर्च किया था और उसके बाद आपने 2023-24 में 109117 लाख रुपया लिया और खर्च केवल 87616 किया गया, जब आप 20 प्रतिशत बजट खर्च नहीं कर पा रहे हैं तो फिर क्यों बढ़ा लिया ? ऐसे ही अनुदान संख्या-32 में आपने 6 लाख 21 हजार 385 लाख रुपया खर्च किया था और 2023-24 में 9 लाख 52 हजार 648 रुपये लिए थे और 7 लाख 97 हजार 352 रुपये ही खर्च किए गये। आप बजट खर्च नहीं कर पा रहे हैं। आपने फिर 10 लाख 37 हजार 624 रुपये लिए। यदि हम पूरे बजट को देखें तो आपने 47 हजार 404 करोड़ रुपया बजट में लिया था।

इस साल आपने 42 हजार 774 करोड़ रुपये रखे हैं। जब वर्ष 2022-23 में 41 हजार करोड़ रुपये बजट था तो आपने 31 हजार करोड़ रुपये खर्च किये। फिर आपने 47 हजार करोड़ रुपये लिये और खर्च कर पाये 40 हजार करोड़ रुपये। अब आपने 42 हजार करोड़ रुपये लिये हैं। मान्यवर, आप समझ गये हैं कि आप खर्च नहीं कर पायेंगे इसलिए आपने स्वयं अपना बजट घटा लिया है। जरा ओ0पी0डी0 की तरफ ध्यान दीजिए। आपके आकड़ों में लिखा है कि वर्ष 2020 में 4 करोड़ 61 लाख के मुकाबले वर्ष 2023 में 2 करोड़ 91 लाख पेशेन्ट सरकारी अस्पतालों में आये हैं। ओ0पी0डी0 में भी भारी कमी है। 38 लाख 88 हजार के मुकाबले 15 लाख 53 हजार पेशेन्ट आये हैं। यह आपकी आकड़ों की किताब में लिखा है। इसका मतलब लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों से घटा है।

उर्सला अस्पताल में वर्ष 2018-19 में 32 लाख पेशेन्ट आये थे। इस साल 20 लाख पेशेन्ट आये हैं। आपकी ऑक्यूपेन्सी रेट जो 95 प्रतिशत थी वह घटकर 71 प्रतिशत रह गयी

है। इसका मतलब लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों से घटा है। हम केवल एक उदाहरण ले लें ज्यादा बात नहीं करेंगे। छोटे भाइयों का ध्यान रखना है। आपके अस्पताल में पर्चा 1 रुपये का और स्टैण्ड का पैसा 20 रुपये का और आज कल रजिस्ट्रेशन कराने की फीस भी लेने लगे हैं। जब पर्चा एक रुपये का है तो स्टैण्ड का पैसा लगना बिल्कुल अमानवीय है। आपने 108 एम्बुलेन्स की बात की। अच्छा है कि आपने इसको स्वीकार किया। समाजवादी सरकार ने इसको शुरु किया था। पर आप चला नहीं पा रहे हैं। आप ड्राइवरों का वेतन नहीं दे पा रहे हैं। कैन्सर हास्पिटल कानपुर में है, एक मात्र सरकारी था। दूसरा अखिलेश जी ने बनवाया । कानपुर वाला दुर्दशा को प्राप्त है। मैं पहले भी कह चुका हूँ। ओ0टी0 है, सर्जन है पर आपरेशन नहीं हो रहे है। पैथालॉजी है पर पैथालॉजिस्ट नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

आप लिखकर दे दीजिए।

श्री अमिताभ बाजपेई-

पूरे यू0पी0 में कहीं भी पेट के सी0टी0 स्कैन की व्यवस्था राम मनोहर लोहिया के अलावा नहीं है। बायॉपसी, पेट-सी0टी0, फ्री एम0आर0आई0 पूरे स्टेट में नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद अमिताभ जी, आप लिखकर दे दीजिए। अब श्री सचिन जी बोलें।

(श्री अमिताभ बाजपेई जी माइक बन्द होने पर)

***श्री सचिन यादव-**

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात को आदरणीय अमिताभ बाजपेई जी की बात से सम्बद्ध करते हुए उनके बात पर बल देते हुए अपनी बात को रखता हूँ। क्योंकि समय कम है इसलिए संक्षेप में बात करुंगा। सी0एच0ओ0 हमारे स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा वही काम करते हैं। गांव-गांव में सबसे ज्यादा जहां पर पी0एच0सी0/सी0एच0सी0 हैं उन पर सी0एच0ओ0 की तैनाती है। भारत सरकार का नियम है कि उनको 25 हजार रुपये की सैलरी और 15 रुपये एक्सट्रा इन्सेन्टिव में दिया जायेगा। दूसरे स्टेट में एम0पी0 में 30 हजार रुपये से ज्यादा दे रहे हैं। बहुत से ऐसे स्टेट हैं जहां पर उनके इन्सेन्टिव और सैलरी को एक साथ कर दिया गया है। सिर्फ उत्तर प्रदेश ऐसा प्रदेश है जो सिर्फ 20 हजार रुपये की सैलरी दे रहा है। जबकि वे ग्रामीण क्षेत्र में जाकर रहते हैं और दूर-दूर के जिलों से आते हैं। अपना घर छोड़कर ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं और मात्र 20 हजार रुपये की सैलरी पर काम करते हैं। आपका 40 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट है। जो रीढ़ की हड्डी है, जो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को देख रहे हैं उनको सैलरी भारत सरकार के हिसाब से भी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नहीं दे रहे हैं। इन्सेन्टिव जो 15 हजार रुपये दे रहे हैं वह उनको मिलता नहीं है। उसमें भ्रष्टाचार है। 30-30 प्रतिशत उसमें रिश्वत ली जाती है तब उनको इन्सेन्टिव मिलता है। यह सी0एच0ओ0 की हालत है। जो आंकड़े हैं चूंकि डा0 रागिनी जी को भी बोलना है। आँकड़ों के अनुसार 25 हजार पद स्वास्थ्य विभाग में खाली पड़े हैं। 12 हजार पद बढ़े हैं बाकी सारे पद खाली है। ऐसी स्वास्थ्य विभाग की हालत है। जब आपके पद ही खाली पड़े हैं तो आप क्या सेवायें देंगे। हालत यह है कि 2018-19 में हास्पिटल की बेड ऑक्यूपेन्सी 98 प्रतिशत थी जो अब गिर कर 70 प्रतिशत हो गयी। भर्ती रोगी जो 28 लाख थे वे अब 15 लाख ही रह गये हैं।

श्री अध्यक्ष-

अगर तबियत ठीक है तो आप जबरदस्ती खराब कर देंगे।

श्री सचिन यादव-

आदरणीय अध्यक्ष जी, ये आँकड़े हैं। 28 लाख लोग सरकारी चिकित्सालयों में भर्ती रहा करते थे वे अब 15 लाख ही रह गये हैं। बेड की ऑक्यूपेन्सी नीचे गिर गयी है। वहां पर स्वास्थ्य सेवायें नहीं है। डाक्टर्स नहीं है। इन्सटुमेन्ट्स नहीं हैं तो कैसे होगा। मैं अपनी बात को यहीं खत्म करुंगा और डाक्टर रागिनी जी से कहूंगा कि बात को आगे बढ़ाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

डाक्टर रागिनी साढ़े पांच मिनट हो गये हैं। आप साढ़े चार मिनट में बोलें।

***डॉ0 रागिनी-**

मान्यवर, मैं ई0 सचिन यादव जी की बात से अपने आप को सम्बद्ध करते हुए अपनी बात को आगे बढ़ाती हूँ। राम राज में कहा गया था कि चाहे वह कोई देह का मरीज हो या फिर देविक या भौतिक कोई ताप नहीं था। आज जो सरकार राम राज की बात करती है। स्वास्थ्य की यह दुर्व्यवस्था अध्यक्ष जी, कि सबसे पहले कोई गम्भीर बीमारी से पीड़ित हो जाये या फिर कोई एक्सीडेन्स हो जाये तो एम्बुलेन्स नहीं मिलती है अगर मुश्किल से एम्बुलेन्स मिलती भी तो उसमें एडवांस जो आपका ट्रामा लाइट सपोर्ट नहीं होता है। मैंने पिछली बार भी मंत्री जी से कहा था कि स्टॉफ को ट्रेंड करना बहुत जरूरी है। अगर आप मुश्किल से इमरजेंसी पहुंचते भी हैं तो वहां न तो व्हील चेयर होती है न स्ट्रेचर होता है इमरजेंसी में आपके मरीजों के अनुपात में डाक्टर की उपलब्धता नहीं होती है। भर्ती करने के लिए बेड नहीं होता है वैंटीलेटर नहीं होता है। मंत्री जी कह रहे थे कि हर तरह की मेडिसन उपलब्ध है तो मैं मंत्री जी को बताना चाहूंगी कि जो एडवांस अभी मेडिसन आ गयी है जो थर्ड जनरेशन, फोर्थ

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जनरेशन की फिफ्थ जनरेशन की एंटी बॉयटिक्स है जो कि सीरियस कंडीशन पर वही सिर्फ काम कर रही है आज जिस तरह से दिक्कतें बढ़ती चली जा रही है तो वह मेडिसन उपलब्ध नहीं है। जिस तरह से गरीब मरीज को बाहर जाकर के मंहगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही है साथ ही साथ डायग्नोस्टिक की आप बात कर रहे थे की पी0पी0पी0 मॉडल पर लेकिन आज यह स्थिति है कि किसी अस्पताल में बेसिक डायग्नोसिस की जो चीजें उपलब्ध नहीं है मरीजों को बाहर जाना पड़ रहा है।

25 करोड़ की आबादी में अगर आपको स्वास्थ्य विभाग को ठीक करना है तो हम यह तो मानते है कि सबसे पहले स्वास्थ्य को ठीक करने के लिए प्रिवेन्ट करना पड़ेगा की बीमारी न हो। बीमारी को प्रिवेन्ट करने के लिए क्या करना पड़ेगा इसको ठीक करने के लिए हेल्थ प्रिवेन्ट और अवेरनेस लानी पड़ेगी और रिस्क फैक्टर को रोकना पड़ेगा । आज जो हमारी जमीनी लोग हैं चाहे वह हेल्थ वर्कर है या आशा वर्कर या आगनबांड़ी हो या ए0एन0एम0 हो न तो उनका मानदेय बढ़ रहा है और न ही समय-समय पर उनका प्रशिक्षण हो रहा है कि जिसकी वजह से जनता में जागरुकता फैले और इसी की वजह से चाहे वह कम्युनीकेबिल डिसीजेस हो या नॉन कम्युनीकेबिल डिसीजेस हो उनका डेटा बढ़ता चला जा रहा है। कागजी मंत्री जी ने जो भी कह दिया हो लेकिन पूरा सदन इस बात पर मंजूरी देगा कि पिछले एक वर्ष में डेंगू से कितनी जाने गयी हैं और हर किसी का दिल दहलाती है कि कितने लोग हमारे बीच से चले गये डेंगू की वजह से इस तरह की मौत को रोका जा सकता है लेकिन सरकार कि निष्क्रियता की वजह से वह लोग हमारे बीच से चले गये यह बड़ा ही शर्मनाक है। यह जो आपने बजट दिया है इस बजट में मेडिकल कालेज की बात मेडिकल कालेज में जगह-जगह प्रोफेसर को, पैरामेडिकल स्टॉफ को एक मेडिकल कालेज से दूसरे मेडिकल कालेज में शिफ्ट करके अवैध तरीके से सिर्फ मान्यता दिलाने का काम किया जा रहा है। पैरामेडिकल स्टॉफ जौनपुर का उसको 6 माह से सैलरी नहीं मिली है और जगह-जगह पर इस तरह की स्थितियां बनी हुई है कि डाक्टर धरना दे रहे हैं कि उनकी सैलरी नहीं दी जा रही है। जिनसे आप इलाज करवाना चाह रहे हैं उनकी सैलरी का भी बजट आपने नियुक्त नहीं किया। इतने कम लैब टैक्नीशियन हैं कि या तो जांच नहीं हो पाती और जांच होती है तो उसकी रिपोर्ट तब तक आती है जब वह बीमारी बहुत आगे तक पहुंच गयी होती है।

मैं आयुष्मान भारत के बारे में बोलना चाहूंगी कि बार-बार सरकार इस चीज का हवाला देती है बस मैं लास्ट में यही बोलूंगी कि आपकी सरकार के द्वारा यह रिपोर्ट आयी है कि आयुष्मान भारत का जो बजट है केन्द्र सरकार के द्वारा दिया जा रहा है और साथ ही साथ जो राज्य सरकार के द्वारा बजट दिया जा रहा है वह बहुत ही कम है। उसमें सही तरह से पूर्णतया इलाज नहीं हो पा रहा है। इसको बढ़ाया जाना चाहिए और सारे जितने प्राईवेट हॉस्पिटल है जो आयुष्मान भारत के साथ कोलेवरेटेड हैं वह बड़े ही परेशान हैं और मरीज भी परेशान हैं क्योंकि उनका भुगतान भी नहीं हो रहा है तो अध्यक्ष जी, मैं स्वास्थ्य से रिलेटेड

मुद्दे है उन पर तो आपका बजट ही नहीं आया है तो इस बजट का कोई औचित्य ही नहीं है। धन्यवाद।

***डॉ0 आर0के0 वर्मा-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपकी अनुज्ञा से मैं कटौती पर बल देते हुए केवल दो सुझाव मा0 मंत्री जी को देना चाहता हूँ। चाहे केन्द्र सरकार की योजना हो या प्रदेश सरकार की योजना हो उसको धरातल पर ले जाने के लिए आशा वर्कर का बहुत योगदान होता है लेकिन रात को जब ठंड होती है तो वह एक प्रसूता को लेकर अस्पताल जाती है तो उनको वहां बैठने के लिए सेपरेट कोई जगह नहीं होती है पूरी रात उनको इधर-उधर घूमकर के गुजारना पड़ता है।

दूसरी चीज अस्पताल में जो एण्टी रेबीज इंजेक्शन है उसकी उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए कोई सख्ती भरा एक आदेश जारी कर दें कि उसमें कोई बहानेबाजी न कर सके। मान्यवर, मुझे एक बात आशा वर्कर्स पर कहनी है कि उनका एक न्यूनतम मासिक मानदेय कम से कम 10000 कर दीजिये क्योंकि केन्द्र और राज्य दोनों जगह आपकी सरकार है। फिक्स करके जो योजनान्तर्गत उनको मानदेय मिलता है। जैसे सामान्य प्रसव का 600 रुपये, गम्भीर प्रसव का 900 रुपये, पुरुष नसबन्दी का 400 रुपये, टीकाकरण के एक सत्र का 150 रुपये और इसी तरीके से प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान का 500 रुपये मासिक मिलता है। इस मद में थोड़ी सी बढ़ोत्तरी कर दी जाये और उनका मासिक मानदेय कम से कम 10000 रुपये शिफ्ट कर दिया जाये जिससे स्वास्थ्य सुविधायें गांव में धरातल पर पहुँच सके। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अब लोक निर्माण विभाग लेते हैं। श्री कमाल अख्तर और श्री संग्राम जी इस पर पाँच-पाँच मिनट बोलेंगे।

श्री कमाल अख्तर-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि लोक निर्माण विभाग के अनुदान संख्या-54, 55, 57, 58, 59 के परिव्ययों में सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना है। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय वित्त मंत्री जी जब हर साल बजट रखते हैं तो कहते हैं कि यह इस सरकार का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। उसके अन्दर बजट की जो स्थिति मैंने देखी है उसके अनुसार पिछले साल लोक निर्माण विभाग के अधिष्ठान में 3238 करोड़ रुपये का बजट प्राविधान था जिसमें से केवल 33 परसेण्ट खर्च हुआ है, लोक निर्माण विभाग में विशेष क्षेत्र कार्यक्रम में कुछ नहीं है, लोक निर्माण विभाग के संचार साधन में 4228 करोड़ रुपये का बजट प्राविधान था जिसमें खर्च हुआ 46 परसेण्ट, लोक निर्माण विभाग

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के संचार और सड़क में 3046 करोड़ रुपये का प्राविधान था जिसमें से 32 परसेण्ट खर्च हुआ है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जब वर्ष 2023-24 में यह भारी-भरकम बजट लाया गया तो सब लोगों ने सोचा कि शायद उत्तर प्रदेश की सड़कों का कायाकल्प हो जायेगा । माननीय मंत्री जी हर बार बोलते हैं कि गड्ढामुक्त जितनी सड़कें हैं उनको एकदम सही कर दिया जायेगा। माननीय मंत्री जी लोक निर्माण विभाग इतना महत्वपूर्ण विभाग है कि इसमें सब कुछ समाया हुआ है। हमारे नेता अखिलेश यादव जी कहते हैं कि अगर सड़क की रफ्तार दोगुनी कर दो तो इकोनॉमी का विकास अपने आप तिगुना हो जायेगा। जब हम पिछला बजट ही खर्च नहीं कर पाये हैं तो मैं समझता हूँ कि इतना भारी-भरकम बजट लाने की क्या जरूरत थी।

माननीय अध्यक्ष जी, सरकार ने एक नई मद चालू की है और इस मद के अन्दर धमार्थ मार्गों के विकास हेतु 17.50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। सही बात है कि हमारा देश धर्म प्रधान देश है बहुत सारी जगह जैसे अयोध्या हो गई, काशी हो गई यह लोगों की धार्मिक आस्थाओं से जुड़ी भी हैं और वहां विकास होना भी चाहिये, लेकिन मैं दोनों जगहों के अलावा हरिद्वार के लिए भी मानता हूँ कि यहां से हमारे बहुत सारे लोगों की धार्मिक भावनायें जुड़ी हुई हैं। हमारे लोग बहुत बड़ी तादाद में हरिद्वार के लिए मुरादाबाद से निकलकर कांठ होते हुए जब जाते हैं तो यह रास्ता धामपुर में जाकर जुड़ता है। पिछली बार यह पूरी सड़क चौड़ीकरण के लिए वर्ल्ड बैंक में ली गई थी, लेकिन किसी कारण से उसको ड्राप कर दिया गया। इसी के ऊपर आजादी के समय बना एक रेलवे पर पुल पड़ता है जिसमें दो-दो दिन जाम लग जाता है। अभी माननीय मंत्री जी बड़े दावे के साथ कह रहे थे कि इस बार के बाद अगली बार कोई पुल नहीं बचेगा तो मैं उनकी इसी बात पर यकीन मानते हुए यह विश्वास करूँगा कि आप इस रोड को जरूर ध्यान में रखेंगे क्योंकि धार्मिक कार्यों के लिए आपने प्रतिबद्धता व्यक्त की है। आप इस मार्ग पर रेलवे का पुल अर्थात् आर0ओ0बी0 भी बनवा देंगे जिससे कि लोगों को बड़ी सुविधा हो जायेगी। माननीय मंत्री जी, मैं नहीं समझता कि जिस क्षेत्र में सड़क बनती है उस सड़क से निकलने वाला किसी भी धर्म अथवा जाति-बिरादरी का आदमी होगा तो अगर सड़क अच्छी होगी तो हर आदमी को सुविधा होगी। अगर सड़क खराब है तो हर धर्म और जाति-बिरादरी के आदमी जो वहां से निकलेगा वह बुराई करेगा।

मान्यवर, मुरादाबाद जिले के अन्दर मैं समझता हूँ कि तीन-चार नव निर्माण स्वीकृत हुए हैं और माननीय मुख्य मंत्री जी ने खुद कहा है कि जो आजादी के बाद के ऐसे जो मजरे हैं जो किसी भी तरह से नहीं जुड़े हैं इसे मैंने सदन में कई बार उठाया है और मैं माननीय मंत्री जी से भी व्यक्तिगत मिला हूँ तथा कई लोगों से भी मैंने कहा है कि हसनगढ़ी नाम से एक मजरा है, जिसकी आबादी दो हजार है, जब हर साल बाढ़ आती है तो उस मजरे के अन्दर पूरी तरह से बच्चों का स्कूल जाना और यदि कोई बीमार पड़ जाए तो उसका अस्पताल जाना बन्द हो जाता है, लेकिन आज तक उस मजरे को सड़क से नहीं जोड़ा गया है। जहां तक गड्ढामुक्त की बात है तो मैं कह सकता हूँ कि लखनऊ राजधानी है, मुख्य मंत्री तथा सारे

अधिकारी यहां पर रहकर देखते हैं कि आप किसी भी रास्ते पर चले जाइए आज सभी सड़कों की हालत बहुत बुरी है। इसमें सिर्फ यही कारण है कि हमने उनके जो मानक लिए हैं, जो विलेज रोड है तथा जो छोटे रोड हैं उसके वही मानक हैं जो 25 से 30 साल पहले थे क्योंकि आज सड़कों पर बहुत हैवी-हैवी ट्रक जाते हैं और जो एक्सप्रेस-वे बनने हैं उसमें मंत्री जी एक मद यह जरुर बढ़ा दीजिए कि आप जो एक्सप्रेस-वे बना रहे हैं उसके बराबर के जितने भी लिंक रोड हैं, उसमें मिट्टी लाने की वजह से, कंक्रीट लाने की वजह से पूरी रोड ध्वस्त हो जाती है और उस क्षेत्र की कई-कई सड़कें बर्बाद हो जाती हैं। मेरा सिर्फ यही कहना है कि इसका मानक बदल दिया जाए। अगर आप मानक बदल देंगे तो मैं यकीनी तौर पर कह सकता हूँ कि आपको हर साल गड्ढामुक्ति के लिए बार-बार पैसा नहीं देना पड़ेगा। आप लोगों ने मुझे इस बजट पर बोलने का मौका दिया आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

***डा0 संग्राम यादव-**

मान्यवर, हम आपके आभारी हैं कि आपने हमें इतने महत्वपूर्ण विभाग पर बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, मैं कमाल अख्तर जी की बातों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ। मान्यवर, आज इतने महत्वपूर्ण विभाग के कटौती प्रस्ताव पर जब मैं उत्तर प्रदेश विधान सभा में पहली बार आया था तो लोक निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग के कटौती प्रस्ताव को आपने रखा था। मान्यवर, एक घंटे से भी ज्यादा आपने विभाग की आलोचना किया था और तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री श्री शिवपाल जी अपनी सीट पर मुस्कुराते रहे। आज आपने पांच मिनट का अवसर दिया है। मान्यवर, मैं लाइब्रेरी जा रहा था और लौटकर आ गया। मान्यवर, देश का इतना बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी नये-नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। न जाने क्यों आपको लोकतंत्र और विधायिका से डर लगता है ? लेकिन मंत्री जी ने शुरुआत में कहा कि हमने वर्ड लेबल का इंफ्रास्ट्रक्चर अयोध्या के अन्दर लाकर खड़ा किया है। पूरे विश्व की नजर अयोध्या पर है इस तरह से माननीय मंत्री जी ने शुरु किया है। मान्यवर, आपने विश्व लेबल का इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया है हम आपका स्वागत करते हैं। प्रभु श्री राम की मर्यादा का हम बहुत बड़ा सम्मान करते हैं और मैंने जो पी0एच0डी0 किया है वह उसी से सम्बन्धित है, लेकिन प्रभु की जनता तो गांव में रहती है। मैं बहुत धार्मिक व्यक्ति हूँ।

मान्यवर, भगवान की जनता तो गांव में रहती है। आज उस गांव की सड़कें इतनी बुरी हालत में हैं शायद इतनी बुरी और जर्जर हालत में पहले कभी नहीं थीं। अगर उदाहरण ले लिया जाए तो आजमगढ़ जनपद के अन्दर कप्तानगंज में वहां मैंने पिछले महीने पद यात्रा किया था, कई हजार जनता को लेकर न जाने कितनी मौतें हो चुकी हैं आपके विभाग को आजमगढ़ के लोक निर्माण विभाग ने स्टीमेट बनाकर प्रस्तुत भी किया है, लेकिन आज तक उसकी स्वीकृति नहीं हुई है। आजमगढ़ जनपद में नव निर्माण की एक भी स्वीकृतियां जारी नहीं

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हुई है। सिकंदरपुर पुनरिया मार्ग है और गोरखपुर एक्सप्रेस-वे लिंक बन जाने के कारण ग्रामीण सड़कें पूरी तरह से जर्जर हालत में हो गई हैं और माननीय लोक निर्माण मंत्री जी जब बजट के आखिरी समय में आप स्वीकृतियां देते हैं तो सड़कों की गुणवत्ता नहीं रह जाती है। आप अपने विभाग की समीक्षा बिलो टेण्डर डालकर कर रहे हैं। बिलो टेण्डर डालकर लोग काम तो ले लेते हैं, आप बताईए कि जब आप स्टीमेट 100 रुपये का रख रहे हैं तो वही काम ठेकेदार कैसे कहता है कि हम 70 रुपये में कर देंगे।

अगर आप अपने विभाग की समीक्षा करें तो बिलो टेण्डर डालकर लोग काम तो ले रहे हैं लेकिन वह सड़कें इतनी खराब गुणवत्ता से, आखिर बताइये जब आप इस्टीमेट 100 रुपये का रखें तो वहीं ठेकेदार कहता है कि हम यह काम 70 रुपये में कर देंगे। जब तक आप बिलो टेण्डर का संज्ञान नहीं लेंगे तब तक आप अच्छी सड़कें नहीं बना पायेंगे, चाहे कितनी भी बड़ी बातें आप यहाँ पर कर लें। मा0 सिंचाई मंत्री जी बैठे हैं, बड़ा विभाग है लेकिन चर्चा से दूर है। आज जल जीवन मिशन ने लोक निर्माण विभाग की सारी सड़कों को तोड़ दिया है। विधायक निधि की सड़कों को तोड़ दिया। मा0 मंत्री जी ने इस सदन में कहा कि जब वह बनायेंगे नहीं तब तक उनको भुगतान नहीं होगा। आप लोग आखिरी बार प्रभू श्रीराम जी की शरण में जा रहे हैं। मैंने गवर्नर की स्पीच में भी कहा था कि कब तक प्रभू आपको बचायेंगे, आपको डर लग रहा है इसलिए रोज एक-एक दल तोड़ने का काम आप कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी जनता से इतना कभी नहीं डरी थी। न जाने मा0 अखिलेश यादव से क्या डर है कि रोज उनके एक-एक साथी को आप तोड़ रहे हैं। इतना मजबूत श्री अखिलेश यादव हो गये। मैं तो समझ ही नहीं पा रहा हूँ कि श्री अखिलेश यादव जी कितना मजबूत हैं और भारतीय जनता पार्टी कितनी डरी हुयी है कि रोज एक दल तोड़ रही है। लोकतंत्र में दल मत तोड़िये। आज भारतीय जनता पार्टी से लोगों का दिल भी टूट गया है। आप लाख प्रयास कर लो 2024 में आप उत्तर प्रदेश से बाहर जायेंगे दुनिया की कोई ताकत आपको नहीं रोक पायेगी। मान्यवर, मैंने आपको 1 घण्टा 15 मिनट 2012 में सुना था और आपके रहते आज बजट की हालत 05 मिनट हो गयी।

श्री अध्यक्ष-

आपने पी0एच0डी0 की है मैं साधारण ग्रेजुएट हूँ।

डा0 संग्राम यादव-

मान्यवर, आप जैसे विद्वान आदमी के रहते हम लोग कभी नहीं सोचे थे कि इतनी बड़ी विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के राज में चर्चा से भी आप भागना चाहते हो तो हम लोग कहाँ जायें, किसकी शरण में जायें। इसलिए जनता हमको देख रही है। लोक निर्माण विभाग भी देख रहा है, अब जनता ही फैसला करेगी, ऐसे लोगों को राजनीति की चर्चा से बाहर कर देगी जो चर्चा से दूर रहना चाहते हैं। मान्यवर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन हम लोग तो आपसे सीखे हैं, धन्यवाद।

कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री (श्री सूर्य प्रताप शाही)-

अब तो इनकी ऐसी हालत हो गयी है कि अपने गठबंधन को भी नहीं संभाल पा रहे हैं, पी0डी0ए0 बिखर रहा है।

डॉ0 संग्राम यादव-

भारतीय जनता पार्टी को ऐसा डर है यह हमने सोचा नहीं था।

***श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

मा0 अध्यक्ष जी, स्वास्थ्य विभाग पर जो कटौती प्रस्ताव रखा गया है उस पर बल देते हुये मैं एक महत्वपूर्ण विषय को मा0 मंत्री जी के सामने लाना चाहती हूँ। मुझे लगता है कि यह एक ऐसा महत्वपूर्ण विषय है जिसको हम सब जनप्रतिनिधि हमेशा इस बात का अहसास करते हैं लेकिन उस पर विचार नहीं हुआ। मा0 अध्यक्ष जी, जो पोस्टमार्टम होते हैं उसका निर्धारित समय 11 बजे से 05 बजे तक है, कभी-कभी दस बजे से भी शुरू हो जाता है। यह व्यवस्था तब की गयी थी जब बिजली की व्यवस्थाएँ अस्पतालों में नहीं हुआ करती थीं। आज हम एक आधुनिक युग में आ गये हैं जब 24 घण्टे सर्जरी होती हैं, इलाज होता है तो मा0 अध्यक्ष जी, यह कल्पना कीजिये यह पोस्टमार्टम किन परिस्थितियों में होता है। एक्सिडेंट होता है, दुर्घटनाएँ होती हैं उन परिस्थितियों में होता है। ऐसी परिस्थिति में परिवार तो वैसे ही बहुत दुखी होता है। 8-10 घण्टे उसके परिजनों के शव पोस्टमार्टम हाउस में रखे जाते हैं। तो मेरा आपसे अनुरोध है कि जब हम सारी व्यवस्थाएँ कर रहे हैं तो इस पर भी एक शासनादेश हो। हम लोगों के क्षेत्र से फोन आते हैं कि पोस्टमार्टम करा दीजिए तो हम डी0एम0 से रिक्वेस्ट करते हैं। तो मेरा आपसे अनुरोध है कि यह पूरे प्रदेश की जनता से जुड़ा हुआ विषय है अगर आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी इस पर विचार कर लें तो 24 घण्टे पोस्टमार्टम की व्यवस्था हो जायेगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ0 वीरेन्द्र यादव-

मान्यवर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया है उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपने को आदरणीय कमाल अख्तर एवं डॉ0 संग्राम यादव जी की बातों से सम्बद्ध करता हूँ। हमारी विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर की एक रोड सबसे ज्यादा खराब है। जंगीपुर लांवा से सुधाकर रोड होते हुए आरीपुर तक जाती है। आज लगभग 8 साल से ऊपर हो गये हैं और उस रोड की स्थिति ऐसी हो गयी है कि उस पर चलना दूभर हो गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूँ कि उस सड़क को अतिशीघ्र बनवाने का कष्ट करें। विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत भोजापुर से नरवतपुर, हरिहरपुर होते हुए वीर लोरिक इण्टर कालेज तक लगभग दो किमी0 की सड़क है। वल्लीपुर से जंगीपुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत जंगीपुर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पारा, सहरगपुर, डिगनापुर होते हुए लगभग दो किमी0 की सड़क है। वल्लीपुर से जंगीपुर होते हुए लगभग दो किमी0 की सड़क है। मल्लीपुर लाल जी यादव के ट्यूबवेल से वल्लीपुर मार्ग तक, खरगपुर होते हुए बालू चौहान के घर से शंकर मन्दिर तक मार्ग है। माननीय अध्यक्ष जी हमारे यहां पर सड़कों की संख्या ज्यादा है लेकिन आपने मुझे बोलने के लिए सिर्फ एक मिनट ही दिया है। बबुरी वन से इण्टर कालेज पंचायत भवन तक लगभग एक किमी0 का मार्ग है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य आप लिखकर दे दीजिए।

डॉ0 वीरेन्द्र यादव-

मान्यवर, ठीक है, हम लिखकर दे देंगे। आपने मुझे बोलने का समय दिया है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य डॉ0 संग्राम यादव जी ने बहुत महत्वपूर्ण बिन्दु उठाया है। अगर माननीय मंत्री जी विभाग की उपलब्धियों के बारे में बताना शुरू कर देंगे तो कई घण्टे लगेंगे और सुझाव में भी कई घण्टे लगेंगे लेकिन सदन में सभी लोगों ने मिलकर समय-सीमा निर्धारित की है और मैंने सदन से इसके लिए अनुमति भी ली थी और इसकी कार्य-मंत्रणा समिति में भी चर्चा हुई थी। मैं सदन में कोई भी निर्णय लेता हूँ तो मेरा प्रयास होता है कि सदन की कार्य-मंत्रणा समिति में विचार-विमर्श करूँ और उसके अनुरूप सबकी आम सहमति थी। मैं यहां पर यह बात इसलिए बोलना चाहता हूँ क्योंकि यह कहा गया है कि मैंने समय नहीं दिया है लेकिन ऐसा नहीं है। जो कार्य-मंत्रणा की बैठक में तय हुआ है, मैंने उसके अनुरूप ही समय दिया है और मैंने सुबह सदन से भी अनुमति ले ली थी। मेरा स्वभाव है कि मैं सभी को विश्वास में लेकर काम करूँ। मेरा व्यक्तिगत रूप से कोई एजेण्डा नहीं है। मैं निवेदन करना चाहता हूँ क्योंकि यह चारों महत्वपूर्ण विभाग है जो माननीय सदस्य इसके ऊपर अपना लिखित प्रतिवेदन देना चाहते हैं वह लिखकर दे देंगे और मैं उसको दिखवा लूंगा और उसको दिखवाकर कार्यवाही में जुड़वा दूंगा। अब मैं माननीय मंत्रिगण से निवेदन करना चाहता हूँ कि वह 5-5 मिनट में अपना जवाब दे सकते हैं।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

मान्यवर, मैं आदरणीय मनोज पाण्डेय जी एवं पंकज जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वह कृषि विभाग के बजट की चर्चा में शामिल हुए। अधिकांश माननीय सदस्यों की भावनाएं इसी से जुड़ी हुई हैं मैं उन सभी का आभारी हूँ। इन सभी के प्रयासों से उत्तर प्रदेश की कृषि व्यवस्था किसानों के हित में बहुत अच्छे तरीके से चल रही है। आदरणीय योगी जी की सरकार किसानों के सर्वहितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध एवं कटिबद्ध है और उनके एजेण्डे में पहले है। वर्ष 2014-15 में उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर माइनस 3.8 प्रतिशत थी। आप हुद-हुद

और भारी बारिश से किसानों को बचा नहीं सके और यहां तक भारत सरकार ने 3300 करोड़ रुपये किसानों की आपदा क्षतिपूर्ति की पूर्ति के लिए भेजा था, उसमें से आपने 1700 करोड़ रुपये सरेण्डर किया था। आप उसका उपयोग नहीं कर पाए। वर्ष 2020-21 से कृषि विकास दर 21.2 प्रतिशत की दर से चल रही है। गत वर्ष की तुलना में इस साल के अनुमानित आंकड़े 8 फीसदी के करीब हैं। यह एक बहुत अच्छा शुभ संकेत है और इसलिए इस पर संदेह करने की कोई आवश्यकता नहीं है। आज कल उत्तर प्रदेश ग्रास वैल्यू एडेड एग्रीकल्चर की आधार 2 लाख 6 हजार 305 करोड़ रुपये चल रही है।

मा0 शिवपाल जी यहां नहीं है उन्होंने कहा था कि जरा मुझे बता देंगे एटा में बाजरे की खरीद कितनी हुई है, मैं आपको बता दूं एटा में 25000 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद का हम लोगों ने लक्ष्य रखा था जिसके अगेंस्ट 27107.74 मीट्रिक टन खरीदा गया, 108.43 प्रतिशत खरीदा गया और किसान भाइयों को 6776.93 लाख रु0 का भुगतान हुआ है। इसी तरीके से हम लोगों का मैनपुरी में भी खरीद का लक्ष्य 169.31 प्रतिशत रहा और 15000 मीट्रिक टन के मुकाबले 25396.45 मीट्रिक टन खरीदा और वहां के किसान भाइयों को भी 8672.38 लाख रुपये का भुगतान किया है। इटावा का जरूर बता देना चाहता हूँ क्योंकि उनका और आदरणीय नेता विरोधी दल का भी जनपद है, आपने कभी वहां पर बाजरे की खरीद नहीं की थी। योगी आदित्यनाथ जी की सरकार के प्रयासों 18491.60 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हुई है जो 160.80 प्रतिशत हमारे लक्ष्य के मुकाबले ज्यादा है। इस तरीके से वहां पर हम लोगों ने 46 करोड़ 22 लाख रुपये का भुगतान किया है। इस तरीके से ज्वार की खरीददारी भी हमने कानपुर मण्डल के अन्तर्गत कराई है, इटावा में भी मक्के की खरीददारी कराई है और कन्नौज के भीतर 3300 मीट्रिक टन की खरीद कराई है। पहली बार हमारी सरकार ने प्रयास किया है कि इस तरीके से जो विविध प्रकार के उत्पादक किसान हैं उनको लाभान्वित किया जाये। मूंगफली की भी खरीददारी हम लोगों ने उत्तर प्रदेश के झांसी, ललितपुर, जालौन, महोबा और हमीरपुर के अन्तर्गत कराई है और उसके माध्यम से किसानों को लाभ दिया गया है। 100 करोड़ रुपये के करीब मूंगफली की खरीद की गयी है। यह एक ऐसी व्यवस्था हुई है जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश का किसान भाई खुशहाल है।

मैं आपको यह भी बताना चाहता हूँ कि आप जो पूछ रहे थे कि आपके समय में धान की एम0एस0पी0 1360 रुपये की थी वह 823 रुपया बढ़कर 2183 रुपये है और इसी तरीके से गेंहू की एम0एस0पी0 1450 रुपये थी जो बढ़कर 2275 रुपये हो गयी है। मोदी जी की सरकार ने 825 रुपये गेंहू पर और 823 रुपये धान पर वृद्धि किया है। मसूर 2950 रुपये का था उसको 6425 रुपये किया और यह वृद्धि 3475 रुपया प्रति कुंटल मोदी जी की सरकार ने मात्र 10 वर्षों के भीतर किया है। इसी तरीके से 3050 रुपया सरसों की एम0एस0पी0 थी उसको बढ़कर 5650 रुपया किया है और इससे 2600 रुपये प्रति कुंटल 10 साल के भीतर सरसों के दाम में इजाफा हुआ है। यह प्रयास हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी की तरफ से रहा

है। आप बार-बार इस बात का भ्रम पैदा करने की मनोज पाण्डेय जी कोशिश करते हैं कि यूरिया का वजन पांच किलो कम कर दिया है और कई बार विधान सभा में बहुत से प्रश्नों में इस बात का उत्तर दे चुका हूँ कि आप एसीटीएन टैक्स लगाते थे, अभी परसों भी मैंने कहा था कि किसानों पर देश के भीतर किसी ने जजिया कर लगाया था जो समाजवादी पार्टी की सरकार ने लगाया था, स्व0 मुलायम सिंह यादव जी ने लगाया था। अब अपने को किसानों का धरतीपुत्र कहते हैं और किसानों पर जजिया कर लगाते हैं उसे खत्म करने का काम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी ने किया, एसीटीएन टैक्स खत्म होने से जो 50 किग्रा0 का बैग 330 रुपये आपके जमाने में था, वह घटकर 299 रुपया हो गया और भारत सरकार ने प्रयास किया, आदरणीय मोदी जी ने प्रयास किया कि अनावश्यक यूरिया का इस्तेमाल न किया जाये। इसके नाते 5 किग्रा0 कम करके 45 किग्रा0 का एक बैग आया जिसकी कीमत 299 रुपये थी और एसीटीएन टैक्स खत्म करने के कारण 266 रुपये तक हो गयी। आप कब तक किसान को गुमराह करेंगे। मैं कुछ नयी योजनाओं का उल्लेख करते हुए जिनका हम लोगों ने बजट के भीतर प्राविधान किया है।

श्री अध्यक्ष-

उसको शार्ट में प्वाइंट वाइज बता दीजिए।

श्री सूर्य प्रताप शाही-

हम लोग इस साल राज्य कृषि विकास योजना शुरू कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में 01 ट्रिलियन यू0एस0 डॉलर इकोनॉमी की ओर चलने के लिए योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने तय किया है कि राज्य कृषि विकास योजना के लिए अगले वर्षों में हम लोग 1700 करोड़ रुपया खर्च करेंगे जिसके लिए 200 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम पूरे उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में हम चलाएंगे जिसके माध्यम से मक्के का उत्पादन करके और हमारे यहां पशुओं और मछलियों के चारा के लिए जो हम लोग व्यवस्था कर सकते है इसके लिए हमारी योजना है।

इसी तरीके से जो आप कहते हैं, मुख्य मंत्री खेत सुरक्षा योजना, पहली बार योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने 50 करोड़ रुपया इसके लिए रखा है। सोलर फेन्सिंग का कार्य हम किसानों के खेतों पर करायेंगे। पहले जंगल के नजदीक के इलाके में और बुन्देलखण्ड से शुरुआत करेंगे, आगे पूरे प्रदेश में करेंगे। इसी तरीके से दैवीय आपदा से बचाने के लिए, जैसा मैंने कहा कि आप अति वर्षा के कारण, ओला के कारण उत्तर प्रदेश के किसान को बचा नहीं सके, जिसकी वजह से माइनस ग्रोथ रेट गयी थी। आज उसके लिए भी योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने चिन्ता की है। हर गाँव के भीतर हम लोग ऑटोमेटिक रेन गेज स्टेशन लगा रहे हैं, हर ग्राम पंचायत के भीतर और इसी तरीके से हर ब्लाक के भीतर 826 विकास खण्डों के भीतर हम ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन लगायेंगे जिससे किसान को पूर्व सूचना हम दे सकेंगे कि

कितना पानी आपके यहाँ गिरने वाला है, कितना गिरने की सम्भावना है, आप सिंचाई करिए या सिंचाई के लिए रुक जाइये, फर्टिलाइजर डालिए, न डालिए, किसान को क्षति से हम रोक सकेंगे, इसके लिए विंड्स कार्यक्रम के अन्तर्गत हमने बजट की व्यवस्था की है और इसी प्रकार से हम लोगों ने एग्रीकल्चर ग्रोथ एण्ड रुरल इन्टरप्राइजेज यूको सिस्टम इस्ट्रेन्थिंक ऑफ यू0पी0 एग्री परियोजना विश्व बैंक की सहायता से, विश्व बैंक उसमें लगभग 2800 करोड़ रुपया दो से ढाई सौ परसेण्ट के ऊपर और चार हजार करोड़ रुपये हम निवेश करेंगे अगले चार वर्ष के भीतर और इसके माध्यम से वन ट्रिलियन यू0एस0 डालर इकोनॉमी की ओर जाने के लिए किसान को प्रोसेसिंग, मार्केटिंग लिंकेज, उनको आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी के माध्यम से पूरे मार्केट की सूचना । यह उत्तर प्रदेश एक मॉडल उत्तर प्रदेश हो सकेगा, सर्वोत्तम उत्तर प्रदेश हो सकेगा, उस दिशा में हमने प्रयास किया है। जब आपके दिल में किसान के लिए सिर्फ एक रुपया है, आपने कहा कि कटौती करके एक रुपया कर दिया जाय। अब इसी से पता लगता है कि आपकी हमदर्दी किसान के प्रति कितनी है। योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किसान के लिए आपके जमाने से 131 परसेण्ट बजट बढ़ाया, इस नाते हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि किसान के हित में सर्वसम्मति से कृषि विभाग के इस बजट को पास करें, धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आप कटौती का प्रस्ताव वापस ले रहे हैं ?

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट पर कहा। मैं कोई नयी बात नहीं कह रहा हूँ, यह आपके हस्ताक्षर से उत्तर है, यह 2023 का है और 06 महीने पहले का है, जिसमें आपने अपने हस्ताक्षर से स्वीकार किया है कि 2017 में एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट 7.5 था हमारी सरकार में और आपने कहा कि 2023 में 6.8 है। मान्यवर, यह मैं कोई नई चीज नहीं ला रहा हूँ, आपके हस्ताक्षर से यह जवाब है। दूसरा स्पष्टीकरण मैं माननीय मंत्री जी से चाहता हूँ कि क्या अवारा पशुओं और साँड़ों से किसान की खेती का जो नुकसान हो रहा है, आप जाँच कराकर उनको मुआवजा देंगे ? जिन किसानों का खेत चरा जा रहा है, क्या उन किसानों को मुआवजा देंगे और जिन लोगों की जान चली गयी है, उनको मुआवजा देने पर आप विचार करेंगे ?

श्री अध्यक्ष-

जो कटौती का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, मैं उसके ऊपर प्रश्न लगा रहा हूँ।

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-11-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दिया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या- 11, कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 87794344000 रुपये (आठ हजार सात सौ उन्नयासी करोड़ तैंतालीस लाख चौवालीस हजार रुपये) से अनधिक की धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

अब माननीय नगर विकास मंत्री जी।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री (श्री ए0के0 शर्मा)-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे विभाग की माँग पर जो बातें यहाँ कही गयीं, विशेष रूप से माननीय अतुल प्रधान जी ने जो बातें कहीं, पहली बात यह थी कि बजट में कटौती की गयी है, बजट में कमी की गयी है। मैं स्पष्ट कर दूँ कि राज्य सेक्टर की जो योजनाएँ हैं, उसमें 2023-24 में हमारा एलोकेशन 19338 करोड़ था, वह 32.8 प्रतिशत, लगभग 33 प्रतिशत बढ़ करके इस बार 2024-25 में जिस बजट पर हम लोग चर्चा कर रहे हैं, उसमें 25698 करोड़ हुआ है।

जो वर्तमान बजट की हम लोग चर्चा कर रहे हैं, उसमें 25698 करोड़ हुआ है, यह तब है जब मा0 अध्यक्ष जी भारत सरकार का अभी अंतरिम बजट है, भारत सरकार की कई योजनाएं है जैसे-अमृत योजना है, प्रधानमंत्री आवास योजना है, स्मार्ट सिटी योजना है उनका पुनर्गठन करके जैसे ही मा0 नरेंद्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, वैसे ही नया बजट आएगा, नया एलोकेशन आएगा तो वह मिलकर के हमारा बजट बहुत बड़ा हो जाएगा और जहां तक आपने बजट के खर्च की बात की, मैं आपके एक ही साल का उदाहरण दे दूं कि आपका वर्ष 2016-17 का जो पूरा सेंक्शन था वह 73 परसेण्ट था, खर्च 69 परसेण्ट था, वर्तमान में हमारा पिछले महीने ही जो सेंक्शन है, वह हम ऑलरेडी 73 परसेण्ट पहुंच चुके हैं और खर्च भी लगभग 64 परसेण्ट हम पहुंच चुके हैं तो खर्च में भी कोई शंका करने की आवश्यकता नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी एक विषय बार-बार सपा और अन्य विरोधी लोग लाते रहते हैं, संविदा कर्मचारियों के बारे में, विशेष रूप से हमारे सफाई कर्मचारियों के बारे में। पहली बात तो मैं अपने सफाई कर्मचारियों के बारे में स्वयं उनके कार्यों की बड़ी कदर करता हूं, हर सुबह आपने देखा होगा, सोशल मीडिया पर मैं उनको नमन करता हूं, हर तरह से नमन करता हूं, मैं ही नहीं हमारे देश के मा0 प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2019 के कुंभ के समय में सफाई कर्मियों के पैर धोए थे और एक आप लोग हैं, आप लोग खाली उनके लिए बातें करते हैं, मा0 अध्यक्ष जी इन्होंने एक शेर कहा तो मुझे भी एक शेर कहने का मन कर रहा है-

आए थे मेरी कब्र पर, पढ़ने को फातिहा।
ईंटें उठाकर ले गए, मेरी मज़ार से।।

मा0 अध्यक्ष जी, जो हमारे सफाई कर्मचारी हैं, जो छोटे कर्मचारी हैं, जो छोटे कर्मी हैं उनके प्रति हमारा व्यवहार ठीक नहीं है, यह लोग ऐसा बोलते हैं, यह बात मैं बहुत दिन से सुन रहा हूं, जब से मैं इन विभागों का काम सम्भाल रहा हूं, तब से मैं यह बात सुन रहा हूँ। एक शेर और इनके लिए है कि-

बस एक झिझक है, हाले दिल सुनाने में।
कि तेरा जिक्र भी आएगा इस फ़साने में।।

मा0 अध्यक्ष जी, इस राज्य में मेरी समझ से पहली बार अगर संविदा पर कर्मी लेने की शुरुआत हुई है तो मा0 स्वर्गीय नेता जी की सरकार में से हुई है। 26 अगस्त, 2005 का यह शासनादेश हमारे हाथ में है, नगर विकास विभाग का, जिसमें समस्त जिलाधिकारी, समस्त नगर आयुक्तों को कहा गया है कि और यह कहने का निर्देश हुआ है कि प्रदेश में समस्त निकायों में, समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रुपया 2130 प्रति माह पारितोषिक भुगतान के आधार पर सफाईकर्मियों की संविदा पर नियुक्ति करने का निर्णय लिया गया है, पहली बार आपने यह निर्णय लिया था और उसका जो कंटीन्यूएशन है, उसको चलाते रहे और बीच की सरकार सुश्री मायावती जी की सरकार में भी उसको कन्टीन्यू किया और मा0 अध्यक्ष जी हद तो तब हो गई, वर्ष 2010-12 तक वह व्यवस्था चली और मैं भी पढ़कर तीन बार चेक किया, अभी आपकी अनुमति नहीं थी, फिर मैंने मोबाईल निकालकर देखा कि कहीं मेरी बोलने में गलती न हो जाए। जिस दिन मा0 अखिलेश जी मुख्य मंत्री की शपथ लेते हैं, उस दिन का शासनादेश मेरे हाथ में है और वह तारीख अगर मैं गलत नहीं हूँ तो 15 मार्च, 2012 की है, 15 मार्च 2012 का शासनादेश कहता है कि समयक् विचारोपरान्त शासन द्वारा सभी प्रकार की भर्तियों को न्यायालय के आदेशों के अनुपालन को छोड़कर तात्कालिक प्रभाव से प्रतिबंधित किए जाने का निर्णय लिया गया है और उतने से भी संतोष नहीं हुआ 15 मार्च को गद्दी पर बैठने के साथ ही यह फरमान जारी करने से भी संतोष नहीं हुआ, उसके पांच ही दिन बाद 20 मार्च 2012 को फिर से कहा गया है कि उपरोक्त सूचना का पन्द्रह मार्च वाले जी0ओ0 पर पुनर्विचार करते हुए फिर से यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्त आदेशों के पालन में नगरीय स्थानीय निकायों/जन संस्थानों में सभी प्रकार की भर्तियों को तात्कालिक प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है और वही संविदा की जो व्यवस्था थी उसको आगे बढ़ाया गया है, यह आपके नेता प्रतिपक्ष के पहले की सरकार का, पहले सप्ताह का, पहले दिन का यह निर्णय है। आप लोग बार- बार भ्रम फैलाकर गलतफहमी फैलाने की कोशिश करते हैं। हम लोग तो जहां एक तरफ से सफाई कर्मियों का सम्मान करते हैं।

पैर धोते हैं, नमन करते हैं वही साथ में उनके मैन पॉवर को उनके मानवीय पुरुषार्थ में चार चाँद लगाने के लिए मशीनों का उपयोग कर रहे हैं। भारत सरकार के पिछले साल के बजट में मेनहोल की जगह मशीन होल की व्याख्या की गई है और बहुत बड़ा बजट मा0 नरेन्द्र

मोदी जी ने इस कार्य के लिए दिया है कि ताकि इन लोगों के जीवन के स्तर को उठाया जाए। मा0 अतुल प्रधान जी ने यहाँ पर एयर क्वालिटी की बात की। मा0 अध्यक्ष जी, पिछले साल वर्ष 2022 में हमारे तीन नगरों लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी का देश के सबसे स्वच्छ वायु वाले शहरों में नाम आया था। 47 शहरों में हमारे राज्य के 3 नगरों को स्थान मिला था। आवारा कुत्तों की बात हुई, आवारा पशुओं की बात हुई। मैंने बताया कि हमारी गौशालाएँ हैं। इस बार के बजट में भी इस हेतु प्राविधान किया गया है। आवारा कुत्तों के विषय में मैं विशेष रूप से कहना चाहूँगा कि उनके बर्थ कंट्रोल के लिए, क्योंकि उनको मारा नहीं जा सकता है और उनको हटाया नहीं जा सकता है इसलिए उनके बर्थ को कंट्रोल करने का हम लोग प्रयास कर रहे हैं। सभी नगर निकायों में मा0 अध्यक्ष जी, हम लोग एनिमल बर्थ कंट्रोल सेन्टर बनाने का हमारा कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस प्रकार चाहे सफाई की व्यवस्था हो चाहे सुशासन की व्यवस्था हो, चाहे पशुओं के बर्थ नियंत्रण उनके व्यवस्थापन की व्यवस्था हो हर तरह से काम करते हुए हम नगरीय जीवन के स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

कृपया समाप्त करें।

श्री ए0के0 शर्मा-

आधा मिनट का समय मा0 अध्यक्ष जी और दे दें। मा0 अध्यक्ष जी, इन सारे प्रयासों से और अपने सफाई मित्रों के पुरुषार्थ की बदौलत, अपने कर्मियों के पुरुषार्थ की बदौलत हम नये भारत के नये उत्तर प्रदेश को नया शहर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वैश्विक शहर बनाने, ग्लोबल सिटी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जी-20 में और अयोध्या में सबने देखा कि हम उस दिशा में काफी प्रगति कर चुके हैं, वर्ल्ड क्लास ऐमिनिटीज़ बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं और ऐयरो सिटी बनाने की भी हम लोग व्यवस्था कर रहे हैं और अंत में यह कहकर मैं अपनी बात को पूरी करूँगा कि हम राम मंदिर के साथ रामराज्य स्थापित करने हेतु उतने ही गम्भीर हैं जितना हम राम मंदिर के लिए गम्भीर थे और अंत में आपको मैं एक श्लोक में उसकी व्याख्या भी कर देता हूँ राम चरित मानस के एक श्लोक के अनुसार ''राम राज कर सुख सम्पदा, बरनि न सके शेष शारदा'' अर्थात् राम राज्य की सुख सुविधा ऐसी थी कि उसका वर्णन शेषनाग अपने सहस्त्रों मुखों से भी नहीं कर सकते, माँ सरस्वती स्वयं नहीं कर सकतीं, ऐसे रामराज्य की स्थापित करने, ऐसे उत्तर प्रदेश को बनाने में हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य क्या आप अपनी कटौती का प्रस्ताव वापस लेंगे ? मैं प्रश्न उपस्थित कर रहा हूँ।

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-37 नगर विकास विभाग के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान की अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-37-नगर विकास विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 240273681000 रुपये (चौबीस हजार सत्ताइस करोड़ छत्तीस लाख इक्यासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मेरा दो बार नाम लिया है।

श्री अध्यक्ष-

आपने कटौती रखी थी तो आप ही का नाम लेंगे मेरा थोड़ी ही लेंगे।

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मनोज जी को भी आपने मौका दे दिया मान्यवर, मैं सिर्फ 30 सेकेण्ड में अपनी बात कह दूँगा।

श्री अध्यक्ष-

नहीं क्योंकि उसके बाद उसका जवाब आएगा।

कृषि मंत्री द्वारा दिये गये भोज एवं दिनाँक 11 फरवरी, 2024 को अयोध्या धाम के दर्शन की सूचना

श्री अध्यक्ष-

मा0 कृषि मंत्री जी के द्वारा आज का जो भोज है वह श्रीअन्न का है। सब लोग बीच-बीच में उठकर श्रीअन्न के भोजन का आनंद लेंगे, सब लोग एक साथ नहीं जाएंगे। दूसरा आज स्व0 ब्रह्म दत्त द्विवेदी जी की पुण्य तिथि है उनका राम मंदिर आंदोलन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान था हम सब लोग उनके प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं। तीसरा, जो कल सुबह 8:00 बजे हम सब लोगों ने चलना था। जैसा मैंने घोषणा की थी कल जो जाने की व्यवस्था थी वह हनुमानगढ़ी में पहले दर्शन करने के बाद तब मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्री राम जी के दर्शन करने का कार्यक्रम था, क्योंकि कल रविवार है और भीड़ बहुत है। हनुमान गढ़ी ऐसी जगह पर जहाँ बसें जाना सम्भव नहीं है इसलिए हम लोग सीधे-सीधे रामलला के दर्शन के लिए वहाँ पर पहुँचेंगे तो पहले जो साढ़े आठ पर चलना था वह आधा घंटा का समय बढ़ा दिया गया है अब 9:00 बजे चलेंगे।

उप मुख्य मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-

मैं अपने मानीय सदस्यों आदरणीय अमिताभ बाजपेयी जी का, सचिन यादव जी का, रागिनी जी का, आर0के0 वर्मा जी का, आराधना जी का आभार प्रकट करता हूँ कि उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के बजट पर अपने विचार व्यक्त किये। सचिन जी ने सी0एच0ओ0 की नियुक्ति के विषय में बताया कि सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 पर नियुक्ति होती है। मैं स्पष्ट कर दूं कि सी0एच0ओ0 की नियुक्ति ग्रामीण स्तर के स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए हम हर उपकेन्द्र पर कर रहे हैं और हमारे पास 25000 से अधिक उपकेन्द्र हैं। 2017 से पहले सब सेंटर पर क्या होता था कि मरीज को देखे जाने की व्यवस्था नहीं थी, हमनें 5000 की आबादी पर सब सेंटर स्थापित किये हैं और वहां पर हम सी0एच0ओ0 की नियुक्ति कर रहे हैं। सी0एच0ओ0, कम्युनिटी हेल्थ आफीसर है और वह सभी साधारण मर्ज की दवाइयों को लिखते हैं और दवाइयां देते भी हैं इसलिए इनका सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 पर नियुक्ति का कोई प्राविधान नहीं है। हम वहीं पर इनको नियुक्त करते हैं, जहां पर हेल्थ वेल्नेस सेंटर चलाते हैं, इसके अलावा सारे गांव में ही रहते हैं और रागिनी जी ने जो बताया कि एम्बुलेंस का जो रिस्पाँस टाईम है हमने उसको कम करने का काम किया है। हम बेहतर से बेहतर रिस्पाँस देने का काम कर रहे हैं। कई बार ऐसा होता है कि गलत नम्बर मिलाये जाने की वजह से या एम्बुलेंस काल न किये जाने की वजह से इस जिम्मेदारी से कहता हूँ कि ऐसी सभी प्रकार की सूचनायें अखबार में आती हैं। सूचनाओं को एकत्र करके हम शाम तक कार्रवाई भी करते हैं और खुद जा करके देखने का काम भी करते हैं। हमारे स्वास्थ्य महानिदेशक, सी0एम0ओ0 और प्रमुख सचिव लगातार इस बात की चिंता करते हैं कि हर स्थिति में हम एम्बुलेंस को मरीज तक समय-सीमा में पहुंचाएं और यह जिम्मेदारी के साथ हम कह रहे हैं। इन्होंने कहा कि प्रिवेंसन के लिए आपकी सरकार क्या कर रही है ? प्रिवेंशन के लिए माननीय मोदी जी की इन्द्रधनुष योजना के तहत हमने गांव-गांव अपने आशा वर्कर को भेज करके एसेंशियल वैक्सीन को निःशुल्क बच्चों, महिलाओं और जरूरतमंदों तक पहुंचाने का काम किया है। हेपिटाईटिस-बी, काला जार, टी0वी0, इंफल्यूंजा की वैक्सीन की जिनको दिये जाने की आवश्यकता है उनको पहुंचाने का काम किया है। अध्यक्ष जी मुझे बताने में प्रसन्नता है कि इंसेफलाइटिस जिसमें हजारों लोगों की मृत्यु हो चुकी है और हमेशा कोई कहता था कि कोई डायन रख लिया, कोई जमोगा रख लिया, केवल संचारी रोग अभियान चलाकर सतर्कता के साथ इस पर हमने पूरी तरह से कंट्रोल किया है। काला जार लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गया है। मलेरिया वेक्टर जनित रोग है इसको समाप्त करने के लिए केवल सर्तकता के साथ काम करने में हमें सफलता मिली है।

(डॉ0 रागिनी के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप ही की बात का जवाब दे रहे हैं, सुनिये।

श्री ब्रजेश पाठक-

आपको पता है कि वर्ष में हम तीन बार संचारी रोग अभियान चलाते हैं जिसमें 11 विभागों का समन्वय है, पंचायतीराज, नगर विकास, हेल्थ डिपार्टमेंट और संचारी रोग अभियान चलाकर वेक्टर जनित जितने भी रोग हैं हम उनको कंट्रोल करने में सफल हुए हैं। आर0के0 वर्मा जी ने एक सब्जेक्ट उठाया कि आशा वर्कर के बैठने की जगह नहीं है। अस्पताल परिसर में जगह पर्याप्त है और मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि उनके लिए अलग से एक जगह चिन्हित कराकर उनके बैठने का इंतजाम हम करेंगे। आराधना जी ने कहा कि पोस्टमार्टम के लिए समय-सीमा तय नहीं होनी चाहिए। ये शासनादेश जब हमने इस विभाग को ज्वाइन किया, शासनादेश हम जारी कर चुके हैं कि राउण्ड-द-क्लॉक 24 घण्टा जब भी वहां जनता पहुंचे, पोस्टमार्टम हो और इसका शासनादेश हो चुका है। लेकिन आपने विषय उठाया है तो धरातल पर कहीं कोताही न हो इसके लिए अलग से हम चिंता करेंगे, बैठक करेंगे। हमारी जिम्मेदारी है कि हम पूरे प्रदेश के 25 करोड़ लोगों को वर्ल्ड क्लास चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायें। इसके लिए हमारी प्रतिबद्धता है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। अध्यक्ष जी, 2 बातें कहकर मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा। समाजवादी पार्टी के साथी अपने शासनकाल की बातों को याद करके सुनी-सुनायी कहानियों के आधार पर सदन में अपनी बयानबाजी करते हैं। अवसर तो आपको भी मिला था, आपने क्या किया ? उत्तर प्रदेश की जनता जानती है, देखती है और समझती है। जब समाजवादी पार्टी सरकार को अवसर मिला था तो सैफई महोत्सव होता था और सैफई महोत्सव में सरकारी कोष से पैसा निकाल करके मुंबई के कलाकारों को बुला करके सैफई महोत्सव में तत्कालीन मुख्य मंत्री जी द्वारा बैठ करके डांस देखा जाता था। मान्यवर, गाना क्या होता था, गाना होता था, 'मुझे नौलखा मंगवा दे, ये सैंया दीवाने।' ये बैठ करके सुनने का काम करते थे।

(विपक्ष के कई सदस्य खड़े होकर एक साथ बोलने का प्रयास करने लगे)

(व्यवधान के मध्य)

मान्यवर, ये भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर सवाल उठाने का काम करते हैं। समाजवादी पार्टी अपने गिरेबान में झाँक कर देखने का काम करे। ये बैठ करके गाना सुनते थे, 'मुझे नौलखा मंगवा दे, मेरे सैंया दीवाने' और लाखों रुपये का पेमेंट सरकारी खाते से किया जाता था।

श्री मनोज कुमार पारस-

मान्यवर, क्या माननीय मंत्री जी बजट पर बोल रहे हैं ?

श्री अध्यक्ष-

वह बजट पर ही बोल रहे हैं। वह बजट पर पैसे का खर्चा बता रहे थे। वह बजट का ही मामला था, बाहर का नहीं था।

(सदस्य, श्री राकेश प्रताप सिंह के बोलने का प्रयास करने पर)

वह पैसे का खर्चा ही बता रहे थे, आप बहुत अच्छे सांस्कृतिक व्यक्ति हैं, आप बैठिये।

(सदस्य श्री अमिताभ बाजपेई, डॉ0 रागिनी एवं अन्य विपक्ष के सदस्यों द्वारा बोलने का प्रयास करने पर)

सारी बातों का जवाब दे दिया गया है।

डॉ0 रागिनी-

मान्यवर, बहुत महत्वपूर्ण विभाग है, हमें 30 सेकेंड दे दीजिए, मुझे बहुत कम समय मिला था।

श्री अध्यक्ष-

सभी की बातों का जवाब आ गया है। अब मैं प्रश्न उपस्थित करता हूँ।

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-31 चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दिया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 112876987000 रुपये (ग्यारह हजार दो सौ सत्तासी करोड़ उनहत्तर लाख सत्तासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दिया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि प्रश्न अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 117673205000 रुपये (ग्यारह हजार सात सौ सड़सठ करोड़ पाँच हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-36 चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दिया जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-36-चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 13676038000 रुपये (एक हजार तीन सौ सड़सठ करोड़ साठ लाख अड़तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

अब माननीय लोक निर्माण मंत्री जी।

***लोक निर्माण मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)-**

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारे साथियों के कुछ सुझाव हैं और उसके संदर्भ में मैं यही कहना चाहता हूँ कि इस सरकार में जो धर्मार्थ की योजना है, एक बहुत महत्वाकाँक्षी, लोकप्रिय और जनभावना से प्रेरित योजना है, जो आस्था से जुड़ी हुई है। इसके बारे में हमारे साथी ने हरिद्वार को जोड़ने की बात की है। बिल्कुल सही है, सभी आस्था के केन्द्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट योगी सरकार प्राथमिकता पर करा रही है।

मान्यवर, सिर्फ आस्था की बात नहीं है मैंने पहले भी कहा इकोनॉमिक्स मद इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट होगा, सेतु बनेंगे। रोड बनेंगे आमदनी के जरिये इन्वेस्टमेंट, रोजगार सभी में बढ़ोत्तरी होती है। खास तौर से जो मुरादाबाद से हरिद्वार के रोड के बारे में बात रखी है। इस सरकार की अन्तर्राष्ट्रीय और अन्तर राज्य की एक योजना है जिसके लिए एक अलग मद भी है। इस बार उसके लिए इस बजट में 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है, उसके अधीन यह सड़क प्राथमिकता पर ली जायेगी। यह सड़क 22 किलोमीटर की है। इसकी लागत

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

32 करोड़ की है। इसकी स्वीकृति वित्त विभाग से हो चुकी है। इस सरकार की जो प्राथमिकता है, आस्था के जो सभी केन्द्र हैं वहाँ पर बढ़िया कनेक्टिविटी दी जाये, वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर दिया जाये और साथ-ही-साथ आपने रेलवे ओवरब्रिज की माँग की है, मैं पहले भी कह चुका हूँ जो एक लाख से ज्यादा टी0वी0यू0 के रेलवे क्रासिंग है, जहाँ पर लोगों को बहुत कठिनाई होती है उसको चिन्हित कर लिया गया है, ऐसे 424 हैं। 240 पर कार्य चल रहा है, कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इस वर्ष इसको प्राथमिकता पर लेते हुये कराये जायेंगे। अगर वह टी0वी0यू0 एक लाख से ज्यादा की परिधि में आता है तो जरूर होगा।

यह सरकार विकास और सम्पूर्ण विकास कोई बिना भेदभाव के जहाँ जरूरत है नियमों के आधार पर प्लानिंग, पॉलिसी व फ्यूचर को देखते हुये कार्य करती हैं, उसके तहत जरूर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण भी कराया जायेगा। आपने कहा है कि कुछ ग्रामीण क्षेत्र को महत्व दिया जाये। बड़े वर्ल्ड क्लास फोर लेन एक्सप्रेस-वे तो बनेंगे ही मगर साथ-ही-साथ ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें भी उतनी ही प्राथमिकता रखती हैं जितनी बड़ी फोर लेन हो। पहले नियम था कि प्रत्येक 8 वर्ष में ग्रामीण सड़कों की रिपेयरिंग होगी लेकिन इस योगी जी की सरकार ने फैसला लिया है कि इसको 8 वर्ष से घटाकर 5 वर्ष कर दिया जाये। यह जिन गाँव की बात करते हैं वह भी पंडित दीनदयाल योजना के अन्तर्गत वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 250 आबादी के ऊपर वाले गाँवों को कनेक्ट किया जा रहा है। मुझे बताने में खुशी है कि सभी गाँव या तो पूर्ण कर लिये गये है या प्रक्रिया में हैं। कोई भी गाँव वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार सिंगल कनेक्टिविटी से छोड़ा नहीं जायेगा। अगर कोई छूट रहा है तो वह जमीन न मिलने से या फॉरेस्ट की वजह से, कुछ मात्र ऐसे गाँव होंगे लेकिन जल्द-से-जल्द उनका भी रास्ता निकाल करके प्रत्येक गाँव को कनेक्ट कर दिया जायेगा यह मैं आपको आश्वस्त करता हूँ। बात आयी है एक्सप्रेस-वे की, बिल्कुल ये एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। यह देखा गया है कि उनके निर्माण में जो छोटी सड़के हैं वहाँ इतना आवागमन बढ़ जाता है डम्पर और तमाम सामग्री लाने, मशीनरी लाने वाले ट्रकों से जिससे यह सड़के टूट जाती हैं तो एक प्रावधान कर दिया गया है कि जो एक्सप्रेस-वे का कांट्रेक्टर है वह जिम्मेदारी लेगा की उन सड़कों की भी मरम्मत करा कर देगा जो एक्सप्रेस-वे के कंस्ट्रेक्शन के दौरान सड़के टूट गयी हैं या किसी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। आजमगढ़, कप्तानगंज और अहिरौली की बात आयी है। यह सड़क 21 किलोमीटर की है। इसकी लागत 56 करोड़ की है। इसके कार्य वित्तीय संसाधन की उपलब्धता पर कराये जायेंगे। मैं आजमगढ़ के बारे में बताना चाहता हूँ कि यह शिकायत की गयी है कि वहाँ की सड़कें टूटी हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह सूचित करना चाहता हूँ कि कोई भी सड़क जिस पर स्पेशल रिपेयर और मरम्मत की बात है उसके लिए साधनों और धन की कोई कमी नहीं है।

सम्पूर्ण रूप से सभी इलाकों की सड़कों की मरम्मत करायी जायेगी, कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा और आजमगढ़ के लिए स्वीकृतियां भी दे दी गई हैं। एक बात बिलो टेण्डर की

आयी थी, बिलो टेण्डर की बात यह है कि जिस सरकार में पारदर्शिता हो, जीरो टॉलरेंस हो, वहां पर कम्पटीशन होता है और बिलो टेण्डर एल-1 पर कार्य दिया जाता है। उसके लिए एक प्रहरी ऐप सरकार ने लागू किया है, जो ऑनलाइन टेण्डरिंग है उसमें किसी व्यक्ति का टेण्डर में और इवैलुएशन में कोई हस्तक्षेप नहीं है। वह ऑटोमैटिक है और ऑनलाइन है। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि किसी तरीके से कोई कमी नहीं आयेगी, अगर बिलो टेण्डर है गुणवत्ता में कमी आयी तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी, किसी को बख्शा नहीं जायेगा यह मैं आपको आश्वस्त करता हूं।

श्री कमाल अख्तर-

मेरा आपसे इतना सा और अनुरोध है कि बहुत सारे ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ कई-कई नदियां निकल रही हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप उसको लिख करके दे देना, मैं मा0 मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वह उसको दिखवा लेंगे।

श्री कमाल अख्तर-

बहुत छोटे रपटे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप लिख करके दे दो, कौन से क्षेत्र में क्या है उसे देखना पड़ेगा, अभी पॉसिबल नहीं है कि उसका जवाब दिया जा सके।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 34869593000 रुपये (तीन हजार चार सौ छियासी करोड़ पंचानवे लाख तिरानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 3102860000 रुपये (तीन सौ दस करोड़ अट्ठाइस लाख साठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 42843350000 रुपये (चार हजार दो सौ चौरासी करोड़ तैंतीस लाख पचास हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 288671829000 रुपये (अट्ठाइस हजार आठ सौ सड़सठ करोड़ अट्ठारह लाख उन्नतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन माँग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय।

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं अस्वीकृत हुआ)

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 10224422000 रुपये (एक हजार बाइस करोड़ चौवालिस लाख बाइस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा में दलीय नेताओं को बोलने हेतु समय का निर्धारण

श्री अध्यक्ष-

अब मैं दलीय नेताओं को बजट पर बोलने का समय निर्धारित करता हूँ। मेरा विनम्र निवेदन है कि 10-10 मिनट में अपनी बात कह देंगे। अभी माननीय नेता प्रतिपक्ष और माननीय नेता सदन कुछ ही मिनटों में हाउस में आयेंगे। सबसे पहले माननीय नेता कांग्रेस श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' जी प्रारम्भ करें।

[01:31] वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा[†]

***श्रीमती आराधना मिश्रा, 'मोना'-**

मा0 अध्यक्ष जी आपने उत्तर प्रदेश में 7 लाख 36 हजार 447 करोड़ का बजट लाकर प्रस्तुत किया है, एक ऐतिहासिक बजट लाने का दावा तो आपने कर दिया, पर मा0 अध्यक्ष जी अगर हम इसमें पिछली बार का सप्लीमेंट्री बजट मिला दें तो 6.90 लाख करोड़ का यह बजट सरकार लेकर के आयी है। हर साल बजट राशि बढ़ा देना सफलता की निशानी नहीं होती। उस बजट को खर्च करने की नियत भी सरकार में होनी चाहिए। मैं कुछ चीजें आपके संज्ञान में लाना चाहती हूं, कि जो पिछला बजट सरकार लायी थी 6.90 लाख करोड़ का, उसमें सिंचाई और जल आपूर्ति, स्वच्छता, शहरी विकास, सड़क, पुल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन जैसे महत्वपूर्ण विभागों में भी सरकार 40 प्रतिशत के आस-पास पैसा भी उस बजट का खर्च नहीं कर पायी। फिर पिछली बार से भी बड़ा बजट लाने की क्या आवश्यकता थी ? अगर आप पिछला बजट लाए थे और आपको पता था कि आप जो योजनाएं लाये हैं, उसमें आप पैसा खर्च नहीं कर पा रहे हैं, तो नए बजट का आकार बढ़ा देने से उत्तर प्रदेश में कौन सी नई योजना आप लेकर के आए हैं जिसके सापेक्ष आपने बजट बढ़ाया है। मा0 वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में लगातार एक चीज कही है कि यह स्टेट का रिवेन्यू सरप्लस बजट है। मैं पूछना चाहती हूँ मा0 वित्त मंत्री जी से कि अगर ये यह रिवेन्यू

[†] नोट-दिनांक 08 फरवरी, 2024 की कार्यवाही से।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

** वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक की साधारण चर्चा में सम्मिलित किये जाने हेतु मा0 सदस्यों के लिखित भाषण देखें आगे पृष्ठ संख्या-253 से 324 तक पर।

सर प्लस बजट है, आपने रेवेन्यू सरप्लस बजट कहा, इसके लिए आपको बधाई, तो अगर यह रेवेन्यू सरप्लस बजट है तो जो आपने चुनाव में वायदे किये थे, उनका जिक्र इसमें क्यों नहीं है। बेटियों को स्कूटी देने का वायदा किया था आपने, उसका इसमें जिक्र नहीं है, गरीबों को उचित दर पर भोजन के लिए अन्नपूर्णा योजना चलाने की बात कही गई थी, उसका भी इसमें जिक्र नहीं हैं, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन को 1 हजार से बढ़ाकर 1500 करने की बात कही गई थी, उसका भी जिक्र इसमें नहीं है। पूरे अन्य प्रदेशों में जब आप जाते हैं, मा0 मुख्य मंत्री जी जाते हैं, तो वहां पर तो आप 500 रुपये में सिलेंडर देने की बात करते हैं। तो उत्तर प्रदेश में जो सबसे बड़ा प्रदेश है, क्या उसमें सिलेंडर के दाम नहीं घटाने चाहिए? अगर आपका रिवेन्यू सर प्लस बजट है।

(इसी समय 01 बजकर 35 मिनट पर अधिष्ठाता श्री जय प्रताप सिंह पीठासीन हुए।)

उसके बाद जो सबसे बड़ा झूठ आपने जनता के सामने रखा है और मुझे नहीं समझ आता कि ये एन0सी0आर0बी0 का डेटा कहां से लेकर के आते हैं और डेटा में जो चीजें इनके मतलब की होती हैं, उसको सदन में रख देते हैं, जो जनता की प्रभावशाली चीजें होती हैं, उनको नहीं रखते हैं। महिला सुरक्षा में एन0सी0आर0बी0 के डेटा के हिसाब से वर्ष 2020 में 49000 मामले थे और वर्ष 2021 में बढ़कर मामले 56000 हो गए और वर्ष 2022 में 65000 मामले महिला अपराध के हैं। इसका जिक्र सरकार करना भूल जाती है और किडनैपिंग में जो एन0सी0आर0बी0 का डेटा, जहां से आप डेटा लेते हो वह डेटा बताता है कि यू0पी0 किडनैपिंग में और पॉस्को एक्ट में नम्बर वन है। मैं यह डेटा आपको भेज देती हूं, अधिष्ठाता महोदय आप इसको पढ़ लेंगे। मा0 नेता प्रतिपक्ष का मैं स्वागत करती हूं।

मा0 अधिष्ठाता जी उत्तर प्रदेश कृषि प्रधान देश है, पर अफसोस की बात है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, जहां देश के अन्य प्रदेशों में कृषि के लिए 5.9 प्रतिशत बजट आवंटित किया जाता है, वहीं उत्तर प्रदेश में मात्र 3.1 प्रतिशत आवंटित किया गया। किसान सम्मान निधि का एक सच मैं आपके सामने रखना चाहती हूँ। यहां लाभार्थियों की संख्या लगातार घटती चली जा रही है। 2020-21 में 2 करोड़ 45 लाख 56 हजार 300 लोग इससे आच्छादित हुए थे। वर्ष 2022-23 में 2 करोड़ 42 लाख लोग आच्छादित हुए और 2023-24 में 1 करोड़ 86 लाख 53 हजार लोग आच्छादित हुए हैं। पिछले वर्ष से इस वर्ष में 40 हजार की कमी आयी है। अब मैं यह जानना चाहती हूँ कि यह सम्मान निधि जिन किसानों को 2021 में मिली थी, वह घटकर 56 हजार कम हो गयी तो यह किसान कहां गये ? क्या इन्होंने किसानी करना छोड़ दिया है या छुट्टा जानवरों की वजह से अपना घर और गांव छोड़कर शहर कमाने चले गये हैं ? यूरिया की बोरी के दाम तो सरकार कम नहीं कर पा रही है पर लगातार उनका वजन घटता चला जा रहा है। उसका वजन 50 किलो से 40 किलो हो गया है। रेवेन्यू सरप्लस बजट पर भी सरकार मौन है।

ऊर्जा उद्योग का सबसे बड़ा सहयोगी होता है। जिस प्रदेश में ऊर्जा मजबूत होती है, पावर डिपार्टमेन्ट मजबूत होता है, सप्लाई मजबूत होती है, प्रोडक्शन मजबूत होता है, वहां पर निवेश करने के लिए उद्योग लगते हैं पर अबकी बार 11 प्रतिशत की कमी ऊर्जा विभाग के बजट में की गयी है। पिछले अगस्त के महीने में अधिकतम 28 हजार मेगावॉट की माँग रही है पर सरकार का किसी नयी परियोजना को लगाने का कोई उल्लेख नहीं है। पिछले 5 साल बीत गये, 2 साल यह भी पूरे हो रहे हैं पर सरकार कोई नयी योजना लगाने में सक्षम नहीं हुई है और न ही कोई उल्लेख है। इस प्रदेश की आज सबसे बड़ी समस्या नौजवानों के लिए है। रोजगार को लेकर आज पूरे उत्तर प्रदेश का नौजवान परेशान है। जब सरकार बननी होती है तो घोषणाएं करती है कि हम 70 लाख पद भरेंगे, रोजगार देंगे, स्वरोजगार से जोड़ेंगे। मैं याद दिलाना चाहती हूँ 2017 में जब सरकार बनी थी तो मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि 90 दिनों के अन्दर सभी सरकारी रिक्त पद भर दिये जायेंगे, पर हकीकत यह है कि 7 साल के बाद भी साढ़े 5 लाख से ज्यादा सरकारी पद अभी भी रिक्त हैं। आज ग्रुप-डी के लिए बी0टेक0, एम0बी0ए0, एम0टेक0 जैसी डिग्री के बच्चे आवेदन कर रहे हैं। आपके माध्यम से मैं मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी के संज्ञान में एक बड़ा गम्भीर विषय लाना चाहूंगी। 26 अगस्त, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 80.11 लाख श्रमिकों को 2000 रुपये भरण-पोषण भत्ता दिया गया। एक बार दे दिया गया फिर उसके बाद दोबारा नहीं दिया गया। क्या यह समझा जाए कि बेरोजगारी समाप्त हो गयी है या बेरोजगार अब नहीं रह गये हैं ? क्या अब उनको भत्ता देने की आवश्यकता नहीं है या यह इनका केवल चुनावी एजेंडा था ? सरकारी विभागों में अभी भी पद रिक्त पड़े हैं। चाहे शिक्षा जैसा महत्वपूर्ण विभाग हो, जहां 85 हजार वैकेंसी अभी भी खाली पड़ी हैं। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में 6000, वन विभाग में 4000 पद खाली पड़े हैं। यह वह महत्वपूर्ण विभाग हैं, जो इस प्रदेश की सारी व्यवस्था को सम्भालते हैं। 1993 से इस प्रदेश में जो तदर्थ शिक्षक सेवा कर रहे थे, उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गयीं।

मान्यवर, यह वह लोग हैं जो अब उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चके हैं पैंतालीस से पचास वर्ष के जहां कुछ लोगों ने अपनी बेटी की शादी के लिए कर्ज ले रखा है, घर के लिए कर्ज ले रखा है, बच्चों के पढ़ाई के लिए कर्ज ले रखा हैं, अचानक उनकी सेवाएं समाप्त हो जाती हैं। मैं मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगी कि इसके लिए कुछ न कुछ सरकार मानवता के आधार पर जरूर सोच लें। आउटसोर्सिंग पूरी व्यवस्था आज की तारीख में आउटसोर्सिंग कर्मचारी पर डिपेन्ड हो गई है। स्वास्थ्य विभाग जो महत्वपूर्ण विभाग है वहां लोगों की जिंदगी अब आउटसोर्सिंग के लिए पैरामेडिकल स्टाफ के ऊपर अधीन है। अभी तक सरकार मा0 मुख्य मंत्री जी की घोषणा के बाद भी इस पर कोई पॉलिसी लेकर के नहीं आ पाई है। इसका भी इसमें जिक्र होना चाहिए।

मैं दो बातें जरूर कहना चाहूंगी कि नरेगा कांग्रेस पार्टी की वह योजना थी जिसको इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि जब कोरोना काल आया एक स्तम्भ रूप में इस योजना

ने काम किया और बहुत सारे लाखों करोड़ों श्रमिकों पर आधारित इस पर उनको पैसा मिला। मैं यह जरूर कहूंगी कि उसको जिसको आपके नेता ने सदन में नाकामी में जीता-जागता स्मारक बताया था उसने प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया। अधिवक्ताओं के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने पैसा डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दिया इसके लिए मैं बधाई देती हूँ। पत्रकार जो हमारे चौथा स्तम्भ हैं संविधान का उनको भी इसमें शामिल जरूर कीजिए। उनके ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं उनके परिवार की जिम्मेदारियां हैं मैं अनुरोध करुंगी कि उनको भी इसमें शामिल कर लें। आखिर में कुछ हम अपने लिए भी निवेदन कर लें आपके माध्यम से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से कि महंगाई पूरे देश और प्रदेश में बढ़ी है। हमारे जो सदन में साथी बैठे हैं हम 403 जो चुनकर के आते हैं। यह कहीं उससे अलग नहीं हैं पृथक नहीं है। यह हम सब लोगों की जिम्मेदारी है कि इस बात को समझा जाये। मैंने माँग की थी पहले भी आज फिर मैं इस सदन में माँग करती हूँ और अपने लिए नहीं अपने सभी साथियों और आने वाले जो नये साथी हैं उनके लिए भी कि यह जो कमेटी बननी थी जो मा0 मुख्य मंत्री जी ने मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी को संदर्भित किया था कि यह कमेटी बने जिसमें समय-समय पर और उसको महंगाई इंडेक्स से जोड़ा जाये ताकि समय-समय पर जैसे पार्लियामेंट में होता है कि अपने आप भत्ते और जो भी हम लोगों को मानदेय मिलते हैं वह उसी हिसाब से बढ़ते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मोना जी अब आप समापन कर लीजिए यह विषय तो आपने पहले रखा था।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, मा0 जल शक्ति मंत्री जो सर्वशक्ति मंत्री है इस वक्त वह चले गये और जल जीवन मिशन का काम हो रहा है। गांव में पानी पहुंचेगा यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन आज की तारीख में यह हकीकत है कि उस उपलब्धि को गांव-गांव तक पानी पहुंचाने में वर्षों लगेंगे। तो कम से कम दो दो सौ हैंडपम्प विधायको को मिल जायें ताकि जब यहां से वह वापस अपने क्षेत्र में जायें तो बजट में उनके लिए क्या मिला यह कुछ उम्मीद लेकर के वह यहां से जायें। मा0 पी0डब्लू0डी0 लोक निर्माण मंत्री यहां से चले गये लेकिन पिछली बार उन्होंने वादा किया था हम लोगों से कहा था कि आप मांगना और हम जरूर पूरा करेंगे। तो कम से कम दस-दस किलोमीटर सड़क हर विधान सभा में मा0 विधायक के प्रस्ताव से हो यह मैं आपसे निवेदन करती हूँ। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री राजपाल सिंह बालियान-**

मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 अध्यक्ष जी किसानों के मसीहा देश के पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह जी को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया गया इसके लिए मैं प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करता हूँ। धन्यवाद के साथ-साथ मैं नेता सदन आदरणीय योगी जी, नेता प्रतिपक्ष आदरणीय अखिलेश यादव जी और एक-एक विधायक का मैं धन्यवाद करता हूँ। जिन लोगों ने कल ही यह समाचार सुनने के बाद सब लोगों ने खुशी का एहसास किया।

मा0 अधिष्ठाता जी, जहाँ तक क्षेत्र की समस्याओं की, किसानों की समस्याओं की बात है तो हमारे यहाँ भसाना शुगर मिल पर 250 करोड़ रुपये बकाया है। हम गन्ने की बेल्ट से आते हैं और पूरे जनपद में लगभग 350 करोड़ रुपये बकाया है। मा0 गन्ना मंत्री जी तो यहाँ नहीं हैं, लेकिन मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी यहाँ पर हैं तो किसानों की समस्याओं को देखते हुये जो पेमेन्ट बाकी है वह पेमेन्ट कराना चाहिये। जहाँ तक जल जीवन मिशन योजना की बात है। जल जीवन मिशन योजना जो गाँवों में चल रही है, अगर किसी अधिकारी के यहाँ उसकी शिकायत की जाये तो उसकी कोई सुनवाई नहीं है। उन्होंने सारे रास्ते खराब कर दिये हैं, 25 वर्षों में गाँवों में जितनी सी0सी0 रोड और खड़ंजे लगे, वह सब खराब हो चुके हैं और सम्भवतः पानी जाने की कोई उम्मीद नहीं है। किसी की शिकायत करो तो कोई भी सुनने वाला नहीं है, यह जल जीवन मिशन योजना जो गाँव-गाँव में चल रही है यह ऐसी योजना है। मैं आदरणीय संसदीय कार्य मंत्री जी से निवेदन करुँगा कि आदरणीय मोना जी के साथ मुझको सम्बद्ध करते हुये प्रत्येक विधायक को कम से कम 200-200 हैण्डपम्प देने का कार्य करें। ऐसी मेरी इच्छा है। हमारे क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है, वहाँ पर पूरा स्टाफ नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर अगर स्टाफ ही नहीं होगा तो वहाँ पर मरीज का इलाज कैसे होगा, उसको कैसे लाभ मिलेगा। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 नेता, अपना दल।

श्री राम निवास वर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये आपको धन्यवाद। आदरणीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के समर्थन में आपने मुझे अपने विचार प्रकट करने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये मैं आपके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं आदरणीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल निर्देशन में अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्षा बहन अनुप्रिया पटेल जी के सहयोग से बनी इस सरकार ने 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये का बजट प्रस्तुत किया है जो कि उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। यह चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 से 46 हजार 195 करोड़ 28 लाख रुपये अधिक का बजट है। पिछले साल के मुकाबले लगभग 67 फीसदी अधिक राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है जिसमें सभी वर्गों के कल्याण एवं प्रदेश के समग्र विकास का खाका खींचा गया है। लोक कल्याण के संकल्प के साथ योगी सरकार ने अपना यह आठवाँ

बजट पेश किया है। बजट में यू0पी0 की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये एक और कदम बढ़ाया गया है। इस बजट में कुल 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये की नयी योजनाएं सम्मिलित की गयी हैं जिसमें प्रदेश की महिलाओं, युवाओं एवं किसानों के उत्थान के लिये विशेष ध्यान रखा गया है। हमारी सरकार ने अब तक लगभग 06 करोड़ व्यक्तियों को गरीबी रेखा से बाहर निकलने में सफलता प्राप्त की है। आज प्रदेश में बेरोजगारी की दर केवल 2.4 प्रतिशत रह गयी है। हमारी सरकार के आम बजट में समावेशी किसान की झलक दिखायी देती है। बजट के प्राविधान न केवल उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने वाले हैं, बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन के क्षेत्र में नयी सम्भावनाओं के द्वार खोलने वाले हैं। सरकार जहाँ एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, एयर कनेक्टिविटी जैसी सुविधायें विकसित कर रही है, वहीं डिफेन्स कॉरीडोर, डाटा सेन्टर तथा फार्मास्यूटिकल सेक्टर को सुविधाएं देकर औद्योगिक विकास को भी धार दे रही है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के एवं माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप अयोध्या में भव्य राम मन्दिर का निर्माण हुआ है। अयोध्या में रामलला के आगमन के साथ ही राज्य की प्रगति और समृद्धि भी तेजी से बढ़ी है। लगभग 7.36 लाख करोड़ का यह बजट उस आशा की किरण है जो अपने नागरिकों के जीवन में समावेशी रूप को बेहतर बनाने और राज्य को समृद्धि से भरे भविष्य की ओर ले जाने के लिए समर्पण है और उसका प्रतीक है। हमारी सरकार ने धर्म स्थलों एवं सड़कों के निर्माण के लिए 1750 करोड़ रुपये का इन्तजाम किया है। धार्मिक पर्यटन स्थलों एवं कुम्भ समेत धर्म एवं संस्कृति के विकास को लगभग 4 हजार 547 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत मुफ्त टेबलेट व स्मार्ट फोन के लिए 4 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। पिछले साल लगभग 25 लाख युवाओं को इसका लाभ भी मिला है।

हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के लगभग 46 लाख गन्ना किसानों को वर्ष 2017 से अब तक 2 लाख 33 हजार 793 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया है। मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है और बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्डों का वितरण किया गया है, वह अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल है। कोई भी प्रदेश विकास की पटरी पर तभी आ सकता है जब वहां औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिले और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया जाए। अवस्थापना औद्योगिक विकास के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश एक अग्रणी प्रदेश के रूप में उभरा है। अपराध पर लगाम लगी है, अपराधियों का प्रदेश से सफाया हो चुका है। आज से 7 वर्ष पूर्व कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उत्तर प्रदेश इतनी तीव्र गति से ऐसा मुकाम हासिल कर पायेगा। प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति राज्य सरकार की उत्तर प्रदेश नागर

विमानन प्रोत्साहन नीति के माध्यम से की जा रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे निवास करने वाले व्यक्तियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने और प्रदेश में सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों का वृहद पैमाने पर निर्माण कर प्रदेश को ओ0डी0एफ0 करने में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। लोक कल्याणकारी सरकार अन्नदाता की उपेक्षा नहीं कर सकती है। हमारी सरकार ने अपने इस बजट में उनकी आर्थिक उन्नति पर ध्यान केन्द्रित कर रखा है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश खाद्यान के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु सरप्लस राज्य के रूप अपना स्थान बनाये हुए है। उत्तर प्रदेश राज्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2022 के अन्तर्गत पात्र इकाईयों को प्रोत्साहन प्रदान किए जाने हेतु लगभग 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो कि वर्तमान वर्ष की तुलना में 3 गुनी है। हमारी सरकार ने इस बजट को पेश कर एक आत्मनिर्भरता की आधारशिला रखी है। यू0पी0 को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की नींव रखी है। युवाओं के लिए टेबलेट, लेपटॉप, व्यवस्था शोध एवं प्रोत्साहन, फिल्म सिटी निर्माण, मेडिकल और स्टॉर्टअप क्षेत्र को लगातार विशेष प्रोत्साहन हमारी सरकार के लिए महत्वपूर्ण कदम है। पूरे बजट को देखें तो यह हमारी सरकार का समावेशी और तीव्र गति वाला बजट है। इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिल सकेगा और दूरगामी लक्ष्य साधने में मदद मिलेगी। मैं सभी प्रदेश वासियों को इस आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की संकल्पना की सिद्धि को समर्पित लोक कल्याणकारी बजट के लिए बधाई देता हूँ। यह बजट प्रदेश वासियों के लिए खुशियों का द्वार सिद्ध होगा।

महोदय मै अंत में अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देता हूँ जिन्होंने अभी विगत दिनों दलितों पिछड़ों के मसीहा पूर्व मुख्य मंत्री कर्पूरी ठाकुर जी को, देश के उप प्रधानमंत्री एवं हिन्दुत्व के पुरोधा श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को, किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को, पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव जी को और प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक हरित क्रांति के जनक एस0 स्वामीनाथन जी को भारत रत्न देने के लिए मैं अपनी पार्टी की ओर से परम आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की और भारत सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ, और कोटि-कोटि बधाई देता हूँ, धन्यवाद।

***मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद)-**

मान्यवर, मैं अपनी एवं अपनी पार्टी की तरफ से धन्यवाद देता हूँ। आपने मुझे बजट पर चर्चा करने का अवसर दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे आम बजट पर चर्चा करने का अवसर मिला है। हमारी सरकार ने जिस क्षेत्र में समावेश बजट की व्यवस्था की है उसका मैं समर्थन करता हूँ। कहना यह है कि बजट कभी त्रेता में भी बनता था तब राम राज कहा जाता था। सुख का राज कहा जा सकता था। इस समय जो बजट आया है उसी तरह से आया है जिसमें सबके विकास की बात है इसलिए हम अपनी सरकार को धन्यवाद देते हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हमारी भारतीय संस्कृति तब सोने की चिड़िया थी जब बजट अच्छे थे। दुनिया के लोग हर क्षेत्र से यहां पढ़ने-लिखने आते थे लेकिन कुछ ऐसी परिस्थितयां थीं कि मुगलों, अंग्रेजों ने इस देश पर आक्रमण किया और कितना नुकसान पहुंचाया। कितना गुलामी की जंजीर में जकड़ा। किस तरीके से अर्थव्यवस्था पर कब्जा किया। इसलिए कहा जा सकता है कि आजादी में जिन्होंने भाग लिया था क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट इन्क्वारी कमेटी के अनुसार 578 जातियों ने उस पर कानून बनाकर उजाड़ा था। मैं सामाजिक न्याय की तरफ आपका इशारा चाहता हूँ। ऐसी 578 जातियां जिनके लिए विमुक्ति जनजातियों के रूप में 31 अगस्त, 1952 को कानून आया था और 74 प्रकार की व्यवस्था देकर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करने की रिपोर्ट दाखिल थी। 1950 में जब संविधान बना। संविधान बनने से पहले सभी राज्य सरकारों से एक रिपोर्ट मांगी गयी थी और रिपोर्ट के आधार पर कहा गया था कि सोशली, एजुकेशनली, इकोनामिकली रूप से जो बैकवर्डनेस है डयू टू द कॉज आफ हिस्टॉरिकल इन्ट्रैक्टबिलिटी। उसके आधार पर वह संविधान बना था और संविधान में शिड्यूल कास्ट की एक सूची थी जो जातियों का एक समूह है जो लैदर मैन, वाशर मैन, फिशर मैन। लैदर मैन, वाशर मैन तो है लेकिन फिशर मैन फिसल गया है, उन्हें भी सम्भालने का काम हमारी सरकार कर रही है। इसलिए अपनी सरकार को हम धन्यवाद देते हैं।

महोदय वर्ष 1931 में गणना हुई, वर्ष 1935 में सेकण्ड इण्डिया एक्ट बना, वर्ष 1936 में व्यवस्था आई और वर्ष 1941 में गणना हुई। देश आजाद होने के समय चीफ सेक्रेटरी ने कहा था कि वर्ष 1931 और वर्ष 1941 की गणना के मुताबिक जो एस0सी0 की लिस्ट में है उसको मान लिया जाये। वर्ष 1961 में पहली बार जनगणना हुई थी सेंसस मैनुअल क्योंकि वर्ष 1951 में सरकार नहीं थी । उसमें हमारी संख्या 70 लाख थी। चूंकि अनुसूचित जाति की जनगणना पहले से होती है उसको लेकर मैं बहुत आन्दोलन भी करता रहा। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक जब केन्द्र में सपा और बसपा की सरकार चल रही थी वर्ष 2011 की जनगणना में मछुआर की संख्या 70 लाख से 7 हजार हो गया। सबकी बढ़ती है और इनकी घटती है। कहने का मतलब वर्ष 1961 तक इन जातियों को बजट अनुसूचित जाति की श्रेणी में मिलता था। वर्ष 1991 तक इनका नाम उसमें था लेकिन जब एक बार राष्ट्रपति ने केवट, बिन्द, कश्यप, रैकवार, मल्लाह, बाथम, त्रेहा को सेंसस मैनुअल 1961 में गिनती करा दी तो बिना पार्लियामेन्टी डिबेट के उनका नाम ओ0बी0सी0 में डालना गलत है।

उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार आती थी तो पिछड़े से निकालती थी। बसपा उस पर स्टे लेती थी। 20 साल से इनको ऐसे ही उलझाये रखा। कोर्ट ने अन्तिम मे कहा कि यह राज्य का मामला है। केन्द्र में परिभाषित कराने का मामला है। परिभाषित कराने के लिए मैं अपने मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा।

मैं धन्यवाद दूंगा अपने मुख्य मंत्री जी को कि 18 दिसम्बर, 2021 को पत्र दिया और मा0 मुख्य मंत्री जी ने केन्द्र सरकार को पत्र लिखा कि इस पर दिशा निर्देश दिया जाये कि

केवट, मल्लाह, मझवार अनुसूचित जाति के हकदार हैं। मैं बधाई दूंगा राज्य सरकार व केन्द्र सरकार को भी कि 18 जनवरी, 2022 को आर0बी0आई0 ने उस चीज को एक्सेप्ट किया और एक पत्र जारी किया सामाजिक न्याय मंत्रालय को कि केवट, मल्लाह, मझवार यह अनुसूचित जाति के हकदार हैं गिनती हुई थी सन् 1961 में तो उसमें यह कहना था कि पिछली सरकारें जब मैंने वर्ष 2012 में आर0टी0आई0 से केन्द्र सरकार से एक जबाव मांगा तो उसमें एक रिपोर्ट आयी गृह मंत्रालय से कि पब्लिक फाइल 75/4/50 जिसके आधार पर संविधान में यह अनुसूचित सूची में आये थे वह फाइल ही काग्रेस सरकार के समय में और सपा, बसपा के सहयोग से केन्द्र की सरकार चल रही थी तो बताया गया कि वह फाइल ही गायब है लेकिन मेरी सरकार अब हमें लिख कर दे रही है और पहल कर रही है इसलिए हम अपनी सरकार को धन्यवाद देते है कि कम से कम इन जातियों के साथ न्याय तो हो रहा है। मैं तो यही कहूंगा कि सुनना पड़ेगा सच्चाई को जो मत्स्य विभाग था। हमारे लोग वर्ष 1991 तक तो अनुसूचित जाति में थे फिर इनको पिछड़ी में डाल दिया उसके बाद बसपा स्टे लेती रही हाई कोर्ट ने इसको भेज दिया कि केन्द्र का मामला है लेकिन मेरा मामला परिभाषित कराने का था लेकिन इन लोगों ने 70 सालों से इतना उलझा रखा था। परिभाषित कराने के लिए प्रस्ताव यहां से केन्द्र को जाना चाहिए। मैं अपील करता हूँ कि इन जातियों को सामाजिक न्याय मिले।

दूसरी बात हम अपनी सरकार को धन्यवाद देता हूँ कि कांग्रेस ने 67-68 साल में केवल 3000 करोड़ रुपया दिया था लेकिन हमारी सरकार ने 6 साल में पूरे देश के मछुआरों के विकास के लिए 39 हजार करोड़ रुपया दिया है मैं सरकार को बधाई देता हूँ। पहली बार है कि उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन क्षेत्र में पूरे देश में 1 नम्बर प्राप्त हुआ है इसलिए मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूँ। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा इस बात की कि केन्द्र सरकार से 60 प्रतिशत सब्सिडी आती है और राज्य सरकार से 40 प्रतिशत सब्सिडी आती है। वर्ष 2014 में ब्लू रेज्यूसन बना था। वर्ष 2017 तक विपक्ष की सरकार थी तो कोई पैसा मत्स्य विभाग को नहीं दिया गया था। वर्ष 2017 से लेकर अब तक केन्द्र सरकार व राज्य सरकार से आता है उस मछुआरे समाज को आगे बढ़ाने का काम किया है। उसी आधार पर हम लोग मत्स्य के उत्पादन में नम्बर 1 पर आये हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के माध्यम से मतस्य क्षेत्र में बहुत सारी अपार सम्भावनाएं है प्रधानमंत्री जी ने अभी अपने पिछले भाषण में कोट किया था कि पिछली सरकारे मत्स्य पालन को, मछुआरों का और पशुपालन और दुग्ध उत्पादन इन सभी का नाम लेना तक उचित नहीं समझती थी। हमारी सरकार इनको स्पेशल बजट देकर इन्हें आगे करने का काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में जो महिलाओं को और एस0सी0 को 60 प्रतिशत सब्सिडी है और पुरुष को 40 प्रतिशत सब्सिडी है। मुख्य मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में मैं बधाई दूंगा मुख्य मंत्री जी को कि पहले 70 साल से जितने भी पट्टेधारक थे उन्हें जब पट्टे मिलते थे तो सरकार को हमारे लोगों को देना पड़ता था। पहली बार ऐसा गरीब पट्टेदार जो

बी0पी0एल0 और अन्त्योदय में है और जो पट्टेधारक है उन्हें पांच एकड़ पर तीन लाख बीस हजार रुपये में दी जाती है। अभी 15 करोड़ रुपये मछुआरों को दिया गया है इस साल के बजट मे दिया गया है। निषाद राज बोर्ड योजना के माध्यम से हमारे पास 12 करोड़ रुपये आया है वह हमने दे दिया है। पहली बार सदन में बजट पर अभिभाषण दिया, हमारी राज्यपाल महोदया ने उसमें तीन बार आया है कि मत्स्य विभाग में निषाद राज बोर्ड योजना में हमारे लोगों को मकान देने में 14 करोड़ 60 लाख रुपये, निषाद राज के सांस्कृतिक भवन के लिए दिया है किसी भी समाज का मान सम्मान और सुरक्षा चाहे तो 14 करोड़ 60 लाख रुपये देकर सरकार ने जो सम्मान दिया है निषाद राज समाज को जंगल से मंगल बनाने के लिए और पहले भी 20 करोड़ 38 लाख रुपये निषाद राज के ऑडिटोरियम बनाने के लिए, 56 फुट की भगवान राम और निषाद राज की भव्य मूर्ति श्रृंग्वेरपुर धाम पर लगी हुई है।

विपक्ष के लोग कहते हैं कि राम नाम की कोई चीज नहीं है तो यूनेस्को वर्ल्ड लेवल का संगठन है, पुरातत्व विभाग राष्ट्रीय स्तर की संस्था है और श्रृंग्वेरपुर के किले की खुदाई हुई है तो जो बयानबाजी करने वाले विपक्ष के नेता हैं, उन्हें मोतियाबिन्द है इसलिये वह श्रृंग्वेरपुर जाकर देख लें कि जहां पर भगवान राम रात्रि विश्राम किए थे उस जगह की खुदाई हुई है। वहां पर बोर्ड लगे हुये हैं और बहुत बड़े किले हैं जिसे मुगलों और अंग्रेजों ने तोड़ा था। मैं अपनी सरकार से इतनी ही अपील करुँगा कि एक ऐसी जगह है जहां भगवान राम जाते हुए गये थे और वापस लौटते हुए गये थे। हमारी सरकार ने वहां के विकास के लिए उसे पर्यटक स्थल घोषित किया है। मैं इतना ही कहूँगा कि प्रभु राम के बाल सखा निषाद राज थे और भगवान राम ने उन्हें गले लगाया था तो इस युग में निषाद राज के वंशज डॉ0 संजय निषाद को भारतीय जनता पार्टी, मोदी और योगी ने गले लगाया है। जहां पर भगवान राम ने रात्रि विश्राम किया था वहां पर उनके सीने पर एक मस्जिद बनी हुई थी जिस तरीके से अयोध्या में मस्जिद हटी है मैं सरकार से माँग करुँगा कि वहां से भी मस्जिद हट जाये। इसे आज नहीं तो कल हटाना पड़ेगा क्योंकि इस तरीके से ठीक नहीं है। अगर जहां पर हमारी भारतीय संस्कृति है वहां पर अगर मस्जिद बनी है तो मुस्लिम धर्म में यह लिखा हुआ है कि विवादित जगह पर इबादत करना गुनाह है तो मैं तो यही कहूँगा ऐसा गुनाह न करें और हर जगह से मस्जिद हटा लें।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया आप बैठिये।

श्री संजय निषाद-

मैं कहना चाहता हूँ कि यह लोग पिछले 70 साल में नेता तो बनाकर लाये लेकिन पिछली सीट पर बैठा दिया और हमारे समाज को कभी बोलने नहीं दिया। बोलने का अवसर हमारी सरकार दे रही है तो कम से कम अब तो हमें बोल लेने दीजिये। माननीय विशम्भर जी

दिल्ली में आवाज उठा रहे थे कि मझवार समाज को परिभाषित किया जाये उस समय समाजवादी पार्टी के सारे सांसदों ने वॉक आउट कर दिया था और यह यहाँ पर कहते हैं कि हम निषादों के साथ खड़े हैं। जहां पर भाग्य लिखा जाता है वहां इनके ही सांसद भाग जाते हैं इसीलिये हमारे समाज के लोगों ने कहा कि ऐसी सारी पार्टियों को गांव से भगा दो और भारतीय जनता पार्टी और एन0डी0ए0 की सरकार ला दो।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कर लें।

श्री संजय निषाद-

इस बार के बजट में 70 साल में पहली बार है कि मछुआ कल्याण कोष की स्थापना हुई है। कल उसका शासनादेश जारी हो गया है। पक्ष और विपक्ष के दोनों सदस्यों से मैं इतना कहूँगा कि आप लोगों ने कानून बना दिया था कि जो मछली मारे वही मछुआरा है, लेकिन माननीय मुख्य मंत्री योगी जी ने कह दिया कि राजस्व संहिता, 2016 के अनुसार जो मछुआरा है वह केवट, मल्लाह, बिन्द, कश्यप, कहार, धीवर, रैकवार, बाथम, तुरैहा है। बस उसे मछुआ समाज का बेटा, बेटी या कोई भी बुजुर्ग होना चाहिये। पहले मछुआ पद हुआ करता था जो मछली मारने, जाल बिनने और डूबने से बचाने के लिए काम करता था, लेकिन आपकी सरकार ने उसको बन्द करके उर्दू अनुवादक भर्ती कर दिया था। क्या मछली उर्दू पढ़ती है और क्या निषाद उर्दू पढ़ते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, आप समाप्त कर लीजिये। अब समय ज्यादा हो गया है। अब मैं माननीय ओम प्रकाश जी को बुला रहा हूँ।

श्री संजय निषाद-

हमारी सरकार ने मछुआ कल्याण कोष की स्थापना की है जिसमें मछुआ समुदाय के लोगों को पढ़ाने, इलाज कराने, मकान बनाने, स्किल डेवलपमेण्ट करने, महिलाओं का सशक्तीकरण करने, दैवीय आपदा के लिए कुल 12 क्षेत्रों में मदद की जायेगी। इसका शासनादेश हो गया है। हमारी सरकार ने 25.20 करोड़ रुपये ज्यादा दिया है। आपके क्षेत्र में भी गरीब होंगे, नदियों ने उजाड़ा होगा, मुगलों और अंग्रेजों ने उजाड़ा होगा, उन पर रहम करिये। मैं इतना ही कहूँगा कि हमारे यहां सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना भी है, जिन लोगों के पास आयुष्मान भारत कार्ड नहीं है उनका पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज होगा मछुआ कल्याण कोष से होगा, निषाद राज बोट योजना भी है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दे दूँ कि भगवान श्री राम के निषादराज बालसखा थे उनका अगर श्रृंग्वेरपुर में बन रहा है तो अयोध्या में भी निषाद राज अतिथि भवन है। सात ऋषियों में निषाद राज का नाम है। अयोध्या आज चमक रही है उसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने जिस तरह से विकास करके कार्य कराये हैं उसके लिए मैं अपनी पार्टी, अपने क्षेत्र और अपनी सरकार की तरफ से धन्यवाद देता हूँ।

(इस समय 02 बजकर 11 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

***श्री ओम प्रकाश राजभर-**

मान्यवर, माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट पर आपने मुझ बोलने का मौका दिया जब से उस पर चर्चा हो रही है मैं इधर और उधर सुन रहा हूँ। अभी तक कोई भी अच्छी बात इधर से नहीं आई है। आप सुनने की क्षमता रखिए। अभी हमारे भाई माननीय संजय निषाद जी ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री जी ने पहचाना जन नायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित किया। मैं उसके लिए बधाई देता हूँ और आभार प्रकट करता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

ओम प्रकाश जी जब आपका समय शुरु होता है तो आप पांच मिनट में बहुत अच्छा बोलेंगे यह सबको मालूम है।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मान्यवर, दूसरा अभी-अभी पूर्व प्रधानमंत्री माननीय चौधरी चरण सिंह जी के साथ उनको भी भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। भारत रत्न पर दो घटनाएं हुई। उसी पर एक फिल्मी कलाकार ने लिखा है कि ''दिल के टुकड़े करके मुस्कुरा के चल दिए''

(सदन में वाह-वाह)

''दिल के टुकड़े-टुकड़े करके मुस्कुरा के चल दिए, जाते-जाते यह तो बता जा हम जिएंगे किसके लिए''

(सदन में हंसी के ठहाके)

मान्यवर, शुरुआत जहां से हुई हराने के लिए एन0डी0ए0 में शामिल माननीय नितीश, जिसके दम पर पश्चिमांचल था 12 तारीख को वह भी फाईनल हो जाएगा और पूर्वांचल जिताने का जो मामला था सब लोग जानते हैं कि वहां पहले से ही हमको तलाक मिल गया।

(सदन में हंसी)

अब काहे घबरा रहे है ? अभी तो हमारे एक साथी आप ही के गोल से बोल रहे थे कि यह सब 2024 में चले जाएंगे। भईया मेरे 2027 तक जनता ने चुनकर भेजा है 2024 में कहां जाएंगे ?

(सदन में हंसी)

बोलने से पहले तो सोचें कि हम 2024 तक आए हैं कि 2027 तक, खैर कोई बात नहीं।

मान्यवर, मै तेलंगाना की शिक्षा नीति पढ़ रहा था। पढ़ने के बाद मुझे ऐसा महसूस हुआ कि इधर की सरकारों ने तेलगांना की शिक्षा नीति पढ़ा होता तो जो गरीब, कमजोर, श्रमिक मजदूर के बच्चे नहीं पढ़ पाते हैं तो फिर उस पर इनका ध्यान गया होता, लेकिन मैं सूबे के मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूँ और देश के प्रधानमंत्री जी को बधाई देता हूँ। इन्होंने 18 मण्डल में प्रत्येक मण्डल में एक-एक अटल आवासीय विद्यालय स्थापित कर 1267 करोड़ रुपये

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दिया है। किसके लिए दिया है, जिसको आप लोगों ने छोड़ दिया और पूछा नहीं उन गरीब कमजोर बच्चों के लिए जो विद्यालय नहीं जा पाते थे। उन निराश्रित बच्चों को मुफ्त में भोजन, किताब, कॉपी शिक्षा देने के लिए अटल आवासीय विद्यालय की व्यवस्था कराई गई है। इस पर आप लोगों का ध्यान नहीं गया है क्योंकि पढ़ते तो है नहीं, खाली विरोध की भाषा पढ़ते हैं हम समझ ही नहीं पाते हैं। दूसरी बात वित्त मंत्री जी द्वारा परिवहन विभाग बस यात्रियों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण यात्रा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य हेतु बस बेड़ों में वृद्धि हेतु 500 करोड़ की व्यवस्था की गयी है। यह भी गलत है।

बजट में अगर वित्त मंत्री ने पैसा दे दिया तो यह भी गलत है। जब आप बस में चलिये तब समझ में आयेगा कि बस में कितनी भीड़ होती है। बस में तो चलते हैं इसलिये समझ में नहीं आता है। बस में तो हम लोग चलते हैं तो समझ में आता है। कल हमारे एक साथी कह रहे थे कि मुसलमानों के साथ भेदभाव होता है। मुझे बड़ा ताज्जुब होता है। मा0 वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है उसमें छात्रवृत्ति के लिये 220 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है यह भी गलत है। जब से मैं यहां बैठकर सुन रहा हूं सब गलत है और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना चाहे पांच लाख के आयुष्मान कार्ड गरीबों के लिये दिया जाता है तो यह कहीं नहीं लिखा है कि इसमें मुसलमान के लिये नहीं है, इसमें इसाई के लिये नहीं है, इसमें सिक्ख के लिये नहीं है। अगर कानून बना है तो यह उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी में रहने वाले सभी लोगों के लिये बना है। आपने ले लिया है, हो सकता है झूठ बोलने का टेण्डर डाल दिये होंगे, मिल गया हो, कोई बात नहीं वह तो आपका काम है। मैं कृषि मंत्री जी का बजट पढ़ रहा था, मैं भी किसान का बेटा हूं। कृषकों के निजी नलकूप, मैंने भी दो नलकूप लगाया हूं, निजी नलकूपों को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 2400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

(बीच में कुछ सदस्यों के बोलने का प्रयास करने पर)

बीच में मत बोलो, कम बोलो ज्यादा मत बोलो, ज्यादा मत बोलो, सदन में बैठे हो तरीका सीखो। आप बोलते हो तो हम तो नहीं बोलते हैं। आपके नेता बोलने लगे और हम सवाल-जवाब करने लगे तो सबको पीड़ा होने लगेगी। आपके नेता के द्वारा आप लोगों को सिखाया गया है कि ओम प्रकाश राजभर जब खड़ा हो तो आप लोग बोलते रहना, बोलने मत देना, यह तरीका अच्छा नहीं है। हमसे ज्यादा कोई विरोध करने वाला नहीं मिलेगा। हम बोलें तो चुपचाप सुनिये अच्छा लगे चाहे बुरा लगे, सुनिये। धैर्य रखिये, 2027 आते-आते आप यहां आने लायक रहेंगे कि नहीं रहेंगे, यह भी ध्यान रखियेगा। मैं फिर कह रहा हूं उस दिन भी सुनाया था आप भी सुन लो, मुझे चिन्ता नहीं उनकी, उन्हें चिन्ता हमारी है। भई, अपनी चिन्ता करो। गर्मी में ऊर्जा की ज्यादा डिमाण्ड होती है। मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा ऊर्जा विभाग को ग्रीष्मकाल में अनवरत् विद्युत आपूर्ति हेतु 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। निजी नलकूप उपभोक्ताओं को

रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु एक हजार 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। लेकिन जब आपको झूठ बोलने का टेण्डर मिल गया है तो फिर यह सब कहाँ से दिखायी देगा। हमारे लोक निर्माण विभाग के लिए सड़कों के चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्यों हेतु 2881 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। अब कहेंगे कि सब सड़कें गड्ढामुक्त हो गयी हैं। जब आपकी सरकार थी तो आपने गड्ढा देखा नहीं क्योंकि हेलीकाप्टर से उड़ते थे तो दिखायी कहाँ से देगा।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद ओम प्रकाश जी, दस मिनट हो गये।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

आयुष्मान भारत, मुख्य मंत्री जनआरोग्य अभियान हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। यह भी नहीं दिखायी देगा। सिर्फ एक चिंता है कि शपथ, आप शपथ की बात क्या करते हो, अगर जिसका काम न होता हो आप अपना काम हमको देना हम मुख्य मंत्री जी से करा देंगे। मान्यवर, सुनो भाई, थोड़ा सुनना भी चाहिए। हमारे माननीय वित्त मंत्री जी ने आपसे बड़ी उम्मीद की है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य मेरा आपसे अनुरोध है कि माननीय मुख्य मंत्री जी को शाम को 5 बजे एक कार्यक्रम में पहुँचना है। माननीय सदस्य अब आप बैठ जाईए।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मान्यवर, आबकारी शुल्क से राजस्व संग्रह का लक्ष्य 58 हजार 307 करोड़ 56 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। मिर्जापुर एवं बनारस मण्डल में तीन चीनी मिलें थीं। इन तीनों चीनी मिलों को इन लोगों ने गायब कर दिया है। किसानों के गन्ने को चीनी मिलों तक पहुंचाने के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं है। अयोध्या से वाराणसी परिपथ काफी समय से प्रस्तावित है। मेरा अनुरोध है कि इसे शीघ्र पूरा करा दिया जाए क्योंकि वह धर्म से जुड़ा हुआ पथ है और इस समय उसकी अति-आवश्यकता है। मान्यवर आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

***नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-**

मान्यवर, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे 2024-25 के बजट पर बोलने का अवसर दिया है। बजट तो है ही अपना, लेकिन बजट के साथ-साथ कुछ अच्छी बातें भी दिखाई दे रही हैं और वह अच्छी बातें यह हैं कि जो इन्होंने समाजवादियों से चुराकर बजट में शामिल की हैं। मैं अपनी बात शुरु करने से पहले दो लाईनें कहना चाहता हूँ कि 'शेर कोई भी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अब उनके मुंह से अच्छे नहीं लगते, 46 में 56 की जो बात हैं करते'। यह जो बजट पेश हुआ है और हर बार कहा जाता है कि अब तक का सबसे बड़ा बजट है। अगर सबसे बड़ा बजट है तो फिर सरकार खर्च क्यों नहीं कर पा रही है। कुल बजट में जो प्रोविजन्स है और जो एक्चुअल एक्सपेंडीचर हैं उसमें फर्क क्यों है ? मुझे उम्मीद है कि जब माननीय वित्त मंत्री जी अपनी बात रखें तो यह भी बतायें कि पिछली बार जिन-जिन विभागों के लिए बजट दिया गया था और जो आपने प्रोविजन्स किये थे, क्या वह एक्सपेंडीचर में दिखाई दे रहे हैं ? आखिरकार सरकार खर्च क्यों नहीं कर पा रही है ?

अगर हम एक-एक विभाग का बजट देंखे तो हाउसिंग डिपार्टमेंट में 7360 करोड़ रुपये प्रोविजन किया गया था लेकिन 4325 करोड़ रुपया ही खर्च किया गया है। इण्डस्ट्री डिपार्टमेंट में 1938 करोड़ रुपये का प्रोविजन किया गया था लेकिन 464.00 करोड़ रुपया खर्च किया गया है। इण्डस्ट्रीज में 81 करोड़ रुपये का बजट था लेकिन आपने सिर्फ 30 करोड़ रुपया ही खर्च किया है। इण्डस्ट्री डिपार्टमेंट फॉर खादी एण्ड विलेज इण्डस्ट्री में 144 करोड़ रुपये का प्रोविजन किया गया था लेकिन आपने 90 करोड़ रुपया ही खर्च किया है। इण्डस्ट्री डिपार्टमेंट हैण्डलूम इण्डस्ट्री में 1780 करोड़ रुपये का प्रोविजन किया गया था लेकिन आपने 437 करोड़ रुपये ही खर्च किया है।

इण्डस्ट्री डिपार्टमेंट हैवी एण्ड मीडियम इण्डस्ट्री, आपका जो बजट था वह 21 हजार 116 करोड़ रुपये था, आपने 10 हजार करोड़ रुपये खर्च किया। डिपार्टमेंट ऑफ ऐनर्जी, यह सबसे महत्वपूर्ण विभाग है उस विभाग को बजट के जो प्राविजन्स थे वह 64 हजार करोड़ से ऊपर के थे लेकिन आपने खर्च किया 43000 करोड़। एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट में लगभग 2000 करोड़ का प्रावधान था, आपने खर्च किया 625 करोड़। एग्रीकल्चर एण्ड अदर एलाइड डिपार्टमेंट्स का जो बजट था वह 8,104 करोड़ रुपये था, आपने 4,312 करोड़ रुपये खर्च किया। एग्रीकल्चर एण्ड एलाइड डिपार्टमेंट्स लैड डेवलेपमेंट्स एण्ड वाटर रिर्सोसेज उसमें लगभग 700 करोड़ का प्रावधान था और आपने केवल 94 करोड़ रुपये खर्च किया। एग्रीकल्चर एण्ड अदर एलाइड डिपार्टमेंट्स 29,190 करोड़ रुपये और खर्च किया 15,729 करोड़ रुपये। एग्रीकल्चर एण्ड अदर एलाइड डिपार्टमेंट्स पंचायती राज में 15000 करोड़ रुपये का प्रावधान था और आपने 7000 करोड़ रुपये खर्च किया। एग्रीकल्चर एण्ड अदर एलाइड डिपार्टमेंट्स लाइव्सटॉक जिसमें बहुत सारे महत्वपूर्ण छोटे-छोटे विभाग भी है, कई महत्वपूर्ण योजनाएं भी चल रही है आपने 3000 करोड़ के बजट प्रोविजन्स किये और 1,766 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, बजट एक हजार करोड़ और खर्च किया 444 करोड़ रुपये। शुगरकेन डेवलेपमेंट डिपार्टमेंट जो शुगर इण्डस्ट्री के लिए बजट है उसमें 2,117 करोड़ रुपये के प्रॉविजन्स किये गये और खर्च किया आपने 1,247 करोड़ रुपया । होम डिपार्टमेंट यह एक

बहुत महत्वपूर्ण डिपार्टमेंट है जिसमें आपके बजट प्रॉविजन्स थे 37 हजार 636 करोड़ रुपये और आपने 21 हजार करोड़ रुपये खर्च किया। होम डिपार्टमेंट सिविल डिफैंस के अन्तर्गत 27 करोड़ के सापेक्ष 15 करोड़ रुपये खर्च किया गया। मेडिकल एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग जिसमें आप कहते हैं वन डिस्ट्रिक-वन मेडिकल कॉलेज, वह अलग बात है कि आप पीछे के रास्ते से पी0पी0पी0 मॉडल के रास्ते से प्राइवेट लोगों को इसमें शामिल कर रहे है उसके लिए 9,795 करोड़ रुपये और खर्च किया 5 हजार 612 करोड़ रुपये। अर्बन डेवलपमेंट में आपका बजट 26000 करोड़ रुपये का था, आपने मात्र 16000 करोड़ रुपये खर्च किया। सिविल ऐविऐशन डिपार्टमेंट जिसका बजट 1,890 करोड़ रुपये था, आपने मात्र 1000 करोड़ रुपये खर्च किया। जस्टिस डिपार्टमेंट जिसमें बहुत सारी और योजनाएं चलती है उसमें 8,234 करोड़ रुपये के बजट प्रोविजन्स किये गये हैं और आपने जो खर्च किया है वह 2 हजार 700 करोड़ रुपये है। यह रिपोर्ट है और अध्यक्ष महोदय यह सरकार की रिपोर्ट है जो सरकार खर्च नहीं कर पा रही है। सरकार जनता तक अपनी चीजों को नहीं पहुंचा पा रही है तो वह क्या रास्ता अपना रही है शेरो-शायरी का रास्ता। क्या शेरो-शायरी से जमीन तक बातें पहुंच जाएंगी और अध्यक्ष महोदय, मैं तो कहूंगा जो मैने कहा है उसकी सच्चाई कम से कम सदन जाने कि आखिरकार सच्चाई क्या है, आप बजट क्यों नहीं खर्च कर पा रहे हो ? या तो जो आप प्रॉविजन्स कर रहे हैं वह आपके आंकड़े गलत हैं या फिर जो खर्च करने जा रहे हैं वह आंकड़े आपके गलत हैं। फिर आपका यह वर्ष 2024 का बजट आया ही है तो मैंने पहले भी कहा और फिर कहता हूँ कि यूपी का बजट चाहे 7 लाख करोड़ का हो या 8 लाख करोड़ रुपये का हो, सवाल यही रहेगा कि 90 प्रतिशत जनता के लिए उसमें क्या है ? दरअसल, भारतीय जनता पार्टी की नीति आम जनता के लिए नहीं है वह 10 प्रतिशत सम्पन्न लोगों के लिए 90 प्रतिशत बजट रखती है और 90 प्रतिशत जरूरतमंद जनता के लिए केवल नाममात्र का 10 प्रतिशत बजट रखती है। उत्तर प्रदेश की सरकार जैसे पहले हमें आंकड़ों में उलझाती रही है।

हमें आँकड़ों में न उलझायें, सीधी-सीधी यह बात बतायें कि इस बजट से मँहगाई में कितनी राहत मिलेगी? इस बजट में जहाँ आपने जगह-जगह कहा है कि नौकरी और रोजगार मिलेंगे, कितने युवाओं को रोजगार मिला है और मिलेगा ? सही में अपराध और भ्रष्टाचार कम करने के उपायों पर कितना खर्च किया जायेगा ? मन्दी और जी0एस0टी0 की मार झेल रहे कामगार और कारोबारी और दुकानदारी को बढ़ावा देने के लिए क्या प्राविधान हैं आपके पास ? और क्या इस बजट में किसान की बोरी की चोरी रुकेगी या नहीं ? फसल का सही दाम व किसानों की आय दोगुनी होगी या नहीं और यह फसल की आय दोगुनी का नारा, अध्यक्ष महोदय, यह विपक्ष का नही है। यह जो सत्ता में बैठे हुए लोग हैं, उनका है। दिल्ली से ले करके लखनऊ वालों का है, डबल इंजन की सरकार वालों का है, अगर 07 लाख, 08 लाख करोड़ का यह बजट है तो सरकार कम से कम यह स्पष्ट करे क्योंकि इसके बाद हम लोगों को चुनाव में भी जाना है कि किसानों की आय दोगुनी होगी या नहीं होगी ? मजदूर, श्रमिकों की

मेहनत की सही कीमत इस बजट से मिलेगी या नहीं मिलेगी ? कर्मचारियों को पुरानी पेन्शन मिलेगी या नहीं मिलेगी ? अच्छी दवाई, अच्छी पढ़ाई के लिए कितना आवंटन है और यह भी सच है कि अभी तक जितने भी बिजली के कारखाने लगाये गये थे, वह अभी पूरी क्षमता पर नहीं चल पा रहे हैं और जो प्लांट लग भी रहे थे, अगर वह आज लग गये होते तो उत्तर प्रदेश को सरप्लस बिजली होती, सस्ती बिजली होती। सरकार यह बताये कि बिजली के नये प्लांटों के लिए कितना बजट है। पानी घर पहुँचाने और शौचालयों को सुचारु रूप से चलाने की योजना के लिए दिखावटी प्राविधान कितने है ? नयी सड़कों को तो छोड़िये, बस इतना और बता दें कि सड़कों के गड्ढे भरने के लिए बजट में कोई प्राविधान है या नहीं है और कम से कम यह सरकार बताये कि पिछले 07 साल में गड्ढे भरने के बहाने इन्होंने कितना पैसा खर्च किया है ?

हालांकि नेता सदन ने वह दो लाइनें तो सुनी ही होंगी, ''बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर, पंक्षी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।'', तो जब आप बजट इतना बड़ा दिखा रहे हैं, वह जमीन पर क्या दिख रहा है, जमीन पर कितना पहुँचा है और झूठे दावों के दिखावटी प्रचार के लिए आपकी भाजपा सरकार ने कितना प्रावधान किया है, कृपया इसकी मोटी फाइल जनता के सामने अलग से रखने का भी काम करें। क्योंकि आप वन ट्रिलियन डालर इकोनॉमी का सपना देख रहे हैं और दिल्ली से जो खबर आती है, पाँच ट्रिलियन डालर इकोनॉमी का सपना दिखाया जाता है और कई माननीय सदस्य इस बात को कहते हैं और खासकर भारतीय जनता पार्टी के लोग कि इतनी खुशहाली और तरक्की हुई कि विश्व की पाँचवी अर्थ व्यवस्था में हम लोग शामिल हो गये है और अगर हम पाँचवी अर्थव्यवस्था में शामिल हो गए हैं तो कुछ सवाल हमारे भी हैं, विपक्ष के लोगों के। विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था लेकिन 80 करोड़ जनता 05 किलो राशन पर निर्भर है। विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था लेकिन किसान की बोरी में से 05 किलो की चोरी की जा रही है। विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था लेकिन अग्निवीर की भर्ती 05 साल के लिए भी नहीं। विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था लेकिन किसानों को 05 परसेण्ट भी लाभकारी मूल्य नहीं। विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था लेकिन पुरानी पेन्शन के लिए 05 पैसे भी नहीं। विश्व की पाँचवी अर्थ व्यवस्था लेकिन युवाओं के लिए न तो कोई रोजगार और न 500 रुपये का बेरोजगारी भत्ता।

विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था, लेकिन वरिष्ठ नागरिकों को रेल व दूसरे किरायों में छूट के लिए पांच परसेण्ट का भी बजट नहीं है, तो यह कैसी पांचवीं अर्थव्यवस्था में हम लोग शामिल हो रहे हैं, जो विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाएं है, उनमें हम कहां शामिल हो रहे हैं और फिर कई बार यह सवाल पूछा गया कि जो वन ट्रिलियन डॉलर एकोनॉमी का आप सपना दिखा रहे हो, उत्तर प्रदेश की जनता को उसके लिए आपका रोड मैप क्या है, केवल एक अमेरिकन कम्पनी को हायर करके और कई सौ करोड़ रुपए खर्च कर करके उस पर, क्या वन ट्रिलियन डॉलर की एकोनॉमी को बना लेंगे आप ? वह रोड मैप क्या है ? आज आपके स्टेट की जी0डी0पी0 क्या है ? पिछली बार भी अध्यक्ष महोदय, सवाल का जवाब नहीं मिला था कि

अगर आपको वन ट्रिलियन डॉलर की एकोनॉमी बनानी हो उत्तर प्रदेश की तो उत्तर प्रदेश की ग्रोथ रेट क्या होगी ? हम कोई इधर-उधर का सवाल नहीं पूछ रहे है, सरकार से अध्यक्ष महोदय, सीधा-सीधा सवाल यह पूछ रहे हैं कि अगर आपको वन ट्रिलियन डॉलर की एकोनॉमी तक पहुंचना है तो आप उसके लिए ग्रोथ रेट कितनी रखेंगे और वह ग्रोथ रेट बनाने के लिए आपने क्या रोड मैप तैयार किया है, क्योंकि अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो आखिरी में कुछ लाईनें कविता की लिखी थी, वह समाजवादियों की कविता थी। मुझे समझ में नहीं आता अध्यक्ष महोदय इतने बड़े बजट में समाजवादियों की कविता कैसे आ गई और यह बात हमारे वित्त मंत्री ज्यादा स्पष्ट कर देंगे, क्योंकि अपने शेर तो यह कम रखते है, दूसरों के शेर ज्यादा पढ़ते है। अध्यक्ष महोदय, यह बात भी साफ होनी चाहिए जो बजट में आखिरी लाईनें हैं आपकी, वह लाईनें किसकी थीं और किसके लिए कही गई थी ? मुझे नहीं पता कि कौन किसके गांव का पता ढूढ़ रहा था, हमें आपके गांव का पता ही नहीं पता, किसी के नाम से मशहूर होकर गांव चलता है, हमें तो आपके गांव का नाम ही नहीं पता, क्या वजह है ? मैं जानता हूँ कि किसके लिए थी यह कविता, यह बात तो आप भी जान गए हो, लेकिन आपके मा0 सदस्य शायद न जान पाए हों। उन्हीं की जिनकी वह चार लाईनें, इन्होंने पढ़ी है, उन्हीं से मैं फिर लाईन मांगकर ले आ रहा हूं-

यहां कुछ और कहता है, वहां कुछ और कहता है।
हकीकत कुछ है, लेकिन दासतां कुछ और कहता है।।
कली से ताजगी और फूलों से खुशबू हो गई गायब
चमन का हाल कुछ है, बागबां कुछ और कहता है।।

अध्यक्ष महोदय, पहचान गांव की, मुझे तो नहीं पता गांव किसके गांव की कहां है एक गांव को तो सब जानते हैं।

यही तो कविता पढ़ी थी और मैं दोबारा पढ़ देता हूँ और इनके गाँव कहाँ है यह बता दे खुद जब अपना भाषण दें।

''तुम्हारी शख्सियत से ये सबक लेंगी नस्लें,
वहीं मंजिल पर पहुँचा है जो अपने पाँव चलता है।
डुबा देता है कोई नाम तक भी खानदानों का,
किसी के नाम से मशहूर होकर गाँव चलता है।।''

अरे अपना गाँव तो बता दो कौन-सा है आपका गाँव.....

(मेजों की थपथपाहट)

तब अपने गाँव की पहचान बनाओ। अगर सब अपने गाँवों की पहचान बनाएंगे तो उत्तर प्रदेश की पहचान बनाएंगे तब उत्तर प्रदेश की तस्वीर कुछ और होगी....

(मेजें थपथपाई गईं)

जो अपने गाँवों की पहचान नहीं बना सकते, वह किसी को पहचान भी नहीं दे सकते। बात खानदान तक पहुँची है तो खानदान बढ़ाने के लिए भी कुछ करना चाहिए।

(मेजों की थपथपाहट, सदन में हँसी)

अब तो बात पहुँच गई जहाँ पहुँचनी थी।

(सदन में हँसी)

मा0 अध्यक्ष महोदय, गाँव तो इन्होंने भी बनाए थे, गाँव गोद लिये थे। गाँव तो आपने भी गोद लिए थे। उन गाँवों का क्या हाल है जो गोद लिए गये थे। अब तो आपके वहाँ पाँव ही नहीं पड़ते जिन गाँवों को आपने गोद लिया है इसकी क्या वजह है ? तो सोचो अपने गोद लिए हुए गाँवों का यह हाल है। हालाँकि यह बात कही गई कि मैंने प्रभु राम का नाम नहीं लिया, जब प्रभु राम दिल में ही बसते हो फिर नाम लेने की जरूरत क्या है....

(मेजों की थपथपाहट)

प्रभु राम पहले भी थे, प्रभु राम आज भी हैं और प्रभु राम हमेशा रहेंगे। जब हम और आप नहीं थे, प्रभु राम तब भी थे और जब हम और आप नहीं रहेंगे प्रभु राम तब भी रहेंगे.....

(मेजों की थपथपाहट)

इसलिए कहना कि आप प्रभु राम को लाये हैं ऐसा कहकर आप प्रभु श्रीराम का अपमान तो कर ही रहे हैं साथ ही साथ धर्म को भी अपमानित कर रहे हैं। याद रखिए प्रभु राम अजर हैं, अमर है और सबके हैं। प्रभु राम के नाम पर राजनीति करना बन्द कीजिए। हालांकि इस बात को कोई डिनाय नहीं कर सकता है कि सबसे ज्यादा तैयारी देखने के लिए सदन के नेता ने न जाने कितनी ट्रिप लगाई होंगी। अनगिनत ट्रिप लगाईं और उन्होंने हर चीज को देखा। सड़क कैसी बनेगी, सड़क के नीचे तार कैसे जाएंगे, सीवर कैसे जाएगा, पेड़ कौन से लगेंगे, लाइट कौन-सी लगेगी। सब तैयारी में जुटे रहे और जब भी मौका मिलता था भागकर देखने जाते थे। वह गिनती तो मुझे नहीं पता मा0 अध्यक्ष महोदय, लेकिन कुछ गिनती तो होगी ही। चाहे वह 75 हो, 80 हो या 100 हो जो भी हो गिनती तो होगी लेकिन खुशी की बात है यह स्वाभाविक है कि किसी आयोजन में अगर कोई अपनी जिम्मेदारी निभाये तो हमें उसके लिए उसको धन्यवाद देना चाहिए कि जिम्मेदारी निभा रहे हैं वो। जो लोग ताली बजा रहे हैं वह हर लाईन पर ताली बजायें। कोई ऐसी चीज नहीं है जो उन्होंने न छोड़ी हो, हर कोशिश की और वो कोशिश मुझे तब देखने को मिली जब मैंने गवर्नर स्पीच पढ़ी। इस सरकार ने अयोध्या को सजाने के लिए अभी तक 31000 करोड़ से ज्यादा पैसा खर्च किया है लेकिन जब पहली बार वहां पर दिल्ली वालों की यात्रा हुई तो जिन्होंने इतनी तैयार की थी वो किस नम्बर की गाड़ी में बैठे। ये बातें मैं इसलिए नहीं बोलना चाहता हूँ क्योंकि मैं जानता हूँ कि एक बार मैंने समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का वीडियो ट्वीट कर दिया था और वीडियो ट्वीट का असर ये हुआ कि नेता सदन के साथ दिल्ली वालों ने शूटिंग की थी कि फोटो कौन सी अच्छी आयेगी। यह मेरे से बेहतर नेता सदन जानते होंगे। ये बात मैं नहीं उठाना चाहता था लेकिन क्या करूं ताली बजवानी है। ''हजूरे आला आज तक खामोश बैठे इसी गम में, महफिल लूट ले गया कोई जबकि सजाई हमने''।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा शायरी दुबारा सुनने का अनुरोध करने पर)

अध्यक्ष महोदय, ''हजूरे आला आज तक खामोश बैठे इसी गम में, महफिल लूट ले गया कोई जबकि सजाई हमने''। पहले तो वहां के हर प्रचार में दिखे लेकिन जब सही समय आया तो फोकस से आउट थे। फोकस से इसलिए आउट थे.....

(सत्ता पक्ष के किसी सदस्य के बोलने पर)

यह बात तो चाचा की है नहीं, चाचा वाली बात तो मैंने पढ़ दी थी, हुजूर वाली बात। और फिर जब फोकस में नहीं थे तो हम लोगों को बड़ी मुश्किल से दिखे और जो बहुत महंगा और आलीशान, आलीशान नहीं बोलूंगा मैं, महंगा लाल रंग का कारपेट बिछा, लाल कारपेट पर महोदय कहीं नहीं दिखायी दिये। अगर कहीं दिखायी दिये हों तो हमें बता दें और वो भी लाल कारपेट पर मार्क था कि कहां मुड़ना है ? और यह निर्देश थे कि लाल कारपेट पर कोई नहीं रहेगा। हमें तो लगता है कि ये लाईन में भी नहीं थे, साईड लाईन में थे क्योंकि जब कारपेट पर नहीं दिखे तो हम लोगों ने देखा कि हैं कहां तो ये लाईन में भी नहीं थे, साईड लाईन में थे और ''लाखों दिये जलाये पर खुद को रोशनी में न ला पाये, इसे कहते हैं सच में चिराग तले अंधेरा होना।'' नेता सदन आप उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं, आप चाचा के नाम पर हमें छेड़ते हो, लेकिन मैं कुछ लोगों के नाम पर आपको नहीं छेड़ना चाहता हूँ। मैं समझ सकता हूँ जो मुख्य मंत्री होता है कितने दबाव में काम करता है। सुना है किसी ने तस्वीर ट्वीट कर दी थी, वह भी डिलीट करनी पड़ी।

मान्यवर, जहाँ तक हमारे वित्त मंत्री जी ने जो 'सारे जहाँ से अच्छा', की दो लाइनें पढ़ीं, पता नहीं कहाँ से अपने मतलब की चीज निकाल लेते हैं, न ऊपर की लाइन पढ़ते है, न नीचे की लाइन पढ़ते हैं। यह तो गूगल का जमाना है, जमाना इंटरनेट का है। जमाना छिपाने का नहीं है। जो उत्तर प्रदेश का बजट पेश हुआ, मुझे नहीं पता कि किस संदर्भ में उन्होंने दो लाइनें लिखीं। लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि अल्लामा इकबाल, जिन्होंने 'सारे जहाँ से अच्छा' लिखा, उसकी लाइन आपके बजट में आ गई। तो आप बहुत सेकुलर है, इसलिए दूसरों पर उँगली मत उठाना, अगर आप यह बात कर रहे हैं। उन्होंने पढ़ा कि 'यूनान, मिस्र, रोम सब मिट गए जहाँ से, अब तक मगर है बाकी नामों-निशां हमारा।' अध्यक्ष महोदय, अगर ये नाम इन्होंने लिखे हैं और बजट पेश करते हुए अपनी तारीफ में लिखें हैं कि ये बहुत ताकतवर हो गये हैं, इनकी ग्रोथ बहुत आगे चली गई है तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे कहूँगा कि जिन-जिन देशों के नाम यहाँ लिखे गये हैं, उन-उन देशों की पर-कैपिटा इनकम क्या है, उन देशों में रहने वाले लोगों की पर-कैपिटा इनकम क्या है ? अगर आपकी नीयत कुछ और थी तो मैं उस बारे में नहीं कहना चाहता हूँ। लेकिन उसके बाद की लाइन नहीं पढ़ी जो सबसे बड़ी लाइन थी, जो इसमें अल्लामा इकबाल ने अपनी लाइन लिखी। उन्होंने लिखा, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जमाँ हमारा।' ये वह लोग हैं, जो भारत को बनाना चाहते थे, वह भारत को अच्छा, सुंदर बनाना चाहते थे और देश

मजबूत कैसे हो, इसलिए उन्होंने लिखा था, 'सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा। हम बुलबुलें है इसकी, यह गुलिस्ताँ हमारा।' आपको इतनी अच्छी गजल में केवल दो लाइनें मिली। मैं मिलिट्री स्कूल से पढ़ा हूँ। अध्यक्ष महोदय, कोई दिन नहीं जाता था, जिस दिन, 'सारे जहाँ से अच्छा' हम लोग न गाते रहे हों। अध्यक्ष महोदय, अगर मैं इसमें एक बात गलत कह रहा हूँ तो जा करके मिलिट्री स्कूल के किसी भी बच्चे से मिल लीजिएगा, पूछ लेना, जो वहाँ पर आर्मी के आफिसर्स, प्रिंसिपल हों, उनसे पूछ लेना कि यह गाना हर दिन मिलिट्री स्कूल में हम लोगों ने गाया है, ''सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा। हम बुलबुलें हैं इसके, यह गुलिस्ताँ हमारा।। गुरबत में हों अगर हम, रहता है दिल वतन में। समझो वहीं हमें भी, दिल हो जहाँ हमारा।।'' अध्यक्ष महोदय, कुछ ऐसे लोग हैं, जब वह विभाग में मंत्री थे, मंत्री पद से हटा दिये गये, अब बोल रहे हैं। माननीय सदस्य ने विभाग के लिए क्या किया था ?

श्री सिद्धार्थनाथ सिंह-

आप मेरी चिन्ता मत करिये।

श्री अखिलेश यादव-

''परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का। वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।। गोदी में खेलती है, उसकी हजारों नदियाँ। गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।'', ''मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। हिन्दी हैं हम वतन हैं, हिन्दोस्ताँ हमारा।।''

(किसी सदस्य के यह कहने पर कि देख कर तो सभी पढ़ लेंगे)

अगर तुम मुख्य मंत्री जी से थ्री इन टू सिक्सटी सिक्स सुपर क्रिटिकल थर्मल प्लांट कहलवा दो तो हम भी पढ़ देंगे। अध्यक्ष महोदय, इसलिए उतना ही बोलना ठीक है, जितना बोलना चाहिए। अल्लामा इकबाल ने भगवान प्रभु श्रीराम के लिए क्या लिखा था।

मान्यवर, अगर यही बात उन्हें पढ़नी थी तो यह बात भी पढ़ सकते थे और मुझे उम्मीद है कि अगली बार के बजट में अल्लामा इकबाल की दो लाइन जरूर लायें। ''है राम के वजूद पे हिन्दोस्ताँ को नाज, अहल-ए-नजर है इस को इमाम-ए-हिन्द एजाज।'' यह लाइनें अगली बार जरूर डालियेगा। सरकार कह रही थी कि पहले उत्तर प्रदेश में पहचान का संकट था। पता नहीं क्यों इस बात को कहा जाता है कि उत्तर प्रदेश में पहचान का संकट था। उत्तर प्रदेश में पहचान का संकट कैसे हो सकता है। जिस उत्तर प्रदेश ने सबसे ज्यादा देश को प्रधानमंत्री दिये हों, प्रधानमंत्री के साथ-साथ कोई भी देश के ग्रोथ का पैरामीटर होगा, बिना उत्तर प्रदेश के वह बेहतर नहीं हो सकता है। अगर उत्तर प्रदेश के पैरामीटर चाहे हेल्थ के हों, एग्रीकल्चर के हो, चाहे एजुकेशन के हों, चाहे एंप्लॉयमेंट के हों किसी भी पैरामीटर पर अगर उत्तर प्रदेश पिछड़ जायेगा तो देश के पैरामीटर पिछड़ जायेंगे।

अगर यह बात कही जाती है पहचान का बहुत बड़ा संकट था, यह बात किसी को नहीं समझ में आयेगी। अगर पहचान का संकट वर्ष 2012 से लेकर 2017 में था तो उत्तर

प्रदेश में सबसे बड़ा इन्वेस्टमेंट क्यों आया। एच0सी0एल0 लखनऊ में क्यों आया। लखनऊ में एच0सी0एल0 की ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट क्यों बनी। चकगजरिया में ट्रिपल आई0टी0 क्यों बनी। एच0सी0एल0 वह जगह है जब पहली बार मैं उसका उद्घाटन करने गया था तो उस समय जो बच्चे और बच्चों के माँ बाप थे, कई माँ बाप ने मुझे बधाई दी, धन्यवाद दिया और कहा मैं सरकार का और आपका धन्यवाद इसलिए देती है कि जिसके कारण हमारे बच्चे हैदराबाद या चेन्नई में पढ़ते थे, नौकरी करते थे वह आज हमारे घर के पास हमारे बीच में रहकर पढ़ रहे हैं, नौकरी कर रहे हैं। मान्यवर, जो भी मुझे उस समय करना था, सरकार की तरफ से जो भी सुविधायें देनी थी उस समय के अधिकारियों ने मिल करके रास्ता निकाला और वह सुविधायें दी उसका परिणाम यह है और मैं तो कहूंगा किसी भी मा0 सदस्य को अगर शक हो इस बात का कि एच0सी0एल0 में कहां के बच्चे पढ़ रहे है तो वह जाकर देखें। इसी लखनऊ, कानपुर के बच्चे सबसे ज्यादा वहाँ पढ़ रहे हैं, नौकरी कर रहे हैं और सबसे ज्यादा सम्मान की नौकरी पा रहे हैं। वहाँ पर हो सकता है कि 6 हजार से ज्यादा व्हाइट कॉलर जॉब कर रहे हों। डबल इंजन की सरकार ने उसके मुकाबले क्या दिया मुझे एक प्रोजेक्ट बता दीजिये लखनऊ में या आप पूरे उत्तर प्रदेश में बता दें। सेमसंग, फाइल उठा करके देख लीजिये किस सरकार की देन है। जो उसको सरकार की तरफ से इंसेंटिव मिलना था उसके लिए उसको कोर्ट जाना पड़ा। तब जा करके सरकार ने कितने वर्षों के बाद इंसेंटिव दिया है।

मान्यवर, जो शहरों में मेट्रो चल रही हैं क्या लखनऊ की मेट्रो आपकी सरकार लाई थी, तस्वीर तो अपनी लगा दी, आप यही तो कर सकते है। अगर लखनऊ की मेट्रो आप लाये थे तो जहाँ तक जाती है वहाँ से वापस क्यों आ जाती है। अभी तक दूसरे फेस तक क्यों नही गयी। डबल इंजन की सरकार के 7 साल हो गये है। क्या कानपुर की मेट्रो आपने प्रपोज की थी, क्या आगरा की मेट्रो आपने प्रपोज की थी। अगर आपने प्रपोज किया था तो उसका सेकेण्ड फेस क्यों नहीं कर पा रहे हो। दिल्ली से जोड़ने वाली नोएडा वह किसने बनाई थी। मुझे अभी भी याद है कि दिल्ली की सरकार ने बजट को ले करके मदद नहीं की थी। उत्तर प्रदेश ने अपने बजट से दे करके नोएडा को दिल्ली से जोड़ने का काम किया था।

नोएडा टू ग्रेटर नोएडा में किसने मेट्रो दी थी। मैं जानना चाहता हूँ कि जो पहचान या पहचान का संकट था, अगर संकट कोई पैदा कर रहा है गवर्नमेंट को ले करके या आर्गेनाइजेशन को ले करके तो वह आपकी सरकार है, वह संकट पैदा कर रही है। क्या यह मेट्रो स्मार्ट सिटी का हिस्सा नहीं है जब इसका जवाब आये, मैं जानता हूँ कि ये दायें-बायें न जाने कहां तक लेकर जाते हैं क्या यह स्मार्ट सिटी का हिस्सा नहीं है। मुझे याद है कि हमने बनारस को मेट्रो दी थी लेकिन आपने बनारस की मेट्रो नहीं बनने दी और जब आप पहली ट्रिप में झांसी गये थे, मुझे आज भी याद है और कई बार ऑन द फ्लोर हाउस में यह बात कह चुका हूँ। आपने कहा था कि झांसी से दिल्ली को जोड़ने के लिए एक्सप्रेस-वे बनाया जायेगा, क्या वह एक्सप्रेस-वे 7 साल में बन गया। झांसी में मेट्रो बन गई क्या, झांसी को भूल

जाइये, आपने अपने लिए भी कहा था कि हम अपने गांव में बनायेंगे जो आपका नया गांव है गोरखपुर। कम से कम उसकी तो पहचान बना दो मेट्रो चला करके, कौन रोकता है आपको, ये आपके नीचे हैं वित्त मंत्री जी, दीजिये 1 हजार करोड़, क्यों नहीं दे पा रहे हैं 1 हजार करोड़ दे दीजिये, 2 हजार करोड़ रुपए दीजिये, क्यों गोरखपुर में मेट्रो नहीं चल पा रही है। क्योंकि आप चलाना नहीं चाहते हो और ये जितने भी डिब्बे बने हैं, अगर पहचान का संकट होता तो वह कम्पनियां आपके यहां नहीं आतीं। मुझे याद है उस समय देश की सबसे ज्यादा प्रतिष्ठित कम्पनियां यहां पर काम कर रही थीं, कुछ कम्पनियां तो आज भी काम कर रही हैं। मैंने कई बार सदन में कहा कि कुछ कम्पनियों ने ऐसा काम किया था जो एग्जम्पलरी था।

एक्सप्रेस-वे कभी 23-24 महीने में नहीं बनते लेकिन मैं इस सदन में उन कम्पनियों को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने उस एक्सप्रेस-वे को 23-24 महीने में बनाकर खड़ा कर दिया था, उद्घाटन हो गया था उसका। उन्हीं में से एक कम्पनी से आप मन्दिर बनवा रहे हैं लेकिन आपने सड़क नहीं बनाने दी, क्या वह कम्पनी मन्दिर नहीं बना रही है। मैं देख रहा था एल एण्ड टी की बात कोई इंजीनियर बता रहा था कि ये-ये-ये टेक्निकल चीजें हम फॉलो कर रहे हैं, वैदिक की तरह बना रहे हैं। जो पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे है वह उससे क्यों नहीं बनने दिया, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे क्यों नहीं बनने दिया। मैं फिर दोहराता हूँ कि अगर यह प्रदेश प्रधानमंत्री बनाता है तो दिल्ली वाले एक्सप्रेस-वे के लिए बजट उत्तर प्रदेश को क्यों नहीं दे रहे। अमूल को ले करके समाजवादी सरकार में यहां पर इन्वेस्टमेंट हुआ था और उसी समय अमूल से यह बात तय हो गई थी कि लखनऊ, कानपुर और वाराणसी में तीन प्लान्ट आप लगायेंगे। दो प्लान्ट लग करके तैयार हो गये थे तीसरा बाद में लगा। अगर पहचान का संकट था तो समाजवादियों ने तीन अमूल प्लान्ट लगाये तो आप 6 लगा देते, आप 6 क्यों नहीं लगा पा रहे हो। जो दूसरों के लिए कह रहे हैं कि पहचान का संकट है, आप पर पहचान का संकट है, आप इन्वेस्टमेंट नहीं ला पा रहे हो। फिर इसी शहर में दिल्ली जैसा स्कूल हमने बनाया था, संस्कृति स्कूल, जो जागरूक लोग होंगे वह जानते होंगे कि दिल्ली संस्कृति स्कूल में आसानी से एडमिशन नहीं मिल सकता, वहां एडमिशन पाने के लिए न जाने क्या-क्या करना पड़ता है। उस समय अधिकारियों ने कहा कि यहां लखनऊ में भी हम बनाना चाहते हैं, आप बजट दीजिये। हम लोगों ने बजट दिया और इसी लखनऊ में चकगंजरिया में संस्कृति स्कूल बना, कुछ दिन चला भी लेकिन ये जो बड़ा बजट बताते हैं पता नहीं कितना बड़ा बजट है, क्या लखनऊ में संस्कृति स्कूल चल रहा है। 3 सैनिक स्कूल समाजवादी सरकार ले करके आयी, केवल गोरखपुर में एक सैनिक स्कूल ले गये। आप केवल एक सैनिक स्कूल गोरखपुर में लेकर आए। अध्यक्ष महोदय जिस समय कांग्रेस की सरकार थी, उस समय वहां के जो शिक्षा मंत्री थे, उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि वह अमेठी मे एक सैनिक स्कूल बनाना चाहते हैं, उसके लिए सरकार अगर जमीन उपलब्ध करा देगी और बजट उपलब्ध करा देगी, तो सैनिक स्कूल वहां पर बन जाएगा। तब मैंने जब उनसे कहा कि आपको एक नहीं 3 सैनिक स्कूल देने पड़ेंगे, तब जाकर

सैनिक स्कूल बनेंगे, तो वह बोले मैं एक ही बहुत बड़ी मुश्किल से दे रहा हूं, मैंने कहा अगर आप 3 सैनिक स्कूल देंगे तब सैनिक स्कूल बनेगा और मुझे याद है कि दिल्ली की सरकार ने मुझे 3 सैनिक स्कूल दिये थे। जिसमें एक अमेठी में, मैनपुरी में और एक सैनिक स्कूल झांसी को देने का काम किया गया। वह सैनिक स्कूल चल रहे हैं, जो नए सैनिक स्कूल चल रहे हैं, वह पी0पी0ई0 मॉडल पर बन रहे हैं, वह सरकार के नहीं बन रहे हैं, इसलिए किसी को सरकार कन्फयूज न करे कि वह सैनिक स्कूल सरकार बना रही है। तो हम यह कहना चाहते हैं जब इतना बड़ा बजट है आपके पास, तो आप प्राइवेट इन्वेस्टमेंट शिक्षा में क्यों ढूंढ रहे हो ?

आप मेडिकल कॉलेज में पी0पी0ई0 ढूंढ रहे हैं, कोई प्राइवेट प्लेन आ जाए, कोई प्राइवेट पार्टनशिप हो जाए, आप क्या दिल्ली की तरह सब कुछ बेच दोगे। उन्होंने तो एयरपोर्ट बेच दिया, ट्रेनें बेच रहे हैं, आप क्या स्कूल बेच दोगे ? पॉलिटेक्निक बेच दोगे ? आई0टी0आई0 बेच दोगे ? मेडिकल कॉलेज बेच दोगे ? फिर गरीब कहां जाएगा ? गरीब का इलाज कहां पर होगा ? गरीब कहां पढ़ेगा ? तो मैं यह जानना चाहता हूँ सरकार से कि जब इतना बड़ा बजट है सैनिक स्कूल क्यों नहीं बन रहे, अमूल के प्लांट केवल 3 ही क्यों हैं, 6 क्यों नहीं आए, इनकी सरकार में और मुझे याद है कि अक्षय पात्र को लेकर के कि हमारे बच्चों को कुक्ड फूड मिले, हॉट कुक्ड फूड मिले तो उसके लिए यह योजना चालू की गई थी। जितनी समाजवादियों की सरकार में शुरु हुई, उससे आगे नहीं बढ़ पाए हैं। एक बनारस में उस समय भी प्रपोजल था, उसके बाद उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं हो पाया, बच्चों को अच्छा खाना क्यों नहीं दे पा रही सरकार और संकट होता है तो शायद इस तरह की संस्थाएं नहीं आती, उत्तर प्रदेश में। यह तो कुछ योजना बताई है मैंने, बहुत सारी और भी योजनाएं जो और भी आयीं थी और लगातार आती हैं। मेदांता अस्पताल में तो सभी लोग इलाज कराने जाते हैं और मुख्य मंत्री जी से तो वह कई मशीनों का उद्घाटन कराते हैं, मैं तो नेता सदन से कहना चाहता हूँ कि आप प्राइवेट मशीनों का उद्घाटन क्यों नहीं करते हैं ? आपका 100 एकड़ में कैंसर इंस्टीट्यूट बना हुआ है, उसका उद्घाटन करो, हालांकि आपने किसी और की प्रतिमा लगा दी, हमें कोई शिकायत नहीं है। अरे कम से कम आपने खुद बनाया होता, फिर प्रतिमा लगाते तो खुशी ज्यादा आपको होती। तो संकट की बात जो यह कह रहे हैं, संकट होता तो डायल 100 बन जाती क्या ? आपने डायल 100 खराब कर दी, वह कम्पनियाँ क्या यू0पी0 में आती है? और फिर मुझे खुशी है इस बात की कि बड़े पैमाने पर हम लोगों ने लैपटॉप का डिस्ट्रीब्यूशन किया था, वह लैपटॉप डिस्ट्रीब्यूशन आपकी सरकार में क्यों नहीं हो पा रहा है ? अध्यक्ष महोदय कम से कम सरकार को अपने घोषणा पत्र को पढ़ना चाहिए 14-17-19-22 के और फिर यह याद करना चाहिए कि,

''रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर बचन न जाई।''

आप घोषणा पत्र में क्या लिख रहे हो और जारी आप क्या कर रहे हो ? अगर आपने लैपटॉप बांटे हैं तो बता दीजिए ?

अध्यक्ष जी, यह सरकार कह रही है कि लखनऊ में दिल्ली की तर्ज पर एअरो सिटी विकसित किये जाने की योजना है, जो लगभग 1500 एकड़ में उसमें सात सितारा होटल, पार्क, विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर जैसी अगर ये 1500 एकड़ की योजना है, तो हमें खुशी इस बात योजना बना रही है, तो कम से कम इसके लिए आपका बजट क्या है ? जब वित्त मंत्री जी, अपना उत्तर दें, तो कम से कम यह बताएं कि इसके लिए बजट कितना दिया है।

अध्यक्ष जी, एक बात बहुत होती है कि सरकार नौकरी बहुत दे रही है। मैंने हर बार सदन में कहा कि सरकार जो आंकड़े पेश करती है, वह सच नहीं है। बेरोजगारी का आंकड़ा लगातार बढ़ता चला जा रहा है। इतने बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है कि 90 प्रतिशत से ज्यादा नौजवान आज घर बैठे हैं, उनके हाथ में नौकरी और रोजगार नहीं है, तो सरकार क्या कर रही है। अगर हम गवर्नर स्पीच पढ़ें और बजट की स्पीच पढ़ें, तो दोनों में एक ही बात लिखी गयी है कि 40 लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट आ रहा है और एक करोड़ से ज्यादा लोगों को नौकरी और रोजगार मिल रहा है। अगर गवर्नर स्पीच में आया है, तो इसका मतलब पिछला एक साल जीरो था और इसमें क्या तैयारी है, अगर यह साल जीरो हो जायेगा, तो दो बजट जीरो हो गया। यह सरकार का तीसरा बजट है, तो आखिरकार जमीन पर क्या है ? मा0 मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि बेरोजगारी दर 4 प्रतिशत है और नियंत्रण में है। अगर ये आंकड़े ऐसा पेश कर रहे हैं, तो अपने आर्थिक सलाहकारों से राय ले लें। जिससे स्पष्ट हो जायेगा कि अनइम्प्लायमेंट रेट के बजाय इम्प्लायमेंट रेट बेरोजगारी का सही सूचक है। कम से कम सरकार यह बताए कि बेरोजगारी का सही सूचक क्या है, अनइम्प्लायमेंट रेट या इम्प्लायमेंट रेट ? सरकार जब जवाब दे, तो अपने भाषण में यह बात कहे कि अनइम्प्लायमेंट का सही सूचक इम्प्लायमेंट रेट है या अनइम्प्लायमेंट रेट। अनइम्प्लायमेंट रेट में केवल उन लोगों की संख्या ली जाती है, जो काम करने के इच्छुक हों और इम्प्लायमेंट रेट में पूरी संख्या ली जाती है, इसलिए कम से कम सरकार इसको स्पेसफिक बताए कि आखिरकार इस सरकार में नौकरी और रोजगार की क्या स्थिति है ?

अध्यक्ष जी, यह किसान की आय दोगुनी करने की बात करते हैं, तो क्या किसान की आय दोगुनी हो गयी? क्या एम0एस0पी0 मिलने लगा ? आपने बजट में भी और गवर्नर स्पीच में भी इन बातों को डाला है कि हम किसान को लाभकारी मूल्य दे रहे हैं। क्या सरकार एम0एस0पी0 देगी, क्या डबल इंजन सरकार किसानों को एम0एस0पी0 उपलब्ध करायेगी ? वह इन्फ्रास्ट्रक्चर कहा है, जहां आप एम0एस0पी0 उपलब्ध करा सकें। अगर आपको किसानों को एम0एस0पी0 दिलानी है, तो आपने क्या इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है। जो मण्डी चल रही थीं, उनको आपने बन्द कर दी है, तो बड़े पैमाने पर उन मंडियों का बजट क्या है ? आखिरकार

आपकी किसानों से दुश्मनी क्या है। आप किसानों को मण्डियाँ क्यों नहीं देना चाहते हो। किसानों को जो सुविधाएं मिल रही थी, वह सुविधाएं आप किसानों को क्यों नहीं दे रहे हैं। एग्रीकल्चर रेट क्या है, क्या आज हमारी एग्रीकल्चर रेट डाउन नहीं जा रही है ?

अध्यक्ष जी, अब हम शिक्षा पर आते हैं। यूनिवर्सिटीज बन रही हैं, यूनिवर्सिटीज के वी0सी0 एप्वांइट हो रहे है। हालांकि हम लोगों ने कई बार सरकार से पूछा है कि सरकार बताए कि आखिरकार 46 के 56 वाली कहानी क्या है, लेकिन 46 में 56 वाली कहानी नहीं पता लग पा रही है। मैं तो कहूँगा कि कभी-कभी हमारे साथी भी 46 के 56 वाले चक्कर में फंस गये। मैं केवल यह कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में जो वाइस चांसलर एप्वांइट हुए हैं, उनमें से 34 की हमारे पास सूची है। हम जानना चाहते हैं कि 34 में पी0डी0ए0 कितना है। कम से कम सरकार जब जवाब दे, तो ऑन द फ्लोर आफ हाउस में यह बात आ जाए कि अगर 34 वाइस चांसलर एप्वांइट हुए हैं, तो उसमें पी0डी0ए0 कितने हैं ? जो वाइस चांसलर एप्वाइंट हुए है, उसमें किसको एप्वाइंट कर रहे हैं, उसकी सूची क्या है ? समय-समय पर लोगों ने आवाज उठायी, लेकिन सच्चाई कभी सामने नहीं आयी। कम से कम सरकार ये बात बतायेगी कि उसकी सूची में सच्चाई क्या है, उसमें पी0डी0ए0 कितना है और अगर एक-एक यूनिवर्सिटी का विवरण सरकार दे दे, तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है ?

अध्यक्ष जी, मुझे सरकार की तरफ से जानकारी मिली है कि अब बच्चे इजरायल तो जाएंगे ही जाएंगे, रशिया और जर्मनी के देशों में भी जाएंगे। अब बच्चों को वार जोन में भेज रहे हैं। यही आपके पास रोजगार के अवसर है। जिस यूनिवर्सिटीज की बात आप कर रहे हैं, वह यूनिवर्सिटीज आखिरकार किसने बनवायीं।

कॉलेज को यूनिवर्सिटीज का दर्जा अगर किसी ने दिया, तो समाजवादी लोगों ने दिया..

(समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मेजें थपथपाई)।

हम चाहते हैं कि 46 में 56 वाली बात भी आ जाए और ये बात भी आ जाए।

अध्यक्ष जी, बिजली विभाग बहुत महत्वपूर्ण है। मैं बहुत सारे विभाग को स्किप कर रहा हूँ। मैं सीधे बिजली विभाग पर आता हूँ। मैंने पहले भी पूछा था और आज सरकार से फिर पूछता हूँ, यह सदन जानना चाहता है कि आखिरकार बिजली के कारखानों के लिए आपने बजट का इंतजाम कितना किया और जो बजट दिया है, उसमें देरी किस बात की है और दिल्ली से कौन सा नया प्लांट आपको मिल गया है ? एटा की जवाहरपुर परियोजना अभी तक चालू क्यों नहीं हुई। समाजवादी सरकार ने हरदुआगंज में शुरुआत कर दी थी, ललितपुर की परियोजना को आगे बढ़ायी, नेवली लिग्नाइट परियोजना को आगे बढ़ायी, इलाहाबाद में परियोजना आगे बढ़ाई और जहाँ भी बिजली बन सकती है और बिजली के कारखाने बनाये जा सकते थे, दिल्ली के सहयोग से और उत्तर प्रदेश सरकार के अपने संसाधनों से उन सबको हमने आगे बढ़ाया। आखिरकार ये सरकार पिछले सात साल से क्या कर रही है ? सात साल

में आपने कौन सा नया प्लांट दिल्ली से लेकर आये है ? अध्यक्ष महोदय, ये सरकार बताए कि बिजली का नया प्लांट दिल्ली से कौन सा लेकर आयी है। अगर एक भी नया पावर प्लांट लाये हों, तो बता दें। जो कैपसिटी बढ़ी है, वह समाजवादी सरकार के समय की बढ़ी हुई है। एक्सप्रेस-वे के बारे में मैं बोल ही चुका हूँ।

अध्यक्ष जी, सात वर्षों से सरकार गड्ढामुक्त सड़कों की बात कर रही है और सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश ऐसा प्रदेश है, जिसमें सबसे अधिक व्यक्तियों की मृत्यु गड्ढे के कारण हुई है ? वर्ष 2022 में हुई है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और कानपुर में हुई है। उत्तर प्रदेश में कुल लगभग दो हजार रोड एक्सीडेंट हो चुके हैं, जिसमें एक हजार से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो चुकी है। तो आखिरकार ये गड्ढे कब भरे जाएंगे ? अगर ये गड्ढे समय से भर दिये जाएंगे, तो लोगों की जान भी बच जायेगी। सरकार का न्यूट्रीशियन मिशन चल रहा था। न्यूट्रीशियन मिशन को इस सरकार ने बिल्कुल बन्द सा कर दिया है।

माननीय अध्यक्ष जी, सरकार ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का सपना देख रही है। अगर आई0एम0आर0 और एम0एम0आर0 के जो पैरामीटर्स हैं, वह बेहतर नहीं होंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ी का कैसा भविष्य होगा ? जब आप वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का सपना देख रहे हैं तो कम से कम हमारे बच्चों का स्वास्थ्य भी बेहतर हो। मैं उन बातों में नहीं जाना चाहता हूँ कि कितने मानक पर कितने बेड हॉस्पिटल में उपलब्ध है ? हॉस्पिटल की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। इतना बजट देने के बाद भी खबरें कंट्रोल नहीं हो पा रही हैं। चाहे वह जिला हॉस्पिटल हो, चाहे मेडिकल कॉलेज हो हर जगह गरीबों को इंतजार करना पड़ रहा है तब जाकर दवाई और इलाज हो पा रहा है। सरकार यह दावा करती है कि हम बीमार लोगों को इतना बजट दे चुके है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहूंगा कि चाहे कम दें, लेकिन गरीब के इलाज के लिए पूरा पैसा दें। यह नहीं कि आपने आधा-अधूरा पैसा दे दिया। आधा-अधूरा पैसा देने से इलाज नहीं होने वाला है।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद, मा0 नेता प्रतिपक्ष।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, दो-तीन बातें और कहूंगा। मैं बहुत देर से आपको देख रहा था। लॉ-एण्ड-ऑर्डर पर तो जीरो टॉरलेंस हो गया है। जीरो टॉरलेंस ही जीरो हो गया। हर दिन हत्या और तमाम घटनायें आ रही हैं। 5 तारीख को इनके ही क्षेत्र के एक पासी बिरादरी के आदमी को मार दिया गया। ऐसी ही घटनाओं का अगर सरकार को आंकड़ा दें तो आंकड़ा यह बताता है कि जीरो टॉरलेंस की इनकी पॉलिसी जीरो हो गयी है। बी0एच0यू0 में, हालांकि वह सेंट्रल यूनिवर्सिटी है, उसमें पी0डी0ए0 मात्र 13 परसेन्ट है, पी0जी0आई0 में, लोहिया इन्स्टीट्यूट में, के0जी0एम0यू0 में पी0डी0ए0 क्या है, मुझे उम्मीद है कि इस बात को सरकार

बताएगी। एक बात अखबारों में पता नहीं कहां से छप गयी या प्रचारित हो गयी। हमारे नेता सदन धर्म की बातों में बड़ा उलझे रहते हैं। कभी किसी ने कहा है कि 'धर्म अमीरों की शान और गरीबों की सिसकियां हैं।' किसी ने यह भी कहा है कि 'धर्म अफीम का गोला है।' हमारे नेता सदन एक कदम और आगे चले गये। उन्होंने राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर जी की कुछ लाइनें पढ़ी थी, पाण्डवों और कौरवों की बात कर दी। मा0 नेता सदन यह तो जानते ही होंगे कि हम भगवान कृष्ण के वंशजों में ही आते हैं। आप कहां खड़े हैं और आपका परिचय क्या है, वह तो आप बेहतर बता सकेंगे ? जो सच्चाई है, उस सच्चाई से कोई पीछे नहीं हट सकता है। मैंने हमेशा कहा है और फिर कहता हूँ कि भगवान विष्णु के सब अवतारों को मैं मानता हूँ। राम में कृष्ण देखता हूं, कृष्ण में राम देखता हूँ। हमारे लिए जो राम है, वही कृष्ण है, जो कृष्ण हैं वही राम हैं। अगर आपके अलग हों तो बता दीजिए ? हम तो पाण्डव पक्ष के लोग है। स्वामी विवेकानन्द जी को क्यों भूल जाते है ? उनके पहले दिन की स्पीच के बारे में बहुत लिखा और बोला गया है। उन्होंने जो कहा है, मैं उनकी स्पीच का ही कोड कर रहा हूँ कि-

''आई एम प्राउड टू बिलांग टू रिलीजन व्हीच हैज टॉट दि वर्ल्ड बोथ टॉलरेंस एण्ड यूनिवर्सल एक्सेप्टेंस। वी बिलीव नॉट ओनली इन यूनिवर्सल टॉलरेशन बट वी एक्सेप्ट ऑल रिलीजियस एज टू आई एम प्राउड टू बिलांग टू अ नेशन। व्हीज हैज शैल्टर्ड दि प्रिसिक्यूटेड एण्ड दि रिफ्यूजीज ऑफ ऑल रिलीजन एण्ड ऑल नेशन्स ऑफ दि अर्थ।''

मान्यवर, तो सोचिए आप कि स्वामी विवेकानंद जी क्या कह रहे है मुझे ऐसे धर्म से होने पर गर्व है जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकार्यता होना दोनो दिखाई। तो जब हम स्वामी विवेकानंद जी को कोट कर रहे हैं जिन्होंने कहा हो यूनिवर्सल एक्सेप्टेन्स और टॉलरेन्स की बात कही हो। यहीं हमारा सच्चा धर्म है। लेकिन इनका रास्ता पता नही कौन सा है। मैं अपनी बात खत्म करते हुए कहना चाहता हूँ कि देखिए बातें तो बहुत हैं महंगाई की बहुत बड़ी बात है।

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर, अभी 15 मिनट और ले लीजिए बहुत बातें कहने को हैं।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, अब देखिए यह इतने सीनियर मा0 सदस्य हैं और अयोध्या के भी हैं तो अगर यह कह रहे हैं तो यह बात तो कहनी ही चाहिए कि चलो इस बहाने अयोध्या में जो काम किये हैं वह भी थोड़े बहुत बता दें।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद सर यह लोग जबरदस्ती आपको पीछे से उकसाते रहेंगे जो पर्चा भेज रहे हैं। आप स्वयं विद्वान हैं।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, नहीं नहीं ऐसा नहीं है। मैं आपकी लाइट का सम्मान करता हूँ अभी तो महंगाई पर मैंने नहीं बोला। महंगाई पर इसलिए नहीं बोला कि चावल के दाम क्या थे 2017 में और आज क्या है। गेहूँ का दाम क्या था और आज क्या है, लहसुन का पहले दाम क्या था और आज क्या है। अरहर दाल का दाम पहले क्या था और आज क्या है। सरसों के तेल का दाम पहले क्या था और आज क्या है। दूध का प्रति लीटर दाम पहले क्या था और आज क्या है। तो महंगाई आखिरकार क्या है, क्यों सरकार मुनाफा कमाने दे रही है। सबसे पहले मैंने जो अपने गवर्नर स्पीच में कहा था वह बात मैं थोड़ी सी दोहरा देता हूँ क्योंकि पता नहीं सरकार जो सुनती है वही करती नहीं है। अयोध्या में विकास के नाम पर लोगों के मकान, दुकान, जमीन ले ली गई है और इस पुण्य काम में क्या उन लोगों को सही मुआवजा नही मिलना चाहिए था। अयोध्या के लोगों के रोते हुए दुखी परेशान हाल में उनकी बातों के वीडियो आये हैं। वह वीडियो आज सोशल मीडिया में दुनिया ने देखे थे और वह लोग व्यक्तिगत रूप से मुझे मिले थे और मुझे याद है कि कुछ परिवार सरयू नदी में खड़े होकर के और अपने जनेऊ की कसम खा कर के कह रहे थे कि हमें जो मुआवजा मिलना चाहिए था वह मुआवजा सरकार ने हमें नहीं दिया। क्या व्यापारी इस बात को लेकर के दुःखी नही है कि बरसों से उनकी जो दुकानें चल रही थीं वह बहेटा, मांझा अमथरा, में लोगों की जमीने सब ले ली गई हैं क्या मुआवजा सही दिया गया है। क्या अयोध्या में जमीनों को लेकर के लूट नहीं चल रही है। रामपथ निर्माण में मुआवजा देने में अधिकारियों ने पूरी लूट की। अधिकारियों ने प्रभु श्रीराम की प्रजा का शोषण किया। अगर यह बात आपको कहीं भी लग रही हो कि यह बात नही सही है तो अध्यक्ष महोदय मैं सरकार से कहूंगा कि अयोध्या के जमीनों की सारी रजिस्ट्री सरकार सार्वजनिक करें। सार्वजनिक क्यों नही कर रही है। आखिरकार सार्वजनिक क्यों नही कर रही है। फिर जो समाजवादियों ने वहां पर काम किये थे जहां पर एक ऑडिटोरियम बनाया था भजन स्थल अध्यक्ष महोदय आज भी आज जानकारी कर लें और कल की भी आप जानकारी कर लें।

श्री अध्यक्ष-

कल चलिए देख आते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, जब समय था बुलाने का तो इनविटेशन आप पर भी नही था।

श्री अध्यक्ष-

लेकिन मैं बुला रहा हूँ कल चलिए।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, यहां तो कम से कम आप रेड कलर के चेयर पर बैठे है हमारे नेता सदन तो रेड कारपेट पर दिखे ही नहीं। फिर आप तो आप हो अध्यक्ष महोदय कार्ड तो यह भी नही बाँट पाये। तो इन्होंने एक और बात कहीं थी देखिए भगवान श्री राम की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति अगर कहीं लगेगी तो भगवान श्री राम जी की लगेगी। तो कम से कम नेता सदन आज बतायें क्योंकि अगर स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की आप बात कर रहे हैं आप सरदार की प्रतिमा की बात कर रहे हैं और अगर आप दोनों से बड़ी लगा रहे हैं तो आपको आज ही तैयारी करनी पड़ेगी। अगर आज आपने तैयारी नहीं की तो कल आप नहीं लगा पायेंगे। इसलिये क्या सरकार ने और नेता सदन ने वह तैयारी कर ली। मा0 अध्यक्ष महोदय, अपनी बात समाप्त करते हुये मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि आप जो जाने की बात कह रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

मैंने नहीं कहा। मैंने ऐसे ही इन्विटेशन दिया है, आप चलिये न चलिये यह आप पर निर्भर है।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, भगवान शिव की पूजा करके हम लोग जरूर जायेंगे और परिवार के साथ जायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

आप मुझे भी उस दिन बुला लीजियेगा।

श्री अखिलेश यादव-

जब भगवान बुलायेंगे तब जायेंगे। आपके बुलाने पर नहीं जायेंगे, भगवान बुलायेंगे तब जायेंगे। बहुत लम्बा चौड़ा न जाने कौन-सा हिसाब-किताब रखा है। मैंने शुरू में जो बात कही थी कि सरकार अगर इतना बजट दे रही है तो खर्च क्यों नहीं कर पा रही है ? सरकार बजट खर्च क्यों नहीं कर पा रही है, इसका जवाब सरकार की तरफ से आना चाहिये और जिस तरीके से किसान दुःखी है, नौजवानों के पास नौकरी नहीं है और अभी तक 40 लाख करोड़ का इनवेस्टमेंट जमीन पर नहीं पहुँच पाया है, उसके लिये भी यह रेड कारपेट बिछाकर तैयारी कर रहे है। अब मैंने बोल दिया है तो हो सकता है कि कहीं बराबर में कोई जगह मिल जाये। मा0 अध्यक्ष महोदय, मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि यह बातें मुझे नहीं कहनी चाहिये। जो पीछे चले वही अच्छा, क्यों हम उसको बराबर में ले आयें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मा0 नेता विरोधी दल, धन्यवाद । आपने बहुत कृपापूर्वक यह कहा कि आप मेरे साथ राम मन्दिर नहीं चलेंगे, लेकिन मैं आपसे वायदा करता हूँ कि जब आप जायेंगे और अगर मुझे बुलायेंगे तो मैं आपके साथ जरूर चलूँगा। मा0 नेता सदन।

श्री रघुराज प्रताप सिंह-

मान्यवर, हमें और मा0 उमाशंकर जी को बोलने का अवसर नहीं मिला है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने सोचा कि आप लोग बोल चुके हैं। ठीक है, आप लोग दो-दो मिनट बोल लीजिये।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष महोदय, मा0 सदस्य श्री ओउ्मवेश जी थोड़ा दुःखी हैं। आप कभी किसी को दुःखी नहीं करते हैं। मा0 स्वामी जी अच्छे इंसान हैं। आप मा0 स्वामी जी की पर्सनालिटी देखिये।

श्री अध्यक्ष-

वह पर्सनालिटी थोड़े ही है वह पर्सनाल्टा है।

(सदन में हँसी)

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 स्वामी जी की पर्सनालिटी के सामने हर पर्सनालिटी फीकी है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 स्वामी जी, मैं आपको कभी भी दुःखी नहीं कर सकता। मेरा एक निवेदन है कि जिस समय अध्यक्ष पीठ के ऊपर बैठे होते हैं तो अध्यक्ष पीठ की बहुत सारी बाध्यतायें होती हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से आपका सम्मान करता हूँ और करता रहूँगा, ऐसा मैं आपसे वायदा करता हूँ। अगर आपको मेरी किसी बात से दुःख हुआ है तो आपसे क्षमा माँगने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

मान्यवर, मैंने तो यह कहा था कि आप मुझे एक ही मिनट दे दें।

श्री अध्यक्ष-

मा0 स्वामी जी, एक-एक मिनट करके तो 403 मिनट हो जाते हैं।

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं यह कह रहा था कि मुझसे पहले कई लोगों ने आपसे जबरदस्ती टाइम ले लिया जबकि उनका नाम भी नहीं था।

श्री अध्यक्ष-

आपके पड़ोस में जो लोग बैठे है वही लोग जबरदस्ती कर रहे हैं।

श्री स्वामी ओउमवेश-

मान्यवर, इसलिये मैंने भी सोचा कि मैं भी निवेदन कर लूँ और अपनी एक माँग रख लूँ। मा0 अध्यक्ष जी, मैं यह कह रहा था कि चांदपुर से बास्टा की सड़क के लिये आपने निर्देश दिया था और मा0 मंत्री जी ने भी उस पर अपनी सहमति दी थी तो मैं चाहता हूँ कि वह सड़क बनवा दी जाये।

श्री अध्यक्ष-

मा0 स्वामी जी, आप तो इन सबसे ऊपर हो, आप कहाँ इनके चक्कर पड़े हो। इस समय वह विषय नहीं है, नहीं तो मामला भटक जायेगा। आप मेरे साथ कल अयोध्या चलिये। आप प्लीज बैठ जाईये। मैंने सोचा था कि मा0 राजा भईया और मा0 उमाशंकर जी बोल चुके हैं, लेकिन सब लोगों ने बताया कि उन्होंने अभी नहीं बोला है तो उनसे मेरा निवेदन है चूँकि मा0 मुख्य मंत्री को जाना है इसलिये वह दो-दो मिनट बोल लें।

***श्री उमाशंकर सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, अगर मा0 मुख्य मंत्री जी के पास समय का अभाव है तो कोई बात नहीं है। चूँकि अभी आदरणीय नेता प्रतिपक्ष ने इस बात का जिक्र किया कि आप इतना भारी बजट लेकर आते है, इतना बड़ा बजट लेकर आते हैं लेकिन उसे खर्च नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कुछ विभागों को चिन्हित भी किया है। निश्चित रूप से यह बड़ा ही चिन्ता का विषय है कि जब वित्त विभाग सभी विभागों के विभागाध्यक्षों के द्वारा की गयी डिमाण्ड को कंपाईल करके बजट को एलोकेट करता है, तो यह माना जाता है कि हम इन-इन विभागों का ऐसा-ऐसा रेशियो रखेंगे, तो यह विभाग एक साल में खर्च कर सकते हैं। लेकिन खेद तब होता है जब यह हाउस उस बजट को पास भी करता है और वह विभाग उस बजट को खर्च नहीं कर पाते हैं। यह चिन्ता का विषय जरूर बनता है। मेरा आपके माध्यम से मा0 वित्त मंत्री जी से एक आग्रह है, सुझाव है कि आप जब बजट एलोकेट कर रहे हैं तो इसके साथ-साथ बहुत सारे ऐसे विभाग हैं जो अपना बजट समय से खर्च कर देते है और आप उन्हें सप्लीमेंटरी में भी बजट देते हैं। ऐसे विभागों की प्रशंसा होनी चाहिए, जिससे यह लगे कि हां जो जिम्मेदारी दी गयी है वह पूरी की गयी है। लेकिन उन विभागों को भी चिन्हित करना चाहिए, चिन्हित करके उनकी जिम्मेदारी तय करनी चाहिए जो सरकार द्वारा दिए गये बजट को एक साल में समय से खत्म नहीं कर पाते हैं। मुझे लगता है कि इसके लिए वित्त मंत्री जी को एक सेल बनानी चाहिए जो उन विभागों को दिए गए बजट की मॉनीटरिंग करें। मान लीजिए विपक्ष के लोग उन विभागों का जिक्र करें कि इनके द्वारा इतना बजट खर्च हुआ है तो इसका कोई सॉल्यूशन नहीं है। यह वित्त मंत्री जी की जिम्मेदारी है कि हर महीने एलोकेट किए गये बजट की मॉनीटरिंग करें और

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

देखें कि कौन विभाग किस रेशियो में पीछे जा रहा है और उसकी जवाबदेही तय करें, तब जाकर सरकार जिस सोच के साथ बजट लाती है वह पूरा हो पाएगा।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, धन्यवाद।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, बस एक मिनट और लेंगे। मेरा आग्रह है कि पूर्वांचल विकास निधि और बुन्देलखण्ड विकास निधि को लेकर जिस रेशियो में बजट बढ़ता है उस रेशियो में इन दो मदों में वृद्धि नहीं होती है। कहना चाहूँगा कि अगर कहीं से बचत हो सके तो इन दो मदों में इन दो जगहों का कायाकल्प हो सके। आदरणीय मुख्य मंत्री जी बैठे कहना चाहूँगा कि जो पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे निकल रहा है वह सुल्तानपुर होकर जाता है और बनारस का जो रास्ता है वह भी सुल्तानपुर होकर ही जाता है। इसको देखते हुए हम पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से लिंक एक अन्य एक्सप्रेस-वे का निर्माण कर सकते है जो कि वाराणसी से अयोध्या को जोड़ सकता है। अगर यह दोनों एक्सप्रेस-वे जुड़ जायेंगे तो मुझे लगता है कि उत्तर प्रदेश के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं समझ सकता हूँ कि मा0 मुख्य मंत्री जी को 03:30 बजे बोलना है और कहीं आउट ऑफ स्टेशन भी जाने का प्रोग्राम है। मैं मा0 वित्त मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि पिछली बार आग्रह पर नेता सदन मा0 मुख्य मंत्री जी ने हम लोगों की विधायक निधि बढ़ा दी थी। लेकिन इसको लेकर कई बार हम और राजा भैया बैठकों में बात करते हैं, उसमें जो हमारा 18 प्रतिशत, हम 5 करोड़ रुपये का प्रस्ताव नहीं करते हैं, हम उसमें लगभग 4 करोड़ 10 लाख रुपये का प्रस्ताव करते हैं। हम बहुत सारी मदों में एगजम्शन दे रहे हैं। इसलिए आपकी बड़ी कृपा होगी क्योंकि यहां पर देने वाले दाता उपस्थित हैं, यह बात हम सबकी तरफ से थी कि इसमें अगर जी0एस0टी0 का एग्जम्शन हो जाता तो हम सबको तोहफा मिल जाता, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री रघुराज प्रताप सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, बजट पर बोलने का आपने अवसर दिया इसके लिए आभार। श्रीमन् हमारे सदन की कार्यवाही पूरे देश में यहां तक विदेशों मे भी देखी जाती है। लाइव टेलिकास्ट हो रहा है। कुछ बाते यहां पर गलत कही गयी हैं। सत्य से परे हैं और आधी-अधूरी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बातें की गयी हैं। जिससे बाहर भ्रम और भ्रान्ति वाली स्थिति भी बनती है। श्रीमन जैसा कि हमने महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में कहा था कि प्रभु श्री राम की चर्चा सर्वाधिक हुई, बहुत अच्छी बात है। डा0 लोहिया को मानने वाले लोग भी यह मानेंगे कि डा0 लोहिया जन सामान्य को भगवान श्री राम के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष रामायण मेले का आयोजन किया करते थे। डा0 लोहिया का ही यह बयान था कि बाबर, गौरी, गजनी, औरंगजेब लुटेरे थे। रसखान और रहीम हमारे पूर्वज। श्रीमन् यहां पर यह बात इसलिए कहना आवश्यक हो रही है क्योंकि पिछले कई दिनों से माहौल बिगाड़ने का प्रयास हो रहा है। हल्द्वानी तक का उदाहरण इस हाउस में दिया गया। सरकार अपनी जगह पर पूरा प्रयास करती है कि हमारे राज्य मे कोई उपद्रव, अशान्ति न हो। लेकिन कहीं न कहीं यह आभास हो रहा है कि माहौल खराब करने का प्रयास हो रहा है। बात की गयी श्री राम जन्म भूमि की। साक्षात श्री राम भगवान ने अवतार लिया। काशी नगरी जो भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी हुई है। ''जासु नाम बल संकर कासी, देत सबहि सम गति अबिनासी।'' भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि, दीवार के ऊपर शिखर तोड़ कर गुम्बद बना देना यह गंगा जमुनी तहजीब नहीं होती है। वह आक्रान्ताओं द्वारा तोड़ा गया। एक और भ्रम फैलाया जा रहा है जो व्यास जी की गुफा मे पूजा हो रही है। वह पूजा अनवरत सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। यह बात बाहर जानी चाहिए। इस पर सन् 1993 में स्थानीय प्रशासन ने रोक लगाई। इसकी पूजा में किसी न्यायालय ने रोक नहीं लगाई। इस सदन के माध्यम से हम उन पुजारी को भी प्रणाम करेंगे जिन्होंने 31 वर्ष चाबी सम्भाल कर रखी कि एक न एक दिन ऐसी सरकार आयेगी कि यह ताला खुलेगा।

अल्लामा इकबाल, फिर वही होता है कि आधा-अधूरा बोल दिया। मान्यवर, पूरा बोलना चाहिए। अल्लामा इकबाल पहले व्यक्ति थे जिन्होंने कहा कि हिन्दू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। पाकिस्तान के आइडियोलॉजिकल फॉदर ने कहा कि मुस्लिमों को अलग देश चाहिए। जिन्ना को रास्ता बताने वाले, जिन्ना को उकसाने वाले और पाकिस्तान के पक्ष में भारत के मुसलमानों ने वोटिंग की जिसमे 98 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हिन्दू और मुस्लिम साथ-साथ नहीं रह सकते। इस बात को लेकर बंटवारा हुआ। सारे जहां से अच्छा जो कविता सुनाई गयी वह अधूरी है, दो पंक्ति उसकी हम भी सुना दे रहे हैं। ''ए आब ए रुद ए गंगा वो दिन है याद तुझको उतरा तेरे किनारे जब कारवां हमारा'' गंगा के वो मैदान तुमको याद है जब हमारा कारवां उधर से आक्रान्ताओं का कारवां आया था। ''ए आब ए रुद ए गंगा वो दिन है याद तुझको गंगा उतरा तेरे किनारे जब कारवां हमारा, चीन और अरब हमारा हिन्दोस्तां हमारा, मुस्लिम हैं हम वतन है सारा जहां हमारा'' ये तराना ऐ मिल्ली की पंक्तियां हैं। अल्लामा इकबाल ने 1910 में लिखी थी। ''हम ही धर्मार्थ क्या दहते रहेंगे, सभी कुछ मौन हो सहते रहेंगे, कि देंगे धर्म को बल अन्य जन भी, तजेंगे क्रूरता-छल अन्न जन भी।'' श्रीमन् हिन्दू तो सर्व समावेशी है। किसको यहां पर आश्रय नहीं मिला। जो भी संकट मे आया उसको हमने अपनाया। कभी किसी को हमने नहीं कहा कि हम मुसलमान के साथ नहीं रहेंगे। उल्टा जब

बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ पाकिस्तान बना। जो मुस्लिम वहां जा रहे थे। हिन्दुओं ने उनको रोकने का काम किया कि आप रहिये, हमारे साथ भाई-भाई बनकर रहिए। श्रीमन् इस संवेदनशीलता को रसखान जी, अब्दुल रहीम खान खाना इनके आदर्शों पर चलेंगे तो तब अच्छा वातावरण बनेगा। अगर बाबर और औरंगजेब का अनुसरण करेंगे तब तो शांति की कोई गारंटी नहीं है। मैं पुनः बधाई देता हूँ इस बजट का समर्थन करता हूँ और मा0 योगी जी की सरकार को बधाई देता हूँ और यह हम लोगों व इस पीढ़ी का सौभाग्य है कि अपने जीवन काल में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में जाने का सौभाग्य मिला मेरा यह भी मानना है कि आदि शंकराचार्य के बाद अगर कोई इस सनातन उत्थान और हिन्दू उत्थान का कार्य कर रहा है तो वह श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी हैं। मा0 अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मुख्य मंत्री जी।

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

अध्यक्ष जी, मैं आभारी हूँ आपका कि आपने वर्ष 2024-25 के देश की सबसे बड़ी आबादी उत्तर प्रदेश के बजट पर जिस पर पिछले तीन दिनों से मा0 सदस्यों के द्वारा रचनात्मक सुझाव दिये गये हैं। इस पूरे बजट भाषण में मा0 सदस्यों की बातों को रखते हुए मुझे सदन में अपनी बात को रखने का अवसर दिया है। मैं बजट पर अपनी बात रखने से पहले देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को और पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव जी को और प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम0एस0 स्वामीनाथन जी को और इससे पूर्व स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी को और मा0 लाल कृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के फैसले का हृदय से अभिनंदन करते हुए इन सभी फैसलों का अभिनंदन भी करता हूँ और आभार भी व्यक्त करता हूँ। चौधरी साहब का सम्बन्ध उत्तर प्रदेश से था और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में भी और देश के प्रधानमंत्री के रूप में भी करोड़ों किसानों की आवाज को उन्होंने जो बुलंदी दी सचमुच चौधरी साहब का सम्मान देश के कोटि-कोटि अन्नदाता किसानों का सम्मान है और चौधरी साहब की स्मृतियों को यह एक नमन भी और विनम्र श्रद्धांजलि भी है। चौधरी साहब का आंकलन उन्होंने जो सुधार के कार्य प्रदेश में मुख्य मंत्री के रूप में और देश में प्रधानमंत्री के रूप में किये थे।

चौधरी साहब ने जो सुधार के कार्य प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में और देश में प्रधानमंत्री के रूप में किये थे वह अविस्मरणीय हैं। आज हमें जो कुछ सुधार राजस्व में देखने को मिलता है वह चौधरी साहब की देन है। एक गरीब को उसका अधिकार मिल पा रहा है तो वह चौधरी साहब की देन है। आज किसानों की आवाज को हर मंच पर तवज्जो दी जा रही है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी जी के आने के बाद किसान सरकार के एजेण्डे का हिस्सा

बना है यह भी चौधरी साहब की देन है। इन सभी नेताओं और अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े हुये विशेषज्ञों ने देश को एक पहचान दी और उनके लिए भारत रत्न सर्वथा उपयुक्त सम्मान है। मैं सोचता था कि बजट भाषण में जब किसानों की बात आयेगी तो नेता विरोधी दल चौधरी साहब का स्मरण अवश्य करेंगे, लेकिन ''बिगड़ी बात बनी नहीं, लाख करो किन कोय, रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय।'' आज उनकी स्थिति यह हो चुकी है कि कोई साथ में आने को तैयार ही नहीं है। सबको मालूम है कि कहाँ किसको धोखा दे दें। कम से कम इन चीजों का उल्लेख करना चाहिये था और यह सदन की प्रोसीडिंग का हिस्सा बनना चाहिये था। चौधरी साहब का सम्मान किसानों का सम्मान है और उत्तर प्रदेश का सम्मान है इसलिये बजट के अन्दर जब अन्नदाता किसानों की चर्चा हो रही है तो कम से कम इन चीजों का उल्लेख कर देते तो अच्छा रहता क्योंकि मुझे लगता है कि इसमें सम्मान बढ़ता। मैं धन्यवाद दूँगा उन सभी माननीय सदस्यों को जिन्होंने चर्चा में भाग लिया। सत्तापक्ष और विपक्ष के 93 माननीय सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया है और उन्होंने इस चर्चा में भाग लेकर इसे और रचनात्मक बनाया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा में इतनी गम्भीर चर्चा हो सकती है, देर रात्रि तक सदन चल सकता है यह देश भी देख रहा है और दुनिया भी देख रही है। सबने इस बात को देखा है और सभी माननीय सदस्यों ने बड़ी रुचि के साथ देर रात्रि तक सदन में रहकर भाग लिया है। सभी 93 माननीय सदस्यों ने पूरी चर्चा में भाग लेकर इसे एक नई ऊँचाईयाँ दी हैं जिसके लिए मैं उन सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

महोदय, जब 2017 में हमने अपना पहला बजट प्रस्तुत किया था तब भी हम लोगों ने इस बात को कहा था कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम को साक्षी मानकर हम लोग अपना बजट प्रस्तुत कर रहे हैं और यह हमारा सौभाग्य है कि आज जब मेरी सरकार ने अपना आठवां बजट प्रस्तुत किया है तब अयोध्या में प्रभु रामलला का भव्य, दिव्य और नव्य मन्दिर बनकर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम के साथ सम्पन्न हो चुका, और रामलला वहाँ विराजमान हो चुके हैं। आजादी के बाद से लेकर वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश की कुल जी0डी0पी0 12 और 13 लाख करोड़ के बीच में थी । यानी जितना उत्तर प्रदेश की इकानॉमी को पहुंचने में 70 वर्ष लगे, कोरोना जैसी महामारी का सफलतापूर्वक सामना करने के बावजूद मात्र 07 वर्ष में हमने उत्तर प्रदेश की जी0डी0पी0 को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की। उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की और यही नहीं जब हम 2017 में थे तो आबादी में उत्तर प्रदेश देश का नम्बर एक का राज्य था लेकिन अर्थव्यवस्था में देश की छठी अर्थव्यवस्था के रूप में गिना जाता था। लेकिन आज जब हम वर्ष 2024-25 के बजट पर चर्चा कर रहे हैं तब मैं कह सकता हूँ कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश की नम्बर-2 की अर्थव्यवस्था बन चुकी है। देश की जी0डी0पी0 में हमारा शेयर बढ़ा है। देश की 16 फीसदी आबादी उत्तर प्रदेश में रहती है लेकिन देश के विकास में मुश्किल से 8 फीसदी भी योगदान नहीं कर पाता था और आज मैं कह सकता हूँ कि उत्तर प्रदेश 9.2 फीसदी भारत की

अर्थव्यवस्था में योगदान कर रहा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम इस वर्ष इसको बढ़ाकर 10 फीसदी तक पहुंचायें और अगले पांच वर्ष में अपनी आबादी के बराबर तो हम कम से कम भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें। इस दौरान हमने उत्तर प्रदेश को एक बीमारु राज्य से भी उबारा है। नेता प्रतिपक्ष को बहुत सारी चीजों पर चिढ़ थी कि यह सब क्यों कर दिया। आज यह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है बीमारु उत्तर प्रदेश नहीं है और यह सात वर्ष में बिना कोई टैक्स लगाये हुआ है। जनता जनार्दन पर कोई टैक्स नहीं लगा। मण्डी शुल्क को आधा किया गया। डीजल, पेट्रोल की दर देश में सबसे कम उत्तर प्रदेश में है। इसके पीछे रामराज्य की यही अवधारणा है। जो प्रभु राम भरत जी से कहते हैं उन्होंने कहा था, ''बरसत हरसत सब लखे करसत लखे न कोय तुलसी प्रजा सुभाग से भूप भानु सो होय''। इन पंक्तियों का अर्थ भी समझा देता हूँ। जैसे सूर्य समुद्र, नदी, तालाब से पानी लेता है लेकिन किसी को पता नहीं चलता, परंतु जब वह बादल के रूप में वर्षा करता है तो सबको पता चलता है और सभी जगह समान रूप से बरसता है। तो यही स्थिति बजट की भी है। इस लोक कल्याणकारी और लोकमंगल के बजट की भी है।

सात वर्ष में अतिरिक्त टैक्स नहीं लगा। मण्डी शुल्क कम किया गया, डीजल, पेट्रोल के वेट के दाम को कम किया गया लेकिन जब प्रदेश के कल्याण के लिए, प्रदेश के लिए जो बजट प्रस्तुत किया गया है उसमें बिना भेदभाव के प्रदेश के अन्दर सभी 75 जनपदों को ध्यान में रखकर यह सब किया गया है। लोकमंगल के रामराज्य की अवधारणा पर आधारित है। महोदय, हम यहां पर यह करने में इसलिये सफल हुये क्योंकि हमने कर चोरी को नियंत्रित किया। राजस्व की लीकेज को रोका और प्रदेश के सीडी रेशियो को हमने बेहतर किया। 2017 के पहले अगर प्रदेश में 100 रुपया जमा होता था तो मात्र 44 रुपया ही प्रदेश के उद्यमी, व्यापारी और युवकों को अपने रोजगार के लिए अपने आत्मनिर्भरता के लिए कोई कार्य प्रारम्भ करना है, स्वरोजगार के लिए कोई कार्य प्रारम्भ करना है, मिल पाता था। मान्यवर, पिछले 7 वर्ष में जो प्रयास प्रारम्भ हुए आज उसका परिणाम है कि हम इसको 57-58 फीसदी तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। यह एक बेहतर अर्थव्यवस्था की ओर हम सबका ध्यान आकर्षित करता है।

डिजिटल लेन-देन ने प्रदेश के अन्दर एक बेहतर प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया है और हम इसकी रफ्तार पिछले पांच वर्ष में दोगुनी करने में सफल हुए है। डिजिटल लेन-देन में देश के अन्दर उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर है। मैं जब उत्तर प्रदेश को नम्बर एक पर लाने की बात करता हूँ तो इसमें भी नेता विरोधी दल को परेशानी होती है कि उत्तर प्रदेश नम्बर एक क्यों हो गया है। इस साल यह संख्या बढ़कर 1174 करोड़ 32 लाख हो गयी है। यानी आधे से अधिक लेन-देन आज इस प्रदेश में यू0पी0आई0 के माध्यम से हो रहा है। डिजिटल बैंकिंग की आसान पहुंच आज गांवों में इण्टरनेट के माध्यम से, वित्तीय जागरुकता के माध्यम से बन चुका है और डी0बी0टी0 के माध्यम से प्रदेश में न केवल कोरोना काल खण्ड में बेहतर सफलता प्राप्त की

थी, आज भी सफलतापूर्वक हर लाभार्थी तक पैसा सीधे पहुंच रहा है। महोदय, डी0बी0टी0 के माध्यम से आज 11 विभागों के द्वारा प्रदेश में जिन सेवाओं को पहुंचाया गया है उसमें हमें 62 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन के माध्यम से 70 हजार करोड़ रुपये डी0बी0टी0 के माध्यम से प्रदेश की गरीब जनता तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त हुई है। जहां तक प्रदेश के अन्दर बैकिंग सेवाओं का प्रश्न है तो हम सब जानते हैं कि बैकिंग सेवा अर्थव्यवस्था की बैकबोन होती है। निवेश के लिए ऋण और बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए एक स्पीड का काम करती है। इस दृष्टि से आज उत्तर प्रदेश एक अग्रणी राज्य बन चुका है। प्रदेश में बैकिंग व्यवसाय वर्ष 2016-17 में लगभग 12-13 लाख करोड़ के आस-पास था। आज वह बढ़कर लगभग 26 लाख करोड़ हो चुका है। प्रदेश में 19 हजार 705 बैंक की शाखाएं हैं लेकिन 2 लाख 28 हजार से अधिक बैंकिंग कारस्पांडेंट और बैंकिंग कारस्पांडेंट सखी प्रदेश के अन्दर आज बेहतर सेवाएं हर गांवों और हर कस्बे में उपलब्ध करवाने का कार्य कर रही हैं। आज इस बात को आर0बी0आई0 की बुलेटिन भी प्रदर्शित करते हैं कि बैंक और वित्तीय संस्थाओं से प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग के लिए फण्ड आकर्षित करने में 16 फीसदी से अधिक, जो इंवेस्टमेंट की हिस्सेदारी है वह आज उत्तर प्रदेश है जो देश के अन्दर शीर्ष स्थान पर है। प्रधानमंत्री जनधन योजना में 9 नम्बर एक पर है और इनमें से आधे खाते महिलाओं के हैं। पी0एम0 स्वनिधि योजना में 17 लाख से अधिक रेहड़ी पटरी व्यवसायी लाभान्वित हो रहे हैं, जो देश में नम्बर एक पर है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 5 करोड़ 55 लाख लाभार्थियों के साथ उत्तर प्रदेश देश में नम्बर एक पर है। आई0टी0आर0 फाइल करने में यानी आयकर रिटर्न भरने में उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। जून, 2014 में 1 लाख 65 हजार आयकर रिटर्न उत्तर प्रदेश में फाइल होते थे और जून, 2023 में यह बढ़कर लगभग 12 लाख हुए हैं। यह दिखाता है कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है और वह आई0टी0आर0 भरने के लिए स्वतः स्फूर्ति भाव के साथ तैयार हुआ है। अगर हम राष्ट्रीय फलक पर देखेंगे तो वर्ष 2022-23 की तुलना में राष्ट्रीय आर्थिक विकास की दर 7.2 प्रतिशत रही है जबकि प्रदेश की इस दौरान अगर हम करेंट प्राइज में देखेंगे तो 14.3 प्रतिशत की दर से, उत्तर प्रदेश की विकास दर देश के अन्दर रही है।

महोदय, प्रदेश के अन्दर जो हमारी बेरोजगारी की दर अगर वर्ष 2017 के पहले देखें तो यह 19 फीसदी से अधिक थी और आज 2.4 फीसदी है यानी ये चीजें दिखाती हैं कि यहां पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं और पिछली बार भी महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देते हुए मैंने कहा था कि उत्तर प्रदेश में निवेश का एक जो बेहतर माहौल बना है उसी का परिणाम है कि 19 फरवरी, 2024 को हम लोग प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग का कार्यक्रम भी लखनऊ में आयोजित करने जा रहे हैं। महोदय, पोटेंशियल उत्तर प्रदेश में था, इसकी क्षमता उत्तर प्रदेश में थी, यहां का युवा उस प्रतिभा से लैस था, उसकी आकांक्षा भी थी लेकिन कुछ करने की

जिजीविषा स्टेट की लीडरशिप में नहीं थी। उसकी सोच नहीं थी, उसका विजन नहीं था, कर्महीनता की स्थिति थी, नीतिगत जड़ता थी और प्राथमिकता विकास नहीं था, किसान नहीं था, युवा नहीं था, महिलाएं नहीं थीं, गरीब नहीं था उनकी अपनी प्राथमिकताएं थीं और उन्हीं प्राथमिकताओं को लेकर तुलसीदास जी ने एक बात कही,

''सकल पदारथ एहि जग माहीं। कर्महीन नर पावत नाहीं।।''

इन्हीं के लिए कहा है, इसी कर्महीनता और अकर्मण्यता के लिए कहा है। महोदय, अगर प्रदेश के अन्दर वर्ष 2024-25 के बजट को देखें तो कुल जो हमारी प्राप्तियां हैं वह 07 लाख 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की है जिसे हमने यहां पर अनुमानित किया है। जिनमें से 06 लाख 06 हजार करोड़ से अधिक की जो राजस्व प्राप्तियां तथा 1 लाख 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जो पूंजीगत प्राप्तियां हैं उन्हें हम लोगों ने सम्मिलित किया है। इस बजट की जो सबसे बड़ी है वह यह होगी कि 02 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जो हमारा कैपिटल एक्सपेंडीचर है वह उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यहां की इकोनॉमी को एक नई दिशा देने वाला साबित होगा। यह डेवलेपमेंट का आधार बनता है। विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को यह साकार करने वाला बनेगा। इतने बड़े बजट को प्रस्तुत करने के साथ ही उत्तर प्रदेश ने यह साबित किया है कि अपने बेहतर राजकोषीय प्रबंधन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक बेहतर दिशा में अग्रसर कर सकते हैं और राजकोषीय अनुशासन को बनाये रख सकते हैं। एफ0आर0बी0एम0 की उत्तर प्रदेश की जो सीमा देश के अन्दर 3.5 प्रतिशत तय की गयी है, उत्तर प्रदेश का यह बजट अपने राजकोषीय अनुशासन का पालन करते हुए 3.46 प्रतिशत में इन सभी चीजों को अपने अन्दर समाहित करता है।

महोदय, इस बजट में अन्य जो तमाम बाते हैं उन सभी पर अगर हम एक-एक करके चर्चा करेंगे, खासतौर पर कृषि की जब बात आती है तो प्रदेश में हम लोगों ने इस बजट में तमाम सेक्टर के लिए बजट की व्यवस्था की है। जब मा0 नेता विरोधी दल अपनी बात कर रहे थे तो मुझे आश्चर्य हो रहा था कि वे दिसम्बर, 2023 के आंकड़ों को सदन में प्रस्तुत कर रहे थे।

31 मार्च, 2024 तक अभी पुराना बजट चलेगा और 31 मार्च तक उस बजट को खर्च होना है। जो बजट आज हम प्रस्तुत करने जा रहे हैं, 01 अप्रैल से यह लागू होगा। कम से कम इतनी जानकारी आपको होनी चाहिए, 05 साल तक प्रदेश ने आपको यहाँ देखा है, झेला है तो स्वाभाविक रूप से इतना तो आपको पता रहना ही चाहिए कि यह बजट आज के लिए नहीं तय हो रहा है, यह पहली अप्रैल से लागू होगा। आजादी के अमृतकाल में और अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत, विश्व की फिफ्थ इकोनॉमी बना है, इस पर हर भारतवासी को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। लेकिन इस पर भी उनको आपत्ति है। यानी भारत, हमारा देश दुनिया की एक आर्थिक शक्ति बन रहा है और ब्रिटेन को हम लोगों ने

पछाड़ा है, जिस ब्रिटेन ने लगभग 200 वर्षों तक भारत पर शासन किया था, उसको पछाड़ करके भारत पाँचवी बड़ी अर्थ व्यवस्था बना। प्रधानमंत्री के विजनरी लीडरशिप में इसके प्रति आभार, अभिनन्दन के शब्द कहने के बजाय इसको ही हम कठघरे में खड़ा करें तो यह बड़ी आश्चर्यजनक स्थिति है और वे आज भी दिसम्बर, 2023 के आँकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं, जब हम लोग अप्रैल, 2024 की चर्चा कर रहे हैं तो वह आँकड़े वहाँ के प्रस्तुत कर रहे हैं। उनको फिफ्थ इकोनॉमी बनने में भी सन्देह है। उत्तर प्रदेश हर फील्ड में नम्बर एक का बने, इस पर भी उनको आपत्ति है।

श्री अखिलेश यादव-

हम लोगों को ब्रिटेन ले चलें।

श्री योगी आदित्यनाथ-

ले चलेंगे। आप अध्यक्ष जी के ऑफर को तो पहले ही डिनाई कर चुके हैं। (हँसी) अध्यक्ष जी ने आपको एक आमंत्रण दिया, आपने उसे नकार दिया और अयोध्या आप जाना नहीं चाहते, ब्रिटेन तो आप अक्सर जाते ही है। (हँसी) ब्रिटेन तो आप अक्सर जाते हैं और आपके टिकट कौन बुक कराता है, यह भी आपको पता है। (हँसी)

श्री अध्यक्ष-

ट्रैवल एजेन्ट ही कराता होगा। (हँसी)

श्री योगी आदित्यनाथ-

तो महोदय, फिफ्थ इकोनॉमी में भी इनको सन्देह है। उस पर हर्ष और गौरव होने के बजाय, देश के आर्थिक महाशक्ति बनने पर और याद रखना जो मैंने पहले कहा, मोदी जी के ही नेतृत्व में अगले तीन वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था भी बनेगा। तीसरे कार्यकाल में तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनेगा। मुझे लगता है कि इसमें किसी को भी सन्देह नहीं होना चाहिए, हर भारतवासी को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। वन ट्रिलियन डालर का रोडमैप क्या है, उस पर भी हम लोग आयेंगे। महोदय, कृषि सेक्टर में पिछले 07 वर्ष के अन्दर जो कार्य हुआ है, मैने परसों भी यहाँ पर कहा था, 22 वर्ष में उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को 2 लाख 3 हजार करोड़ रुपये का कुल भुगतान हो पाया था और पिछले पौने सात वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को अब तक 2 लाख 33 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि उनके खाते में जा चुकी है। प्रदेश में गन्ने का दायरा बढ़ा है। इस बार भी हम लोगों ने गन्ना किसानों की माँग के अनुरूप प्रति कुन्तल गन्ने का दाम भी बढ़ाया है और उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने कोरोना कालखण्ड में भी अपनी सभी चीनी मिलों को चलाया है और लगातार चला रहे हैं। यहाँ तक कि छपरौली की चीनी मिल जो चौधरी साहब के कर्मभूमि की चीनी मिल है। चौधरी साहब के नाम की राजनीति बहुत सारे लोगों ने की होगी, लेकिन चौधरी साहब के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए, हमारी सरकार ने आने के तत्काल बाद छपरौली चीनी

मिल के एक्सटेंशन के लिए और उसके मार्डनाइजेशन के लिए पैसा दिया और मुझे प्रसन्नता है कि छपरौली चीनी मिल आज पूरी क्षमता के साथ काम कर रही है। लगातार सरकार इस पर कार्य कर रही है।

प्रदेश के अन्दर प्रॉक्योरमेण्ट की पॉलिसी क्या होनी चाहिए ? इस पर भी डबल इंजन की सरकार ने ही काम किया है और प्रॉक्योरमेण्ट की नीति के तहत बिचौलियों से मुक्त, मध्यस्थ से मुक्त किसानों से सीधे क्रय सरकार करेगी, आज यह व्यवस्था प्रदेश के अन्दर भी पूरी प्रभावी ढ़ंग से लागू है, प्रदेश के अन्दर चाहे वह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का 2 करोड़ 62 लाख किसानों को 63 हजार करोड़ रुपये की राशि, प्रदेश के किसानों को प्राप्त हुई है, सीधे डी0बी0टी0 के माध्यम से पैसा उनके एकाउण्ट में जा रहा है और यही नहीं लगभग 23 लाख हेक्टेयर लैण्ड को सिंचाई की अतिरिक्त क्षमता भी विकसित की गयी यह 7 वर्ष में डबल इंजन सरकार के द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है।

महोदय, इस बजट में खेत सुरक्षा योजना के लिए भी धनराशि का प्रावधान है। राज्य कृषि विकास योजना के लिए भी अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के अन्नदाता किसानों के लिए जो निजी नलकूप हैं वहां फ्री में बिजली उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए भी 24 सौ करोड़ रुपए का प्रावधान इस बजट में किया गया है। ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी खेती-किसानी पर न पड़े, इसके लिए ऑटोमैटिक वैदर स्टेशन, ऑटोमैटिक रेनगेज की स्थापना के लिए धनराशि की व्यवस्था हर ग्राम पंचायत में लग सके इसके लिए धनराशि की व्यवस्था इसमें है ऑर्गेनिक कल्चर लैब, टिशू लैब और एग्रो टूरिज्म सेण्टर की स्थापना के लिए भी धनराशि का प्रावधान इस बजट में किया गया है, इसके साथ ही विभिन्न जनपदों में 6 हजार 6 सौ राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण और डार्क जोन में स्थित 5 हजार 5 सौ 69 असफल राजकीय नलकूपों की पुनर्निर्माण के कार्य के लिए भी यहां पर बजट की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में इन सभी कार्यों को करने के बाद इस समयबद्ध तरीके से जिस दिन कार्य होंगे तो प्रदेश के अन्दर 1 लाख 33 हजार हेक्टेयर लैण्ड को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा इससे प्राप्त होगी, प्रदेश के अन्नदाता किसानों को।

महोदय, इसके अलावा प्रदेश के अन्दर नहरों और सरकारी नलकूपों से किसानों को मुफ्त पानी के लिए भी धनराशि की व्यवस्था इसमें अतिरिक्त की गई है। पी0एम0 कुसुम योजना के अन्तर्गत प्रदेश में जितने भी ट्यूबवेल हैं, सोलर पैनल लगाकर के वहां पर अन्नदाता किसानों को हम राहत दे सकें इसके लिए भी लगभग 5 सौ करोड़ रुपए की व्यवस्था इस बजट में की गई है और रेन वॉटर हारवेस्टिंग की व्यवस्था के लिए भी जल स्तर को मेनटेन करने के लिए यह ग्राउण्ड वॉटर रिचार्जिंग चेक डैम आदि के लिए, भी धनराशि में बजट का प्राविधान किया गया है। उद्यान्न और खाद्यान्न प्रसंस्करण दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण के लिए भी इस बजट में विशेष प्राविधान किए गए हैं। दुग्ध संघों की सुदृढ़ीकरण के लिए भी बजट में प्राविधान किया

गया है। इसके अलावा नए डेरी प्लाण्ट, गौ आश्रय स्थलों के संचालन पशु रोग पर प्रभावी नियंत्रण करने के लिए और प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के लिए भी धनराशि की व्यवस्था के साथ-साथ इकोपार्क के निर्माण के लिए भी बजट का प्राविधान इस बजट में किया गया है और एग्रीकल्चर सेक्टर इन सभी चीजों के साथ यहां पर तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। महोदय प्रदेश के अन्दर हम सब इस बात को जानते हैं कि अवस्थापना और औद्योगिक विकास की जो ग्रोथ है, वह दो बातों पर निर्भर करती है, एक स्टैब्लिटी पर दूसरा संस्टैब्लिटी पर और यह ग्रोथ के लिए बहुत आवश्यक है। आज प्रदेश सरकार ने इस दिशा में तेजी के साथ आगे कार्य किया है। 46 वर्ष के बाद बुन्देलखण्ड में कानपुर और झांसी के बीच में हम लोग बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक नए औद्योगिक विकास प्राधिकरण बीडा के गठन की कार्यवाही को आगे बढ़ा चुके हैं, यानि 46 वर्ष के बाद प्रदेश में एक नया औद्योगिक शहर आयेगा और इसके लिए हम लोगों ने सभी औपचारिकताओं को पूर्ण किया है। बजट का प्राविधान इसमें किया गया है।

प्रदेश में पहली बार सेमी कन्डक्टर के महत्व को हम सब जानते हैं कि जितने भी हमारे इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स हैं, एक छोटी सी चिप हमारे कम्प्यूटर को, मोबाइल फोन को, टेलीविजन को या हमारा लैपटॉप है, या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक आइटम है उन सभी क्षेत्र में उसकी अपनी एक भूमिका है और इसके लिए उत्तर प्रदेश ने अपनी सेमी कन्डक्टर की पॉलिसी भी लागू की है इसके लिए हमारे पास तमाम प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिन पर कार्यवाही आगे बढ़ रही है जिन कार्यक्रमों को हम आगे बढ़ा रहे हैं। एफ0डी0आई0 और फारचून-500 कंपनियों के लिए भी एक नई पॉलिसी हम लोगों ने प्रदेश के अन्दर लागू की है। महोदय, किसी भी राज्य द्वारा बड़े पैमाने पर वैश्विक निवेश को आकर्षित करने का यह किसी राज्य का पहला प्रयास है यह पहली पॉलिसी देश के अन्दर आई है और इसके लिए हम लोगों ने बजट में भी धनराशि की व्यवस्था की है। मुझे एक बात बताने में प्रसन्नता है कि पिछले सात वर्ष के अन्दर कुछ अच्छे परिणाम हमारे सामने आए थे और उसके बाद जो सुझाव और जिस प्रकार की हमारे सामने कुछ कठिनाई आ रही थी उसके बाद एक पॉलिसी भी हम लोग लेकर आए हैं। परसों मैं देख रहा था कि यहाँ पर एक मा0 सदस्य ने प्रश्न किया था जिसमें उन्होंने इस बात का उल्लेख किया था एफ0डी0आई0 या फारचून-500 कम्पनियों के बारे में कि इसकी प्रोग्रेस क्या है और राज्य के अन्दर इसका किस रूप में लाभ मिल सकता है या इससे पहले क्या नहीं हुआ था ? मैं बताना चाहूँगा कि वर्ष 1996 से वर्ष 2017 तक 22 वर्ष में केवल 200 करोड़ का एफ0डी0आई0 यू0पी0 में आया था और वर्ष 2017 से वर्ष 2023 के बीच में 2300 करोड़ रुपये का एफ0डी0आई0 अभी तक यू0पी0 में आ चुका है और इस नई पॉलिसी के बाद एक नया द्वार खुलेगा एफ0डी0आई0 के लिए भी और उससे होने वाले निवेश के माध्यम से नौकरी एवं रोजगार की नई सम्भावना प्रदेश के अन्दर विकसित होगी।

महोदय, प्रदेश के अन्दर बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए, यह हमारी सरकार का सौभाग्य है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य हम पहले ही पूरा कर चुके हैं। प्रदेश के अन्दर अन्य एक्सप्रेस-वे के कार्य के साथ-साथ आज हम लोगों ने मेरठ को प्रयागराज से जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेस-वे की व्यवस्था की है और हमारा प्रयास है कि प्रयागराज कुम्भ के पहले हम इस एक्सप्रेस-वे को यातायात के लिए प्रारम्भ कर सकें इसके लिए सरकार के स्तर पर बेहतर प्रयास प्रारम्भ हुए हैं पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के साथ जोड़ने के लिए भी एक लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए धनराशि की व्यवस्था इस बजट में की गई है। अटल इण्डस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के लिए भी धनराशि की व्यवस्था वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 33 फीसदी अधिक धनराशि की व्यवस्था इस बजट में की गई है और एम0एस0एम0ई0 में प्रदेश के अन्दर जो किसी भी इकोनॉमी का खास तौर पर बड़े निवेश का, जो बैकबोन होता है वह एम0एस0एम0ई0 का कलस्टर उनके पास किस रूप में मौजूद है इस पर निर्भर करता है। अधिक से अधिक रोजगार के सृजन की सम्भावना भी इनसे बनती है और यह सेक्टर 2017 के पहले लगभग पूरी तरह उपेक्षित सा था आज वह वर्ष 2016-17 तक प्रदेश में कुल 28000 करोड़ रुपये का ऋण वितरण होता था एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को, क्योंकि जो हमारा पोटेंशियल था, जो प्रदेश के अन्दर सम्भावनायें थीं उस फील्ड की उपेक्षा की गई उसको हतोत्साहित किया गया था, परिणाम क्या था यह बंदी की कगार पर जा रहा था। आज प्रदेश सरकार ने जब उसमें थोड़ा भी प्रोत्साहन दिया तो अभी हम लोगों ने वर्ष 2022-2023 में 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये का ऋण हमने एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स को उपलब्ध कराया है। जो पहले केवल 28000 करोड़ था आज 1 लाख 60 हजार करोड़ पहुँच गया है और वर्ष 2024-25 के लिए हम इस लक्ष्य को 2 लाख 91 हजार करोड़ रुपये तक पहुँचाने के लक्ष्य के साथ अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं।

महोदय, आज इस बजट में हम एक नयी स्कीम मुख्य मंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को भी प्रारम्भ करने जा रहे हैं जो प्रदेश के हमारे नये उद्यमियों को जिनका हम एक निश्चित व्यवस्था के तहत प्रशिक्षण करवायेंगे, उन्हें उद्यम लगाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। पहले चरण में उन्हें 5.00 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाने की कार्रवाई हम इसके साथ करेंगे और इस राशि का उनको जैसे ही भुगतान होगा फिर उसको 7.50 लाख रुपये तक और फिर उसके बाद 10.00 लाख रुपये तक की व्यवस्था के साथ हम उसको जोड़ने का काम करेंगे। एक लाख युवा उद्यमी इसके साथ जुड़ेंगे और इस कार्यक्रम को इस बजट के पास होने के बाद अप्रैल से हम प्रदेश के अन्दर इसको लागू कर देंगे। दूसरा है, उत्तर प्रदेश रोजगार प्रोत्साहन कोष, इसके माध्यम से भी प्रदेश के अन्दर उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए, उनकी ट्रेनिंग के लिए, इंटर्नशिप के लिए, अप्रेंटिसशिप के लिए, वित्त पोषण और रोजगार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए, उनको सेवायोजित करने के लिए भी इस स्कीम को प्रदेश के अन्दर हम लागू कर रहे हैं। पहली बार उत्तर प्रदेश में 10 फ्लेज पार्क प्राइवेट सेक्टर में भी

इण्डस्ट्रियल पार्क डेवलप हो सकते हैं। इसके लिए हम लोगों ने अब तक जो पार्क विकसित किये हैं उसके अलावा हर जनपद में भी इस प्रकार के औद्योगिक पार्क विकसित हों क्योंकि ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और इन सभी चीजों को हम लोगों ने इसके साथ किया है। 2024-25 के वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में 40,000 रोजगार सृजन के लक्ष्य के साथ टैक्सटाईल के नये हब के रूप में हम लोग इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं तो प्रदेश में एक नये निफ्ट यानी राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान की स्थापना की कार्रवाई को भी आगे बढ़ाने, दो मेगा राजकीय आई0टी0आई0 की स्थापना और 69 आई0टी0आई0 के उन्नयन का प्रस्ताव भी इस बजट में किया गया है और 22000 से अधिक मिनी आंगनबाड़ी केन्द्र को मुख्य आंगनबाड़ी के रूप में प्रदेश के अन्दर अपग्रेड करने की कार्यवाही को भी इस बजट में प्रस्तुत करने का कार्य हुआ है।

महोदय, वास्तव में देश के अन्दर भी यह चर्चा होती है और लोग इस बात को कहते हैं कि आखिर उत्तर प्रदेश के अन्दर ऐसा क्या हुआ है कि जो कभी बीमारु राज्य कहलाता था आज वह राज्य अचानक देश की इमर्जिंग इकनॉमी के साथ आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए तेजी के साथ देश की सबसे उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ा है। जिस राज्य को कोई बैंक लोन देने को तैयार नहीं था उसे आज सभी बैंक प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग के लिए ऋण देने को आतुर हैं। जहां कोई निवेशक आने को तैयार नहीं था आज वह देश और दुनिया के हर इंवेस्टर के लिए इंवेस्टमेंट के ड्रीम डेस्टीनेशन के रूप में वही राज्य बन गया है इसका कारण है सतत और नियोजित प्रयास। सरकार के स्तर पर जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं वह हर ओर से प्रारम्भ हुए हैं, लक्ष्य तय करना और फिर उसकी सिद्धी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना और यही प्रदेश के अन्दर, पिछले 7 वर्ष के अन्दर जो कार्य प्रारम्भ किया गया है उसकी परिणिति आज हम सबके सामने इस रूप में देखने को मिल रही है। महोदय, शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की आधारशिला है, बेसिक शिक्षा परिषद् में हमने देखा है कि किस रूप में हम लोगों ने इस व्यवस्था को आगे बढ़ाया है। शिक्षा और स्वास्थ्य की जब हम बात करते हैं तो किसी भी मानव पूंजी के पोटेंशियल आधार है इसलिए हमारी सरकार ने शुरू से ही इस दिशा में एक नियोजित प्रयास भी प्रारम्भ किया है। कक्षा-6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए वोकेशनल ओरेंटेशन कार्यक्रम और माध्यमिक स्तर पर भी विद्यालयों को हब एवं स्पोर्ट मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए ओ0डी0ओ0पी0 के अनुरूप अधिकारिक विद्यार्थियों को जॉब रोल सेक्टर में नेशनल कैरिकुलम फ्रेम वर्क और नेशनल क्रेडिट फ्रेम वर्क के अनुसार उनके पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए भी सरकार ने अपनी कार्य योजना को आगे बढ़ाया है।

मान्यवर, न केवल बेसिक और माध्यमिक में बल्कि उच्च शिक्षा में भी इन चीजों को आगे बढ़ाने के साथ ही अप्रेंटिसशिप की स्कीम, जिसमें उद्योग या इंस्टीट्यूशन के साथ युवाओं को जोड़ने और इसके लिए उन्हें वहाँ पर उचित मानदेय मिल सके, प्रशिक्षण मिल सके और सी0एम0 अप्रेंटिसशिप स्कीम के साथ हम उसको जोड़ सकें, इसके लिए भी धनराशि की

व्यवस्था इस बजट में की गई है। प्रदेश के अन्दर इनोवेशन एण्ड रिसर्च के लिए भी मशीन लर्निंग और स्टेट ऑफ ऑर्ट टेक्नोलॉजी के प्रोत्साहन के लिए जहाँ हम लोगों ने बजट का प्रावधान किया है। आई0आई0टी0, कानपुर के साथ मिल करके एक मेडिकल रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए भी धनराशि का प्रावधान इस बजट में किया गया है और प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए जो अनेक उपाय पिछले सात वर्ष में प्रदेश सरकार ने लिये हैं, हम सब जानते हैं कि प्रदेश में कोई खेल की पॉलिसी नहीं थी। प्राइवेट खेल एकेडमी चलते थे। लेकिन सरकार के स्तर पर उनको कोई भी प्रोत्साहन नहीं था। प्रदेश ने अनेक अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिये लेकिन उनका जीवन सिक्योर नहीं था। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने इसकी एक पॉलिसी ला करके अब तक हम 500 से अधिक खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरियों में स्थान दे चुके हैं और मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि ओलम्पिक में, जो हॉकी टीम के उनको प्रदेश सरकार ने पहले ही डिप्टी एस0पी0 के पद पर यहाँ नियुक्ति दी और एशियन गेम्स में जिन बालिकाओं ने और जिन खिलाड़ियों ने प्रदेश और देश के लिए मेडल जीते हैं, उनमें से उत्तर प्रदेश के भी खिलाड़ी थे और एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद उत्तर प्रदेश की उस मुजफ्फरनगर की बालिका, पारुल चौधरी ने कहा था कि मैं चीन को इसलिए पछाड़ पाई क्योंकि हमारे राज्य ने यह घोषणा की थी कि जो गोल्ड मेडल लेकर आयेगा, हम उसको डिप्टी एस0पी0 बनायेंगे और मुझे प्रसन्नता है कि हमारी सरकार ने उन बालिकाओं को और गोल्ड मेडल जीतने वाले उन खिलाड़ियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान भी कर दिया है और अपनी ओर से सम्मान भी किया है। इन सभी खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध करायी जा सके, इसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को कोच के रूप में, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को कोच के रूप में अलग-अलग संस्थानों में नियुक्त किया जा सके, इसके लिए भी प्रावधान किया गया है और साथ-साथ खिलाड़ियों में चोट होने की शिकायतें हमें अक्सर मिलती हैं तो एक स्पोर्ट्स साइंस एण्ड इंजरी सेंटर की स्थापना के लिए भी धनराशि की व्यवस्था इस बजट में की गई है, जिससे खिलाड़ियों को हम एक व्यवस्था दे सकें। प्रदेश के अन्दर स्वास्थ्य के सेक्टर में बेहतरीन कार्य हुआ है।

वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की दिशा में राज्य आज बढ़ चुका है। बोलने में कोई संकोच नहीं है, यही राज्य है, 70 वर्षों में केवल 12 गवर्नमेण्ट मेडिकल कॉलेज बन पाये थे। आज यही राज्य है कि सभी 75 जनपदों में एक-एक मेडिकल कॉलेज बनने की ओर अग्रसर है। नेता विरोधी दल को पता ही नहीं है कि आयुष्मान भारत की योजना लागू होने के बाद आज हर गरीब के लिए अपना स्वास्थ्य उपचार करना कितना आसान हो गया है। अब उसे वेट करने की आवश्यकता नहीं है। 2017 के पहले की दुर्दशा किसी से छिपी हुई नहीं है। गरीबों के बच्चे मरते थे, इन्सेफलाइटिस की क्या स्थिति थी, इन्सेफलाइटिस से 1977-78 से ले

करके 2017-18 तक लगभग 50 हजार मौतें हुईं। यह हमारी सरकार का सौभाग्य है, डबल इंजन की सरकार का सौभाग्य है कि हम अपने प्रदेश के उन मासूमों को बचाने में सफल हुए हैं, जिनकी प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ देश को आने वाले समय में मिलेगा।

(सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

मान्यवर, इस राज्य को मिलेगा अवश्य मिलेगा लेकिन यह सरकारे क्या कर रही थी जो जाति के नाम पर समाज को बांट रही थी। जो तमाम प्रकार के नारे देते हैं उन गरीबों के लिए जिनमें ज्यादातर मरने वाले मासूम, दलित, अल्पसंख्यक थे या तो पिछड़ी जाति से जुड़े हुये बच्चे थे। तब लगभग हर वर्ष 1200 से 1500 मौतें होती थी। आज मैं कह सकता हूँ एक नियोजित और सतत रूप से किये गये प्रयास का परिणाम है इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित करने में सफल हो चुके हैं। एक सफल मॉडल उत्तर प्रदेश ने देश के अन्दर दिया है। इंसेफेलाइटिस का नियंत्रण किया जा सकता है। आज यह हुआ है। यह सरकार के द्वारा किये गये प्रयास का परिणाम है। हमने समाज का भी सहयोग लिया है, निजी क्षेत्र का भी सहयोग लिया है। इसमें तमाम अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भी हमें सहयोग किया है लेकिन स्टेट गवर्नमेंट को जो पहल करनी चाहिए थी उस पहल का अभाव वर्ष 2017 के पहले था और वर्ष 2017 के बाद जब नियोजित प्रयास हुआ। आज परिणाम हमारे सामने हैं इंसेफेलाइटिस पूरी तरह नियंत्रण में है। मान्यवर, पहले मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से धनराशि देने के लिए पहले कोताही बरती जाती थी, चेहरा देखा जाता था पिक एण्ड चूज होता था। आज चेहरा नहीं देखा जायेगा, किसी को भी जायेगा वह उत्तर प्रदेश का ही नागरिक होगा। अब हमने उसमें और भी व्यवस्था की है, उसमें नाम भी न आये, तब भी हम लोग कोड नम्बर से उसको धनराशि उपलब्ध करवाते हैं। यह प्राथमिकता जरूर होती है, यह जरूर प्रयास होता है कि आयुष्मान भारत की धनराशि पहले खर्च हो जाये। जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है उसमें मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से उसको धनराशि उपलब्ध करवाते हैं क्योंकि यह राज्य का पैसा है राज्य के लोगों को मिलना चाहिए, बिना भेदभाव के मिलना चाहिए और यही राम राज की अवधारणा है। हम चेहरा देख करके नहीं करते हैं लेकिन पहले चेहरा देखकर किया जाता था। पिक एण्ड चूज होता था। आज सरकार उन चीजों को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। यही नहीं राजकीय मेडिकल कॉलेज में ट्रामा सेन्टर की स्थापना के लिए, तमाम अन्य व्यवस्थाओं के लिए धनराशि की व्यवस्था की गयी है। हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर को और एक्सटेंशन करने की दिशा में भी सरकार के द्वारा किये गये प्रयास सफल होंगे और आगे बढेंगे इसमें कोई सन्देह नहीं है। स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में बेहतर प्रयास कर रहा है, प्रदेश में इन सुविधाओं को आगे बढ़ाने के लिये सरकार हर स्तर से प्रयास करेगी।

मान्यवर, यहां पर विभिन्न क्षेत्रों की उपेक्षायें हुई थी। उसमें से एक क्षेत्र जो प्रदेश के अन्दर सम्भावनाओं वाला क्षेत्र तथा सर्विस सेक्टर, स्पेस्ल टूरिज्म में जो सम्भावनायें उत्तर प्रदेश के अन्दर थी पिछली सरकारों ने उसको सर्वथा उपेक्षा की, और उपेक्षा इस आधार पर की थी,

अभी हमारे नेता विरोधी दल कह रहे थे कि राम के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिये। हमने तो कभी राजनीति नहीं की। राम तो हमारे आराध्य हैं, आराध्य के नाम पर राजनीति कैसे ? उनको तो हम स्मरण करते हैं। राम के बगैर कोई काम हो ही नहीं सकता है। बालियान जी आपके यहां सम्बोधन तो राम-राम का ही होता होगा। अब राम-राम के सम्बोधन के बगैर कोई काम होता नहीं, उठते, जागते, सोते, रोते हर क्षेत्र में राम का ही सम्बोधन होता है। लेकिन अयोध्या नहीं जाना है क्योंकि वोट बैंक पर असर पड़ जायेगा। वोट बैंक की राजनीति आप लोक कर रहे हैं हम लोग नहीं कर रहे हैं। मन्दिर बनने के पहले भी जब न्यायालय का निर्णय नहीं आया था तब भी हम लोग अयोध्या गये और दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया था और आज भी जा रहे हैं और आगे भी जायेंगे। इसमें कोई सन्देह नहीं होना चाहिये। मान्यवर, मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि अयोध्या, काशी, मथुरा, वृन्दावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नैमिषारण्य, विन्ध्यवासिनी धाम, देवीपाटन धाम, बरेली का नॉर्थ कॉरिडोर, चित्रकूट इन सभी के लिये सरकार ने धनराशि की व्यवस्था बजट में की है।

मुख्य मंत्री पर्यटन सम्वर्धन योजना में हर विधान सभा क्षेत्र के भी एक-एक धर्मस्थल को विकसित करने के लिए धनराशि की व्यवस्था बजट में की है। प्रयागराज में कुम्भ 2025 को होगा इसमें हम 2019 के कुम्भ से भी बेहतर आयोजन कर सकें इसके लिए भी धनराशि की व्यवस्था इस बजट में फिर से की गई है। प्रयागराज में कुम्भ संग्रहालय की स्थापना हो, इसके लिए भी धनराशि की व्यवस्था की गई है। आप तो मथुरा-वृन्दावन के लिए भी कुछ नहीं कर पाये थे, काशी में भी समाजवादी पार्टी की सरकार ने ताला बन्द किया था और मथुरा में भी जन्मभूमि में पीछे जो पार्क है उसमें आप लोगों ने ताला बन्द कर दिया था, वह ताला भी हमारी सरकार ने खुलवाया, दोनों जगह के ताले खुलवा दिये गये। बांके बिहारी मन्दिर के कॉरीडोर के लिए भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। निषादराज गुहय सांस्कृतिक केन्द्र श्रंगवेरपुर के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है और आजमगढ़ के हरिहरपुर में भी एक संगीत महाविद्यालय के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। महर्षि वाल्मीकि सांस्कृतिक केन्द्र चित्रकूट के लिए भी धनराशि की व्यवस्था की गई है और साथ-साथ राजापुर तुलसीदास जी की जन्मभूमि के लिए भी धनराशि की व्यवस्था बजट में है।

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

बैठे हुए विदुर कुटी में भी कर दीजिये।

श्री योगी आदित्यनाथ-

विदुरकुटी में तो हम कर ही रहे हैं, आपको तो इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहिए। उधर के लोग आपकी भावना के अनुरूप कार्य नहीं करेंगे, आप देखें महात्मा विदुर के नाम पर वहां मेडिकल कॉलेज कौन बना रहा है, बन रहा है ना। मैं स्वयं विदुरकुटी पर गया था, वहां के पुनरुद्धार की कार्यवाही हम लोग कर रहे हैं, बिजनौर को एक पहचान दे रहे हैं।

मैं तो रात्रि में भी बिजनौर रुका था, अखिलेश जी कभी नहीं रुके होंगे क्योंकि उनको डर लगता था कि पता नहीं कब हट जाएं, पता नहीं चाचा कब कुर्सी हथिया लें।

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

रुके थे।

श्री योगी आदित्यनाथ-

रात्रि को नहीं रुके होंगे, अगर रुके होंगे तो मुख्य मंत्री पद से हटने के बाद, मुख्य मंत्री रहते हुए कभी नहीं गये होंगे, न नोएडा गये होंगे, न बिजनौर गये होंगे।

श्री अवधेश प्रसाद-

थोड़ा सा वीरांगना ऊदादेवी के लिए कह दीजिये, पीपल के पेड़ पर चढ़ करके 36 अंग्रेजों को 1857 में मार गिराया था।

श्री योगी आदित्यनाथ-

वीरांगना ऊदादेवी के नाम पर पी0ए0सी0 की पूरी बटालियन ही बन रही है। लखनऊ के किले को भी हम ठीक करा रहे हैं, अन्य जगह के किलों को भी हम ठीक कराने जा रहे हैं, यह तो हमारे हेरिटेज टूरिज्म का हिस्सा है। आप भटकिये मत, सही रास्ते पर चलिये बाकी सब ठीक हो जायेगा। आप इतने वरिष्ठ सदस्य हैं, अभी सुन तो लीजिये, मैं अयोध्या पर आ रहा हूं, सुन तो लीजिये, अयोध्या में रामायण और वैदिक शोध संस्थान के लिए भी धनराशि की व्यवस्था यहां की गई है। इंटरनेशनल सेंटर बनेगा अयोध्या में, अयोध्या के लिए हम यह भी करने जा रहे हैं। सरकार ने इन कार्यक्रमों के लिए बजट की व्यवस्था की है इन कार्यक्रमों को हम तेजी के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। महोदय, प्रदेश के अन्दर नगरीय विकास, यह इकोनॉमिक ग्रोथ के लिए भी आवश्यक है, ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो बेहतर प्रयास हुए हैं। नगर विकास विभाग के द्वारा डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में यह तेजी के साथ आगे बढ़ा है। इससे रोजगार का सृजन भी होता है, स्मार्ट सिटी और अमृत योजना के अन्तर्गत किये गये प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश सरकार ने मुख्य मंत्री शहरी विस्तारीकरण और नये शहर प्रोत्साहन के लिए टाउनशिप विकसित करने के लिए भी 3 हजार करोड़ रुपए की धनराशि का प्रावधान किया है।

ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के अन्तर्गत भी, प्रदेश के अन्दर हम लोगों ने 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है और राज्य स्मार्ट सिटी के अन्दर 400 करोड़ रुपये का प्रावधान इसमें किया है। जिसमें प्रदेश के अन्दर, हर नगर निगम क्षेत्र में पहले चरण में, दूसरे चरण में हर नगर पालिका क्षेत्र में और तीसरे चरण में टाउन एरिया में भी हम उसे एक सेफ सिटी के रूप में डेवलपमेंट कर सकें। आई0टी0एम0एस0आई0 ट्रिपल सी0 इंटीग्रेटेड कमानडेंट कंट्रोल सेंटर की स्थापना कर सकें। इसके लिए प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और मुझे बताते हुए

प्रसन्नता है कि काफी बड़े पैमाने पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जा रहे हैं, जो न केवल सुरक्षा के लिए बल्कि वहां पर ट्रैफिक प्रबंधन के तथा वहां के कूड़ा प्रबंधन के लिए इन सभी को हम आगे बढ़ा सकें, इनके लिए भी इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है। जल जमाव से मुक्त करने के लिए भी अर्बन फ्लड एण्ड स्ट्रीम वॉटर ड्रेनेज योजना के लिए भी, 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था, इस बजट में की गयी है और मुख्य मंत्री नगरीय अल्प विकसित मलिन बस्ती के विकास के लिए भी 675 करोड़ रुपये का प्रावधान इस बजट में किया गया है।

प्रदेश के अन्दर शहरी जाम से मुक्त करने के लिए जो मा0 सदस्यों के प्रस्ताव हैं, उसमें फ्लाईओवर बनाने के लिए और आर0ओ0बी0 बनाने के लिए भी 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था हमने इस बजट में की है। प्रदेश के अन्दर स्वच्छ भारत मिशन में ओ0डी0एफ0 और ओ0डी0एफ0 प्लस के लक्ष्य को प्रदेश सरकार पहले ही प्राप्त कर चुकी है। लेकिन इस मिशन में और भी कुछ क्योंकि स्वच्छता का लक्ष्य केवल एक अभियान नहीं है, बल्कि नारी गरिमा के साथ-साथ स्वास्थ्य के सेक्टर में भी अमूल-चूल परिवर्तन किये जाने की दिशा में आने वाले प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है और उस कड़ी को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने धनराशि की व्यवस्था की है। प्रवासी उत्तर प्रदेश वासियों के लिए उत्तर प्रदेश में अगर वह अपने किसी पूर्वज के नाम पर कोई कन्वेंशन सेंटर कोई गांव में अन्य केन्द्र स्थापित करना चाहता है तो राज्य सरकार भी उसमें योगदान देगी और उनके भी योगदान से हम उनकी स्मृतियों को वहां बना सकें, इसके लिए भी मातृ-भूमि योजना के लिए हमने धनराशि की व्यवस्था की है। प्रदेश के अन्दर अन्य सभी कार्यों के लिए क्रिटिकल ग्रेप योजना के अन्दर भी धनराशि की व्यवस्था की गयी है और प्रदेश के अन्दर अन्य क्षेत्रों में भी सामाजिक क्षेत्रों में भी, चाहे वह महिला सुरक्षा हो, या कमजोर तबकों के लिए भी अन्य तमाम प्रकार के कार्यक्रमों के लिए मुख्य मंत्री सुमंगला योजना की राशि पहले ही 15 हजार से 25 हजार की गयी है। बालिकाओं की शादी के लिए मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए धनराशि का प्रावधान और एक बात जो यहां पर परसों उठ रही थी हमारे एक मा0 सदस्य ने कुष्ठ रोगियों के लिए इस बात को यहां पर उठाया था उनके आवास की सुविधा के लिए, मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारी सरकार 3 वर्ष पहले इसे कर चुकी है कि हर कुष्ठ रोगी को 3 हजार रुपये मासिक पेंशन के साथ-साथ आवास की सुविधा भी हम दे रहे हैं।

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

यह बात मैंने उठायी थी।

श्री योगी आदित्यनाथ-

देखिये आपके सारे कार्य तो हम कर रहे हैं, अब आपको और चाचा को फैसला लेना ही चाहिए, काहे उपेक्षित पड़े हैं। महोदय इसको सरकार पहले ही कर चुकी है ओर वरिष्ठ

नागरिकों के लिए भी, उनके कल्याण के लिए एक कोष की स्थापना प्रदेश सरकार ने की है। प्रदेश के अन्दर अन्य तमाम क्षेत्रों में कार्य करते हुए पुलिस की अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए भी नए थानों के लिए, फॉयर ब्रिगेड के नए सेंटर स्थापित किये जा सकें, उसके लिए भी, साइबर थानों की स्थापना हो, अन्य समय-समय पर जो भी हमें प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, उन सभी के लिए चाहे वह होमगार्ड के जवान हों और उनके स्वंय सेवकों के लिए, अनुग्रह राशि की व्यवस्था आदि के लिए भी हम लोगों ने इस बजट में प्रावधान किया है। जो प्रदेश के अन्दर हर तबके के लोगों के लिए, उनके जीवन में परिवर्तन लाने की दिशा में एक बेहतर प्रयास प्रदेश सरकार ने किया है।

महोदय, भारत सरकार के 5 ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनाने के आदरणीय प्रधानमंत्री जी के संकल्प के साथ प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुड़ी हुई है। उत्तर प्रदेश भी वन ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। इस दिशा में हम लोगों ने एक बेहतर रोड मैप भी प्रदेश के अन्दर तैयार किया है, जिसमें 5 टी के मंत्र के साथ, 'टैलेन्ट, ट्रैडीशन, ट्रेड, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी', इन सबको अपनाकर राज्य सरकार ने भी अपने बेहतर प्रयास प्रारम्भ किये हैं। हाई-वे के साथ-साथ डिजिटल ढांचा पर कार्य हो रहा है। जिसमें ब्राड बैण्ड, ऑप्टिकल फाइबर का एक मजबूत ढाँचा प्रदेश के अन्दर हो। हर ग्राम पंचायत में पंचायत भवन की स्थापना के पीछे ग्राम सचिवालय की स्थापना के पीछे का हेतु यही है कि ऑप्टिकल फाइबर के साथ हम वहाँ पर बेहतर कनेक्टिीविटी दे सकें और गाँव में ही गाँव के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा सकें।

महोदय, प्रदेश में असीमित पोटेंशियल, उसके स्किल, स्केल और स्पीड पर प्रदेश सरकार पूरी तरह फोकस कर रही है। हम सब इस बात को मानते हैं कि उत्तर प्रदेश प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा का प्रदेश है। हमारे पास सबसे उर्वरा भूमि है, सर्वश्रेष्ठ युवा हैं और भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता और श्रम का बाजार भी हमारे पास है। महोदय, देश की कुल कृषि भूमि का मात्र 11 फीसदी उत्तर प्रदेश के पास है, लेकिन यहाँ की भूमि का कमाल है और यहाँ के अन्नदाता किसानों का पुरुषार्थ है कि उत्तर प्रदेश देश के अन्दर खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत का शेयर रखता है। 20 फीसदी शेयर में 11 फीसदी का योगदान उत्तर प्रदेश का है। प्रदेश के अन्दर हमारे पास जो मैन पावर है, जो युवा है, 56 फीसदी युवा ऐसा है, जो कामकाजी है, यानी युवा है, ऊर्जा से भरपूर है, प्रतिभा से भरपूर है।

महोदय, हमने कनेक्टिविटी को बेहतर किया है, चाहें वह सड़क की कनेक्टिविटी हो। डबल इंजन की सरकार ने रेल की कनेक्टिविटी, इस्टर्न एण्ड वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर हो, रेल नेटवर्क हो, वंदे भारत या अमृत भारत एक्सप्रेस-वे के माध्यम से नये भारत की नयी ट्रेन की सुविधा, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ उपलब्ध करवाने का कार्य हो, या फिर बेहतर वायु कनेक्टिविटी, एयर कनेक्टिविटी को उत्तर प्रदेश के अन्दर देने का कार्य हो या फिर लैण्ड लॉग्ड

स्टेट्स से आज मुक्त होते हुए देश का पहला इनलैण्ड वाटर-वे के स्थापना के कार्य को तेज करने का कार्य हो, यह भी उत्तर प्रदेश कर चुका है। उत्तर प्रदेश के अन्दर इनलैण्ड वाटर-वे अथॉरिटी का गठन भी हम कर चुके हैं, जिसमें हम लोगों का प्रयास है कि अयोध्या को पहले पूर्वी बंदरगाह के साथ जोड़ करके अयोध्या की कनेक्टिविटी को बेहतर कर सकें और इसी के साथ अन्य जगहों को धीर-धीरे करके आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

महोदय, प्रदेश के अन्दर पोटेंशियल के अनुरूप हमने सेक्टरवार, अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति भी अपनाई है, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स, जो एस0डी0जी0 के लक्ष्य हैं, उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह संकल्पित है और प्रदेश की जी0डी0पी0 केवल प्रदेश तक सीमित नहीं होगी, बल्कि हर जनपद की भी अपनी एक जी0डी0पी0 होगी, इसके लिए प्रदेश सरकार ने पूरी तैयारी के साथ कार्य करना प्रारम्भ किया है। सेक्टोरल और क्रास सेक्टोरल बेस्ड प्रैक्टिस को प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ाया है। नीति आयोग की तर्ज पर स्टेट ट्रांसफॉरमेशन कमीशन के गठन की कार्यवाही को भी प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ाया है और यहाँ पर जिन बातों पर चर्चा हो रही थी, तो मैं अक्सर देख रहा था कि मा0 सदस्यों की जो पीड़ा है, वह उसको बोलते भी हैं। अभी मा0 सदस्यों ने इस बात को देखा होगा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रधानमंत्री विकसित भारत संकल्प यात्रा गाँव-गाँव गयी थी।

माननीय अध्यक्ष जी, विकसित भारत संकल्प यात्रा, यह सचुरेशन के 100 परसेन्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बेहतर प्रयास था। जिन लोगों तक शासन की योजना का लाभ पहुंचा है, वह अपनी सफलतम कहानी को बोलें और जिनको नहीं पहुंचा है, वह अपना रजिस्ट्रेशन करवायें। 'पहली बार आपकी सरकार, आपके द्वार' इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सरकार के द्वारा प्रयास प्रारम्भ हुआ है। अब सरकार उसको एक नए रूप में बहुत शीघ्र फैमिली आई0डी0 लागू करने वाली है। हर परिवार के लिए एक फैमिली आई0डी0 लागू करके पूरे सिस्टम को हम ऑनलाइन करेंगे, उसमें पूरे परिवार का विवरण होगा। फैमिली आई0डी0 के माध्यम से किन योजनाओं का लाभ इस परिवार को मिला है, कौन लोग अभी तक इससे वंचित हैं ? जो लोग इससे वंचित हैं, उन तक सरकार यह योजनाएं पहुंचाने के लिए जाएगी। किसी को सरकार के द्वार आने की आवश्यकता नहीं है बल्कि सरकार उन लोगों तक पहुंचेगी और फैमिली आई0डी0 के कार्य को करेगी। हमने सरकारी नौकरी के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी नौकरी की अनन्त सम्भावनाओं को आगे बढ़ाया है। इन सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार के स्तर पर जो प्रयास प्रारम्भ हुआ है, उस प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए यह भी प्रयास किया जा रहा है कि एक परिवार के एक व्यक्ति को कहीं न कहीं रोजगार और नौकरी के साथ जोड़ने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए सरकार ने फैमिली आई0डी0 के कार्य को आगे बढ़ाया है। हम अब तक 60 योजनाओं को लेकर चल रहे हैं। एक परिवार, एक पहचान योजना के अन्तर्गत 6 करोड़ 64 लाख लाभार्थियों की फैमिली आई0डी0 की फीडिंग की जा चुकी है। यह काम निरन्तर चल रहा है और इस कार्यक्रम को हम आगे

बढ़ा रहे हैं। नीति आयोग ने 8 आकांक्षात्मक जनपदों बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, चन्दौली, फतेहपुर, चित्रकूट, बहराइच और श्रावस्ती को जो स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि विकास और रोजगार की अन्य सुविधाओं में पिछड़ गये थे, उन्हें सामान्य जनपदों की श्रेणी में लाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के क्रम में उत्तर प्रदेश के मॉडल को बेहतर माना है। आज आकांक्षात्मक जनपद की तर्ज पर प्रदेश सरकार ने 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों के लिए अपनी कार्य योजना बनायी है और उन कार्यक्रमों को हम प्रभावी ढंग से लागू कर चुके हैं, उसके बेहतर परिणाम आ रहे हैं। नगरीय क्षेत्र में भी चूंकि नये नगर निकाय आए हैं। एक-डेढ़ वर्ष पहले यह सभी ग्राम पंचायतें थीं। इनके सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट मॉडल को हम आगे बढ़ा सकें, इसके लिए भी हमने आकांक्षात्मक नगरीय योजना लागू की है, जिसमें 100 ऐसी नगर निकायों का चयन किया गया है, जिनके कार्यक्रमों को हम आगे बढ़ा रहे हैं। उस दिशा में बेहतर प्रयास प्रारम्भ हुए हैं।

वन ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य की प्राप्ति के उद्देश्य से सरकार का जो सेक्टोरियल मैकेनिज्म है, उसको हम लोगों ने 10 सेक्टर में तैयार किया है और प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी हम लोगों ने एक जिम्मेदार/अनुभवी अधिकारी को दी है। उसकी अल्पकालिक और दीर्घकालिक जो योजना तय की गयी है, उसके सफल क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग सी0एम0 डेस्क बोर्ड के माध्यम से भी हम लोग निरन्तर कर रहे हैं। मैं केवल नेता प्रतिपक्ष से एक बात कहना चाहूंगा कि पिछले 7 वर्ष में सरकार ने जो प्रयास प्रारम्भ किये, स्वास्थ्य है, शिक्षा है और जीवन स्तर के जो अलग-अलग घटक हैं, जो तीन महत्वपूर्ण आयाम है, जिनके 12 लक्ष्य नीति आयोग ने तय किये थे, इसमें डबल इंजन की सरकार ने पिछले 6 वर्ष में प्रदेश के अन्दर 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है। अगर आप देखें तो 2015-16-17 में केवल डेढ़ करोड़ लोग अनुपूरक आहार ही प्राप्त कर पाते थे और आज 2 करोड़ 6 लाख से अधिक लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आप बाल मृत्यु दर और मातृ स्वास्थ्य की बात कर रहे थे तो 2016-17 में भी 48 प्रति लाख थी, जो 2020 में यह 38 प्रति लाख हो चुकी है।

मान्यवर, मातृ स्वास्थ्य दर में भी अगर आप देखेंगे कि 2016 तक दो सौ पचासी प्रति लाख थी आज 2022-23 में यहां एक सौ सड़सठ प्रति लाख हो गई हैं। इस पूरी शिक्षा में विगत सात वर्ष में किये गये प्रयासों का परिणाम है कि चालीस लाख बच्चे उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा के स्कूलों में बढ़े हैं आज एक करोड़ बानबे लाख बच्चे इन स्कूलों में पढ़ रहे हैं इन बच्चों को आज हम वहां पर बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने का कार्य कर रहे हैं।

साथ-साथ प्रदेश के अन्दर उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को वर्ष में दो बार फ्री में रसोई गैस के सिलेंन्डर उपलब्ध करवाने का कार्य भी सरकार करवा रही है। हर घर नल योजना एक करोड़ पंचानबे लाख घरों को हम लोग हर घर तक परिवारों को हर घर नल की

योजना से जोड़ चुके हैं। एक करोड़ अट्ठावन लाख परिवारों को फ्री में बिजली दे चुके हैं एक करोड़ अट्ठावन लाख घरों तक बिजली का मतलब एक लाख इक्कीस हजार गांवों में मजरों में बिजली पहुंचाने का काम और उसका इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किया गया। पचपन लाख तिरासी हजार आवास भी उपलब्ध करवाये गये प्रदेश के अन्दर प्रधानमंत्री आवास योजना में नब्बे हजार आठ सौ छाछठ गांव में हम लोगों ने पी0एम0 स्वामित्व योजना में जहां पर जिसकी झोपड़ी होगी वहीं पर उसका मालिकाना अधिकार मिलेगा पी0एम0 स्वामित्व योजना में इस कार्यक्रम को हम लोग प्रदेश के अन्दर लागू कर चुके हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री जन धन एकाउंट में नौ करोड़ खातों में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान है जिसमें से आधे से अधिक यह प्रदेश के महिलाओं का है। मैं केवल आपसे कहना चाहूंगा कि आपने तो दिया था अपने पांच साल के कार्यकाल में एक फेलियर स्टेट हमने बनाया एक सेक्योर स्टेट। आपने लूटे मिलियन और हम देंगे प्रदेश को वन ट्रिलियन। मैं इसके साथ ही अन्त्योदय से अर्थव्यवस्था तक स्वास्थ्य से शिक्षा तक, इन्फ्रास्ट्रक्चर से इंडस्ट्री तक, कृषि से कनेक्टिविटी तक, किसान से कामगार तक, आस्था से आजीविका तक, मानबिन्दुओं के सम्वर्धन से, मातृ शक्ति के सशक्तिकरण तक, विकसित भारत के बेहतर रोड मैप के साथ जो बजट मेरे सहयोगी वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी ने प्रस्तुत किया है। इस बजट को सर्वसम्मति से पास करने की अपील इस मा0 सदन से करता हूँ कि उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में प्रस्तुत करने के लिए अगर सचमुच आप लोग भी संकल्पित हैं तो आप भी इस संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे मैं एक बार फिर से अपने सभी मा0 सदस्यों का जिन्होंने इस पूरी चर्चा में भाग लिया, अपने बहुमूल्य सुझाव दिये उन सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ और उन्हें इस पूरे विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए आवाहन भी करता हूँ। आपने मौका दिया आपको हृदय से धन्यवाद।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, मैं नेता सदन का अभी भाषण सुन रहा था उन्होंने कहा कि जब दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था में भारत आ गया है। और ब्रिटेन से तुलना कर दिये। ब्रिटेन में भी अब ऐसा नहीं होता होगा।

श्री अध्यक्ष-

अब ब्रिटेन में जो होता है वह यहां थोड़ी न होगा।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, ऐसी कोई शादियां नहीं होती होंगी जो बिना दूल्हे की हो गई हों। उत्तर प्रदेश इसमें अजूबा बन गया है। कार्यक्रम में बिना दूल्हा, दुल्हन के शादियां कराई गई, लड़के और लड़कियों के एक दूसरे के गले में माला पहनाया गया अपने-अपने गले में स्वयं माला पहना ली।

श्री अध्यक्ष-

अरे वह हो चुका है कल उसके ऊपर डिटेल में चर्चा हो चुकी है। अगर कोई बात आपको पूछनी हो तो मा0 वित्त मंत्री जी उसका स्पष्टीकरण दे देंगे।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, जो आस-पास के प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पांच सौ रुपये में सिलेन्डर मिल रहा है क्या उत्तर प्रदेश में पांच सौ रुपये में सिलेण्डर मिलेगा।

श्री अध्यक्ष-

मा0 वित्त मंत्री जी इसका उत्तर देंगे।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, प्राइवेट जो हमारे ट्यूबवेल्स हैं जिसका सरकार ने वादा किया था कि मुफ्त बिजली दी गई है तो क्या मुफ्त बिजली मिल रही है ?

और पाँच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के लिये आप कह रहे हैं कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा। क्या एक बिलियन असत्य से बनेगा ? मा0 वित्त मंत्री जी खड़े हो रहे हैं तो वह बतायें कि वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लिये उत्तर प्रदेश में आपकी ग्रोथ रेट क्या होनी चाहिये ?

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने वर्ष 2024-25 के बजट पर हमको अपनी बात कहने का मौका दिया। मैं अपने पक्ष तथा विपक्ष के सभी मा0 सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस महत्वपूर्ण चर्चा में भाग लिया। मा0 मुख्य मंत्री जी को मैं विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने बजट के प्रमुख मुद्दों पर और खासतौर से अपनी उपलब्धियों और आगामी कार्यक्रमों के बारे में आपके माध्यम से इस सदन को विस्तृत रूप से अवगत कराया। हम समझते हैं कि सभी प्रमुख बिन्दुओं पर मा0 मुख्य मंत्री जी का विचार आ गया है। यह एक सर्वसमावेशी और एक संतुलित बजट है। मान्यवर, नेता प्रतिपक्ष ने दो बाते कहीं, उन दोनों बातों का मैं जवाब दे रहा हूँ। आपने सिलेण्डर के बारे में कहा तो मैं बताना चाहूँगा कि हम दो सिलेण्डर निःशुल्क दे रहे हैं। आपको यह जानकारी होगी। दूसरा, खासतौर से आपने वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी की बात कही। मा0 मुख्य मंत्री जी ने डिटेल में बात कही। हम तो केवल दो ही बातें कहकर अपनी बात को समाप्त करेंगे। ए0जी0 तथा भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट पर आप हमेशा कोट करते हैं। आप 2022-23 की ए0जी0 की रिपोर्ट देख लें और भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट देख लें, इसमें उत्तर प्रदेश के फायनेंसियल डिसिप्लिन और उत्तर प्रदेश के फिजूलखर्च पर योगी सरकार ने जो लगाम लगायी, उसका परिणाम यह है कि वर्ष 2022-23 में हमको एफ0आर0बी0एम0 की लिमिट 2.86 दी गयी। हम

तो सोचते थे कि इस पर आपकी पूरी एकेडेमिक बहस होगी, लेकिन आपने आधा समय तो शेर-ओ-शायरी में निकाल दिया और उसमें भी आप हमारे शेरों का ही पोस्टमार्टम करते हैं, आप जवाब कहाँ देते हैं। आपने उसका पोस्टमार्टम किया।

श्री अखिलेश यादव-

आप भी तो हमारे ही शेर पढ़ रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

हम आपके शेर नहीं पढ़ रहे है। देखिये, किसी गजल में अगर पाँच शेर हैं तो अपने आप में वह दो लाईनें पूरी बात कहती हैं। मैंने बीच में से नहीं निकाला। आप देख लीजिये। हम इसके ऊपर अलग से भी चर्चा कर सकते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

आदरणीय अध्यक्ष जी, मा0 मंत्री जी बता दें कि उन्होंने आदरणीय उदय प्रताप सिंह जी की कवितायें पढ़ी हैं कि नहीं पढ़ी हैं ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, उदय प्रताप सिंह जी आदरणीय श्री मुलायम सिंह यादव जी के गुरु थे। यह हम इसलिये बता रहे हैं क्योंकि हम उन्हें जानते हैं। आपने कविता की बात की तो मैं बता दूँ कि हम उन्हें जानते है और इस क्षेत्र में मेरी विशेष रुचि है।

श्री अध्यक्ष-

हम एक सत्र इसी के ऊपर रख देंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, इस विषय के ऊपर हम बात भी कर सकते हैं, लेकिन मैं आपसे सुनना चाहता था। इस बजट पर जो दिशा वाली बात है तो मैं कहना चाहूँगा कि दिशा है इन्फ्रास्ट्रक्चर, दिशा है रोजगार और दिशा है एफ0आर0बी0एम0, दिशा है ए0जी0 की रिपोर्ट, दिशा है रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की रिपोर्ट। आप देख लीजिये और उस पर बात कीजिये। निश्चित रूप से हम चाहते थे कि आप उस पर बात कीजिये। हमारी एफ0आर0बी0एम0 की लिमिट 3.50 थी और हमने उसको बिना इस्तेमाल किये 2.86 रखा, यह ए0जी0 की रिपोर्ट है। यह हमारी रिपोर्ट नहीं है। आप देख लीजिये। उस ए0जी0 की रिपोर्ट के आधार पर हमारी एफ0आर0बी0एम0 की लिमिट 2022-23 में 2.86 है। अभी 2023-24 चल रहा है, उसका रिजल्ट आगे आयेगा।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष महोदय, आपको रोक कौन रहा है ? आप और आगे बढ़िये।

श्री अध्यक्ष-

मा0 नेता प्रतिपक्ष, वह लोन लेने की बात कर रहे हैं, खर्च करने की बात नहीं कर रहे हैं। एफ0आर0बी0एम0 की रिपोर्ट कितना आप लोन ले सकते हैं वह होती है।

श्री अखिलेश यादव-

एफ0आर0बी0एम0 की जो बाउण्डेशन है, आपको रोक कौन रहा है, आप एफ0आर0बी0एम0 की लिमिट के नीचे खर्च करिये। आपको खर्च के लिये कोई नहीं रोक रहा है।

श्री अध्यक्ष-

एफ0आर0बी0एम0 की जो लिमिट है वह लोन के लिये है, खर्च के लिये नहीं है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारी फाइनेन्सिल स्थिति का आंकलन करने का मानक यही है। ए0जी0 क्या कहता है, रिजर्व बैंक क्या कहता है ? मान्यवर, उन्होंने हमारे फाइनेन्सिल डिसिपिलन को एप्रीसियेट किया है।

श्री अखिलेश यादव-

एफ0आर0बी0एम0 एक पैरामीटर है इससे आगे आपको खर्च नहीं करना है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 नेता प्रतिपक्ष, खर्च नहीं, लोन नहीं ले सकते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

हाँ लोन नहीं ले सकते हैं।

श्री अध्यक्ष-

लोन लेने में और खर्चा करने में फर्क है।

श्री अखिलेश यादव-

तो आपको खर्चा करने के लिए कौन रोक रहा है ?

श्री अध्यक्ष-

लोन की जरूरत नहीं है, यह अपने पैसे से कर रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, आपके लोगों ने इस बात पर सवाल उठाया कि यह गरीबी रेखा से नीचे 3 करोड़ है, 6 करोड़ नहीं हैं। मैं यहां पर नीति आयोग का पेपर लेकर आया हूँ। यह पेपर मैं आपके पास भिजवा रहा हूँ। इसमें खासतौर से 5 करोड़ 93 लाख 69 हजार लोग हैं।

लगभग 6 करोड़ लोग योगी सरकार में गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं, यह नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है। इसको आप चैलेन्ज करिए। तीसरा सवाल आपके लोगों ने उठाया है कि आप धर्म का सहारा ले रहे हैं। चूंकि आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने हर चीज के ऊपर बोल दिया है इसलिए मैं कुछ दोहराना नहीं चाहता हूँ। हम सदन का समय खराब नहीं करना चाहते हैं। एक मा0 सदस्य ने कहा कि आप मेरिट पर बात नहीं करते हैं, धर्म की बात करते हैं और भी कई लोगों ने कहा कि धर्म का सहारा ले रहे हैं। मान्यवर, हम धार्मिक व्यक्ति हैं और धर्म के ऊपर मेरी पूरी आस्था है। गीता और रामायण हमारी आस्था के केन्द्र हैं। हम पहले पुरुषार्थ पर विश्वास करते हैं फिर ईश्वर पर परिणाम छोड़ते हैं। गीता के 18वें अध्याय का 14वां श्लोक यही कहता है कि-

''अधिष्ठानं तथा कर्ता करणं च पृथग्विधम्।
विविधाश्च् पृथक्चेष्टा दैवं चौवात्र पंचमम्।।''

किसी काम को करने के लिए पाँच चीजों की जरूरत होती है। पहला स्थान, दूसरा कर्ता, तीसरा उपकरण, चौथा चेष्टाएँ। अगर यह चारों चीजें पूरी हैं ''दैवं चौवात्र पंचमम'' तो पाँचवी चीज है ईश्वर, अल्लाह, खुदा, गॉड जिसको भी हम मानते हैं उसकी कृपा अगर इसको बाईफरकेट करें तो 20 प्रतिशत स्थान के, 20 प्रतिशत कर्ता के, 20 प्रतिशत चेष्टाओं के, 20 प्रतिशत उपकरण के और 80 प्रतिशत पुरुषार्थ है। गीता के 18वें अध्याय के 14वां श्लोक, किसी को बाईपास सर्जरी करानी हो तो कोई छोटे अस्पताल नहीं जाएगा, वह अपोलो, स्कॉट और पी0जी0आई0 जाएगा। स्थान भी है, कर्ता भी है, चेष्टाएँ भी है अगर केस बिगड़ जाए तो सेकेण्ड ओपिनियन ले ले, और उपकरण भी है, आई0सी0यू0 भी है और वेन्टीलेटर भी है। 80 प्रतिशत पुरुषार्थ और 20 प्रतिशत ईश्वरीय कृपा है। यह हमारा आदर्श है। यही हमारे काम करने का तरीका भी है। जहां तक बजट का सवाल है हम आपको चार लाईनों में बतायें देते हैं। चाचा जी ने एक बात कही है उनको जवाब देना चाहता हूँ।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, मैं नेता सदन को इसलिए बधाई देता हूँ कि इन्होंने कंजूस वित्त मंत्री बनाया है, और कंजूस होना भी चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

अगर कंजूस होना चाहिए तो फिर सही बनाया है ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

वित्त मंत्री क्या लुटाने के लिए होता है ?

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जो हमारे कर्मचारी हैं।

श्री अध्यक्ष-

यह विषय बाद में आएगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि -

"योगी जी का बजट बना है यू0पी0 की खुशहाली को,
फूलों की सौगात मिलेगी हर उपवन हर डाली को,
कोई कसर नहीं छोड़ेंगे घर-घर खुशियाँ लायेंगे,
केसरिया ध्वज लहराकर फिर से यू0पी0 स्वर्ग बनायेंगे।"

भारत सरकार द्वारा स्व0 चौधरी चरण सिंह, स्व0 एस0 स्वामीनाथन, स्व0 कर्पूरी ठाकुर, श्री लाल कृष्ण आडवाणी, स्व0 नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किये जाने पर सदन की ओर से बधाई

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, आज के दिन आदरणीय मुख्य मंत्री जी बता चुके हैं कि आदरणीय चौधरी चरण सिंह को, आदरणीय एस0 स्वामीनाथन जी को, श्री कर्पूरी ठाकुर जी को, आदरणीय श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को, श्री नरसिंहा राव जी को माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो भारत रत्न दिया। हमारी केन्द्र सरकार के द्वारा भारत रत्न दिया गया हम उसका हृदय से स्वागत करते हैं, अभिनन्दन करते हैं। कल भी जैसे ही आपने खबर दी थी। बाकायदा हमने इसका इसी सीट से स्वागत भी किया था। हमने आपसे रिक्वेस्ट भी किया था कि हम लोगों का एक प्रस्ताव बनवाकर भिजवा देंगे।

साथ ही साथ आज विशेष रूप से जब अन्तिम समय है मान्यवर अगर आपकी अनुमति हो तो हम प्रस्ताव पढ़ दें ?

श्री अध्यक्ष-

जी पढ़िये।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के आय-व्ययक के शेष अनुदानों की मांगों पर समेकित रूप से विचार एवं मतदान तथा उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 के पुरःस्थापन सम्बन्धी मदें आज ही लिये जाने विषयक प्रस्ताव

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि आज दिनांक 10 फरवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली 2023 के संगत प्राविधानों को शिथिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्यय के शेष अनुदानों की मांगों

पर समेकित रूप से विचार एवं मतदान करा लिया जाये तथा उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 के पुरःस्थापन तथा विचार एवं पारण सम्बन्धी मदें आज ही ले ली जायें।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि आज दिनांक 10 फरवरी 2024 को उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 2023 के संगत प्राविधानों को शिथिल करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्यय के शेष अनुदानों की मांगों पर समेकित रूप से विचार एवं मतदान करा लिया जाये तथा उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 के पुरःस्थापन तथा विचार एवं पारण सम्बन्धी मदें आज ही ले ली जायें ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

अनुदान संख्या-1 लगायत-10,12 लगायत 28,30,33 लगायत 35,38 लगायत 53,60 लगायत 63,65 लगायत 87,89 तथा 91 लगायत 95

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा एवं श्री राज्यपाल जी की सिफारिश से कार्य मंत्री से प्रस्ताव करता हूँ कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-1 लगायत-10,12, लगायत 28,30,33 लगायत 35,38 लगायत 53,60 लगायत 63,65 लगायत 87,89 तथा 91 लगायत 95 के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रुपये पांच लाख सतहत्तर हजार छः सौ बहत्तर करोड़ बयासी लाख इक्कीस हजार रुपये 5,77,672,82,21,000 से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये जिसका विवरण निम्नवत् है :-

अनुदान संख्या-01-आबकारी विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 4970511000 (चार सौ सन्तानवे करोड़ पाँच लाख ग्यारह हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-02-आवास विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 71586714000 (सात हजार एक सौ अट्ठावन करोड़ सड़सठ लाख चौदह हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-03-उद्योग विभाग (लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 30099545000 (तीन हजार नौ करोड़ पंचानवे लाख पैंतालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-04-उद्योग विभाग (खानें और खनिज) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 848220000 (चौरासी करोड़ बयासी लाख बीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-05-उद्योग विभाग (खादी एवं ग्रामोद्योग) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 1629482000 (एक सौ बासठ करोड़ चौरानवे लाख बयासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-06-उद्योग विभाग (हथकरघा उद्योग) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 9430116000 (नौ सौ तैंतालिस करोड़ एक लाख सोलह हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-07-उद्योग विभाग (भारी एवं मध्यम उद्योग) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 218955939000 (इक्कीस हजार आठ सौ पंचानवे करोड़ उनसठ लाख उन्तालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-08-उद्योग विभाग (मुद्रण तथा लेखन सामग्री) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 2988640000 (दो सौ अट्ठानवे करोड़ छियासी लाख चालीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-09-ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 496233046000 (उन्चास हजार छः सौ तेइस करोड़ तीस लाख छियालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-10-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (औद्यानिक एवं रेशम विकास) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 18511980000 (एक हजार आठ सौ इक्यावन करोड़ उन्नीस लाख अस्सी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-11-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 87794344000 (आठ हजार सात सौ उन्नयासी करोड़ तैंतालिस लाख चौवालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-12-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (भूमि विकास एवं जल संसाधन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 4506543000 (चार सौ पचास करोड़ पैंसठ लाख तैंतालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-13-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (ग्राम्य विकास) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 208275312000 (बीस हजार आठ सौ सत्ताइस करोड़ तिरपन लाख बारह हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-14-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (पंचायती राज) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 173055036000 (सत्रह हजार तीन सौ पांच करोड़ पचास लाख छत्तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-15-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (पशुधन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 34611294000 (तीन हजार चार सौ इकसठ करोड़ बारह लाख चौरानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-16-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (दुग्धशाला विकास) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 3770245000 (तीन सौ सतहत्तर करोड़ दो लाख पैंतालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-17-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (मत्स्य) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 7668188000 (सात सौ छियासठ करोड़ इक्यासी लाख अट्ठासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-18-कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (सहकारिता) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 14267408000 (एक हजार चार सौ छब्बीस करोड़ चौहत्तर लाख आठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-19-कार्मिक विभाग (प्रशिक्षण तथा अन्य व्यय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 370637000 (सैंतीस करोड़ छः लाख सैंतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-20-कार्मिक विभाग (लोक सेवा आयोग) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 1401125000 (एक सौ चालिस करोड़ ग्यारह लाख पच्चीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-21-खाद्य तथा रसद विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 222630906000 (बाइस हजार दो सौ तिरसठ करोड़ नौ लाख छः हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-22-खेल विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 9823591000 (नौ सौ बयासी करोड़ पैंतीस लाख इक्यानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-23-गन्ना विकास विभाग (गन्ना) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 3363025000 (तीन सौ छत्तीस करोड़ तीस लाख पच्चीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-24-गन्ना विकास विभाग (चीनी उद्योग) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 15318837000 (एक हजार पांच सौ इकतीस करोड़ अट्ठासी लाख सैंतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-25-गृह विभाग (कारागार) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 27527903000 (दो हजार सात सौ बावन करोड़ उन्नयासी लाख तीन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-26-गृह विभाग (पुलिस) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 395457694000 (उन्तालिस हजार पांच सौ पैंतालीस करोड़ छिहत्तर लाख चौरानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-27-गृह विभाग (नागरिक सुरक्षा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 300370000 (तीस करोड़ तीन लाख सत्तर हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-28-गृह विभाग (राजनैतिक पेंशन तथा अन्य व्यय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 4795338000 (चार सौ उन्नयासी करोड़ तिरपन लाख अड़तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-30-गोपन विभाग (राजस्व विशिष्ट अभिसूचना निदेशालय तथा अन्य व्यय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 96249000 (नौ करोड़ बासठ लाख उन्चास हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 112876987000 (ग्यारह हजार दो सौ सत्तासी करोड़ उनहत्तर लाख सत्तासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-32-चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 117673205000 (ग्यारह हजार सात सौ सड़सठ करोड़ बत्तीस लाख पांच हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-33-चिकित्सा विभाग (आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 19790012000 (एक हजार नौ सौ उन्नयासी करोड़ बारह हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-34-चिकित्सा विभाग (होम्योपैथी चिकित्सा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 7476685000 (सात सौ सैंतालिस करोड़ छियासठ लाख पच्चासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-35-चिकित्सा विभाग (परिवार कल्याण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये रु0 131907200000 (तेरह हजार एक सौ नब्बे करोड़ बहत्तर लाख रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-36-चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 13676038000 (एक हजार तीन सौ सड़सठ करोड़ साठ लाख अड़तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-37-नगर विकास विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 240273681000 (चौबीस हजार सत्ताइस करोड़ छत्तीस लाख इक्यासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-38-नागरिक उड्डयन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 27745971000 (दो हजार सात सौ चौहत्तर करोड़ उनसठ लाख इकहत्तर हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-39-भाषा विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 533167000 (तिरपन करोड़ इकतीस लाख सड़सठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-40-नियोजन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 38799933000 (तीन हजार आठ सौ उन्नयासी करोड़ निन्यानवे लाख तैंतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-41-निर्वाचन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 8306028000 (आठ सौ तीस करोड़ साठ लाख अट्ठाइस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-42-न्याय विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 78460108000 (सात हजार आठ सौ छियालिस करोड़ एक लाख आठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-43-परिवहन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 13216118000 (एक हजार तीन सौ इक्कीस करोड़ इकसठ लाख अट्ठारह हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-44- पर्यटन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 18962957000 (एक हजार आठ सौ छियानवे करोड़ उन्नतीस लाख सत्तावन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-45-पर्यावरण विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 155732000 (पन्द्रह करोड़ सत्तावन लाख बत्तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-46-प्रशासनिक सुधार विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 312157000 (इकतीस करोड़ इक्कीस लाख सत्तावन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-47-प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 11276419000 (एक हजार एक सौ सत्ताइस करोड़ चौंसठ लाख उन्नीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-48-अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 19715498000 (एक हजार नौ सौ इकहत्तर करोड़ चौवन लाख अट्ठानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-49-महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 132531090000 (तेरह हजार दो सौ तिरपन करोड़ दस लाख नब्बे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-50-राजस्व विभाग (जिला प्रशासन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 15316448000 (एक हजार पांच सौ इकतीस करोड़ चौंसठ लाख अड़तालीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-51-राजस्व विभाग (दैवी विपत्तियों के सम्बन्ध में राहत) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 46365654000 (चार हजार छः सौ छत्तीस करोड़ छप्पन लाख चौवन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-52-राजस्व विभाग (राजस्व परिषद् तथा अन्य व्यय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 52805498000 (पांच हजार दो सौ अस्सी करोड़ चौवन लाख अट्ठानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-53-राष्ट्रीय एकीकरण विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 10990000 (एक करोड़ नौ लाख नब्बे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 34869593000 (तीन हजार चार सौ छियासी करोड़ पंचानवे लाख तिरानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 3102860000 (तीन सौ दस करोड़ अट्ठाइस लाख साठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-56-लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रुपये 0000 से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 42843350000 (चार हजार दो सौ चौरासी करोड़ तैंतीस लाख पचास हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 288671829000 (अट्ठाइस हजार आठ सौ सड़सठ करोड़ अट्ठारह लाख उन्नतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 10224422000 (एक हजार बाइस करोड़ चौवालीस लाख बाइस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-60-वन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 20157825000 (दो हजार पन्द्रह करोड़ अठहत्तर लाख पच्चीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-61-वित्त विभाग (ऋण सेवा तथा अन्य व्यय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 253760140000 (पच्चीस हजार तीन सौ छिहत्तर करोड़ एक लाख चालीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-62-वित्त विभाग (अधिवर्ष भत्ते तथा पेंशनें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 782086031000 (अठहत्तर हजार दो सौ आठ करोड़ साठ लाख इकतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-63-वित्त विभाग (कोषागार तथा लेखा प्रशासन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 3551560000 (तीन सौ पचपन करोड़ पन्द्रह लाख साठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-65-वित्त विभाग (लेखा परीक्षा, अल्प-बचत आदि) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 5296595000 (पांच सौ उन्नतीस करोड़ पैंसठ लाख पंचानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-66-वित्त विभाग (सामूहिक बीमा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 427707000 (बयालिस करोड़ सतहत्तर लाख सात हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-67-विधान परिषद् सचिवालय के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 977904000 (सन्तानवे करोड़ उन्नयासी लाख चार हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-68-विधान सभा सचिवालय के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 3472849000 (तीन सौ सैंतालिस करोड़ अट्ठाइस लाख उनचास हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-69-व्यावसायिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 21787061000 (दो हजार एक सौ अठहत्तर करोड़ सत्तर लाख इकसठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-70-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 10856291000 (एक हजार पच्चासी करोड़ बासठ लाख इक्यानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-71-शिक्षा विभाग (प्राथमिक शिक्षा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 812631748000 (इक्यासी हजार दो सौ तिरसठ करोड़ सत्रह लाख अड़तालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-72-शिक्षा विभाग (माध्यमिक शिक्षा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 176387804000 (सत्रह हजार छः सौ अड़तीस करोड़ अठहत्तर लाख चार हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-73-शिक्षा विभाग (उच्च शिक्षा) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 49119005000 (चार हजार नौ सौ ग्यारह करोड़ नब्बे लाख पांच हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-74-गृह विभाग (होमगार्ड्स) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 30349131000 (तीन हजार चौंतीस करोड़ इक्यानवे लाख इकतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-75-शिक्षा विभाग (राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 8082048000 (आठ सौ आठ करोड़ बीस लाख अड़तालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-76-श्रम विभाग (श्रम कल्याण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 6453762000 (छः सौ पैंतालिस करोड़ सैंतीस लाख बासठ हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-77-श्रम विभाग (सेवायोजन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 1639282000 (एक सौ तिरसठ करोड़ बानवे लाख बयासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-78-सचिवालय प्रशासन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 24365157000 (दो हजार चार सौ छत्तीस करोड़ इक्यावन लाख सत्तावन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-79-समाज कल्याण विभाग (दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 44050236000 (चार हजार चार सौ पांच करोड़ दो लाख छत्तीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-80-समाज कल्याण विभाग (समाज कल्याण एवं अनुसूचित जातियों का कल्याण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 103055904000 (दस हजार तीन सौ पांच करोड़ उनसठ लाख चार हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-81-समाज कल्याण विभाग (जनजाति कल्याण) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 16382673000 (एक हजार छः सौ अड़तीस करोड़ छब्बीस लाख तिहत्तर हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-82-सतर्कता विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 896535000 (नवासी करोड़ पैंसठ लाख पैंतीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-83-समाज कल्याण विभाग (अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 336572000000 (तैंतीस हजार छः सौ सत्तावन करोड़ बीस लाख रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-84-सामान्य प्रशासन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 9204641000 (नौ सौ बीस करोड़ छियालिस लाख इकतालिस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-85-सार्वजनिक उद्यम विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिएं आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 100786000 (दस करोड़ सात लाख छियासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-86-सूचना विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 9955257000 (नौ सौ पंचानवे करोड़ बावन लाख सत्तावन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-87-सैनिक कल्याण विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 843027000 (चौरासी करोड़ तीस लाख सत्ताइस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-89-राज्य कर विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 13057755000 (एक हजार तीन सौ पांच करोड़ सतहत्तर लाख पचपन हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-91-स्टाम्प एवं निबन्धन विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 36732069000 (तीन हजार छः सौ तिहत्तर करोड़ बीस लाख उनहत्तर हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-92-संस्कृति विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 5194391000 (पांच सौ उन्नीस करोड़ तैंतालिस लाख इक्यानवे हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-93-नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 175589780000 (सत्रह हजार पांच सौ अट्ठावन करोड़ सत्तानवे लाख अस्सी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-94-सिंचाई विभाग (निर्माण कार्य) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 139922389000 (तेरह हजार नौ सौ बानवे करोड़ तेइस लाख नवासी हजार रुपये) से अनधिक धनराशि।

अनुदान संख्या-95-सिंचाई विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रु0 67587319000 (छः हजार सात सौ अट्ठावन करोड़ तिहत्तर लाख उन्नीस हजार रुपये) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-1 लगायत-10,12 लगायत 28,30,33 लगायत 35,38 लगायत 53,60 लगायत 63,65 लगायत 87,89 तथा 91 लगायत 95 के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए रुपये 5,77,672,82,21,000 (रुपये पांच लाख सतहत्तर हजार छः सौ बहत्तर करोड़ बयासी लाख इक्कीस हजार) से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक 2024 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 को पुरःस्थापित करता हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक 2024 पर विचार किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक 2024 पर विचार किया जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

खण्ड-2 से खण्ड-3 तथा खण्ड-1 प्रस्तावना व शीर्षक

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024

31 मार्च, 2025 ई0 को समाप्त होने वाले वर्ष में व्यय के लिये राज्य की समेकित निधि में से कतिपय धनराशियों के भुगतान और विनियोग का अधिकार देने की व्यवस्था करने के लिये

विधेयक

भारत गणराज्य के पचहतरवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

संक्षिप्त नाम

1-यह अधिनियम उत्तर प्रदेश विनियोग अधिनियम, 2024 कहा जायेगा।

उत्तर प्रदेश की समेकित निधि में से वर्ष 2024-2025 के लिए 770127,66,14,000 रुपये का निकाला जाना

2-ऐसे विविध परिव्यय चुकाने के निमित जो 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर अनुसूची के स्तम्भ-2 में दी हुई सेवाओं और प्रयोजनों के सम्बन्ध में देने पड़ेंगे, उत्तर प्रदेश की समेकित निधि में से इतना रुपया दिया और काम में लाया जा सकता है जो अनुसूची के स्तम्भ-3 में दी गई धनराशियों से, जिनका कुल योग 770127,66,14,000 रुपये (रुपये सात लाख सत्तर हजार एक सौ सत्ताईस करोड़ छियासठ लाख चौदह हजार मात्र) होता है, अधिक न हो।

विनियोग

3-इस अधिनियम द्वारा उत्तर प्रदेश की समेकित निधि में से, जिन धनराशियों को देने और काम में लाने का अधिकार दिया गया है, उनका विनियोग 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के सम्बन्ध में उन्हीं सेवाओं और प्रयोजनों के लिये किया जायगा जो अनुसूची में दिये गये हैं ।

अनुसूची

(धारायें 2 और 3 देखें)

1	2		3		
अनुदान/ विनियोग संख्या	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक (लाख रुपयों में)		
			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
01	अबकारी विभाग	राजस्व :	49455.11	--	49455.11
		पूंजी :	250.00	--	250.00
02	आवास विभाग	राजस्व :	44952.04	--	44952.04
		पूंजी :	670915.10	--	670915.10
03	उद्योग विभाग (लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन)	राजस्व :	241577.13	6.00	241583.13
		पूंजी :	59418.32	--	59418.32
04	उद्योग विभाग (खाने और खनिज)	राजस्व :	8222.20	--	8222.20
		पूंजी :	260.00	--	260.00
05	उद्योग विभाग (खादी एवं ग्रामोद्योग)	राजस्व :	16294.82	--	16294.82
06	उद्योग विभाग (हथकरघा उद्योग)	राजस्व :	57970.16	--	57970.16
		पूंजी :	36331.00	--	36331.00
07	उद्योग विभाग (भारी एवं मध्यम उद्योग)	राजस्व :	993415.13	--	993415.13
		पूंजी :	1196144.26	--	1196144.26
08	उद्योग विभाग (मुद्रण तथा लेखन सामग्री)	राजस्व :	26800.45	--	26800.45
		पूंजी :	3085.95	--	3085.95
09	ऊर्जा विभाग	राजस्व :	2985420.09	251859.23	3237279.32
		पूंजी :	1976910.37	440583.96	2417494.33
10	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (औद्यानिक एवं रेशम विकास)	राजस्व :	181661.18	337.71	181998.89
		पूंजी :	3458.62	--	3458.62
11	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (कृषि)	राजस्व :	800524.74	20.05	800544.79
		पूंजी :	77418.70	--	77418.70
12	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (भूमि विकास एवं जल संसाधन)	राजस्व :	45027.93	--	45027.93

अनुसूची

--(क्रमश):

1	2		3		
अनुदान/	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक		
			(लाख रुपयों में)		
क्रम संख्या			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
		पूंजी :	37.50	--	37.50
13	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (ग्राम्य विकास)	राजस्व :	607388.94	25.00	607413.94
		पूंजी :	1475364.18	--	1475364.18
14	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (पंचायती राज)	राजस्व :	1680415.36	--	1680415.36
		पूंजी :	50135.00	--	50135.00
15	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (पशुधन)	राजस्व :	313265.72	13.79	313279.51
		पूंजी :	32847.22	--	32847.22
16	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (दुग्धशाला विकास)	राजस्व :	23252.45	--	23252.45
		पूंजी :	14450.00	--	14450.00
17	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (मत्स्य)	राजस्व :	48881.88	9.50	48891.38
		पूंजी :	27800.00	--	27800.00
18	कृषि तथा अन्य सम्बद्ध विभाग (सहकारिता)	राजस्व :	125357.21	1203.00	126560.21
		पूंजी :	17316.87	4300.00	21616.87
19	कार्मिक विभाग (प्रशिक्षण तथा अन्य व्यय)	राजस्व :	1763.37	--	1763.37
		पूंजी :	1943.00	--	1943.00
20	कार्मिक विभाग (लोक सेवा आयोग)	राजस्व :	13511.25	13597.18	27108.43
		पूंजी :	500.00	500.65	1000.65
21	खाद्य तथा रसद विभाग	राजस्व :	290721.97	6.00	290727.97
		पूंजी :	1935587.09	0.50	1935587.59
22	खेल विभाग	राजस्व :	34647.94	--	34647.94
		पूंजी :	63587.97	--	63587.97
23	गन्ना विकास विभाग (गन्ना)	राजस्व :	33630.25	2.00	33632.25
24	गन्ना विकास विभाग (चीनी उद्योग)	राजस्व :	7579.37	--	7579.37

अनुसूची

--(क्रमशः):

1	2		3		
अनुदान/ क्रम संख्या	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक (लाख रुपयों में)		
			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की संचित निधि पर भारित	योग
		पूंजी :	145609.00	--	145609.00
25	गृह विभाग (कारागार)	राजस्व :	138657.91	20.00	138677.91
		पूंजी :	136621.12	--	136621.12
26	गृह विभाग (पुलिस)	राजस्व :	3429507.03	500.00	3430007.03
		पूंजी :	525069.91	--	525069.91
27	गृह विभाग (नागरिक सुरक्षा)	राजस्व :	3003.70	--	3003.70
28	गृह विभाग (राजनैतिक पेंशन तथा अन्य व्यय)	राजस्व :	47378.38	--	47378.38
		पूंजी :	575.00	--	575.00
*29	गोपन विभाग (राज्यपाल सचिवालय)	राजस्व :	--	2888.97	2888.97
		पूंजी :	--	50.01	50.01
30	गोपन विभाग(राजस्व विशिष्ट अभिसूचना निदेशालय तथा अन्य व्यय)	राजस्व :	962.48	--	962.48
		पूंजी :	0.01	--	0.01
31	चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण)	राजस्व :	727440.87	--	727440.87
		पूंजी :	401329.00	--	401329.00
32	चिकित्सा विभाग (एलोपैथी चिकित्सा)	राजस्व :	1067624.60	20.00	1067644.60
		पूंजी :	109107.45	--	109107.45
33	चिकित्सा विभाग (आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा)	राजस्व :	191023.07	--	191023.07
		पूंजी :	6877.05	--	6877.05
34	चिकित्सा विभाग (होम्योपैथी चिकित्सा)	राजस्व :	70626.85	--	70626.85
		पूंजी :	4140.00	--	4140.00
35	चिकित्सा विभाग (परिवार कल्याण)	राजस्व :	1080471.17	40.00	1080511.17
		पूंजी :	238600.83	--	238600.83
36	चिकित्सा विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य)	राजस्व :	125745.38	2.00	125747.38

*भारित विनियोग से सम्बन्धित क्रम-संख्या

अनुसूची

--(क्रमश):

1	2		3		
अनुदान/	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक		
			(लाख रुपयों में)		
क्रम संख्या			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
		पूंजी :	11015.00	--	11015.00
37	नगर विकास विभाग	राजस्व :	2127636.81	--	2127636.81
		पूंजी :	275100.00	--	275100.00
38	नागरिक उड्डयन विभाग	राजस्व :	13815.71	--	13815.71
		पूंजी :	263644.00	--	263644.00
39	भाषा विभाग	राजस्व :	5331.67	--	5331.67
40	नियोजन विभाग	राजस्व :	37473.83	--	37473.83
		पूंजी :	350525.50	--	350525.50
41	निर्वाचन विभाग	राजस्व :	81460.27	--	81460.27
		पूंजी :	1600.01	--	1600.01
42	न्याय विभाग	राजस्व :	436371.08	97553.85	533924.93
		पूंजी :	348230.00	750.00	348980.00
43	परिवहन विभाग	राजस्व :	61479.81	0.01	61479.82
		पूंजी :	70681.37	--	70681.37
44	पर्यटन विभाग	राजस्व :	21622.57	--	21622.57
		पूंजी :	168007.00	--	168007.00
45	पर्यावरण विभाग	राजस्व :	1557.32	--	1557.32
46	प्रशासनिक सुधार विभाग	राजस्व :	3052.37	--	3052.37
		पूंजी :	69.20	--	69.20
47	प्राविधिक शिक्षा विभाग	राजस्व :	91176.15	--	91176.15
		पूंजी :	21588.04	--	21588.04
48	अल्पसंख्यक कल्याण विभाग	राजस्व :	142483.34	1.80	142485.14
		पूंजी :	54671.64	--	54671.64

अनुसूची

--(क्रमश):

1	2		3		
अनुदान/	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक		
			(लाख रुपयों में)		
क्रम संख्या			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
49	महिला एवं बाल कल्याण विभाग	राजस्व :	1252489.70	--	1252489.70
		पूंजी :	72821.20	--	72821.20
50	राजस्व विभाग (जिला प्रशासन)	राजस्व :	140718.49	55.00	140773.49
		पूंजी :	12445.99	--	12445.99
51	राजस्व विभाग (दैवी विपत्तियों के सम्बन्ध में राहत)	राजस्व :	400050.53	23000.00	423050.53
		पूंजी :	63606.01	--	63606.01
52	राजस्व विभाग (राजस्व परिषद् तथा अन्य व्यय)	राजस्व :	527033.88	27.00	527060.88
		पूंजी :	1021.10	7.88	1028.98
53	राष्ट्रीय एकीकरण विभाग	राजस्व :	109.90	--	109.90
54	लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान)	राजस्व :	348595.93	4.00	348599.93
		पूंजी :	100.00	--	100.00
55	लोक निर्माण विभाग (भवन)	राजस्व :	16535.00	762.00	17297.00
		पूंजी :	14493.60	581.00	15074.60
57	लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु)	राजस्व :	16000.00	--	16000.00
		पूंजी :	412433.50	--	412433.50
58	लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें)	राजस्व :	967320.29	12.18	967332.47
		पूंजी :	1919398.00	3000.00	1922398.00
59	लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय)	राजस्व :	39181.17	--	39181.17
		पूंजी :	63063.05	--	63063.05
60	वन विभाग	राजस्व :	99109.12	13126.71	112235.83
		पूंजी :	102469.13	--	102469.13
61	वित्त विभाग (ऋण सेवा तथा अन्य व्यय)	राजस्व :	2521101.40	5309349.58	7830450.98
		पूंजी :	16500.00	3535724.95	3552224.95

अनुसूची

--(क्रमश):

1	2		3		
अनुदान/	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक (लाख रुपयों में)		
क्रम संख्या			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
62	वित्त विभाग (अधिवर्ष भत्ते तथा पेंशनें)	राजस्व :	7820860.31	91.31	7820951.62
63	वित्त विभाग (कोषागार तथा लेखा प्रशासन)	राजस्व :	35243.60	--	35243.60
		पूंजी :	272.00	--	272.00
65	वित्त विभाग (लेखा परीक्षा, अल्प-बचत आदि)	राजस्व :	42023.91	--	42023.91
		पूंजी :	10942.04	--	10942.04
66	वित्त विभाग (सामूहिक बीमा)	राजस्व :	4277.07	22797.22	27074.29
67	विधान परिषद् सचिवालय	राजस्व :	8435.40	120.55	8555.95
		पूंजी :	1343.64	--	1343.64
68	विधान सभा सचिवालय	राजस्व :	28427.04	399.14	28826.18
		पूंजी :	6301.45	55.00	6356.45
69	व्यावसायिक शिक्षा विभाग	राजस्व :	151745.60	--	151745.60
		पूंजी :	66125.01	--	66125.01
70	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	राजस्व :	97087.91	--	97087.91
		पूंजी :	11475.00	--	11475.00
71	शिक्षा विभाग (प्राथमिक शिक्षा)	राजस्व :	7766795.77	--	7766795.77
		पूंजी :	359521.71	--	359521.71
72	शिक्षा विभाग (माध्यमिक शिक्षा)	राजस्व :	1656589.03	--	1656589.03
		पूंजी :	107289.01	--	107289.01
73	शिक्षा विभाग (उच्च शिक्षा)	राजस्व :	437388.08	--	437388.08
		पूंजी :	53801.97	--	53801.97
74	गृह विभाग (होमगार्ड्स)	राजस्व :	297726.31	--	297726.31
		पूंजी :	5765.00	--	5765.00
75	शिक्षा विभाग(राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)	राजस्व :	46423.18	--	46423.18

अनुसूची

--(क्रमश):

1	2		3		
अनुदान	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक (लाख रुपयों में)		
क्रम संख्या			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकत निधि पर भारित	योग
		पूंजी :	34397.30	--	34397.30
76	श्रम विभाग (श्रम कल्याण)	राजस्व :	60935.62	--	60935.62
		पूंजी :	3602.00	--	3602.00
77	श्रम विभाग (सेवायोजन)	राजस्व :	16289.82	--	16289.82
		पूंजी :	103.00	--	103.00
78	सचिवालय प्रशासन विभाग	राजस्व :	243131.37	--	243131.37
		पूंजी :	520.20	--	520.20
79	समाज कल्याण विभाग (दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण)	राजस्व :	423777.59	--	423777.59
		पूंजी :	16724.77	--	16724.77
80	समाज कल्याण विभाग(समाज कल्याण एवं अनुसूचित जातियों का कल्याण)	राजस्व :	1030559.04	--	1030559.04
81	समाज कल्याण विभाग (जनजाति कल्याण)	राजस्व :	87029.94	--	87029.94
		पूंजी :	76796.79	--	76796.79
82	सतर्कता विभाग	राजस्व :	8429.85	1429.55	9859.40
		पूंजी :	535.50	26.00	561.50
83	समाज कल्याण विभाग(अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना)	राजस्व :	1731171.46	--	1731171.46
		पूंजी :	1634548.54	--	1634548.54
84	सामान्य प्रशासन विभाग	राजस्व :	3646.41	--	3646.41
		पूंजी :	88400.00	--	88400.00
85	सार्वजनिक उद्यम विभाग	राजस्व :	1007.86	--	1007.86
86	सूचना विभाग	राजस्व :	97402.57	--	97402.57
		पूंजी :	2150.00	--	2150.00
87	सैनिक कल्याण विभाग	राजस्व :	7278.27	--	7278.27

अनुसूची

(समाप्त):

1	2		3		
अनुदान/	सेवायें और प्रयोजन		निम्नलिखित धनराशियों से अनधिक		
			(लाख रुपयों में)		
क्रम संख्या			विधान सभा द्वारा स्वीकृत	राज्य की समेकित निधि पर भारित	योग
		पूंजी :	1152.00	--	1152.00
89	राज्य कर विभाग	राजस्व :	121982.55	10.50	121993.05
		पूंजी :	8595.00	--	8595.00
91	स्टाम्प एवं निबन्धन विभाग	राजस्व :	359220.69	0.01	359220.70
		पूंजी :	8100.00	--	8100.00
92	संस्कृति विभाग	राजस्व :	26604.41	0.05	26604.46
		पूंजी :	25339.50	--	25339.50
93	नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग	राजस्व :	138806.80	--	138806.80
		पूंजी :	1617091.00	--	1617091.00
94	सिंचाई विभाग (निर्माण कार्य)	राजस्व :	459645.21	--	459645.21
		पूंजी :	939578.68	500.00	940078.68
95	सिंचाई विभाग (अधिष्ठान)	राजस्व :	675873.19	50.00	675923.19
	योग :	राजस्व :	48751700.33	5739340.89	54491041.22
		पूंजी :	18535644.97	3986079.95	22521724.92
	महायोग :		67287345.30	9725420.84	77012766.14

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से खण्ड-3 तथा खण्ड-1 प्रस्तावना व शीर्षक इस विधेयक के अंग माने जायें।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 पारित किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024 पारित किया जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

दिनांक 11-02-2024 को अयोध्या दर्शन के लिए जाने वाले सदस्यों हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश

श्री अध्यक्ष-

कल जो मा0 सदस्य अयोध्या जायेंगे क्योकि रविवार के कारण वहां पर दर्शनार्थियों की संख्या बहुत है। सभी सदस्यों से निवेदन है कि वह अपनी गाड़ी नहीं लेकर जायेंगे। बस से ही चलेंगे क्योकि गाड़ियाँ खड़ी करने की व्यवस्था कराने में कठिनाई होगी। यदि कोई सदस्य गाड़ी ले जाता है, उसको रोक देंगे तो किसी को बुरा नहीं मानना चाहिए, क्योंकि यह सूचना पूर्व में दी जा चुकी है। यह सूचना देना आवश्यक था।

आज सदन में उपस्थित सदस्यों की ही याचिकाएँ, नियम-301 की सूचनाएँ व नियम-51 की सूचनाओं की स्वीकृति के सम्बन्ध में पीठ से निर्देश

श्री अध्यक्ष-

आज जो याचिकाएं सुबह ली गयी थीं वह और नियम-301 व नियम-51 में जिन सदस्यों ने सूचनाएं दी है। यदि आज की अटेंडेंस में वह उपस्थित होंगे तो उनको उपस्थित माना जायेगा।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, सदन तो 12 फरवरी, 2024 तक है।

श्री अध्यक्ष-

आज की सूचना न लूँ जो आज सूचनाएं आयी है। क्या आप नहीं चाहते हैं कि हम वह सूचना न लें।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हम यही चाहते हैं कि जो कार्य-मंत्रणा में 12 फरवरी, 2024 तक है तो सदन 12 फरवरी, 2024 तक चले जरूर।

श्री अध्यक्ष-

आप तो अति विद्वान हैं कल भी मैंने सारी सूचनाएं ले ली थीं, आपको आपत्ति नहीं थी आज भी मैं सारी ले रहा हूँ। क्या आप चाहते है कि गिनती से लूं ?

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, सभी सूचनाएं ले लीजिए और 12 फरवरी, 2024 को भी ले लीजिएगा।

श्री अध्यक्ष-

आप वर्तमान में नहीं रहना चाहते हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, हम तो वर्तमान में ही हैं।

श्री अध्यक्ष-

जितने मा0 सदस्य उपस्थित हैं। मैं आज यहां उपस्थिति भी नहीं ले रहा हूँ। जो आज सदन में उपस्थित नहीं होंगे तो उनको लेने में कठिनाई होगी।

नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएँ

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 10 फरवरी, 2024 को 107 सूचनाएं प्राप्त हुई। निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचना स्वीकार की गई :-

पहली सूचना श्री राजपाल सिंह बालियान की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री शफीक अहमद अंसारी की जनपद रामपुर के विधान सभा क्षेत्र स्वार के अन्तर्गत कतिपय अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री अमिताभ बाजपेई की नागरिक सुरक्षा विभाग में स्वयंसेवक की कमी तथा उनका सम्मान रोके जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी की जनपद अम्बेडकरनगर की तहसील भीटी में गरीब की जमीन से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्रीमती उषा मौर्य की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत खागा से चौकी तक मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, छठवीं सूचना श्री त्रिभुवन दत्त की जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत ग्राम परसनपुर में मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना डॉ0 आर0के0 पटेल की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहू के ग्राम मईडीह में विद्युत सब स्टेशन की क्षमता बढ़ाए जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री राजेश्वर सिंह की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के अन्तर्गत ग्राम गहरु में स्टेडियम बनाए जाने के सम्बन्ध में है, नौवीं सूचना श्री प्रदीप शुक्ला की जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र सहजनवा के विकास खण्ड पिपरौली में मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री पीयूष रंजन निषाद की जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र करछना के अन्तर्गत ग्राम सभा बेंदो मे कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री संदीप सिंह की जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के अन्तर्गत ग्राम सभा सिरखिड़ी में पुलिया का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री राज मणि की जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र कोराँव के कतिपय ग्राम सभाओं में विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री हरिओम वर्मा की जनपद कासगंज के अन्तर्गत अमानपुर में कतिपय पुलिया के निर्माण के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना डॉ0 विमलेश पासवान की जनपद गोरखपुर के बासगांव में खेलकूद उपकरणों को लगाये जाने के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्रीमती जय देवी की जनपद लखनऊ के मलिहाबाद में कतिपय सड़कों एवं पुल के निर्माण के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत की जनपद कासगंज के सदर में कतिपय मार्गों की मरम्मत के सम्बन्ध में है,

सत्रहवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद बुलन्दशहर के ग्राम बेहलीमपुरा में सम्पर्क मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, अट्ठाहरवीं सूचना श्री देवेन्द्र कुमार निम की जनपद सहारनपुर में पूर्ति अधिकारी के खिलाफ जांच के सम्बन्ध में है, उन्नीसवीं सूचना श्री विवेक कुमार वर्मा की जनपद पीलीभीत के ग्राम लिलहर में पौराणिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में है, बीसवीं सूचना श्री चन्द्रपाल सिंह की जनपद बुलन्दशहर के डिबाई में कतिपय बाईपास के नवनिर्माण के सम्बन्ध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री विकास गुप्ता की जनपद ग्रेटर नोएडा में कतिपय प्लाट पर कब्ज़ा दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, बाइसवीं सूचना श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य की जनपद प्रतापगढ़ में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में है, तेइसवीं सूचना श्री लक्ष्मी राज सिंह की जनपद बुलन्दशहर के सिकन्दराबाद में कतिपय मार्ग को फोर लेन किये जाने के सम्बन्ध में है, चौबीसवीं सूचना श्री प्रेम नरायन पाण्डेय की जनपद गोण्डा के तरबगंज में कतिपय पुलों एवं लघु सेतुओं के निर्माण के सम्बन्ध में है, पच्चीसवीं सूचना श्री अनिल पराशर की जनपद अलीगढ़ महानगर में कतिपय ओवर ब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में है, छब्बीसवीं सूचना जनपद बरेली में कतिपय परिवारों को मुख्य मंत्री कोष से आर्थिक सहायता दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, सत्ताईसवीं सूचना श्री निर्मल वर्मा की जनपद सीतापुर के तहसील बिसवां में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में हैं, अट्ठाईसवीं सूचना श्री ब्रजभूषण राजपूत की जनपद महोबा के चरखारी में राजकीय महाविद्यालय बनाने के सम्बन्ध में है, उन्तीसवीं सूचना श्री सत्यपाल सिंह राठौर की जनपद एटा के घुमरी में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, तीसवीं सूचना श्री जय प्रकाश अंचल की जनपद बलिया के बैरिया में कतिपय सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में है, इकतीसवीं सूचना हाजी नासिर कुरैशी की जनपद मुरादाबाद के नगर पंचायत भेजपुर में सब-स्टेशन बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, बत्तीसवीं सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के ऊंचाहार के अन्तर्गत ब्लाक जगतपुर में भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जे के सम्बन्ध में है, तैतीसवीं सूचना श्री बेचई सरोज की जनपद आजमगढ़ के लालगंज में मरही पोखरी के सुन्दरीकरण व अन्य सुविधायें दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, चौतीसवीं सूचना श्री राकेश प्रताप सिंह की जनपद लखनऊ के विकास खण्ड बक्शी का तालाब अन्तर्गत रैथा मार्ग के चौडीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, पैतीसवीं सूचना श्री सुरेन्द्र मैथानी की जनपद रायबरेली के अन्तर्गत पटेल नगर में अवैध कब्जे के सम्बन्ध में है, छत्तीसवीं सूचना श्री मनीष रावत की जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली में कतिपय पौराणिक स्थलों की मरम्मत के सम्बन्ध में है, सैतीसवीं सूचना श्री रामपाल वर्मा की जनपद हरदोई के नगर पंचायत कछौना में कतिपय मार्ग के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में है, अड़तीसवीं सूचना डॉ0 पल्लवी पटेल की जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम सादुल्लापुर में कतिपय रास्ते को खुलवाये जाने के सम्बन्ध में है, उन्तालीसवीं सूचना श्री मूलचंद्र सिंह की जनपद जालौन के कोंच नगर पालिका में सीवर लाइन के पुनः निर्माण के सम्बन्ध में है, चालीसवीं सूचना श्री हाकिम लाल बिन्द की जनपद प्रयागराज से हंडिया में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में है, इकतालीसवीं सूचना

श्री चन्द्र प्रकाश लोधी की जनपद फतेहपुर में राजकीय कृषि महाविद्यालय की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में है, बयालीसवीं सूचना श्री प्रसन्न कुमार की जनपद शामली में जिला न्यायालय भवन के निर्माण के सम्बन्ध में है, तैतालीसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार सिंह की जनपद हाथरस के विकास खण्ड मुरसान में कतिपय मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, चौवालीसवीं सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की प्रदेश में दुर्घटनाओं में बढ़ रही मृत्यु दर के कारण इमरजेंसी सेवाओं की तरह पोस्टमार्टम की सेवाएं चौबीस घण्टे कराये जाने के सम्बन्ध में है, पैतालीसवीं सूचना श्री अनिल कुमार त्रिपाठी की जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के पास प्राथमिक विद्यालय के पास मदिरा विक्रय की दुकान हटाने के सम्बन्ध में है, छियालीसवीं सूचना श्री राम अचल राजभर भी जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, सैतालीसवीं सूचना प्रो0 श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में मण्डी समिति की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में है, अड़तालीसवीं सूचना डॉ0 रागिनी की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछली शहर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, उन्चासवीं सूचना डॉ0 अमित सिंह चौहान की जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र बीकापुर में महोली मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, पचासवीं सूचना श्री मुकेश चौधरी की जनपद सहारनपुर के नकुड़ विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय ग्राम तालाबों की सफाई कराए जाने के सम्बन्ध में है, इक्यावनवीं सूचना श्री अशरफ खान की जनपद शामली के यमुना संगम स्थल से उत्तराखण्ड की सीमा तक जर्जर मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, बावनवीं सूचना श्री डॉ0 मनोज कुमार प्रजापति की जनपद हमीरपुर के कस्बा सुमेरपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में है, तिरपनवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के तहसील मोंठ में हुए अवैध कब्जा हटाए जाने के सम्बन्ध मे है, चौवनवीं सूचना श्री अवधेश प्रसाद की जनपद अयोध्या के मिलकीपुर विधान सभा क्षेत्र में बने आश्रम पद्धति विद्यालय को चालू कराए जाने के सम्बन्ध में है, पचपनवीं सूचना श्री नफीस अहमद की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, छप्पनवीं सूचना श्री समरपाल सिंह की जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र नौगवाँ सादात के ग्राम सैदपुर में कतिपय नाली एवं सड़क ने निर्माण के सम्बन्ध में है, सत्तावनवीं सूचना श्रीमती विजमा यादव की जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र प्रतापपुर में खेलकूद हेतु स्टेडियम बनवाए जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठावनवीं सूचना श्री अखिलेश की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत कतिपय सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में है, उनसठवीं सूचना श्री महबूब अली की जनपद अमरोहा के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ड्रेनेज सिस्टम बनाए जाने के सम्बन्ध में है, साठवीं सूचना श्री जियाउद्दीन रिजवी की जनपद बलिया के सिकन्दरपुर में घाघरा नदी पर बन रहे पुल के कार्य को पुनः चालू कराए जाने के सम्बन्ध में है, इकसठवीं सूचना श्री कमाल अख्तर की जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कांठ के अन्तर्गत रेलवे ट्रैक पर ओवरब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में है, बासठवीं

सूचना श्री प्रभु नारायण सिंह यादव की प्रदेश के समस्त राज्य कर्मचारी का रोका गया नगर प्रतिकार भत्ता दिलाए जाने के सम्बन्ध में है, तिरसठवीं सूचना इंजी0 ब्रजेश कठेरिया की जनपद मैनपुरी के नगर पंचायत किशनी में बारात घर के मरम्मत के सम्बन्ध में है, चौसठवीं सूचना श्री विनोद चतुर्वेदी की जनपद जालौन के कालपी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पूर्व से मंजूर स्टेट हाई-वे का कार्य चालू कराए जाने के सम्बन्ध में है, पैसठवीं सूचना श्रीमती सैय्यदा खातून की जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में है, छाछठवीं सूचना श्री आशू मलिक की जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत कतिपय नालियां तथा सड़क बनाए जाने के सम्बन्ध में है, सड़सठवीं सूचना श्री मो0 हसन 'रूमी' की जनपद कानपुर के कैंट विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय सड़क व नाली बनाए जाने के सम्बन्ध में है, अड़सठवीं सूचना श्री राम सिंह पटेल की जनपद प्रतापगढ़ की तहसील पट्टी के ग्राम पंचायत पंडरी जबर में मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, उनहत्तरवीं सूचना डॉ0 आर0के0 वर्मा की जनपद प्रतापगढ़ के रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पुल का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में है, सत्तरवीं सूचना श्रीमती इन्द्राणी देवी की जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा के अन्तर्गत कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, इकहत्तरवीं सूचना श्री दुर्गा प्रसाद यादव की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, बहत्तरवीं सूचना श्री गौरव कुमार रावत की जनपद बाराबंकी में विद्युत व्यवस्था बेहतर किए जाने के सम्बन्ध में है, तिहत्तरवीं सूचना श्री अनिल प्रधान की जनपद चित्रकूट सहित पूरे प्रदेश में गौशालाओं को भुगतान दिलाए जाने के सम्बन्ध में है, चौहत्तरवीं सूचना श्रीमती गीता शास्त्री (पासी) की जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मऊ आइमा में नाली के निर्माण के सम्बन्ध में है, पचहत्तरवीं सूचना श्री दिनेश रावत की जनपद बाराबंकी के हैदरगढ़ में सड़क मार्ग पर अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में है, छिहत्तरवीं सूचना श्री राजीव तरारा की जनपद मुरादाबाद के घनौरा के गजरौला में ट्रामा सेंटर व मेडिकल कॉलेज की स्थापना के सम्बन्ध में है, सतहत्तरवीं सूचना श्री राजेन्द्र सिंह पटेल की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद में राजकीय महिला इण्टर कॉलेज की स्थापना के सम्बन्ध में है, अठहत्तरवीं सूचना श्री रामअवतार सिंह की जनपद बिजनौर के नूरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, उन्यासीवीं सूचना श्री राम चन्द्र यादव की जनपद अयोध्या के रुदौली में आई0टी0आई0 मवई को संचालित किये जाने के सम्बन्ध में है, अस्सीवीं सूचना श्री बम्बा लाल की जनपद उन्नाव के अन्तर्गत चकरवंशी में पक्के नाले के निर्माण के सम्बन्ध में हैं, इक्यासीवीं सूचना श्री स्वामी ओउ्मवेश की जनपद बिजनौर के विकास खण्ड नूरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, बयासीवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की जनपद बिजनौर के नगीना के क़स्बा किरतपुर में रोडवेज बस अड्डा बनवाने के सम्बन्ध में है, तिरासीवीं सूचना श्री अभय सिंह की सरकारी विभागों में तैनात दिव्यांगजनों के पदोन्नति के सम्बन्ध में है, चौरासीवीं सूचना श्री रविदास मेहरोत्रा की जनपद लखनऊ के ग्राम

चकौली की तहसील सरोजनी नगर में दबंगों द्वारा अवैध कब्जे के सम्बन्ध में है, पच्चासीवीं सूचना श्री वीर विक्रम सिंह प्रिंस की जनपद शाहजहांपुर कटरा में प्रत्येक ग्राम के डामरीकरण के सम्बन्ध में है, छियासीवीं सूचना श्रीमती मीनाक्षी सिंह की खुर्जा विधान सभा क्षेत्र में खुर्जा सिकन्दराबाद रोड पर नगर पालिका परिषद् द्वारा अनाधिकृत रूप से कूड़ा डाले जाने के सम्बन्ध में है, सत्तासीवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के बदलापुर में कतिपय मार्ग के चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण के सम्बन्ध में है, अट्ठासीवीं सूचना श्री तसलीम अहमद की जनपद बिजनौर के नजीबाबाद में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, नवासीवीं सूचना श्री अतार्उरहमान की जनपद बरेली के मगदपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, नब्बेवीं सूचना श्री बाबूलाल की जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी में कच्चे मार्ग को सी0सी0 कराये जाने के सम्बन्ध में है, इक्यानवेवीं सूचना श्री महेन्द्र नाथ यादव की जनपद बस्ती में सीवर लाइन बिछवाये जाने के सम्बन्ध में है, बान्नवेवे सूचना श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी की ग्राम सिधियांवा की कतिपय मार्ग पर इण्टर लॉकिंग के सम्बन्ध में है, तिरानवेवीं सूचना श्री ई0 सरवन कुमार निषाद की जनपद सुल्तानपुर के तहसील लम्भुआ में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में है, चौरानवेवीं सूचना श्री आशुतोष शुक्ल की जनपद उन्नाव के सिकन्दरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में है, पन्चानवेवीं सूचना श्री अतुल प्रधान की विधान सभा क्षेत्र सरघना में सड़क चौड़ीकरण के सम्बन्ध में हैं, छियानवेवीं सूचना श्री राजेन्द्र प्रसाद उपाध्याय की जनपद सुल्तानपुर के सदर में गौ-शाला के निर्माण के सम्बन्ध में है, सत्तानवेवीं सूचना डॉ0 विनोद बिन्द की जनपद उन्नाव के सदर में ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए विद्युत पोल न लगाने के सम्बन्ध में है, अट्ठानवेवीं सूचना श्री राजीव गुम्बर की जनपद सहारनपुर में कतिपय कम्पनी द्वारा पानी की टंकी सफाई में की जा रही धांधली के सम्बन्ध में हैं, निन्यानवेवीं सूचना श्री अरमान खान की जनपद लखनऊ के कतिपय स्थान पर बारिश के पानी से निजात दिलाने के सम्बन्ध में है, सौवीं सूचना श्री पंकज कुमार मलिक की चरथावल में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में है, एक सौ एकवीं सूचना श्री गौरीशंकर वर्मा कोरी की जनपद जालौन के उरई में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में है, एक सौ दोवीं सूचना श्रीमती कृष्णा पासवान की जनपद फतेहपुर के विधान सभा खागा में यमुना नदी पर पुल निर्माण के सम्बन्ध में है, एक सौ तीनवीं सूचना श्री राजीव कुमार सिंह की जनपद बदायूं के दातागंज में स्वीकृत विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ चारवीं सूचना श्रीमती राजबाला सिंह की जनपद रामपुर में 18 टायरों वाले ट्रक के रास्ते को बदलने के सम्बन्ध में है, एक सौ पाचवीं सूचना श्री सौरभ सिंह सोनू की जनपद हरदोई में कतिपय जमीन की पैमाईश के सम्बन्ध में है, एक सौ छठवीं सूचना श्री मौहम्मद फहीम इरफान की जनपद मुरादाबाद की नगर पालिका, परिषद् बिलारी में कतिपय तालाब पर अवैध कब्जे के सम्बन्ध में है, एक सौ सातवीं सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के ऊँचाहार में अपात्रों को भूमि पट्टा कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा एक

सौ आठवीं सूचना श्री हृदय नारायण सिंह पटेल की जनपद आजमगढ़ के सगड़ी जूनियर हाई स्कूल के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में है।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गईं)

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजपाल सिंह बालियान-

[महोदय, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के अन्तर्गत निम्नलिखित सड़कें (मार्ग) काफी जर्जर अवस्था में हैं, जिससे क्षेत्रीय जनता को आवागमन में बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनता की माँग है कि निम्नलिखित मार्गों की विशेष मरम्मत/नव निर्माण/डामरीकरण करा दिया जाये तो आवागमन में काफी सुविधा होगी :-

1-ब्लाक बुढ़ाना के गाँव कररुद्दीन नगर से ग्राम-कुरालसी मार्ग तक लम्बाई लगभग 2 कि0मी0 की विशेष मरम्मत कार्य।

2-ब्लाक शाहपुर के ग्राम शत्रुदीन नगर से सिसौली-कुटबा मार्ग तक लम्बाई लगभग 1.5 कि0मी0 की विशेष मरम्मत कार्य।

3-ब्लाक शाहपुर के ग्राम हाडौली से सिसौली-शत्रुदीन नगर मार्ग तक लम्बाई लगभग 1.7 कि0मी0।

4-ग्राम गढ़ी नौआबाद हिण्डन नदी पुल सम्पर्क मार्ग लम्बाई लगभग 2.5 कि0मी0 विशेष मरम्मत व गढ़ीनौआबाद की ओर आबादी भाग में 450 मी0 सी0सी0 रोड कार्य।

5-इटावा से मिडकाली मार्ग तक, लम्बाई 4 कि0मी0 विशेष मरम्मत कार्य।

6-सिसौली से शिकारपुर मार्ग तक, लम्बाई 5 कि0मी0 विशेष मरम्मत कार्य।

7-बिटावदा से मिडकाली मार्ग तक, लम्बाई 2 कि0मी0 विशेष मरम्मत कार्य।

8-बिटावदा से बुढ़ाना मार्ग तक, लम्बाई 3.5 कि0मी0 विशेष मरम्मत कार्य।

9-सिसौली श्मशान रोड से शिकारपुर की ओर मार्ग तक, लम्बाई 5 कि0मी0 विशेष मरम्मत कार्य।

10-ब्लाक शाहपुर के ग्राम सावटू से ग्राम हडौली तक लम्बाई लगभग 3 कि0मी0 विशेष मरम्मत कार्य।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में उक्त सड़कों (मार्ग) का विशेष मरम्मत/डामरीकरण/नव निर्माण कराये जाने की माँग करता हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद रामपुर के विधान सभा क्षेत्र स्वार के अन्तर्गत कतिपय अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री शफीक अहमद अंसारी-

[महोदय, जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि जनपद रामपुर के विधान सभा क्षेत्र स्वार के अन्तर्गत नगर पंचायत दढ़ियाल एवं नगर पालिका परिषद टांडा में अंत्येष्टि स्थल का नव निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः अविलम्बनीय एवं लोक महत्व के इस विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल जनपद रामपुर के विधान सभा क्षेत्र स्वार के अन्तर्गत नगर पंचायत दढ़ियाल एवं नगर पालिका परिषद टांडा में अन्त्येष्टि स्थल के नव निर्माण करवाने हेतु शीघ्र कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

नागरिक सुरक्षा विभाग में स्वयंसेवक की कमी व उनका सम्मान रोके जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमिताभ बाजपेई-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से नागरिक सुरक्षा विभाग के विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि नागरिक सुरक्षा विभाग के अवैतनिक स्वयंसेवकों केंद्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण लखनऊ संस्थान पर उपस्थित होने वाले नामित वार्डन स्वयंसेवकों की उपस्थिति में अप्रत्याशित कमी हुई है। जिस पर प्रशिक्षण संस्थान के कमाण्डेन्ट महोदया द्वारा भी उपस्थित बढ़ाए जाने हेतु सुझाव मांगा गया है। कारण है यह कि दैनिक अनुमन्य राशि को बन्द कर दिया गया जिसे मैंने सदन में पूर्व में अवगत कराया था। उस पर सरकार ने आज तक विचार नहीं किया इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा वार्डन प्रशिक्षण का लाभ उठा सकें।

60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठ वार्डनों को मार्गदर्शक रूप मे वार्डन सेवा में रखा जा सकता है युवा वर्ग के वार्डन को उच्च पदों पर प्रोन्नति प्रदान की जाए जो कि मा0 मुख्य मंत्री जी ने स्वयं विभाग को निर्देश दिए थे 1968 के एक्ट के अनुसार पुनः समीक्षा की जाये। इसकी सभी जिलों में समीक्षा की जाय, पुलिस जाँच व मेडिकल समय से हो सके। सरकार के द्वारा विभाग को नई प्रगति प्रदान हो सके।

नागरिक सुरक्षा कानपुर नगर से विगत 5 वर्षों से राष्ट्रपति पदक हेतु पत्रावलियां कार्यालय में प्राप्त होने के उपरान्त समय से निदेशालय/शासन को किस कारणवश प्रेषित नहीं की जा सकीं ? उक्त प्रकिया को ऑनलाइन की जाय जिसमे वार्डन भर्ती, प्रोन्नति, नवीनीकरण

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

सम्मलित किया जाना उचित है ताकि पारदर्शिता आ सके। पूर्व में उक्त प्रक्रिया का पालन किया जाता रहा है जिसमे राष्ट्रपति पदक हेतु वार्डनों द्वारा आवेदन समय से प्रेषित किये जाते थे वह पदक से सम्मानित भी किया जाता था।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय व आवश्यक विषय पर सरकार से ध्यान केन्द्रित कर वक्तव्य की माँग करता हूँ।]

जनपद अम्बेडकरनगर की तहसील भीटी में गरीब की जमीन से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी-

[महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भू-माफियाओं के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान से प्रदेश के सभी भू-माफियाओं के हौसले पस्त हो गये हैं। उत्तर प्रदेश की जनता इस लोक प्रिय सरकार की प्रशंसा कर रही हैं। किन्तु जनपद-अम्बेडकरनगर की तहसील-भीटी, थाना-भीटी के ग्राम-बेनीपुर में विनोद कुमार तिवारी पुत्र वशिष्ठ मुनि तथा कामिनी पुत्री विनोद कुमार ग्राम बेनीपुर में गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा कर उनको परेशान करते हैं। उनके इस काम में उनके रिश्तेदार जोकि पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर तैनात है, उनकी मदद करता है। ग्राम निवासी श्री शीतला प्रसाद आदि की पुश्तैनी जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है।

अतः श्रीमान् जी से अनुरोध है कि जनहित के लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।]

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज के अन्तर्गत खागा से चौकी चौराहा तक मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती ऊषा मौर्या-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ। विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज, जनपद फतेहपुर के अन्तर्गत सातमील से डलमऊ पुल तक एवं खागा से चौकी चौराहा तक मार्ग अत्यन्त क्षतिग्रस्त होने के कारण आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं तथा स्कूली बच्चों एवं आम जनमानस को बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यह जनहित का विषय है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार से वक्तव्य दिये जाने की माँग करती हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर के अन्तर्गत ग्राम परसनपुर में मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री त्रिभुवन दत्त-

[महोदय, मैं आप के माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि जनपद अम्बेडकरनगर की विधान सभा क्षेत्र आलापुर के विकास खण्ड जहांगीरगंज के पदमपुर राजेसुल्तानपुर मुख्य मार्ग पर धर्मेंद्र तिवारी की दुकान से कुरांव दलित बस्ती होते हुए ग्राम परसनपुर में शिव प्रसाद गौतम के घर तक का खड़न्जा मार्ग अत्यन्त खराब एवं जर्जर हो गया है, जिसका पिच कार्य कराया जाना अति आवश्यक है, क्योंकि दर्जनों गांव के हजारों लोगों का आवागमन इस मुख्य मार्ग से हो रहा है। यह मार्ग जर्जर व क्षतिग्रस्त होने के कारण क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस सम्बन्ध में अनेक बार शासन व प्रशासन से प्रयास किए गए परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसलिए आम जनता की माँग है कि इस मार्ग का नव निर्माण/पिच कार्य अविलम्ब कराया जाए।

अस्तु इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर कार्यवाही किए जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मड़ियाहूँ के ग्राम मईडीह में विद्युत सब-स्टेशन की क्षमता बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 आर0 के0 पटेल-

[महोदय, जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि हमारे विधान सभा क्षेत्र मडियाहू में विकास खण्ड मडियाहू के अन्तर्गत ग्राम सभा मईडीह में एक 132 के0वी0ए0 का विद्युत सब-स्टेशन बना है। यहां से नगर पंचायत मडियाहूँ व ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई होती है। इस क्षेत्र से लो-वोल्टेज की शिकायत हमेशा मिलती रहती है इस सब-स्टेशन को 132 के0वी0ए0 से 220 के0वी0ए0 करना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः लोक महत्त्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर क्षेत्रीय जनता की मांगों को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम सभा मईडीह के विद्युत सब-स्टेशन को 132 के0वी0ए0 से 220 के0वी0ए0 करने हेतु शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए वक्तव्य की माँग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर के ग्राम गहरू में स्टेडियम बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेश्वर सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से इस अविलम्बनीय, लोक महत्व की सूचना पर ध्यान दिलाना चाहूँगा। मेरे विधान सभा क्षेत्र सरोजनी नगर, लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

स्टेडियम नहीं है, जिसके कारण यहाँ के प्रतिभाशाली युवाओं को खेलने का अवसर नहीं मिल पाता है। इस क्षेत्र के लोगों की ग्राम गहरु, तहसील सरोजनी नगर में नया स्टेडियम बनाए जाने की माँग है। तहसील सरोजनी नगर के अन्तर्गत ग्राम गहरु में स्टेडियम खोले जाने हेतु पर्याप्त राजस्व भूमि भी उपलब्ध है, जिसे उपयोग में लायी जा सकती है।

अतः जनहित में इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ।]

जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र सहजनवां के विकास खण्ड पिपरौली में मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप शुक्ला-

[महोदय, आपको अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र सहजनवा के अन्तर्गत विकास खण्ड पिपरौली, ग्राम सभा भीटीखोरिया में कन्या विद्यालय से हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग व रजेश सिंह के भट्ठा होते हुए रामपुर ढढ़ौना सम्पर्क मार्ग तक-ल0-1200 मी0।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र करछना के अन्तर्गत ग्राम सभा बेंदौ में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पीयूष रंजन निषाद-

[महोदय, मैं एक लोक महत्व के विषय की ओर माननीय सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद प्रयागराज के करछना विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सभा बेंदौ भटरिया मार्ग से रवनिका मार्ग अत्यधिक गड्ढायुक्त है, जिसके कारण आये दिन अत्यधिक दुर्घटनायें घटित होती रहती हैं जबकि मान्यवर उक्त मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवगमन होता है जिसको देखते हुए उक्त मार्ग का नवीनीकरण कराया जाना जनहित के लिए अति आवश्यक है।

मैं सदन के माध्यम से नियम-301 के अन्तर्गत इस लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद प्रयागराज के करछना विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सभा बेंदौ भटरिया मार्ग से रवनिका मार्ग का निर्माण कराये जाने हेतु शीघ्र कार्रवाई करने की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र मेजा के अन्तर्गत ग्राम सभा सिरखिड़ी में पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री संदीप सिंह-

[महोदय, मैं एक लोक महत्व के विषय की ओर माननीय सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता कि जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा के अन्तर्गत ग्राम सभा सिरखिड़ी व

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

तिगजा में नाले पर पुलिया नहीं है जिसके कारण वहां के निवासियों को घूम करके जाना पड़ता है जिसके कारण वहां के निवासियों को अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महोदय, ग्राम सभा सिरखिड़ी से तिगजा को जोड़ने के लिए नाले पर पुलिया का निर्माण कराया जाना जनहित के लिए अति आवश्यक है।

मैं सदन के माध्यम से नियम-301 के अन्तर्गत इस लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत सिरखिड़ी व तिगजा में नाले पर पुलिया का निर्माण कराये जाने हेतु शीघ्र कार्रवाई करने की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र कोराँव के कतिपय ग्राम सभाओं में विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजमणि-

[महोदय, मैं एक लोक महत्व के विषय की ओर माननीय सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद प्रयागराज के कोरांव विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विद्युत व्यवस्था सुचारु रूप से नहीं रहती है एवं विद्युत उपकेन्द्रों पर लोड अधिक होने के कारण पूरे विधान सभा क्षेत्र में लो वोल्टेज एवं विद्युत कटौती की समस्या अत्यधिक है जिसके दृष्टिगत कोरांव विधान सभा क्षेत्र के ग्राम सभा-रामपुर कलां, बड़ोखर, कोहड़ार एवं पनासा में विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना कराया जाना जनहित के लिए अतिआवश्यक है।

मैं सदन के माध्यम से नियम-301 के अन्तर्गत इस लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद प्रयागराज के कोरांव विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सभा रामपुर कलां, बड़ोखर, कोहड़ार एवं पनासा में विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना कराये जाने हेतु शीघ्र कार्रवाई करने की माँग करता हूँ।]

जनपद कासगंज के अन्तर्गत अमाँपुर में कतिपय पुलिया के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री हरिओम-

[महोदय, आपके माध्यम से जनपद-कासगंज के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र-101, अमाँपुर में नगला हाथी रजवाहा नगला मुण्डा पर पुलिया पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त है, जिससे यहाँ के किसानों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र में नगला हाथी रजवाहा नगला मुण्डा पर पुलिया का निर्माण कराने की माँग करता हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद गोरखपुर के बांसगांव में खेलकूद उपकरणों को लगाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 विमलेश पासवान-

[महोदय, मेरा विधान सभा क्षेत्र बांसगांव, जनपद गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित है और पूरा क्षेत्र ही किसानी पर निर्भर है। यहां के ग्रामीण परिवेश में पढ़ लिख रहे अधिकांश छात्र व छात्राओं के सर्वांगीण एवं शारीरिक विकास के लिए एक एम्यूजमेन्ट पार्क बनाया जाना अति आवश्यक है। जिसमें ओपेन जिम, बच्चों के खेलने के लिए पार्क, ट्रैक, झूले व आधुनिक खेल-कूद उपकरणों से परिपूर्ण हों। इससे बच्चे ही नहीं आम जनमानस को भी लाभ होगा।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए जनहित में कौड़ीराम अथवा बांसगावं तहसील के पास एम्यूजमेन्ट पार्क बनाये जाने हेतु कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ के मलिहाबाद में कतिपय सड़कों एवं पुल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती जय देवी-

[महोदय, सदन के माध्यम से सादर अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के विकास खण्ड माल, विकास खण्ड मलिहाबाद तथा विकास खण्ड काकोरी की सड़कों मे गड्ढे हैं तथा वह बहुत जर्जर हैं जिनकी मरम्मत की बहुत जल्द आवश्यकता है। विधान सभा क्षेत्र मे विभिन्न सम्पर्क मार्गों के लिए नवीन मार्गों की अति आवश्यकता है। जनहित मे विभिन्न नालों पर पुल और पुलिया का निर्माण कराया जाना बहुत आवश्यक है जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

1-माल भरावन रोड (निकट थाना माल) से अपना बाजार होते हुए शाहमऊ पुलिया (माल गहदों रोड) तक।

2-मवईकला से टिकरा डामर रोड तक।

3-ग्राम महदोइया शारदा सहायक नगर के दक्षिण दिशा की ओर ग्राम महदोइया पुल से ग्राम प्रताप खेडा तक नहर का कार्य।

4-रहीमाबाद से औरास सम्पर्क मार्ग पर रहीमाबाद चौराहे से पुल तक लगे बोल्डर को हटवाकर उसी जगह पर इण्टरलाकिंग/आर0सी0सी0।

5-बहरु-तिलसुआ मार्ग पर स्थित नैबस्ती पुलिया से शेरपुर म0 पुलिया के पास तक नहर रजहवा पटरी मार्ग।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

6-काजीखेड़ा (सिंधरवा) से काजीखेड़ा के खेड़ा (मैकुवाखेड़ा) तक।

7-नजर नगर से गढ़ी संजर खां शहजादपुर रोड तक डामर।

8-लोहजरा सरसंडा से बहेलिया तक।

9-ग्राम सरइयां (मवई कला) नहर पुलिया से रामपुर गढ़ौंवा सम्पर्क मार्ग तक।

10-रेलवे स्टेशन रहीमाबाद निकट गहदों मार्ग से सभाखेड़ा तक।

11-महमदखेड़ा से गोसा होते हुए शारदा सहायक नहर तक।

12-हरदोई-लखनऊ रोड से मुंशी खेड़ा, मजरा तरौना।

13-झाखरबाग से जेहटा रोड से कटौली तक।

14-मोहन मार्ग ढेढ़ेमऊ गाँव में खड़न्जा नवीनगर सम्पर्क मार्ग तक।

15-महमदखेड़ा गाँव में मुख्य डामर रोड से रमेश के घर तक।

16-नरौना मार्ग (जिस पर डॉ0 मोहनलाल का हास्पिटल है) का सी0 सी0 निर्माण एवं साइड में नाली व इण्टरलॉकिंग कार्य।

17-सत्ती मेला के पास से सिरगामऊ तक।

18-अंधे की चौकी से नवीपनाह मार्ग पर बेहता नाले पुल के पास से कौशलपुरवा गाँव के मार्ग का निर्माण।

19-डीहा से हटौली।

20-मवईकला रहीमाबाद रोड से बाबा हुलासीदास विद्यालय तक।

21-लालता खेड़ा बंजारण खेड़ा सम्पर्क मार्ग से मनकौटी सरकारी ट्यूबवेल तक।

22-गहदों नहर पुलिया से अहिंडर पुलिया तक दूरी लगभग 2 किमी0।

23-बांझी पुलिया से हसनापुर तक।

24-सालेहनगर पुलिया से रामपुर बार्डर तक।

25-ग्राम पंचायत रमगढ़ा के मजरा मऊ में कसमंडी कला चौराहे से सिरगामऊ जाने वाले डामर मार्ग को लिंक करने वाला मार्ग।

26-माल दुबग्गा मार्ग से नारायनपुर तक।

27-तकिया से शंकरपुर तक।

28-मलिहाबाद माल रोड से मसीढ़ा हमीर होते हुए थावर तक बीच में पुलिया निर्माण।

29-भेलियापुरवा मजरा कमालपुर लोधौरा से सम्पर्क मार्ग तक।

30-बनेवापुरवा प्रा0वि0 से बनेवापुरवा गाँव तक।

31-करेन्द्र नहर पुलिया से मल्खापुर तक।

32-माल भरावन रोड से शालेहनगर तक।

33-महिमा (अहिंडर) से भूढ़खेड़ा हरदोई बार्डर।

34-सैदापुर चौराहा नहर पुलिया से गडेरियन पुरवा नहर पुलिया तक।

35-गोपरामऊ से मुंशी खेड़ा डामर रोड तक।

36-गोपरामऊ से बंशीगढ़ी तक।

37-लोहजरा (सरसंडा का मजरा) से यादव खेड़ा।

38-भभूतीखेड़ा (थावर का मजरा) से चतुरीखेड़ा।

39-काकोरी बहरु मार्ग पर स्थित बिगहू ईदगाह नहर पुलिया से करझन सेमरामऊ तक (काकोरी रजबहा नहर मार्ग)।

40-काकोरी रजबहा नहर मार्ग पर स्थित सेमरामऊ पुलिया से इमलिहाखेड़ा तक रजबहा नहर मार्ग।

41-काकोरी रजबहा नहर मार्ग पर स्थित इमलिहा खेड़ा पुलिया से बहरु तिलसुआ मार्ग पर स्थित नई बस्ती पुलिया तक रजबहा नहर मार्ग।

42-ग्राम भगमत खेड़ा के मुख्य मार्ग से मनोज के मकान तक।

43-हरदोई-लखनऊ रोड से झूरी खेड़ा मजरा मनकौटी।

44-भतोइया से गोसवा सम्पर्क मार्ग से बेलवा मजरा गोसवा तक।

45-हरदोई-लखनऊ से चांदपुर मजरा सुरगौला तक।

46-कटौली डामर रोड से हलुवापुर डामर रोड तक।

47-जमालनगर से कुटी मजरा कटौली के बीच छूटी सड़क।

48-कटौली डामर रोड से सिद्धेश्वरी डामर रोड तक।

49-कटौली से लीलाखेड़ा सम्पर्क मार्ग।

50-कटौली डामर रोड से लक्षमन खेड़ा डामर रोड छूटी कड़ी।

51-ग्राम कलेवा में अम्बेडकर स्थल से खखरा गाँव स्कूल तक नव निर्माण।

52-आदमपुर गाँव में बोधर के घर से मूलराम यादव गौरया सम्पर्क मार्ग तक नव निर्माण।

53-ससपन पुलिया से मऊ हरदोई बार्डर तक।

54-सौरा से गढ़ी दूरी लगभग 1 किमी0।

55-रानी खेड़ा से पुलिया तक।

56-बिद्धि से रानी खेड़ा तक।

57-केशरीपुर से गुरेरा तक।

58-माल इटौंजा रोड से चकई मार्ग।

59-जगनीखेड़ा से जागीर तक।

60-दहियाताली से नहर तक दूरी लगभग 500 मीटर।

61-हन्नीखेड़ा से रायपुर तक।

62-बसनाखेड़ा से जगती खेड़ा हवलदार के दरवाजे तक ग्राम पंचायत थरी।

63-चमरखेड़ा डामर रोड से बेलबिरवा स्कूल तक।

64-माल गहदों मार्ग से जिन्द बाबा स्थान से उतरेहटा तक।

65-पारा नहर पुलिया से अटवा ईदगाह तक।

66-रामपुर (मसीढ़ा रतन) से सैदापुर तक।

67-मुदियारा नहर से कैथन खेड़ा तक।

68-फुल्लौर से बलदेव खेड़ा तक।

69-घुंघचेला डामर रोड से सेंधरवा तक।

70-शाहपुर गोडवा से रघुनाथपुर तक।

71-मंझौवा से मंझी तक।

72-आँट से त्रिभुन सिंह के बैग से चन्द्रवारा निर्मल के घर तक।

73-गदेरियां पुरवा (पिपरी) से देवरी गजा तक।

74-लोधई से सधन बाबा होते हुए युसूफ खेड़ा तक।

75-माल लतीफपुर रोड बीरपुर तक नाली सहित।

76-भदवरिया खेड़ा से रंडाखेड़ा तक सम्पर्क मार्ग।

77-हटौली हनुमान मंदिर से माल-मलिहाबाद नहर पुलिया नबीपनाह तक।

78-केशरीपुर (ससपन) से मुन्नूखेड़ा तक।

79-हरिहरपुर से शंकरपुर व अकबरपुर डामर रोड तक (पुलिया एवं नाला)।

80-कल्याणपुर मजरा बसंतपुर से गोधन सम्पर्क मार्ग।

81-तकिया से खंडसरा पुलिया तक।

82-ऊँचाखेड़ा मोड़ से बांझी पुलिया तक।

83-घुंघचेला डामर रोड से सेंधरवा डामर रोड तक।

84-कुंवर आसिफ अली विद्यालय से दौलतपुर सम्पर्क मार्ग पर स्थित गौशाला के पास से जबन करौंदी सम्पर्क मार्ग तक इण्टरलॉकिंग/डामर रोड।

85-शेरपुर भौंसा प्राथमिक विद्यालय से कुण्डरा खुर्द विश्वनाथ के ट्यूबवेल के पास नाहर पटरी डामर रोड तक इण्टरलॉकिंग/डामर।

86-ब्राहिमपुर से दतली मजरा खेड़ा को जोड़ना है डामर रोड।

87-नबी नगर पुल से गढ़ी महदोइया सम्पर्क मार्ग तक।

88-डाक बंगला मलिहाबाद की पुलिया के पास से माल रोड से ईशापुर सम्पर्क मार्ग तक।

89-माल मलिहाबाद रोड मधवापुर की पुलिया से काजीखेड़ा की पुलिया।

90-भतोइया सेंधरवा सम्पर्क मार्ग से गोसवा स्कूल के बगल में कुसल खेड़ा की नाहर पुलिया तक।

91-रहीमाबाद गहदों सम्पर्क मार्ग से रहीमाबाद जमोलिया सम्पर्क मार्ग तक।

92-बाराती रावत के घर के पास से हरिहरपुर सेंधरवा सम्पर्क मार्ग से बरगदी सम्पर्क मार्ग तक।

93-भुलभुला खेड़ा पुलिया से कलहा सम्पर्क मार्ग तक।

94-कालीखेड़ा (सिंधरवा) से काजी खेड़ा के खेड़ा तक।

95-हासिमपुर की पुलिया से रूप नगर तक।

96-मलिहाबाद-मोहान मार्ग सिद्धार्थ ग्लोबल स्कूल से बख्तियार नगर सम्पर्क मार्ग तक।

97-आगरा हाई-वे से जॉइंट निकट बड़ा गाँव के पास से नहर राजबहा पटरी टेढ़वा गाँव का मार्ग।

98-आगरा हाई-वे से जॉइंट निकट जलियामऊ के पास से नाहर रजबहा मार्ग।

99-नरौनी छोटी नहर से पलिया के खेड़ा तक।

100-रायपुर (निकट दसहरी) पुलिया से रामपुर के पास से होते हुए सुरकुन्दनखेड़ा सम्पर्क मार्ग तक।

101-रामपुर के निकट छंगा के खेत के पास से छत्तरपाल के खेत के पास से होते हुए नरौना में चंदर कश्यप के घर के पास तक।

102-नई बस्ती मजरा बहरु से चौखड़ी खेड़ा गाँव तक सम्पर्क मार्ग दूरी लगभग 01 कि0मी0।

103-सरांय प्रेमराज महादेवन पुलिया से माइनर के किनारे लालनगर पुलिया तक की दूरी लगभग 1100 मी0।

104-मलिहाबाद रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी पुल (ओवरब्रिज) का निर्माण।

105-वि0ख0 मलिहाबाद के अन्तर्गत ग्राम झाऊ बरिया के सामने बेहता नाला पर पुल निर्माण।

106-वि0ख0 मलिहाबाद के अन्तर्गत ग्राम पीपरघाट-ग्राम बख्तियारनगर के सामने बेहता नाला पर पुल निर्माण।

107-वि0ख0 मलिहाबाद के अन्तर्गत ग्राम लोधौसी के सामने बेहता नाला पर पुल निर्माण।

108-बरगदिया चौराहे से सौरा तक सड़क निर्माण कार्य।

109-देवरी भारत से केसवदास बाबा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

110-माल भरावन मार्ग से उमरावल मार्ग का मरम्मत कार्य कराया जाना।

111-सैदापुर मंझी मार्ग का 7 मीटर चौड़ीकरण।

112-करेंदि झिंनगी नाला पर पुलिया निर्माण।

113-देवरी भारत से रनीपार विकास खण्ड माल में झिंनगी नाला पर पुलिया निर्माण।

114-भवानी खेड़ा विकास खण्ड माल में पुलिया का निर्माण।]

जनपद कासगंज के सदर में कतिपय मार्गों की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से अवगत कराना चाहता हूँ कि जनपद-कासगंज के विधान सभा क्षेत्र-100, सदर कासगंज के निम्न रोड लगभग 15 वर्ष पहले किसी विभाग से बनाये गये थे जो कि टूटकर क्षतिग्रस्त हैं। कोई भी विभाग मार्गों की मरम्मत नही कर रहा है जिससे जनता को आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। निम्नलिखित मार्गों की मरम्मत कराने की कृपा करें।

1-हरसिंहपुर से सिरौली मार्ग तक।

2-बढारी अजबपुर से एटा रोड तक।

3-नदरई नहर पुल से बिलराम पुल तक दोनो नहरों के बीच वाली पटरी।]

जनपद बुलन्दशहर के ग्राम बहलीमपुरा में सम्पर्क मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

[महोदय, अवगत कराना है कि ग्राम बहलीमपुरा में देवेन्द्र सिंह लोधी (विधायक) की कोठी से जगवीर की दुकान से होते हुए हरिजन आबादी से होते हुए पंचायत घर तक सम्पर्क मार्ग काफी खराब रास्ता है, इस रास्ते की लम्बाई लगभग 550 मीटर है ये रास्ता पूरी तरह

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

दयनीय स्थिति में है यह रास्ता आने-जाने योग्य नहीं है इसलिए ग्रामवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए रास्ते का निर्माण कराना अति आवश्यक है।

अतः जनहित में उपरोक्त रास्ते का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है इस क्षेत्र की जनता आपकी सदैव अभारी रहेगी।]

जनपद सहारनपुर में जिला पूर्ति अधिकारी के खिलाफ जाँच के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री देवेन्द्र कुमार निम-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे द्वारा जिला पूर्ति अधिकारी, सहारनपुर के सन्दर्भ में राशन घटतौली की शिकायत प्राप्त होने पर मेरे द्वारा शासन स्तर पर जिला पूर्ति अधिकारी, सहारनपुर के विरुद्ध जांच करवाकर कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया था, परन्तु प्रकरण में जिला स्तरीय टीम से जांच करवाकर निक्षेपित कर दिया गया, जबकि ऐसे में मामले की जांच मण्डल स्तर अथवा शासन स्तर के अधिकारियों की जांच टीम से करा कर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। जनहित में मण्डल स्तरीय अथवा शासन स्तर पर जांच टीम का गठन कर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद पीलीभीत के ग्राम लिलहर में पौराणिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विवेक कुमार वर्मा-

[महोदय, सूच्य है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-130, बीसलपुर, जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत ग्राम लिलहर में शिवमन्दिर एवं तालाब (मेला स्थल) है जो कि महाभारत कालीन है यहां पर प्रत्येक अमावस्या पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं तथा तालाब में स्नान कर चर्म रोगों से छुटकारा पाते हैं ऐसी मान्यता है। इसलिए शिवमंदिर एवं तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व एवं जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई में कतिपय बाईपास के नव निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री चन्द्रपाल सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र डिबाई अन्तर्गत कर्णवास (मोक्ष धाम) व गंगा घाट स्नान जाने

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

के लिए डिबाई नगर के बीच बाजार से होकर गुजरना पड़ता है, जिसके कारण बाजार में हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। परिणामस्वरूप काफी समय डिबाई नगर को पार करने में व्यर्थ चला जाता है, और इसी वजह से बहुत दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है। जनहित में डिबाई नगर से बाहर नेशनल हाई-वे 93 कादरी बाग वाले छोईया पुल से पटरी-पटरी कर्णवास मार्ग होते हुए इछावरी से सवलपुर नेशनल हाई-वे 93 तक लम्बाई लगभग 6 किमी0 बाईपास मार्ग का नव निर्माण किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए जनहित में उक्त बाईपास मार्ग के नव निर्माण कराये जाने हेतु कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा में कतिपय प्लाट पर कब्जा दिलाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विकास गुप्ता-

[महोदय, सादर अवगत कराना है कि सेक्टर जीटा-1, रसूलपुर राय, ग्रेटर नोएडा में भूखण्ड संख्या-219 को वर्ष 2002 में पत्र क्रमांक 2002 के माध्यम से एक भू-खण्ड आवंटित किया गया था, जिसकी सम्पूर्ण धनराशि जमा करने एवं समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करने के बाद दिनांक 04-08-2021 को रजिस्ट्री हुई, जिसके एवज में क्रेता श्री सौरभ गर्ग को कब्जा प्रमाण-पत्र संख्या प्राप/किसान/ए 13 एम आई/2021/932, दिनांक 04-08-2021 द्वारा कब्जा प्रमाण-पत्र जारी किया गया, लेकिन अभी तक कब्जा नहीं दिया गया। मान्यवर दिनांक 04-08-2021 को कब्जा प्रमाण-पत्र जारी करने के बावजूद आज तक क्रेता को प्लाट में कब्जा नहीं कराया गया है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रतापगढ़ में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेन्द्र कुमार मौर्य-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान का आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-248, प्रतापगढ़ अन्तर्गत वि0ख0 बाबा बेलखरनाथ धाम ताला मोड़ से कन्धई तक मरम्मत कार्य दूरी लगभग 6.00 किमी0 सड़क पूर्ण रूप से जर्जर होकर टूट चुकी है। जिसके कारण आमजनमानस को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के समय सड़क पर कीचड़ व गर्मी के समय धूल आदि की समस्या व्याप्त है, जिसके कारण आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

तथा क्षेत्रीय जनता में भारी रोष है, जिसके कारण आसपास के लोगों तथा छात्र-छात्राओं को आवागमन में काफी दिक्कत होती है जबकि उक्त सम्पर्क मार्ग जनपद प्रतापगढ़ के 20 गांवों को जोड़ती है जो वर्तमान में अत्यन्त जर्जर हो गयी है इससे निजात पाने के लिए जनपद प्रतापगढ़ के लिये यथाशीघ्र मरम्मत कराया जाना अति आवश्यक है। अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद बुलन्दशहर के सिकन्दराबाद में कतिपय मार्ग को फोर लेन किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री लक्ष्मी राज सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद-बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद में माननीय प्रधानमंत्री जी की रैली चोला-पुलिस शूटिंग रेंज (चॉदमारी) के पास आयोजित की गयी थी । यह रोड जेवर एयरपोर्ट एवं चोला रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग है परन्तु यह मार्ग मात्र सिंगल लेन है जिस कारण से इस मार्ग पर यातायात दबाव के कारण आवागमन बाधित रहता है। जनहित में इस मार्ग को फोर लेन बनाया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मै आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद गोण्डा के तरबगंज में कतिपय पुलों एवं लघु सेतुओं के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रेम नरायन पाण्डेय-

[महोदय, अवगत कराना है कि विधान सभा क्षेत्र तरबगंज, गोण्डा जो अयोध्या से सटा सरयू घाघरा नदी से घिरा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है, बरसात के समय में बाढ़ की भीषण विभीषिका में कई मार्ग कट जाते हैं जिसके कारण कई गांवों का सम्पर्क टूट जाता है। सेतु न होने के कारण लोगों को मजबूरन कई माह तक नाव से यात्रा करनी पड़ती है जिससे कई बार दुर्घटना हो जाने के कारण जानमाल का नुकसान भी उठाना पड़ता है। विधान सभा क्षेत्र का लगभग दो तिहाई भाग बाढ़ प्रभावित है, निम्नलिखित अति महत्वपूर्ण लघु सेतुओं का आगणन मंगाकर निर्माण कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है :-

1-गंगरौली उत्तरी भवानी आदमपुर तिरमुहानी पर लघु सेतु का निर्माण कार्य।

2-सिरसा सरहद खैरगाड़ा हरिहरपुर पंडित हाता के मध्य लघु सेतु का निर्माण कार्य।

3-धौरहराघाट पक्की सड़क से खानपुर के मध्य घोघरा नाले पर सेतु का निर्माण कार्य।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

4-असरथा शीशव सम्पर्क मार्ग पर कुदरहा नाला पर लघु सेतु का निर्माण कार्य।

5-ग्राम पंचायत पथार तिवारी बाजार व भैरमपुर के मध्य में घोघरा नाला पर लघु सेतु का निर्माण।

6-सी0बी0एन0 मार्ग पर भोपतपुर-बल्लीपुर सरहद सोतिया नाला पर लघु सेतु का निर्माण कार्य।

7-पटपरगंज-चौखडिया मार्ग के किमी0-10 में भगला नाले पर लघु सेतु का निर्माण कार्य।

8-सोनौली मोहम्मदपुर में रग्घू वैष्य पुरवा में नाले पर सेतु का निर्माण कार्य।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद अलीगढ़ महानगर में कतिपय ओवरब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल पाराशर-

[महोदय, अवगत कराना है कि अलीगढ़ महानगर के जी0टी0 रोड पर एटाचुंगी चौराहा अति व्यस्ततम् चौराहा है। एटाचुंगी चौराहा कानपुर की ओर से आने वाले जी0टी0 रोड का शहर में प्रवेश मार्ग है। इस चौराहा के निकट ही जनपद की सबसे बड़ी कृषि उत्पादन मंडी है। साथ ही कृषि आधारित उद्योग के सारे बड़े प्रतिष्ठान इसी मार्ग पर हैं तथा दूसरी ओर पूरा शहर है। अतः इस चौराहे पर जाम की स्थिति हमेशा बनी रहती है। इसी मार्ग के पास कमिश्नरी कार्यालय, दीन दयाल संयुक्त चिकित्सालय एवं अन्य दस बड़े अस्पताल, एक दर्जन से ज्यादा विवाह स्थल, अलीगढ़ जनपद का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र तालानगरी एवं शहर के सारे बड़े स्कूल के लिए इसी चौराहा से होकर जाना होता है। एटाचुंगी चौराहा शहर का अत्यधिक जामग्रस्त चौराहा है। शहर के इस अति व्यस्ततम् चौराहा पर उपरिगामी सेतु (फ्लाई ओवर ब्रिज) का निर्माण अति आवश्यक है। महोदय, अलीगढ़ शहर को केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी योजना में भी चयनित किया गया है। उक्त स्थान पर उपरिगामी सेतु बनने से अलीगढ़ महानगर की जनता का आवागमन सुलभ होगा और समय की बचत होगी। जनहित में उक्त स्थान पर उपरिगामी सेतु (फ्लाई ओवर ब्रिज) की शासन से स्वीकृति कराने का कष्ट करें।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बरेली के कतिपय परिवारों को मुख्य मंत्री कोष से आर्थिक सहायता दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 डी0सी0 वर्मा-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-119, मीरगंज जनपद बरेली के थाना शाही, शीशगढ़, फतेहगंज पश्चिमी के अन्तर्गत पिछले कुछ माह में 9 महिलाओं की गला दबाकर एक ही तरीके से अलग-अलग स्थानों पर हत्यायें कर दी गयी हैं, जो कि अति गरीब परिवारों से है अतः इनके परिवारों के भरण पोषण हेतु मा0 मुख्य मंत्री कोष से आर्थिक सहायता दिलाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व एवं जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद सीतापुर के तहसील बिसवां में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री निर्मल वर्मा-

महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-149 के बिसवां जनपद सीतापुर तहसील बिसवां के अन्तर्गत बेलझरिया मसेनामऊ मार्ग से ग्राम कालूपुर होते हुए नहर पटरी तक पेन्टेड मार्ग बनवाया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद महोबा के चरखारी में राजकीय महाविद्यालय के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री ब्रजभूषण राजपूत-

[महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र-231, चरखारी (महोबा) में राजकीय महिला महाविद्यालय नहीं है जिससे छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु दूर दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता है। जिससे समय एवं धन का अपव्यय होता है। जनहित में राजकीय महिला महाविद्यालय का निर्माण अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद एटा के कस्बा घुमरी में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सत्यपाल सिंह राठौर-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-103, अलीगंज, एटा के कस्बा धुमरी के अन्दर सी0सी0 मार्ग बना हुआ है जो पूरी तरह से जीर्ण-शीर्ण है। इस मार्ग का निर्माण जिला पंचायत के द्वारा बनाया गया है। जनहित में इस मार्ग का नव निर्माण जिला पंचायत अथवा अन्य किसी विभाग से कराया जाना नितान्त आवश्यक है। जनहित में कस्बा धुमरी से अलीगंज-सिढपुरा-पटियाली मार्ग का निर्माण कराये जाने हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया जाना आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुये कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद बलिया के बैरिया में कतिपय सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जय प्रकाश अंचल-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बैरिया बलिया जनपद के अन्तर्गत निम्नलिखित सड़कें क्षतिग्रस्त हैं :-

1- दलन छपरा से रामपुर कोडरहा होकर मुजही बिहार बार्डर तक नव निर्माण कराया जाय।

2- वशिष्ठ नगर प्लाट से श्रीनगर सैनिक टोला होकर मुनि बाबा स्थान तक नव निर्माण कार्य कराया जाय।

3- वशिष्ठ नगर प्लाट (झरकटहा) से बघमरिया भाखर होकर कोल नाला चट्टी तक मार्ग का पुनर्निर्माण कराया जाय।

4- मुनी छपरा ढाला से अचलगढ़ होकर नवका गांव तक मार्ग का निर्माण कार्य कराया जाय।

5- सुघर छपरा से नवका गांव होकर अचलगढ़ मार्ग का निर्माण कराया जाय।

6- छपरा सारिव रेंवती दतहा मार्ग से लमुही होकर जमधरवा टी0एस0 बन्धा तक मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराया जाय।

7- छपरा सारिव नूरपुर दतहा मार्ग से दतहा होकर टी0एस0 बन्धा तक मार्ग निर्माण कार्य कराया जाय।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

8- भैसहां के मौजा उमती होकर लंगडु बाबा समाधि स्थल मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

9- रेवती दतहा मार्ग से भैसहा भिसियां मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

10- रामगढ़ बलिहार मार्ग से रामपुर दिघार मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

11- एन0एच0-31, गंगापुर से दिघार सब-स्टेशन मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

12- एन0एच0-31, पाण्डेयपुर जगदेवा ढाला से रिंग बांध तक मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय।

13- रेंवती बैरिया मार्ग से चौबे छपरा छेडीडीह होकर पियरौटा तक मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय।

14- बी0एस0टी0 बन्धा कृष्णा नगर से लक्ष्मन छपरा मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

15- सोनबरसा एन0एच0-31 से इब्राहिमाबाद आई0टी0आई0 स्कूल तक मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

16- सोनवानी समरथपाह दुधैला मार्ग का पुनर्निर्माण कराया जाय।

17- शोभा छपरा संसार टोला (जय प्रकाश नगर) मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय।

18- एन0एच0-31, दुबे छपरा से उदई छपरा मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य कराया जाय।

19- रेवती बैरिया मार्ग से टेगरही डेरा नगर पंचायत बैरिया तक मार्ग का निर्माण कार्य कराया जाय।

20- एन0एच0—31, गजहवा बाबा के स्थान से प्रसाद छपरा मार्ग निर्माण कराया जाय।

21- एन0एच0-31, दया छपरा ढाला से बुधनचक मार्ग निर्माण कराया जाय।

22- एन0एच0-31, दयाछपरा से चिन्तामणि राय के टोला जगदेवा पाण्डेयपुर मार्ग का निर्माण कराया जाय।

23- एन0एच0-31, पाण्डेयपुर ढाला से रिंग बन्धा तक।

24- मुरली छपरा दलकी नं0-1, लालगंज मार्ग की मरम्मत का कार्य कराया जाय।

25- दलकी नं0-1 से लच्छुटोला मार्ग का पुनर्निर्माण।

26- दलन छपरा से सोनकी भाट मार्ग का पुनर्निर्माण।

27- करन छपरा एन0एच0-31 से सुकरौली मार्ग का निर्माण।

28- एन0एच0-31, ठेकहां से बकुल्हा रेलवे स्टेशन होते हुए टोला फतेराय मार्ग नव निर्माण कार्य।

29- एन0एच0-31, शिवन टोला से इब्राहिमाबाद उपरवार मार्ग नव निर्माण कार्य।

30- एन0एच0-31, योगिन्द्र गिरी के मठिया से सेवकराय के टोला होकर धतुरी टोला मार्ग 31-भगवानपुर से रामनगर सम्पर्क मार्ग का पुनर्निर्माण।

32- रेवती बैरिया मार्ग मुनछपरा ढाला से अचलगढ़ होकर नवका गांव मार्ग का निर्माण।

33- एन0एच0-31, रामगढ़ से गंगापुर नई बस्ती होकर नवका गांव मार्ग तक का पुनर्निर्माण।

34- रामगढ़ बलिहार से रामपुर दिघार मार्ग का लेपन कार्य।

35- एन0एच0-31, हुकुम छपरा से दिघार मार्ग का निर्माण।

36- एन0एच0-31, हल्दी पेट्रोल पम्प से भरखोखा होकर सोनवानी मार्ग तक का निर्माण।

37- रेवती दतहां मार्ग से नूरपुर रेखहां सम्पर्क मार्ग का निर्माण।

38- टी0एस0 बन्धा वशिष्ठ नगर प्लाट से बघमरिया होकर भाखर कोलनाला का निर्माण कार्य।

39- श्रीनगर बीएसटी बन्धा से दल छपरा मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य।

40- श्रीनगर अस्पताल से दलित बस्ती मार्ग तक मार्ग का निर्माण।

41- दल छपरा रेलवे लाइन फाटक से दल छपरा रेलवे स्टेशन मार्ग का निर्माण कार्य।

42- करमानपुर से नरायनगढ़ होकर दुर्जनपुर पुरानी रेलवे लाईन तक मार्ग का निर्माण।

43- सुरेमन पुर रेलवे स्टेशन से उपाध्यायपुर होकर चाई छपरा मार्ग का निर्माण।

44- मानगढ़ पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से वशिष्ठ नगर होकर गोपालनगर पंचायत भवन तक मार्ग का निर्माण।

45- पी0एम0 जी0एस0वाई0 मार्ग मानगढ़ से गोपालनगर विन्द टोला होकर पंचायत भवन तक मार्ग का निर्माण कार्य।

46- रेवती बैरिया मार्ग से तिवारी के मिल्की होकर जगन के डेरा तक मार्ग का निर्माण कार्य।

47- नगर पंचायत बैरिया से भोजापुर लक्ष्मीपुर होकर सावन छपरा मार्ग का निर्माण।

48- हल्दी सहतवार मार्ग से बिगही गांव होकर बांसडीह मार्ग तक का विशेष मरम्मत।

49- सोनवानी बाजार से सोनवानी अस्पताल होकर समरथपाह मार्ग तक का विशेष मरम्मत।

50- एन0एच0-31, ठेकहा चांददियर से बकुलहा रेलवे स्टेशन होकर टोला फतेराय तक मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए सरकार से उपरोक्त मार्गों के निर्माण कार्य कराये जाने की माँग करता हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद मुरादाबाद के नगर पंचायत भेजपुर में सब-स्टेशन बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

हाजी नासिर कुरैशी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-27, मुरादाबाद जनपद मुरादाबाद ग्रामीण के अन्तर्गत नगर पंचायत भेजपुर एवं पीपलसाना में 1 बिजली घर है जोकि पीपलसाना में स्थित है। इस बिजली घर को सप्लाई 132 के0वी0 सब-स्टेशन ठाकुरद्वारा से मिलती हैं, जहांगीरपुर सिडाब्ली मिलती है यह लाइन 34 किमी0 दूर से यहा आती है इस लाइन की अधिकतम क्षमता इस समय 360 एम्पीयर है जिस पर काफी लोड है। वह 416 एम्पीयर चलता है। इस पर ओवरलोड अधिक होने के कारण रात में ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती हैं। यह लाइन जंगलों से गुजरती है अक्सर यहां पर कोई फाल्ट होता है तो फाल्ट को सही करने में लगभग 7 से 9 घण्टे लग जाते हैं। तब जाकर सही हो पाता है। जहांगीरपुर बिजली घर के पास पर्याप्त जगह ढूंढकर एक नया 132 के0वी0 का सब-स्टेशन बनाये जाने की आवश्यकता है जिसको बनाने के लिए बिजली विभाग द्वारा जहाँगीरपुर बिजली घर के पास जगह क्रय कर ली गई है परन्तु अभी तक यहाँ कोई कार्य शुरू नहीं किया है। इसके बन जाने से क्षेत्रीय लोगों को सुविधा प्राप्त हो जायेगी। इस क्षेत्र की आबादी लगभग दो लाख से अधिक है, जहां पर सब-स्टेशन बनाये जाने की आवश्यकता है।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त प्रकरण सरकार से कार्यवाही किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद रायबरेली की तहसील ऊँचाहार के अन्तर्गत ब्लाक जगतपुर में भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

[महोदय, अवगत कराना है कि हमारी विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के विकास खण्ड जगतपुर के ग्राम सभा हरदीटीकर के मूल निवासीगण एवं विश्व दलित परिषद उ0प्र0 सामाजिक संगठन के पदाधिकारीगणों ने अवगत कराया है कि ग्राम सभा हरदीटीकर में भूमि गाटा संख्या-21 मि0/0.951 हे0, 34 मि0/0.980, 35 मि0/0.057 हे0, 39 मि0/0.379 हे0, 52 मि0/0.792 हे0, 53क/0.809 हे0 184 मि0/1.318 हे0, 214/0.749 हे0, 398, 420/0.294 हे0 जो कि भूमि अभिलेखों में ऊसर, बंजर सरकारी भूमि दर्ज है, जिसको वहीं के दबंग सरहंग भू माफिया पूर्व प्रधान अमरेश बहादुर सिंह अपने प्रभाव से तहसील की सांठ-गांठ करके अवैध और गुप-चुप तरीके से सन् 2021-22 में गांव के अपने अपात्र चहेतों

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

को पात्रता दिखाकर भूमि का पट्टा/आवंटन कर दिये जाने की निष्पक्ष जांच कराकर असंवैधानिक पट्टेधारकों का पट्टा निरस्त कर ग्राम सभा में रह रहे गरीब, भूमिहीनों को भूमि आवंटन/पट्टा दिये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को कई बार प्रार्थना-पत्र दिया गया परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न हेतु शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये नियम-301 के अन्तर्गत वक्तत्व स्वीकार करने की कृपा करें।]

जनपद आजमगढ़ के लालगंज में मरही पोखरी के सुन्दरीकरण व अन्य सुविधाएँ दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बेचई सरोज-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से जनपद आजमगढ़ की विधान सभा क्षेत्र लालगंज की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ। हमारे विधान सभा क्षेत्र लालगंज में ग्राम सभा पसिका में प्रा0 विद्यालय के बगल में मरही पोखरी स्थित है, जिसकी हालात काफी जीर्ण-शीर्ण हो चुकी है। इस पोखरी पर हजारों महिलाएं छठ मईया का पूजा करती हैं। इसी पोखरी पर ज्यूतियां मां की भी पूजा-पाठ की जाती है। इस पोखरी पर मेला लगता है, ब्रम्ह बाबा का स्थान है, स्कूल है, गोदाम है, कई धार्मिक स्थानों से यह पोखरी जुड़ी हुई है तथा हर वर्ष छठ पर्व पर हजारों की संख्या में महिलाएं आकर व्रत करती हैं। सरकार के द्वारा इस पोखरी पर सुन्दरीकरण, सीढ़ी, सोलर लाईट व अन्य सुविधाओं की मागं कई वर्षों से की जा रही है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं होने के कारण आम जनता में शासन/प्रशासन के खिलाफ भारी रोष व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर मैं सदन के माध्यम से जनता की परेशानी को देखते हुए उक्त पोखरी का सुन्दरीकरण कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ के विकास खण्ड बक्शी का तालाब अन्तर्गत रैथा मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राकेश प्रताप सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर आकृष्ट कराना चाहूँता हूँ कि जनपद लखनऊ के विकास खण्ड बक्शी का तालाब के अन्तर्गत रैथा मार्ग अत्यधिक सकरा है, यह मार्ग लगभग दस किलो मीटर लम्बा है जबकि यह मार्ग किसान पथ को जोड़ते हुए माँ चन्द्रिका देवी मंदिर को जोड़ता है, जिस पर प्रतिदिन लगभग पचासों ग्राम सभाओं से हजारों वाहनों का आवागमन होता है, उक्त मार्ग सकरा होने के

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

कारण सुबह एवं शाम आये दिन भारी जाम की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण आये दिन अत्यधिक दुर्घटनायें घटित होती रहती हैं। इसके सम्बन्ध में कई बार विभाग से अनुरोध किया जा चुका है किन्तु आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर ध्यान आकर्षित कराते हुए जनपद लखनऊ के विकास खण्ड बक्शी के तालाब अन्तर्गत रैथा मार्ग की (3.25x12 मीटर) चौड़ीकरण कराये जाने हेतु शीघ्र कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद रायबरेली के अन्तर्गत पटेल नगर में अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

[महोदय, जनपद-रायबरेली में नगर पालिका सीमा के अन्तर्गत पटेल नगर (जैतूपुर) स्थित खसरा सं0-337 में 190 वर्गमीटर भूखण्ड के पश्चिम एवं उत्तर से जा रहे सार्वजनिक मार्ग पर रामेश्वर के मकान से पुनवासी एवं बिहारी के मकान तक नगर पालिका द्वारा रु0 7.18 लाख की लागत निर्मित इण्टरलॉकिंग सड़क पर पड़ोसी रमा देवी पत्नी रवि मोहन द्वारा अवैध कब्जा कर सड़क पर पक्का निर्माण कर गेट लगाकर मार्ग बन्द कर दिये जाने के फलस्वरूप अवैध कब्जे को हटाये जाने हेतु वर्ष 2021 से अनेकों मा0 विधान सभा सदस्यों/माननीय मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य, मा0 उद्यान राज्य मंत्री स्वतंत्र (प्रभार) एवं मा0 राजस्व राज्य मंत्री जी विशेष कार्याधिकारी मा0 मुख्य मंत्री जी तथा मण्डलायुक्त लखनऊ द्वारा जिलाधिकारी रायबरेली को निरंतर आदेशित किये जाने के बाद भी आज तक इण्टरलॉकिंग मार्ग पर किये गए अवैध कब्जे को नहीं हटाया गया है। इस प्रकरण में अवर अभियंता एवं अधिशासी अभियंता रायबरेली विकास प्राधिकरण की भूमिका भी प्रारम्भ से ही संदिग्ध रही है। तत्पश्चात् मा0 विधायक श्री बावन सिंह गोण्डा द्वारा माननीय मुख्य मंत्री जी को सम्बोधित-पत्र दि0-17-10-2023 पर प्रमुख सचिव मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा दिनांक 18-10-2023 को जिलाधिकारी रायबरेली को कब्जा मुक्ति की कार्यवाही कर अवगत कराने की अपेक्षा की गयी है। परन्तु स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा शासन को गुमराह करके उच्चादेशों के सम्बन्ध में कह दिया जाता है कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, जबकि किसी भी न्यायालय से उक्त प्रकरण पर स्थगन आदेश प्राप्त नहीं है। उक्त मार्ग के अवरुद्ध होने के कारण स्थानीय निवासियों को आवागमन में अत्यन्त परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और जन आक्रोष व्याप्त है ।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय इस प्रकरण पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली में कतिपय पौराणिक स्थलों की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनीष रावत-

[महोदय, सादर, अवगत कराना है कि जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बौनाभारी, हमीरपुर, बहरीमऊ, महेशपुर, रसूलपना, जल्लाबाद में स्थित मन्दिरों और धामों का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराया जाना जनता की आस्था और श्रद्धा को बनाये रखना अति आवश्यक है। निम्नोक्त सभी मन्दिर और धाम अति प्राचीन है क्षेत्र में सभी मन्दिरों पर आये दिन मेले और उत्सवों का आयोजन हुआ करता है :-

1-बामनधाम मन्दिर, बौनाभारी का जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण करवाया जाना।

2-बीहारीदास बाबा मन्दिर, हमीरपुर का जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण करवाया जाना।

3-जंगलेश्वर बाबा मन्दिर, बहरीमऊ का जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण करवाया जाना।

4-महेशनाथ बाबा मन्दिर, महेशपुर का जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण करवाया जाना।

5-श्री मानेश्वरधाम मन्दिर, रसूलपना का जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण करवाया जाना।

6-श्री अनोगी बाबा धाम, जल्लाबाद गाँव का जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण करवाया जाना।

उपरोक्त मन्दिरों और धामों का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट किये जाने की माँग करता हूँ ताकि तत्काल उक्त मन्दिरों और धामों का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जा सके।]

जनपद हरदोई के नगर पंचायत कछौना में कतिपय मार्ग के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रामपाल वर्मा-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत नगर पंचायत कछौना पतसेनी से हथौड़ा बेरुवा होते हुए थानगाँव तक सण्डीला-बेनीगंज मार्ग को जोड़ने वाले मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। उक्त मार्ग की लम्बाई लगभग 12 किमी0 है जिस पर लगभग सैकड़ों गांवों के लोगों का आवागमन रहता है तथा परिवहन निगम की बसें भी उक्त मार्ग से गुजरती हैं। यातायात के लिये यह एक मुख्य मार्ग है जो सकरा है। जनहित में उक्त मार्ग का चौड़ीकरण आवश्यक है।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्यवाही की माँग करता हूं।]

जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम सादुल्लापुर में कतिपय रास्ते को खुलवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डा0 पल्लवी पटेल-

[महोदय, मै आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आकर्षित कराते हुए सादर अवगत कराना है कि जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम सादुल्लापुर (पूरे सुखदेव) थाना जेठवारा के नन्हेंलाल, छोटेबाबू पुत्रगण केदारनाथ यादव, अशोक, अजय पुत्रगण श्यामशंकर यादव आदि द्वारा गांव के ही अरविन्द आदि के भूमिधरी गाटा संख्या-319 में अवैध रूप से जबरदस्ती रास्ता बना लिया है। जिसकी शिकायत पर जिलाधिकारी प्रतापगढ़ के पत्रांकः 138/एलएसी-2023 दिनांक 24-04-2023 द्वारा जाँच करायी गयी है। उक्त जांच पत्रांक दिनांक 24-04-2023 के साथ संलग्न नजरी नक्शा में दर्शित क्रमांक-5 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि रामलाल यादव के घर के बगल (दक्षिण दिशा में खाली पडी आबादी की भूमि गाटा संख्या-320/374(0.219 हेक्टेयर) से रास्ता (गलियारा) था, जो नन्हेंलाल, छोटेबाबू पुत्रगण केदारनाथ यादव, अशोक, अजय पुत्रगण श्यामशंकर यादव आदि का गांव के मुख्य रास्ता खड़न्जा गाटा संख्या-321 पर जाने का गलियारा (मार्ग) था। उसी रास्ता (गलियारा) को ही रामलाल यादव (पूर्व उप प्रधान) द्वारा जबरदस्ती दीवार बनाकर बन्द कर दिया गया है, जो विवाद का मुख्य कारण है। उक्त रास्ता जनहित में खुलवाया जाना नितांत आवश्यक है। अतः रामलाल यादव द्वारा बन्द किये गये उक्त आबादी के गलियारा (रास्ता) खुलवाये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को आदेश दिये जाने की सदन से अनुरोध करता हूँ।

अतः महोदय से उक्त अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन से वक्तव्य की माँग करता हूँ।]

जनपद जालौन के कोंच नगर पालिका में सीवर लाइन के पुनःनिर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मूलचन्द्र सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद जालौन के कोंच नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अन्तर्गत सीवर लाइन 50 वर्षों से अधिक पुरानी एवं कम क्षमता की होने के कारण जगह-जगह फट जाती है जिससे पूरे नगर में गंदगी फैली रहती है जनहित में कोंच नगर में सीवर लाइन का पुनः निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्त्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्यवाही किए जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रयागराज के हण्डिया में कतिपय मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री हाकिम लाल बिन्द-

[महोदय, जिला-प्रयागराज के विकास खण्ड-हण्डिया के विकास खण्ड-धनुपुर के अन्तर्गत बरौत बिठौली मार्ग से बलीगंज से शाहपुर सम्पर्क मार्ग अवशेष अवस्था में है। जिसके कारण क्षेत्रीय आम जनता को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सरकार द्वारा समस्त मार्गों को गढ्ढामुक्त करने की घोषणा की गयी है, उक्त जर्जर मार्ग का जनहित में यथाशीघ्र निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण किये जाने की आवश्यकता है परन्तु उक्त मार्ग का अभी तक निर्माण/मरम्मत नहीं कराया गया है। जिसके कारण आम जनता में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।

अस्तु इस लोक महत्व के अविलम्बनीय प्रश्न पर सदन में सरकार से उपरोक्त सड़क का निर्माण कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर में राजकीय कृषि महाविद्यालय की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री चन्द्र प्रकाश लोधी-

[महोदय, सादर, अनुरोध के साथ अवगत कराना है कि फतेहपुर अत्यन्त पिछड़ा जनपद है। फतेहपुर में कोई भी राजकीय कृषि महाविद्यालय न होने के कारण जनपद के बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु बाहर पलायन करना पड़ता है जो तथा किसानों को खेती के वैज्ञानिक तरीके तथा उन्नत किस्म के बीजों एवं दवाओं के बारे में जानकारी नहीं मिल पाती पिछड़े एवं संसाधन विहीन होने के कारण सम्भव नहीं हो पाता। फतेहपुर में राजकीय कृषि महाविद्यालय बन जाने से वहां के बच्चों को उच्च शिक्षा तथा स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो पायेंगे।

अतः महोदय से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कर फतेहपुर में राजकीय कृषि महाविद्यालय की स्थापना कराये जाने की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ।]

जनपद शामली में जिला न्यायालय भवन के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रसन्न कुमार-

[महोदय, आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ। जनपद-शामली में जिला न्यायालय भवन के निर्माण हेतु सरकार द्वारा

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

स्वीकृत है। जिसके लिए जनपद में भूमि भी चिन्हित है। ज्ञात हुआ है कि भवन के निर्माण हेतु धनराशि भी आंवटित है। लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। जनपद में संचालित जिला न्यायालय काफी पुराने भवन व शामली शहर से लगभग 15 किमी0 दूर कैराना में है। जिससे जनपदवासियों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में जनपद शामली में स्वीकृत जिला न्यायालय भवन का शीघ्र निर्माण कार्य कराये जाने हेतु कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद हाथरस के विकास खण्ड मुरसान में कतिपय मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार सिंह-

[महोदय, आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि जनपद-हाथरस के वि0ख0-मुरसान के ग्राम सुखा से खुटीपुरी जाटान तक कच्चा मार्ग है जिससे वहाँ के निवासियों को आवागमन में बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त मार्ग के निर्माण हेतु सम्बन्धित विभाग को अनेकों बार अवगत कराया गया लेकिन अभी तक जिला स्तर से कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिससे क्षेत्रीय जनता का सरकार के प्रति भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में वि0ख0-मुरसान के ग्राम सुखा से खुटीपुरी जाटान तक कच्चे सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण/डामरीकरण कराये जाने हेतु वक्तव्य की माँग करता हूँ।]

प्रदेश में दुर्घटनाओं से बढ़ रही मृत्यु दर के कारण इमरजेंसी सेवाओं की तरह पोस्टमार्टम की सेवाएँ चौबीस घण्टे कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

[महोदय, अवगत कराना है कि प्रदेश में आए दिन बढ़ती दुर्घटनाओं के कारण पोस्टमार्टम के लिए शवों की लम्बी कतारें लग रही हैं, जिसके कारण मृतकों के परिवार वालों को इस दुखद घटना घटित होने के उपरान्त लम्बे समय तक शवों का इंतज़ार करना पड़ता है। कभी-कभी विवादों के कारण अथवा दुर्घटना में हुई मृत्यु से मृतक के पोस्टपार्टम में हो रही देरी के कारण प्रशासनिक व्यवस्था बिगड़ने लगती है, जिसके कारण जनाक्रोश को संभालना मुश्किल हो जाता है। ऐसी स्थिति में इमरजेन्सी सेवाओं की तरह चौबीस घण्टे पोस्टमार्टम की व्यवस्था कराए जाने की आवश्यकता है।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही की माँग करती हूँ।]

जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवरब्रिज के पास प्राथमिक विद्यालय के पास मदिरा विक्रय की दुकान हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल कुमार सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के पास प्राथमिक विद्यालय से सटे मदिरा विक्रय की दुकान होने के कारण वहां के आम निवासियों को काफी कठिनाइयों एवं जाम का सामना करना पड़ रहा है और आवागमन में भी असुविधा हो रही है। प्राथमिक विद्यालय के बगल में मदिरा की दुकान होने के कारण बच्चों के भविष्य पर काफी दुष्प्रभाव पड़ रहा है।

इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर गोरखपुर में तरंग क्रासिंग ओवर ब्रिज के पास प्राथमिक विद्यालय से सटे मदिरा विक्रय की दुकान को हटाएं जाने हेतु सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए शीघ्र कार्यवाही किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अचल राजभर-

[महोदय, जिला-अम्बेडकर नगर की विधान सभा क्षेत्र-281, अकबरपुर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत ग्राम रानीपुर पिच मार्ग से ग्राम अटंगी डड़वा रामनाथ यादव के आवास तक का सम्पर्क मार्ग अत्यन्त जर्जर एवं क्षतिग्रस्त है। जिससे क्षेत्रीय जनता को आवागमन में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनता द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त जर्जर मार्ग का नव निर्माण कराये जाने हेतु कई बार अनुरोध किया गया है, परन्तु अभी तक क्षतिग्रस्त जर्जर सड़क का नव निर्माण नहीं हो सका है, जिससे क्षेत्रीय जनमानस में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।

अस्तु इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ।]

जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में मण्डी समिति की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

प्रो0 श्याम बिहारी लाल-

[महोदय, सूच्य है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-122, फरीदपुर जनपद बरेली के अन्तर्गत तहसील मुख्यालय फरीदपुर में किसानों की उपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु मण्डी समिति की

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

स्थापना कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। उक्त मण्डी स्थल के निर्माण की माँग फरीदपुर क्षेत्र की जनता लगातार करती रही है। मण्डी स्थल निर्माण हेतु रेशम फार्म की पर्याप्त जमीन उपलब्ध है, फरीदपुर में सभी फसलों का पर्याप्त उत्पादन होता है। प्लाईवुड, राईस मिल तथा फ्लोर मिल की लगभग 3 दर्जन फैक्ट्रियां भी हैं। पूर्व में विभाग फरीदपुर में मण्डी आय का आगणन तीन भागों में बांटकर दिखाता रहा है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर में कतिपय मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 रागिनी-

[महोदय, मैं आपका ध्यान अपने विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर जनपद-जौनपुर के ग्राम सभा चक इंग्लिश जुरबर खाँ शारदा सहायक नहर से वाया ट्रांसमिशन लाइन होते हुए पतुलकी माइनर से होते हुए मछलीशहर-जौनपुर प्रयागराज एन0एच0आई0 तक लम्बाई लगभग 10 किमी0 मार्ग अत्यन्त क्षतिग्रस्त है जिससे आये दिन दुर्घटनायें होती रहती हैं इस मार्ग पर स्थानीय निवासियों के अतिरिक्त जनपद के लोगों का आवागमन बना रहता है उक्त मार्ग खराब होने के कारण आम जन मानस में सरकार के प्रति काफी आक्रोश है।

अतः लोक महत्व के विषय पर मा0 सदन के माध्यम से उक्त मार्ग को बनवाये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करती हूँ।]

जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र बीकापुर में महोली मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 अमित सिंह चौहान-

[महोदय, अवगत कराना है कि विधान सभा क्षेत्र-274, बीकापुर जनपद अयोध्या के अन्तर्गत विकास खण्ड सोहावल की अन्य जिला मार्ग महोली बड़ागांव ड्योढ़ी मार्ग/स्थित है। जिसकी लम्बाई 16 किलोमीटर है। इस मार्ग के महत्व को देखते हुए आवागमन की सुगमता हेतु विगत वर्ष में चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग अयोध्या के निर्माण खण्ड-4 द्वारा कराया गया किन्तु इस मार्ग के 600 मीटर लम्बाई में बड़ागांव आबादी भाग एवं 2 किलोमीटर की लम्बाई में चौड़ीकरण उच्चीकरण का कार्य नहीं कराया गया है। जिसके कारण शासन द्वारा लगभग 25 करोड़ की लागत से निर्मित इस मार्ग का समुचित लाभ यातायात, की दृष्टि से नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि आबादी के भाग में चौड़ाई कम होने के कारण प्रायः जाम की स्थिति बनी रहती है। आवागमन की दृष्टि से जनहित में महोली बड़ागांव ड्योढ़ी अन्य

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जिला मार्ग के बड़ागांव आबादी भाग के 600 मी0 लम्बाई में चौड़ीकरण व उच्चीकरण एवं अवशेष 2 किलोमीटर भाग में उच्चीकरण अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए महोली बड़ागांव ड्योढ़ी अन्य जिला मार्ग के बड़ागांव आबादी भाग के 600 मीटर लम्बाई में चौड़ीकरण एवं अवशेष 2 किलोमीटर मार्ग पर उच्चीकरण किये जाने हेतु कार्यवाही की माँग करते हैं।]

जनपद सहारनपुर के नकुड़ विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय ग्राम तालाबों की सफाई कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मुकेश चौधरी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर ले जाना चाहता हूं, कि मेरी विधान सभा नकुड़-02 क्षेत्र के निम्न ग्रामों के तालाबों की साफ-सफाई न होने के कारण से तालाब का जल दूषित रहता है और अति जलप्रवाह होने से तालाबों की चारदीवारी ढह जाने के कारण ग्रामों की गलियों में पानी भर जाता है तथा कीचड़ हो जाता है, जिस कारण से ग्रामों में कई-अनेकों प्रकार की बीमारियां उत्पन्न होती है। जिससे ग्रामवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, स्थानीय स्तर पर बार-बार प्रयास करने पर कोई समाधान नही हो पाया है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये निम्न ग्रामों के तालाबों की साफ-सफाई, चारदीवारी व सौन्दर्यीकरण कराये जाने की माँग करता हूँ।

1-ग्राम तिरपड़ी

2-ग्राम साल्हापुर

3-ग्राम साढौली

4-ग्राम बान्दुखेडी]

जनपद शामली के यमुना संगम स्थल से उत्तराखण्ड की सीमा तक जर्जर मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अशरफ अली खान-

[महोदय, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद-शामली में स्थित गंग-यमुना संगम स्थल से गंग नहर पटरी उत्तराखण्ड सीमा तक सड़क बहुत ही जर्जर है। जिससे क्षेत्रीय

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

निवासियों एवं दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की आवागमन में बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त कार्य को कराये जाने हेतु सम्बन्धित विभाग को अनेकों बार अवगत कराया गया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिससे क्षेत्रीय जनता का सरकार के प्रति भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में जनपद-शामली में स्थित गंग यमुना संगम स्थल से गंग नहर पटरी उत्तराखण्ड सीमा तक जर्जर सड़क की विशेष मरम्मत/पुनः नव निर्माण कार्य कराये जाने की कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद हमीरपुर के कस्बा सुमेरपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 अन्तर्गत सूचना

डॉ0 मनोज कुमार प्रजापति-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन में एक अविलम्बनीय लोक महत्व का विषय को लाना चाहता हूँ।

अवगत कराना है कि जनपद-हमीरपुर के कस्बा सुमेरपुर रेलवे लाइन क्रासिंग पर भारी संख्या में वाहन गुजरते हैं, जिससे उक्त कस्बे में बार-बार जाम की स्थित पैदा होती है। उक्त रेलवे लाइन क्रासिंग से कई ग्रामीणों को कस्बे में आने के लिये आये दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। जाम के कारण किसानों का कृषि कार्य भी बाधित रहता है। उक्त जाम में लोगों को कई-कई घण्टों तक इन्तजार करना पड़ता है। यदि उक्त रेलवे लाइन क्रासिंग पर ओवर ब्रिज बना दिया जाये तो जाम की समस्या का निराकरण हो जायेगा।

अतः जनपद-हमीरपुर के कस्बा सुमेरपुर रेलवे लाइन क्रासिंग पर ओवर ब्रिज बनाये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद-झांसी के तहसील मोंठ में हुए अवैध कब्जे को हटाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जवाहर लाल राजपूत-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन में एक अविलम्बनीय लोक महत्व का विषय को लाना चाहता हूँ।

अवगत कराना है कि मोठ कस्बे में चोपड़ा तालाब के बांध आराजी संख्या 657 पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करके दुकान आदि बनाकर कब्जा कर लिया है। जिससे लोगों में आक्रोश है और आवागमन बाधित हो रहा है। इसके अतिरिक्त गरौठा तहसील के

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

गुरसराय नगर के बीच बाजार में स्थित धनाई तालाब में कब्जा किया गया है जिससे जल संचय नहीं हो पा रहा है। गर्मियों में पीने के पानी की समस्या रहती है।

अतः जनपद-झांसी में तहसील मोठ के चोपड़ा तालाब के बन्ध पर एवं गुरसराय नगर के धनाई तालाब से अवैध कब्जा को हटवाये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद-अयोध्या के मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र में बने आश्रम पद्धति विद्यालय को चालू कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अवधेश प्रसाद-

[महोदय, मेरे निर्वाचन क्षेत्र मिल्कीपुर में जो जनपद अयोध्या में स्थित है। एक आश्रम पद्धति विद्यालय के भवन की स्थापना करोड़ों रुपये की लागत से भवन बनकर वर्ष 2016-17 में समाजवादी सरकार में बनकर तैयार हो गया था। इस विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक के अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़े वर्ग और सामान्य परिवार के गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क पढ़ाई निःशुल्क किताब, कापी, कपड़ा आवसीय सुविधा का प्राविधान रखा गया था। परन्तु जैसे ही भरतीय जनता पार्टी की सरकार सत्तारुढ़ हुई जिसे करीब 7 वर्ष हो गये परन्तु अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि और यह भारतीय जनता पार्टी का सरकार उजागिर होती है इन्होंने विद्यालय का न चलाकर पूरे प्रदेश में यह संदेश दिया है कि प्रदेश अनुसूचित जाति, पिछड़े जाति के बच्चों से कोई मतलब नहीं है।

मान्यवर इस सम्बन्ध में कई बार विभागीय मंत्री जी से मिलकर इस महत्वपूर्ण विद्यालय चलवाने की माँग की थी। लेकिन आज तक यह विद्यालय नहीं चला क्षेत्र में पूरी तरह से आक्रोश है जनता आन्दोलित है किसी भी क्षण जनता का असन्तोष एक बहुत बड़ा आन्दोलन ले सकता है।

इस लोक महत्व के विषय पर जनहित में लोक कल्याणकारी योजना को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय चलाया जाय।]

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर में कतियम मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री नफीस अहमद-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक अति अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आकर्षित करते हुए अवगत कराता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र गोपालपुर जनपद आजमगढ़ के अन्तर्गत आजमगढ़-गोरखपुर एन0 एच0 आई0 सड़क से गढवल बलिया कल्याण होते हुए मुबारकपुर को जाने वाली सड़क बुरी तरह से जर्जर हो चुकी है। सड़क खराब होने के कारण आम जनमानस को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे स्थिति में सड़क का नव निर्माण एवं चौड़ीकरण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त प्रकरण पर कार्यवाही हेतु सरकार से माँग करता हूँ।]

जनपद अमरोहा के विधान सभा क्षेत्र नौगावां सादात के ग्राम सैदपुर में कतिपय नाली एवं सड़कों के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री समर पाल सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-नौगावां सादात के ग्राम सैदपुर हम्मा जो कि लगभग 12,000 की आबादी वाला गांव है। इस गांव की अधिकतर सड़कें व नालियां टूटी-फूटी व गन्दगी से भरी है, उन्हें पक्का बनाया जाना एवं साफ-सफाई का कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र प्रतापपुर में खेलकूद हेतु स्टेडियम बनवाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती विजमा यादव-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ जो कि महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र प्रतापपुर जनपद प्रयागराज बहुत ही पिछड़ा है। जिसमें एक भी खेल-कूद का मैदान नहीं है, खेल-कूद का मैदान न होने के कारण लड़कों को बहुत ही कठिनाई होती है। खेल कूद का मैदान हमारी विधान सभा क्षेत्र में जनहित के लिए अति आवश्यक है, जो जनता के स्वास्थ्य हेतु तथा बच्चों के खेल जगत में एक सुनहरा मौका सबित होगा।

अतः आपसे अनुरोध है कि नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस विषय पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए खेल-कूद का मैदान बनवाये जाने की माँग करती हूँ।]

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर के अन्तर्गत कतिपय सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अखिलेश-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय पर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर सठियांव ब्लाक के अन्तर्गत बनवारी मोड़ से रानीपुर सम्पर्क मार्ग से नरसिंग के ट्यूबवेल से रामरूप के घर होते हुए प्राइमरी विद्यालय तक निर्माण कार्य कराये जाने हेतु जनहित में अति आवश्यक है। जिसकी दूरी लगभग

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

2.200 किमी0 है जो पूर्णरूप से जर्जर एवं गड्ढा युक्त है जिसके कारण आम जानमानस को आवागमन हेतु समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अतः सदन से अनुरोध है कि जनहित में विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर सठियांव ब्लाक के अन्तर्गत ग्राम सभा नरसिंह के ट्यूबवेल से प्राइमरी विद्यालय होते हुए सड़क निर्माण का कार्य कराये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।]

जनपद अमरोहा के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ड्रेनेज सिस्टम बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री महबूब अली -

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-41, अमरोहा, जनपद अमरोहा में ड्रेनेज सिस्टम की कनेक्टिविटी न होने के कारण जल निकासी की एक गम्भीर समस्या है। जलभराव के कारण तरह-तरह की बीमारियां फैलती हैं एवं आये दिन दुर्घटनायें होती रहती हैं। बारिश के दिनों में जलभराव की स्थिति काफी गम्भीर हो जाती है। पूर्व में इस समस्या के निवारण हेतु अनेकों प्रयास किये गये, परन्तु समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। ड्रेनेज सिस्टम की कनेक्टिविटी हो जाने से आम जनता की काफी समस्याओं का निराकरण हो जायेगा। प्रशासन की उदासीनता के कारण अभी तक अमरोहा में जल निकासी का कार्य अभी तक नहीं हो पाया है, जिससे शासन/प्रशासन के खिलाफ जनता में काफी रोष व्याप्त है। इसे जनहित में ठीक कराया जाना अति-आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद अमरोहा के जल निकासी हेतु शीघ्र कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद बलिया के सिकन्दरपुर में घाघरा नदी पर बन रहे पुल के कार्य को पुनः चालू कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जियाउद्दीन रिजवी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का लोक महत्त्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि बलिया जनपद सिकन्दरपुर में घाघरा नदी पर वर्ष 2016-2022 में बिहार एवं उ0प्र0 को जोड़ने का कार्य करता है। जनता के सुविधा के लिए सरकार ने यह महत्वपूर्ण पुल स्वीकृत किया था और इस के निर्माण के लिए पूर्व में सरकार ने 17.5 करोड़ रुपये 2016 में स्वीकृत किया था। जिससे उक्त घाट पर निर्माण कार्य चल रहा था सेतु निगम एवं हिंगल प्राइवेट कम्पनी पीलर का निर्माण कार्य कर ही थी। परन्तु पांच वर्षों में इस पुल पर धन आवंटन न होने से उक्त पुल का निर्माण कार्य बन्द कर दिया गया है। इस पुल पर 20 पीलर खड़े हो गये है। नदी के कटान के कारण चार पीलर बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। जिसका

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

सर्वे रुढ़की की टीम ने कर लिया है। एवं कम्पनी अपनी संस्तुति विभाग को भेज दिया है। परन्तु सेतु निगम अपने समस्त निर्माण सामग्री मशीन लेकर इस स्थान से लेकर चले गये हैं। जिससे निर्माण कार्य बन्द हो गया है। आम जनता में बहुत ही आक्रोश व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के विषय पर सरकार से माँग करता हूँ कि उपरोक्त खरीद दरौली पक्का पुल पर तत्काल इसी बजट में धन उपलब्ध कराकर बन्द पड़े निर्माण कार्य को अविलम्ब चालू कराया जाय।]

जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र कांठ के अन्तर्गत रेलवे ट्रैक पर ओवरब्रिज बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री कमाल अख्तर-

[महोदय, मैं आपका ध्यान नीतिगत लोक महत्व की सूचना की तरफ दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र के कांठ में रेलवे ट्रैक पर घण्टों लम्बा जाम लगा रहता है जिससे लोगों को आवागमन में असुविधा होती है। मुरादाबाद से हरिद्वार तीर्थ नगरी जाने के लिए इस मार्ग से होकर जाना पड़ता है। कांवड़िए (श्रद्धालु) भी इसी मार्ग से हरिद्वार से मुरादाबाद व आस-पास के जनपदों में जल लेकर आते हैं। इस रेलवे ट्रेक पर ओवर ब्रिज न होने के कारण श्रद्धालुओं को घंटों खड़ा रहना पड़ता है। इस रेलवे ट्रेक पर ओवर ब्रिज बनाया जाना लोक हित में अति आवश्यक है।

मैं आपके माध्यम से कांठ के इस रेलवे ट्रैक पर ओवर ब्रिज के निर्माण कराने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट किए जाने की माँग करता हूँ।]

प्रदेश के समस्त राज्य कर्मचारी का रोका गया नगर प्रतिकर भत्ता दिलाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रभु नारायण सिंह यादव-

[महोदय, अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों का कोविड-19 महामारी में नगर प्रतिकर भत्ता रोक दिया गया था। अब प्रदेश में कोविड की स्थिति सामान्य होने पर भी नगर प्रतिकर भत्ता बहाल नहीं किया गया है जबकि अन्य प्रदेशों में कोविड-19 में बन्द किये गये नगर प्रतिकर सहित समस्त भत्तों को दिया जा रहा है जबकि उत्तर प्रदेश में नहीं दिया जा रहा है। दिनों दिन बढ़ती महंगाई में नगर प्रतिकर भत्ता न मिलने से समस्त राज्य कर्मचारियों में सरकार के प्रति क्षोभ है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए सरकार से माँग करता हूँ कि उ0प्र0 के राज्य कर्मचारियों का नगर प्रतिकर भत्ता शीघ्र बहाल करने की कृपा करें।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद मैनपुरी के नगर पंचायत किशनी में बारात घर के मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे जनपद मैनपुरी के नगर पंचायत किशनी में शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि से कई बारात घर बनाये गये थे जिनमें काफी धनराशि लगाई जा चुकी है। फिर भी आज अपूर्ण और जीर्ण-शीर्ण हालत में है जनहित में उपरोक्त कार्य कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त प्रकरण कार्यवाही किये जाने हेतु सरकार से माँग करता हूँ।]

जनपद-जालौन के कालपी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पूर्व से मंजूर स्टेट हाई-वे का कार्य चालू कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विनोद चतुर्वेदी-

[महोदय, मैं आपका ध्यान विधान सभा क्षेत्र कालपी कि ओर दिलाना चाहता हूँ जनपद जालौन में एक स्टेट हाई-वे मंजूर हुआ है जिसका निर्माण अभी तक नहीं हुआ है जो राठ से जोलहुपुर से मदारीपुर स्टेट हाई-वे को जाता है। यह स्टेट हाई-वे एक जिले को दूसरे जिले से एवं एक स्टेट को दूसरे स्टेट से जोड़ता है। जिसका निर्माण कराया जाना जनहित में होगा।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान दिलाते हुए उक्त पर तत्काल कार्यवाही कराए जाने कि माँग करता हूँ।]

जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज में राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती सैय्यदा खातून-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ कि जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत नगर पंचायत बढनी चाफा में छात्राओं की शिक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। राजकीय कन्या इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने की आवश्यकता है। कन्या विद्यालय के अभाव में बहुत सी छात्रायें शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। यह प्रकरण लोक महत्व का है।

अतः इस गम्भीर विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए जनता की समस्याओं को देखते हुए कन्या विद्यालय की स्थापना कराये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हूँ।]

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत कतिपय नालियाँ तथा सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आशु मालिक-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व एवं अविलम्बनीय विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ जनपद-सहारनपुर के अन्तर्गत नगर निगम द्वारा 32 गांवों व आउटर की कॉलोनियाँ मानकमउ, रमजानपुरा, रसूलपुर सड़क दूधली, दानिश कलोनी गणपति कॉलोनी, गुलदस्ता कॉलोनी विशवास नगर हबीब गढ़ एकता कॉलोनी हलालपुर, वार्ड-67 की महक कॉलोनी, काजीपुरा, दानिश कॉलोनी, जैनब कॉलोनी, राठान, अजीम कालोनी, अब्दुल्ला कॉलोनी को नगर निगम में जोड़ने का काम किया गया था। परन्तु मूलभूत सुविधायें जैसे सड़क पानी, जर्जर बिजली के तार नहीं, नाली आदि ही नहीं है। स्थिति बहुत ही खराब है। जिससे लोगों को बहुत ही दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क, पानी, बिजली के तार बदलवाने, नाली आदि स्पेशल पैकज दिये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद कानपुर के कैंट विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कतिपय सड़क व नाली बनाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मोहम्मद हसन 'रूमी'-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ कि 216 छावनी विधान सभा के ज़ोन-02 के अन्तर्गत वार्ड-46 सतबरी में गौकुल धाम के बगल वाली सड़क महेंद्र सिंह यादव के मकान से योगेंद्र भदोरिया के मकान तक व न्यू आज़ाद नगर सतबरी रोड राम श्याम खड़न्जा में अरुण यादव के मकान से राजेश कुमार के मकान तक मूलभूत सुविधा, सड़क व नाली जैसी सुविधाओं से क्षेत्रीय नागरिक मजबूर हैं। क्षतिग्रस्त सड़क होने की वजह से आए दिन आम आदमी चोटिल हो जाते हैं जिस कारण आम जनमानस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क व नाली निर्माण करवाना अति आवशयक है।

अतः आपके माध्यम से लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए छावनी विधान सभा के ज़ोन-02 के अन्तर्गत वार्ड-46 सतबरी क्षेत्र में सरकार से वक्तव्य दिये जाने की माँग करता हूँ।]

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद प्रतापगढ़ की तहसील पट्टी के ग्राम पंचायत पंडरी जबर में मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम सिंह पटेल-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से एक जनहित समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ जो प्रतापगढ़ की तहसील पट्टी के ग्राम पंचायत पंडरी ज़बर से है उक्त ग्राम में मेन रोड काली सड़क से लेकर पत्रकार शम्स तबरेज के घर तक आम जनता के लिए कोई रास्ता नहीं है शासन प्रशासन से प्रयास के बाद भी जिला प्रशासन ने उपरोक्त के सम्बन्ध में कोई संज्ञान नहीं लिया और न ही कोई कार्यवाही हुई।

अतः मैं इस लोक महत्व/जनहित के विषय पर कार्यवाही कराए जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रतापगढ़ के रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पुल का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 आर0के0 वर्मा-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आकर्षित कराते हुए अवगत कराना चाहता हूँ कि रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पुरैला और नूरपुर के बीच बकुलही नदी पर पुल न होने से आवागमन हेतु कई किमी0 चक्कर लगाकर पार जाना पड़ता है दोनों ग्राम पंचायतों के निवासियों की जमीने व कब्रिस्तान नदी के पार है। जिस पर जाने के लिये बांस की चहली का इस्तेमाल करने से बांस की चहली (पुलिया) टूटने से लाश लेकर भी लोग नदी में गिर गये थे और कई अन्य घटनायें भी हो चुकी, जिसे लेकर क्षेत्रवासियों में सरकार के प्रति आक्रोष व्याप्त है।

अतः महोदय उपरोक्त लोक महत्व के विषय पर उक्त स्थल पर पुल के निर्माण हेतु सन्दर्भित व्यवस्था देने/निर्देशित करने का कष्ट करें।]

जनपद श्रावस्ती के विधान सभा क्षेत्र भिनगा के अन्तर्गत कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती इन्द्राणी देवी-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र भिनगा जनपद श्रावस्ती के अन्तर्गत विकास खण्ड सिरसिया के ग्राम दुर्गापुर केपी चौराहे से वनठिहवा के पास सड़क न होने के कारण क्षेत्र के लोगों का आवागमन नहीं हो पाता है। जिसके कारण आये दिन क्षेत्र के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है सड़क बन जाने से अन्य लोगों के आवागमन में सुविधा हो जायेगी। इस सम्बन्ध

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

में क्षेत्र वासियों द्वारा बार-बार माँग की जा रही है। काजवे पर सड़क का निर्माण हो जाय तो आने- जाने में सुविधा के लिए जायेगी।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए सड़क के निर्माण कार्य कराये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट किये जाने की माँग करती हूँ।]

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र सदर के अन्तर्गत कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दुर्गा प्रसाद यादव-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र सदर, जनपद आजमगढ़ के अन्तर्गत ब्लाक रानी की सराय पिच रोड से अनौरा, सोनवारा होते हुए कोईलारी खुर्द तक जो सड़क जा रही है जिसकी लम्बाई 7 किमी0 है बिल्कुल ही खराब है इसी तरह से सोनवारा गांव से उत्तर तरफ से होते हुए दाउदपुर होते हुए शाहखजुरा पिच रोड तक यह मार्ग जाता है जिसकी लम्बाई 5-6 किमी0 है पूरी तरह से जर्जर एवं खराब है तथा इसी प्रकार रानी की सराय निजामाबाद पिच रोड से बसही, बीबीपुर, गोपालपुर होते हुए बढ़या पिच रोड तक जिसकी लम्बाई 3 किमी0 है जिस पर आज तक 15-20 वर्ष से इस सड़क पर कोई भी कार्य न होने के कारण बिल्कुल ध्वस्त है चलने के लायक है ही नहीं। उपरोक्त सड़के खराब होने के साथ आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। जनहित में मिक्स्ड प्लान से बनाया जाना अति आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से जनहित में उपरोक्त सड़कों को मिक्स्ड प्लान से बनाये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद बाराबंकी में विद्युत व्यवस्था बेहतर किए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री गौरव कुमार रावत-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व व गम्भीर विषय की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र जैदपुर जनपद बाराबंकी में अघोषित विद्युत कटौती हो रही है, रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति न होने के कारण आम जनमानस में काफी रोष है तथा पुराने जर्जर विद्युत तार होने के कारण विद्युत सप्लाई में प्रतिदिन विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है एवं ट्रांसफार्मर की क्षमतावृद्धि कम होने के कारण ही आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं हो पा रही है। जिस कारण क्षेत्रीय जनता को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मैं इस अविलम्बनीय जनहित के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए तत्काल पुराने विद्युत तार को बदलने तथा ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि बढ़ाये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकर्षित किये जाने की माँग करता हूं।]

जनपद चित्रकूट सहित पूरे प्रदेश में गौशालाओं को भुगतान दिलाए जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल प्रधान-

[महोदय, मैं आपका ध्यान सदन के लोक महत्व के गम्भीर विषय पर ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि जनपद चित्रकूट सहित पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत द्वारा संचालित गौशालाओं का 08-08 महीने से भुगतान नहीं हो रहा है। जिसके कारण सभी गौशालाओं में भूसा, चारे-पानी के समुचित व्यवस्थाओं का कराया जाना कैसे संभव हो सकेगा। 08-08 महीने से भुगतान न होने के कारण पूरे जनपद के ग्राम प्रधान अत्यधिक परेशान एवं हताश हैं। प्रतिदिन तहसील मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी के कार्यालयों का चक्कर लगाकर भुगतान की फरियाद कर रहे हैं। पशुधन मंत्री जी ने मेरे एक प्रश्न के जवाब में कहा था कि महीने के पहले सप्ताह में गौशालाओं का भुगतान का नियम है किन्तु मेरे जनपद में 08-08 महीने का भुगतान नहीं हुआ है। पिछले वित्तीय वर्ष का भी कई ग्राम पंचायत का कई महीनों का भुगतान नहीं हुआ था। प्रधानगणों के अनुरोध के बाद भी कुछ नहीं हुआ है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए गौशालाओं का भुगतान कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मऊ आइमा में नाली के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती गीता शास्त्री (पासी)-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ कि जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मऊ आइमा, तहसील सोरांव के अन्तर्गत ग्राम मऊ दोस्तपुर, बृहिसंपुर उर्फ अल्लीपुर, बसदेवइया, सराय, अतन उर्फ नौगीरा, दुबाही, रामनगर गंसियारी, मलखानपुर, बोडीपुर, बरइपुर में अवस्थित मसियांव ताल से नाले मनसैता में गंगा नदी में मिलता है। उक्त नाले में चकडैम का निर्माण वर्ष 1995 में हुआ था, उसके बाद आज तक नाले की फाई न होने के कारण लगभग 1000 परिवारों की 5000 एकड़ फसल जल मग्न हो जाती है। जिससे लगभग 1000 परिवार के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बहुत से परिवार ऐसे हैं जिनके कृषि के अतिरिक्त जीवन यापन करने का कोई साधन नहीं है। उक्त नाले के सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में कई बार जिला प्रशासन से प्रयास किया गया किन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पायी है।

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त नाले के सफाई कराये जाने हेतु सरकार से माँग करता हूँ।]

जनपद बाराबंकी के हैदरगढ़ में सड़क मार्ग से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री दिनेश रावत-

[महोदय, जनपद बाराबंकी के तहसील हैदरगढ़ के अन्तर्गत ग्राम सभा बबुआपुर के मजरा जुगराज का पुरवा में रमेश चन्द्र पुत्र राम किशोर द्वारा सार्वजनिक खड़न्जा मार्ग पर किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाने हेतु ग्राम प्रधान बबुआपुर एवं जन प्रतिनिधियों के अनुरोध पर तहसील प्रशासन हैदरगढ़ द्वारा पुलिस बल के साथ दिनांक 12-06-2023 को ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी थी। इसके एक सप्ताह पश्चात पुनः खड़न्जा मार्ग पर उक्त व्यक्तियों द्वारा पूर्व की भांति अवैध चबूतरे का निर्माण कर स्थानीय लेखपाल रविन्द्र यादव की सांठ-गांठ से पुनः कब्जा कर लिया गया है। क्षेत्रीय लेखपाल श्री यादव ने कदाचार पूर्वक बबुआपुर निवासी रामेश्वर पुत्र नन्हें, प्रेम सागर सिंह पुत्र देवबक्स सिंह, भगवती पुत्र द्वारिका एवं श्रीमती रामकुमारी पत्नी भगवती से उत्कोच लेकर पूर्वदर्शित मासिक/वार्षिक आय में हेरा-फेरी की गयी। उक्त अवैध कब्जा को हटाने हेतु उप जिलाधिकारी हैदरगढ़ द्वारा दिनांक 26-10-2023 को पुनः पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने के स्पष्ट निर्देशों के उपरान्त भी कोई कार्यवाही न होने पर मा0 मुख्य मंत्री को सम्बोधित श्री मुकेश चौधरी, मा0 विधायक नकुड़ सहारनपुर के पत्र दिनांक 08-01-2024 पर प्रमुख सचिव मा0 मुख्य मंत्री द्वारा दिनांक 09-01-2024 को जिलाधिकारी बाराबंकी को दोषी के विरुद्ध कार्यवाही कर अवगत कराने की अपेक्षा की गयी तथा मा0 राजस्व राज्य मंत्री जी द्वारा भी उप-जिलाधिकारी हैदरगढ़ को अतिक्रमण हटाने हेतु दिनांक 04-01-2024 को निर्देशित किया गया, जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है, इस स्थान पर दोबारा अतिक्रमण में स्थानीय पुलिस की भी सहभागिता है। जिससे स्थानीय निवासियों को आवागमन में अत्यंत असुविधा हो रही है. जिसका निराकरण जनहित में नितान्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रकरण पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद मुरादाबाद के धनौरा के गजरौला में ट्रामा सेंटर व मेडिकल कॉलेज की स्थापना के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव तरारा-

[महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र धनौरा का नगर गजरौला मुरादाबाद व हापुड़ के मध्य एन0एच0-9 पर व एन0एच0-51 पर स्थित है। यहां पर दो दर्जन से अधिक औद्योगिक

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

फैक्ट्रियां हैं। फैक्ट्रियों की अधिकता एवं वाहनों के आवागमन के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सही समय पर उपचार न मिल पाने के कारण मौत होती रहती है। गजरौला नगर में ट्रामा सेंटर अथवा मेडिकल कालेज स्थापित करने के लिए भूमि भी उपलब्ध है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए उक्त भूमि पर ट्रामा सेंटर निर्माण की कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद में राजकीय महिला इण्टर कॉलेज की स्थापना के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

[महोदय, अवगत कराना है जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद अन्तर्गत वि0खं0-देवमई, ग्राम पंचायत देवमई में राजकीय महिला इण्टर कालेज की स्थापना किया जाना अत्यन्त आवश्यक है क्योंकि छात्राओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिये दूर-दराज के क्षेत्र में जाना पड़ता है जिससे धन एवं समय का अपव्यय होता है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद बिजनौर के नूरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अवतार सिंह-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-24 नूरपुर जनपद-बिजनौर में ग्राम-अथाईजमरूद्दीन से मजरा जुनगढ़ तक पक्के मार्ग का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। उक्त के न होने से जनता को आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार से अविलम्बनीय वक्तव्य दिये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद अयोध्या के रुदौली में आई0टी0आई0 मवई को संचालित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम चन्द्र यादव-

[महोदय, जनपद अयोध्या विधान सभा क्षेत्र रूदौली अन्तर्गत स्थापित आई0टी0आई0 मवई का भवन का कार्य पूर्ण हो चुका है। अभी तक पठन-पाठन का कार्य प्रारम्भ नहीं हो पाया

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

है। मुख्य सचिव उ0प्र0 की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा भवन पूर्ण कर जल्द-जल्द से पठन-पाठन के कार्य शुरू करने के निर्देश दिये गये थे। उक्त आई0टी0आई0 की स्थापना एम0एस0डी0पी0 योजना अन्तर्गत भारत सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा कराई गयी थी। जिसमें अभी तक इस संस्थान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा प्रशिक्षकों की तैनाती नहीं की गयी जिसके कारण क्षेत्र के युवाओं एवं छात्र-छात्राओं को विभिन्न ट्रेडों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए सुदूर जाना पड़ता है। आई0टी0आई0 मवई को अविलम्ब संचालित किया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए आई0टी0आई0 मवई में समस्त स्टाफ की तैनाती करके अविलम्ब संचालित कराये जाने हेतु कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव के अन्तर्गत चकरवंशी में पक्के नाले के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बम्बा लाल-

[महोदय, कृपया सादर अवगत कराना है कि विधान सभा क्षेत्र सफीपुर के अन्तर्गत चकरवंशी चौराहे से उन्नाव तरफ नाला की सफाई कराये जाने हेतु तथा वांछित नाले को पक्का निर्माण कार्य कराये जानें हेतु आपसे किया था, किन्तु अभी तक इंगित नाले की सफाई नहीं करायी गयी है तथा उस जर्जर नाले का पुनः निर्माण नहीं कराया गया है जिसके कारण नाली का गन्दा पानी भरा रहता है। महोदय चकरवंशी चौराहे से उन्नाव तरफ नाला की सफाई कराकर उक्त नाले को पक्का निर्माण कार्य कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

अस्तु आपसे अनुरोध है कि लोक महत्व के प्रश्न को स्वीकार करते हुए चकरवंशी, उन्नाव की तरफ नाला की सफाई कराये जाने हेतु तथा इंगित स्थान के नाले को पक्का निर्माण कार्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें।]

जनपद बिजनौर के विकास खण्ड नूरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री स्वामी ओउ्मवेश-

[महोदय, आपके माध्यम से लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए अवगत कराना चाहता हूँ कि जनपद बिजनौर की विकास खण्ड नूरपूर के अन्तर्गत चाँदपुर के ग्राम मुराहट में श्री जितेन्द्र सिंह पुत्र श्री रामचन्द्र सिंह के मकान से ग्राम सिमला में श्री उमराव सिंह के मकान तक का मार्ग जो बिल्कुल जीर्ण-शीर्ण चुका है। इस मार्ग में गहरे-गहरे गड्ढे बन चुके हैं बरसात के समय यहाँ से गुजरना असम्भव है। इस मार्ग पर गहरे-गहरे गड्ढे होने के

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

कारण आये दिन दुर्घटना हो रही है। उक्त सड़क का जनहित में निर्माण कराया जाना अति आवश्यक एवं लोक महत्व का है।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए सरकार से वक्तव्य दिये जाने की माँग करता हूं।]

जनपद बिजनौर के नगीना के कस्बा किरतपुर में रोडवेज बस अड्डा बनवाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पारस-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हुये कि जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा किरतपुर में रोडवेज बस अड्डा न होने की वजह से आस-पास के ग्रामीण एवं शहरी लोगो को अन्य दुसरे शहर आने-जाने हेतु बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिस कारण जनता में सरकार के प्रति आक्रोश रहता है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए क़स्बा किरतपुर में रोडवेज बस अड्डा बनवाने की सरकार से माँग करता हूँ।]

सरकारी विभागों में तैनात दिव्यांगजनों के पदोन्नति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अभय सिंह-

[महोदय, मैं माननीय सदन के माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग से सम्बंधित लोकहित के निम्न विषय पर आकर्षित कराकर जांच व वक्तव्य की माँग करता हूँ।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकर्ता मंत्रालय द्वारा सरकारी विभागों में कार्यरत दिव्यांग जन कार्मिकों को पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। जिन कार्मिकों में दिव्यान्गता सरकारी सेवा में आने से पूर्व या सरकारी सेवा में आने के पश्चात् विद्यमान है, इस सम्बन्ध में कार्मिक विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा सभी विभागों को पत्र दिनांक 4 अगस्त, 2022 निर्गत करते हुए विभिन्न श्रेणियों में प्रमोशन में 4% का आरक्षण दिव्यान्गजन कार्मिकों को देने का निर्देश है, परन्तु उसका अनुपालन सभी विभागों द्वारा नहीं किया जा रहा और न ही उक्त के अनुपालन के लिए प्रदेश का दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग सभी राजकीय विभागों से समन्वय स्थापित कर रहा। उत्तर प्रदेश के किन किन राजकीय विभागों में उत्तर प्रदेश कार्मिक विभाग अनुभाग-2 के पत्र संख्या-04 अगस्त, 2022 के अनुपालन में दिव्यांग जन कार्मिको को पदोन्नति में 4% आरक्षण का लाभ दिया गया व उसकी सूची दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

को उपलब्ध कराये गए अथवा नहीं ? अगर हाँ तो विभागवार सूची उपलब्ध कराएँ ? अगर नहीं तो ऐसे शिथिल अधिकारीयों पर क्या कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी ? क्या प्रत्येक विभागों में जनपद या मुख्यालय स्तर पर कार्यरत ऐसे दिव्यांग कार्मिकों की सूची संकलित की गयी ? अगर नहीं तो ऐसी कार्यवाही कब तक की जाएगी ? कृपया समस्त विभागवार सूचना उपलब्ध करायी जाये।

मैं माननीय सदन से जनहित में सदन की कार्यवाही रोकर उपरोक्त समस्त बिन्दुओं पर वक्तव्य की माँग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ के ग्राम चकौली की तहसील सरोजनीनगर में दबंगों द्वारा अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रविदास मेहरोत्रा-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ जिसका ज्वलन्त उदाहरण उन्नाव जिले के आशीष कुमार वर्मा पुत्र स्व0 सुखराम वर्मा निवासी 481-ईदगाह पत्थर कालोनी उन्नाव व निशा पुत्री लल्लन निवासी 341 सुधार कैम्प कालकाजी ने जनपद लखनऊ के ग्राम-चकौली, पोस्ट-अमौसी, थाना-काकोरी व तहसील-सरोजनीनगर के ग्राम-बेहटा, पोस्ट-अमौसी, थाना-काकोरी व तहसील-सरोजनीनगर के अन्तर्गत खसरा संख्या-670,672,673 तीनों से प्राप्त 625 वर्गमीटर भू-भाग दिनांक 27-04-2022 को खरीदा था। उपरोक्त खरीददार जब खरीदी गई भूमि पर कब्जा पाने के लिए जाते हैं तो श्रीराम व अन्य दबंग व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से उपरोक्त भू-भाग को अपना बताकर जबरदस्ती कब्जा करने से रोक दिया जाता है व अवैध रूप से जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है व जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

अतः मा0 अध्यक्ष महोदय जी से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय सदन में लखनऊ के ग्राम-चकौली, पोस्ट-अमौसी, थाना-काकोरी व तहसील-सरोजनीनगर की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन को कब्जा मुक्त कराये जाने की माँग करता हूं।]

जनपद शाहजहांपुर के कटरा में प्रत्येक ग्राम के डामरीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री वीर विक्रम सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद-शाहजहाँपुर में विधान सभा क्षेत्र-131, कटरा के विकास खण्ड जैतीपुर के अन्तर्गत खेड़ा बझेड़ा, गढ़ियारंगीन रोड से ग्राम भरतापुर तक जर्जर उबड़- खाबड़ खड़न्जा होने के कारण ग्रामवासियों एवं छात्र-छात्राओं को आवागमन हेतु

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जिससे उपरोक्त ग्राम भरतापुर में डामरीकरण कराया जाना अति आवश्यक है। उपरोक्त ग्राम भरतापुर किसी भी तरफ से डामरीकरण से अच्छादित नहीं है, जबकि उक्त की आबादी जनगणना वर्ष 2011 के अन्तर्गत लगभग 500 है। जबकि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक गाँव मजरा डामरीकरण से लाभान्वित किया जाए। मेरे द्वारा अनेकों बार शासन व प्रशासन में लिखित व मौखिक रूप से पत्राचार किया गया परन्तु कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हो सकी।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त विकास खण्ड जैतीपुर के ग्राम भरतापुर तक डामरीकरण कराए जाने की माँग करता हूँ।]

खुर्जा विधान सभा क्षेत्र में खुर्जा, सिकन्दराबाद रोड पर नगर पालिका परिषद् द्वारा अनाधिकृत रूप से कूड़ा डाले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती मीनाक्षी सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद बुलन्दशहर की खुर्जा विधान सभा में खुर्जा-सिकन्दराबाद रोड पर पीले बम्बे के पास एवं फराना-जमालपुर गाँव के आस-पास खुले स्थानों पर नगर पालिका परिषद खुर्जा द्वारा रोड के किनारे खेतों के पास खुले में अनाधिकृत रूप से कूड़ा डाला जा रहा है। डम्पिंग ग्राउण्ड के अलावा अन्य स्थानों पर नगर पालिका परिषद खुर्जा द्वारा इस प्रकार से अनाधिकृत रूप से कूड़ा डाले जाने के कारण आस-पास के क्षेत्र में न सिर्फ प्रदूषण एवं संक्रामक बीमारियाँ फैल रही हैं बल्कि कूड़े के ढेरों के आस-पास सड़कों पर आवारा जानवरों के घूमते रहने से आये दिन एक्सीडेंट भी लगातार हो रहे हैं।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस विषय पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की माँग करती हूँ।]

जनपद जौनपुर के बदलापुर में कतिपय मार्ग के चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत सड़क मार्गों एन0 एच0-731 पर उसरा बाजार से बरईपार होते हुए एन0एच0-31 मछलीशहर तक, सिंगरामऊ-लालगंज-गौरामाफी मार्ग, एन0एच0-56 खजुरन पुरालाल पीएमजीएसवाई मार्ग से गद्दोपुर में महराजगंज-राजाबाजार मार्ग से प्रतापगढ़ को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग, एन0एच0-731 से रतासी इमिलिया घाट प्रतापगढ़-सुल्तानपुर होते हुये लखनऊ बलिया को मार्ग को जोड़ने

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

वाला मुख्य मार्ग, बटाऊबीर-मई नौपेड़वा का शेष भाग चौड़ीकरण व उच्चीकरण कराया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोकमहत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद बिजनौर के नजीबाबाद में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री तसलीम अहमद-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-17, नजीबाबाद जनपद-बिजनौर में विधान सभा क्षेत्र-नजीबाबाद में जालपुर, दहीरपुर, काशीरामपुर कोटवाली मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुका है। मार्ग पर दैनिक आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उक्त मार्ग का जनहित में निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार से अविलम्बनीय वक्तव्य दिये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद बरेली के मगदपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अताउर रहमान-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान अत्यन्त लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-118, बहेड़ी जनपद-बरेली के रिच्छा मगदपुर रोड पर नहर की पुलिया से बसुपुरा तक डामर रोड का निर्माण कार्य कराया जाना जनहित में अति आवाश्यक है। मार्ग पर दैनिक आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर सरकार से अविलम्बनीय वक्तव्य दिये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी में कच्चे मार्ग को सी0सी0 कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बाबूलाल-

[महोदय, अवगत कराना है जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी अन्तर्गत ब्लाक-अछनेरा के ग्राम नागर के गंगाराम प्रधान के घर से नहर की तरफ आबादी हिस्सा में पक्का मार्ग न होने के कारण क्षेत्रवासियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है और

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

दुर्घटना होने का भी भय हमेशा बना रहता है। इस मार्ग पर आवागमन अत्यधिक रहता है। उक्त कच्चे मार्ग को सी0सी0 कराना अत्यन्त आवश्यकता है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद बस्ती में सीवर लाइन बिछवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री महेन्द्र नाथ यादव-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय पर दिलाना चाहता हूँ कि जनपद बस्ती लगभग 40 वर्ष पुरानी नगर पालिका है। सीवर लाईन न होने से जलनिकासी की समस्या बनी रहती है। जगह-जगह जल भराव की समस्या बनी रहती है जिससे सड़कें भी क्षतिग्रस्त होती है और आम जनमानस को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। जनपद बस्ती में सीवर लाईन बिछाया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनपद बस्ती में सीवर लाइन बिछाये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद अमेठी के ग्राम सिंधियावां के कतिपय मार्ग पर इण्टरलॉकिंग के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के अविलम्बनीय पर सदन के माध्यम से ध्यान उत्कृष्ट करना चाहता हूँ कि ग्राम सभा सिधियावां में परम्परागत रूप से कायम कच्चा रास्ता जिस पर बरसात में कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है उक्त परम्परागत रूप से कायम सार्वजनिक रास्ते में इण्टरलॉकिंग कराये जाने हेतु ग्राम वासियों द्वारा दिनांक 14/05/2023 को प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसका सन्दर्भ संख्या-40020323017541 था जिस पर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिस स्थान पर रास्ता कायम होगा वो ग्राम पंचायत के कार्य योजनाओं में सम्मलित करा कर कार्य करा दिया जायेगा महोदय जी को अवगत कराना है कि एक प्रार्थना पत्र धारा-25 के अन्तर्गत सार्वजनिक हित में रास्ता सड़क निर्माण के लिए अनुमति मांगी गई थी तहसील मुसाफिर खाना द्वारा क्षेत्रीय लेखपाल व कानूनगो से जांच करा कर दिनांक 19/07/2022 को पास कर दिया गया है महोदय यह रास्ता रफीउल्ला व नईमउल्ला के दरवाजे से होकर समीउल्ला व गाँव के अबादी को जोड़ती है उक्त रास्ता सार्वजनिक है परन्तु खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम प्रधान के राजनैतिक दबाव में इण्टरलॉकिंग का कार्य नहीं कराया जा रहा है जिससे समस्या विद्यमान है जनहित के दृष्टिगत से सार्वजनिक हित में खण्ड विकास अधिकारी जगदीशपुर को निर्देशित किया जाना आवश्यक है।

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः मा0 अध्यक्ष जी से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय सदन में जनपद अमेठी के ग्राम सिधियावां पोस्ट व थाना जगदीशपुर की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए समस्या को दूर करने की माँग करता हूँ।]

जनपद सुल्तानपुर के तहसील लम्भुआ में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

ई0 सरवन कुमार निषाद-

[महोदय, जनपद सुल्तानपुर के तहसील लम्भुआ, ब्लॉक प्रतापपुर कमैचा के अन्तर्गत ग्राम सभा शेरपुर परशुरामपुर एक बड़ी आबादी का गांव है व आसपास भी बड़ी ग्राम सभाएं हैं, चिकित्सालय दूर होने से आम जनमानस को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्राम सभा शेरपुर परशुरामपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग N.H.-56 पनर रिक्त सरकारी भूमि गाटा संख्या-166 व 207, पर जनहित में चिकित्सालय निर्माण हेतु 10 बेड का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र बनाए जाने की आवश्यकता है।]

जनपद उन्नाव के सिकन्दरपुर में कतिपय मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आशुतोष शुक्ल-

[महोदय, आपसे सादर अनुरोध है कि जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र भगवन्तनगर के अन्तर्गत ब्लाक सिकन्दरपुर करण के ग्राम दुबेपुर में निम्नलिखित मार्ग कई वर्षों से जीर्ण अवस्था में हैं कई बार इस समस्या को मा0 विधायक श्री आशुतोष शुक्ला जी ने सदन मे उठाया पर उसके उपरान्त विभाग ने कोई उचित कार्यवाही नही की इसलिए उक्त उल्लिखित मार्गो का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।

1-तहसील सदर के ब्लाक सिकन्दरपुर करण के ग्राम दुबेपुर में सांई मन्दिर चौराहे से गांव के किनारे से होते हुए प्रेम लाल की चक्की तक पक्के मार्ग का निर्माण कार्य (लाभान्वित होने वाली कुल आवादी लगभग 4000)

2-तहसील सदर के ब्लाक सिकन्दरपुर करण के ग्राम दुबेपुर में महर्षि दयानन्द इण्टर कालेज से अरूण त्रिवेदी के घर तक पक्के मार्ग का निर्माण कार्य (लाभान्वित होने वाली कुल आवादी लगभग 300)

अतः कृपा करके जनपद उन्नाव की विधान सभा क्षेत्र भगवंतनगर अन्तर्गत ब्लाक सिकन्दरपुर कर्ण के ग्राम दुबेपुर में उक्त मार्गों का निर्माण कराकर मा0 मुख्य मंत्री जी कि योजना से ग्रामीण आम-जनमानस को अच्छादित करने कि कृपा करें।]

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना में कतिपय सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अतुल प्रधान-

[महोदय, अवगत कराना है कि हमारी विधान सभा क्षेत्र सरधना में गाँव पावली खास में रविदास आश्रम से लेकर रेलवे क्रॉसिंग तक मार्ग एवं द्वारकापुरी मस्जिद से लेकर पावली खास मन्दिर तक मार्ग अत्यंत जर्जर स्थिति में है। जिस कारण से दिन प्रतिदिन वहाँ दुर्घटनायें हो रही हैं। साथ ही अवगत कराना है कि जिस कारण से आमजन को बहुत अधिक कठिनायों का सामना करना पड़ रहा है। आमजन के सुविधा हेतु उक्त मार्ग का निर्माण किया जाना अति महत्वपूर्ण है।

अतः आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आर्किषत करते हुए सड़क निर्माण करने हेतु कार्रवाई की माँग करता हूँ।]

जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र सदर में गौशाला के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राज प्रसाद उपाध्याय-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लोक महत्व के गम्भीर विषय को लाना चाहता हूँ जो मेरी विधान सभा-189, सदर, जनपद-सुल्तानपुर में गौ-वंश संरक्षण हेतु कोई भी गौ-शाला नहीं है जिसके कारण आये दिन कोई न कोई हादसा होता रहता है। बरसात एवं ठंडी के दिनों में गौ-वंशों को खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है। सर्वविदित है कि गाय को हमारे हिन्दू धर्म में माता के रूप में माना जाता है।

इस सम्बन्ध में उल्लेखनीय है कि विकास खण्ड-जयसिंहपुर के गूरेगाँव में नवीन परती 15.717 हे0 बीहड 11.485 हे0, चारागाह 4.481 हे0 तथा बंजर 7.989 हे0 इस प्रकार कुल 39.672 हे0 जमीन नदी के किनारे उपलब्ध है जिसको गौ-अभ्यारण के रूप में विकसित किया जा सकता है। गौ अभ्यारण के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा जमीन चिन्हित की जा चुकी है।

अतः आपसे अपेक्षा है कि जनहित को दृष्टिगत रखते हुए मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र-सदर, विकास खण्ड-जयसिंहपुर, ग्राम-गूरेगॉव में गौ-अभ्यारण/गौ-शाला का निर्माण किये जाने हेतु शीघ्र कार्यवाही किये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद उन्नाव के सदर में ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए विद्युत पोल लगाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द-

[महोदय, जनपद उन्नाव के तहसील सदर के अन्तर्गत ग्राम हरबलखेड़ा दुआ में एक किसान श्याम दुलारे ने अपनी संक्रमणीय भूमि संख्या 136 में एक बोरिंग सिंचाई हेतु कराई है।

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

उक्त भूमि पर हुई बोरिंग के लिए बिजली विभाग से ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए आवेदन किया विभाग इस्टीमेट बनाया। प्रार्थी ने नियमानुसार बने इस्टीमेट की राशि संख्या 85000 रु0 जमा किया सरकार ने प्रार्थी को 68000 रु0 की छूट भी दी है। प्रार्थी के ट्यूबवेल की लाईन बनाने से गाँव के ही श्री राजकुमार पुत्र श्री गंगाप्रसाद रोक रहे हैं। श्री राजकुमार ने श्रीमान जी को दिये प्रार्थना पत्र में गाँव के कई नामों जिनमें श्री शिवप्रसाद व मेडीलाल पुत्रगण छोटा, रमेश चन्द्र पुत्र गंगाप्रसाद, पुत्तन, मोहित, शिवदेवी एवं कमलेश प्रकाश का उल्लेख किया है। जबकि उक्त लिखित नामों के व्यक्तियों के खेत से प्रार्थी की लाईन बनने से कोई लेना देना नही है। श्री कमलेश एवं श्रीप्रकाश एवं शिवप्रसाद गाँव सभा की सरकारी भूमि/चकरोड पर अवैध कब्जा कर खेती कर रहे हैं। श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री गंगाप्रसाद एवं पुत्तन सरकारी नक्शा में दर्ज चार लट्ठा की चौड़ाई का चकरोड गुण्डई कर जोत डाला। अपने खेतों में मिला कर खेती कर रहे हैं। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा के साथ भूमि संख्या 259 सरकारी पर खेती कर रहे है। यह बात लेखपाल ने भी अपनी आख्या दिनांक 04/12/2023 में दी है। श्री राजकुमार ने श्री शिवप्रसाद पुत्र छोटा को उकसाकर एक मुकदमा भूमि संख्या 258 से न्यायालय सिविल जज जू0 डि0 दक्षिणी में दायर करा दिया। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करा दिया। वे सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा बनाये रखने के लिए स्थगन का आदेश लाकर दबंगई करना चाहते हैं कि मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। जबकि सरकारी भूमि की संख्या स्पष्ट रूप से 259 है। ऐसे में उक्त न्यायालय में दायर मुकदमें का प्रार्थी की लाईन से कोई मतलब नही है उक्त भूमि संख्या 259 से बिजली लाइन बननी है। श्री राजकुमार, रमेशचन्द्र पुत्रगण गंगाप्रसाद शिवदेवी मोहित की भूमि संख्या 266 है। बिजली लाइन से उक्त भूमि संख्या 266 से कोई लेना देना नही है।

अतः अनुरोध है कि यथाविधि जाँच एवं कठोर कार्यवाही के साथ सरकारी भूमि चकरोड़ मुक्त कराने और प्रार्थी की बिजली के खम्भे सरकारी भूमि से लगाकर लाइन बनाने के आदेश राजस्व एवं बिजली विभाग को करने का कष्ट करें। प्रार्थी किसान है चार माह से तहसील व बिजली दफ्तर के चक्कर काट रहा है।]

जनपद सहारनपुर में कतिपय कम्पनी द्वारा पानी की टंकी की सफाई में की जा रही धांधली के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव गुम्बर-

[महोदय, अवगत कराना है कि मैसर्स वेटटेक वेबेग लि0 चेन्नई के अनुबन्ध अनुसार इनके द्वारा प्रतिदिन 38 एम0एल0डी0 पानी की सफाई का कार्य दर्शाया जा रहा है, जबकि मौके पर मौजूद सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के 02 पोन्ड में से 01 पोन्ड पिछले 08 माह से बन्द है और वहां पर बहुत ही कम लगभग 18 एम0एल0डी0 पानी आता है। कम्पनी द्वारा 38 एम0एल0डी0

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पानी की सफाई में जितना केमिकल (हाइपो) इस्तेमाल किया जाना चाहिए। कम्पनी के द्वारा उससे बहुत कम केमिकल इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें केमिकल के खरीद बिल, खरीद के आर्डर बिल, सप्लाई बिल तथा वेंडर की पूर्ण रूप से जांच करायी जाये। उपरोक्त प्लांट बहुत पुराना है जिसकी रिपेयर की जब भी आवश्यकता होती है तो कम्पनी केवल छोटे रख-रखाव करने की बात कहकर ट्रीटमेंट प्लांट को रिपेयर नहीं करा रही है। सहारनपुर में पड़ी हुई सीवरेज पाइपलाईन बहुत अधिक क्षतिग्रस्त है। ट्रीटमेंट प्लांट में मात्र 18 एम0एल0डी0 पानी आने के उपरान्त कम्पनी द्वारा 38 एम0एल0डी0 की पेमेंट लेकर वित्तीय हानि पहुंचायी जा रही है। बाकी सारा गन्दा पानी छोटे नालों के माध्यम से काली नदी में मिल रहा है जिससे आसपास के निवासियों को गम्भीर बीमारियां हो रही हैं। कम्पनी के पास 16-12-2019 से उपरोक्त अनुबन्ध है परन्तु प्लाण्ट से निकलने वाली गैस लगातार हवा में छोड़ी जाती है। गैस को वातावरण में न छोड़ा जाये, इसके लिए निर्धारित मापदण्ड के उपकरण कम्पनी द्वारा नहीं लगाये गये हैं। कम्पनी द्वारा स्थानीय प्रदूषण विभाग से मिलीभगत कर दूषित पानी को स्वच्छ दर्शाकर जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कम्पनी द्वारा वर्ष 2019 से लेकर अभी तक कुल कितने कर्मचारियों को इस प्रोजेक्ट में लगाया गया तथा कितने कर्मचारियों को इस प्रोजेक्ट के तहत वेतन दिया गया, उनके नियुक्ति एवं भुगतान का विवरण आहूत किया जाय, क्योंकि मौके पर दर्शाये गये कर्मचारियों से काफी कम कर्मचारी कार्य कर रहे है। जनहित में मामलें की जांच कराकर कार्यवाही किया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद लखनऊ के कतिपय स्थान पर बारिश के पानी से निजात दिलाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अरमान खान-

[महोदय, आपको सदन के माध्यम से लोक महत्व की गम्भीर समस्या से अवगत कराना है कि विधान सभा क्षेत्र पारा में हंसखेड़ा गांव के मोड़ से लेकर हंसखेड़ा तिराहे तक कई वर्षों से निवास कर रहे क्षेत्रवासियों के बने मकानों का पानी जल निकास की व्यवस्था ना होने के कारण बारिश व घरों का पानी रास्ते में भरा रहता है। जिससे आने-जाने में परेशानी के साथ ही कई तरह की बीमारी होने का खतरा बना रहता है। तथा क्षेत्रवासियों द्वारा उक्त समस्या के निवारण के लिए कई बार अधिकारियों से अनुरोध कर प्रार्थना पत्र दे चुके हैं लेकिन किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई है।

अतः सदन के माध्यम से आपसे अनुरोध है कि लोक महत्व की अति महत्वपूर्ण मेरी सूचना को स्वीकार करते हुए पारा में हंसखेड़ा गांव के मोड़ से लेकर हंसखेड़ा तिराहे तक दूरी

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

करीब 500 मी0 तक बने मकानों का जल निकास हेतु जन सुविधा के लिये नाला व सीवर निर्माण कराए जाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश/आदेश प्रदान करने की कृपा करें।]

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावल में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पंकज कुमार मलिक-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान गम्भीर विषय कि ओर दिलाना चाहता कि मेरे विधान सभा क्षेत्र चरथावल में लच्छेड़ा से तावली मार्ग बहुत ही जर्जर हालत में है। उक्त मार्ग चलने लायक नहीं बचा है। यह मार्ग कई गांवों को आपस में जोड़ता है क्षेत्र में आने जाने वाले बच्चों, बूढ़ों व छात्रों को काफी असुविधा होती है जनहित में उक्त मार्ग का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त स्थान पर सड़क का निर्माण कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद जालौन के उरई में कतिपय मार्ग की मरम्मत के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी)-

[महोदय, सूच्य है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-221, उरई जनपद जालौन के अन्तर्गत विकास खण्ड कोंच के ग्राम नरी से बसोब तक लोक निर्माण विभाग द्वारा नव निर्माण सड़क बनवाया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र खागा में यमुना नदी पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती कृष्णा पासवान-

[महोदय, जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र-243, खागा के अन्तर्गत ग्राम धाने, मजरे गढ़ा एवं जनपद चित्रकूट के ग्राम चिल्लीमल के मध्य यमुना नदी प्रवाहित है। नदी की अपस्ट्रीम एवं डाउन स्ट्रीम के 25 किमी0 तक कोई पुल न होने के कारण जनमानस को छोटी-छोटी नौकाओं के माध्यम से नदी आर पार जाने में अनेकों नाव दुर्घटनाओं से जनहानि की कई घटनाएं घटित हो चुकी है। जिससे सरकार को आपदा राहत में करोड़ों रुपये खर्च व निगरानी

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

में प्रशासन के बहुमूल्य समय का अपव्यय होता है। यह पुल जनपद चित्रकूट के साथ साथ मध्य प्रदेश व लखनऊ के सीधे मार्ग का सृजन करेगा।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की माँग करता हूँ।]

जनपद बदायूँ के दातागंज में स्वीकृत विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव सिंह उर्फ बब्बू भइया-

[महोदय, जनपद बदायूँ, विधान सभा क्षेत्र-दातागंज के वि0ख0-समरेर के मझारा एवं वि0ख0-दातागंज के सेजनी में स्वीकृत विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारम्भ न होने के कारण क्षेत्रवासियों को विद्युत की समस्याओं से काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। जनहित में उक्त सब-स्टेशन का निर्माण कार्य कराया जाना आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की माँग करता हूँ।]

जनपद रामपुर में 18 टायरों वाले ट्रक के रास्ते को बदलने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती राजबाला सिंह-

[महोदय, कृपया मैं आपके माध्यम से इस सम्मानीय सदन को अवगत कराना चाहती हूँ कि मेरी विधान सभा रामपुर से शाहाबाद रोड पर गंगा एक्सप्रेस-वे के लगभग 150 से 200 अट्ठारह टायरा ट्रक दिन रात चलते हैं जिसके चलते अक्सर काफी दुर्घटनाएँ घटती रहती हैं। जिस कारण क्षेत्र की जनता में काफी रोष है। इन ट्रकों का वास्तविक मार्ग मुढा पाण्डे चेक पोस्ट होते हुए बिलारी चंदौसी होकर जाने का है। यह ट्रक N.H.-1 की लाखों रुपये की रोजाना चोरी करते हैं।

अतः मैं इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के बिन्दु पर सदन में वक्तव्य कराए जाने की माँग करती हूँ।]

जनपद हरदोई में कतिपय जमीन की पैमाइश के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सौरभ सिंह सोनू-

[महोदय, कृपया मैं आपके माध्यम से इस सम्मानीय सदन को अवगत कराना चाहता हूँ कि ग्राम व पोस्ट भरावन, परगना-गोड़वा, थाना-अतरौली, तहसील-सण्डीला जिला हरदोई के मूल निवासी श्री लालता प्रसाद कश्यप द्वारा अपने (1) खाता सं0-1342 व गाटा सं0-3393,

---

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

(2) खाता सं0-1959 व गाटा सं0-2051 की पैमाईश कराने हेतु तहसील में ऑनलाइन-पत्र दिया था। तहसील के श्री अमरेश कानूनगो द्वारा श्री कश्यप को कई बार कहीं थाने पर, कहीं ग्राम भरावन में बुलाया गया लेकिन श्री अमरेश टालमटोल करते रहे। पता चला कि श्री अमरेश का ट्रांसफर हो गया है। श्री कश्यप ने दिनांक 19-05-2023 को श्री कृष्णानंद कानूनगो को वकील द्वारा पत्रावली दी गई है। श्री कश्यप अपने जीविकोपार्जन के दृष्टिगत पैमाईश कराने हेतु तहसील के चक्कर लगा लगाकर थक चुका है।

अतः मैं इस अविलम्बनीय लोक महत्व के बिन्दु पर सदन में वक्तव्य कराए जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद मुरादाबाद की नगर पालिका परिषद् बिलारी में कतिपय तालाब पर अवैध कब्जे के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

[महोदय, तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के नगर पालिका परिषद बिलारी के अन्तर्गत सबसे बड़ी समस्या जल निकासी को लेकर है। जल निकासी उचित ढंग से न होने के कारण हल्की सी बरसात होने पर जलभराव हो जाता है, और राहगीरों का मुख्य रास्तों से निकलना दूभर हो जाता है। जल निकासी न होने के कारण बिलारी का सबसे बड़े तालाब जोर का तालाब पर असामाजिक तत्वों द्वारा किया अवैध कब्जा भी है। यदि जोर का तालाब को विधेवत जांच कराकर अवैध लोगों के कब्जों से छुटकारा दिलाकर उसका सौन्दर्यीकरण करा दिया जाए, तो नगर बिलारी में जल निकासी की समस्या पर समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

अतः मैं इस अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के जल निकासी को लेकर जोर का तालाब को अवैध लोगों से कब्जामुक्त कराकर उसका सौन्दर्यीकरण कराये जाने की माँग करता हूँ।]

जनपद रायबरेली के ऊँचाहार में कतिपय अपात्रों को भूमि पट्टा कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

[महोदय, अवगत कराना है कि हमारी विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के विकास खण्ड जगतपुर के ग्राम सभा हरदीटीकर के मूल निवासीगण एवं विश्व दलित परिषद उ0प्र0 सामाजिक संगठन के पदाधिकारीगणों ने अवगत कराया है कि ग्राम सभा हरदीटीकर में भूमि गाटा संख्या-21 मि0/0.951 हे0, 34 मि0/0.980 हे0, 35 मि0/0.057 हे0, 39मि0/0.379 हे0 52 मि0/0.7920, 53क/0.809 हे0 184 मि0/1.318 हे0, 214/0.749 हे0, 398, 420/0.294 हे0 जो कि भूमि अभिलेखों में ऊसर, बंजर सरकारी भूमि दर्ज है, जिसको वहीं

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

के दबंग भू-माफिया पूर्व प्रधान अमरेश बहादुर सिंह अपने प्रभाव से तहसील से सांठ-गांठ करके अवैध और गुप-चुप तरीके से सन् 2021-22 में गांव के अपने अपात्र चहेतों को पात्रता दिखाकर भूमि का पट्टा/आवंटन कर दिये जाने की निष्पक्ष जांच कराकर असंवैधानिक पट्टाधारकों का पट्टा निरस्त कर ग्राम सभा में रह रहे गरीब, भूमिहीनों को भूमि आवंटन/पट्टा दिये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को कई बार प्रार्थना-पत्र दिया गया परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न हेतु शासन का ध्यान आकर्षित करते हुये नियम-301 के अन्तर्गत वक्तत्व में स्वीकार करने की कृपा करें।]

जनपद आजमगढ़ के सगड़ी जूनियर हाई स्कूल के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री हृदय नारायण सिंह पटेल-

[महोदय, मै आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय पर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र सगड़ी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरा खास राजा में वर्ष 2018-19 में जूनियर हाई स्कूल नदी में कट कर विलीन हो गया है, जिससे स्कूल से सारे बच्चे झुग्गी झोपड़ी में पढ़ाई कर रहे हैं। स्कूल का निर्माण कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है।

अतः सदन से अनुरोध है कि सगड़ी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरा खास राजा जूनियर हाई स्कूल का निर्माण कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है तथा सम्बन्धित को निर्माण हेतु निर्देशित करने का कष्ट करे।]

नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएँ

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 10-2-2024 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 132 सूचनाएं प्राप्त हुई, जो ध्यनाकर्षण हेतु स्वीकृत हुईं :-

पहली सूचना श्री महेन्द्र नाथ यादव की विधान सभा क्षेत्र बस्ती सदर के अन्तर्गत कोठवा फकरतपुर में विश्वनाथ चौहान कोटेदार के घर से नेवरी गाढ़ा कुसरौत मुख्य मार्ग पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह की सचिवालय प्रशासन विभाग द्वारा समूह क एवं ख श्रेणी के स्थानान्तरित अधिकारियों को कार्यमुक्त नहीं किये जाने के सम्बन्ध में हैं, तीसरी सूचना श्री गुलाम मौहम्मद की विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत सिवालखास में सूरजकुण्ड तालाब का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री राजपाल सिंह बालियान की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना के कतिपय

नोट-[] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

इण्टरमीडिएट कॉलेजों के भवनों को मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में हैं, पांचवी सूचना श्री सुशील कुमार शाक्य की जनपद फर्रुखाबाद में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से वर्ष 2018-19 में निर्मित जसमई सिरौली मार्ग को लो0नि0वि0 के अधिकारियों द्वारा हस्तान्तरण में हुये भ्रष्टाचार की जांच कराने के सम्बन्ध में है, छठवीं सूचना श्री गौरीशंकर वर्मा (कोरी) की जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र उरई में सड़क का निर्माण कराये जाने विषयक है, सातवीं सूचना श्री जय कुमार सिंह जैकी की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र बिन्दकी में बिन्दकी बाईपास का निर्माण कराये जाने विषयक है, आठवीं सूचना श्रीमती सरोज कुरील की कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर में मण्डी परिषद से सड़क का निर्माण कराये जाने विषयक है, नौवीं सूचना श्रीमती ऊषा मौर्या की जनपद फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र हुसैनगंज में ग्राम लक्ष्मीनारायणपुर, मजरे अचिंतपुर पिटाई में नाले का निर्माण कराये जाने विषयक है, दसवीं सूचना श्री त्रिभुवन दत्त की जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर में मार्ग का निर्माण कराये जाने विषयक है, ग्यारहवीं सूचना श्री राम फेरन पाण्डेय की जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत सिसवारा में विद्युत सब-स्टेशन बनाये जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना डॉ0 आर0 के0 पटेल की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र मडियाहू में विकास खण्ड राम नगर के अन्तर्गत भरहुपुर नहर माईनर के पटरी नव निर्माण कार्य के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री राजेश्वर सिंह की विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर लखनऊ के शहरी क्षेत्र में जल निकासी समस्या के निदान हेतु समुचित नालों की व्यवस्था कराए जाने के सम्बन्ध है, चौदहवीं सूचना श्री प्रदीप शुक्ला की विधान सभा क्षेत्र सहजनवा अन्तर्गत विकास खण्ड पिपरौली, ग्राम सभा वसुधा में गोरखपुर बाईपास यदुवंशी ढाबा से कुरमौल देईपार मार्ग तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री संदीप सिंह की जनपद प्रयागराज के मेजा विधान सभा क्षेत्र सिरसा में कैंसर हास्पिटल के निर्माण के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री राम निवास वर्मा की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र सरोजनीनगर अन्तर्गत नवगठित वार्ड खरगापुर-सरसंवा, अर्जुनगंज स्थित मोहल्ला आदर्शनगर में सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्री गणेश चन्द्र की विधान सभा क्षेत्र धनघटा के विकास खण्ड पौली में मुडियारी चौरा घाट पर पीपा पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्रीमती सरिता भदौरिया की विधान सभा क्षेत्र इटावा सदर अन्तर्गत (इटावा, मानिकपुर, ददौरा लखना मार्ग) चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, उन्नीसवीं सूचना श्री प्रेम नारायन पाण्डेय की खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री ध्रुव प्रसाद जायसवाल के विरूद्ध भ्रष्टाचार व धन उगाही की शिकायत उपरान्त जांच में भ्रष्टाचार की पुष्टि होने पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में है, बीसवीं सूचना श्री शशांक वर्मा की विधान सभा क्षेत्र निघासन, नगर पंचायत निघासन, जनपद लखीमपुर खीरी में वर्ष 2023-24 में सम्पन्न हुये कार्यों की सूची उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री देवेन्द्र सिंह की किसरौली अड्डे से रेलवे लाइन के सहारे बिलरामगेट छर्रा अड्डा रोड क्रास करते हुये बाकनेर नाले तक नाले का

निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, बाइसवीं सूचना श्री सुरेन्द्र मैथानी की राज सम्पत्ति विभाग के अन्तर्गत यू0पी0 भवन, यू0पी0 सदन में उत्पन्न अव्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय जाँच के सम्बन्ध में है, तेइसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार चौधरी की जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर धमैड़ा अड्डा औलीना सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौबीसवीं सूचना श्री योगेश धामा की जनपद बागपत में भारत इण्डस्ट्रियल एरिया औद्योगिक टाउनशिप में औद्योगिक प्लाटिंग की नियमावली के सम्बन्ध में है, पच्चीसवीं सूचना श्री सत्यपाल सिंह राठौर की विधान सभा क्षेत्र अलीगंज एटा के अमोघपुर भाटन से खिटिया पमारन तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, छब्बीसवीं सूचना डॉ0 डी0सी0 वर्मा की विधान सभा क्षेत्र मीरगंज, जनपद बरेली के अन्तर्गत गोराघाट राम गंगा नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्ताइसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार यादव की जनपद एवं तहसील बूढ़नपुर के ग्राम मकरहा में गाटा सं0-2023 बंजर भूमि से अवैध कब्जा हटाने के उप जिलाधिकारी के आदेश का पालन कराने के सम्बन्ध में है, अट्ठाइसवीं सूचना डॉ0 अनिल कुमार मौर्य की जनपद कानपुर के कानपुर हाल्सी रोड पर अवैध सब्जी मण्डी हेतु चट्टे की व्यवस्था के सम्बन्ध में है, उनतीसवीं सूचना श्री जय प्रकाश अंचल की बलिया जनपद के विधान सभा क्षेत्र बैरिया सहित पूर्वांचल के 16 जनपदों के खरवार व गोंड अनुसूचित जनजाति के प्रमाण-पत्र हेतु शासनादेश जारी किये जाने के सम्बन्ध में है, तीसवीं सूचना श्री बेदी की गाजीपुर में पंजीकृत फर्म ओम इण्टरप्राइजेज के प्रोपराइटर युधिष्ठिर राय को प्राप्त टेण्डर की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में हैं, इकतीसवीं सूचना श्री डॉ0 विमलेश पासवान की विधान सभा क्षेत्र बांसगांव अन्तर्गत निर्मित एन0एच0-29 के चौराहे से पहले यात्रियों हेतु बस स्टाप पर शेड एवं शौचालय बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, बत्तीसवीं सूचना श्री बीरेन्द्र सिंह राणा की विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराराऊ जनपद हाथरस के कस्बा पुरितिल नगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सम्बन्ध में है, तैंतीसवीं सूचना श्री संजय शर्मा की विधान सभा क्षेत्र अनूपशहर, जनपद बुलन्दशहर के विकास खण्ड लखावटी में अशरफपुर सम्पर्क मार्ग से लेखराज के खेत होते हुए सम्पर्क मार्ग का निर्माण के सम्बन्ध में है, चौतीसवीं सूचना श्री देवेन्द्र कुमार निम की विधान सभा क्षेत्र रामपुर मनिहारन, जिला सहारनपुर में ट्यूलिप पैरामाउण्ट इण्टीग्रेटिड टाउनशिप में दंबंग लोगों द्वारा सार्वजनिक पार्क पर जबरन अवैध कब्जे को कब्जा मुक्त कराने के सम्बन्ध में है, पैंतीसवीं सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की तहसील ऊँचाहार के ब्लाक जगतपुर, ग्राम सभा हरदीटीकर में अंसवैधानिक पट्टाधारकों का पट्टा निरस्त करके गरीब भूमिहीनों को भूमि आवंटन दिये जाने के सम्बन्ध में है, छत्तीसवीं सूचना श्री हर्षवर्धन बाजपेयी की जनपद प्रयागराज में अवैध टैम्पो संचालकों द्वारा ई-रिक्शा चालकों से जबरन वसूली के सम्बन्ध में है, सैंतीसवीं सूचना श्री विवेक कुमार वर्मा की फायर स्टेशन की स्थापना के सम्बन्ध में है, अड़तीसवीं सूचना श्री चन्द्रपाल सिंह की विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर के ब्लाक डिबाई से कर्णवास तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण के सम्बन्ध में है, उनतालिसवीं सूचना श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द की विधान सभा क्षेत्र बरखेड़ा

जनपद पीलीभीत में महिला महाविद्यालय के निर्माण के सम्बन्ध में है, चालीसवीं सूचना डा0 अमित सिंह चौहान की विधान सभा क्षेत्र बीकापुर, जनपद अयोध्या के प्रभात नगर शाहगंज देहली बाजार मार्ग का चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, इकतालिसवीं सूचना श्री लक्ष्मी राज सिंह की जनपद बुलन्दशहर की विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद में सिकन्द्राबाद-खुर्जा मार्ग को फोर लेन बनाये जाने के सम्बन्ध में है, बयालिसवीं सूचना श्री प्रेम सागर पटेल की जनपद महराजगंज एवं नगर पालिका परिषद सिसवा में मिनी स्टेडियम बनाये जाने के सम्बन्ध में है, तैंतालिसवीं सूचना हाजी नासिर कुरैशी की विधान सभा क्षेत्र मुरादाबाद के नगर पंचायत भोजपुर एवं पीपसाना में विद्युत सब-स्टेशन बनाये जाने के सम्बन्ध में है, चौवालिसवीं सूचना श्री निर्मल वर्मा की विधान सभा क्षेत्र बिसवां, जनपद सीतापुर अन्तर्गत बेलझरिया मसेनामऊ मार्ग से लक्ष्मनपुर होते हुये राजा करनई सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, पैतालिसवीं सूचना श्री सीताराम वर्मा की विधान सभा क्षेत्र लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर में कतिपय नाले एवं नदियों पर पुल/पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, छियालिसवीं सूचना श्री राकेश प्रताप सिंह की जनपद बाराबंकी में सहायिकाओं के रिक्त पदों के सम्बन्ध में है, सैंतालिसवीं सूचना श्री ज्ञानेन्द्र सिंह की जनपद हरदोई के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में अवकाश स्वीकृत कराने के नाम पर अवैध धन वसूली की जाँच के सम्बन्ध में है, अड़तालिसवीं सूचना श्री मनीष रावत की जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली में पंचायती राज विभाग के सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, उनचासवीं सूचना श्री रामपाल वर्मा की जनपद हरदोई के विकास खण्ड कोथांवा, ग्राम पंचायत पिपरी में अमरगंज के समीप राजघाट पर गोमती नदी पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में है, पचासवीं सूचना डा0 पल्लवी पटेल की जनपद लखनऊ के एम0वी0एम0 कालोनी में अण्डरग्राउंड नाली के निर्माण के सम्बन्ध में है, इक्यावनवीं सूचना श्री अमिताभ बाजपेई की कानपुर नगर के परिवहन अधिकारियों द्वारा अवैध डग्गामार वाहनों से वसूली किये जाने के उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, बावनवीं सूचना श्री मूल चन्द्र सिंह की जनपद जालौन की तहसील कोंच के अन्तर्गत कोंच पहाड़गांव रोड से कोंच उरई रोड तक बाईपास निर्माण के सम्बन्ध में है, तिरपवनीं सूचना श्री हाकिम लाल बिन्द की जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड हँडिया में ग्राम सुभा रामनाथ से हरिचंन्द्रपुर बिन्द बस्ती सम्पर्क मार्ग निर्माण के सम्बन्ध में है, चौवनवीं सूचना श्री कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू की जनपद बुलन्दशहर के कस्बा सिकन्दराबाद स्थित अब्दुल वाहिद इण्टरप्राइजेज पर जबरन अवैध कब्जा को हटाये जाने के सम्बन्ध में है, पचपनवीं सूचना श्री चन्द्र प्रकाश लोधी की जनपद फतेहूपुर की विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर की कतिपय सड़कों के निर्माण के सम्बन्ध में है, छप्पनवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार सिंह की जनपद हाथरस के विकास खण्ड मुरसान के ग्राम बगुली से कमालपुर तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, सत्तावनवीं सूचना श्री प्रसन्न कुमार की जनपद शामली में गौ-आश्रय स्थल के निराश्रित गौ-वंश के भरण-पोषण एवं संरक्षण के सम्बन्ध में है, अट्ठावनवीं सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'

की जनपद प्रतापगढ़ के विकास खण्ड सांगीपुर, लालगंज, रामपुर एवं संग्रामगढ़ के अन्तर्गत पशु चिकित्सालयों के भवन व बाउण्ड्रीवाल निर्माण के सम्बन्ध में है, उनसठवीं सूचना श्री राज प्रसाद उपाध्याय की जनपद सुल्तानपुर की विकास खण्ड जयसिंहपुर, ग्राम चोरमा में मंदिर का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में है, साठवीं सूचना श्री सौरभ सिंह सोनू की जनपद खीरी के विधान सभा क्षेत्र कस्ता में औरंगाबाद को विकास खण्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में है, इक्सठवीं सूचना श्री अनिल कुमार त्रिपाठी की जनपद संतकबीरनगर की विधान सभा क्षेत्र मेंहदावल के ग्राम बेलौली को राप्ती नदी की बाढ़ से बचाने के लिये पक्के घाट का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, बासठवीं सूचना श्री राम अचल राजभर की विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर के ग्राम नारायनपुर-रामपुर-शारदा सहायक नहर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तिरसठवीं सूचना प्रो0 श्याम बिहारी लाल की विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर (बरेली) के ग्राम बेलउआ से कल्यानपुर के मध्य गोहनिया नदी पर लघु सेतु का निर्माण के सम्बन्ध में है, चौसठवीं सूचना डॉ0 रागिनी की ग्राम सभा अदारी में सड़क निर्माण के सम्बन्ध में हैं, पैसठवीं सूचना श्री रमेश सिंह की नगर निगम लखनऊ के जोन-5 में सीवर लाइन की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में है, छाछठवीं सूचना श्री मुकेश चौधरी की विधान सभा क्षेत्र नकुड़ (सहारनपुर) में सहारनपुर-नकुड़ रोड-कुम्हाहेड़-सहारनपुर अम्बाला रोड का सिंचाई विभाग द्वारा सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, सरसठवीं सूचना श्री अशरफ अली खान की जनपद शामली के ग्राम हींड पुलिया से ग्राम बाबरी बुटराडा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, अड़सठवीं सूचना श्री मनोज कुमार प्रजापति की जनपद हमीरपुर के राजस्व ग्राम सुमेरपुर में खतौनी को ऑनलाइन फीड कराये जाने के सम्बन्ध में है, उनहत्तरवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की गरौठा विधान सभा क्षेत्र में बेतवा नदी पर एरच बांध परियोजना पुनः प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्तरवीं सूचना श्री अनिल प्रधान की जनपद चित्रकूट के ग्राम संग्रामपुर में मुनगी तिराहा-संग्रामपुर गांव-पीली कोठी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एकहत्तरवीं सूचना श्रीमती इन्द्राणी देवी की जनपद श्रावस्ती की विधान सभा क्षेत्र भिनगा में खजुहा नाले पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में है, बहत्तरवीं सूचना श्री गौरव कुमार की जनपद बाराबंकी में राजकीय इण्टर कालेज में समस्त सुविधाओं की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में है, तिहत्तरवीं सूचना श्रीमती सैय्यदा खातून की जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र डुमरियागंज के ग्राम जगजीवनपुर नहर-कलवारी तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, चौहत्तरवीं सूचना श्री दुर्गा प्रसाद यादव की जनपद लखनऊ के इन्दिरानगर सेक्टर-11 में स्थित तकरोही के साप्ताहिक बाजार 3 दिन लगने से समस्या के सम्बन्ध में हैं, पचहत्तरवीं सूचना श्री विनोद चतुर्वेदी की जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में अवैध खनन ओवरलोडिंग से उत्पन्न समस्याओं के सम्बन्ध में है, छिहत्तरवीं सूचना श्री राम सिंह पटेल की विधान सभा पट्टी (प्रतापगढ़) के अन्तर्गत राजा बाजार-चिलांवां-एस0सी0 बस्ती चिलांवा तक इण्टरलॉकिंग सी0सी0 रोड के निर्माण सम्बन्ध में है, सतहत्तरवीं

सूचना श्री प्रभु नारायन सिंह यादव की इन्दिरा नगर (लखनऊ) के कतिपय मकानों के सामने सड़क व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, अठहत्तरवीं सूचना श्री अखिलेश की ग्राम बेनीपुर (जनपद अम्बेडकरनगर थाना भीटी) के कतिपय अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में है, उन्नासिवीं सूचना श्री कमाल अख्तर की विधान सभा क्षेत्र कांठ (मुरादाबाद) के मुरादाबाद कांठ मार्ग को फोर लेन बनाये जाने के सम्बन्ध में है, अस्सीवीं सूचना श्री माता प्रसाद पाण्डेय की जनपद सिद्धार्थनगर के नगर पंचायत बिस्कोहर में बिना किसी बैठक के कार्य योजना पास कराये जाने के सम्बन्ध में है, इक्यासिवीं सूचना डॉ0 आर0 के0 वर्मा की विधान सभा क्षेत्र रानीगंज (प्रतापगढ़) के कतिपय सम्पर्क मार्गों का निर्माण के सम्बन्ध में है, बयासिवीं सूचना श्री मौ0 हसन रूमी की जनपद कानपुर नगर के जलकल जोन-3 में बाबूपुरवा में पेयजल की समस्या के सम्बन्ध में है, तिरासिवीं सूचना श्री रविदास मेहरोत्रा की लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान राशि बढ़ाकर दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, चौरासिवीं सूचना श्री आशू मलिक की प्रदेश में जलजीवन मिशन के अन्तर्गत पाइप लाइन बिछाने के नाम पर सड़कों को खोदकर बिना मरम्मत छोड़ने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, पच्चासिवीं सूचना श्री जियाउद्दीन रिजवी की जनपद बलिया में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा की जा रही फर्जी नियुक्तियों से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, छियासिवीं सूचना श्री अरमान खान की अरिहन खेड़ा मोड़ से आनन्दी मैरिज लान-रिंग रोड (जनपद लखनऊ) के खराब निर्माण की जाँच कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्तासिवीं सूचना श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी की लो0 नि0 वि0 में वर्क सुपरवाइजर के पद पर बिना नियमों के पदोन्नति करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, अठ्ठासिवीं सूचना श्री समरपाल सिंह की जनपद अमरोहा विधान सभा क्षेत्र नौगांवा सादात, ग्राम हादरपुर से मेन रोड पर सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, नवासिवीं सूचना श्री नफीस अहमद की जनपद आजगढ़ के सठियांव चीनी मिल का नवीनीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, नब्बेवी सूचना श्री राजेन्द्र कुमार की जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र मुहम्मदाबाद गोहना में टोंस नदी के बंदी घाट पर पुल के निर्माण के सम्बन्ध में है, इक्यानबेवीं सूचना श्री सचिन यादव की जनपद फिरोजाबाद की तहसील जसराना के एका उडेसर, बसुन्धरा मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कराने विषयक है, बानबेवीं सूचना श्री राजीव तरारा की जिला अमरोहा के अन्तर्गत तिगरी धाम का पर्यटन की दृष्टि से विकास एवं पक्के घाटों के निर्माण के सम्बन्ध में है, तिरानबेवीं सूचना श्री पल्टूराम की विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में नगर पालिका परिषद बलराम के अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में लाभार्थियों को आपात्र घोषित किये जाने के सम्बन्ध में है, चौरानबेवीं सूचना श्री जयमंगल कनौजिया की विधान सभा क्षेत्र सदर महराजगंज के अन्तर्गत हनुमानगढ़ी से बभनौनी कमला चौराहा तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, पंचानबेवीं सूचना श्री राजेन्द्र सिंह पटेल की विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद (फतेहपुर) अन्तर्गत गोपालपुर धधौरा ब्लाक खजुहा में सड़क निर्माण के सम्बन्ध मे है, छियानबेवीं सूचना श्री विवेकानन्द पाण्डेय की जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत जलनिगम ग्रामीण द्वारा रेट्रोफिटिंग पेयजल योजना में कम दर पर

ली गई निविदा को निरस्त कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्तानबेवीं सूचना श्री बेचई सरोज की विधान सभा क्षेत्र लालगंज (आजमगढ़) के कतिपय जर्जर मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, अट्ठानबेवीं सूचना श्री मनीष असीजा की उत्तर प्रदेश के गरीब रोगियों को जिला अस्पतालों में हड्डी जोड़ने के उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में है, निन्यानबेवीं सूचना श्री तसलीम अहमद की विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद (बिजनौर) में मालन नदी पर पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में है, एकसौवीं सूचना श्री राम अवतार सिंह की विधान सभा क्षेत्र नूरपुर (बिजनौर) के ग्राम महदाबाद से जैनाबाद तक सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में है, एक सौ एकवीं सूचना श्री स्वामी ओउ्मवेश की विधान सभा चाँदपुर क्षेत्र (बिजनौर) के सी0एच0सी0 स्याऊ को अपग्रेड कर 50 बेड अस्पताल में परिवर्तित करने के सम्बन्ध में है, एकसौ दोवीं सूचना श्री राम चन्द्र यादव की विधान सभा क्षेत्र रूदौली (अयोध्या) के अमौनीघाट का निर्माण तथा गोमती नदी पर पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में है, एकसौ तीनवीं सूचना श्रीमती पूनम शंखवार की विधान सभा क्षेत्र रसूलाबाद (कानपुर देहात) में ग्राम गयादीन पुरवा नमनपुर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ चौथवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की विधान सभा क्षेत्र नगीना, जनपद बिजनौर के कस्बा कीरतपुर में मुस्लिम इण्टर कालेज के ग्राउण्ड में मिनी स्टेडियम बनवाये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ पांचवीं सूचना श्री वीर विक्रम सिंह की मेसर्स शकुन्तला फर्म के विरुद्ध स्टेट हाई-वे 126 फतेहगंज पूर्वी दातागंज मार्ग पर हुई दुर्घटनाओं में संलिप्तता की जाँच कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ छठवीं सूचना श्री अभय सिंह की जनपद अयोध्या के ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर ग्रण्ट के ग्राम प्रधान को पंचायती राज अधिनियम की धारा-195 ए के तहत् कार्यवाही कराये जाने हेतु, एक सौ सातवीं सूचना श्रीमती मीनाक्षी सिंह की विधान सभा क्षेत्र खुर्जा (बुलन्दशहर), ग्राम फिरोजपुर में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ आठवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की बदलापुर विधान सभा क्षेत्र (जौनपुर) के जूनियर हाई स्कूल कृष्णानगर एवं प्राथमिक विद्यालय गोनौली रामपुर महुअरिया तियरा, अटौरी, करनपुर, गोठवा के जर्जर विद्यालयों का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ नौवीं सूचना डॉ0 वीरेन्द्र यादव की विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर (गाजीपुर) के थानाध्यक्ष सुहवल द्वारा की जा रही अनियमिततओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ दसवीं सूचना श्री हरिओम की विधान सभा क्षेत्र अमापुर के नगरिया जमालपुर-मुहिमनगर मार्ग के बूढ़ी गंगा पर बनी पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ ग्यारहवीं सूचना श्री बाबू लाल की जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी के ग्राम मांगरौल गुर्जर से पश्चिमाई धाम तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में है, एक सौ बारहवीं सूचना श्री आशुतोष शुक्ल की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र भगवंतनगर के ग्राम दुबे पुर में तालाब का पट्टामुक्त कराकर सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ तेरहवीं सूचना श्री बम्बा लाल की समाज कल्याण विभाग उ0प्र0 शासन में लम्बित एकीकृत विकास योजना में प्रस्तावित आगणन के अनुसार अति पिछड़े/अनुसूचित जाति बाहुल्य

ग्रामों में इण्टरलाकिंग व नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ चौदहवीं सूचना श्री अमरेश कुमार की लखनऊ के ग्राम रायपुर के निकट आई0आई0एम0 रोड पर बी0के0टी लॉन के मालिक द्वारा भू-माफिया द्वारा अवैध रूप से सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ पन्द्रहवीं सूचना श्री वीरन्द्र सिंह लोधी की जनपद उन्नाव के थाना बांगरमऊ ग्राम पलिया में हुये अवैध कब्जे को हटाये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ सोलहवीं सूचना श्री अतुल प्रधान की विधान सभा क्षेत्र सरधना (मेरठ) के गांव अटेरना में कई मकानों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को शिफ्ट कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ सत्रहवीं सूचना श्री गुरू प्रसाद मौय की विधान सभा क्षेत्र फाफामऊ, जनपद प्रयागराज के महोबा चौराहा ऊँचडीह वाया सरनाम मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ अठ्ठारहवीं सूचना डॉ0 विनोद कुमार बिन्द की जनपद उन्नाव अन्तर्गत ग्राम दुबेपुर के खेल मैदान पर अवैध अतिक्रमण हटाये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ उन्नीसवीं सूचना ई0 सरवन कुमार निषाद की तहसील लम्भुआ (सुल्तानपुर) के कतिपय राजस्व निरीक्षक के कार्यों की जाँच कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ बीसवीं सूचना ई0 बृजेश कठेरिया की ग्राम सभा समान में चकबंदी विभाग द्वारा किये गलत नोटिफिकेशन से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, एक सौ इक्कीसवीं सूचना डॉ0 एम0पी0 आर्य की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र नवाबगंज में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवाबगंज के ओवरहेड टैंक का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ बाइसवीं सूचना श्री रामरतन कुशवाहा की विधान सभा क्षेत्र ललितपुर, जनपद ललितपुर में पानी की टंकी से गोविन्द सागर डैम तक चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ तेइसवीं सूचना श्री पंकज कुमार मलिक की जनपद मेरठ के विकास खण्ड किला परीक्षित के जयसिंहपुर ग्राम में सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ चौबीसवीं सूचना श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया की जनपद बदायूँ की नगरपालिका दातागंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ पच्चीसवीं सूचना मौहम्मद फहीम इरफान की तहसील बिलारी की नगर पंचायत महमूदपुर मासी, नगरपालिका परिषद बेलारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को मकान दिलाये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ छब्बीसवीं सूचना श्री शहजिल इस्लाम अन्सारी की जनपद मुरादाबाद में सीवरेज योजना फेज-2 के अन्तर्गत कराये कार्यों की जांच हेतु, एक सौ सत्ताइसवीं सूचना श्री आशीष कुमार सिंह आशू की विधान सभा क्षेत्र बिलग्राम मल्लावां के कतिपय सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, एक सौ अठ्ठाइसवीं सूचना श्रीमती गुड़िया कठेरिया की मेसर्स ओमेक्स लि0 इण्टीग्रेटेड टाउनशिप हेतु गाटा सं0-436 ग्राम सभा सरसवाँ, तहसील सरोजनी नगर, जनपद लखनऊ को विस्थापन के उपरान्त प्राप्त भू-भाग 0.1122 को अधिग्रहण की कार्यवाही से मुक्त करने के सम्बन्ध में है तथा एक सौ उनतीसवीं सूचना श्री मोहित सोनकर राहुल बच्चा की जनहित में ग्राम सांभी ब्लॉक व तहसील बिल्हौर, कानपुर नगर में स्थित विशालकाय झील का पुनरुद्धार कराने के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गयी :-

श्री अताउरहमान, श्री बृजभूषण राजपूत तथा श्री शफीक अहमद अंसारी।

प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों/राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान/के0जी0एम0यू0 के विभिन्न भर्तियों में आरक्षण नियमों की अवहेलना से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-)

उपर्युक्त बिन्दुओं के परिप्रेक्ष्य में विभागीय आख्या निम्न विवरणानुसार प्रस्तुत है। राम मनोहर लोहिया आर्युविज्ञान संस्थान के विज्ञापन.....

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाता है।

(वक्तव्य चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[सं0-2603/Rect-F/ER/RMLIMS/2021, दिनांक 11-10-2021 के सापेक्ष सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त मरीज हित में संस्थान की आकस्मिक आवश्यकता व एन0एम0सी0 के मानकों को पूर्ण करने के दृष्टिगत संविदा के आधार पर 01 वर्ष हेतु नियत वेतन पर प्रोफेसर के 03 व एसोसिएट प्रोफेसर के 07 तथा असिस्टेन्ट प्रोफेसर के 12 पदों पर नियुक्ति प्रदान की गयी। उक्त नियुक्ति में आरक्षण की गणना करते हुए ही विज्ञापन प्रकाशित किये गये।

(2) इस विज्ञापन संख्या व दिनांक से सम्बन्धित कोई विज्ञापन संस्थान द्वारा विज्ञापित नहीं किया गया है।

(3) संस्थान के विज्ञापन सं0-32/अधि0-2/आर0एम0 एल0 आई0एम0एस0/2023, दिनांक 04/03/2023 के द्वारा विभिन्न विभागों में मरीज हित तथा सीनियर रेजीडेन्टों की नितान्त/तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत तदर्थ आधार पर 89 दिवस हेतु या नियमित चयन होने तक जो भी पहले घटित हो, वाक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से चयन हेतु विज्ञापन निकाला गया था। उक्त विज्ञापन के सापेक्ष साक्षात्कार में सफल कुछ अभ्यर्थियों द्वारा ही योगदान दिया गया। अवगत कराना है कि उक्त प्रक्रिया में संस्थान द्वारा आरक्षण नियमों का पालन किया जा रहा है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

(4) संस्थान के विज्ञापन सं0-DrRMLIMS/ER/Rect-F/2023/1272, दिनांक 01-12-2023 द्वारा विशेष भर्ती विज्ञापन व सामान्य विज्ञापन के माध्यम से चिकित्सा शिक्षकों के रिक्त कुल 320 (प्रोफेसर-36, एसोसिएट प्रोफेसर-92 एवं असिस्टेण्ट प्रोफेसर-192) पदों को शासनादेशों में निहित व्यवस्थानुसार आरक्षण रोस्टर की गणना करते हुये विज्ञापन जारी किया गया है। फैकल्टी के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु जारी किये जाने वाले विज्ञापन में आरक्षण रोस्टर की गणना हेतु एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन भी किया गया था, जिसमें वाह्य सदस्य व आरक्षित वर्ग के सदस्यों को भी सम्मिलित किया गया था, जिनकी संस्तुति एवं विधिक परामर्श के उपरान्त ही विज्ञापन प्रकाशन की कार्यवाही की गयी है।

(5) किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ में प्रश्नगत भर्ती अभी नहीं हुयी है। उक्त विज्ञापन के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत के0जी0एम0यू0 अधिनियम, 2002 की धारा-13 के अन्तर्गत जॉच कराये जाने का निर्णय लिया गया है। इस सम्बन्ध शासन के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 05.02.2024 (यथासंशोधित कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 09-02-2024) द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 की अध्यक्षता में जॉच समिति का गठन किया गया है। उक्त समिति में अन्य पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जाति का भी प्रतिनिधित्व है। उक्त समिति द्वारा दो सप्ताह में प्रकरण की जॉच करके शासन को रिपोर्ट उपलब्ध करायी जायेगी।]

डॉ0 रागिनी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं इस पर बोलना चाहूंगी।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी इसमें एक बात और कहनी है इसी विषय के ऊपर नियम-56 में चर्चा हो चुकी है तो आगे इसका कोई औचित्य नहीं रहता है।

श्री अध्यक्ष-

आपने उत्तर दे दिया है। उसी उत्तर को मान लिया जाये।

दिनांक 12-02-2024 को विधान सभा के मोबाइल एप की लॉन्चिंग के सम्बन्ध में सूचना

श्री अध्यक्ष-

विधान सभा की एक ऐप डेवलप हुआ है। जिसमें सारे सदस्यों की जानकारी जो विधान सभा से सम्बन्धित है उन्होंने कब-कब कौन से इश्यू उठाये, कौन प्रश्न लगाये, कौन-सा भाषण दिया उसका एप की लान्चिंग परसों 12 बजे तिलक हाल में करेंगे जो मा0 सदस्य उसमें रुचि रखते हो वह जरूर उपस्थित हों।

विधान सभा के कर्मचारियों एवं लिफ्टमैन के लिए पूर्व में स्वीकृत मानदेय रु0 14,500 में रु0 1,000 वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, हम एक घोषणा करना चाहते हैं। यह हमारे जितने भी लिफ्ट मैन हैं खासतौर से जो सहयोगी हैं। विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बजट सत्र में मेहनत लगन एवं निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए इन्होंने रात-रात तक कार्य किया है फलस्वरूप विगत सत्र 2023 में मा0 मुख्य मंत्री जी के द्वारा 14500 रुपये पुरस्कार के रूप में प्रदान किये गये थे। महंगाई को देखते हुए मान्यवर, 1000 रुपये बढ़वाने के आदेश को प्रदान करने की कृपा करें। मान्यवर, 1000 रुपये बढ़ा दिया गया है। समस्त विधान सभा के अधिकारी व कर्मचारी आपके आभारी हैं।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, 1 हजार रुपये की इनकी बढ़ोत्तरी करके इनको दे दिया जाये। यही मा0 मुख्य मंत्री जी की अपेक्षा है। मा0 मेरा आपसे अनुरोध है कि विधान सभा के सभी कार्य तो पूरे हो गये हैं। कल आप अयोध्या चलने को कह रहे हैं तो सदन की कार्यवाही स्थगित की जाये।

सदन के सुचारु रूप से संचालन के लिए मा0 संसदीय कार्य मंत्री द्वारा आभार

श्री अध्यक्ष-

सात दिन बजट चला है तो आप सभी लोगों को धन्यवाद दे दीजिए। क्योकि सबने आपका बजट पास करवाया है।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

हम माननीय नेता सदन, माननीय नेता विरोधी दल और सभी माननीय दलीय नेताओं का विशेष रूप से धन्यवाद देते हैं कि आपने पूरा सहयोग दिया।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने पर)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

आप लोगों में से कोई एक सदस्य बोले ताकि बात समझ में आ सके।

मा0 सदस्यों द्वारा प्रत्येक सदस्य के लिए अपने क्षेत्र में 200 हैण्डपम्प एवं लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन में बढ़ोत्तरी किये जाने की मांग

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, आज विशेषज्ञ भी यहीं बैठे हैं, सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी यहीं बैठे हैं और घुटने और दाँत के डॉक्टर भी आप सामने हैं। इसके बाद अब और किसी की आवश्यकता तो है नही। कम से कम माननीय मुख्य मंत्री जी ने हम सब लोगों के कहने पर

जो आपसे कहा है तो जो कमेटी है उसका तो करा दीजिये। उसकी वजह से सारे 403 विधायक आपको बहुत-बहुत आभार देंगे, धन्यवाद देंगे और यह आवश्यक भी है। महँगाई केवल जनता के लिए नहीं है। आपने बहुत संतुलित बजट दिया बिल्कुल आपने सही शब्द का इस्तेमाल किया पर उसका थोड़ा सा टिल्ट सदन की तरफ भी झुका दीजिये, इस सदन के सदस्यों की तरफ भी कर दीजिये। मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिये। आज माननीय मुख्य मंत्री जी ने कह दिया है तो जो कमेटी थी उसको आप पुनर्जीवित कर दें। हम सबका विश्वास संसदीय कार्य मंत्री जी पर है तो आपकी अध्यक्षता में वह कमेटी बने जिसे आप समय-समय देखते रहें। माननीय जल शक्ति मंत्री जी बैठे हैं। जल जीवन मिशन का काम पूरा होने में अभी समय है। सब चुनाव आप ही को मजबूत करने के लिए जायेंगे और हम सब लोग जायेंगे। आप हम लोगों के लिए 200-200 हैण्डपम्प करा दें और 10-10 किलोमीटर सड़क करा दें। हम लोगों की बस दो माँग है। बताईये क्या यहाँ सब लोग तैयार हैं।

(सदन के अधिकांश सदस्यों द्वारा एक साथ 'हाँ' बोला गया)

श्री अवधेश प्रसाद-

माननीय अध्यक्ष जी, हम सब जानते हैं कि इमरजेन्सी में हम सब लोगों पर कितना जुल्म हुआ था। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी भी जेल में थे और हम भी थे। हमारे माननीय नेता जी आज दुनिया में नहीं है, उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के लिए बहुत किया है। महराज जी स्वयं जानते हैं कि वर्ष 1975 में जब आपातकाल लगा था उस समय हम लोग बन्द थे। इसलिये मेरा अनुरोध है कि लोकतंत्र सेनानियों के लिए इसमें धनराशि को बढ़ा दिया जाये।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

महराज जी ने इसमें 5000 रुपये बढ़ाये हैं, कम नहीं किये हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, हम सारे सदस्य आग्रह करना चाहते हैं। कृपया मुझे एक मिनट सुन लीजिये, आपने कहा था कि सुन लेंगे। माननीया मोना जी ने अभी अपनी बात रखी है।

श्री अध्यक्ष-

माननीया मोना जी ने जो कहा है वह माननीय मंत्री जी ने सुन लिया है। अब आप उनको सुन लीजिये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

कृपया मेरी बात भी एक मिनट सुन लीजिये। बहुत महत्वपूर्ण बात है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय सदस्य, आप जवाब तो सुन लीजिये। ऐसा है कि अभी माननीय मुख्य मंत्री जी को जाना है। जवाब यह है कि पहली अप्रैल से बजट लागू होगा और आज तो लागू नहीं होना

है। पहली अप्रैल के लागू होने में अभी 50 दिन शेष हैं। एक शायर ने क्या कहा था वह सुन लीजिये। 'सब मांगें पूरी हो जायेंगी तो तमन्ना किसकी करोगे, अधूरी ख्वाहिश ही जीने का मजा देती हैं।'

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं भी इस पर शेर सुनाना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप बैठिये।

सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूँ कि इस सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि इस सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की जाये?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे।
भारत-भाग्य-विधाता।।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग।
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

श्री अध्यक्ष-

अब हम अनिश्चितकाल के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 05 बजकर 36 मिनट पर अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक : 10 फरवरी, 2024

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

नत्थी (क)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक की साधारण चर्चा में प्रतिभाग करने वाले मा0 सदस्यों के लिखित भाषण

श्री हरिओम वर्मा-

बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट 2024-25 पर बोलने का अवसर प्रदान किया। मैं इस जन-कल्याणकारी प्रस्तुत बजट का समर्थन करता हूँ साथ ही सदन के माध्यम से मैं अपनी विधान सभा की देवतुल्य जनता का धन्यवाद देना चाहूँगा कि मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को अपना आशीर्वाद देकर विधान सभा भेजने का कार्य किया। मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूँगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल निर्देशन में माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में सात लाख छत्तीस हजार चार सौ सैंतीस करोड़ का बजट प्रस्तुत किया गया है जोकि उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट है।

महोदय, यह बजट सर्व समाज, धर्म को साथ लेकर चलने बाला बजट है। आज हमारा प्रदेश पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी का जीवन हजारों वर्षों से भारत और विश्व को उत्तम जीवन आदर्शों की ओर अग्रसर होने को प्रेरित करता है। पिता के वचन का मान रखने के लिये प्रभु श्रीराम ने राजसी वैभव निःसंकोच त्याग दिया था और इसी प्रकार हमारे परम पूज्य बाबूजी स्व0 श्री कल्याण सिंह जी पूर्व राज्यपाल, पूर्व मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश ने प्रभु श्रीराम जी के मन्दिर के लिये अपनी कुर्सी को त्याग कर सारी जिम्मेदारी खुद ले ली थी। ऐसे बाबू जी स्व0 श्री कल्याण सिंह जी के चरणों में नमन करता हूँ। मैं बाबू जी की कर्म भूमि एटा कासगंज से आता हूँ जहाँ से सांसद छोटे बाबू जी श्री राजवीर सिंह राजू भइया जी हैं।

22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गयी, जिससे हमारे पूज्य बाबू जी की आत्मा को शान्ति मिली होगी। वो चाहते थे कि अयोध्या में भव्य श्री राम मन्दिर बने। हमारे मुख्य मंत्री महाराज जी ने उनके सपने को साकार किया।

मान्यवर, यह बजट माननीय प्रधानमंत्री जी के सबका साथ सबका विकास नारे को चरितार्थ करता है विशेष रूप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित है।

मान्यवर, हमारे तेजस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। कानून व्यवस्था राम राज्य की संकल्पना को साकार कर रही है।

त्योहारों, अमृत महोत्सव, जी-20 सम्मेलन, क्रिकेट विश्वकप-2023, अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा जैसे समारोह को शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया, जिसकी तारीफ देश और विदेश से आये अतिथियों ने की। अपराधियों का प्रदेश से सफाया हो चुका है।

महोदय, इस बजट में-

- अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या धाम के विकास हेतु 150 करोड़ की व्यवस्था।
- हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार हेतु 1100 करोड़ की व्यवस्था।
- राज्य राजमार्गों के चौड़ीकरण कार्यों हेतु 2881 करोड़ की व्यवस्था।
- राज्य सड़क निधि से अनुरक्षण हेतु 3000 करोड़ तथा निर्माण हेतु 2500 करोड़ की व्यवस्था।
- चार लेन मार्ग चौड़ीकरण, निर्माण हेतु 800 करोड़ की व्यवस्था।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2007 से 2017 तक मात्र 2.51 लाख आवास और हमारी सरकार ने 17.65 लाख आवास बनाये इस योजना हेतु तीन हजार नौ सौ अड़तालीस करोड़ (3948) रु0 की व्यवस्था।
- ग्रामीण आवास हेतु दो हजार चार सौ इकतालीस करोड़ (2441) रु0 की व्यवस्था।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृति योजना हेतु 2475 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 35 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- मुख्य मंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक पर्यटन स्थल विकसित करने की योजना।
- प्रा0 पा0 के छात्र-छात्राओं के लिये यूनिफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता, मोजा एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये क्रय प्रक्रिया को बन्द कर डी0 बी0 टी0 के माध्यम से 1200 रुपये प्रति बच्चे की दर से धनराशि सीधे अभिभावकों के खाते में दी जा रही है।
- स्कूलों के कायाकल्प हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1000 करोड़ की व्यवस्था।

महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री एवं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मेरे प्रस्ताव पर कासगंज-अमाँपुर मार्ग चौड़ीकरण हेतु 40.77 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की एवं अमाँपुर-सिढपुरा मार्ग लगभग 18 करोड़ की लागत से स्वीकृत होकर चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है।

महोदय, आपके माध्यम से सदन के पटल पर मैं अपने क्षेत्र की समस्याओं को रखना चाहता हूँ।

1-अमाँपुर-मोहनपुर मार्ग का चौड़ीकरण।

2-मोहन नगर पंचायत को ब्लॉक बनाने की माँग करता हूँ।

3-मेरे विधान सभा क्षेत्र में बरेली-मथुरा मार्ग पर स्थित नगरिया जहाँ शुगर मिल भी संचालित है, जिसकी आबादी लगभग 35000 है, उसको नगर पंचायत बनाने की माँग करता हूँ।

4-मेरे विधान सभा क्षेत्र में अतिथियों को ठहरने हेतु कोई उचित व्यवस्था नहीं है, जिसके लिये सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन का जीर्णोद्धार कराने की माँग करता हूँ।

5-महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कोई भी खेल स्टेडियम नहीं है। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र में खेल स्टेडियम निर्माण की माँग करता हूँ।

6-मेरे विधान सभा क्षेत्र में कोई बस स्टैंड नहीं है, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र में बस स्टैंड निर्माण की माँग करता हूँ, जिसके लिये पर्याप्त भूमि उपलब्ध है।

7-महोदय, नगर पंचायत सहावर के विस्तार की माँग करता हूँ।

8-मेरे विधान सभा क्षेत्र में कोई भी कन्या डिग्री कालेज नहीं है। मैं कन्या डिग्री कालेज बनाने की माँग करता हूँ।

9-अमाँपुर नगर पंचायत में जलभराव की काफी समस्या है। मैं नगर पंचायत के जल निकास हेतु नाला की माँग करता हूँ।

महोदय, माननीय प्रधानमंत्री व माननीय मुख्य मंत्री के नेतृत्व में प्रदेश व देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है, हम आने वाले 2024 लोक सभा चुनाव में एटा से सांसद माननीय राजवीर सिंह राजू भईया जी को पुनः जिताकर माननीय मोदी जी के हाथों को मजबूत करेंगे।

धन्यवाद।

नत्थी (ख)

श्रीमती अंजुला सिंह माहौर-

महोदय, निवेदन है कि आज दिनांक 08/02/2024 को बजट भाषण पर चर्चा के दौरान निम्नलिखित अंश छूट गया है :-

दाऊ जी के मन्दिर के आस-पास का अतिक्रमण हटाया जाए।

ट्रांसपोर्ट नगर हाथरस की जरूरत है, अगर बन जाए तो अति कृपा होगी।

हाथरस में मेडिकल कालेज बनना अत्यन्त आवश्यक है।

हाथरस विधान सभा क्षेत्र के साहनी ब्लाक में महाविद्यालय बन जाए।

ब्रज दहरी में जब दाऊ जी लम्खी मेला राजकोष घोषित हो गया है, तब वहां ऑडीटोरियम बनना अत्यन्त आवश्यक है।

हाथरस विधान सभा क्षेत्र के नौजवानों और छात्र-छात्राओं के लिए स्टेडियम।

समाज की गौरव वीरांगना झलकारी बाई जी की मूर्ति हाथरस में जरूर लग जाए।

मेरी विधान सभा क्षेत्र हाथरस में एक अशोक स्तम्भ का लगना हर किसी को गौरव प्रदान करेगा।

सासनी-नानऊ मार्ग बनाना अत्यन्त आवश्यक है, को कार्यवाही में जोड़े जाने का कष्ट करें।

नत्थी (ग)

श्री सीताराम वर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय के प्रति मैं आभार ज्ञापन करना चाहता हूँ कि आपने मुझे वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक की परिचर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। अपनी बात प्रारम्भ करने के पूर्व मैं सम्मानित सदन के सभी पक्ष-विपक्ष के मा0 सदस्यों को नमन करता हूँ। मैं जनपद सुल्तानपुर की 190, लम्भुआ विधान सभा क्षेत्र एवं जनपद सुल्तानपुर की जनता जनार्दन एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं को बारम्बार प्रणाम करता हूँ, जिनके आशीर्वाद से आज मैं लम्भुआ विधान सभा क्षेत्र से विधायक हूँ एवं उससे पूर्व सदर (जयसिंहपुर) से विधायक एवं जनपद सुल्तानपुर का जिला पंचायत का अध्यक्ष रह चुका हूँ।

मैं अपने कर्मयोगी मुख्य मंत्री मा0 योगी जी को बार-बार नमन करता हूँ, जो पूरी दुनिया के नेता एवं इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र भाई मोदी के संकल्प ''सबका साथ, सबका विकास'' के अनुसार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये समर्पित है एवं उनके मार्ग-दर्शन में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये हमारे लोकप्रिय वित्त मंत्री मा0 सुरेश खन्ना जी ने ऐतिहासिक बजट पेश किया है। मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी को हृदय की गहराई से आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, क्योंकि उनके द्वारा सामाजिक न्याय के पुरोधा महान जन नायक बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री कर्पूरी ठाकुर जी, राम जन्मभूमि आन्दोलन अगुवा, अखण्ड भारत के लिये समर्पित, देश के पूर्व गृह मंत्री मा0 लालकृष्ण आडवानी जी, महान किसान नेता देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौ0 चरण सिंह जी, महान कृषि वैज्ञानिक डा0 स्वामीनाथन तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है।

मान्यवर, इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के संकल्प-2047 विकसित भारत के लिये आवश्यक है-इस देश के हर भारतीय का सर्वांगीण विकास होना आवश्यक है। इसी कारण हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी का संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास' के लिये सबसे महत्वपूर्ण कारक है-स्वास्थ्य एवं शिक्षा। पूरे सदन को यह जानकर खुशी होगी कि जहां आजादी के 70 वर्षों में 2017 से पूर्व प्रदेश में केवल जहाँ 13 सरकारी मेडिकल कालेज थे, मा0 मुख्य मंत्री एवं उप मुख्य मंत्री जी (चिकित्सा) के प्रयास से प्रदेश में 62 मेडिकल कालेज सरकारी क्षेत्र में स्थापित हो चुके हैं एवं अन्य जिलों में, मेडिकल कालेज खोलने की योजना है। हमारे जनपद सुल्तानपुर में हम चारों विधायकों के प्रयास एवं मा0 मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से सरकारी मेडिकल कालेज कार्य कर रहा है इससे जहाँ एक ओर जनपदवासियों को सस्ती चिकित्सा सेवाऐं अपने जनपद में ही उपलब्ध होंगी, वहीं दूसरी ओर सरकारी मेडिकल कालेज में शुल्क कम होने तथा पहले से कई गुना सीटें अधिक होने के कारण गांवों में रहने वाले 70 प्रतिशत तथा शहर में रहने वाले 30 में से 10 प्रतिशत गरीबों के बच्चे भी डाक्टर बन

सकेंगे एवं प्रदेश एवं देश में डाक्टर्स की कमी दूर होगी। इतना ही नहीं, हम विदेशों को भी डाक्टर दे सकेंगे।

''आयुष्मान भारत'' विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी एवं बड़ी योजना है, जिससे हमारे गरीब भाई अपने परिवार का इलाज करा सकेंगे। इसके लिये मैं मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मुख्य मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।

मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिये दूसरा मुख्य कारक शिक्षा है। हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में शिक्षा के सभी क्षेत्रों में सुधार हुआ है चाहे वह बेसिक, माध्यमिक या उच्च शिक्षा हो; तकनीकी या चिकित्सा या व्यवसायिक शिक्षा, किन्तु ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी शिक्षा में बड़ा अन्तर है एवं उसमें काफी सुधार की आवश्यकता है। हमारे कर्मठ एवं प्रदेश के विकास के लिये समर्पित मा0 मुख्य मंत्री जी प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये दृढ संकल्प हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में आज जिस प्रकार प्रदेश अपराध मुक्त है, उसी प्रकार ग्रामीण-नगरीय शिक्षा अन्तर मुक्त होगी एवं यह प्रदेश पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनेगा।

प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी जी की सरकार में हमारे विधान सभा क्षेत्र में काफी विकास कार्य हुए हैं एवं लगातार विकास में लम्भुआ विधान सभा क्षेत्र आगे बढ़ रही है, किन्तु अपनी विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्याओं की ओर पीठ के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कर समाधान की माँग करता हूँ-

1-लम्भुआ विधान सभा क्षेत्र उद्योगों के सभी मानकों को पूरा करने के बाद भी कोई उद्योग नहीं है। अतः यहाँ पर उद्योगों की स्थापना की माँग करता हूँ।

2-एक मण्डी समिति की स्थापना लम्भुआ में करायी जाय।

3-मेरी विधान सभा क्षेत्र में प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ स्थान आदि गंगा गोमती के तट पर धोपाप धाम है। जहाँ भगवान श्रीराम रावण वध के बाद स्नान कर वहाँ से 5 किमी0 दूर लम्भुआ के पास बाबा विश्वनाथ की प्रसिद्ध सिद्ध पीठ जनवारीनाथ धाम में भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के बाद पास में स्थित दियरा में राम जानकी घाट पर दीपदान करने के बाद रात्रि विश्राम किया था। दोनों के बीच रमणीय पर्यटन स्थल अमृत कमल सरोवर है। अतः इन चारों को जोड़कर एक भव्य पर्यटन सर्किट को बनाने की माँग करता हूँ, जहाँ 15 किमी0 के अन्दर प्रसिद्ध सिद्धि प्राप्ति बजरंग बली का विजेथुआ धाम, सीता कुण्ड धाम एवं देवाड़ के पास प्रसिद्ध गौरीशंकर मन्दिर को जोड़कर एक रमणीय पर्यटन सर्किट बनाने की माँग करता हूँ, यह सभी स्थान अयोध्या-प्रयागराज तथा लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े होने के कारण यात्रीगण पर्यटन का लाभ उठा सकेंगे।

4-गोमती नदी पर ग्राम कटसारी में स्थाई पुल न होने के कारण बरसात के समय जनता एवं छात्रों को जून से अक्टूबर तक 10 से 15 किमी0 घूमकर जाना पड़ता है। उक्त कटसारी के स्थाई पुल के निर्माण की माँग करता हूँ।

5-वाराणसी-लखनऊ रेल मार्ग पर लम्भुआ विधान सभा क्षेत्र में चौकिया, नरहरपुर एवं चांदा रेलमार्ग पर उपरिगामी पुल न होने के कारण घण्टों यातायात बाधित होने के कारण जनता परेशान होती है। अतः उक्त तीनों स्थानों पर उपरिगामी रेल पुल की माँग करता हूँ।

वर्ष 2016-17 का बजट पेश करते हुये तत्कालीन मुख्य मंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष ने सदन में कहा था-'जनता के लिये जिसके दिल में प्यार नहीं है, जनतंत्र में वह कुर्सी का हकदार नहीं है।' उ0प्र0 की जनता जनार्दन मा0 अखिलेश यादव जी के उक्त कथन को चरितार्थ कर रही है एवं जनता से प्यार होने के कारण हमारे कर्मयोगी मुख्य मंत्री मा0 योगी जी को दोबारा प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया है एवं उनको 02 बार लगातार कुर्सी से दूर रखा है एवं प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से प्रदेश के जनता-जनार्दन उनको आगे भी कुर्सी से दूर रखेगी।

आज देश की जनता को मोदी की गारण्टी पर विश्वास है तथा हमारे कर्मयोगी मुख्य मंत्री मा0 योगी जी के इरादे पर प्रदेश की जनता को पूरा भरोसा है। यह प्रदेश की जनता विशेषकर नौजवान ललकारते हुये कहते हैं कि कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, हौसले से एक पत्थर तो उछालो यारों।

अन्त में-

अब हवायें ही करेंगी रोशनी का फैसला,

जिस दिये में तेल होगा वही रह जायेगा।

मा0 अधिष्ठाता महोदय एवं सदन को धन्यवाद देते हुये अपनी बात समाप्त करता हूँ।

नत्थी (घ)

श्रीमती कृष्णा पासवान-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने बजट पर बोलने का मौका दिया, मैं उसका बहुत धन्यवाद करती हूँ। मैं पूर्णतया बजट का समर्थन करती हूँ।

हमारी नीतियां विशेष रूप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित हैं। मैं इस क्रम में संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत करना चाहूंगी।

किसान-

1-डार्क जोन में निजी नलकूप कनेक्शन देने पर लगे प्रतिबन्ध को हटा लिया गया है, जिससे लगभग 1 लाख किसानों को सीधा फायदा हुआ है।

2-वर्ष 2023-24 में माह अक्टूबर, 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया।

3-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2023 तक लगभग 63,000 करोड़ रुपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से 2 करोड़ 62 लाख किसानों के खातों में हस्तानान्तरित की गयी।

4-प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना के अन्तर्गत प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पुरुष एवं महिला दोनों के लिए 3000 रुपये की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।

महिला एवं बाल विकास-

1-निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन की धनराशि 500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह कर दी गयी है।

2-मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं को 6 विभिन्न वित्तीय श्रेणियों में कुल 15000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है, वित्तीय वर्ष 2019-2020 से 2023-2024 तक 17.02 लाख लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया जा चुका है।

3-उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अन्तर्गत जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को कोष के अन्तर्गत 1 लाख रुपये से 10 लाख रुपये की आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने की व्यवस्था है।

युवा-

1-प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 53,800 युवक मंगल दल एवं 51,300 महिला मंगल दलों का गठन किया जा चुका है। इन दलों के माध्यम से युवाओं की सहभागिता राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के कार्यों में सुनिश्चित करायी गई है।

सामाजिक सुरक्षा-

1-प्रदेश के लगभग 55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जा रही है।

2-सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी हेतु मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत एक जोड़े के विवाह पर 51,000 रुपये अनुदान की व्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2022-23 मे 1,00,874 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराते हुये 510 करोड़ का व्यय किया गया है।

श्रमिक कल्याण-

1-भारत सरकार द्वारा निर्मित ई-श्रम पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है, जो देश में सर्वाधिक है।

2-निर्माण कामगार गम्भीर बिमारी सहायता योजना के अन्तर्गत गम्भीर बिमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कराने पर इलाज के व्यय की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति करायी जा रही है।

चिकित्सा क्षेत्र-

1-प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

2-आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजनान्तर्गत 4 करोड़ 86 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित किये गये, जिसमें प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा है।

3-असाध्य रोगों की मुफ्त चिकित्सा सुविधा हेतु 125 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। जो प्रशन्सनीय है।

स्वास्थ्य है जीवन में सबसे अमूल्य धरोहर।
ध्यान रखना जरूरी, जिन्दगी ना बन जाये मजबूरी।
रखिये हमेशा इसका ध्यान, परिवार का होगा कल्याण।
कोई भी हो कितना विद्वान, इसके बिना ना हो सके महान।।

ग्राम्य विकास-

1-प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 2441 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्य मंत्री आवास योजनान्तर्गत 1140 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास-

1-बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक नये औद्योगिक विकास प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा के अनुरूप बुन्देलखण्ड में औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्र विकसित करने की है।

2-गंगा (एक्सप्रेस-वे परियोजना हेतु 2057 करोड़ 76 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

3-आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने हेतु नये लिंक एक्सप्रेस-वे निर्माण हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अन्य-

1-महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके सशक्तीकरण हेतु 1,699 एण्टी रोमियो स्क्वायड का गठन कर अनवरत् अभियान चलाया जा रहा है।

2-होमगार्ड स्वयं सेवकों की मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को 05 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती है। दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत होमगार्ड्स को 30 लाख रुपये की बीमा सुविधा प्रदान की गयी है।

मेरे क्षेत्र की प्रमुख समस्या निम्नवत् है-

1-मेरे विधान सभा क्षेत्र-243, खागा फतेहपुर के अन्तर्गत ग्राम धाने मजरे गढ़ा एवं जनपद चित्रकूट, मध्य प्रदेश, प्रतापगढ़, रायबरेली को जोड़ने वाला ग्राम चिल्लीमल के मध्य यमुना नदी पर पुल का निर्माण।

2-मेरी विधान सभा क्षेत्र में ब्लाक धाता में चीनी मिल की स्थापना क्योंकि मेरे क्षेत्र का गन्ना हैदरगढ़ चीनी मिल में जाता है, जिसकी दूरी 250 किमी0 है। जिससे गन्ना किसानों को काफी कठिनाई होती है।

3-मेरी विधान सभा क्षेत्र में वि0ख0-विजईपुर में एक डिग्री कालेज ग्राम सभा रायपुर भसरौल में जो कि जमुना का किनारा है और वहाँ से डिग्री कालेज न होने के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। जनहित में डिग्री कालेज की स्थापना आवश्यक है।

नत्थी (ङ)

श्रीमती इन्द्राणी वर्मा-

महोदय,

बजट के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

1-मेरे विधान सभा क्षेत्र में किसान मित्रों को बहाल किया जाय।

2-जमुनही बाजार को नगर पंचायत बनाया जाय।

3-भिनगा विधान सभा क्षेत्र में रिसिया विकास खण्ड में मल्हीपुर ब्लाक के लक्ष्मनपुर को ब्लाक का दर्जा दिया जाय।

4-भिनगा विधान सभा क्षेत्र में खजुहा झुनझनया में नाले पर पुल का निर्माण कराया जाय।

5-विधान सभा क्षेत्र भिनगा के ब्लाक सिरसिया से दुर्गापुर चौराहे से मुडकरी गांव से बनठिहवा रोड तक पक्की रोड बनवायी जाय।

6-विधान सभा क्षेत्र भिनगा में ब्लाक जमुनहा में ग्राम पंचायत परसोहना से परसोहना गांव तक पक्की रोड बनायी जाय। लम्बाई लगभग 2 किमी0।

7-विधान सभा क्षेत्र भिनगा के ब्लाक हरिहरपुर रानी में गलकटवा नाले पर पुल का निर्माण कार्य कराया जाए।

8-विधान सभा क्षेत्र भिनगा में ग्राम बादलपुर से कटुइया ग्राम तक पेन्टिंग कार्य लम्बाई लगभग 500 मीटर।

9-विधान सभा क्षेत्र भिनगा के ब्लाक सिरसिया, ग्राम डगमरा से सेखवनिया ग्राम तक पक्की रोड जिसकी लम्बाई 3 किमी0।

10-विधान सभा क्षेत्र भिनगा, ब्लाक हरिहरपुर रानी, ग्राम लखाही बेनी नगर से 500 मीटर आर0सी0सी0 रोड बनाया जाय।

अतः आपसे आग्रह है कि उपरोक्त कार्य को जनहित में कराया जाय।

नत्थी (च)

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने बजट के समर्थन में बोलने का मौका दिया मैं उसका बहुत धन्यवाद करता हूँ। मैं पूर्णतया बजट का समर्थन करता हूँ।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के भव्य मन्दिर का अयोध्या में निर्माण होने से हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र को बहुत प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या विश्व का बहुत बड़ा पर्यटन केन्द्र बन गया है। भारत और विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बहुत बड़ा इजाफा हुआ है, जिससे हमारी आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा। मा0 योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ हैं एवं संगठित अपराध का सफाया हो चुका है और औद्योगिक क्षेत्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 की 96 लाख इकाइयां हैं।

मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवानी, पूर्व मुख्य मंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया।

माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया।

उ0प्र0 आर्थिक सामाजिक विकास के हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है, हमने इस नैरेटिव को सिरे से खारिज कर दिया कि उ0प्र0 एक बीमारू प्रदेश है। हमने प्रदेश की जनता प्रदेश की मेधा में अपार सम्भावनाओं को देखा और बड़े आत्मविश्वास के साथ मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में विकास गाथा की रचना की है।

बहुउद्देशीय पंचायत भवनों के निर्माण हेतु लगभग 57 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपेन जिम के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कृषि-

उ0प्र0 खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु सरप्लस राज्य के रूप में देश में अपना स्थान बनाये हुये है।

मत्स्य-

प्रदेश के मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाये जाने के दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना वर्ष 2020 से वर्ष 2025 तक संचालित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत एक्वा पार्क के निर्माण की नयी योजना हेतु 190 करोड़ रु0 की व्यवस्था प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत पुरुष एवं महिला लाभार्थियों को आच्छादित किये जाने हेतु कुल 310 करोड़ रु0 की व्यवस्था प्रस्तावित है।

यह बजट गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के लिये समावेशी, जनहित में कल्याणकारी है।

मेरे विधान सभा क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य कराना आवश्यक है :-

1-मेरे विधान सभा क्षेत्र में यमुना नदी में वारा में गोगली घाट पर पुल का निर्माण।

2-यमुना नदी के किनारे ऊबड़-खाबड़ जमीन में समतलीकरण कराया जाय।

3-घाटमपुर जहानाबाद रजवाहा में पम्प कैनाल बनाया जाय, जिससे 35 वर्षों से माइनर रजवाहों में पानी, सिंचाई हेतु पानी नहीं मिल रहा है, किसानों को सुविधा दी जाय।

4-जहानाबाद विधान सभा क्षेत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना की जाय।

5-अमर शहीद जोधा सिंह अटैया के पैतृक गाँव में उनकी प्रतिमा लगाई जाय तथा राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी के पैतृक गाँव में उनकी प्रतिमा लगाई जाय।

6-प्रत्येक ग्राम पंचायतों में बारात घर बनाया जाय।

7-जनपद-फतेहपुर, जनपद-उन्नाव के सीमा पर भूमि विवाद निस्तारण कराया जाय।

8-विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद के असिंचित क्षेत्र में नये नलकूप लगाये जायं, बोर कराये जायं।

9-अग्निशमन केन्द्र बनाया जाय।

नत्थी (छ)

श्री जय प्रकाश अंचल-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने लोक निर्माण के बजट के कटौती प्रस्ताव पर मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिये आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

महोदय, लोक निर्माण विभाग में जिन मुद्दों को शामिल किया है, उसमें मेरे विधान सभा क्षेत्र बैरिया, जनपद-बलिया के निम्न सड़कों को भी शामिल कर दिया जाय, जिनकी हालत अत्यन्त दयनीय एवं गड्ढायुक्त है, जिस पर पैदल चलना भी दूभर है। इनको सूचीबद्ध करते हुए बजट आवंटित कर जनहित में सड़क का निर्माण कराने का कष्ट करें :-

1-दलन छपरा से रामपुर कोडरहा होकर मुजही बिहार वार्डर तक नव निर्माण कराया जाय।

2-वशिष्ठ नगर प्लाट से श्रीनगर सैनिक टोला होकर मुनि बाबा स्थान तक नव निर्माण कार्य कराया जाय।

3-वशिष्ठ नगर प्लाट (झरकटहा) से बघमरिया भाखर होकर कोल नाला चट्टी तक मार्ग का पुनर्निर्माण कराया जाय।

4-मुनी छपरा ढाला से अचलगढ़ होकर नवका गांव तक मार्ग का निर्माण कार्य कराया जाय।

5-सुघर छपरा से नवका गांव होकर अचलगढ़ मार्ग का निर्माण कराया जाय।

6-छपरा सारिव रेंवती दतहा मार्ग से लमुही होकर जमधरवा टी0एस0 बन्धा तक मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य कराया जाय।

7-छपरा सारिव नूरपुर दतहा मार्ग से दतहा होकर टी0एस0 बन्धा तक मार्ग निर्माण कार्य कराया जाय।

8-भैसहां के मौजा उमती होकर लगटु बाबा समाधि स्थल मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

9-रेवती दतहा मार्ग से भैसहां भिसियां मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

10-रामगढ़ बलिहार मार्ग से रामपुर दिघार मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

11-एन0एच0-31 गंगापुर से दिघार सब-स्टेशन मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

12-एन0एच0-31 पाण्डेयपुर जगदेवा ढाला से रिंग बांध तक मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय।

13-रेंवती बैरिया मार्ग से चौबे छपरा छेड़ीडीह होकर पियरौटा तक मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय।

14-बी0एस0टी0 बन्धा कृष्ना नगर से लक्ष्मन छपरा मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

15-सोनबरसा एन0एच0-31 से इब्राहिमाबाद आई0टी0आई0 स्कूल तक मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

16-सोनवानी समरथपाह दुधैला मार्ग का पुनर्निर्माण कराया जाय।

17-शोभा छपरा संसार टोला (जय प्रकाश नगर) मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय।

18-एन0एच0-31 दुबे छपरा से उदई छपरा मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य कराया जाय।

19-रेवती बैरिया मार्ग से टेगरही डेरा नगर पंचायत बैरिया तक मार्ग का निर्माण कार्य कराया जाय।

20-एन0एच0-31 गजहवा बाबा के स्थान से प्रसाद छपरा मार्ग का निर्माण कराया जाय।

21-एन0एच0-31 दयाछपरा ढाला से बुधनचक मार्ग निर्माण का कराया जाय।

22-एन0एच0-31 दयाछपरा से चिन्तामणि राय के टोला जगदेवा पाण्डेयपुर मार्ग का निर्माण कराया जाय।

23-एन0एच0-31 पाण्डेयपुर ढाला से रिंग बन्धा तक।

24-मुरली छपरा दलकी नं0-1 लालगंज मार्ग की मरम्मत का कार्य कराया जाय।

25-दलकी नं0-1 से लच्छुटोला मार्ग का पुनर्निर्माण।

26-दलन छपरा से सोनकी भाट मार्ग का पुनर्निर्माण।

27-करन छपरा एन0एच0-31 से सुकरौली मार्ग का निर्माण।

28-एन0एच0-31 ठेकहां से बकुल्हा रेलवे स्टेशन होते हुए टोला फतेराय मार्ग नव निर्माण कार्य।

29-एन0एच0-31 शिवन टोला से इब्राहिमाबाद उपरवार मार्ग नव निर्माण कार्य।

30-एन0एच0-31 योगीन्द्र गिरी के मठिया से सेवकराय के टोला होकर धतुरी टोला मार्ग।

31-भगवानपुर से रामनगर सम्पर्क मार्ग का पुनर्निर्माण।

32-रेवती बैरिया मार्ग मुनछपरा ढाला से अचलगढ़ होकर नवका गांव मार्ग का निर्माण।

33-एन0एच0-31 रामगढ़ से गंगापुर नई बस्ती होकर नवका गांव मार्ग तक का पुनर्निर्माण।

34-रामगढ़ बलिहार से रामपुर दिघार मार्ग का लेपन कार्य।

35-एन0एच0-31 हूकूम छपरा से दिघार मार्ग का निर्माण।

36-एन0एच0-हल्दी पेट्रोल पम्प से भरखोखा होकर सोनवानी मार्ग तक का निर्माण।

37-रेवती दतहां मार्ग से नूरपुर रेखहां सम्पर्क मार्ग का निर्माण।

38-टी0एस0 बन्धा वशिष्ठ नगर प्लाट से बघमरिया होकर भाखर कोलनाला का निर्माण कार्य।

39-श्रीनगर बीएसटी बन्धा से दल छपरा मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य।

40-श्रीनगर अस्पताल से दलित बस्ती मार्ग तक का निर्माण।

41-दल छपरा रेलवे लाइन फाटक से दल छपरा रेलवे स्टेशन मार्ग का निर्माण कार्य।

42-करमानपुर से नरायनगढ़ होकर दुर्जनपुर पुरानी रेलवे लाइन तक मार्ग का निर्माण।

43-सुरेमन पुर रेलवे स्टेशन से उपाध्यायपुर होकर चाई छपरा मार्ग का निर्माण।

44-मानगढ़ पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग से वशिष्ठ नगर होकर गोपालनगर पंचायत भवन तक मार्ग का निर्माण।

45-पी0एम0जी0एस0वाई0 मार्ग मानगढ़ से गोपालनगर विन्द टोला होकर पंचायत भवन तक मार्ग का निर्माण कार्य।

46-रेवती बैरिया मार्ग से तिवारी के मिल्की होकर जगन के डेरा तक मार्ग का निर्माण कार्य।

47-नगर पंचायत बैरिया से भोजापुर लक्ष्मीपुर होकर सावन छपरा मार्ग का निर्माण।

48-हल्दी सहतवार मार्ग से बिगही गांव होकर बांसडीह मार्ग तक का विशेष मरम्मत।

49-सोनवानी बाजार से सोनवानी अस्पताल होकर समरथपाह मार्ग तक का विशेष मरम्मत।

50-एन0एच0-31 ठेकहा चांददियर से बकुलहा रेलवे स्टेशन होकर टोला फतेराय तक मार्ग का नव निर्माण कार्य कराया जाय।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए सरकार से उपरोक्त मार्गों के निर्माण कार्य कराये जाने की माँग करता हूँ।

नत्थी (ज)

श्रीमती पूनम संखवार-

माननीय अध्यक्ष महोदय आपने बजट के समर्थन में बोलने का मौका दिया, मैं उसका बहुत धन्यवाद करती हूँ। मैं पूर्णतया बजट का समर्थन करती हूँ।

हमारी नीतियां विशेष रूप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित हैं। मैं इस क्रम में संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत करना चाहूँगी।

किसान-

1-डार्क जोन में निजी नलकूप कनेक्शन देने पर लगे प्रतिबन्ध को हटा लिया गया है, जिससे लगभग 1 लाख किसानों को सीधा फायदा हुआ है।

2-वर्ष 2023-24 में माह अक्टूबर, 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया।

3-प्रधानमन्त्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत दिसम्बर, 2023 तक लगभग 63,000 करोड रुपये की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से 2 करोड़ 62 लाख किसानों के खातों में हस्तान्तरित की गयी !

4-प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना के अन्तर्गत प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पुरुष एवं महिला दोनों के लिए 3000 रुपये की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।

हमारे महापुरुष कवि भारत भारती जी ने इस धरती माँ के विषय में कहा था-

हरे भरे हैं खेत सुहाने, फल-फूलों से युत वा उपवन, तेरे अन्दर भरा हुआ है, खनिजों का कितना ब्यापक धन।

मुक्त-हस्त तू बांट रही है, सुख-सम्पत्ति, धन-धाम मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम।।

महिला एवं बाल विकास-

1-निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन की धनराशि 500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह कर दी गयी है।

2-मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत पात्र बालिकाओं को 6 विभिन्न श्रेणियों में कुल 15000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है, वित्तीय वर्ष 2019-2020 से 2023-2024 तक 17.02 लाख लाभार्थियों को इस योजना से लाभान्वित किया जा चुका है।

3-उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अन्तर्गत जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को कोष के अन्तर्गत 1 लाख रुपये से 10 लाख रुपये की आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान किये जाने की व्यवस्था है।

''नारी गौरव है, सम्मान है, आदि शक्ति का दूजा नाम है।
नारी के ही द्वारा रचा ये विधान है, नारी शक्ति तुझे शत-शत प्रणाम है।''

युवा-

1-प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 53,800 युवक मंगल दल एवं 51,300 महिला मंगल दलों का गठन किया जा चुका है। इन दलों के माध्यम से युवाओं की सहभागिता राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के कार्यों में सुनिश्चित कराई गई है।

एजुकेटिंग ए ब्याय इज एजुकेटिंग ए परसन एजुकेटिंग ए गर्ल इज एजुकेटिंग ए नेशन Educating a boy is educating A Person Educating a girl is educating a Nation

सामाजिक सुरक्षा-

1-प्रदेश के लगभग 55 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जा रही है।

2-सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी हेतु मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत एक जोड़े के विवाह पर 51,000 रुपये अनुदान की व्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2022-23 मे 1,00,874 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराते हुये 510 करोड़ का व्यय किया गया है।

श्रमिक कल्याण-

1-भारत सरकार द्वारा निर्मित ई-श्रम पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है, जो देश में सर्वाधिक है।

2-निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी सहायता योजना के अन्तर्गत गम्भीर बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कराने प इलाज के व्यय की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति करायी जा रही है।

चिकित्सा क्षेत्र-

1-प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

2-आयुष्मान भारत-प्रधानमन्त्री जन-आरोग्य योजनान्तर्गत 4 करोड़ 86 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड वितरित किये गये, जिसमें प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा है।

3-असाध्य रोगों की मुफ्त चिकित्सा सुविधा हेतु 125 करोड रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। जो प्रशंसनीय है।

स्वास्थ्य है जीवन में सबसे अमूल्य धरोहर।
ध्यान रखना जरूरी, जिन्दगी ना बन जाये मजबूरी।।
रखिये हमेशा इसका ध्यान, परिवार का होगा कल्याण।
कोई भी हो कितना विद्वान, इसके बिना ना हो सके महान।।

ग्राम्य विकास-

1-प्रधानमन्त्री आवास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 2441 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्य मंत्री आवास योजनान्तर्गत 1140 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास-

1-बुन्देलखण्ड क्षेत्र में एक नये औद्योगिक विकास प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा के अनुरूप बुन्देलखण्ड में औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्र विकसित करने की है।

2-गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना हेतु 2057 करोड़ 76 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

3-आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने हेतु नये लिंक एक्सप्रेस-वे निर्माण हेतु 500 करोड रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अन्य-

1-महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके सशक्तीकरण हेतु 1,699 एण्टी रोमियो स्क्वायड का गठन कर अनवरत् अभियान चलाया जा रहा है।

2-होमगार्ड स्वयं सेवकों की मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को 05 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती है। दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत होमगार्ड्स को 30 लाख रुपये की बीमा सुविधा प्रदान की गयी है।

3-प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना हेतु वित्तीय वर्ष 24-25 में 322 करोड़ रुपये की बजट ब्यवस्था प्रस्तावित है

मान्यवर, वर्ष 2007 से 2017 तक की 10 वर्ष की अवधि में मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से 60,970 व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता के रूप में 638 करोड़ 26 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई। मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के अब तक के कार्यकाल वर्ष 2017 से अद्यावधिक, अर्थात् 07 वर्ष से भी कम अवधि में 1,61,962 व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता हेतु 2,765 करोड़ रुपये दिये जा चुके हैं, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है और बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्डों का वितरण किया गया है, वह अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय मिसाल के रूप में हमारे समक्ष है।

माननीय मुख्य मंत्री जी, आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने आस-पास के सभी लोगों के जीवन को आसान और बेहतर बनाते हैं। आपकी विचारशीलता और दयालुता के निरन्तर कार्य

हर दिन उज्ज्वल होते हैं। आपने प्रदेश के लिए जो किया वह मेरी याददाश्त में चमक जाएगा, जब भी मैं इसके बारे में सोचूंगी तो सुखद भावनाएँ पुनर्जीवित हो जाएंगी। मैं आपकी सराहना करती हूँ और आपको धन्यवाद देती हूँ।

नत्थी (झ)

श्रीमती ओममणी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष महोदय, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये का जन कल्याणकारी बजट मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किया गया है, इस बजट में 24 हजार 836 करोड़ 57 लाख रुपये की नई योजना सम्मिलित की गयी है। यह बजट किसानों, युवाओं, व्यापारियों, गरीबों, दलितों, पिछड़ों एवं आम-जनमानस के हितों को दृष्टिगत रखते हुये बनाया गया है। यह बजट प्रदेश के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। मैं बुन्देखण्ड क्षेत्र से आती हूँ। हमारी सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण का गठन करके बुन्देलखण्ड को नोएडा की तर्ज पर विकसित करने हेतु इस बजट में प्राविधान किया गया है, जिसका मैं स्वागत करती हूँ। यह बजट रामराज्य की परिकल्पना के आधार पर तैयार किया गया है और अयोध्या धाम में भगवान राम के भव्य व दिव्य मन्दिर बनने व प्राण प्रतिष्ठा होने से तुलसीदास की यह चौपाई बार-बार याद आ रही है।

राम राज बैठे त्रैलोका।
हर्षित भए गए सब सोका।।

मा0 अध्यक्ष महोदय, बजट पेश होने के बाद मा0 नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रेस वार्ता में कहा गया था कि इस बजट में पी0डी0ए0 के लिए कुछ नही हैं। मैं उनको बताना चाहती हूँ कि इस बजट में पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए 2475 करोड़, पिछड़े वर्ग की बेटियों की शादी के लिए 200 करोड़, पिछड़े वर्ग के युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 35 करोड़, अनु0 जाति व सामान्य वर्ग के बच्चों को छात्रवृत्ति हेतु 1862 करोड़, मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति तथा सामान्य वर्ग निर्धन परिवार की पुत्रियों की शादी हेतु 600 करोड़ रुपये तथा अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों की छात्रवृत्ति हेतु 220 करोड़ की व्यवस्था करने के साथ अल्पसंख्यक परिवार के बच्चों को अच्छी व उच्च शिक्षा की व्यवस्था हेतु इस बजट में व्यवस्था की गयी थी। सपा अल्पसंख्यकों को भाजपा का डर दिखा कर वोट बैंक के रूप में प्रयोग कर रही है। उन्हें उनके विकास से कोई लेना-देना नहीं है। हमारी सरकार ने किसानों को सम्मान निधि, गरीबों को प्रधानमंत्री आवास, महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन व स्वयं सहायता समूह गठित करके उनको आर्थिक मदद देकर उनके जीवन स्तर को सुधारने का काम किया है। क्या इसमें पी0डी0ए0 नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के लिए किसानों, गरीबों, युवाओं, व्यापारियों व महिलाओं का विकास ही सही मायने में पी0डी0ए0 का विकास है, क्योंकि इनमें सभी जातियां समाहित हैं। वहीं समाजवादी पार्टी का पी0डी0ए0 ''पर्सनल, डेवलपमेन्ट एसोसिएशन है'' अनुसूचित जाति का सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी दल ने किया है, वह समाजवादी पार्टी ने किया है। इनके द्वारा एक दलित महिला को बल पूर्वक

मुख्य मंत्री बनने से रोका गया तथा जब लोक सभा में काग्रेस सरकार में अनु0 जाति के कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए प्रमोशन में आरक्षण का बिल लाया गया तो उसको फाड़ने का काम सपा के लोगों ने किया। तब इन्हें पी0डी0ए0 का ध्यान नही आया। पिछडों, दलितों व अल्पसंख्यकों की असली हितैषी यदि कोई पार्टी है तो वह भारतीय जनता पार्टी है, क्योंकि दलित की बेटी को मुख्य मंत्री, आदिवासी महिला को राष्ट्रपति, पिछड़ी जाति के व्यक्ति को प्रधानमंत्री तथा अल्पसंख्यक अब्दुल कलाम साहब को राष्ट्रपति बनाने का काम भाजपा ने किया है। समाजवादी पार्टी एक परिवार के विकास को ही पिछड़ों का विकास मानती है। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास एवं अन्त्योदय से सर्वोदय तक के मंत्र को लेकर चल रही है, समाजवादी पार्टी के एक माननीय सदस्य द्वारा पिछले सत्र में दलितों व पिछड़ों को पंगु कहा गया था, तो मैं बताना चाहती हूँ कि इन्हीं दलित पिछड़ों ने वर्ष 2014 से अभी तक सपा को पंगु करके विपक्ष में बैठने को मजबूर कर दिया है और 2024 व 2027 में दलित व पिछड़े जो आपको पंगु दिखते हैं, वही लोग समाजवादी पार्टी को वेन्टीलेटर पर लिटा देंगे।

सियासत के फैसले विरासत से तय नहीं होंगे।

ये उड़ान तय करेगी की आसमा किसका है।

मा0 अध्यक्ष जी मा0 योगी आदित्यनाथ जी एवं प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करने व जननायक कर्पूरी ठाकुर जी एवं मा0 लालकृष्ण आडवानी जी को भारत रत्न देने के लिए इस सदन के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ।

मेरे विधान सभा क्षेत्र नरैनी में जनहित में निम्नलिखित कार्य कराये जाने हेतु आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करती हूँ।

झाँसी-मानिकपुर रेलवे मार्ग में कस्बा अतर्रा रेलवे स्टेशन पर राज्य मार्ग सं0-71 करतल-फतेहपुर मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण।

सिद्धपीठ श्री हनुमान जी मन्दिर गुढ़ाकला तक जाने वाले सम्पर्क मार्ग का मरम्तीकरण।

अजेय दुर्ग कालिंजर व गौराबाबा धाम अतर्रा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने।

सिंहपुर में विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण।

नगर पंचातय ओरन में प्राथमिक स्वाथ्य केन्द्र का निर्माण।

बागे नदी के तेरा पथरा घाट व रंज नदी में कुइयाकगर-शाहपाटन घाट पर पुल का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।

महोदय उ0प्र0 के ग्रामीण क्षेत्रों में शादी-विवाह हेतु विद्यालय व शासकीय भवन न मिलने से गाँव के लोगों को परेशानी होती है, इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करती हूँ कि उ0प्र0 के सभी गाँवों मे एक-एक बारात घर बनवाये जाने हेतु इस बजट में प्राविधान किया जाय।

अन्त में मैं अपने विधान सभा क्षेत्र नरैनी की सम्मानित जनता की ओर से इस ऐतिहासिक एवं जन कल्याणकारी बजट प्रस्तुत करने के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी एवं मा0 वित्त मंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देती हूँ और इस बजट का समर्थन करती हूँ।

धन्यवाद।

नत्थी (ञ)

श्रीमती गुड़िया कठेरिया-

मान्यवर, मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका आभार व्यक्त करती हूँ-

1-मा0 प्रधानमंत्री जी ने किसान के दुख-दर्द को समझते हुए किसान सम्मान निधि देने का काम किया है, जो कि आज तक की सरकारें नहीं कर सकी हैं।

2-उत्तर प्रदेश के हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने जो महिलाओं को सम्मान दिया और आज भयमुक्त उत्तर प्रदेश बनाया, इसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देती हूँ।

3-गरीब परिवार में बेटी जन्म लेती थी तो बड़ा दुःख होता था। आज उसी परिवार के दुःख देखते हुए मा0 मुख्य मंत्री जी ने सामूहिक विवाह योजना के तहत् बेटियों के हाथ पीले करने का काम किया है।

4-मा0 प्रधानमंत्री जी ने विश्वकर्मा योजना के तहत् 16 जातियों को रोजगार दिलाने का काम किया है।

माँग

1-हमारी विधान सभा क्षेत्र औरैया में अनाज की बड़ी मण्डी है। किसानों का आवागमन अधिक होता है, परन्तु ओवरब्रिज न होने के कारण आये दिन काफी दुर्घटनाएँ होती हैं। मान्यवर, आपसे आग्रह है कि जल्द से जल्द ओवरब्रिज बनवाने की कृपा करें।

2-मान्यवर, हमारी विधान सभा क्षेत्र औरैया में सीवर लाइन न होने की वजह से हमारी जनता को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। मैं नगर विकास मंत्री जी से आग्रह करती हूँ कि इसके लिए जल्द से जल्द बजट देने की कृपा करें।

नत्थी (ट)

श्रीमती मनीषा अनुरागी-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद करती हूँ।

महोदय, राम मन्दिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। पूरा देश राममय है। केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही ''तीर्थ कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान'' का लाभ उत्तर प्रदेश को मिल रहा है। मैं एसबीआई की रिपोर्ट पढ़ रही थी जिसमें बताया गया कि 2028 तक भारत 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था हो जाएगी जिसमें अयोध्या दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। आस्था का केन्द्र राम मंदिर अब अर्थव्यवस्था का केन्द्र बनकर राम राज्य की संकल्पना को साकार कर रहा है।

सरकार के बजट का आकार 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये है। यह पिछले बजट से कहीं अधिक है। शोषितों, वंचितों एवं महिलाओं को समर्पित यह बजट समावेशी व सर्वस्पर्शी है।

मान्यवर, बजट पेश करते समय वित्त मंत्री माननीय सुरेश खन्ना जी ने बुन्देलखण्ड को बिजनेस हब बनाने का प्लान बताते हुए कहा कि बुन्देलखण्ड में नए ''बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण'' (बीडा) का गठन किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा की तरह बुन्देलखण्ड को भी विकसित किया जाएगा। यहां आवासीय टाउनशिप विकसित किए जाने की योजना है। यकीन मानिए उस समय मेरा रोम-रोम उत्साह से भर गया और मुझे विश्वास है कि यही भाव समस्त बुन्देलखण्ड वासियों के मन में भी आया होगा।

बुन्देलखण्ड को अछूत मानकर छोड़ देने वाली पिछली सरकारों के बाद आज बुन्देलखण्ड में 40 वर्ष बाद कोई प्राधिकरण गठित हो रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे विकसित भारत का सपना विकसित बुन्देलखण्ड के रास्ते ही पूरा होने वाला है। इसके लिये मैं बुन्देलखण्ड वासियों की तरफ़ से माननीय मुख्य मंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी का विशेष आभार प्रकट करती हूँ।

बुन्देलखण्ड को अछूत समझने वाली पूर्व की सरकारों से कहना चाहती हूँ कि यह मोदी और योगी की गारंटी का दौर चल रहा है। अब वह दौर गया जब बुन्देलखण्ड का गाँव-ग़रीब-किसान आपका सितम भी सहता था और दुआ भी देता था।

''सितम भी सहना दुआ भी देना
गया बेबसी का वो जमाना
अगर हो जुर्रत गिराओ बिजली
बना रहे हैं हम आशियाना''

अध्यक्ष महोदय, यह पहला मौक़ा नहीं जब हमारी सरकार ने बुन्देलखण्ड को प्राथमिकता दी है। इससे पहले भी 2019 में बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड की स्थापना करने का विषय रहा हो चाहे इस बजट में बुन्देलखण्ड विकास निधि के लिए 425 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने की

बात हो अथवा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे बनाकर बुन्देलखण्ड को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की बात रही हो बुन्देलखण्ड के प्रचण्ड समर्थन से बनी यह सरकार बुन्देलखण्ड वासियों के प्रति सदैव दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ प्रतिबद्ध रही है।

विकसित बुन्देलखण्ड एवं विकसित भारत के प्रयास के हिस्से के रूप में मैं अपने को सौभाग्यशाली समझती हूँ। रामराज्य में यह सिर्फ़ राम की कृपा से सम्भव हो पा रहा है।

''प्रभु की कृपा भयउ सब काजू
जन्म हमार सुफल भा आजू''

अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हूँ कि आज उत्तर प्रदेश मिशन शक्ति के उच्च मानदण्ड का प्रदेश है। बेटियों की सुरक्षा की गारंटी वाला प्रदेश है। आज महिलाओं के पास स्वतंत्र हवा में सांस लेने की मोदी की गारंटी है। निराश्रित महिला पेंशन योजना आसरा दे रहा है। मुख्य मंत्री कन्या सुमंगल योजना मंगल ही मंगल कर रही है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना से गाँव में कृषि क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ी है। रानी लक्ष्मी बाई बाल सम्मान कोष से आज पीड़ित बच्चियों का पोषण हो रहा है।

मान्यवर, महिलाओं की सेफ़्टी के लिए ''सेफ सिटी परियोजना'' बसों व टैक्सियों में 'पैनिक बटन' का प्रावधान करना, पी0ए0सी में महिला बटालियन की स्थापना करना महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1669 ''एंटी रोमियो स्क्वायड'' की स्थापना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। निर्भया योजना के अन्तर्गत महिलाओं के लिए ''पिंक बस सेवा'' का शुभारम्भ और रक्षाबन्धन पर निःशुल्क बस सेवा महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शक्ति स्वरूप में महिलाओं का सम्मान करने वाली सरकार आज समृद्धि की सीढ़ी चढ़ रही है। पूरा देश सत्य सनातन के दिखाए सन्मार्ग पर है। महिलाओं को संवैधानिक आरक्षण देकर देश में मातृशक्ति पूजन कर रही सरकार को देखकर मन यह कह उठता है कि....

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता''

महिला सशक्तीकरण अब तक हमारे लिए सपना था लेकिन मोदी की गारंटी ने हमारे जीवन में उम्मीद का दिया जला दिया है। कितने दिन से देश की महिलायें आरक्षण ने लिये संघर्ष कर रही थी लेकिन दशकों के इन्तजार के बाद मोदी जी की सरकार ने हमारा आरक्षण देकर हमारे राजनैतिक विकास का रास्ता खोल दिया है।

धन्यवाद।

नत्थी (ठ)

श्रीमती मीनाक्षी सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज आपने मुझे इस सदन में बजट पर चर्चा करने का जो अवसर दिया है, उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूँ। बजट के समर्थन में अपनी बात रखने से पहले सर्वप्रथम मैं सभी देशवासियों और प्रदेशवासियों को अयोध्या में बने भव्य राम मन्दिर के लिए और श्रीराम लला जी की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बहुत-बहुत बधाई देती हूँ अपने रामलला को भव्य मन्दिर में विराजमान करने के लिए हम सभी ने 500 वर्षों से भी अधिक लम्बे समय तक इंतजार किया है और यह हमारे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि हमने अपने जीवन काल में न सिर्फ भव्य राम मन्दिर को बनते हुए देखा है बल्कि अपने प्रभु श्री रामलला को उसमें विराजमान होते हुए भी देखा है। इस अवसर पर मैं राम मन्दिर निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय बाबू जी कल्याण सिंह को और इस आन्दोलन से जुड़े हुए सभी अमर बलिदानियों को भी नमन करती हूँ जिन्होंने इस क्षण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया और साथ ही साथ मैं अपने यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी और अपने तेजस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का भी बारम्बार अभिनन्दन करती हूँ क्योंकि इनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि हमें भव्य और दिव्य राम मन्दिर के रूप में एक अनमोल उपहार मिला है।

इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि यह प्रभु श्री राम के आशीर्वाद का ही परिणाम है कि हमारे माननीय वित्त मंत्री आदरणीय श्री सुरेश खन्ना जी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ रुपये से भी अधिक का अब तक का सबसे बड़ा बजट विधान सभा में प्रस्तुत किया है। यह बजट एक सर्व-समावेशी, लोक कल्याणकारी और विकास के लिए समर्पित बजट है। इस बजट के माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी ने जहाँ एक ओर नगरीय विकास, ग्रामीण विकास, औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन, पर्यटन एवं संस्कृति के विकास का पूरा ध्यान रखा है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत संरचना के विकास को भी बजट में पर्याप्त स्थान दिया गया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हम लोग वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को मानने वाले लोग हैं और सम्पूर्ण विश्व को अपना परिवार मानते हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार भी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ, समाज के सभी वर्गों की उन्नति के लिए हमेशा कार्य करती है और इसी मूलमंत्र को ध्यान में रखते हुए माननीय वित्त मंत्री जी ने इस बजट के माध्यम से समाज के सभी वर्गों जैसे गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और दुर्बल वर्ग के लोगों का विशेष ध्यान रखा है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नये-नये आयाम स्थापित कर रहा है और

आज उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का केन्द्र बन गया है। यह माननीय योगी जी की जीरो टॉलरेंस नीति का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश में न सिर्फ अपराध मुक्त और भय मुक्त वातावरण स्थापित हुआ है बल्कि आज हमारा प्रदेश देश और विदेश के निवेशकों के लिए पहली पसन्द बन चुका है। यदि योगी सरकार के पिछले 07 वर्षों के कार्यकाल की बात करें तो हम देखेंगे कि योगी सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में नये-नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं जिन्हें न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी सराहा गया है। इसके लिए मैं महाराज जी का वन्दन करती हूँ, अभिनन्दन करती हूँ और उनके लिए दो पंक्तियाँ कहना चाहूँगी-

जिन्दगी की असली उड़ान बाकी है
जिन्दगी के कई इम्तिहान बाकी हैं
अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन हमने
अभी तो सारा आसमान बाकी है

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्ग-दर्शन में और तपस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में वित्त मंत्री आदरणीय श्री सुरेश खन्ना जी द्वारा अपने बजट के माध्यम से उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए भरपूर प्रयास किया गया है। चाहे वह इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात हो या उद्योगों के विकास की बात हो, चाहे वह प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाये जाने की बात हो या आयुष्मान योजना के माध्यम से गरीबों के मुफ्त ईलाज की बात हो चाहे वह किसान सम्मान निधि दिये जाने की बात हो या महिलाओं के सशक्तिकरण की बात हो, चाहे वह कमजोर वर्ग के लोगों को पेंशन और सहायता राशि देने की बात हो या युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण देने की बात हो चाहे वह गरीबों को आवास देने की बात हो या हर घर शौचालय देने की बात हो चाहे वह उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं के आंसू मिटाने की बात हो या हर घर जल और बिजली पहुँचाने की बात हो, हर क्षेत्र के विकास के लिए माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा अपने बजट में विशेष ध्यान रखा गया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, चूंकि सदन में आज मुझे बोलने का मौका मिला है तो मैं आपके माध्यम से अपनी विधान सभा क्षेत्र के लिए भी कुछ माँगे भी रखना चाहती हूँ।

(1) मेरी विधान सभा क्षेत्र खुर्जा में जाम की समस्या के समाधान के लिए एन0एच0-91 से खुर्जा जेवर रोड तक 04 किलोमीटर लम्बा एक मिनी बाई-पास बनवाये जाने की अत्यन्त आवश्यकता है।

(2) मेरी दूसरी माँग यह है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र खुर्जा में एक राजकीय कन्या इन्टर कॉलेज बनवाया जाय।

(3) मेरी तीसरी माँग यह है कि मेरी विधान सभा खुर्जा में स्थित खुर्जा-शिकारपुर मार्ग अत्यन्त जर्जर स्थिति में है जिसका पुनः निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, अन्त में मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री आदरणीय श्री सुरेश खन्ना जी का पुनः एक बार धन्यवाद देना चाहूँगी क्योंकि उन्होंने अपने बजट के माध्यम से उत्तर प्रदेश की जनता को एक सर्वस्पर्शी और लोक कल्याणकारी बजट देने का काम किया है। यह बजट न सिर्फ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि उत्तर प्रदेश की इकॉनोमी को-01 ट्रिलियन डालर की इकॉनोमी बनाने की दिशा में भी यह बजट एक मील का पत्थर साबित होगा।

इसलिए यहाँ मैं माननीय वित्त मंत्री जी के लिए दो पंक्तियाँ कह कर अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी-

कहता है परिंदा कि अभी और उड़ान बाकी है,
जमीं नहीं है मंजिल मेरी, अभी पूरा आसमां बाकी है,
लहरों की खामोशी को समंदर की बेबसी मत समझ,
लहरों की खामोशी को समंदर की बेबसी मत समझ,
जितनी गहराई अन्दर है, बाहर उतना ही तूफान बाकी है।।

बहुत-बहुत धन्यवाद भारत माता की जय

जय जय श्री राम

नत्थी (ड)

डॉ0 रवेन्द्रपाल सिंह-

मा0 अध्यक्ष महोदय-

आदरणीय योगी जी महाराज जी की जय हो।

धन्यवाद, माननीय अधिष्ठाता जी, मुझे योगी जी सरकार के 8 वें बजट पर बोलने का मौका दिया।

बाबूजी कल्याण सिंह जी अमर रहें।

श्री राम आये हैं, विकास लाये हैं, युवाओं का बढ़ेगा मान-सम्मान

अयोध्या जी में गोलियों की गूंज को मिटाकर खुशियों के दीप जलाये हैं।

आदरणीय योगी जी ने भारतीय जनता पार्टी के संकल्प-पत्र के वादों से लेकर आमजन के हितों को ध्यान में रखकर मजदूर से लेकर उद्योगों तक, किसान से लेकर नौजवान तक के हितों को ध्यान में रखकर वित्तीय वर्ष 2024-25 का 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ का अतुलनीय बजट पेश किया है सबसे बड़ी बात है विपक्ष के हितों का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

परम आदरणीय, मोदी जी के नेतृत्व में माननीय योगी जी, आदरणीय खन्ना जी, का सदैव आभारी रहूँगा कि विकास कार्यों एवं सर्वजनों के हितों के लिए किसानों को केन्द्र बिन्दु में रखकर महिलाओं, गरीबों, युवाओं व वृद्धजनों को समर्पित कार्यों को सम्मानित सदन के माध्यम से आमजन तक गौरवशाली संदेश दिया है।

मुख्य बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ-

- ❖ महिलाओं, बहन-बेटियों के उज्ज्वल भविष्य पर भी विशेष ध्यान दिया है,
- ❖ मेरा सौभाग्य है, आदरणीय योगी जी सरकार का सिपाही हूँ इस सम्मानित सदन का दूसरी बार सदस्य हूँ।
- ❖ जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, कभी इधर तो कभी उधर बैठना पड़े, लेकिन मैं बहुत सौभाग्यशाली हूँ कि मैं इधर बैठा हूँ।
- ❖ कहीं बैठो लेकिन राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए।
- ❖ आज पक्ष-विपक्ष न बनकर निजी हितों को छोड़कर हमें सरकार द्वारा पेश किये बजट का स्वागत कराना चाहिए।
- ❖ आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में ऐतिहासिक मुकाम हासिल किये हैं।
- ❖ यूपी के विकास को नया आयाम दिया है।
- ❖ महिलाओं को विपक्ष के गुण्डा-माफियाओं से सुरक्षा का माहौल दिया है।

- ❖ सरकार ने भू-माफियाओं, गुण्डों को जेल के अन्दर या प्रदेश से बाहर जाने हेतु विवश कर दिया है।
- ❖ मोदी-योगी जी की सरकार ने हर गरीब को माह में 2-2 बार निशुःल्क राशन दिया।
- ❖ डबल इंजन की सरकार ने किसानों को सूदखोरों से बचाने के लिए किसानों को 6 हजार रुपये प्रति वर्ष दिया जाना ऐतिहासिक योजना है।
- ❖ आमजन के लिए घर-घर शौचालयों को अभियान के रूप में बनवाना है।
- ❖ स्वास्थ्य के क्षेत्र में पूरे यू0पी0 में युद्ध स्तर पर विदेशी स्तर के सुधार एवं बदलाव किये।
- ❖ पुलिस व्यवस्था को और हाईटेक बनाने के लिए विशेष अभियान के रूप में बदलाव किये हैं।
- ❖ डायल 112 को विश्व स्तर का प्रभावी सेवा बनाया है आमजन हेतु वृहद रूप से प्रचार-प्रसार किया गया है।
- ❖ मेरी विधान सभा क्षेत्र में डबल इंजन की सरकार की कृपा से जनपद का दूसरा मिनी स्टेडियम बनकर तैयार हुआ।
- ❖ राजकीय ऋषि आश्रम पद्धति स्कूल एवं छात्रावास बनकर तैयार हुआ।
- ❖ प्राचीन मन्दिर दाऊजी महाराज का पर्यटक स्थल के रूप में विस्तार हुआ।
- ❖ हवाई पट्टी का राष्ट्रीय हवाई अड्डा के रूप में विस्तार होना ऐतिहासिक रूप में एक गौरवशाली अध्याय जुड़ा है।
- ❖ योगी जी की सरकार ने मेरे विधान सभा क्षेत्र में विश्व बैंक के सहयोग से एक बड़ी सड़क का निर्माण कराया।
- ❖ मेरे क्षेत्र में गंगीरी विकास खण्ड के बच्चे स्कूल जाने के लिए नीम नदी में पानी में होकर या किसी अन्य सहारे से बैठकर पार करके जाते थे किसानों को खेती करने के लिए अत्यन्त दुविधाओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन योगी जी की सरकार ने पुलों का निर्माण कराकर जनहित-लोकहित में जनकल्याण किया।
- ❖ आदरणीय योगी जी सरकार ने आमजन एवं किसान भाइयों की समस्या के दृष्टिगत समस्त गौ-वशों को संचालित गौ-आश्रय स्थलों में अभियान चलाकर संरक्षित कराया गया है, इसी के साथ गौ-वशों का दैनिक चारे की दर रु0 30 से बढ़ाकर 50 करने एवं गौ-सेवकों का मानदेय बढ़ाना अभूतपूर्व कदम है।

मैं आदरणीय अध्यक्ष/अधिष्ठाता जी निवेदन करता हूँ कृपया बजट में लोक महत्व के निम्न संशोधन जोड़ने की कृपा करें :-

1-सात वर्षों से जर्जर मेरी विधान सभा क्षेत्र के अधिक लोक महत्व वाले मार्ग गोपी से तेहरा वाया भिलवाली को लोक निर्माण विभाग से बनवाने की कृपा करें।

2-राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर मेरे विधान सभा क्षेत्र में कुशलता पूर्वक संचालित जसरथपुर ट्रामा सेंटर में आवश्यकतानुसार और डाक्टरों की तैनाती व एक्स-रे मशीन, सी0टी0 स्कैन मशीन, पैथालॉजी लैब की सुविधा बढ़वाने की कृपा करें।

3-मेरे विधान सभा क्षेत्र के अधिक व्यस्ततम मार्ग ननऊ से सासनी तक का चौड़ीकरण कराने की कृपा करें।

4-मेरे क्षेत्र की शेष विद्युत कनेक्टिविटी जनपद हाथरस की सप्लाई से हटाकर जनपद अलीगढ़ करवाने की कृपा करें।

5-मेरे विधान सभा क्षेत्र की 2 प्रमुख नगर पंचायतों कोड़ियागंज एवं पिलखना का सीमा विस्तार कराने हेतु प्रभावी कार्यवाही कराने की कृपा करें।

6-मेरे क्षेत्र के कस्बा अकराबाद व गंगीरी को नई नगर पंचायत बनवाने की कृपा करें।

7-मेरे विधान सभा क्षेत्र में जनपद के नम्बर-2 के मल्टीपरपज हॉल का नाम राजा अवागढ़ बलवंत सिंह जी के नाम पर रखने की कृपा करें जिससे युवाओं को प्रेरणा मिले।

8-नीम नदी व कोड़ियागंज काली नदी पर पुल का निर्माण कराने की कृपा करें।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, धन्यवाद प्रकट करता हूँ एवं बजट का समर्थन करता हूँ।

जय श्रीराम, भारत माता की जय

नत्थी (ढ)

डॉ0 जयवीर सिंह-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट 2024-25 के समर्थन में बोलने का अवसर प्रदान किया मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ।

महोदय, यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी व वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी के नेतृत्व में प्रदेश का ये बजट गरीब मजदूर, किसान, उजड़े, पिछड़े, मजलूमों के लिए समर्पित बजट है। यह बजट पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के ''अन्त्योदय'' के सपनों का बजट है, यह बजट उनको सच्ची श्रद्धांजलि है।

महोदय, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी एवं मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी ने ये सन्देश दिया और संकल्प लिया कि भारत ना झुकेगा, ना रुकेगा न कभी किसी के सामने हाथ फैलाएगा, उन्होंने देश की ज्वलंत चुनौतियों-नक्सलवाद, आतंकवाद, भ्रष्टाचार और अपराध की चुनौतियों को अग्निपथ समझ के पार किया-

मैं दो पंक्तियों के साथ अपनी बात प्रारम्भ करना चाहूँगा कि-

वृक्ष हों भले खड़े,
हों घने हों बड़े,
एक पत्र छांह भी,
माँग मत, माँग मत, माँग मत,
अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।
तू न थकेगा कभी,
तू न रुकेगा कभी,
तू न मुड़ेगा कभी,
कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,
अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।
यह महान दृश्य है,
चल रहा मनुष्य है,
अश्रु श्वेत रक्त से,
लथपथ, लथपथ, लथपथ,
अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।

महोदय, उत्तर प्रदेश की न्याय व्यवस्था/अर्थव्यवस्था 07 वर्षों तथा कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन गतवर्ष में आदरणीय मुख्य मंत्री योगी जी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार में आयी है। सपा सरकार के दौरान जिस प्रदेश की पहचान दंगा प्रदेश, क्राइम प्रदेश, अपहरण प्रदेश के रूप में होती थी आज योगी जी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार में उत्तर प्रदेश की पहचान भ्रष्टाचार मुक्त, भयमुक्त, दंगा मुक्त, विकास युक्त सर्वोत्तम प्रदेश के रूप में होती है। सपा शासन में प्रदेश में चारों ओर जंगल राज था महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे थे, पूरा प्रदेश दंगो की आग में जल रहा था मानो अपराधों की बाढ़ सी पूरे प्रदेश में आई हुई थी-

विधायक राजू पाल की प्रयागराज में हत्या, कृष्णा नन्द राय की बनारस में निर्मम हत्या, सर्वेश सिंह विधायक की आजमगढ़ में हत्या, जवाहर बाग़ काण्ड में मथुरा में तत्कालीन एस0 पी0 सिटी मुकुल द्विवेदी की निर्मम हत्या, क्षेत्राधिकारी जिया उल हक़ की प्रतापगढ़ में हत्या हर दिन कोई न कोई दंगा इस प्रदेश में होता रहता था, लेकिन हमारी सरकार ने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए अपराधियों एवं अपराध के प्रति ''जीरो टॉलरेन्स'' की नीति को अपनाते हुए अपराधियों की कमर तोड़ने का काम किया, विधायक राजू पाल, कृष्णा नन्द राय के हत्यारों को मिट्टी में मिलाने का काम किया बड़े माफियाओं को भी मिट्टी में मिलाने का काम किया।

आज प्रदेश में कानून का राज क़ानून से चलता है। आज अपराधी या तो प्रदेश की सीमा के बाहर या जेल की सलाखों के अन्दर या राम नाम सत्य के यात्रा पर ऊपर है।

मोदी जी और योगी जी ने सिद्ध कर दिया है कि-

ताश के पत्तों से महल नहीं बनता,
नदी को रोकने से समुन्दर नहीं बनता,
संघर्ष करते रहो जीवन में हर पल हर क्षण,
क्योंकि बिना संघर्ष कोई मोदी-योगी नहीं बनता

हमारी सरकार ने प्रदेश में कानून व्यवस्था का जैसा मॉडल स्थापित किया है, उससे प्रेरणा लेकर आज पूरे देश के राज्य उसे अपने यहाँ लागू करने का कार्य कर रहे हैं और देश तथा अन्य देशों में भी इस मॉडल की सराहना की जा रही है।

आज अपराधों की संख्या में भारी गिरवाट आई है डकैती-87% कम, अपहरण-73% कम, लूट-76% कम, हत्या-43% कम, बलवा-65% कम आज किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं की प्रदेश के अन्दर अपराध को अंजाम दे सके क्योंकि प्रदेश में ईंट का जवाब पत्थर से देने वाली सरकार है। अपराधी के अपराध के साथ ही उसके दण्ड का निर्धारण आन दि स्पाट देन एण्ड देयर "ON THE SPOT THEN AND THERE" करने वाली सरकार है।

हमारी सरकार ने सामाजिक नीति के उत्थान के साथ साथ हमारी सांस्कृतिक धरोहर के विकास के लिए कार्य किया है-

उत्तर प्रदेश की ये धरती भगवान राम की धरती है। उत्तर प्रदेश की धरती पर त्रेतायुग में अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अवतार लिया, उत्तर प्रदेश की इस धरती पर मथुरा में द्वापर युग में प्रभु श्रीकृष्ण ने अवतार लिया, ये धरती दुनिया के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री की कर्मस्थली है। ये धरती उ0प्र0 के मा0 मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ की धरती है। आज यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हमारी आस्था के केंद्र मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है, जिनके आदर्शों पर चलकर हमारी सरकार निरंतर समाज के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी एवं यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिनके नेतृत्व में हम सभी इस देश एवं प्रदेश के विकास में अपनी-अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। भारत माता की गुलामी की जंजीरों को तोड़ हमारी माटी के अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राण हँसते-हँसते न्योछावर कर दिए। शहीद उधम सिंह, भगत सिंह, सुख देव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खान, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्रशेखर आजाद आज हमारी सरकार ने उन वीर सपूतों के सपनों के भारत का निर्माण करके उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य किया है, ''एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान'' के प्रेरणास्रोत श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार कर कश्मीर से धारा-370, 35A हटाने का कार्य किया। विरोधी कहते थे धारा-370 हटी तो देश में दंगे होंगे, फसाद होंगे। मैं डंके की चोट पर इस सदन में कहना चाहता हूँ धारा-370 भी हटी और आज कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा लहरा रहा है, किसी माई के लाल की औकात नहीं है कि एक मच्छर भी मार सके कोई।

'हो गयी है' पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए,
हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए,
तेरे सीने में ना सही तो मेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग पर जलनी चाहिए
हंगामा करना मोदी जी योगी जी का मकसद नहीं,
उनका मकसद है कि इस देश की तकदीर और तस्वीर बदलनी चाहिए।

महोदय, ये मोदी जी और योगी जी के मजबूत नेतृत्व का ही परिणाम है की जिन परिवर्तनों की हम कल्पना नहीं कर सकते थे, उनके विश्वास ने उन्हें सिद्ध कर दिखाया-

लहरों को साहिल की दरकार नहीं होती,
हौसला बुलन्द हो तो कोई दीवार नहीं होती,
जलते हुए चिरागों ने आंधियों से कहा,
उजाला देने वालों की कभी हार नहीं होती।

महोदय, वर्ष 2016 में जब कश्मीर के उरी सेक्टर के सैनिक शिविर में हुए आतंकवादी हमले में हमारे देश के वीर जवान शहीद हुए तब मात्र 10 दिन के भीतर पकिस्तान की धरती पर घुसकर मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक करके दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया। कश्मीर के पुलवामा में जब आतंकवादी हमले में देश के 40 वीर जवान शहीद हुए, तो मोदी जी ने कहा था कि देश के जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जायेगी। पाकिस्तान की धरती बालाकोट पर एयर स्ट्राइक करके 40 जवानों के बदले 400 आतंकवादियों को मारने का कार्य हमारी सरकार ने किया। आज भारत की समृद्धि में अन्य देश अपनी समृद्धि देखते हैं आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है आज विश्व पटल पर भारत का विश्वास भारत की पहचान बढ़ी है, आज भारत विश्वगुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा आज भारत विश्व की 5वीं सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनके उभरा है। हाथ बांधे खड़े रहने वाला भारत आज जी-20 जैसे अधिवेशन की अध्यक्षता करता है। ये आज का भारत है जो दुश्मन को उसी की भाषा में जवाब देना जानता है ये आज का भारत है जो देश के विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब देकर उनकी कमर तोड़ना जानता है।

महोदय, मोदी जी और योगी जी की सरकार ने चाहें-केन्द्र की बात करें या प्रदेश की बात करें समाज के अन्तिम पंक्ति/अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाया है तथा हमारी सरकार भयमुक्त तथा अपराध मुक्त प्रदेश का निर्माण कर रामराज्य की संकल्पना को साकार करने में पूरी तरह सफल रही है, श्रीराम लला विग्रह प्राण प्रतिष्ठा की सुरक्षा व्यवस्था की सराहना पूरा विश्व कर रहा है।

किसान क्रेडिट कार्ड	2023 तक 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से	प्रदेश के 2 करोड़ 62 लाख किसानों को 63 हजार करोड़ की धनराशि डायरेक्ट बैंक ट्रान्सफर के माध्यम से किसानों के खाते में पहुंची है
प्रधानमंत्री किसान फसल बीमा योजना	10 लाख किसानों को वर्ष 2023 में 831 करोड़ का क्षतिपूर्ति भुगतान किया
गन्ना भुगतान	2017 से अब तक 46 लाख किसानों को 2 लाख 33 हजार 793 करोड़ रुपये का भुगतान जो कि पूर्व के 22 वर्षों के भुगतान से 20 हजार 274 करोड़ रुपये अधिक है
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना	4 करोड़ 86 लाख आयुष्मान कार्ड वितरित
चिकित्सा शिक्षा	प्रदेश में 65 मेडिकल कॉलेज जिनमें 35 राज्य सरकार तथा 30 निजी क्षेत्रों द्वारा संचालित है

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)/ (ग्रामीण)	17 लाख 65 हजार से अधिक लाभार्थियों को आवास मिले (शहरी) क्षेत्र में 36 लाख 15 हजार आवास स्वीकृत हुए थे जिनमें 34 लाख 14 हजार आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है (ग्रामीण)
मुख्य मंत्री आवास योजना (ग्रामीण)	02 लाख 3 हजार आवासों का निर्माण हो चुका है
शौचालय (स्वच्छ भारत मिशन)	2.18 करोड़ व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण की बड़ी उपलब्धि हासिल की है
गरीबी रेखा	6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला
एयरपोर्ट	5 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे वाराणसी, कुशीनगर, लखनऊ, अयोध्या, नोएडा 20 घरेलु एयरपोर्ट जिनमें कुछ निर्माणाधीन हैं तथा बाकी चालू हैं।
गैस कनेक्शन (प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना)	10 करोड़ कनेक्शन पूरे देश में 1 करोड़ 47 लाख 86 हजार 745 उत्तर प्रदेश में। वर्ष 2023 में लगभग 56 लाख गैस सिलिंडर वितरित
विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना/एक जनपद एक उत्पाद कौशल उन्नयन एवं टूलकिट योजना	4.08 लाख रोजगार सृजित
मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना	लगभग 1 लाख 22 हजार शादियाँ
युवा खेल	ब्लाक स्तर पर 124 खेल स्टेडियम स्थापना की योजना सरकार की
देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन/प्रदेश के लगभग 10 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा	

महोदय, मैं सदन के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिनके नेतृत्व में जनपद अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्व विद्यालय की स्थापना, एयरपोर्ट निर्माण एवं डिफेन्स कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है, अलीगढ़-पलवल-दिल्ली हाई-वे एवं अलीगढ़-गाजियाबाद हाई-वे का निर्माण हुआ। आज अलीगढ़ जनपद में चारों ओर बेहतर राजमार्गों का जाल आज अलीगढ़ जनपद में फ्लाई ओवर/ओवर ब्रिज का जाल है जो इस क्षेत्र के विकास की रफ़्तार को और अधिक बढ़ा रहा है।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को जनपद अलीगढ़ एवं मेरे विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्याओं एवं प्रमुख मार्गों से अवगत कराना चाहूँगा कि-

1-पूरे भारत में विश्वविद्यालयों में आरक्षण निर्धारित है लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में SC तथा OBC वर्ग के छात्रों को आरक्षण के अभाव में रखा गया है तथा उनके साथ अन्याय किया जाता है। AMU में भी आरक्षण लागू होना चाहिए।

2-मेरी विधान सभा क्षेत्र बरौली अन्तर्गत नगर पंचायत जवां एवं नगर पंचायत गभाना में निर्मित अस्पतालों में बेड्स की क्षमता वर्तमान में 30 है जिसे यदि 100 बेड्स तक बढ़ा दिया जाए तो इससे क्षेत्र के लोगों को अत्यधिक लाभ पहुँचेगा, साथ ही इन अस्पतालों में डिजिटल एक्स-रे मशीनों का अभाव है जिनकी स्थापना से क्षेत्रवासियों को अत्यधिक लाभ पहुँचेगा, साथ ही अलीगढ़ मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्रामों पर डिवाइडर न होने के कारण आये दिन कोई न कोई अप्रिय घटना घटित हो जाती है इस हेतु डिवाइडर निर्माण, साथ ही राजमार्ग पर ऑन रोड स्थित सी0 एच0 सी0 जवां को ट्रामा सेण्टर के रूप में विकसित करने से घटना घटित होने पर शीघ्र राहत पहुँचाई जा सकेगी।

3-मेरे विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत कासिमपुर पॉवर हाउस तथा विभिन्न सीमेंट फैक्ट्री होने के कारण कासिमपुर से छेरत तक का एरिया औद्योगिक रूप में स्थापित है इन फैक्ट्री से निकलने वाले प्रदूषण से इस क्षेत्र के लोग फेफड़े/सांस/हृदय सम्बन्धी गम्भीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे है तथा यहाँ AQI लगभग 500 तक पहुँच जाता है जिसकी रोकथाम हेतु कड़े कदम उठाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

4-मेरी विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत गत 2 वर्ष से बन्द पड़ी साथा चीनी मिल का विस्तारीकरण तथा नवीनीकरण करके पुनः संचालित कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। ये क्षेत्र गन्ना बाहुल्य क्षेत्र हैं। चीनी मिल के पुनः संचालन से इस क्षेत्र को अत्यधिक लाभ मिलेगा।

5-नगर पंचायत जवां में डिग्री कॉलेज ना होने के कारण इस क्षेत्र के छात्रों प्रमुख तौर पर छात्राओं को अत्यधिक दूरी तय करनी पड़ती है जिसके हेतु इस स्थान पर एक राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना अत्यन्त आवश्यक है।

6-जनपद अलीगढ़ मण्डल बनने के बाद भी इसमें रजिस्ट्रार चिट एवं फण्ड ऑफिस की स्थापना अभी तक नहीं हो सकी है। तथा आज भी संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय स्थापित नहीं है।

नत्थी (ण)

श्री अनुराग सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी,

राजनीति जिसका अभिप्राय नागरिकों के आपसी सम्बन्धों के बीच सहयोग व समन्वय स्थापित कर एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना किया जाना है और इसके नीति निर्धारकों का चुनाव जनता द्वारा इसी उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु होता है। कल्याणकारी आवधारणा हमें हमारे पूर्वजों द्वारा प्रदत्त ज्ञान जिसमें वसुधैव कुटुम्बकम् यानी कि पृथ्वी जिसको हमें माँ के रूप में बताया गया है, उसके सभी निवासियों को माँ की तरह समान रूप से पोषित करना निर्देशित किया गया है, ये समान संसाधन व अवसर को सभी निवासियों तक पहुँचा कर उनके विकास को सुनिश्चित करना ही राज्य का प्रथम कर्तव्य है, इसी उद्देश्य से 'सबका साथ सबका विकास' व सबको सम्मान ही हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की अवधारणा की पुष्टि करता है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के घोषित बजट में इन्हीं सिद्धान्तों को अपनाकर एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया गया है। सरकार की आर्थिक नीतियों में लोक व्यय व प्राप्ति में सभी क्षेत्रों को समावेशित किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास एवं पुष्टाहार, कृषि, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा (वृद्धावस्था पेंशन असाध्य रोगों की चिकित्सा आक्सीजन उत्पादन) उद्यमिता विकास स्वच्छता (कौशल विकास-I.T.I., Polytechnic, Para-Medical, Food Processing) आवास, सड़क, स्वच्छता, नगर विकास, ऊर्जा उत्पादन आदि क्षेत्रों में नियोजित धनराशि द्वारा यह स्वतः ही प्रदर्शित होता है। राज्य के उन क्षेत्रों को जिनमें प्रति व्यक्ति आय कम है, उसको पृथक रूप से औद्योगिकीकरण द्वारा (रक्षा उत्पादन, वस्त्र निर्माण ढ़ांचागत विकास) तथा सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों आयोध्या, नैमिषारण्य, वाराणसी, प्रयागराज, मथुरा, वृन्दावन के विकास हेतु बजट में पर्याप्त धनराशि नियोजित की गयी है।

आर्थिक नियोजन का अन्तिम लक्ष्य दीन दयाल उपाध्याय के विचार अन्त्योदय ही सरकार की मूल भावना है, जो कि अन्नपूर्णा (मुफ्त राशन), मकान, पुष्टाहार, आर्थिक क्षतिपूर्ति, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन आदि योजनाओं में प्रदर्शित होती है। आर्थिक नियोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा घोषित बजट राशि 7,36,437.71/-करोड़ जो कि प्रदेश में सरकार के लोक कल्याण के साथ नये क्षेत्र जो वैश्विक जगत में भागीदारी का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें सौर ऊर्जा, सेमी कन्डक्टर, डाटा सेन्टर, आई0टी0 आदि सम्मिलित हैं, सभी आयुवर्ग बालक, नौजवान, प्रौढ़ व वृद्ध तथा सभी क्षेत्र की प्राथमिक (कृषि, मत्स्य पालन, दुग्ध उद्योग) सेवाओं को सम्मिलित कर एक समावेशी बजट नागरिकों के कल्याण तथा आत्म सम्मान को भी प्रदर्शित करता है। ढांचागत आधार को सुदृढ़ करके ही समाज में सभी क्षेत्रों का समन्वयन स्थापित हो सकता है, इसलिये संचार सुविधाएं व सुगम यातायात के लिये फ्लाई ओवर, डिजिटल लाइब्रेरी, अधिवक्ता कल्याण

निधि, सांस्कृतिक उत्सव, पर्यटन विकास आदि सभी सार्वजनिक महत्व के त्योहारों हेतु विशेष बजट का आवंटन किया गया है। बुनियादी जरूरतें अगर सर्वसुलभ हों तो व्यक्ति दूसरे प्रदेशों व देशों में देशान्तर गमन नहीं करता और बढ़ाता उसकी क्षमता तथा ज्ञान का उपयोग स्थानीय व्यक्तियों के जीवन स्तर को भी बढ़ाता है, इसी उद्देश्य हेतु ज्ञान (शिक्षा), स्वास्थ्य तथा रोजगार इस पर विशेष बजट आवंटन कर प्रदेश के निवासियों के दूसरी जगह के स्थानान्तरण को कम किया गया है और यही कारण है कि प्रदेश का बजट भी राज्यों में शीर्ष पर है। जो कि प्रदेश के प्रति व्यक्ति आय तथा प्रति व्यक्ति को प्राप्ति जरूरी नागरिक सुविधाओं को प्रदर्शित करता है।

नत्थी (त)

श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट 2024-25 पर बोलने का अवसर प्रदान किया। मैं आपका बहुत बहुत आभारी हूँ।

07 लाख 36 हजार 437 करोड़ (736437) का बजट देने का कार्य हमारी सरकार ने किया है।

बजट में हमारे प्रभु श्रीराम का घर (मन्दिर) अयोध्या में बनाने का भी जिक्र हुआ है।

मुगल शासन में अयोध्या नगरी में प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर को तोड़कर विवादित ढांचा बना दिया गया था।

1-मान्यवर, उस विवादित ढांचे को 30 अक्टूबर 1990 को कारसेवकों ने साफ करना चाहा तो मा0 नेता जी मुलायम सिंह यादव ने कार सेवकों पर गोली चलाने का काम किया।

2-मान्यवर, हमारी भाजपा सरकार ने कहा कि मैं कार सेवकों पर गोली नहीं चलाऊंगा, नहीं चलाऊंगा, नहीं चलाऊंगा।

मान्यवर, ऐसे बाबूजी कल्याण सिंह जी के चरणों का चरण बन्दन करता हूँ, नमन करता हूँ, जिन्होने अपने मुख्य मंत्री कार्यकाल 06 दिसम्बर 1992 को अयोध्या में विवादित ढांचे को हटवाने का कार्य किया था और सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुए कहा कि मेरे अधिकारी कर्मचारी का कोई दोष नहीं है जो भी मुकदमा चलाया जायें, वह मेरे ऊपर चलाये जाये यह कहते हुए मुख्य मंत्री की कुर्सी का सीधे त्याग कर दिया।

मान्यवर, 06 दिसम्बर 1992 को प्रभु श्रीराम जन्मभूमि पर मन्दिर बनाने के लिए रास्ता साफ हो गया था।

3-मान्यवर, 9 नवम्बर 2019 को मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी मन्दिर निर्माण कराने का आदेश दिया गया।

4-मान्यवर, आज हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्य मंत्री जी ने प्रभु श्रीराम का मन्दिर बनवाकर प्रभु श्रीरामजी को अपने घर (मन्दिर) में पहुँचाने का कार्य किया है और आज पूरा देश राममय हो गया है।

5-मान्यवर, हमारी सरकार ने प्रभु श्रीराम का घर बनाने का कार्य किया है इसके साथ ही हमारे प्रदेश एवं क्षेत्र के गरीब किसान परिवारों के लिए भी घर (आवास) बनवाने का कार्य किया है।

6-मान्यवर, 2011 में पात्र गरीब किसानों के लिए सूची तैयार करायी गयी थी उन गरीब किसानों के लिए समाजवादी सरकार ने 2012 से लेकर 2016 तक किसी गरीब परिवार को आवास बनवाने का कार्य नही किया था।

7-इसलिए मान्यवर, 2017 में हमारी सरकार बनाने का कार्य उत्तर प्रदेश की जनता ने किया और हमारे मुख्य मंत्री जी ने 2011 के गरीब परिवारों के आवासों की जो सूची थी उन आवासों को बनवाने का कार्य किया।

8-मान्यवर, 2018-19 में हमारी सरकार ने नया सर्वे कराकर गरीब परिवारों को घर (आवास) देने का कार्य किया।

मान्यवर, हमारी सरकार का नारा है-''सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास''।

9-मान्यवर, हमारी सरकार ने शहरी आवास (60 प्रतिशत मुस्लिम व अनुसूचित जाति) को देने का कार्य किया।

10-मान्यवर, बिजली हर गाँव को पहुँचाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। किसानों के ट्यूबवेल के बिजली को भी फ्री/मुफ्त कर दिया गया है।

11-मान्यवर, हर घर जल नल योजना के माध्यम से सभी गाँवों में जल पहुँचाने का कार्य हमारी सरकार कर रही है।

12-मान्यवर, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन के रूप समाजवादी सरकार में रु0 300/- दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर हमारी सरकार ने रु0 1000/-कर दिया है। यह हमारी सरकारी की उपलब्धि है।

13-मान्यवर, गरीब बेटियों की शादी कराने का कार्य हमारी सरकार कर रही है, जिसका लाभ हर समाज के लोगों को मिल रहा है।

14-मान्यवर, सड़कें बनाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। हर गाँवों को सड़कों से जोड़ दिया गया है। गाँव-गाँव में सड़कों का जाल बिछा दिया गया है।

15-मान्यवर, उज्ज्वला योजना के तहत हर वर्ग के गरीब परिवारों के लिए मुफ्त में गैस कनेक्शन दिये जा रहे हैं।

16-मान्यवर, कोरोना काल से अब तक दो-दो बार मुफ्त/फ्री राशन दिया जा रहा है जिसे बढ़ाकर 5 वर्ष और कर दिया गया है।

मान्यवर, सबसे बड़ा कार्य हमारी देश की जनता ने अपने देश को 26 मई, 2014 को मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों में देश को सौंपने का कार्य किया व 19 मार्च, 2017 को उ0प्र0 की जनता ने हमारे मुख्य मंत्री जी के हाथों में उ0प्र0 को सौपने का कार्य किया।

मान्यवर, जिससे देश व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद जो देश व प्रदेश में आतंकवाद व अराजकता का साया मडराया था उसको समाप्त करने का कार्य हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी एवं सम्मानित मुख्य मंत्री जी ने किया।

मान्यवर, किसी ने कहा है-

जो तोकू काटे चुबे, उसमें मारो भाला।

वो भी याद करेगा पड़ा मर्द से पाला।।

महोदय, अब हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी से पाला पड़ गया है। यू0पी0 से अराजकता समाप्त कर दी गयी है। अब हमारी बहन-बेटियां कहीं भी आने जाने में खतरा महसूस नहीं करती हैं। गाँव-देहात की जनता को भी किसी भी समय आने जाने में भय नहीं रहता है। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने अराजक तत्वों को समाप्त करने का कार्य किया है और रामराज्य लाने का कार्य किया है। आज पूरा देश व प्रदेश राममय हो गया है।

मान्यवर, अबकी बार फिर जनता ने 2024 के लिए मन बना लिया है। भारत को मा0 प्रधानमंत्री जी के हाथों में सौंपना है जिससे भारत बहुत जल्द ही विश्वगुरू कहलायेगा।

मान्यवर, मेरे कासगंज विधान सभा क्षेत्र में सोरों शुकर क्षेत्र तीर्थ नगरी, सन्त तुलसीदास जी की जन्मभूमि और बाराह भगवान की नगरी पूर्व काल से ही मानी जाती है।

यहाँ पर गंगा जल का कुण्ड बना हुआ है। उस कुण्ड में अस्थियां विसर्जन करने के लिए भारत के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। उस कुण्ड में 24 घंटे के अन्दर अस्थियां गलकर गंगाजल में विलीन हो जाती है। पूर्व काल से ही रोजाना इतनी अस्थियां विर्सजन होती है। अगर वह गलती नही तो वह कुण्ड अब तक भर जाता।

1-मान्यवर, अपनी सरकार से माँग करता हूँ कि बाबूजी कल्याण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाये।

2-मान्यवर, बाबूजी कल्याण सिंह जी की एक प्रतिमा अयोध्या में भी स्थापित की जाये।

3-मान्यवर, इस तीर्थ नगरी सोरों तुलसीदास जी की जन्मभूमि का सौन्दर्यीकरण के लिए बजट की माँग करता हूँ।

4-मान्यवर, कासगंज-अमरपुर भैसोरा मार्ग पर काली नदी पर बड़े पुल माँग करता हूँ। इस पुल से सीधा रास्ता अनाज मण्डी को जायेगा जिससे किसानों को आवागमन में फायदा मिलेगा और कासगंज शहर में जाम की स्थिति नहीं रहेगी।

मान्यवर, कासगंज में एक ट्रामा सेन्टर की माँग करता हूँ।

5-मान्यवर, बरेली से आगरा तक कोई भी ट्रामा सेन्टर नहीं है जिसकी दूरी लगभग 300 किमी0 है।

मान्यवर,

भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं।

यह जीता-जागता राष्ट्र पुरूष है।।

भारत वन्दन की धरती है-अभिनन्दन की धरती है।
भारत की नदी, नदी गंगा है।।
भारत का कंकड़, कंकड़ शंकर है।
हम जियेंगे तो भारत के लिए, और मरेंगे तो भारत के लिए।।
और मरने के बाद हमारी गंगा जी में बहती हुई अस्थियों से
कोई कान लगाकर सुनेगा तो एक ही आवाज होगी-
भारत माँ की जय, भारत माँ की जय, भारत माँ की जय।।

नत्थी (थ)

श्री संग्राम सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी,

वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक अनुदानों की मांगों पर मेरे द्वारा दिये गये प्रस्तावों को कार्यवाही में शामिल करने की कृपा करें, जो निम्नलिखित हैं :-

1-निबिया पोखरा से परसिया चट्टी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

2-बलिया-सिकन्दरपुर सम्पर्क मार्ग से आराजीमुतवक्खीपुर, धनौती धुरा होते हुए रतसड़ बाईपास का निर्माण कार्य।

3-बलिया-सिकन्दरपुर सम्पर्क मार्ग पर स्थित आसन से शेरवा जूनियर हाई स्कूल के आगे तक का निर्माण कार्य।

4-पचखोरा रतसड़ सम्पर्क मार्ग से अहिरौली, पिपराकलां होते हुए बलिया-सिकन्दरपुर मार्ग का निर्माण कार्य।

5-रतसड़ बाईपास नहर पुलिया से नूरपुर, नकहरा होते हुए आसन तक निर्माण कार्य।

6-रतसड़ पचखोरा सम्पर्क मार्ग से धनौती धुरा, नूरपुर होते हुए आसन तक निर्माण कार्य।

7-कोरण्टाडीह से रामगढ़ होते हुए मेड़ौरा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

8-बरवां नहर से गुरवा नहर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

9-बिसुकिया नहर से पकड़ी नहर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

10-कटरिया लालजी के दरवाजे से निबिया पोखरा चट्टी तक निर्माण कार्य।

11-बिलरिया से सलेमपुर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

12-ग्राम सभा-पकड़ी हनुमान मंदिर से बजहां मनोज यादव के घर तक का निर्माण कार्य।

13-गड़वार सुखपुरा सम्पर्क मार्ग से ग्राम सभा-खड़िया तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

14-ग्राम-गड़वार सुखपुरा सम्पर्क मार्ग से ग्राम सभा-भलुही तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

15-एन0एच0-128बी से एकौनी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

16-एन0एच0-128बी से सिंहपुर होते हुए पक्काकोट सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

17-एन0एच0-128बी से सिंहाचवर होते हुए कोपवा से जगदीशपुर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

18-एन0एच0-128बी से पियरिया से जगदीशपुर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

19-एन0एच0-128बी से ग्राम सभा-सौरूपुर से सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

20-ग्राम सभा-पियरिया से गड़वार तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

21-अमाव से विशेसरपुर होते हुए टुटुवारी तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

22-ग्राम सभा-चन्दुकी से सोबईबांध तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

23-एन0एच0-31 पर ग्राम सभा-वैना से अलावलपुर चट्टी तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

24-एन0एच0-31 पर सोहाव ब्लॉक से ग्राम सभा रामापुर तक।

25-कारो से धर्मापुर होते हुए नसीरपुर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

26-धर्मापुर नसीरपुर बन्धे से शाहापर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।

नत्थी (द)

श्री पूरन प्रकाश-

बोलो गिरिराज महाराज की जय

माननीय अध्यक्ष जी,

आपने मुझे माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी के द्वारा 2024-25 के बजट भाषण पर अपनी बात रखने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। यह बजट उत्तर प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। इस बजट से यह उम्मीद जग गयी है कि जल्द ही 1 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था कुछ ही वर्षों में बन जाएगी।

हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी का सपना है कि हम बजट से उत्तर प्रदेश की आबादी की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति आसानी से हो सकेगी। यह बजट सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास एवं सबका प्रयास के मंत्र को चरितार्थ करता है जो क्षेत्र 65 वर्ष से उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद भी विकास नहीं कर पाया, वह क्षेत्र इस बजट के जरिये मोदी और योगी जी के माध्यम से अपने सपनों को पूरा करेंगे और साथ ही अपने भविष्य को उज्ज्वल होते हुए देख पायेंगे।

माननीय वित्त मंत्री जी के द्वारा प्रस्तुत इस बजट में पहले की तुलना में शिक्षा, खेल, कला, संस्कृति पर 55 प्रतिशत की बढोत्तरी हुई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के बजट में 4 प्रतिशत, सड़क एवं पुल के मद में 2 प्रतिशत, कानून व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस पर 30 प्रतिशत, ग्रामीण विकास के लिए 16 प्रतिशत तथा जलापूर्ति एवं स्वच्छता के मद में 20 प्रतिशत बढोत्तरी की गयी।

माननीय अध्यक्ष जी, मेरे विधान सभा क्षेत्र बलदेव, जिला-मथुरा में 10 हजार किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये गये। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत 15 हजार किसानों का फायदा हुआ। प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना के अन्तर्गत 4 हजार महिला एवं पुरुषों को पेंशन प्राप्त हो रही है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत 10 हजार पात्र लाभार्थी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।

एक जनपद, एक उत्पाद वित्त पोषण योजना के अन्तर्गत 5 हजार लाभार्थी को रोजगार प्राप्त हुआ। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 5 साल में 25 जगह कैम्प लगाकर लगभग हजारों कन्याओं का विवाह कराया गया। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 25 हजार लोगों का उपचार किया गया, जो पहले पैसों के अभाव में इलाज नहीं करा पाते थे। आज माननीय प्रधानमंत्री के प्रयत्नों से यह सम्भव हो गया।

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र बलदेव में हजारों छात्र-छात्राओं को डी0बी0टी0 के माध्यम से यूनीफार्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु

1200 रुपये प्रति छात्र उपलब्ध कराया गया। समग्र शिक्षा योजना के अन्तर्गत माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास व आई0टी0सी0 लैब की व्यवस्था की गयी।

माननीय अध्यक्ष जी मुख्य मंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अन्तर्गत मेरे विधान सभा क्षेत्र बलदेव में बृज तीर्थ विकास परिषद् के माध्यम से पर्यटन स्थल विकसित किये जा रहे हैं, जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री एवं माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ।

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र बलदेव, जिला-मथुरा में मेरी कुछ माँग है जिन्हें मैं चाहता हूँ कि सरकार शीघ्र से शीघ्र पूरा कराने हेतु अधिकारियों को निर्देशित कर दे, जो निम्नवत् हैं-

1-नोएडा आगरा एक्सप्रेस-वे पर दाउजी बलदेव (मथुरा) में श्रद्धालुओं के चढ़ने-उतरने का मात्र कट।

2-बलदेव से बरौली-मगना-नेरा कैलाश मार्ग शीघ्र चौड़ीकरण-सुदृढ़ीकरण।

3-सैदपुर (कासिमपुर) बलदेव (मथुरा) में स्थायी गौ-शाला का निर्माण।

4-बलदेव, गोकुल, महावन, रमणरेती तीर्थ स्थल घोषित करें।

5-विधान सभा क्षेत्र बलदेव में ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य मंत्री आवास योजना में आवासों का आवंटन।

6-ब्लॉक बलदेव के बरौली व मडौरा में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना।

7-बलदेव विधान सभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में खारे पानी की समस्या के निदान हेतु गंगा जल पेयजल योजना में शीघ्र पेयजल उपलब्ध कराना।

8-विधान सभा क्षेत्र बलदेव में आलू की उच्च गुणवत्ता की पैदावार है। कोई उद्योग अथवा आलू से निर्मित चिप्स या कोई इण्डस्ट्री या आलू से निर्मित बीयर की फैक्टरी जिससे लोगों को रोजगार मिल सके और किसानों को आलू की उपज का उचित दाम मिल सके।

9-विधान सभा क्षेत्र बलदेव के बलदेव ब्लाक व राया ब्लॉक व फरह ब्लॉक में तीनों ब्लाकों में बड़ी गौशाला बनाने की कृपा करें।

10-ग्रामीण आंचल में जर्जर सड़कों का निर्माण व विशेष मरम्मत शीघ्र कराने के लोक निर्माण, प्रान्तीय खण्ड एवं निर्माण शाखा को निर्देशित करने के सम्बन्ध में।

11-बलदेव विधान सभा क्षेत्र में किसानों के लिए नहर बम्बों की सफाई तथा टेल तक पानी पहुंचाने तथा पानी भराव कराये जाने के निर्देश दिये जायें।

12-बलदेव से रैपुरा जाट को जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण कराने हेतु निर्देशित किया जाये।

13-मथुरा सिंचाई विभाग की भूमि पर मथुरा एस्केप के ऊपर अवैध रूप से भू-माफियाओं के द्वारा किये गये कब्जों को माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के उपरान्त भी जिला प्रशासन द्वारा नहीं हटाया गया है। शीघ्र सरकारी भूमि मथुरा एस्केप पर से भू-माफियाओं व अवैध निर्माण को ध्वस्त कराकर मथुरा एस्केप से पानी सुचारु रूप से चल सके, कार्यवाही कराने की कृपा करें।

14-राया-बलदेव-गोकुल-महावन जनपद मथुरा हमारे क्षेत्र के चारों नगर पंचायत हैं, को विकास प्राधिकरण मथुरा वृंदावन सीमा में सम्मिलित कराने के निर्देश देने की कृपा करें।

अध्यक्ष जी, मैं आपको पुनः धन्यवाद देता हूँ।

नत्थी (ध)

श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द-

माननीय अध्यक्ष महोदय,

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे माननीय वित्त मंत्री जी के बजट के समर्थन में बोलने का अवसर प्रदान किया।

वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के प्रथम सत्र हेतु आहूत दोनों सदनों के समवेत् अधिवेशन में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। आप सभी को वर्ष 2024 की शुभकामनाएं। मैं यह कामना करता हूँ कि यह वर्ष आपके व सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति, समृद्धि व सम्पन्नता से परिपूर्ण हो।

महोदय मैं सबसे पहले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के अपने नव्य, दिव्य एवं भव्य मंदिर में विराजमान होना रामराज्य की अवधारणा को पुष्टि करने वाला है।

सुशासन मेरी सरकार का प्रमुख ध्येय है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को अपनाते हुए, बिना भेदभाव सभी वर्गों विशेष रूप से गरीबों, किसानों, महिलाओं तथा युवाओं के उन्नयन के लिये मेरी सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' जैसे प्रयास हर जरूरतमन्द और वंचित तक शासन की योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त कराने में उपयोगी सिद्ध हुए हैं। आज सामान्य नागरिक भी 'ईज ऑफ लिविंग' का अनुभव कर रहा है। कुशल एवं प्रभावी नीतियों के साथ उत्तर प्रदेश में लगभग 06 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाया गया है।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को पाँच ट्रिलियन डॉलर बनाये जाने का संकल्प लिया गया है। इसके दृष्टिगत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर का आकार देने के लिए मेरी सरकार नियोजित प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय अवस्थापना तथा सामाजिक अवस्थापना सहित अर्थव्यवस्था के प्रत्येक पहलू के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस, निवेश अनुकूल नीतियों तथा सुशासन के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश आज देश में निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन के तौर पर उभरा है।

अटल इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वर्ष के सापेक्ष 33 प्रतिशत अधिक है।

मान्यवर, अवस्थापना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश एक अग्रणी प्रदेश के रूप में उभरा है। अपराध पर लगाम लगी है, अपराधियों का प्रदेश से सफाया हो चुका है। आज से 07 वर्ष पूर्व कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उत्तर प्रदेश इतनी तीव्र गति से ऐसा मुकाम हासिल कर पायेगा।

धर्मार्थ मार्गों के विकास हेतु 1750 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

राज्य सड़क निधि से सड़कों के अनुरक्षण हेतु 3000 करोड़ रुपये तथा निर्माण हेतु 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

हमारी सरकार द्वारा 31 सिंचाई परियोजनायें पूर्ण की गयी जिससे 22 लाख 75 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचन क्षमता सृजित हुई जिसका लाभ 46 लाख 69 हजार कृषकों को प्राप्त हुआ।

'जल जीवन मिशन' हेतु 22.00 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जिसमें 2000 करोड़ रुपये की धनराशि अनुरक्षण मद हेतु है।

हमारे मोदी, योगी जी ने देश और प्रदेश को प्रगति की ओर ले जाने का कार्य किया, शिक्षा के ऊपर काम किया जैसे-निपुण लक्ष्य भारत योजना के अन्तर्गत ...

सुरक्षा-माताओं और बहनों को सुलभ शौचालय प्रदान कर ...

स्वास्थ्य-आयुष्मान योजना के अन्तर्गत ..

किसान सम्मान निधि-किसानों को आत्म स्वावलम्बी बनाने का काम किया।

अनाज मुफ्त देने का काम किया।

महोदय, जनपद पीलीभीत के विधान सभा क्षेत्र-128, बरखेड़ा से जनप्रतिनिधि चुन कर आया। मैं अपनी क्षेत्र की देवतुल्य ईमानदार जनता को प्रणाम करता हूँ एवं धन्यवाद देता हूँ। जिन्होंने मुझे इस लोकतंत्र के पावन और पवित्र मण्डप में भेजने का काम किया। महोदय, हमारे क्षेत्र में लगभग 15 बड़े पुल बन चुके हैं। रोडों का बड़ा जाल बिछ चुका है। चौड़ीकरण एवं विस्तारीकरण का कार्य लगातार प्रगति पर है। एक आर0टी0ओ0 आफिस व मेडिकल कालेज लगभग बन चुका है। महोदय, एक तहसील गजरौला क्षेत्र में बनवाने से वहाँ की क्षेत्रीय जनता का भाग्य उदय होगा। महोदय, एक महिला महाविद्यालय विधान सभा क्षेत्र बरखेड़ा के अन्तर्गत देने की कृपा करें। आपकी महान कृपा होगी। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं वित्त मंत्री जी के बजट का पुरजोर समर्थन करता हूँ और भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ। अपने उत्तर प्रदेश के पूज्य मुख्य मंत्री जो कि युग पुरुष की भूमिका में है जिन्होंने अपने प्रदेश का कायाकल्प किया है और प्रधानमंत्री जी महोदय, मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी माननीय सदस्यगण प्रदेश की आम जनता के व्यापक हित में मेरी सरकार का सहयोग कर जन-आकांक्षाओं को पूरा करने में अपना बहुमूल्य योगदान करेंगे एवं इस सदन की उच्च गरिमा एवं पवित्रता को बनाये रखेंगे।

त्रेता में आये तो राम और लक्ष्मण बनकर आये।

द्वापर में आये तो कृष्ण बलराम बनकर आये।

अब कलयुग में आये तो

काशी-अयोध्या सजाई है-अब मथुरा की बारी है।

बोलो सिया वर रामचन्द्र की जय।

जय हिन्द-जय भारत-भारत माता की जय !

माननीय अध्यक्ष महोदय आप से निवेदन है श्रद्धेय बाबू जी कल्याण सिंह जी की प्रतिमा लगवाने की कृपा करें आपकी महान कृपा होगी धन्यवाद। इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित की जाने वाली गरिमामयी, गौरवशाली, प्राण-प्रतिष्ठा एवं करोड़ों हिन्दुओं/सनातनियों के श्रद्धा विश्वास, सर्वोच्च सम्मान का भाव लेकर दिनांक 22 जनवरी, 2024 का दिन एक सुखद एहसास के साथ प्रारम्भ हुआ था। यह बजट हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम को समर्पित है, यह जानकर मन आनन्द विभोर है, इसके अतिरिक्त इस बजट में हमारी माताओं-बहनों के लिए, हमारे किसान भाइयों के लिए, हमारे नौजवान साथियों का इतना अधिक ध्यान रखा गया है। इसके लिये मैं माननीय मुख्य मंत्री जी व माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी का वन्दन, अभिनन्दन करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, आज सारा देश-प्रदेश राममय है।

नत्थी (न)

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने बजट सत्र के समर्थन में बोलने का मौका दिया मैं उसका बहुत धन्यवाद करता हूँ। मैं पूर्णतया बजट भाषण का समर्थन करता हूँ।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के भव्य मन्दिर का अयोध्या में निर्माण होने से हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र को बहुत प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या विश्व का बहुत बड़ा पर्यटन केन्द्र बन गया है यहां पर, भारत और विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बहुत बड़ा इजाफा हुआ है जिससे हमारी आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा। मा0 योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ हैं एवं संगठित अपराध का सफाया हो चुका है और औद्योगिक क्षेत्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 की 96 लाख इकाइयां हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवानी, पूर्व मुख्य मंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया। माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख करोड़ रू0 का बजट निर्धारित किया। उ0प्र0 आर्थिक-सामाजिक विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है हमने इस नैरेटिव को सिरे से खारिज कर दिया कि उ0प्र0 एक बीमारू प्रदेश है। हमने प्रदेश की जनता में प्रदेश की मेधा में अपार सम्भावनाओं को देखा और बड़े आत्मविश्वास के साथ मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में विकास गाथा की रचना की है। बहुउद्देशीय पंचायत भवनों के निर्माण हेतु लगभग 57 करोड रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपेन जिम के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तातिव है।

कृषि-

उ0प्र0 खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु सरप्लस राज्य के रूप में देश में अपना स्थान बनाये हुये हैं।

मत्स्य-

प्रदेश के मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाये जाने के दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना वर्ष 2020 से वर्ष 2025 तक संचालित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत एक्वा पार्क के निर्माण की नयी योजना हेतु 190 करोड़ रु0 की व्यवस्था प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत पुरुष एवं महिला लाभार्थियों को आच्छादित किये जाने हेतु कुल 310 करोड़ रु0 की व्यवस्था प्रस्तावित है।

यह बजट गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के लिये समावेशी एवं जनहित में कल्याणकारी है।

मेरे विधान सभा क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य कराना आवश्यक है :-

1-मेरे विधान सभा क्षेत्र में यमुना नदी में वारा में गोगली घाट पर पुल का निर्माण

2-यमुना नदी के किनारे ऊबड़-खाबड़ जमीन का समतलीकरण कराया जाय।

3-घाटमपुर जहानाबाद रजवाहा में पम्प कैनाल बनाया जाय जिससे 35 वर्षों से माइनर रजवाहों में पानी, सिंचाई हेतु पानी नहीं मिल रहा है, किसानों को सुविधा दी जाय।

4-जहानाबाद विधान सभा में राजकीय महिला महाविद्यालय की स्थापना की जाय।

5-अमर शहीद जोधा सिंह अटैया की उनके पैतृक गाँव में प्रतिमा लगाई जाय तथा राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी की उनके पैतृक गाँव में प्रतिमा लगाई जाय।

6-प्रत्येक ग्राम पंचायतों में बारात घर बनाया जाय।

7-जनपद फतेहपुर, जनपद उन्नाव के सीमा पर भूमि विवाद निस्तारण कराया जाय।

8-विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद की असिंचित क्षेत्र में नये नलकूप लगाये जायं, बोर कराये जायं।

9-अग्निशमन केन्द्र बनाया जाय।

नत्थी (प)

श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री [श्री मनोहरलाल (मन्नु कोरी)]-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय/अध्यक्ष जी, आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे माननीय मुख्य मंत्री जी के मार्गदर्शन में आदरणीय वित्त मंत्री खन्ना जी द्वारा प्रस्तुत बजट वर्ष 2024-25 पर बोलने का अवसर दिया।

श्री राम जी को चरण वन्दन करते हुये-

सीताराम चरण रति मोरे, अनुदिन बड़हि अनुग्रह तोरे।

हम सभी विश्वमैत्री का संदेश देने वाले, विश्व के सर्वाधिक सम्मानित राजनेता एवं भारत के यशस्वी, मनस्वी एवं लोकप्रिय लोकबन्धु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय मुख्य मंत्री जी का अयोध्या जी में श्री राम मंदिर के लोकार्पण एवं श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के दिव्य-भव्य एवं अलौकिक समारोह में समस्त भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य यजमान एवं मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने पर हार्दिक अभिनन्दन करते हुए असीम गर्व, गौरव एवं आनन्द की अनुभूति कर रहे हैं।

मान्यवर, 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के द्वारा भगवान राम लला के प्राण-प्रतिष्ठा के पूर्व हमने स्वयं देखा है जब भगवान श्री राम जी के भव्य एवं दिव्य मंदिर के आमंत्रण हेतु गांव-गांव अक्षत चावल देने के लिये मैं स्वयं मौके पर था, जहां लोगों ने बहुत उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा लगभग 05 शताब्दियों से अधिक के लम्बे इन्तजार के बाद भव्य और दिव्य राम मंदिर और भगवान श्री रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के दिव्य क्षणों को पूरे भारत ने देखा और श्री रामलला के दिव्य दर्शन असंख्य भारतीयों को हो पाए, जिसके लिए समस्त सर्व समाज और सम्पूर्ण भारतवर्ष और आने वाली अनगिनत पीढ़ियां हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी के लिए सदैव कृतज्ञ रहेंगी।

माननीय जी यह बजट सर्व समाज की सुख की परिकल्पना को लेकर प्रस्तुत किया गया बजट है। इस बजट में समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान का संकल्प लिया गया है। साथ ही उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने की हर व्यवस्था की गयी है।

माननीय जी मैं बुन्देलखण्ड क्षेत्र से आता हूँ। यह वह क्षेत्र है जहां पर 2017 के पहले विकास की कोई परियोजनाएं न तो स्वीकृत होती थीं और न ही संचालित होती थीं। यहां तक कि इस क्षेत्र के निवासियों को पीने का पानी भी नहीं मिल पाता था। कोई उद्योग धंधा नहीं था। पर्याप्त भू-भाग होने के बाद भी सिंचाई के अभाव में कोई उपज नहीं उत्पन्न होती थी। जिससे क्षेत्र में लोग अपने खाने की व्यवस्था भी नहीं कर पाते थे और भुखमरी के शिकार हो जाते थे। लेकिन आज आदरणीय योगी जी की सरकार ने बुन्देलखण्ड की तस्वीर एवं तकदीर बदल दी है। आज बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे विकास की गाथा लिख रहा है।

चित्रकूट का विकास पर्यटकों को स्वयं अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है, जिससे नौजवानों को रोजगार मिल रहा है. झाँसी के गौरव को आगे बढ़ाकर इसे बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जिससे लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। आज बुन्देलखण्ड खुशहाल है।

आदरणीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट 7 लाख 36 हजार करोड़ में से उ0प्र0 के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन हेतु 4000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क का विकास किया जाना नियोजित है।

इसके अलावा अनेक ऐसी प्रदेश की योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनके द्वारा सर्वाधिक लाभ बुन्देलखण्ड क्षेत्र के निवासियों को प्राप्त हो रहा है जिसमें प्रमुख रूप से महीने में निशुल्क राशन की दुकान से अनाज की आपूर्ति, पेंशन की विभिन्न योजनाओं के द्वारा क्षेत्र की जनता को लाभ प्राप्त हो रहा है। आज उ0प्र0 में मा0 योगी जी के नेतृत्व में सरकार जीरो टॉलरेन्स पर कार्य कर रही है। गुण्डाराज खत्म हो रहा है। हम उस विधान सभा क्षेत्र महरौनी 227 से दोबारा चुनकर आये हैं, जो प्रदेश की सबसे पिछड़ी विधान सभा क्षेत्र में आती थी, लेकिन 2017 से अब तक विधान सभा क्षेत्र महरौनी लगातार विकास की ओर अग्रसर है। हमारे यहाँ बुन्देलखण्ड में पीने के पानी के लिए बहुत ही संकट छाया रहता था, लेकिन मा0 मोदी जी एवं मा0 योगी जी की कृपा से हर घर नल-जल योजना के द्वारा सभी को पीने के लिए शुद्ध जल की व्यवस्था की जा रही है। आज हम बजट सत्र के दौरान कह सकते हैं कि बाबा भीमराव अम्बेडकर साहब के सपनों को पूरा करने के लिए योगी सरकार कटिबद्ध है। योगी सरकार में गाँव, गरीब, किसान, शोषित, दलित, वंचित सभी का उत्थान शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा देकर किया जा रहा है। हमारे बुन्देलखण्ड क्षेत्र की सड़कों का 2017 से पहले बहुत ही खराब हाल था। हम कह सकते हैं कि योगी सरकार में सड़कों का जाल बिछा दिया गया है। आज उत्तर प्रदेश के हर क्षेत्र से कन्धे से कन्धा मिलाकर बुन्देलखण्ड का विकास हो रहा है और बुन्देलखण्ड उत्तर प्रदेश के उत्तम प्रदेश बनने में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन करने जा रहा है।

श्रमिक कल्याण

1-भारत सरकार द्वारा निर्मित ''ई-श्रम'' पोर्टल पर उत्तर प्रदेश के लगभग 8.32 करोड़ कामगारों का पंजीकरण हुआ है, जो देश में सर्वाधिक है।

2-दिनांक 26 अगस्त, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 80.11 लाख श्रमिकों को भरण-पोषण भत्ता के अन्तर्गत 2 हजार रुपये की दर से लगभग 1600 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

3-निर्माण कामगार मृत्यु, विकलांगता सहायता एवं अक्षमता पेंशन योजना तथा निर्माण कामगार अन्त्येष्टि सहायता योजना को एकीकृत करते हुये नयी योजना ''निर्माण कामगार मृत्यु

व दिव्यांगता सहायता योजना'' कर दिया गया है। समस्त योजनाओं में माह नवम्बर, 2023 तक 40,183 कामगारों को लाभान्वित किया गया तथा 433 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई।

4-निर्माण कामगार गम्भीर बीमारी सहायता योजना के अन्तर्गत गम्भीर बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कराने पर इलाज के व्यय की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति करायी जा रही है।

श्रम

1-सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना एवं मेधावी छात्र पुरस्कार योजना को एकीकृत करते हुये नयी योजना ''सन्त रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना'' कर दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक 1,86,270 छात्र-छात्राओं को लाभ हुआ तथा लगभग 58 करोड़ 46 लाख रुपये की धनराशि व्यय की गई।

2-कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिक की कुल 02 बालिकाओं को स्वजातीय विवाह की स्थिति में 55,000 रुपये तथा अन्तर्जातीय प्रकरणों में 61,000 रुपये की रकम दिये जाने का प्राविधान है। इस योजना के अन्तर्गत माह नवम्बर, 2023 तक लाभार्थी श्रमिक संख्या 2,38,856 है तथा लगभग 1,302 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई है।

3-निर्माण श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरक् शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक मण्डल में एक-एक अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं। जिसकी कुल निर्माण लागत 1267 करोड़ रुपये है।

4-16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया जा चुका है तथा शेष बचे जनपदों में भी मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा श्रमिकों के बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अटल आवासीय विद्यालय खोलने की बात कही गयी है। वर्तमान में कक्षा 6 हेतु शैक्षणिक सत्र, 2023-24 प्रारम्भ हो चुका है।

मान्यवर आपके माध्यम से आग्रह कर रहा हूँ कि बालाबेहट पठारी क्षेत्र में एक बाँध बनवाना अति आवश्यक है, जिसमें 2,000 हेक्टेयर भूमि सिंचित हो जायेगी। आम जनमानस को आवागमन में बहुत कठिनाइयाँ होती हैं, इसको देखते हुये निम्न पुलों का निर्माण कराना मान्यवर अति आवश्यक है :-

1-जामनी नदी पर भोटा-भोटी पुल निर्माण।

2-सौर नदी पर भडयावारा मुडारी का पुल निर्माण।

3-बण्डई नदी पर बडवार-दानसा के बीच पुल का निर्माण।

शिक्षा के क्षेत्र में मान्यवर बालाबेहट एवं सोजना में एक-एक राजकीय इण्टर कालेज खुलवाने।

सोई हुई जनता थी, उसको राशन पानी देकर जगा दिया।

बनके मसीहा जख्मों पर मरहम लगाकर आयुष्मान कार्ड दे दिया।
गरीब मजदूर किसान और जवान बन जाता है हाकिम।
मोदी जी और योगी जी एवं 25 करोड़ जनता ने ऐसा करके दिखा दिया।।
जल से पतला कौन है, कौन भूमि से भारी।
कौन अगन से तेज है, कौन काजल से कारी।।
जल से पतला ज्ञान है, पाप भूमि से भारी,
क्रोध अगन से तेज है, कलंक काजल से कारी।।
नाथ सकल सम्पदा तुम्हारी, मैं सेवक समेत सुत नारी।।
जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करें सब कोई

जय श्रीराम जय श्रीराम जय श्रीराम

नत्थी (फ)

श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ मान्यवर, अब तक का सबसे बड़ा 07 लाख 36 हजार 04 सौ 37 करोड़ 71 लाख रुपये का लोक कल्याणकारी जनहित का बजट प्रस्तुत करने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी एवं माननीय वित्त मंत्री जी को मारहरा विधान सभा क्षेत्र की देवतुल्य महान जनता एवं अपनी तरफ से बधाई देता हूँ मान्यवर, यह हमारे लिए अत्यन्त हर्ष का विषय है कि हमारी सरकार का दूसरा आम बजट वर्ष 2024-25 एक लोक कल्याणकारी बजट है। यह गांव, गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, शोषितों, वंचितों, दिव्यांगजनों, आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है। मान्यवर, यह महज वर्ष 2024-25 के डेवलपमेंट का एजेण्डा नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश की 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत करने वाला ब्लूप्रिन्ट है। हम लोग गरीबों के कल्याण की बात करते हैं। हमारी विचाराधारा अन्त्योदय की है। समाज के अन्तिम व्यक्ति को, जो गरीब व्यक्ति है, उसको मुख्यधारा से जब तक नहीं जोड़ेंगे, तब तक न गांव का विकास हो सकता है, न देश का विकास हो सकता है। मान्यवर, बजट की जन स्वीकार्यता कानून व्यवस्था से प्रमाणित होती है। किसी भी सरकार का संवैधानिक दायित्व नागरिकों को आत्म सुरक्षा, जीवन रक्षा, भयमुक्त वातावरण देना होता है।

बेहतर कानून राज देने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ जीरो टालरेन्स कानून-व्यवस्था को माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रमाणित भी किया है। मान्यवर, वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में अराजकता थी, गुण्डागर्दी चरम पर थी, गुण्डों, माफियाओं को संरक्षण दिया जाता था। जमीनों, मकानों, दुकानों पर अवैध कब्जे होते थे। भय का वातावरण व्याप्त था। सूर्य अस्त होने से पहले लोग घरों में छुप जाते थे। बाजार बन्द हो जाते थे, उद्योगपतियों से हफ्ता वसूली होती थी। मान्यवर, किसी भी प्रदेश के विकास में सम्पर्क मार्गों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक एक्सप्रेस-वे देने वाला प्रदेश है और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बजट में धन की व्यवस्था की गयी है। मान्यवर, शिक्षा की बात करें तो पिछली सरकार में नकल माफिया हावी थे, योगी सरकार ने मिशन कायाकल्प के तहत प्राइमरी विद्यालयों का उच्चीकरण कर बेहतर शिक्षा का माहौल बनाया है। प्राइमरी स्कूलों में टाइल्स की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, पंखे की व्यवस्था, लाईट की व्यवस्था, बाउण्ड्री की व्यवस्था और स्मार्ट क्लास की व्यवस्था योगी सरकार ने की है। ग्रामीण और शहर के विद्यालय का जो अन्तर था, वह खत्म किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में नकल माफिया हावी थे। इस सरकार में वह खत्म कर दिया गया है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रत्येक जिले में मेडिकल कालेज बनाने का अभियान चलाकर गरीब जनता के लिए अच्छे इलाज की व्यवस्था की है। उद्योगों की बात करें तो योगी सरकार ने 40 लाख करोड़ से भी अधिक के एम0ओ0यू0 साइन करके करीब 1 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन की व्यवस्था की है। विपक्ष और हमारी जीरो टालरेंस

नीति में अन्तर है। मा0 योगी जी ने पिछले 6.5 वर्ष में अब तक 06 लाख लोगों से अधिक को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ नौकरी दी है और उनको योगी जी संस्कार देते है कि जिस सीट पर आप जाओं वहाँ सेवा भाव का काम करना।

सपा सरकार में जो भर्तियाँ होती थी, उनके रेट फिक्स थे। गरीब, पढ़े-लिखे ईमानदार बच्चों के पास रिश्वत देने के लिए पैसे नहीं होते थे। 60 वर्ष तक इस देश का गरीब अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहा। किसी ने चिन्ता नहीं की। गरीब का कष्ट क्या होता है। गरीब का दर्द क्या होता है? हम सबने ने सुना इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री मा0 राजीव गाँधी जी कहते थे कि एक रूपया केन्द्र से भेजता हूँ लेकिन नीचे पहुंचते-पहुंचते 15 पैसे रह जाते हैं। कौन खा रहा था। 60 वर्षों से गरीबों का पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता रहा। किसी ने चिन्ता नहीं की। सन् 2017 में जब योगी जी की सरकार आयी तब गरीबों को अपना अधिकार मिलना शुरू हुआ। मान्यवर, विकसित भारत संकल्प यात्राओं के माध्यम से जो गरीब जानकारी के अभाव में पात्रता की सूची से छूट गये थे उनके गांव में अधिकारियों ने जाकर गरीबों की सेवा भाव का काम किया है। मान्यवर, मुझे भी अपनी विधान सभा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के 83 ग्राम सभाओं में जाने का सौभाग्य मिला। गांव के गरीब अपना आशीर्वाद मोदी जी और योगी जी को दे रहे थे। कह रहे थे यह पहली सरकार है जो गांव में सेवा करने के लिए आयी है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में उद्योग धन्धे चलते थे। इनके उद्योग धन्धे भू-माफिया, उद्योग, नकल माफिया उद्योग, गुण्डागर्दी का उद्योग, पकड़ का उद्योग, हफ्ता वसूली का उद्योग, फर्जी एफ0आई0आर0 के उद्योग होते थे। योगी सरकार ने अयोध्या को विश्व स्तरीय पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए बजट की व्यवस्था की है। रामराज्य की अवधारणा का जो संकल्प था और 500 वर्षों से प्रभु राम के मंदिर के निर्माण का इंतजार खत्म कर 22 जनवरी, 2024 को मा0 प्रधानमंत्री जी के कर कमलों द्वारा प्रभु श्रीराम की मूर्ति का अनावरण कर करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का सम्मान किया है। जब अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण की चर्चा होगी तब मा0 कल्याण सिंह के इतिहास को नहीं भुलाया जा सकता। तब इस सदन के महान नेता रहे परम श्रद्धेय मा0 कल्याण सिंह जी जिन्होंने मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का सम्मान करते हुए अपनी सरकार का बलिदान दिया था। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से माँग करता हूँ कि मा0 कल्याण सिंह जी के नाम से अयोध्या में एक स्थान आरक्षित कर मूर्ति लगवाने की कृपा करें, जिससे करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का सम्मान होगा। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी से अनुरोध करता हूँ कि मंदिर का मार्ग प्रशस्त करने वाले, सनातन की रक्षा करने वाले, राम राज्य के संकल्प को मजबूत करने वाले मा0 कल्याण सिंह जी को भी भारत रत्न से सम्मानित किया जाय।

भारत माता की जय वन्दे मातरम जय श्रीराम

नत्थी (ब)

श्री गुरु प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष,

मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि जोकि आप द्वारा उ0प्र0 के बजट के समर्थन में अपनी बात रखने का अवसर दिया उत्तर प्रदेश में मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा लाया गया बजट प्रदेश के युवा, किसान, गरीब, महिला एवं प्रदेश के सर्वांगीण विकास का बजट है साथ ही बजट सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक समावेश का उदाहरण है जो कि उत्तर प्रदेश का 2047-तक देश को विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा जहां तक विकास का सवाल है मेरे निर्वाचन क्षेत्र फाफामऊ प्रयागराज में बहुत विकास हो रहा है जिसके लिए आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उप मुख्य मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। क्षेत्र के कुछ विकास कार्यों के लिए अनुरोध है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के आनापुर में प्रा0 स्वा0 केन्द्र है जहां जमीन भी है परन्तु शहर से 40 कि0मी0 दूर होने के कारण वहां आस-पास के लोगों को असुविधा होती है आनापुर प्रा0 स्वा0 केन्द्र को उच्चीकृत कर 50 बेड का बड़ा अस्पताल बनाने की कृपा करें। कुछ नालों पर छोटे-छोटे पुल की आवश्यकता है। जन समस्याओं को देखते हुए वि0ख0 कौड़िहार सिंचाई खण्ड प्रथम दादनपुर झिंगहा में पुल निर्माण एवं सफाई कार्य, वि0 ख0 श्रृंगवेरपुर जगापुर से लाई सम्पर्क मार्ग पर पुल निर्माण एवं पहुंच मार्ग विकास खण्ड मऊआइमा पुरखीपुर ड्रेन सेमरागडियादी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य लोक निर्माण विकास का भी मेरे निर्वाचन क्षेत्र में सरकार द्वारा बहुत कार्य कराया जा रहा है इसी कड़ी में सोरांव कल्याणपुर मार्ग पर बेलखरिया का पूरा से वाया पांडे चौराहा गौरीगंज भिटारा मार्ग तथा दहियांवा से सकरदहा तक जर्जर मार्ग और हथिहा से वाया सहावपुर मसनी बारादरी सांगीपुर तक सड़कों का चौड़ीकरण निर्माण कार्य कर देने से जनमानस का आवागमन सुगम होगा आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 अध्यक्ष जी।

''राम नाम जाने बिना भव डूब मरा संसार''

नत्थी (भ)

श्री राजीव तरारा-

राम राम अध्यक्ष जी, सभी को राम राम, आप सभी को मैं 2024 की शुभकामनाएं देता हूँ क्योंकि 2024 हम सबके लिए विशेष है, मथुरा अभी शेष है।

मा0 अध्यक्ष जी आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं स्वयं व अपने विधान सभा क्षेत्र धनौरा की सम्मानित जनता की ओर से मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का भगवान श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा कराने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी संवैधानिक मर्यादाओं में रहकर 142 करोड़ परिवारिक जन के सहयोग से राष्ट्रनिर्माण में लगे है। अन्त्योदय के स्वप्न को सिद्ध कर रहे है। जिनका संकल्प है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास से नये भारत बनाने का साथ ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का, परिणाम स्वरूप हर घर शौचालय, हर घर नल से जल, जनधन योजना अन्तर्गत बैंक में खाते, आवास निर्माण, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि, गरीबों को फ्री राशन के साथ-साथ स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे है। जो शेष बचे उसके लिए मोदी जी की गांरटी वाली गाड़ी गांव-गांव जा रही है।

उ0प्र0 के मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में शांति का वातावरण है व विकास में गति है। शांति, सद्भाव, समानता, समरसता विकास जिनका संकल्प है, मैं ऐसे मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूँ।

विपक्ष के साथी अम्बेडकरवादी बनने की कोशिश कर रहे है। अम्बेडकर जी के प्रति इनके चरित्र व व्यवहार को प्रदेश नहीं पूरा देश जानता है। आप लोगों की सरकार में बाबा साहब के अपमान को अनुसूचित वर्ग भूला नहीं है। समय-समय पर बाबा साहब के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। देश के प्रधानमंत्री जी ने बाबा साहब के पांच स्थानों को पंच तीर्थ बनाकर सम्मान देने का काम किया। साथ ही हमारी पार्टी और सरकार बाबा साहब के जन्मदिन को समरसता दिवस के रूप में मनाने का कार्य कर रही है और संवैधानिक तरीके से सरकार चलाने का कार्य कर रही है।

विपक्ष के एक साथी भगवान राम की सौंगध खाने को बोल रहे थे मैं खाता हूँ। सौगन्ध भगवान राम की समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बाबा साहब का अपमान किया। मैं खाता हूँ सौगन्ध भगवान राम की पिछड़े और दलितों के मसीहा जिन्होने नारी शिक्षा के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, ऐसे महात्मा ज्योतिबाफूले जी का अपमान किया। उनके नाम से बने जनपद ज्योतिबा फूले नगर को परिवर्तित कर दिया। मैं सरकार से पुनः जनपद का नाम ज्योतिबाफूले नगर करने की माँग करता हूँ मैं खाता हूँ सौगन्ध भगवान राम की समाजवादियों की सरकार में राम भक्त कार सेवकों पर गोली चलाने का कार्य किया।

हमारी भाजपा सरकार सबके साथ न्याय कर रही है। आप करते है भेदभाव की राजनीति। जब कि हमारा संकल्प है, सबका साथ सबका विकास।

बेसिक शिक्षा की बात कर रहे थे। आपकी सरकार में बेसिक शिक्षा को मजाक बना कर रख दिया था। गरीबों के बच्चों को अपमानित करने का कार्य किया है। हमारी सरकार में बेसिक शिक्षा परिवर्तन की ओर अग्रसर है। निरंतर सुधार हो रहे हैं। पढ़ लिखकर बच्चे आगे बढ़ रहे है। माध्यमिक शिक्षा में नया परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं माँग करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र धनौरा के विकास खण्ड धनौरा के खादर में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना की जाय।

चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। सपा सरकार में सीएचसी व सरकारी हॉस्पिटल एफआईआर दर्ज कराने के लिए मेडिकल रिपोर्ट बनाने का काम करते थे। लेकिन आज अस्पतालों में सरकार आधुनिक चिकित्सा उपलब्ध करा रही हैं। मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं माँग करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र का गजरौला नगर राष्ट्रीय राजमार्ग व राज्य राजमार्ग पर स्थित है जिसमें लगभग 2 दर्जन औद्योगिक इकाइयां है। यहां पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती है। मैं गजरौला में ट्रामा सेंटर बनाने की माँग करता हूँ।

पर्यटन के क्षेत्र में मा0 योगी जी के नेतृत्व में क्रांतिकारी परिवर्तन आये है। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र के तिगरी धाम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने, श्रद्धालुओं के लिए पक्के घाट निर्माण की माँग करता हूँ। साथ ही अमरोहा गजरौला विकास प्राधिकरण बनाने की माँग करता हूँ जिससे क्षेत्र का विकास हो सके।

मा0 अध्यक्ष जी, मोदी जी व योगी जी का संकल्प है सभी का हृदय जीतना,
होकर स्वतंत्र मैंने कब चाहा है कर लू जग को गुलाम,
मैंने तो सदा, सिखाया करना अपने मन को गुलाम
गोपाल राम के नामों पर कब मैने अत्याचार किये
कब दुनिया को हिन्दू करने घर-घर में नरसंहार किये
कब बतलाए काबुल में जाकर कितनी मस्जिद तोड़ी
भू-भाग नहीं, शत शत मानव के हृदय जीतने का विश्चय
हिन्दु तन-मन, हिन्दु जीवन रग रग हिन्दु मेरा परिचय।

धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ व बजट का समर्थन करता हूँ।

जय अम्बेडकर, जय श्री राम
सधन्यवाद।

नत्थी (म)

श्री विशम्भर सिंह यादव-

महोदय, सार्वजनिक निर्माण विभाग के बजट पर कमाल अख्तर द्वारा रखे गये कटौती प्रस्ताव पर अपने को सम्बद्ध करते हुए कहना चाहता हूँ कि-

1-उ0प्र0 में सड़कों की हालत अत्यन्त जर्जर है। मेरे क्षेत्र बबेरू की सड़कें अत्यन्त खराब और जर्जर है। बरसात में सड़कों के उपर पानी बहता है। बबेरू में भीषण जाम की स्थिति रहती है। बबेरू में बाई पास का निर्माण कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

2-कमासिन विकास खण्ड के कमासिन अन्दौरा मार्ग में नहर पुल से बन्थरी माइनर की पटरी पटरी जमरेही नाम तक सड़क निर्माण जनहित में आवश्यक है।

3-विकास खण्ड कमासिन के तेरा ममसी रोड से भदाव तक पक्की सडक के निर्माण कार्य कराया जाय।

4-विकास खण्ड कमासिन के मर्का से मऊ रोड पर मर्का गांव को बस्ती के अन्दर नाले के बने रपटे पर पुल का निर्माण कार्य कराया जाय।

5-विकास खण्ड बबेरू के अधांव से अरमार तक सड़क निर्माण कार्य।

6-विकास खण्ड कमासिन के ग्राम राछा से दलपापुरवा तक सड़क निर्माण कार्य

7-विकास खण्ड कमासिन के रानीपुर से लुक्कन पुरवा तक सड़क निर्माण।

8-विकास खण्ड कमासिन के दुर्गादायी पुरवा से देवस्थान होते हुए बुढौली तक सड़क निर्माण कार्य।

9-विकास खण्ड कमासिन के ग्राम बीरा सेबनकट तक सड़क का निर्माण कार्य।

10-विकास खण्ड बबेरू के ग्राम टोलाकला से बगेहटा तक सड़क का निर्माण।

11-विकास खण्ड कमासिन में कमासिन पन्नाह रोड से नहर पटरी में भैरमबाबा स्थान तक पक्की सडक निर्माण कार्य।

नत्थी (य)

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

महोदय, सादर अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर जनपद गाजीपुर में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

1-जंगीपुर लावा से सुभाखरपुर होते हुए आरीपुर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण अति जर्जर हालत में है।

2-भोजापुर नखतपुर मार्ग हरिहरपुर रोड होते हुए बिरलोरिक इण्टर कालेज होते हुए मरदह/जलालबाद मार्ग तक दूरी 2 कि0मी0।

3-जंगीपुर पारा सम्पर्क मार्ग अरखपुर गांव होते हुए भिखनापुर गांव तक दूरी 2 किमी0।

4-ग्राम बल्लीपुर लालजी यादव के ट्यूबवेल से बल्लीपुर पिच रोड तक।

5-खरगपुर बालरूप के खेत से शंकर मन्दिर राम अलम के घर होते हुए विजय राज राजभर प्रधान के घर तक।

6-ग्राम बबुरीवन प्रेम का पुरा होते हुए इण्टर कालेज से होते हुए पंचायत भवन तक 1 कि0मी0।

7-जरगो पिच रोड से हसनपुरा गांव तक।

8-सुगवलिया रेलवे कासिंग से पटखौलिया गांव तक।

9-कलौरा ग्राम उद्योग रोड से होते हुए माइनर पर पुलिया निर्माण कार्य।

10-ग्राम सुगवलिया प्रा0पा0 से खजुहाबेमुआ तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।

11-ग्राम बघोल में शीजला माता मन्दिर से जीतेन्द्र यादव के पिच रोड तक।

12-ग्राम तियरा सरदरपुर रोड दर्शन चौहान के घर से बबलू लाल के घर तक रोड का निर्माण।

13-सुगवलिया पिच रोड से रमवल नहर तक रोड निर्माण कार्य।

14-ग्राम रमवल सुगवलिया खजुहा मार्ग से खजुहा गांव पोखरा तक।

15-पावर हाउस 132 के0वी0ए0 का ग्राम बोगना में स्थापित किया जाय।

16-33/11 का पावर हाउस बौरी में स्थापित किया जाय।

17-ग्राम कोर बनदेवी मन्दिर के पास पुल बना हुआ है, वन विभाग द्वारा रास्ता नहीं दिया जा रहा है, उसे बनवाया जाय।

अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त कार्य को तत्काल कराये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करे।

नत्थी (र)

श्री राम चौहान

मा0 अध्यक्ष महोदय, लोक निर्माण विभाग में मेरे क्षेत्र-325, खजनी, जनपद गोरखपुर में निम्न कार्यों को कराया जाना नितान्त आवश्यक है। कृपया प्रस्ताव में जोड़ लिया जाय।

1-महदेवा-दुधरा-सेफामार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण।

2-सिकरीगंज बेलघाट लोहरैया मार्ग का चौड़ीकरण व उच्चीकरण।

3-गोरखपुर खजनी सिकरीगंज मार्ग का उच्चीकरण व चौड़ीकरण

4-खजनी से रामपुर का अधूरा कार्य पूरा कराया जाय।

5-हसही से बढ़नी मार्ग।

6-ढेबरा से हाटा मार्ग।

7-बेलघाट से शाहपुर मार्ग।

8-देवरा से बनकटा मार्ग।

9-टिकुलिया राउ से सिसवा मार्ग।

10-सभी क्षतिग्रस्त मार्गों का विशेष मरम्मत कराना।

11-महदेवा हरिहरपुर से माल्हनपार का उच्चीकरण।

12-खजनी में नाली निर्माण।

मा0 अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-325, खजनी, गोरखपुर में नगर विकास से सम्बन्धित निम्न कार्यों को कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

मेरे क्षेत्र में एक भी नगरीय निकाय नहीं है निम्न का प्रस्ताव गया है इन्हें नगर निकाय घोषित किया जाय।

1-बेलघा

2-भादर खास (महदेवा बाजार)

3-सिकरीगंज

4-खजनी

नत्थी (ल)

श्री विनोद चतुर्वेदी-

अध्यक्ष महोदय, बजट के अन्त में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

1-जनपद जालौन में विकास खण्ड कदौरा के अन्तर्गत कदौरा में आई0टी0आई0 का निर्माण कार्य।

2-जनपद जालौन में विकास खण्ड कदौरा के अन्तर्गत कदौरा में रोडवेज बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य।

3-जनपद जालौन में विकास खण्ड कदौरा के अन्तर्गत कदौरा में राजकीय बालिका महाविद्यालय का निर्माण कार्य।

4-जनपद जालौन में विकास खण्ड कदौरा के अन्तर्गत कदौरा-हरचन्द्रपुर रोड से मूसानगर रोड तक मार्ग चौड़ीकरण निर्माण कार्य।

5-जनपद जालौन में विकास खण्ड कुठौन्द के अन्तर्गत कुठौन्द में आई0टी0आई0 का निर्माण कार्य।

6-जनपद जालौन में विकास खण्ड कुठौन्द के अन्तर्गत कुठौन्द में अस्तपाल का निर्माण कार्य।

7-जनपद जालौन में विकास खण्ड कुठौन्द के अन्तर्गत ग्राम हदरूख से ऊद तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य जिससे लगभग 25-30 गाँव लाभान्वित होंगे

8-जनपद जालौन में विकास खण्ड कुठौन्द में करतलापुर से मड़ोरी तक सड़क निर्माण कार्य।

9-जनपद जालौन में विकास खण्ड कुठौन्द के अन्तर्गत छानी अहीर में रमेश प्रजापति के खेत से धमना आश्रम तक पक्का नाला निर्माण कार्य। इसके निर्माण कार्य से लगभग 250 एकड़ से भी अधिक भूमि जो जलमग्न रहती है, उसमें कृषि कार्य सम्भव हो जाएगा।

10-जनपद जालौन में विकास खण्ड महेबा के ग्राम न्यामतपुर मेन रोड पर विश्वकर्मा गेस्ट हाउस से सिम्हारा चौराहा की ओर दोनों तरफ नाला निर्माण कार्य।

11-जनपद जालौन में विकास खण्ड जालौन के अन्तर्गत जालौन बाबई मार्ग पर सूरजपुरा बिरहरा-पनहरा होते हुए नगरी तक सड़क निर्माण कार्य।

12-जनपद जालौन कालपी नगर के अन्तर्गत रोडवेज बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य।

13-जनपद जालौन के कालपी नगर के अन्तर्गत मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य।

14-जनपद-जालौन के कालपी नगर के अन्तर्गत कालपी में यमुना नदी पर क्षतिग्रस्त पड़े घाटों का निर्माण कार्य।

15-जनपद-जालौन में कालपी नगर के अन्तर्गत कालपी में अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य।

16-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के अन्तर्गत विकास खण्ड जालौन के ग्राम सहाव में अंजनी कुमार दीक्षित पुत्र राजाराम दीक्षित की जगह पर नलकूप लगवाये जाने का कार्य।

उत्तर प्रदेश के बजट में नई योजनाओं के लिए अत्यंत अपर्याप्त धनराशि जुटायी गई है जो यह दर्शाता है कि बजट और राज्य की अर्थव्यवस्था कुप्रबंधन का शिकार हुई है तो कुल प्राप्तियाँ 7,21,333 करोड़ दर्शाई गई है जबकि कुल प्राप्तियों में से राजस्व प्राप्तियाँ 1,14,53,142 करोड़ रुपये की राशि दिखाई गई है। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 4,88,902,84 करोड़ रुपये हैं इनमें से स्वयं का कर राजस्व 2,70086 करोड़ दिखाया गया है जो यह बताता है कि राज्य सरकार का अपना राजस्व निरन्तर रूप से घट रहा है और उसे केंद्रीय करों में अपने अंश और ब्याज पैसे रक़म लेकर ख़र्च की पूर्ति करनी पड़ रही है। केंद्रीय करों में राज्य का अंश दो लाख 18 हज़ार रुपये हैं।

विद्यार्थियों के लिए यूनीफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता मोजा, स्टेशनरी को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को बन्द कर दिया गया है। जो वैकल्पिक व्यवस्था की गई है, उसके सम्बन्ध में शिकायतें मिलना शुरू हो गई है और इस ओर सरकार का ध्यान अपेक्षित है राज्य सरकार ने गन्ने के मूल्य में जो वृद्धि की है वह पूरी तरह से अपर्याप्त है जो बताता है और किसान आन्दोलन के बावजूद इस निष्ठुर सरकार से किसान अपनी माँगें नहीं मनवा पाए हैं।

राज्य सरकार अपने बजट में दावा किया है कि पिछले साल अप्रैल से दिसम्बर के बीच जिला मुख्यालय पर 24 घण्टे, तहसील मुख्यालय पर एक घण्टे 34 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घण्टे विद्युत आपूर्ति की गई है। ये आंकड़े पूरी तरह से सत्य से परे हैं। पता नहीं सरकार को ये आंकड़े कहां से प्राप्त हुए हैं। हालात ये हैं कि जिला मुख्यालय पर मुश्किल से 17-18 घण्टे, तहसील स्तर पर 15 घण्टे और ग्रामीण क्षेत्रों में 12-17 घण्टे बिजली आपूर्ति की जा रही है जिससे आने वाले उद्योगों पर विपरीत असर पड़ रहा है और आम आदमी परेशान है

राज्य सरकार हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार, सुदृढ़ीकरण और इन कार्यों के लिए भूमि क्रय में भारी धनराशि खर्च कर रही है और राज्य सरकार ने अकेले अयोध्या एअरपोर्ट के लिए तीन बार बजट का प्रावधान किया है। इसी प्रकार जेवर अन्तर्राष्ट्रीय एअरपोर्ट के लिए विभिन्न अवसरों पर पर्याप्त धन का आवंटन किया गया है इस बजट में ही 1150 करोड़ रुपये की धनराशि जेवर एअरपार्ट के लिये आवंटित की गई है। मेरा सुझाव है कि राज्य सरकार को

हवाई अड्डों पर अन्धाधुन्ध खर्चा करने के बजाय नई सड़कों के निर्माण एवं वर्तमान सड़कों के चौड़ीकरण पर ध्यान देना चाहिए।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में विकास प्राधिकरण कि स्थापना स्वागत योग्य क़दम है लेकिन सरकार बुन्देलखण्ड के परम्परागत उद्योगों की अनदेखी कर रही है।

बुन्देलखण्ड के कालपी में कागज उद्योग और रानीपुर में टेरिकोट वस्त्रों के निर्माण की ओर ध्यान न दिये जाने से ये उद्योग मर रहे हैं। मेरी सरकार से अपील है कि इन उद्योगों के पुनर्जीवन के लिए समुचित कार्रवाई की जाए।

नत्थी (व)

श्री मोहन वर्मा-

महोदय,

अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-234, हाटा, जनपद कुशीनगर में निम्नलिखित को जोड़ दिया जाय :-

1-मेरे विधान सभा क्षेत्र हाटा जनपद कुशीनगर के मोतीचक ब्लाक के पट्टन गाँव में प्र्याप्त मात्रा में खेल विभाग के नाम पर जमीन है, जिस पर स्टेडियम का निर्माण कराये जाने से हजारों की तदाद में युवा लाभान्वित होंगे और उनके सपनों को पंख लगेगा।

2-आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र हाटा जनपद कुशीनगर के दलित बाहुल्य गांवों में जहाँ अनसूचित जाति और जनजाति की आबादी 25% से ज्याद है उनके सुविधाओं के दृष्टिगत सामुदायिक भवन का निर्माण कराये जाने से उनको काफी सहुलियत मिलेगी, जिससे समाज को मुख्य धारा में जोड़ने का एक सार्थक प्रयास होगा।

3-मेरे विधान सभा क्षेत्र हाटा के ग्राम सभाओं में शहीद हुए सेना के जवानों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर प्रवेश द्वार (गेट) तथा गावों का विकास, सौन्दर्यीकरण आदि कराया जाए।

नत्थी (श)

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

महोदय, निम्नलिखित विषय को कार्यवाही में जोड़ दिया जाय।

गुरू कैसा राम जैसा, शिष्य कैसा राम जैसा,

और किसी ने रावण के कान में जाकर पूछ लिया शत्रु कैसा राम जैसा

प्रभू ने आकर सम्बन्धों को एक अनुबन्ध दिया

जिस रिश्ते की जो मर्यादा उसको वही प्रबन्ध दिया

पर भाता है प्रभु को जो वो करके हमें दिखाना था

क्योंकि राम को थोड़ा सा हमको भी राम बनाना था

प्रमुख मांगे-

1-राष्ट्रीय राजमार्ग 731 उसरा बाजार से तेजी बाजार बरई पार मछली शहर राष्ट्रीय राजमार्ग 31 दो नेशनल हाई-वे को जोड़ने का मुख्य मार्ग है जिसकी लम्बाई लगभग 20 किलोमीटर है।

2-स्टेट हाई-वे 7 प्रयागराज गोरखपुर मार्ग से बटाउवीर मई नौपेड़वा होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 731 को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है जिसमें 5 किलोमीटर का चौड़ीकरण हो गया है शेष 9 किलोमीटर चौड़ीकरण होना अति आवश्यक है।

3-सिंगरामऊ से गौरा माफी प्रतापगढ़ जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है जिसकी लम्बाई 6 किलोमीटर है इसके बन जाने से जौनपुर से प्रतापगढ़ की दूरी 20 किलोमीटर कम हो जाएगी।

4-राष्ट्रीय राजमार्ग 731 मिश्रौली से रतासी इमलिया घाट प्रतापगढ़ सुल्तानपुर होते हुए लखनऊ बलिया मार्ग को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग होगा इसकी लम्बाई लगभग 25 किलोमीटर।

5-गोमती नदी पर गजेन्द्रपुर में पुल का निर्माण।

6-पीली नदी पर रारी अगरौरा के मध्य पुल का निर्माण।

7-महराजगंज को नगर पंचायत।

नत्थी (ष)

श्री अनिल प्रधान-

मान्यवर, आपको सानुरोध अवगत कराना है कि जनपद-चित्रकूट जिला अस्पताल से हजारों मरीज रिफर होकर प्रयागराज स्वरूपरानी एवं अन्य अस्पतालों में जाते हैं जिसके चित्रकूट में खोह रेलवे क्रांसिंग जिस पर रेलवे पुल का निर्माण हो रहा था किन्तु आधा कार्य हुआ होगा 3 साल से कार्य बन्द है जिससे जाम लगता है और जसरा प्रयागराज में भी हमेशा जाम रहता है। इन दोनों जगहों पर जाम लगने पर 2 घण्टे का समय खराब होता है जिससे मरीज समय से प्रयागराज अस्पताल नहीं पहुँच पाते हैं। इन दोनों जगहों पर जाम लगने एवं रेलवे ब्रिज न होने के कारण हजारों लोगों की मृत्यु समय से अस्पताल न पहुँचने के कारण हो रही है।

अतः मा0 अध्यक्ष जी आपसे निवेदन है कि खोह चित्रकूट में अर्द्ध निर्मित रेलवे ब्रिज को पूरा करने एवं जसरा प्रयागराज में रेलवे ब्रिज निर्माण हेतु मा0 लोक निर्माण मंत्री का ध्यान आकर्षित कराने का कष्ट करें। आपने सदन में कहा भी है कि लिखकर दे दें। उक्त विषय को कार्यवाही में जोड़ दिया जाय।

पी0एस0यू0पी0-एल0-55 विधान सभा (76)-08-07-2024-25 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।